वार्षिक रिपोर्ट

2021-2022

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

17–बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली–110 016 (भारत)

वार्षिक रिपोर्ट 2021-22

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

17–बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली–110016

©राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (150 प्रतियाँ), 2022
(भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अंतर्गत घोषित)

संकाय समन्वयक : डा. सांत्वना जी मिश्रा

कुलसचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), 17–बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित तथा मैसर्स विबा प्रेस प्रा. लि., ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–II, नई दिल्ली–110 020, नवंबर 2022 में 150 प्रतियां डिजाईन एवं मुद्रित।

विषय–सूची

अध्याय		
1.	विहंगावलोकन	01
2.	अध्यापन और व्यावसायिक विकास कार्यक्रम	29
3.	अनुसंधान	49
4.	पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं	75
5.	कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं	85
6.	प्रकाशन	93
7.	नीपा में सहायता अनुदान योजना	97
8.	प्रशासन और वित्त	101
अनुलग्नक		
I.	संकाय का अकादमिक योगदान	107
परिशिष्ट		
I.	प्रबंधन बोर्ड के सदस्य	219
II.	वित्त समिति के सदस्य	221
III.	अकादमिक परिषद के सदस्य	222
IV.	अध्ययन बोर्ड के सदस्य	225
V.	योजना और निरीक्षण बोर्ड के सदस्य	227
VI.	संकाय और प्रशासनिक स्टाफ	229
VII.	वार्षिक लेखा	233
लेखापरीक्षा रिपोर्ट		271

1 विहंगावलोकन

विहंगावलोकन

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर अपने महत्वपूर्ण और व्यापक शैक्षणिक कार्यकलापों के माध्यम से देश के शिक्षा संस्थानों के नेटवर्क में एक अद्वितीय स्थान रखता है।

इसकी स्थापना प्रारम्भिक रूप से फरवरी 1962 में यूनेस्को तथा भारत सरकार के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अंतर्गत शैक्षिक योजनाकारों, प्रशासकों तथा पर्यवेक्षकों के लिये एशिया क्षेत्रीय केंद्र के रूप से हुई थी। इस केंद्र का मुख्य कार्य एशिया के शैक्षिक योजनाकारों, प्रशासकों तथा पर्यवेक्षकों के लिये शैक्षिक योजना, प्रशासन संस्थान पर्यवेक्षण से संबंधित समस्याओं पर अनुसंधान तथा अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन तथा सदस्य राज्यों को संबंधित तकनीकी सहायता प्रदान करना था। 1 अप्रैल 1965 से शैक्षिक योजनाकारों, प्रशासकों तथा पर्यवेक्षकों के लिये एशिया क्षेत्रीय केंद्र का नाम बदलकर एशिया शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान कर दिया गया। यूनेस्को तथा भारत सरकार के बीच दस वर्षीय समझौते की समाप्ति के पश्चात, इस एशिया संस्थान को भारत सरकार द्वारा अधिग्रहित कर लिया गया और तत्पश्चात 1970 में शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के लिये राष्ट्रीय स्टाफ कालेज के रूप में इसकी स्थापना की गई। पुनः इस कालेज का पुनर्गठन किया गया और 31 मई 1979 को इसका विस्तार करते हुये इसको राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) के रूप में पुनः पंजीकृत किया गया।

शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रशासन के क्षेत्र में किये गये महत्वपूर्ण कार्यों को देखते हुये नीपा को वर्ष 2006 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अंतर्गत इसे 'मानित विश्वविद्यालय' का दर्जा प्राप्त हुआ जिसके अंतर्गत इसे डिग्री प्रदान करने की शक्तियाँ प्रदान की गई और नाम परिवर्तन के बाद इसे राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) कहा जाने लगा। इसे आगे राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के नाम से भी संबोधित किया जायेगा। अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों की तरह यह भी पूर्णतः भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है।

दिनांक 30.11.2017 की अधिसूचना संख्या फा.सं. न्यूपा/प्रशासनिक/आरओ/परिपत्र/030/2017 के माध्यम से **राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा)** का नाम पुनः परिवर्तन कर **राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा)** (मानित विश्वविद्यालय) के रूप में कर दिया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिनांक 10 नवंबर 2017 और 29 नवंबर 2017 के संप्रेषित पत्र सं. एफ. 5–1/2017(सी.पी.पी.–1/डी.यू.) द्वारा भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में 'विश्वविद्यालय' शब्द के स्थान पर 'संस्थान' शब्द रख दिया गया है।

नीपा की दृष्टि और उद्देश्य

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान का मुख्य उद्देश्य 'ज्ञान के प्रोन्नयन से एक मानवीय अधिगम समाज का निर्माण करना है'। इस दृष्टिकोण के अंतर्गत, संस्थान का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में उच्चस्तरीय शिक्षण, अनुसंधान तथा क्षमता निर्माण को प्रोत्साहन देते हुए शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में सेवायें प्रदान करना है।

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान का मुख्य उद्देश्य 'ज्ञान के प्रोन्नयन से एक मानवीय अधिगम समाज का निर्माण करना है'। इस दृष्टिकोण के अंतर्गत, संस्थान का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में उच्चस्तरीय शिक्षण, अनुसंधान तथा क्षमता निर्माण को प्रोत्साहन देते हुए शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में सेवायें प्रदान करना है।

राष्ट्रीय संस्थान के मुख्य कार्यनीतिक उद्देश्य निम्नांकित हैं :

- शैक्षिक क्षेत्र के विकास लक्ष्यों तथा उद्देश्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने हेतु प्रभावी नीतियों, योजनाओं तथा कार्यक्रमों के निर्माण और क्रियान्वयन हेतु राष्ट्रीय तथा संघ शासित क्षेत्रों के स्तर पर सांस्थानिक क्षमता का सुदृढ़ीकरण तथा स्कूल, समुदाय, जिला, राज्य/संघ प्रदेशों तथा राष्ट्रीय स्तर पर एक त्वरित, सहभागिता और जवाबदेह शैक्षिक अभिशासन तथा प्रबंधन प्रणाली का संस्थानीकरण करना।
- शैक्षिक सुधारों का अनुसमर्थन करना और शिक्षा क्षेत्र के लिए विकास कार्यक्रमों की प्रभावी योजनाओं की रूपरेखा, कार्यान्वयन और अनुश्रवण को बढ़ावा देने के प्रयोजन से अपेक्षित ज्ञान और कौशलों से सुसज्जित शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन के क्षेत्र में युवा पेशेवरों और शिक्षाविदों सहित विशेषीकृत मानव संसाधनों के समूह का विस्तार करना;
- शैक्षिक क्षेत्र में उभरती तथा वर्तमान चुनौतियों का सामना करने हेतु तथ्य आधारित जवाबदेही एवं प्रभावी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन को बढ़ावा देने हेतु शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रशासन एवं संबंधित विषयों के ज्ञान आधार में वृद्धि करना;
- शैक्षणिक क्षेत्र के विकास लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु प्रभावी शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन व्यवहार एवं बेहतर शैक्षिक नीतियों के क्रियान्वयन हेतु शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन एवं अनुसंधान परिणामों, नवाचारों तथा सर्वोत्तम व्यवहार समेत सूचना तथा ज्ञान की साझेदारी एवं पहुंच में सुधार करना;
- शैक्षिक नीति निर्माण, शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन व्यवहार/तकनीक शिक्षा के सभी चरणों एवं व्यवस्थाओं को मूर्त्त रूप में लाने हेतु अंतरशास्त्रीय जिज्ञासाओं को प्रोत्साहन देना, शैक्षिक योजना प्रक्रियाओं, अभिशासन तथा प्रबंधन में सुधार हेतु रणनीतिक उपागम तथा शैक्षिक कार्यक्रमों का अनुश्रवण एवं मुल्याकंन; अंतरशास्त्रीय जिज्ञासाओं में नेतृत्वकारी भूमिका जो शैक्षिक नीति–निर्माण तथा देश में शैक्षिक योजना तथा प्रशासन व्यवहार का निर्माण करती है।

मुख्य कार्य

अपने उद्देश्य को पूरा करने हेतु राष्ट्रीय संस्थान निम्नांकित मुख्य कार्यों में संलग्न है :

- शिक्षा के सभी चरणों में शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रबंधन में नेतृत्वकारी भूमिका प्रदान करना;
- सर्वोत्तम प्रशिक्षित शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के कैडर के गठन हेतु प्री–डॉक्टोरल, डॉक्टोरल तथा पोस्ट डॉक्टोरल कार्यक्रमों और व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों सहित अध्यापन के विकसित अंतरशास्त्रीय कार्यक्रमों का विकास तथा आयोजन और साथ में शैक्षिक नीतियों योजनाओं तथा कार्यक्रमों की रूपरेखा, क्रियान्वयन, अनुश्रवण हेतु सतत् सांस्थानिक क्षमताओं का निर्माण करना;
- शैक्षिक लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु अनुसंधान एजेंडा तथा वचनबद्धता को स्वरूप देना, क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिये आवश्यक समर्थन हेतु नये ज्ञान का सृजन तथा तथ्य आधारित नीति निर्माण और बेहतर शैक्षिक योजना और प्रबंधन व्यवहार/तकनीक का प्रयोग करना;
- केंद्रीय तथा राज्य सरकारों को तथा राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय संस्थानों को उनकी शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन से संबंधित क्षमता निर्माण तथा अनुसंधान आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु तकनीकी समर्थन प्रदान करना और उन्हें शैक्षिक नीतियों, योजनाओं तथा कार्यक्रमों की रूपरेखा, अनुश्रवण तथा मूल्यांकन में सुधार हेतु सहायता प्रदान करना;
- शैक्षिक क्षेत्र में विकास कार्यक्रमों के मूल्यांकन तथा निर्माण हेतु राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों को परामर्शी सेवायें प्रदान करना;
- शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान तथा नित नए ज्ञान के सृजन हेतु सूचना तथा विचारों के समाशोधन गृह के रूप में कार्य करना, शैक्षिक नीतियों, योजना तथा प्रशासन में विशेष रूप से, विचारों/अनुभवों के आदान–प्रदान तथा नीति–निर्माताओं, शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के बीच नीतिगत चर्चा हेतु विचार मंच प्रदान करना, प्रभावी नीतियों तथा शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में तकनीक/व्यवहार को शिक्षा क्षेत्र संबंधी चुनौतियों का सामना करने हेतु चिह्नित करना तथा शैक्षिक क्षेत्र संबंधी विकास लक्ष्यों/उद्देश्यों को प्राप्त करना;
- शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में सुधार हेतु संयुक्त प्रयासों/कार्यक्रमों तथा अनुसंधान अध्ययनों को प्रोत्साहन देने के लिए संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था के अंतर्गत कार्यक्रमों, निधि एवं एजेंसियों समेत राष्ट्रीय

तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थानों एवं संगठनों के साथ नेटवर्किंग तथा सहयोग करना;

- शैक्षिक क्षेत्र के विकास में उभरती हुई प्रवृत्तियों का मूल्यांकन तथा विश्लेषण करना, शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में उभरती हुई चुनौतियों की पहचान तथा शैक्षिक क्षेत्र के विकास लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु उपयुक्त नीति निर्माण तथा कार्यक्रम हस्तक्षेप से लक्ष्यों को सुगम बनाना और शैक्षिक क्षेत्र के विकास लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्रगति का मूल्यांकन करना।

राष्ट्रीय संस्थान उपरोक्त कार्यों को राज्य तथा संघ शासित प्रदेश एवं केंद्रीय स्तर पर सरकारों तथा संस्थानों के साथ निकटतम संपर्क तथा सहयोग के माध्यम से आयोजित करते हैं। उच्च स्तरीय शिक्षा के साथ राष्ट्रीय संस्थान कार्यक्रम क्रियान्वयन तथा मूल्यांकन एवं शैक्षिक व्यवस्था की योजना तथा प्रबंधन से संबंधित मुद्दों को उजागर करता है। संस्थान का एक मुख्य पहलू जमीनी स्तर पर राष्ट्रीय संस्थान का संबंध द्वि–रूप कार्य प्रणाली है। संस्थान अपने ज्ञान आधार में वृद्धि वास्तविकता क्षेत्र में अनुसंधान तथा क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं के साथ स्कूल, कालेज, राज्य तथा केंद्रीय सरकार के विभिन्न स्तरों पर विभागों के साथ संपर्क द्वारा करता रहा है। राष्ट्रीय संस्थान के रूप में, यह राज्यों/संघशासित प्रदेशों की शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन संबंधी क्षमता निर्माण को पूर्ण करने हेतु संसाधन व्यक्तियों को प्रशिक्षण, राज्य सरकारों तथा राज्य संस्थानों के साथ निकटवर्ती संपर्क बनाना, उनकी शैक्षिक व्यवस्था का समालोचनात्मक अध्ययन करना, नीतियों तथा कार्यक्रमों एवं उन्हें व्यावसायिक परामर्श तथा तकनीकी समर्थन हेतु प्रयासरत रहता है। संस्थान अपने ऐसे कार्यक्रमों द्वारा शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन के क्षेत्र में एक थिंक टैंक (प्रसार केन्द्र) बना हुआ है। संस्थान अपने अधिकांश क्षमता निर्माण के कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी विशेषज्ञता, अनुभव और अन्तर्दृष्टि जमीनी स्तर के शैक्षिक कार्यकर्त्ताओं को हस्तान्तरित कर रहा है। इस प्रकार से नीपा की इस दोहरी भूमिका ने अपने अध्यापन तथा अनुसंधान के अकादमिक कार्यों को व्यापक प्रामाणिकता प्रदान की है।

अकादमिक ढांचा तथा समर्थन सेवाएं

नीपा के अकादमिक ढांचे में विभाग, केंद्र, विशेष पीठ हैं जो शिक्षा के विशिष्ट पक्षों तथा तकनीकी समर्थन एकक/समूह तथा अकादमिक समर्थन प्रणाली अपने संबंधित विषयगत क्षेत्रों से जुड़ी विकास तथा क्रियान्वयनकारी गतिविधियों के प्रति उत्तरदायी हैं। नीपा के संकाय में प्रोफेसर, सह–प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर तथा राष्ट्रीय अध्येता सम्मिलित हैं जो शिक्षा नीति, योजना तथा प्रशासन के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखते हैं। प्रत्येक विभाग अंतरशास्त्रीय विषयों के आधार पर संयोजित है और वे ज्ञान, विद्वता तथा अन्य अध्ययन कार्यक्रमों और अनुसंधान क्षेत्रों के माध्यम से सामान्यतः शिक्षा, और विशेष रूप से शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रबंधन में विशेष तौर पर संसाधन प्रदान करते हैं। प्रत्येक विभाग के पास अनुसंधान/परियोजना सहायकों तथा अनुसचिवीय कर्मचारियों के अतिरिक्त विषय विशेषज्ञ के रूप में संकाय सदस्य हैं। अकादमिक विभाग का अध्यक्ष प्रोफेसर होता है। विभाग विभिन्न प्रशिक्षण तथा अनुसंधान कार्यक्रमों के निष्पादन और विकास तथा उनको प्रदान किये गये क्षेत्रों में परामर्श तथा सलाहकारी सेवाएं प्रदान करने के लिए जिम्मेदार होते हैं। समीक्षाधीन वर्ष के अंतर्गत, संस्थान के अकादमिक कार्यक्रमों का आयोजन आठ अकादमिक विभागों तथा विशेष पीठ स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक, परियोजना प्रबंधक एकक, भारत–अफ्रीका शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (आई.ए.आई.ई.पी.ए.) तथा दो केंद्रों द्वारा किया गया जिन्हें अकादमिक तथा प्रशासनिक सेवा एककों द्वारा अनुसमर्थन प्रदान किया गया।

अकादमिक संगठन

विभाग

- शैक्षिक योजना
- शैक्षिक प्रशासन
- शैक्षिक वित्त
- शैक्षिक नीति
- विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा
- उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा
- शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली
- शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास

केन्द्र

- राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र
- उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केन्द्र
- राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केन्द्र

एकक

- स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक
- परियोजना प्रबंधक एकक
- अन्तरराष्ट्रीय सहयोग एकक

समर्थन सेवाएं

- पुस्तकालय तथा प्रलेखन केन्द्र
- कंप्यूटर केन्द्र
- प्रकाशन एकक
- डिजीटल अभिलेखागार
- प्रशिक्षण कक्ष
- हिंदी कक्ष

पीठ

- मौलाना अबुल कलाम आज़ाद पीठ

अकादमिक विभाग

शैक्षिक योजना विभाग

शैक्षिक योजना विभाग (डीईपी), नीपा के मौलिक प्रभागों में से एक है जिसका मुख्य ध्येय भारत में मानव विकास की उन्नति में योगदान के साथ साक्ष्य आधारित शैक्षिक योजनाओं को बढ़ावा देना है। शैक्षिक विकास के परिणामों के प्रबंधन के लिए विकेंद्रीकृत योजनाओं की दिशा में बदलाव के साथ, देश में शैक्षिक योजनाओं को समझने और सुधारने हेतु जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर संस्थागत योजनाओं के आगतों, प्रक्रियाओं, उत्पादों और परिणामों का अध्ययन करता है।

गरीबी को कम करने और स्थायी विकास को बढ़ावा देने के लिए एक साधन के रूप में शिक्षा पर दबाव के साथ न केवल शैक्षिक योजना का दायरा समष्टि स्तर पर रणनीतिक योजना के संस्थानीकरण को कवर करना है बल्कि विकेन्द्रीकरण को बढ़ावा देने और शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए स्कूल मैपिंग, सूक्ष्म नियोजन और स्कूल सुधार योजना के रूप में स्थानीय स्तर की योजना तकनीकों का प्रयोग करना भी है। स्कूली शिक्षा में रणनीतिक योजना और उच्च शिक्षा में संस्थागत योजना के क्षेत्रव्यापी दृष्टिकोण को बढ़ावा देना शैक्षिक योजना विभाग के अन्य प्रमुख अधिदेश हैं।

शिक्षण, अनुसंधान और प्रशिक्षण, इत्यादि, शैक्षिक योजना विभाग के मुख्य कार्य हैं। शिक्षा में समानता, समावेशन, शिक्षण परिणामों की गुणवत्ता, वित्तपोषण और जवाबदेही से संबंधित मुद्दों के समाधान, शिक्षा में रणनीतिक कार्यक्रम योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए ज्ञान और कौशल का सृजन और प्रसार तथा शिक्षा वितरण में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग शैक्षिक योजना विभाग के प्रमुख क्षेत्र हैं।

तदनुसार, विभाग विभिन्न उप–राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निकायों को शैक्षिक योजना से संबंधित कई पाठ्यक्रमों का संचालन के अलावा संस्थान के अनुसंधान और लंबी अवधि की क्षमता विकास कार्यक्रमों में क्षमता विकास कार्यक्रमों का आयोजन एवं संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान और व्यावसायिक सहायता और परामर्शकारी सहयोग भी प्रदान करता है।

उल्लेखनीय है कि अकादमिक वर्ष 2021–22 में कोविड–19 महामारी के कारण विभागों की गतिविधियां गंभीर रूप से प्रभावित हुई और संस्थान के भी कई विभागाध्यक्षों सहित शैक्षिक योजना विभाग के कई संकाय सदस्य कोविड–19 संक्रमण और संबंधित चिकित्सा आपात स्थिति के कारण अस्पताल में भर्ती थे।

शैक्षिक प्रशासन विभाग

शैक्षिक प्रशासन विभाग नीपा के प्रमुख एवं विषयगत विभागों में से एक है जिसका मुख्य उद्देश्य प्रशासन और प्रबंधन एवं शिक्षा के सभी स्तरों में विविध आयामों अनुसंधान, अध्ययन, प्रशिक्षण तथा परामर्शकारी सेवाओं में सक्रिय रूप से बौद्धिक और अकादमिक संलग्नता है। विभाग का एक मुख्य शैक्षिक क्षेत्र सरोकार एक समृद्ध ज्ञान आधार का विकास करना और शैक्षिक प्रशासन तथा प्रबंधन के विविध आयामों पर शैक्षिक प्रशासकों तथा शोधार्थियों को एक मजबूत पेशेवर अनुसमर्थन का निर्माण करना है। अपने लक्ष्य के अनुसार शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर मजबूत डाटा बेस का निर्माण किया है। विभाग उच्च और तकनीकी शिक्षा संस्थानों में अकादमिक प्रशासकों सहित शैक्षिक प्रशासन के विभिन्न स्तरों पर शामिल व्यवसायियों के लिए शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन में बड़े पैमाने पर परियोजनाओं और अनुसंधान अध्ययन और कार्यशालाओं और क्षमता विकास कार्यक्रम भी चलाता है। शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा हाल के वर्षों में विभाग ने दो प्रमुख क्षेत्रों में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शैक्षिक प्रशासन पर बड़े पैमाने पर सूचना डेटा बेस का निर्माण शामिल है, जो तीसरे अखिल भारतीय शैक्षिक प्रशासन सर्वेक्षण पर प्रमुख शोध परियोजना के माध्यम से एकत्र किया है। साथ ही शैक्षिक प्रशासन में नवाचार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार योजना और जिला एवं ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर राज्य स्तरीय सम्मेलन के आयोजन के

साथ कई दूरगामी और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किये। विभाग एम.फिल/पीएचडी में शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन और संबंधित विषयगत क्षेत्रों पर पाठ्यक्रम के अलावा शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम; और अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है।

पांचवां पुरस्कार प्रस्तुति समारोह, दो साल के पुरस्कारों (2018–2019 और 2019–2020) पर कार्यक्रम, नीपा द्वारा 10 फरवरी, 2022 को दोपहर 3.00 बजे आयोजित किया गया। माननीय केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष सरकार द्वारा देश के 29 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के चयनित जिला और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों को राष्ट्रीय पुरस्कार या प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष सरकार द्वारा वर्ष 2018–2019 और 2019–2020 के लिए नवाचारों और नवोन्मेष के संग्रह और पुरस्कार विजेताओं के प्रोफाइल के दो खंडों का भी विमोचन किया।

विभाग ने आभासी माध्यम से 19–21 जनवरी 2022 तक विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व पर एक कार्यशाला सह अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में राज्यों और संघ क्षेत्रों के विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के लगभग 76 वरिष्ठ स्तर के अकादमिक प्रशासकों और अकादमिक नेतृत्व ने भाग लिया।

रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, भोपाल से प्राप्त अनुरोध के आधार पर एम.एड छात्रों के लिए पांच दिवसीय ऑनलाइन इंटर्नशिप का आयोजन किया गया। इस ऑनलाइन इंटर्नशिप में 54 छात्रों ने भाग लिया।

27 मई 2021 को एक आधे दिवसीय वेबिनार शिक्षा के भविष्य पर यूनेस्को मसौदा रिपोर्ट पर चर्चा करने और यूनेस्को को जानकारी प्रदान करने हेतु वेबिनार का आयोजन यूनेस्को, पेरिस और इसके दिल्ली कार्यालय के सहयोग से किया गया। नीपा संकाय सदस्यों ने चर्चा और मसौदा रिपोर्ट के विभिन्न पहलुओं पर बहुमूल्य जानकारी प्रदान करने हेतु में सक्रिय रूप से भाग लिया और जानकारी वाले समेकित दस्तावेज़ को यूनेस्को के साथ साझा किया।

शैक्षिक वित्त विभाग

इस विभाग का दोहरा उद्देश्य शिक्षा के सभी स्तरों– राष्ट्रीय, प्रादेशिक तथा विश्व स्तर पर आर्थिक तथा वित्तीय पक्ष पर अनुसंधान करना तथा उसे प्रोत्साहित करना है तथा विकासशील देशों और भारत में शिक्षा क्षेत्र की वित्तीय योजनाओं तथा प्रबंधन से जुड़े कर्मियों के क्षमता निर्माण और ज्ञान का सृजन करना है। विभाग के कार्यक्रम/गतिविधियां– अनुसंधान, अध्यापन, प्रशिक्षण तथा परामर्श हैं जो नीति, योजना तथा विकास, शिक्षा के सार्वजनिक तथा निजी वित्त पोषण, सरकारी तथा निजी संसाधनों की लामबंदी, शिक्षा के सभी स्तरों पर संसाधनों का आवंटन तथा उपयोग, प्राथमिक से उच्च, तथा संसाधन आवश्यकताओं के आकलन से जुड़े मुद्दों के इर्द–गिर्द केंद्रित हैं। अधिकांशतः शोध के क्षेत्र शिक्षा के वित्त पोषण, कार्यक्रम और नीतिगत मुद्दों से संबंधित हैं। परामर्शकारी सेवाएँ नीतिगत मुद्दों पर केंद्रित हैं। अध्यापन के विषय में शिक्षा का अर्थशास्त्र और शैक्षिक वित्त पोषण से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रम के विषय योजना तकनीक और प्रबंधन प्रणाली पर आधारित हैं।

शैक्षिक नीति विभाग

शैक्षिक नीति विभाग शैक्षिक अभिशासन और प्रबंधन में वर्तमान समस्याओं के समाधान के लिए शैक्षिक नीति का अध्ययन, शैक्षिक समस्याओं का मूल्यांकन और विश्लेषण, नीति तथा व्यवहारों का मार्गदर्शन तथा परिणामों को समझने के लिए प्रतिबद्ध है। चूँकि अपने मिशन में यह प्रतिबद्ध है, शैक्षिक क्षेत्र में प्रासंगिता और गुणवत्ता, समता, पहुँच जैसे अवरोधकों के प्रति ज्ञान के वर्धन में इसलिए यह विभाग समय–समय पर विभिन्न नीतिगत मुद्दों पर हितधारकों, व्यवहारकर्त्ताओं तथा भारत में शैक्षिक व्यवस्था को प्रमाणित करने वाली जननीति मुद्दों पर चर्चाएं आयोजित करता है। उपरोक्त मुद्दों के साथ शैक्षिक अनुसंधान और शैक्षिक नीति के बीच शैक्षिक संस्थानों में अध्ययन अधिगम और प्रदर्शन के बेहतर लिंकेज को स्थापित करने हेतु यह विभाग अनुसंधान पर बल देता है। अनुसंधान का उद्देश्य केवल शैक्षिक प्रतिभास की जटिलताओं को दर्शाना ही नहीं होता। बल्कि कार्रवाई के लिए संस्तुतियों प्रदान करना भी होता है। समाज में वर्तमान परिवर्तनों और शिक्षा पर इसके

प्रभाव को देखते हुए, विभाग समय–समय पर हितधारकों द्वारा आवश्यक कार्रवाई के लिए गुंज–यंत्र के रूप में कार्य करता है। विभाग योजनाकारों प्रशासकों, क्रियान्वयनकर्त्ताओं तथा विद्वानों के लिए प्रशिक्षण भी प्रदान करता है जिससे कि वे वर्तमान ढांचे, प्रक्रियाओं और भारत में संगठित शिक्षा के सांस्कृतिक संदर्भों पर प्रभावी और नैतिकता से कार्य कर सकें।

विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग

विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग व्यापक रूप से अधिकार–आधारित और समेकित ढांचे के अंतर्गत समग्र स्कूल शिक्षा, अनौपचारिक और प्रौढ़ साक्षरता से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर विशेष बल देता है। यह विभाग बचपन की देखभाल और प्रारंभिक शिक्षा सहित स्कूली शिक्षा के पूरे क्षेत्र को उजागर करना है। इसके अलावा, विभाग के प्रमुख कार्यों में स्कूली शिक्षा, प्रारंभिक बचपन की देखभाल, शिक्षक, अध्यापक प्रशिक्षण आदि क्षेत्रों में केन्द्र और राज्य सरकारों, अन्तरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय संस्थाओं के लिए अनुसंधान और विकास, शिक्षण, प्रशिक्षण और परामर्शी सेवाएं प्रदान करना है।

विभाग भारत में शैक्षिक विकास को सुधारात्मक और विकसित आधार प्रदान करने के लिए प्रारंभिक बचपन की देखभाल, शिक्षक और शिक्षक प्रशिक्षण तथा स्कूली शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में शोध अध्ययन करता है। राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर के अधिकारियों के लिये कार्यशालाएं और क्षमता विकास के कार्यक्रम आयोजित करता है। यह विभाग स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में सह–क्रियात्मक संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के साथ अनुभव और विशेष क्षमताओं को साझा करता है। इसके अतिरिक्त, योजना और नीतियों के क्रियान्वयन और निर्माण के लिए यह केंद्र तथा राज्य सरकारों को समर्थन और सलाहकारी सेवाएं प्रदान करता है।

यह विभाग संस्थान का एक मुख्य और सबसे पुराना विभाग होने के नाते, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986), कार्यक्रमों का कार्यान्वयन (1992), शिक्षा का अधिकार अधिनियम (2009) और सभी के लिए शिक्षा (स.लि.शि.) के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है। वर्ष 2007–2011 के दौरान, शैक्षिक पहुंच, पारगमन और समानता पर अनुसंधान के लिए सह–संघ के हिस्से के रूप में विभाग ने (www.create-rpc.org) के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। एक अन्य बड़ी परियोजना जो भारत में अखिल भारतीय शिक्षा पर मध्य–दशक का आकलन जिसमें प्रारम्भिक बचपन की देखभाल और सबके लिए शिक्षा (ईएफए) पर छह लक्ष्यों में से प्रत्येक के लिए राज्य–समीक्षा, प्राथमिक शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा और जीवन कौशल, वयस्क साक्षरता और लैंगिक समानता और कई विषयगत अध्ययन पर एक राष्ट्रीय रिपोर्ट तैयार की गई है। यह विभाग, सर्व शिक्षा अभियान, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान और केंद्र प्रायोजित शिक्षक शिक्षा (सीएसटीई) और समग्र शिक्षा के लिए नीतिगत सिफारिशों में भी योगदान दे रहा है।

हाल के वर्षों में, मानव संसाधन और विकास मंत्रालय के तत्वावधान में, विभाग ने भारत में स्कूली शिक्षा में सुधार के लिए दो राष्ट्रीय कार्यक्रमों 'स्कूल मानक और मूल्यांकन (शाला सिद्धि) और स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम' को संस्थागत बनाने का समर्थन किया। इसने अवधारणा, सामग्री विकास और दोनों कार्यक्रमों को सही दृष्टिकोण से लागू करने के लिए 'राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र' और 'स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक' की स्थापना करने की सुविधा प्रदान की।

शैक्षिक परिणामों के इस युग में, शिक्षा की गुणवत्ता, प्रदर्शन में सुधार और स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर प्रभावशीलता की मांग में वृद्धि और नीतिगत विचार–विमर्श के केंद्र के रूप में जारी है। सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए जीवन की गुणवत्ता में सुधार और नींव के रूप में शिक्षा की गुणवत्ता को स्वीकारते हुए, विभाग का लक्ष्य है कि स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता, स्कूल प्रभावशीलता और साक्ष्य आधारित सुधार, शिक्षक प्रबंधन और विकास को दीर्घकालिक लक्ष्य के सूचकांक में शामिल करता है। विभाग ने नीपा परिप्रेक्ष्य योजना (2020–2030), राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 और एनईपी 2020: कार्यान्वयन रणनीतियों को अपने फोकस क्षेत्रों में संरेखित किया है।

विभाग के प्रमुख केंद्रीय क्षेत्रः शिक्षा के लिए अधिकार–आधारित और समावेशी दृष्टिकोण, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा, स्कूल की रूपरेखा, गुणवत्ता और सुधार, मानक–सेटिंग और स्कूल प्रदर्शन

प्रबंधन, व्यावसायिक मानक, शिक्षक प्रबंधन, प्रभावशीलता और विकास, शिक्षक शिक्षा का अभिशासन और प्रबंधन स्कूल नेतृत्व और कोविड–19 के दौरान शिक्षा और स्कूल सुरक्षा।

उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग

यह विभाग उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में नीति, योजना तथा प्रबंधन के क्षेत्र में कार्य करता है। यह शिक्षा की गुणवत्ता, अभिशासन, वित्त, निजीकरण एवं अंतर्राष्ट्रीयकरण के मुद्दों पर अनुसंधान को बढ़ावा देता है। यह उच्च और व्यावसायिक शिक्षा की योजना और प्रबंधन में संस्थागत प्रमुखों और वरिष्ठ विश्वविद्यालय और राज्य के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं संचालित करता है। विभाग उच्च और व्यावसायिक शिक्षा की नीतिगत योजनाओं और कार्यान्वयन एजेंसियों को तकनीकी और पेशेवर परामर्श प्रदान करने के साथ ही मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार को लगातार अनुसंधान सहायता और नीतिगत सलाह प्रदान करता रहा है। विभाग में डब्ल्यूटीओ सेल ने अनुरोधों का विश्लेषण करने और गैट्स के तहत भारत के प्रस्तावों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विभाग ने उच्च शिक्षा में अंतर्राष्ट्रीयकरण के विभिन्न आयामों का अध्ययन किया और उस पर चर्चा और प्रसार करने के लिए सेमिनार आयोजित किए। यह विभाग उच्चतर शिक्षा के लिये विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं को अंतिम रूप देने में सहयोग करता रहा है। यह विभाग विशेषज्ञों, विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, संकायाध्यक्षों और कुलसचिवों के सम्मेलन और संगोष्ठियों के आयोजन में यू.जी.सी. का सहयोग करता रहा है। इस विभाग ने कार्य निष्पादन आधारित उच्चतर शिक्षा पर विश्व सम्मेलन आयोजित करने हेतु यूनेस्को क्षेत्रीय सम्मेलन के आयोजन और भारतीय उच्चतर शिक्षा में कार्य निष्पादन आधारित वित्त पोषण पर योजना आयोग – विश्व बैंक प्रायोजित संगोष्ठी के आयोजन में भी सहयोग किया है। वार्षिक कार्यक्रमों के अंतर्गत यह विभाग विभिन्न श्रेणियों के कॉलेज प्राचार्यों के लिये नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। विभाग विश्वविद्यालयों तथा कालेजों को उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच के विभिन्न आयामों तथा अकादमिक सुधार पर संगोष्ठियां आयोजित करने में अकादमिक समर्थन प्रदान करता है। विभाग शैक्षणिक कार्यक्रम– एम.फिल. तथा पी–एच.डी. कार्यक्रमों के शोधार्थियों और दो डिप्लोमा प्रोग्राम नामतः इंटरनेशनल डिप्लोमा इन एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (आईडेपा) और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (पीजीडेपा) का अतिरिक्त शोधनिर्देशन कर रहा है। विभाग एम.फिल., पीएच.डी., आईडीईपीए और पीजीडीईपीए कार्यक्रमों के शोधार्थियों का उनके शोध प्रबंधों पर पर्यवेक्षण करता रहा है।

विभाग के सदस्य उच्च शिक्षा के कई महत्वपूर्ण और सार्थक पहलुओं पर लगातार शोध कर रहे हैं जैसे 'महाविद्यालयों में स्व–वित्तपोषित पाठ्यक्रम', ' भारत में विदेशी शिक्षा प्रदाता', 'छोड़े गए युवाओं के लिए उच्च शिक्षा के विकल्प और अभिनव रूप', 'विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शिक्षकों की गतिशीलता', 'भारतीय विश्वविद्यालयों में विदेशी छात्र', 'भारत में निजी विश्वविद्यालय', 'दक्षिण एशिया में रोजगार के लिए कौशल', 'उच्च शिक्षा में स्वायत्तता', 'बिहार और अन्य राज्यों में उच्च शिक्षा का अभिशासन', 'भारतीय स्नातक महाविद्यालयों में पुस्तकालय सुविधाएं और छात्रों के अकादमिक प्रदर्शन पर इसका प्रभाव', 'यूजीसी छात्रवृत्ति मूल्यांकन', 'यूजीसी यात्रा अनुदान का मूल्यांकन' और 'कोविड–19 और उच्च शिक्षा' और उच्च शिक्षा में नेतृत्व।

शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास विभाग

विभाग शैक्षिक प्रशासकों की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान केंद्रित करता है। कार्यक्रम इंडक्शन और प्रमोशन स्तर पर प्रशिक्षुओं की जरूरतों के आधार पर तैयार किए गए हैं। यह प्रशिक्षुओं को देश और विश्व स्तर पर चल रहे शैक्षिक सुधारों के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और नीतियों को स्पष्ट करने में मदद करता है। इसको प्राप्त करने के लिए विभाग दो डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित करता है एक राष्ट्रीय और दूसरा अंतरराष्ट्रीय शिक्षा कर्मियों के लिए। राष्ट्रीय स्तर पर एक मॉड्यूलर पाठ्यक्रम – शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (2014 में नाम बदलकर पीजीडीईपीए) और अंतरराष्ट्रीय

स्तर पर शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडीईपीए) सालाना आयोजित किया जाता है। इसके अलावा, विभाग 2016 से विशेष रूप से मध्य स्तर के शैक्षिक प्रशासकों अर्थात् शैक्षिक प्रशासकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीईए) के लिए सालाना एक महीने का अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम भी आयोजित करता है। हाल के वर्षों में कोविड महामारी के कारण आईडेपा और आईपीईए कार्यक्रम आयोजित नहीं किए जा सके।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा)

संस्थान शैक्षिक योजना और प्रशासन में डिप्लोमा (डेपा) के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है जिसे 1982–83 से भारत के विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) के लिए पूर्व–प्रेरण पाठ्यक्रम के रूप में डिजाइन किया गया है। हालांकि, वर्ष 2014–15 से, कार्यक्रम ने अपनी प्रकृति और मूलभूत पाठ्यसामग्री में परिवर्तन करके इसे शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) के रूप में उन्नत किया गया था। इस कार्यक्रम को फिर से परिकल्पित करना कार्यक्रम प्रतिभागियों की बदली हुई प्रोफाइल और उन विभागों की आवश्यकताएं भी हैं जिनका वे प्रतिनिधित्व करते हैं जैसे राज्य सरकारों के विभिन्न शैक्षिक विभागों, शिक्षा निदेशालय, एस.सी.ई.आर.टी., सीमेट, डाईट, डी.ई.ओ./बी.ई.ओ., आदि। पीजीडेपा पाठ्यक्रम को डिजाइन करते समय यह सुनिश्चित करना था कि प्रतिभागियों को तीन माह की अवधि के लिए ही नीपा में आवास करना है और बाकी वे अपने काम के कार्य स्थल पर सीखते हैं। तदनुसार, इसे एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के रूप में परिकल्पित किया गया है। हालांकि, कई शिक्षा विभागों की दीर्घ अवधि के कार्यक्रम के लिए अपने अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की कठिनाई को ध्यान में रखते हुए, पीजीडेपा योजना इस तरह से बनाई गई है कि पाठ्यक्रम का आमने–सामने और आवासीय हिस्सा तीन महीने से अधिक न हो।. इसमें प्रतिभागियों के कार्यस्थल पर प्रारंभिक चरण, नीपा में आमने–सामने, कार्य स्थल पर परियोजना चरण, मुक्त और दूरस्थ अधिगम प्रणाली के माध्यम से उन्नत पाठ्यक्रमों का संचालन और नीपा में सेमिनार–सह–कार्यशाला माध्यम में परियोजना कार्य की प्रस्तुति शामिल है। .

देश में व्यावसायिक रूप से प्रशिक्षित शैक्षिक प्रशासकों का एक संवर्ग बनाने के लिए एक वर्षीय पीजीडेपा पाठ्यक्रम एक दीर्घ अवधि का गहन पाठ्यक्रम है: (1) प्रतिभागियों को शैक्षिक योजना और प्रबंधन की मूलभूत अवधारणाओं से परिचित कराना; (2) शैक्षिक प्रशासन में बेहतर निर्णय के लिए प्रतिभागियों में योजना और प्रबंधन कौशल विकसित करने में सक्षम बनाना; और (3) शैक्षिक कार्यक्रमों और परियोजनाओं की निगरानी और मूल्यांकन में प्रतिभागियों की क्षमता विकसित करना। अब तक, लगभग 930 प्रतिभागियों को डेपा या पीजीडेपा प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया है।

विभाग की अनुसंधान परियोजनाएं (प्रगति में)

विभाग भारत एवं विकासशील देशों के शैक्षिक प्रशासकों की भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए क्षमता और व्यावसायिक विकास अध्ययन आयोजित करता है। इस संबंध में विभाग उपरोक्त क्षेत्रों में अनुसंधान कर और अपने निष्कर्षों और सुझावों के व्यापक प्रसार के लिए रिपोर्ट प्रकाशित करता रहा है। वर्तमान में विभाग क्षमता विकास अनुसंधान में पहले ही दो रिपोर्ट प्रकाशित कर चुका है और दो अन्य अध्ययन रिपोर्ट प्रगति पर हैं, वे इस प्रकार हैं:

जारी अनुसंधान अध्ययनः

प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान करने के लिए शैक्षिक प्रशासकों के वर्तमान की तुलना में भविष्यपरक कार्यों एवं भूमिकाओं की समलोचनात्मक जाँच करने हेतु गहन अध्ययन, प्रो. बी.के. पांडा और डा. मोना सेदवाल

प्रथम शोध अध्ययन रिपोर्टः भविष्य की प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान के लिए शैक्षिक प्रशासकों की भूमिका और कार्यों पर एक अध्ययन – अध्ययन पूर्ण हुआ।

दूसरी शोध अध्ययन रिपोर्टः शैक्षिक प्रशासकों का क्षमता विकास– अफ्रीका से शैक्षिक प्रशासकों का अध्ययन, रिपोर्ट लेखन अंतिम चरण में है

तीसरी शोध अध्ययन रिपोर्ट: व्यावसायिक विकास पर जिला शैक्षिक प्रशासकों की अवधारणा– आंकड़ा संग्रह प्रगति पर है

चौथी शोध अध्ययन रिपोर्ट: ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों का क्षमता विकास – नवंबर 2022 से शुरू होगा

उपरोक्त शोध अध्ययनों से संबंधित जिला स्तरीय शैक्षिक प्रशासकों के साथ आयोजित कार्यशालाएं:

1. 26 मई, 2021– गूगल मीट माध्यम से, पुडुचेरी के जिला स्तरीय शैक्षिक प्रशासकों के साथ एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें बारह शैक्षिक प्रशासकों ने भाग लिया।

2. 15 नवम्बर, 2021– गूगल मीट माध्यम से, महाराष्ट्र के जिला स्तरीय शैक्षिक प्रशासकों के साथ एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें अठारह शैक्षिक प्रशासकों ने भाग लिया।

3. 18 नवंबर, 2021 – जूम मीट के माध्यम से, असम के जिला स्तरीय शैक्षिक प्रशासकों के साथ एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें पंद्रह शैक्षिक प्रशासकों ने भाग लिया।

शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग

शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग शोध और क्षमता विकास संबंधित कार्यों के साथ–साथ भारत सहित विश्व के विभिन्न देशों की शिक्षा का आंकड़ा आधारित प्रबंधन सूचना प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए तकनीकी परामर्श भी देता है। यह विभाग भारत में प्रारंभिक शिक्षा की प्रबंधन सूचना प्रणाली (एम आई एस) और आंकड़ा आधार को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय और यूनीसेफ के सहयोग से जिला शिक्षा सूचना प्रणाली (डाइस) का प्रबंधन करता है। इसके अलावा यह विभाग शैक्षिक सांख्यिकी के मुद्दों और शिक्षा के समकालीन मुद्दों पर सम्मेलन/संगोष्ठियां और शैक्षिक योजना में मात्रात्मक विधियों पर कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है और सांख्यिकी तथा शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली पर परामर्श प्रदान करता है। विभाग के संकाय सदस्य मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्कूल शिक्षा सांख्यिकी की एकीकृत प्रणाली के निर्माण हेतु गठित विशेषज्ञ समिति में सक्रिय रूप से शामिल हैं। तद्नुसार स्कूल शिक्षा सांख्यिकी की एकीकृत प्रणाली की दिशा में वर्ष 2012–13 से देशभर में समान आंकड़ा प्रपत्र में पहले कदम के रूप में डाइस और सेमीस का समेकित आंकड़ा संगृहित किया गया है। वर्ष 2015–16 के दौरान स्कूल शिक्षा प्रदान कर रहे 1.5 मिलियन स्कूलों से आंकड़ा एकत्र किए गए।

इस विभाग द्वारा आयोजित कुछ कार्यक्रमों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं के विषय में एजुसेट द्वारा डाइस पर संवेदनशीलता कार्यक्रम, शैक्षिक शोध में डाइस आंकड़ों का उपयोग और स्कूल शिक्षा सांख्यिकी की एकीकृत प्रणाली आदि शामिल हैं। यह विभाग विकासशील देशों के लिए ईएमआईएस पर सुनियोजित पाठ्यक्रम के साथ–साथ पीजीडेपा के भाग के रूप में शैक्षिक योजना में मात्रात्मक विधि पर पाठ्यक्रम का अध्यापन करता है। विभाग का संकाय ईएमआईएस और स्कूली शिक्षा से संबंधित पक्षों पर भारत सरकार के साथ–साथ राज्य सरकारों को परामर्शकारी सेवाएं प्रदान करता है।

विशेष पीठ

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद पीठ

यह पीठ स्वतंत्र भारत के शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति के पहले मंत्री मौलाना आज़ाद के योगदान को स्मरण करने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 2008 में स्थापित किया गया है। पीठ का मुख्य अनुसंधान क्षेत्र 1950 के दशक के अंतिम वर्षों के दौरान मौलाना आजाद के योगदान की खोज करते हुए एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति के विकास पर अध्ययन करना है। यह पीठ राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर प्रत्येक वर्ष, मौलाना आजाद स्मारक व्याख्यान का आयोजन करता है। यह पीठ मौलाना आज़ाद के दर्शन और वैश्विक विचारों व अन्य संबंधित मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन भी करता है।

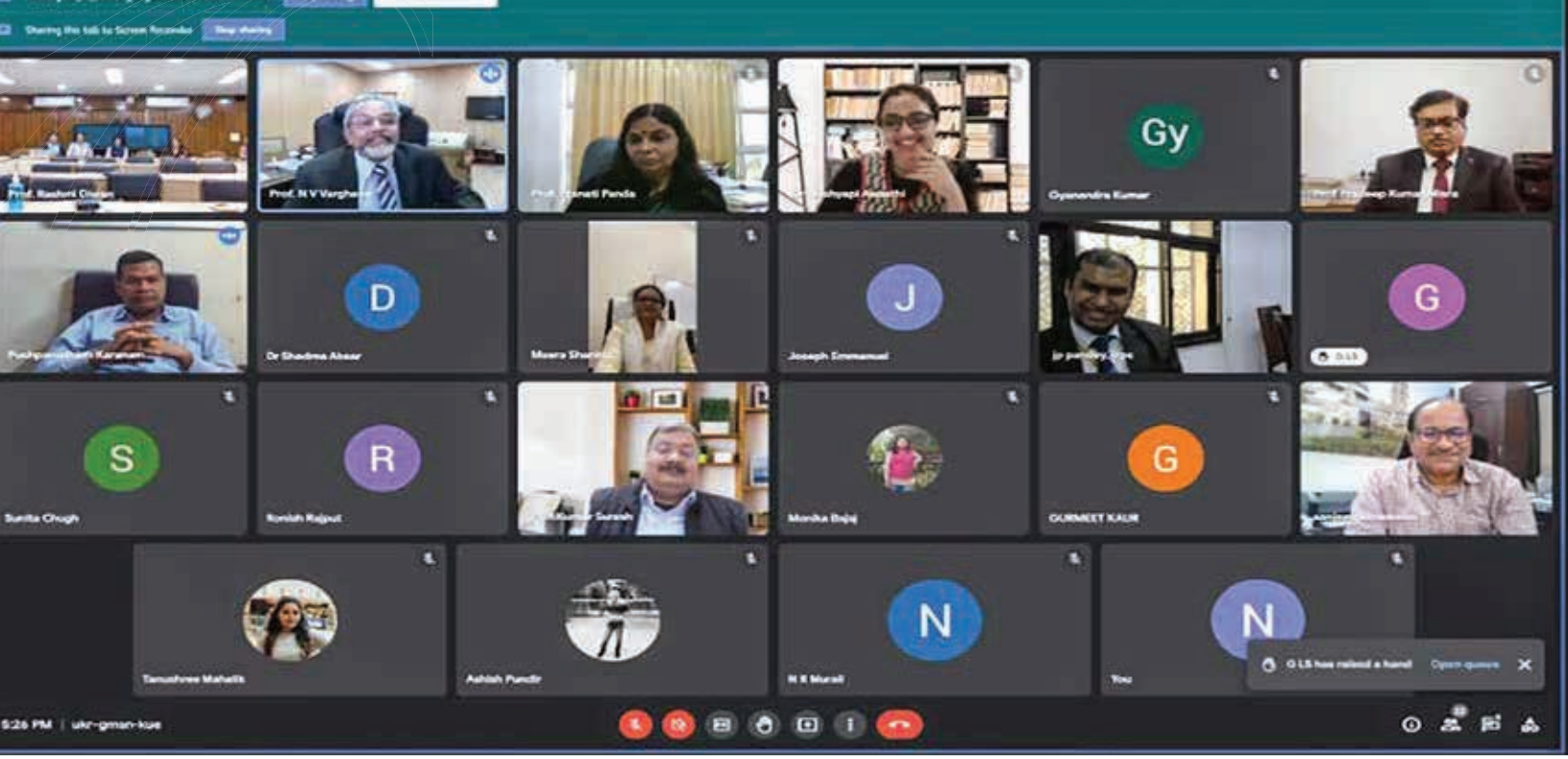

केंद्र

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र

एनसीएसएल–नीपा, वर्ष 2012 में अपनी स्थापना के बाद से, सक्रिय रूप से चार मुख्य गतिविधियों– पाठ्चचर्या एवं सामग्री विकास, क्षमता निर्माण, नेटवर्किंग और संस्थागत निर्माण तथा अनुसंधान और विकास में संलग्न है। अपनी विज़न के अनुरूप, केंद्र यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि 'हर बच्चा सीखे और हर विद्यालय उत्कृष्ट हो'। एनईपी 2020 में नीतिगत प्राथमिकता के रूप में स्कूल नेतृत्व को अच्छी मान्यता दी गई है। स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में सुधार के लिए एनईपी 2020 के जनादेश को स्वीकार करते हुए, एनसीएसएल विभिन्न क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से स्कूल परिवर्तन के लिए स्कूल नेतृत्व विकास में पूरे देश में स्कूल प्राचार्यों का समर्थन कर रहा है। साथ ही, स्कूल नेतृत्व अकादमियों (एसएलए) के माध्यम से राज्य स्तर के पदाधिकारियों के साथ नेटवर्किंग और स्कूल नेतृत्व के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास में संलग्न है। एनसीएसएल–नीपा ने वर्ष 2021–22 में भी स्कूल प्रमुखों की क्षमता निर्माण की इस प्रवृत्ति को जारी रखा है।

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र (सीपीआरएचई)

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र (सीपीआरएचई) (http://cprhe.niepa.ac.in/) की स्थापना राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (नीपा) में एक स्वायत्त विशेष शैक्षणिक केंद्र के रूप में की गई थी ताकि अनुभवजन्य विश्लेषण; एवं भारत में उच्च शिक्षा में नीति और नियोजन का समर्थन और अनुसंधानों को बढ़ावा दिया जा सके। सीपीआरएचई का व्यापक मिशन भारत में शिक्षा के विकास के लिए तैयार की गई नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों के निर्माण के लिए आवश्यक ज्ञान के सृजन, साझा और अनुप्रयोग में योगदान देना है। केंद्र कई अंतर–संबंधित क्षेत्रों में वर्तमान राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर अपने प्रयासों में, उच्च शिक्षा के प्रावधान का विस्तार और सुधार; इक्विटी और समावेश सुनिश्चित करना; गुणवत्ता और प्रासंगिकता में सुधार; और शासन और प्रबंधन में सुधार को केंद्रित करेगा। साथ ही, भारत में उच्च शिक्षा प्रणाली को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सक्षम बनाने के लिए उच्च शिक्षा के सभी पहलुओं में उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है तथा स्थानीय स्तर पर भी यह कार्य करता है। सीपीआरएचई द्वारा प्रस्तावित और शुरू की गई सभी शोध गतिविधियों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, नीपा परिप्रेक्ष्य योजना 2030 और नीपा द्वारा तैयार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 कार्यान्वयन योजना के संदर्भ को ध्यान में रखा गया है।

सीपीआरएचई गतिविधियाँ 2021–22

सीपीआरएचई कार्यक्रम और गतिविधियाँ मुख्य रूप से अनुसंधान विषयों के इर्दगिर्द एकीकृत और केंद्रित हैं जिन्हें केंद्र की परिप्रेक्ष्य योजनाओं में प्राथमिकता दी जाती है। वर्ष 2021–22 के लिए सीपीआरएचई गतिविधियों की योजना जनवरी 2017 में तैयार करके, यूजीसी और एमएचआरडी को सौंपी गई कार्यक्रम रूपरेखा और कार्य योजना के अनुसार निम्न हैं। वर्ष 2021–22 में सीपीआरएचई गतिविधियों में मौजूदा अनुसंधान परियोजनाओं को पूरा करने, राष्ट्रीय संश्लेषण रिपोर्ट और राज्य अनुसंधान रिपोर्ट को अंतिम रूप देने, अनुसंधान के नए क्षेत्रों में शोध गतिविधियों को शुरू करने, कार्यप्रणाली ऑनलाइन कार्यशालाओं और एनईपी–2020 के विषयों सहित वेबिनारों का आयोजन, सीपीआरएचई अनुसंधान पर आधारित कई प्रकाशन प्रकाशित करने पर केन्द्रित था। केंद्र के नियमित प्रकाशन गतिविधियों में इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट (सेज और राऊटलेज द्वारा प्रकाशित), सीपीआरएचई अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनारों पर आधारित संस्करणों का प्रकाशन (स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर द्वारा प्रकाशित), सीपीआरएचई शोध पत्र श्रंखला, सीपीआरएचई अनुसंधान पर आधारित नीति संक्षेप और सीपीआरएचई अनुसंधान रिपोर्ट प्रकाशित की गई। गतिविधियों का विवरण नीचे वर्णित है:

अनुसंधान

अनुभवजन्य अनुसंधान अपने संकाय सदस्यों द्वारा किए गए सीपीआरएचई की सबसे प्रमुख गतिविधि है। सीपीआरएचई ने अनुभवजन्य अध्ययनों के पहले चक्र को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है जिसमें उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और सामाजिक समावेश; भारतीय उच्च शिक्षा में अध्यापन और अधिगम; भारत में उच्च शिक्षा का अभिशासन और प्रबंधन; भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों का वित्तपोषणः धन प्रवाह और उनका उपयोग; संस्थागत स्तर पर बाहरी और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन और उच्च शिक्षा स्नातकों की रोजगार और रोजगारशीलता का अध्ययन से संबंधित विषयों को शामिल किया गया है। बड़े पैमाने पर छह बहु–संस्थागत अध्ययन भारत के 22 राज्यों में स्थित चुनिंदा संस्थानों में लागू किए गए हैं। करीब 36 शोध रिपोर्ट तैयार की जा चुकी हैं।

मा.सं.वि. मंत्रालय/यूजीसी के अनुरोध पर अनुसंधान परियोजनाएं: सीपीएचआरई अनुसंधान अध्ययनों के अलावा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अनुरोध पर अनुसंधान अध्ययन और मूल्यांकन कर रहा है।

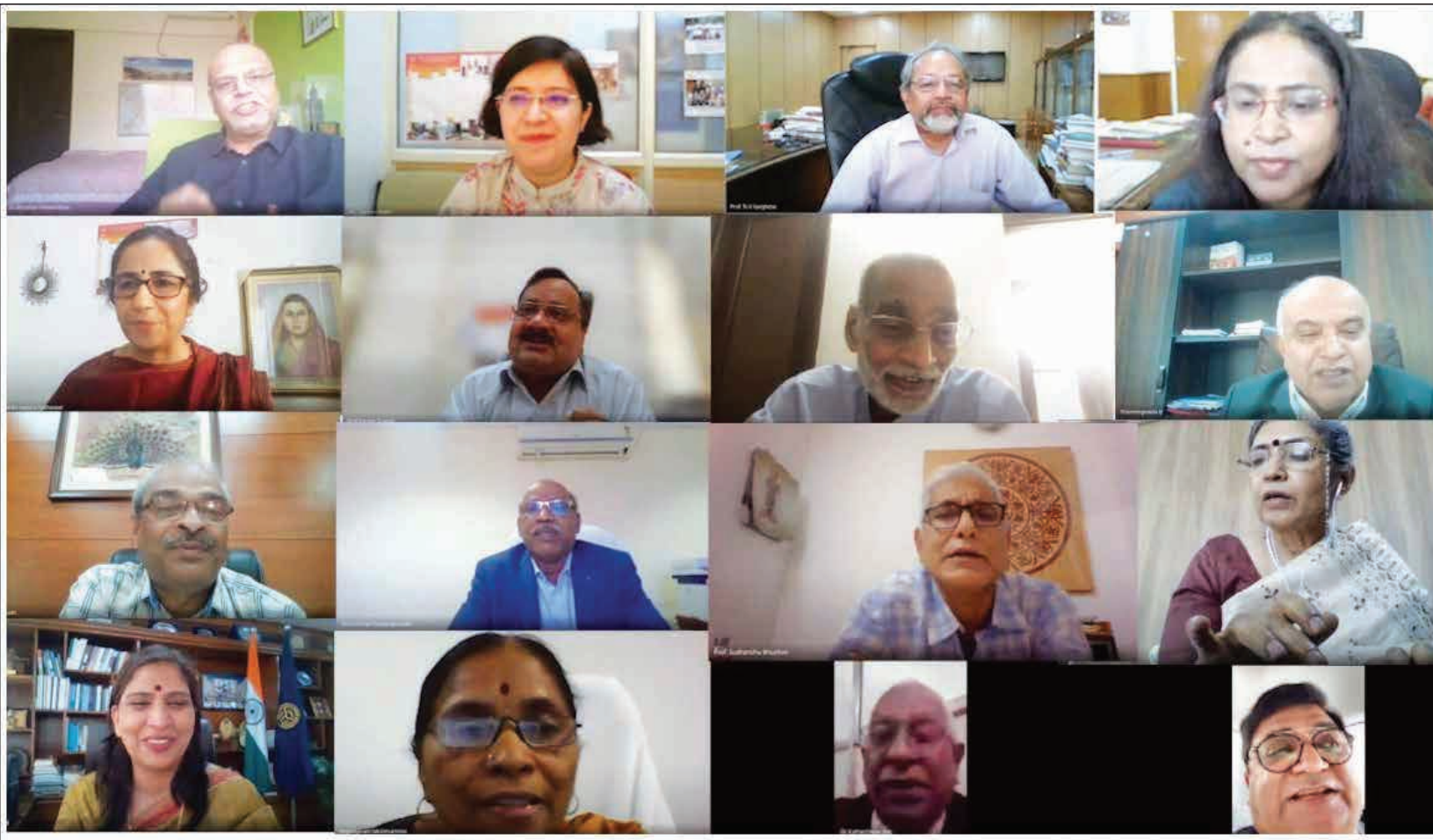

जिसमें 4.8 मिलियन उम्मीदवारों के राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) के परिणामों का विश्लेषण; पीएमएमएमएनएमटीटी योजना के कार्यान्वयन का मूल्यांकन; भारत में विभिन्न क्षेत्रों और राज्यों के बीच उच्च शिक्षा संस्थानों की अधिपूर्ति और एकाग्रता का अध्ययन; 1949 में (मा.सं. वि. मंत्रालय के अनुरोध पर) भारत सरकार द्वारा शुरू की गई राष्ट्रीय अनुसंधान प्रोफेसरशिप (एनआरपी) योजना का मूल्यांकन और यूजीसी के लिए राष्ट्रीय उच्च शिक्षा योग्यता फ्रेमवर्क (एनएचईक्यूएफ) पर अवधारणा नोट तैयार किया। मा.सं.वि. मंत्रालय के अनुरोध पर, सीपीएचआरई ने 'भारत में निजी मानद् विश्वविद्यालयों में शुल्क नियंत्रण' से संबंधित मुद्दों और और विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में अनु. जा./अनु.ज.जा./ओबीसी/अल्पसंख्यकों के लिए यूजीसी कोचिंग योजनाओं का बड़े पैमाने पर मूल्यांकन अध्ययन पूरा किया।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के अनुरोध पर, सीपीआरएचई वर्तमान में उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्र विविधता और सामाजिक समावेश के आयामों पर मॉड्यूल तैयार किए हैं। मॉड्यूल मुख्य रूप से सीपीआरएचई शोध अध्ययन पर आधारित हैं, जिसका शीर्षक 'नागरिक अधिगम और लोकतांत्रिक कार्यों के लिए उच्च शिक्षाः उच्च शिक्षा संस्थानों में विविधता और भेदभाव का अध्ययन' है। मॉड्यूल का उद्देश्य छात्र शिक्षा, शैक्षिक एकीकरण और सामाजिक समावेश से संबंधित मुद्दों पर उच्च शिक्षा में संकाय और प्रशासकों को संवेदनशील बनाना है, जिसमें नागरिक शिक्षा और लोकतांत्रिक जुड़ाव में उच्च शिक्षा की भूमिका विषय शामिल हैं। 7 मॉड्यूल विकसित किए गए और आईसीएसएसआर को प्रस्तुत कर दिये गये हैं:

अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान परियोजनाएं: वर्ष 2021–22 में, सीपीआरएचई ने अंतरराष्ट्रीय सहयोगी परियोजनाओं पर प्रगति की है और संबंधित विषयों पूरी की गई अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाएं हैं:

(i) उच्च शिक्षा में लचीले शिक्षण मार्गों की योजना (आईआईईपी–यूनेस्को, पेरिस के सहयोग से)।

(ii) असमानताएं और उच्च शिक्षाः सार्वजनिक नीतियों और निजी क्षेत्र के विकास के बीच (ईएसपीआई, पेरिस के सहयोग से)।

(iii) सीपीआरएचई ने 2021–22 में वारविक विश्वविद्यालय, यूके के साथ एक सहयोगी अन्तर्राष्ट्रीय परियोजना 'भारत में उच्च शिक्षा तक पहुँचः संस्थागत दृष्टिकोण' पर अध्ययन शुरू किया है।

नए अनुसंधान क्षेत्र: वर्ष 2021–22 में, इसकी कार्यकारी समिति द्वारा अनुमोदित अनुसंधान के दूसरे दौर के लिए सीपीआरएचई अनुसंधान गतिविधियों को निर्धारित करने के लिए निम्नलिखित विषयों पर प्रस्तावों को अंतिम रूप दिया गया है:

i) भारत में उच्च शिक्षा में कॉलेज की तैयारी और छात्र सफलताः वर्ष 2021–2022 में की गई गतिविधियों में पहली विशेषज्ञ समिति की बैठक और उपकरण विकास बैठक का आयोजन। अनुसंधान उपकरणों को अंतिम रूप देने के लिए जनवरी 2022 में एक पायलट अध्ययन भी किया गया।

ii) भाषा और असमानताएंः भारतीय उच्च शिक्षा में भाषाई विविधता और छात्र सफलता का एक अध्ययन

iii) उच्च शिक्षा में नया प्रबंधकीयवादः भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों का बदलता प्रबंधन

iv) तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा का वित्त पोषणः भारत में सार्वजनिक और निजी उच्च शिक्षा संस्थानों का तुलनात्मक अध्ययन

v) भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण अधिगम के साथ डिजिटल प्रौद्योगिकी का एकीकरण

vi) उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों के रूप में शिक्षाविदों का व्यावसायीकरण।

प्रकाशन

अनुसंधान के अलावा, वर्ष 2021–2022 में सीपीआरएचई द्वारा चार नियमित गतिविधियाँ की गईं। इनमें इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट (आईएचईआर) तैयार करना और अंतिम रूप देना, सीपीआरएचई शोध पत्र श्रृंखला का प्रकाशन, सीपीआरएचई नीति संक्षेप विवरण तैयार करना और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन शामिल है।

भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट: सात आईएचईआर पहले ही देश में उच्च शिक्षा के सामने आने वाले मुद्दों और

चुनौतियों से संबंधित विषयों पर प्रकाशित हो चुके हैं, जिनमें समानता, शिक्षण–अधिगम और गुणवत्ता, उच्च शिक्षा के वित्तपोषण, और शासन और प्रबंधन, रोजगार एवं रोजगार योग्यता और निजी उच्च शिक्षा शामिल हैं। वर्ष 2021–22 में, सीपीआरएचई ने ''भारत में उच्च शिक्षा में महिलाएं'' विषय पर भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2022 का अंक भी तैयार किया है जो रूटलेज द्वारा प्रकाशित करने के लिए प्रेस में है। ''भारत में उच्च शिक्षा में अनुसंधान'' विषय आईएचईआर 2023 के अगले अंक की तैयारी प्रगति पर है।

सीपीएचआरई द्वारा आयोजित संगोष्ठियों पर आधारित प्रकाशनः इसके अलावा, सीपीआरएचई का उद्देश्य विभिन्न विषयों पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में प्रस्तुत पत्रों को प्रकाशित करना भी है। स्प्रिंगर नेचर द्वारा ''टीचिंग–लर्निंग एंड न्यू टेक्नोलॉजीज इन हायर एजुकेशन'' पर एक वॉल्यूम पहले ही प्रकाशित किया जा चुका है, और वर्ष 2021–22 में उच्च शिक्षा के वित्तपोषण में नवाचार पर वॉल्यूम स्प्रिंगर नेचर को मुद्रण हेतु भेजा गया था। ''उच्च शिक्षा में अभिशासन और स्वायत्तता'' पर खंड तैयार किया जा रहा है और मुद्रण हेतु भेजा जाना है।

सीपीआरएचई शोध पत्र श्रृंखलाः केंद्र 'सीपीआरएचई शोध पत्र' शीर्षक से एक नियमित श्रृंखला का प्रकाशन करता है। केंद्र पहले ही श्रृंखला के तहत 15 पत्र प्रकाशित कर चुका है। ''भारत में उच्च शिक्षा का भविष्यः व्यापकीकरण से सार्वभौमिकरण तक'' विषय पर आगामी सीपीएचआरई शोध पत्र 16 प्रकाशनाधीन है।

सीपीआरएचई नीति का संक्षिप्त विवरणः सीपीआरएचई अनुसंधान चक्र में, चयनित शोध विषयों पर नीतिगत संक्षिप्त विवरण तैयार करना संस्थागत परिवर्तन के लिए संस्थागत स्तर की निर्णय लेने की प्रक्रिया के साथ अनुसंधान–आधारित जुड़ाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण तंत्र के रूप में माना जाता है। नीति के संक्षिप्त विवरण मुख्य रूप से केंद्र द्वारा पूर्ण किए गए शोध अध्ययनों और अन्य संगठनों द्वारा इसी तरह के अध्ययनों पर आधारित होते हैं। 'नागरिक शिक्षा और लोकतांत्रिक जुड़ाव के लिए उच्च शिक्षाः उच्च शिक्षा संस्थानों में विविधता और सामाजिक समावेशन का एक अध्ययन' पर अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर, सीपीआरएचई ने नीतिगत संक्षिप्त विवरण तैयार किए हैं जिनका शीर्षक हैः सीपीआरएचई नीति संक्षिप्त 1: भारत में उच्चतर शिक्षा तक पहुंच की समानता; सीपीआरएचई नीति संक्षिप्त 2: भारत में उच्च शिक्षा में शैक्षणिक एकीकरण प्राप्त करना; सीपीआएचई नीति संक्षिप्त 3: भारत में सामाजिक रूप से समावेशी उच्च शिक्षा परिसरों का विकास करना। इनका हिंदी में अनुवाद किया गया है और यूजीसी की वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया है।

अनुसंधान रिपोर्टः केंद्र द्वारा पूर्ण किए गए शोध अध्ययनों के आधार पर, सीपीएचआरई शोध रिपोर्ट प्रकाशित करता है। सीपीएचआरई द्वारा 36 शोध रिपोर्ट तैयार की गई हैं जिसमें मा.सं.वि. मंत्रालय और यूजीसी द्वारा अनुरोध पर शोध अध्ययन के लिए रिपोर्ट और अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं के लिए शोध रिपोर्ट और मोनोग्राफ शामिल हैं। वर्ष 2021–22 में सभी सिंथेसिस रिपोर्ट और राज्य अनुसंधान रिपोर्टों को सीपीएचआरई की वेबसाइट पर अपलोड किया गया।

सीपीआरएचई वेबिनार और ऑनलाइन बैठकें: वर्ष 2021–22 में, सीपीआरएचई ने ऑनलाइन बैठकों सहित एनईपी 2020 से संबंधित विषयों पर वेबिनार का आयोजन किया। इनमें भारत में महिलाएं और उच्च शिक्षा विषय पर आईएचईआर (2021) के लेखकों के साथ दो बैठकें शामिल हैं। वर्ष 2021–22 में सीपीआरएचई ने एनईपी–2020 में विषयों से संबंधित तीन वेबिनार 31 अगस्त, 2021 को 'उच्च शिक्षा में ज्ञान बहुलवाद और भाषाई और सांस्कृतिक विविधता' पर वेबिनार; 10 सितंबर, 2021 को 'उच्च शिक्षा में अनुसंधान, नवाचार और रैंकिंग' पर वेबिनार; और एआईयू के सहयोग से 30 नवंबर, 2021 को 'उच्च शिक्षा का वित्तपोषण' पर वेबिनार आयोजित किये।

राज्य उच्च शिक्षा परिषदों की बैठकें: केंद्र ने राज्य उच्च शिक्षा परिषदों (एसएचईसी) के साथ नियमित परामर्श बैठकें भी आयोजित की हैं। वर्ष 2021–2022 में, एसएचईसी की पांचवी बैठक 16 और 17 मार्च, 2022 को बहु विषयक उच्च शिक्षा संस्थान विषय पर आयोजित की गई। बैठक में 11 राज्यों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें राज्य परिषदों के उपाध्यक्ष, महाविद्यालय संबंधी

शिक्षा निदेशालय और राज्यों में उच्च शिक्षा विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी: केंद्र हर साल सीपीएचआरई में खोजे जा रहे अनुसंधान क्षेत्र से संबंधित एक विशिष्ट विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करता है, जिसका उद्देश्य विश्व स्तर पर पहचाने गए विषय पर काम कर रहे शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों को एक साथ लाना है। सीपीआरएचई द्वारा अब तक ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से छह अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किए जा चुके हैं। सीपीआरएचई प्रत्येक संगोष्ठी में एक विषयगत रिपोर्ट लाता है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में होने वाली चर्चाओं से उभरने वाली कार्यवाही और विषयों पर सात सीपीएचआरई संगोष्ठी रिपोर्ट प्रकाशित की गई हैं। वर्ष 2021–2022 में ''उच्च शिक्षा में विविधता, समावेश और छात्र सफलता'' विषय पर सातवां अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रस्तावित थी। कोविड महामारी के दौरान यात्रा प्रतिबंधों के कारण यह अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी स्थगित कर दी गई और अब यह फरवरी 2023 को आयोजित होने वाली है।

एनईपी 2020 पर इग्नू जागरूकता विकास कार्यक्रम में योगदान: सीपीएचआरई संकाय सदस्यों ने 'शिक्षकों की भूमिका', 'शासन और नेतृत्व', और 'सकल नामाकंन अनुपात, पहुँच, समानता और समावेश' के क्षेत्रों में एनईपी 2020 पर इग्नू जागरूकता विकास कार्यक्रम के लिए इकाइयाँ विकसित की हैं। 'श्रेष्ठ अधिगम के लिए अधिगम के माहौल (और शिक्षार्थी सहायता) को सक्षम करना' विषय पर एक वीडियो व्याख्यान भी दिया।

नीति समर्थन

सीपीएचआरई नियमित रूप से मा.सं.वि. मंत्रालय, यूजीसी, नीति आयोग और अन्य उच्चतर शिक्षा नीति निर्माताओं जैसे निर्णय लेने वाले निकायों को नीतिगत दस्तावेज तैयार करने और नीति स्तर की चर्चाओं में भाग लेने के माध्यम से उनके अनुरोध पर अनुसंधान और मूल्यांकन अध्ययन करके नीति समर्थन प्रदान कर रहा है। केंद्र ने एनईपी 2020: कार्यान्वयन रणनीतियाँ में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के लिए नीपा द्वारा विकसित दस्तावेज में योगदान दिया। राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क के विकास पर शिक्षा मंत्रालय की समिति को समर्थन देने के लिए केंद्र नीपा में सचिवालय का सदस्य था। राष्ट्रीय ऋण ढांचे पर राष्ट्रीय समिति की अंतिम रिपोर्ट मई, 2021 में शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत की गई। केंद्र को विभिन्न नीति बैठकों में आमंत्रित और प्रतिनिधित्व किया जाता है।

अतिथि अध्येता/स्कालर्स कार्यक्रम

भारत और विदेशों से अंतरराष्ट्रीय संकाय सदस्यों और शोध विद्वानों को आकर्षित करने और उनकी मेजबानी के उद्देश्य से केंद्र ने तय शर्तों के साथ अतिथि अध्येताओं को आमंत्रित करने का प्रावधान किया है। केन्द्र के पहले विजिटिंग प्रोफेसर विलियम जी. टियरनी थे, जो विश्व स्तर पर उच्च शिक्षा के प्रसिद्ध प्रोफेसर हैं और वर्तमान में उच्च शिक्षा के रॉसियर स्कूल ऑफ एजुकेशन, दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रोफेसर हैं। सीपीआरएचई ने संकाय सदस्यों डा. हेंडरसन, वारविक विश्वविद्यालय और पेरिस 8 विश्वविद्यालय से प्रोफेसर ओडिले की भी मेजबानी की। इसके अलावा, सीपीआरएचई ने 2021–2022 में सेंट स्टीफंस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय से एक इंटर्न की मेजबानी की है। यदि यह कोविड महामारी की स्थिति नहीं होती, तो प्रोफेसर आर्थर लेविन, फुलब्राइट नेहरू प्रतिष्ठित पीठ और अध्यक्ष एमेरिटस, वुडरो विल्सन फाउंडेशन, प्रिंसटन, न्यू जर्सी, यूएसए को वर्ष 2021–22 में सीपीआरएचई में अतिथि प्रोफेसर के रूप में शामिल हुए होते।

एकक

स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक

विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग एक अधिकार–आधारित और समावेशी ढांचे के भीतर स्कूली शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा और वयस्क साक्षरता से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करता है। विभाग प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा सहित स्कूली शिक्षा के पूरे क्षेत्र को कवर करता है। विभाग का प्रमुख कार्यः स्कूल, प्रारंभिक बचपन देखभाल, शिक्षक, शिक्षक शिक्षा सहित पूरे क्षेत्र को कवर करते हुए केंद्र और राज्य सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय एजेंसियों आदि को अनुसंधान और विकास, शिक्षण, प्रशिक्षण और परामर्शी सहायता प्रदान करना है।

विभाग भारत में शिक्षा के विकास और सुधारात्मक कार्यवाही के लिए सार्थक आगत और अनुभवजन्य आधार प्रदान करने के लिए स्कूली शिक्षा क्षेत्र, ईसीसी, शिक्षक और शिक्षक शिक्षा के विविध क्षेत्रों में अनुसंधान अध्ययन करता है। विभाग सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए ज्ञान, दक्षताओं और कौशल को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर के अधिकारियों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रमों कां आयोजन करता है। सहक्रियात्मक संबंध स्थापित करने के लिए यह विभाग स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में उनके अनुभव और विशेषज्ञता को आकर्षित करने हेतु राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग करता है। इसके अलावा, योजनाओं और नीतियों के निर्माण और कार्यान्वयन में राज्य और केंद्र सरकार को सलाहकारी सहायता प्रदान करता है।

संस्थान का एक प्रमुख और सबसे पुराना विभाग होने के नाते, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986), कार्य योजना (1992), शिक्षा का अधिकार अधिनियम (2009) और सभी के लिए शिक्षा (ईएफए) के निर्माण में व्यावसायिक योगदान महत्वपूर्ण है। वर्ष 2007–2011 के दौरान, 'शैक्षणिक पहुंच, संचालन और इक्विटी पर अनुसंधान के लिए मंच' (www.create.rpc.org) के रूप में विभाग ने 'शैक्षिक पहुंच' के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। भारत में सभी के लिए शिक्षा का मध्य दशक का मूल्यांकन पूरा किया और एक राष्ट्रीय रिपोर्ट, कई विषयगत अध्ययन और ईसीसीई पर छह ईएफए लक्ष्यों में से प्रत्येक के लिए राज्य–समीक्षा, प्राथमिक शिक्षा, युवाओं और वयस्कों के लिए अधिगम और जीवन कौशल वयस्क साक्षरता और लैंगिक समानता तैयार की गई हैं। विभाग एसएसए, आरएमएसए और केंद्र प्रायोजित शिक्षक शिक्षा (सीएसटीई) के लिए नीतिगत सिफारिशों में भी योगदान दे रहा है।

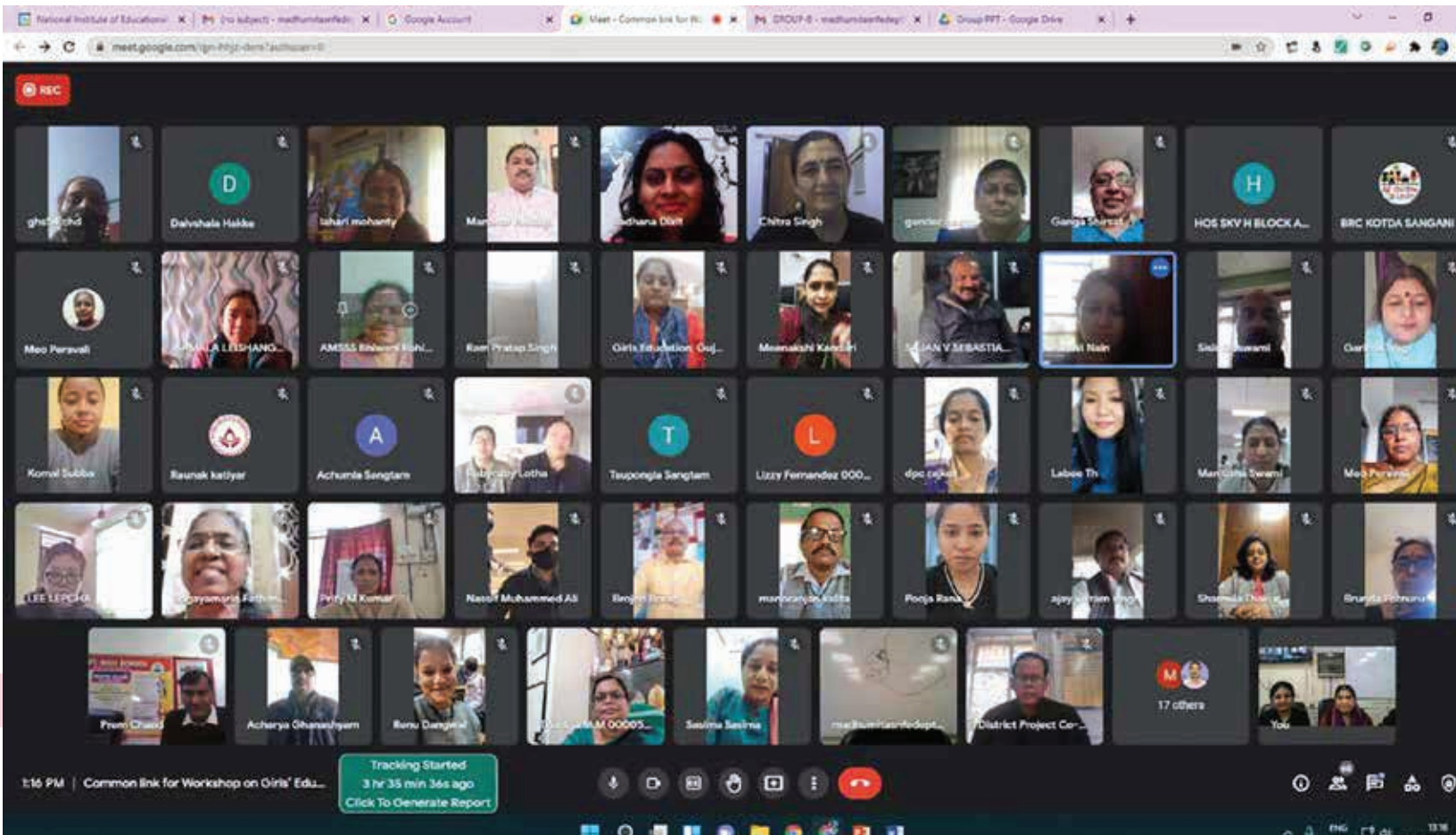

परियोजना प्रबंधन एकक

राष्ट्रीय संस्थान में परियोजना प्रबंधन एकक (पीएमयू) की स्थापना गृह स्तरीय एवं प्रायोजित अनुसंधान के समर्थन और प्रबंधन के उद्देश्य से की गई थी। यह एकक शिक्षा नीति और शैक्षिक योजना एवं प्रशासन (व्यक्तिगत शोध) के क्षेत्र में अध्ययन के लिए नीपा सहायित योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु और अध्ययन, सेमिनार, मूल्यांकन आदि के लिये नीपा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय अनुदान सहायता योजना विभाग के सभी बाह्य वित्त–पोषित और आंतरिक अनुसंधान परियोजनाओं के उचित समन्वय के लिये प्रशासन की एक केन्द्रीकृत प्रणाली के रूप में कार्य करता है।

यह एकक सामान्य रूप से, परियोजना अनुमोदन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिये परियोजना कार्यान्वयन में प्रगति की निगरानी और संबंधित समर्थन सेवाएँ प्रदान करने सहित नीपा में किए गए विभिन्न परियोजनाओं के प्रबंधन के लिये प्रशासनिक सहायता प्रदान करता है। यह सभी मामलों में धन और घरेलू व्यय के लेखा सहित नीपा – परियोजना भर्ती और नियुक्तियों से संबंधित मुद्दों को संबोधित करता है।

पीएमयू विभिन्न परियोजनाओं के लेखांकन, परियोजना स्टाफ की भर्ती, बजट के अलावा संस्थान में चल रहे और पूर्ण अनुसंधान परियोजनाओं से संबंधित सभी कार्य की देखभाल करता है।

पीएमयू एकक में अध्यक्ष, कुलपति द्वारा चयनित किया जाता है। इसके अलावा पांच अन्य अकादमिक तथा समर्थन स्टाफ भी चयनित किये जाते हैं। समर्थन स्टाफ में परियोजना परामर्शदाता, परियोजना प्रबंधक तथा कनिष्ठ परामर्शदाता सम्मिलित हैं।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एकक (यु.आई.सी)

पृष्ठभूमि

भारत की व्यापक उच्चतर शिक्षा प्रणाली और लगभग 1,000 विश्वविद्यालयों एवं 40,000 महाविद्यालयों में प्रतिवर्ष 36 मिलियन से भी अधिक विद्यार्थियों के प्रवेश के साथ नवयुवकों की बढ़ती हुए नामांकन को देखते हुए देश गुणवत्तापरक उच्चतर शिक्षा की आवश्यकता को समझते हुए अपने स्नातक योग्यताधारियों की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए इस क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्रदान करने की भूमिका को आत्मसात् करता है। वस्तुतः अन्तरराष्ट्रीय स्वरूप दिया जाना अर्थात् अन्तरराष्ट्रीयकरण सदैव भारत में उच्चतर शिक्षा विकास का एक महत्वपूर्ण पहलू रहा है क्योंकि यह देश सबसे अधिक अन्तरराष्ट्रीय विद्यार्थियों को भेजने वालों की श्रेणी में दूसरे स्थान पर है। तथापि, भारत में मात्र 46,000 विद्यार्थी ही आते है जिनमें से अधिकांश दक्षिण एशियाई क्षेत्र से हैं। उच्चतर शिक्षा की वैश्विक रैंकिंग में भी भारत पीछे चल रहा है। इस पृष्ठभूमि को देखते हुए, अन्तरराष्ट्रीयकरण का मुद्दा भारत में उच्चतरि शिक्षा पर होने वाले विमर्श में पुनः मुख्य विषय के रूप में उभर रहा है।

भारत की योजना अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए खुद को एक पसंदीदा गंतव्य बनाने और अंततः अंतरराष्ट्रीय शिक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षिक केंद्र के रूप में विकसित करने की है। देश अपने अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार करने का भी इच्छुक है और इसने कई महत्वपूर्ण योजनाएं और कार्यक्रम शुरू किए हैं। स्टडी इन इंडिया प्रोग्राम, स्कीम फॉर प्रमोशन ऑफ एकेडमिक एंड रिसर्च कोलैबोरेशन (SPARC) और ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क्स (GIAN)। कोलंबो योजना और आई

टी ई सी जैसे पुराने कार्यक्रमों ने एक ठोस नींव रखी है जिस पर वर्तमान प्रयासों का निर्माण करना है। भारत में पहले से ही प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठनों, बहुपक्षीय निकायों और द्विपक्षीय एजेंसियों के साथ शैक्षिक सहयोग गतिविधियां हैं। यह उन नेटवर्क विश्वविद्यालयों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है जो पहले ही स्थापित हो चुके हैं या स्थापित होने की प्रक्रिया में हैं।

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) में अन्तरराष्ट्रीय सहयोग एकक (यूआईसी) का सिंहावलोकन

अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सहयोग के क्षेत्र में भारत की नेतृत्व क्षमता को तब महसूस किया जा सकता है जब यह वैश्विक पहलों की योजना और वित्तपोषण दोनों में सक्रिय रूप से संलग्न हो। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में अग्रणी भूमिका निभाने के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए विशिष्ट सहयोग व्यवस्थाओं के संदर्भ का विश्लेषण प्रदान करने के लिए एक तंत्र की आवश्यकता होती है, अनुभवजन्य साक्ष्य की पीढ़ी, दस्तावेजों की तैयारी और एमओई को नियमित प्रतिक्रिया। इसे सुविधाजनक बनाने के लिए एक संस्थागत व्यवस्था की आवश्यकता है और यह नीपा में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग इकाई (यूआईसी) की स्थापना के लिए संदर्भ बनाता है।

यूआईसी के मुख्य कार्य

एकक की समग्र जिम्मेदारी शिक्षा में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से संबंधित मामलों पर अपने अनुसंधान और प्रलेखन, सलाहकार और निगरानी भूमिका के माध्यम से शिक्षा मंत्रालय और अन्य निर्णय लेने वाले निकायों को समर्थन प्रदान करना है। अधिक विशेष रूप से, एकक के निम्नलिखित कार्य हैं:

कार्य

1. शिक्षा के क्षेत्र में भारत और अन्य देशों, द्विपक्षीय और बहुपक्षीय एजेंसियों के बीच अंतरराष्ट्रीय सहयोग में प्रवृत्तियों और पैटर्न का विश्लेषण और दस्तावेज करना।
2. शिक्षा के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्र में बैठकों में आधिकारिक भागीदारी के लिए पृष्ठभूमि दस्तावेज और संक्षिप्त विवरण तैयार करने में मदद करना
3. शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग की अंतर्सरकारी, द्विपक्षीय और बहुपक्षीय एजेंसियों के साथ भारत की नेटवर्क गतिविधियों का समन्वय और सुदृढ़ीकरण करना।
4. शिक्षा मंत्रालय द्वारा अनुरोध किए जा सकने वाले सहयोग के कार्यक्रमों के डिजाइन, कार्यान्वयन और निगरानी में मदद करना।
5. प्रत्येक वर्ष शिक्षा मंत्रालय द्वारा की जाने वाली अंतर्राष्ट्रीय सहयोग गतिविधियों पर एक रिपोर्ट तैयार करना।

यूआईसी में एक सलाहकार, चार उप सलाहकार, एक कनिष्ठ परियोजना सलाहकार और एक कंप्यूटर सहायक है। सलाहकार इकाई का प्रभारी होता है और इसकी गतिविधियों का समन्वय करता है। प्रोफेसर के. रामचंद्रन यूआईसी के वरिष्ठ सलाहकार हैं। एकक का नेतृत्व नीपा के कुलपति करते हैं।

शिक्षा मंत्रालय के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रकोष्ठ (आईसीसी) की विभिन्न गतिविधियों के आधार पर, सलाहकार और उप सलाहकारों को निम्नलिखित कार्यात्मक जिम्मेदारियां सौंपी जाती हैं।

क्र.सं.	वर्टिकल का नाम	व्यापक जिम्मेदारियां
1.	अमेरिका (उत्तरी अमेरिका और लैटिन अमेरिका और कैरिबियन)	जी–20, ई–9, और अमेरिका के भीतर देशों के साथ द्विपक्षीय समझौतों/एमओयू से संबंधित कार्य/मामलों का समर्थन करना।
2.	यूरोप	यूरोपीय संघ, ओईसीडी, और यूरोप के भीतर देशों के साथ द्विपक्षीय समझौतों/एमओयू से संबंधित कार्य/मामलों का समर्थन करना।
3.	एशिया प्रशांत (पूर्वी एशिया, दक्षिण–पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र)	एसीडी, ब्रिक्स, आसियान, आईबीएसए, और एशिया प्रशांत के देशों और एसीडी, ब्रिक्स, आसियान और आईबीएसए के सदस्य देशों के साथ द्विपक्षीय समझौतों/समझौता ज्ञापनों से संबंधित कार्य/मामलों का समर्थन करना
4.	अन्य एशिया क्षेत्र (दक्षिणी एशिया, काकेशस, मध्य एशिया और पश्चिमी एशिया)	राष्ट्रमंडल, एससीओ, बिम्सटेक, सार्क, और एससीओ, बिम्सटेक और सार्क के सदस्य देशों के साथ द्विपक्षीय समझौतों/समझौता ज्ञापनों से संबंधित कार्य/मामलों का समर्थन करना।
5.	अफ्रीका (उप–सहारा अफ्रीका, उत्तरी अफ्रीका)	अफ्रीकी संघ, अफ्रीका में देशों के साथ द्विपक्षीय समझौतों/एमओयू से संबंधित कार्य का समर्थन करता है।
6.	यूनेस्को	यूनेस्को, एएसईएम

शैक्षणिक सहायता समर्थन एकक

पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र और डिजिटल अभिलेखागार

संस्थान में अत्याधुनिक पुस्तकालय है जिसमें शैक्षिक नीति, शैक्षिक योजना, शैक्षिक प्रशासन और संबंधित विषयों के क्षेत्रों से संबंधित पुस्तकों और अन्य सामग्रियों का विस्तृत और समृद्ध संग्रह है। पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र अपने उपयोगकर्ताओं को विभिन्न सेवाएं प्रदान करता है जैसे। सीएएस, एसडीआई, संदर्भ सेवा, वेब ओपेक, सर्कुलेशन, जेरोक्सिंग। पुस्तकालय और दस्तावेजीकरण केंद्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर अपने संसाधनों के बंटवारे को बढ़ावा देने के लिए विकासशील पुस्तकालय नेटवर्किंग (DELNET) का सदस्य रहा है। पुस्तकालय में वर्तमान में यूएनओ, यूएनडीपी, यूनेस्को, आईएलओ, यूनिसेफ, विश्व बैंक, ओईसीडी आदि जैसी अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों और सम्मेलनों की रिपोर्टों के समृद्ध संग्रह के अलावा 59,208 से अधिक पुस्तकों/दस्तावेजों और 7,616 पत्रिकाओं का संग्रह है। पुस्तकालय शैक्षिक नीति, योजना और प्रबंधन और अन्य संबद्ध क्षेत्रों के क्षेत्रों में, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों, 250 पत्रिकाओं और पत्रिकाओं को भी प्राप्त करता है। पुस्तकालय ने अपने उपयोगकर्ताओं के लिए JSTOR, ELSVIER और SAGE जैसे तीन ऑनलाइन जर्नल डेटाबेस की सदस्यता भी ली है। नीपा के प्रलेखन केंद्र में लगभग 17,993 खंड हैं, जिसमें आधिकारिक रिपोर्टों, केंद्र और राज्य सरकार के प्रकाशनों, शैक्षिक सर्वेक्षणों, पंचवर्षीय योजनाओं, जनगणना रिपोर्ट और गैर प्रिंट सामग्री आदि का एक अनूठा संग्रह शामिल है। दस्तावेजीकरण केंद्र में बहुत महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्टें भी हैं और शिक्षा पर सर्वेक्षण जो शैक्षिक अनुसंधान और नीति–निर्माण के लिए आवश्यक हैं। भारत में शिक्षा के सभी पहलुओं, क्षेत्रों और स्तरों पर संदर्भ और अनुसंधान के स्रोत के रूप में सभी दस्तावेजों को सॉफ्ट रूप में एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय संस्थान में एक डिजिटल अभिलेखागार की स्थापना की गई है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय संस्थान के विस्तारित चेहरे के रूप में उपयोगकर्ताओं का एक समुदाय बनाना है। उच्च स्तरीय पूर्ण स्वचालित डिजिटल स्कैनर सहित नवीनतम आईसीटी का उपयोग डिजिटल दस्तावेजों के डिजाइन, भंडारण और पुनर्प्राप्ति के लिए किया जाता है। उपयोगकर्ता के अनुकूल सॉफ्टवेयर, कई खोज विकल्पों के साथ, डिजिटल अकादमिक समर्थन सेवा इकाइयों की एक अंतर्निहित विशेषता है।

शिक्षा दस्तावेजों का डिजिटल अभिलेखागार 2013 में स्थापित किया गया था। इसका उद्देश्य सभी शिक्षा दस्तावेजों को एक स्थान पर सॉफ्ट संस्करण में रखना है। डिजिटल अभिलेखागार का संग्रह पहले से ही 11,000 से अधिक है और लगातार बढ़ रहा है। दस्तावेजों को 18 श्रेणियों के तहत वर्गीकृत और केंद्रीय और राज्य और ऐसी अन्य श्रेणियों के तहत उप–विभाजित किया गया है। डिजिटल अभिलेखागार स्वतंत्रता के पश्चात से ही शिक्षा प्रणाली के सभी पहलुओं, क्षेत्रों और स्तरों को कवर करने वाली नीति और अन्य संबंधित दस्तावेजों तक पहुंच प्रदान करता है, ताकि किसी भी नीति विश्लेषक और योजनाकार, शोधकर्ता और शिक्षा में रुचि रखने वाले अन्य लोगों को संदर्भ और डेटा का उपयोग के लिए कहीं और जाने की आवश्यकता न हो। डिजिटल अभिलेखागार का उद्देश्य नीपा के विस्तारित रूप में उपयोगकर्ताओं का एक समुदाय तैयार करना है।

कंप्यूटर केंद्र

कंप्यूटर केंद्र संस्थान की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी जरुरतें पूरा करता है। यह केंद्र संस्थान के सभी प्रशिक्षणार्थियों और स्टाफ सदस्यों को कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधाएं प्रदान करता है। नेटवर्क संसाधन को पहुंचाने के लिए सभी संकाय और स्टाफ को नेटवर्क प्वांइट सुलभ किए गए हैं। नीपा डोमेन से सभी संकाय और स्टाफ सदस्यों के व्यक्तिगत ई–मेल खाता खोले गए हैं। सभी संकाय सदस्यों को 1 जीबीपीएस की इंटरनेट कनेक्टिविटी दी गई है। सभी स्टाफ सदस्यों को डेस्कटॉप और संकाय सदस्यों को लैपटाप आवंटित किए गए हैं। नीपा में समुचित नेटवर्क सुरक्षा का रखरखाव किया जा रहा है। केंद्र में आधुनिकतम सुविधाएं हैं, जैसे–आईबीएम–ई सिरीज सर्वर जो तीव्र अर्थनेट से जुड़ा है। वर्तमान में निम्नलिखित आधारभूत सुविधाएं हैं–उन्नत कैट–6 केबल, केंद्रीकृत कंप्यूटिंग सुविधा, जिसमें उच्च कार्यनिष्पादन वाले सर्वर्स, क्लाइंट पी सी, इंटरनेट से अपलिंक और अन्य सेवाएं और अति सक्षम बहुकल्पिक यू पी एस के जरिए पर्याप्त रूप में अनवरत पावर आपूर्ति उपलब्ध है।

प्रकाशन एकक

नीपा में शिक्षा के शोध और विकास के प्रसार–प्रचार हेतु प्रकाशन कार्यक्रम है। नीपा प्रकाशन एकक विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा अन्य संबंधित सामग्री रिपोर्टों, पुस्तकों, जर्नलों, न्यूज़लेटर, अनुसंधान आलेखों, तथा अन्य प्रकाशनों के माध्यम से शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रशासन से संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान तथा विकास की सूचनाओं के प्रचार–प्रसार हेतु महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। राष्ट्रीय संस्थान द्वारा प्रकाशित कुछ पत्रिकाओं में 'जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन', 'परिप्रेक्ष्य' हिन्दी जर्नल तथा एंट्रीप न्यूज़लेटर इत्यादि सम्मिलित है। राष्ट्रीय संस्थान का प्रकाशन एकक शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की विशिष्ट आवश्यकताओं को भी पूर्ण करता है।

हिंदी कक्ष

यह कक्ष शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में व्यावसायिक प्रकाशनों के अनुवाद के माध्यम से अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा प्रसार में अकादमिक सहायता प्रदान करता है। यह कक्ष राजभाषा नीति के क्रियान्वयन में भी प्रशासन और संकाय को सहयोग देता है।

प्रशासन और प्रबंधन

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) यूजीसी अधिनियम 1956 की धारा 3 के तहत एक 'मानित विश्वविद्यालय' है और सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत है। राष्ट्रीय संस्थान के प्रधिकारियों में कुलाधिपति, कुलपति शामिल हैं, प्रबंधन बोर्ड, अकादमिक परिषद, वित्त समिति और अध्ययन बोर्ड तथा संस्थान के प्रबंधन बोर्ड सम्मिलित है। संस्थान के कुलपति प्रधान अकादमिक और कार्यकारी अधिकारी हैं।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग (पीएन I अनुभाग) ने 16 जनवरी, 2020 के अपने पत्र संख्या 2–7/2016–पीएन–I के माध्यम से यूजीसी के अनुसार नीपा के संशोधित ज्ञापन और नियमों को भेजा है। विनियम, 2019 जिसमें सुझाव दिया गया है कि संस्थान का सर्वोच्च शासी निकाय अब प्रबंधन बोर्ड होगा।

प्रबंधन बोर्ड : प्रबंधन बोर्ड संस्थान के विनियम बनाने की शक्तियों के साथ प्रबंधन का प्रमुख अंग और संस्थान का सर्वोच्च कार्यकारी निकाय होगा। प्रबंधन बोर्ड का मुख्य कार्य मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन में निर्धारित संस्थान के उद्देश्यों को कार्यान्वित करना है। प्रबंधन मंडल संस्थान के सभी मामलों के सामान्य पर्यवेक्षण के लिए उत्तरदायी है। प्रबंधन बोर्ड में अध्यक्ष (पदेन) के रूप में संस्थान के कुलपति होते हैं; डीन (शिक्षाविद और अनुसंधान); कुलाधिपति द्वारा नामित तीन प्रतिष्ठित शिक्षाविद, जिन्होंने प्रोफेसर के पद पर कार्य किया हो और वे न तो संस्थान या प्रायोजक निकाय से होंगे और न ही उनके रिश्तेदार होंगे; शिक्षा मंत्रालय (एमओई) का एक प्रतिनिधि जो संयुक्त सचिव, भारत सरकार के पद से नीचे के न हो; संस्थान के दो संकाय सदस्यः वरिष्ठता के आधार पर बारी–बारी से प्रोफेसरों और सह–प्रोफेसरों में से एक–एक; और शिक्षा मंत्रालय के तीन नामांकित व्यक्ति जो प्रख्यात शिक्षाविद हों और जो प्रोफेसर के पद से नीचे नहीं हों। संस्थान के कुलसचिक प्रबंधन बोर्ड के पदेन सचिव होंगे। 31 मार्च, 2022 तक प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–I में दी गई है।

वित्त समितिः वित्त समिति की मुख्य भूमिका संस्थान की लेखा की जांच करना और व्यय के प्रस्तावों की समीक्षा करना है। राष्ट्रीय संस्थान की वार्षिक लेखा और वित्तीय आकलनों को वित्त समिति के सम्मुख रखा जाता है और समिति की टिप्पणियों के साथ इसे अनुमोदन के लिए प्रबंधन बोर्ड को अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाता है। वित्त समिति राष्ट्रीय संस्थान की आय और संसाधनों के आधार पर वार्षिक आवर्ती और गैर आवर्ती व्यय की सीमाऐं तय करती है। संस्थान के कुलपति वित्त समिति के अध्यक्ष हैं; डीन (शिक्षाविद और अनुसंधान); शिक्षा मंत्रालय का एक प्रतिनिधि, जो संयुक्त सचिव के पद से नीचे का न हो; प्रबंधन बोर्ड के दो नामांकित व्यक्ति; जिनमें से एक बोर्ड का सदस्य और राष्ट्रीय संस्थान का वित्त अधिकारी होगा जो वित्त समिति के सचिव के रूप में कार्य करेगा।

31 मार्च, 2022 तक वित्त समिति के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–II में दी गई है।

अकादमिक परिषदः नीपा अकादमिक परिषद संस्थान का शीर्षस्थ अकादमिक निकाय है। अकादमिक परिषद शिक्षा, प्रशिक्षण, शोध और परामर्श के स्तर पर सतत सुधार और अंतर–विभागीय सहयोग, परीक्षा और परीक्षण आदि के प्रति उत्तरदायी होता है। इसका पदेन अध्यक्ष संस्थान के कुलपति होते हैं। संस्थान के डीन, (अकादमिक और अनुसंधान); राष्ट्रीय संस्थान के विभागों के विभागाध्यक्ष; इसके अलावा अन्य विभागों के दो सह–प्रोफेसर, परस्पर वरिष्ठता के आधार पर चक्रानुसार नामित; परस्पर वरिष्ठता के आधार पर बारी–बारी से विभागों से दो सहायक प्रोफेसर; संस्थान की गतिविधियों से संबंधित किसी भी अन्य क्षेत्रों के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों में से तीन व्यक्ति, मानित विश्वविद्यालय, कुलपति द्वारा नामित; तीन सहयोजित सदस्य जो शैक्षणिक स्टाफ के सदस्य न हों और अकादमिक परिषद द्वारा विषय

विशेषज्ञ के आधार पर सहयोजित किए गए हों। नीपा का कुलसचिव परिषद का पदेन सचिव होता है। 31 मार्च 2022 के अनुसार सदस्यों की सूची परिशिष्ट–III में दी गई है।

अध्ययन बोर्ड: राष्ट्रीय संस्थान के कुलपति अध्ययन बोर्ड के अध्यक्ष हैं; डीन (शिक्षाविद और अनुसंधान); विभागाध्यक्ष और संकाय/विभाग के सभी प्रोफेसर; परस्पर वरिष्ठता के आधार पर चक्रानुक्रम द्वारा संकाय/विभाग के दो सह–प्रोफेसर; परस्पर वरिष्ठता के आधार पर बारी–बारी से संकाय/विभाग के दो सहायक प्रोफेसर; संबंधित व्यवसाय से संबंधित विशेषज्ञता के लिए अधिकतम 2 विषय विशेषज्ञ को सहयोजित किया जाता है। परीक्षा नियंत्रक स्थायी आमंत्रित व्यक्ति होगा। 31 मार्च, 2022 तक अध्ययन बोर्ड के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–IV में दी गई है।

योजना और निगरानी बोर्ड: योजना और निगरानी बोर्ड संस्थान का प्रमुख योजना निकाय है जो संस्थान के विकास कार्यक्रमों की निगरानी के लिए उत्तरदायी होगा। योजना एवं निगरानी बोर्ड के अध्यक्ष संस्थान के कुलपति होते हैं। कुलसचिव इसके सचिव हैं, जिसमें सभी विभागों के सात आंतरिक सदस्य (विभागाध्यक्ष) और संस्थान के बाहर के तीन प्रतिष्ठित विशेषज्ञ शामिल हैं। 31 मार्च, 2022 तक योजना और निगरानी बोर्ड के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–V में दी गई है।

कार्यबल और समितियां: विशिष्ट कार्यक्रमों के लिए समय–समय पर कुलपति द्वारा विशेष कार्यबलों और समितियों का गठन किया जाता है। विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति की सलाह और निगरानी के लिए विशेषज्ञों की परियोजना सलाहकार समितियां गठित की जाती हैं। एक सलाहकार अनुसंधान अध्ययन बोर्ड का गठन कुलपति की अध्यक्षता में किया जाता है, जिसमें अन्य के अलावा, सभी शैक्षणिक विभागों के प्रमुख इसके सदस्य होते हैं, और कुलसचिव, इसके सदस्य–सचिव के रूप में, शैक्षिक योजना और प्रशासन में अध्ययन के लिए सहायता योजना के तहत प्राप्त प्रस्तावों पर विचार करते हैं।

संगठनात्मक ढांचा

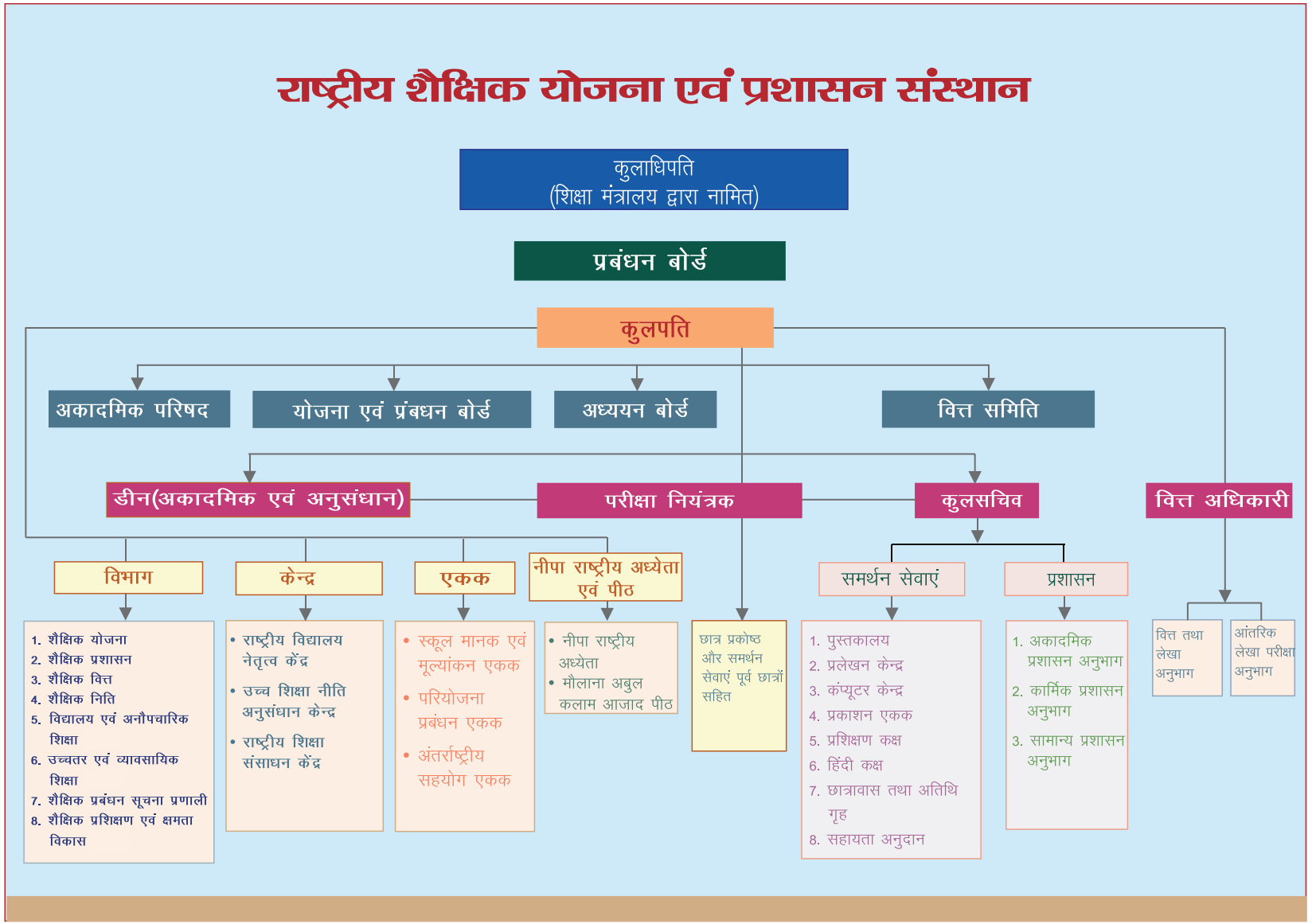
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान
कुलाधिपति
(शिक्षा मंत्रालय द्वारा नामित)
प्रबंधन बोर्ड
कुलपति
अकादमिक परिषद
योजना एवं प्रबंधन बोर्ड
अध्ययन बोर्ड
वित्त समिति
डीन(अकादमिक एवं अनुसंधान)
परीक्षा नियंत्रक
कुलसचिव
वित्त अधिकारी
विभाग
केन्द्र
एकक
नीपा राष्ट्रीय अध्येता एवं पीठ
समर्थन सेवाएं
प्रशासन
1. शैक्षिक योजना
2. शैक्षिक प्रशासन
3. शैक्षिक वित्त
4. शैक्षिक निति
5. विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा
6. उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा
7. शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली
8. शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास
• राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र
• उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केन्द्र
• राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केंद्र
• स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक
• परियोजना प्रबंधन एकक
• अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एकक
• नीपा राष्ट्रीय अध्येता
• मौलाना अबुल कलाम आजाद पीठ
छात्र प्रकोष्ठ और समर्थन सेवाएं पूर्व छात्रों सहित
1. पुस्तकालय
2. प्रलेखन केन्द्र
3. कंप्यूटर केन्द्र
4. प्रकाशन एकक
5. प्रशिक्षण कक्ष
6. हिंदी कक्ष
7. छात्रावास तथा अतिथि गृह
8. सहायता अनुदान
1. अकादमिक प्रशासन अनुभाग
2. कार्मिक प्रशासन अनुभाग
3. सामान्य प्रशासन अनुभाग
वित्त तथा लेखा अनुभाग
आंतरिक लेखा परीक्षा अनुभाग

प्रशासन और वित्त

राष्ट्रीय संस्थान के प्रशासनिक ढांचे में तीन अनुभाग–अकादमिक प्रशासन, कार्मिक प्रशासन, सामान्य प्रशासन और दो कक्ष–प्रशिक्षण कक्ष और एम.फिल., पीएचडी कक्ष हैं। कुलसचिव सभी प्रशासनिक अनुभागों के प्रभारी हैं। कुलसचिव नीपा प्रबंधन बोर्ड और अकादमिक परिषद के सचिव भी हैं। कुलसचिव को प्रशासनिक कामकाज में प्रशासनिक अधिकारी और अनेक अनुभाग अधिकारी अनुसमर्थन प्रदान करते हैं।

कुलसचिव अकादमिक अनुसमर्थन सेवा एककों, जैसे–पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र, कंप्यूटर केंद्र, एवं डिजीटल अभिलेखागार, प्रकाशन एकक और हिंदी कक्ष के कार्यकलापों के प्रति उत्तरदायी हैं।

वित्त अधिकारी वित्त और लेखा अनुभाग के प्रभारी है। अनुभाग अधिकारी (लेखा) वित्त अधिकारी का अनुसमर्थन करता है।

स्टाफ कर्मचारियों की संख्या (2021–22)

31 मार्च, 2022 के अनुसार नीपा की कुल कर्मचारियों की संख्या 167 थी।

प्रतिवेदनाधीन वर्ष 2021–22 के दौरान संस्थान को कुल 2986.58 लाख रुपये का अनुदान मिला (अपेक्षित वस्तु शीर्ष के अंतर्गत)। वर्ष के आरंभ में संस्थान के पास आवर्ती मद में 711.12 लाख रुपये शेष थे। वर्ष के दौरान आंतरिक कार्यालय और छात्रावास से 21.78 लाख रुपए की राशि प्राप्ति हुई। पूंजीगत और राजस्व शीर्ष के अंतर्गत व्यय वर्ष के दौरान 3468.89 लाख रुपये था।

संस्थान के पास 1195.09 लाख रुपये शेष था और दूसरे संगठनों द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों/अध्ययनों की मद में इस वर्ष 2021–22 के दौरान 192.82 लाख रुपए की अतिरिक्त राशि प्राप्ति हुई। प्रायोजित कार्यक्रमों/अध्ययनों पर वर्ष के दौरान कुल 473.84 लाख रुपये खर्च किए गए। (परिशिष्ट–VII)

परिसर और भवन
आधारभूत सुविधा

संस्थान के पास एक चार–मंजिला कार्यालय, सुसज्जित स्नानघरयुक्त 60 कमरों वाला एक सात मंजिला छात्रावास और एक आवास–क्षेत्र है। इस आवास क्षेत्र में टाइप–I के 16, टाइप–II से V तक के 8–8 क्वार्टर और एक कुलपति आवास हैं।

संस्थान के पास बिंदापुर, द्वारका में टाइप–III के 25 क्वार्टर हैं।

संस्थान परिसर में सुसज्जित प्रशिक्षण कक्ष, कंप्यूटर केंद्र, अंतरराष्ट्रीय डायनिंग हाल, जिम और क्लास रूम हैं।

संस्थान ने हाल ही में परिसर में अर्जित 2100 वर्ग मीटर के भूखंड में नया अकादमिक भवन के निर्माण के लिये अपेक्षित कदम उठाए हैं। इसके लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण ने लीज डीड जारी कर दिया है।

2 अध्यापन और व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

अध्यापन और व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

एम.फिल. और पी–एच.डी.

वस्तुतः संस्थान की एम.फिल और पी.एच. डी. उपाधियाँ विशेष रूप से शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन पर केंद्रित हैं। इसके द्वारा संस्थान विभिन्न पृष्ठभूमि के शोधकर्ताओं को सशक्त और सक्षम बनाता है।

शैक्षिक प्रशासन के लिए विद्वान तैयार करना

राष्ट्रीय संस्थान एक प्रदायक संस्थान है जो प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा के स्तरों पर शैक्षिक प्रशासन से संबंधित जरुरत के अनुसार शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन में विशेषज्ञता से युक्त मानव संसाधनों का विकास करता है ऐसे विशेषज्ञ जो अंतरशास्त्रीय कार्यक्रमों/एम.फिल. और पी–एच.डी. उपाधियों के पाठ्यक्रमों या प्रशिक्षण कार्यक्रमों के द्वारा तैयार किये जाते हैं। वे व्यापक एवं गतिशील संदर्भों में समुचित योजनाओं और कार्यनीतियों के दिशा–निर्देशों के निर्माण या सांस्थानिक प्रबंधन की सीमित भूमिकाओं से जुड़े मामलों के समाधान करने में पूर्णतः कुशल एवं सक्षम होते हैं।

वस्तुतः संस्थान की एम.फिल. और पी–एच.डी. उपाधियाँ विशेष रूप से शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन पर केंद्रित हैं। इसके द्वारा संस्थान युवा शोधकर्त्ताओं को सशक्त और सक्षम बनाता है और शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में उनकी आजीविका तैयार करता है। नीपा इसके माध्यम से शैक्षिक नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों की रूपरेखा, कार्यान्वयन और अनुश्रवण का अनुसमर्थन करने हेतु विशेषज्ञ और सक्षम मानव संसाधन के विकास में महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है। पूर्व डाक्टोरल और डाक्टोरल कार्यक्रमों का महत्व इसमें अंतर्निहित गतिशील और लचीले उपागम के द्वारा यह शिक्षा और सामाजिक विकास के अन्य सहायक क्षेत्रों से जुड़कर नवाचारी बहुशास्त्रीय पाठ्यक्रमों का विस्तार करता है।

संस्थान द्वारा संचालित पूर्व डाक्टोरल और डाक्टोरल कार्यक्रम में शामिल हैं: (i) पूर्णकालिक एम.फिल. कार्यक्रम (ii) पूर्णकालिक पी–एच.डी. कार्यक्रम और (iii) अंशकालिक पी–एच.डी. कार्यक्रम। ये कार्यक्रम वर्ष 2007–08 में आरंभ किए गए थे। एम.फिल. और पी–एच. डी. कार्यक्रम विभिन्न पृष्ठभूमि के शोधकर्मियों की शोध क्षमता के निर्माण के लिए डिजाइन किए गए हैं जो शैक्षिक नीति, योजना प्रशासन तथा वित्त के संबंधित

क्षेत्रों में व्यापक ज्ञान और कौशल प्रदान करते हैं। एम.फिल. और पी–एच.डी. कार्यक्रमों के अंतर्गत पूरे किए गए शोध अध्ययनों से अपेक्षा की जाती है कि ये नीति निर्माण, शिक्षा सुधार कार्यक्रमों तथा क्षमता विकास संबंधी गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ–साथ ज्ञान आधार को समृद्ध करने में भारी योगदान करेंगे। एम.फिल. और पी–एच.डी. कार्यक्रमों के अंतर्गत शोध के व्यापक क्षेत्रों में शैक्षिक नीति, शैक्षिक योजना, शैक्षिक प्रशासन, शैक्षिक वित्त, शैक्षिक प्रबंधन, सूचना प्रणाली, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, शिक्षा में समता और समावेशन, शिक्षा में लैंगिक मुद्दे, अल्पसंख्यक शिक्षा, तुलनात्मक शिक्षा और शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण शामिल हैं।

प्रस्तुत दो वर्षीय एम.फिल. डिग्री कार्यक्रम के अंतर्गत एक वर्ष का पाठ्यक्रम कार्य (16 क्रेडिट) होते हैं। इसके बाद एक छह सप्ताह की अवधि के लिए इंटर्नशिप (4 क्रेडिट) और एक वर्ष शोध प्रबंध (16 क्रेडिट) होते हैं। सभी विद्वान जो सफलतापूर्वक एम.फिल. पाठ्यक्रम पूरा और निर्धारित कार्यक्रम के मानदंडों को पूरा करते हैं। (वर्तमान में एफ.जी.पी.ए. 5 या उससे अधिक 10 अंक) का ग्रेड पाने वाले शोधार्थी पी–एच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश और पंजीकरण प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। पी–एच.डी. कार्यक्रम में दाखिला लेने की तिथि के दो वर्ष बाद ही शोधार्थी अपने शोध प्रबंध जमा करा सकते हैं।

पूर्णकालिक पी–एच.डी. कार्यक्रम में सीधे दाखिला लेने वाले शोधार्थियों को दाखिला की पुष्टि हेतु एक वर्ष का प्रारंभिक पाठ्यक्रम पूरा करना पड़ता है। इसके बाद वे दो वर्ष के शोध कार्य के उपरांत ही वे उपाधि हेतु अपने शोध प्रबंध जमा कर सकते हैं।

अंशकालिक पी–एच.डी. में सीधे दाखिला लेने वाले शोधार्थियों को पी–एच.डी. में दाखिला की पुष्टि से पहले एक वर्ष का प्रारंभिक पाठ्यक्रम पूरा करना पड़ता है। अंशकालिक पी–एच.डी. के शोधार्थी दाखिला की पुष्टि के कम से कम चार वर्ष बाद अपना शोध प्रबंध जमा कर सकते हैं।

तालिका 2.1

वर्ष 2021–22 में नामांकित, अध्ययनरत और अध्ययन पूर्ण करने वाले विद्वानों की सूची

	एम.फिल.	पी–एच.डी. पूर्णकालिक	पी–एच.डी. अंशकालिक	योग
वर्ष 2021–22 में नामांकन	22	17	-	39
अकादमिक सत्र 2021–22 के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रम कर रहे विद्यार्थियों की कुल संख्या	42 (वर्ष 2020–21 में नामांकित विद्यार्थियों सहित)	45 (वर्ष 2007–08 से 2021–22 तक नामांकित विद्यार्थियों सहित)	11 (वर्ष 2007–08 से 2021–22 तक नामांकित विद्यार्थी)	98
वर्ष 2021–22 के दौरान स्नातक विद्वानों की कुल संख्या	16	03	03	22

डिप्लोमा कार्यक्रम

पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम के छः घटक हैं: (i) पाठ्यक्रम तैयारी कार्य (ii) आमने–सामने पाठ्यक्रम कार्य (iii) परियोजना कार्य (iv) परियोजना कार्य का मूल्यांकन और अंतरिम प्रमाण पत्र विवरण और (v) उन्नत पाठ्यक्रम कार्य और (vi) अंतिम मूल्यांकन और पीजी डिप्लोमा प्रमाण–पत्र वितरण।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा)

संस्थान शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में डिप्लोमा (डेपा) कार्यक्रम आयोजित कर रहा था। वर्ष 1982–83 के आरंभ से ही यह विभिन्न राज्यों/संघ क्षेत्रों के जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए विशेष रूप से संरचित डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। आरम्भ में यह कार्यक्रम पूर्व–प्रवेश पाठ्यक्रम के रूप में संरचित किया गया था। यद्यपि वर्ष 2014–15 से इस कार्यक्रम में पाठ्यक्रम को संवर्धित करके इसमें परिवर्तन किया गया है और इसके डेपा मूलभूत से पीजीडेपा (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एजुकेशनल प्लानिंग एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन)– शैक्षिक योजना और प्रशासन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा) में बदल दिया गया है। प्रतिभागियों के कार्य और भूमिकाओं तथा उनकी संस्थाओं जैसे एससीईआरटी/सीमेट/डाइट/डीईओ/बीईओ और राज्य सरकारों के शिक्षा निदेशालयों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम को संबर्धित किया गया है।

एक वर्षीय पीजीडेपा कार्यक्रम को मौजूदा डेपा में व्यापक रूपांतरण के बाद निर्मित किया गया है जो एक सघन दीर्घकालिक कार्यक्रम है जो कि देश में पेशेवर रूप से शैक्षिक प्रशासकों का संवर्ग का विकास सुनिश्चित करेगा। इसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

(i) शैक्षिक योजना और प्रबंधन की मूलभूत अवधारणाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराना।

(ii) शैक्षिक प्रशासन के क्षेत्र में बेहतर निर्णय कार्य के लिए प्रतिभागियों में योजना और प्रबंधन कौशल के विकास हेतु सक्षम बनाना।

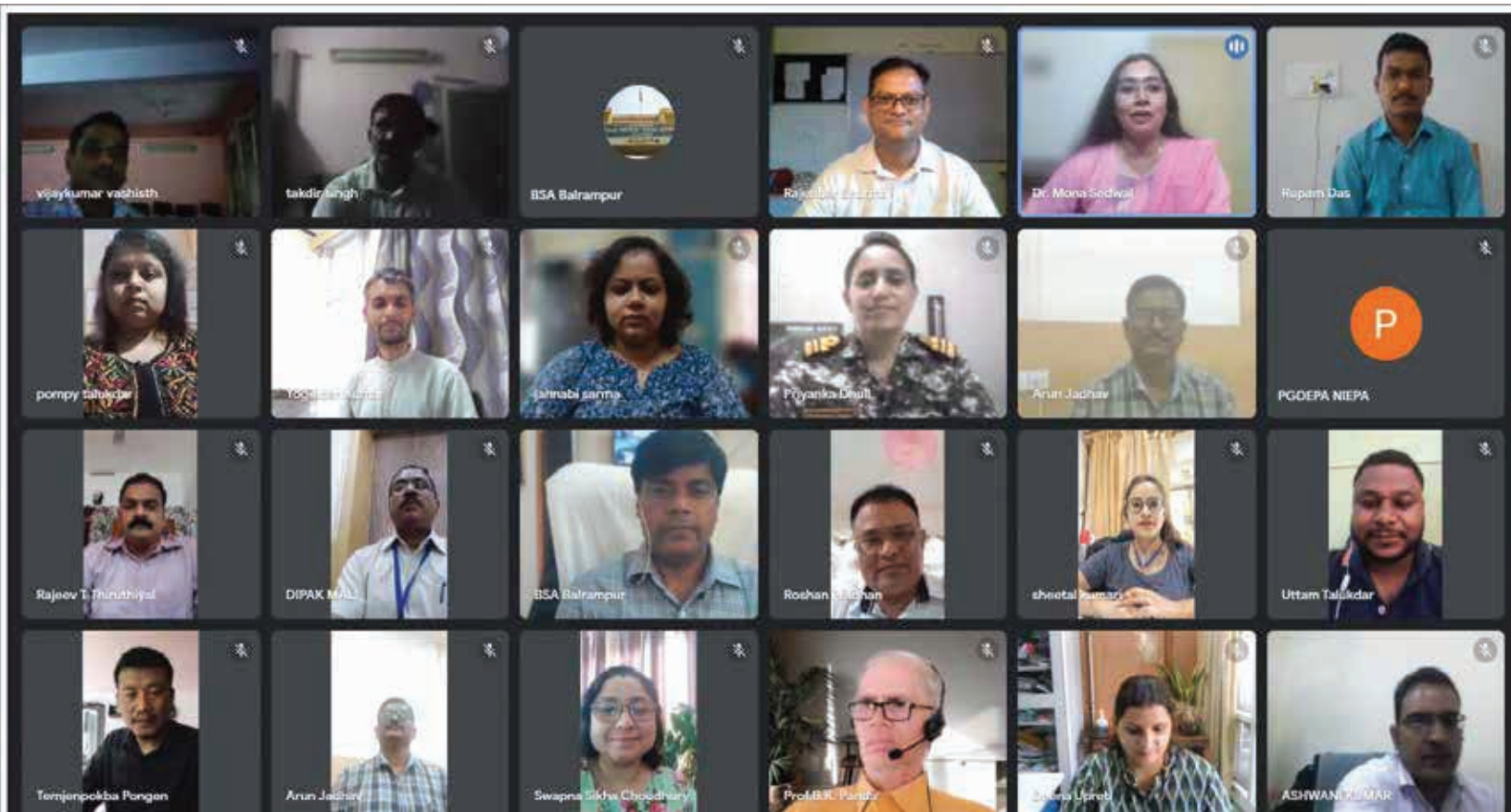

तालिका 2.2:

शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा)
राज्य/संघ क्षेत्रवार भागीदारी

राज्य/संघ क्षेत्र	सातवां पी.जी.–डेपा	आठवां पी.जी.–डेपा	योग
आसाम	6	9	15
छत्तीसगढ़	-	1	1
दिल्ली	1	-	1
हरियाणा	4	3	7
हिमाचल प्रदेश	-	1	1
भारतीय नौसेना	2	2	4
जम्मू और कश्मीर	3	-	3
कर्नाटक	-	-	-
मध्य प्रदेश	-	1	1
महाराष्ट्र	-	4	4
मणिपुर	-	-	-
नागालैण्ड	3	3	6
पुदुचेरी	1	-	1
राजस्थान	3	2	5
सिक्किम	1	-	1
तमिलनाडु	-	-	-
उत्तराखंड	3	-	3
उत्तर प्रदेश	-	2	2
भारतीय वायु सेना	2	2	4
योग	**29**	**30**	**59**

(iii) प्रतिभागियों में शैक्षिक कार्यक्रमों और परियोजनाओं के पर्यवेक्षण और मूल्यांकन योग्यता का विकास करना।

पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम का निरूपण करते समय मूलतः इस बात का ध्यान दिया गया था कि प्रतिभागी को इस पाठ्यक्रम के लिए नीपा में तीन माह से अधिक अवधि के लिए प्रवास न करना पड़े और वह अपने कार्य स्थल पर पाठ्यक्रम का अध्ययन कर सके। इसके अनुसार इसे 12 महीने के स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम में रूपातंरित किया गया है। अनेक शिक्षा विभाग इस पाठ्यक्रम हेतु अपने अधिकारियों को लंबी अवधि के लिए प्रतिनियुक्त नहीं कर सकते हैं इसलिए इस तरह से योजना बनाई गई है कि आमने–सामने और आवासीय पाठ्यक्रम कार्य हेतु प्रतिभागियों को एक खंड में 3 महीने से अधिक अवधि के लिए प्रवास न करना पड़े। इसमें प्रतिभगियों के कार्यस्थल पर एक प्रारम्भिक चरण, नीपा में आमने–सामने पाठ्यक्रम कार्य, कार्यस्थल पर परियोजना कार्य, मुक्त और दूरवर्ती अधिगम प्रणाली के माध्यम से उन्नत पाठ्यक्रम का संचालन और संगोष्ठी सहित कार्यशाला शामिल है। नीपा में अंतिम मूल्यांकन और पीजीडेपा प्रमाणपत्र हेतु संगोष्ठी–सह–कार्यशाला कार्य का प्रस्तुतिकरण सम्मिलित है।

सातवां स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम अगस्त 2020 से जुलाई 2021 के दौरान आयोजित किया गया। जिसमें 11 राज्यों/संघ प्रदेशों के 29 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस डिप्लोमा कार्यक्रम का आयोजन एवं समन्वय शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास विभाग द्वारा किया गया।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा)

राष्ट्रीय संस्थान 1985 से विकासशील देशों के पेशेवरों के लिए शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में 6 माह का अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम के विद्यार्थी एशिया, अफ्रीका, मध्य एशियाई गणराज्यों, दक्षिणी अमरीका और कैरिबियाई क्षेत्रों के देशों से आते हें। इस कार्यक्रम के तीन घटक हैं– (i) सघन पाठ्यचर्चा कार्यक्रम; (ii) उपयोजित कार्य और (iii)

लघु शोध प्रबंधन। आईडेपा की अवधि छः माह है और यह दो चरणों में पूरा किया जाता है। पहले चरण में तीन माह का सघन पाठ्यचर्या है जो नीपा, नई दिल्ली में आयोजित की जाती है। यह चरण आवासीय है और प्रतिभागियों से अपेक्षा की जाती है कि वे इस चरण के दौरान परिसर में निवास करें। दूसरे चरण में प्रतिभागी को स्वदेश में ही राष्ट्रीय संस्थान के संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में क्षेत्र आधारित शोध परियोजना अध्ययन करना होता है।

आईडेपा कार्यक्रम में सिद्धान्त और व्यवहार के बीच संतुलन बनाने की कोशिश के साथ गहन पाठ्यचर्या शामिल है। एजेंडा के व्यापक रूप में व्याख्यान और समूह कार्य, व्यावहारिक अभ्यास, शैक्षिक और सांस्कृतिक क्षेत्र के दौरे और शैक्षिक विकास नीति, नियोजन, प्रबंधन, प्रशासन, पर्यवेक्षण और नेतृत्व के एक चुने हुए पहलू पर एक शोध परियोजना शामिल है जिसमें क्षेत्र को अपनाना शामिल है। और अंतर–अनुशासनिक दृष्टिकोण सिद्धान्त और व्यवहार को जोड़ने के लिए लागू किए गए काम में (i) देश और विषयगत संगोष्ठी आलेख प्रस्तुतियाँ (ii) क्षेत्रों का दौरा कार्यक्रम शामिल है, जिसमें भारत में विभिन्न शैक्षिक नवाचारों की योजना और उनका प्रबंधन किया जा रहा है और (iii) एक क्षेत्र अनुसंधान परियोजना के लिए अनुसंधान की रूपरेखा तैयार करना।

कार्यक्रम का दूसरा चरण प्रतिभागियों के स्वदेश में ही आयोजित होता है। इसमें प्रत्येक प्रतिभागी को प्रथम चरण के दौरान निर्धारित क्षेत्र कार्य आधारित शोध परियोजना पर कार्य करना पड़ता है। शोध परियोजना कार्य (तीन माह की अवधि) में पूरा करने के बाद प्रतिभागी को अपना लघुशोध प्रबंध राष्ट्रीय संस्थान को प्रस्तुत करना पड़ता है। लघु शोध प्रबंध की प्राप्ति और तदुपरांत राष्ट्रीय संस्थान के संकाय द्वारा उसके मूल्यांकन के बाद प्रतिभागी को डिप्लोमा की उपाधि प्रदान की जाती है।

फरवरी–अप्रैल, 2022 का अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कोरोना के कारण आयोजित नहीं किया जा सका।

अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम का संयोजन शैक्षिक प्रशिक्षण और क्षमता विकास विभाग द्वारा आयोजित और समन्वित किया जाता है।

तालिका 2.3:

सभी कार्यक्रमों में देशवार भागीदारी 2021–22

क्र. सं.	देश	भागीदारों की संख्या
1.	भूटान	3
2.	बांग्लादेश	6
3.	कंबोडिया	60
4.	इथियोपिया	1
5.	फ़िजी	1
6.	केन्या	2
7.	मालदीव	3
8.	मंगोलिया	1
9.	म्यांमार	19
10.	श्रीलंका	6
11.	निकारागुआ	1
12.	नेपाल	3
13.	मोरक्को	3
14.	इराक	1
15.	थाईलैंड	2
16.	यूनेस्को	1
17.	दक्षिण सूडान	5
18.	कनाडा	1
19.	तंजानिया	2
20.	यूनाइटेड किंगडम	3
	योग	**124**

तालिका 2.4:

व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों में राज्य/संघ शासित क्षेत्रवार भागीदारी 2021–22

क्र. सं.	राज्य/संघ क्षेत्रवार भागीदारी	भागीदारों की संख्या
1.	आंध्र प्रदेश	2235
2.	अरुणाचल प्रदेश	68
3.	असम	16629
4.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	10
5.	बिहार	410
6.	छत्तीसगढ़	132
7.	चंडीगढ़	13601
8.	दिल्ली	1798
9.	गोवा	61
10.	गुजरात	2715
11.	हरियाणा	2943
12.	हिमाचल प्रदेश	116
13.	जम्मू और कश्मीर	289
14.	झारखण्ड	247
15.	कर्नाटक	5265
16.	केरल	176
17.	मध्य प्रदेश	325
18.	महाराष्ट्र	19572
19.	मणिपुर	135
20.	मेघालय	672
21.	मिजोरम	96
22.	नागालैंड	88
23.	उड़ीसा	174
24.	पंजाब	1489
25.	पुदुचेरी	36
26.	राजस्थान	20613
27.	सिक्किम	228
28.	तेलंगाना	82
29.	तमिलनाडु	131
30.	त्रिपुरा	156
31.	उत्तराखण्ड	95
32.	उत्तर प्रदेश	253
33.	पश्चिम बंगाल	114
34.	चूंकि कार्यक्रम ऑनलाइन मोड में आयोजित किया गया है, इसलिए बड़ी संख्या में अधिकारी (7870 प्रतिभागी) कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से जुड़े हैं। इस संदर्भ में, प्रतिभागियों का राज्यवार आंकड़ा हमारे पास उपलब्ध नहीं है। केंद्रीय, राज्य विश्वविद्यालयों एवं अन्य शैक्षिक संस्थानों के 620 भागीदार थे तथा लाईव स्ट्रीमिंग के माध्यम से 7250 प्रतिभागियों ने कार्यक्रमों में भाग लिया।	7870
	योग	**98824***

*कुल 98824 भागीदारों में से, 7250 तथा 87512 भागीदारों ने शैक्षिक प्रशासन विभाग तथा स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक के लाईव स्ट्रीमिंग कार्यक्रमों के माध्यमों से भाग लिया।

व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

शैक्षिक योजना और प्रशासन में सुधार हेतु सांस्थानिक क्षमता निर्माण के लिए विभिन्न वर्गों के शिक्षा कर्मियों के लिए व्यावसायिक विकास कार्यक्रम राष्ट्रीय संस्थान (नीपा) के प्रमुख कार्यकलाप के रूप में सतत जारी है। वर्ष 2021–22 के दौरान राष्ट्रीय संस्थान ने शिक्षा के विभिन्न विकास क्षेत्रों से संबंधित मुद्दों और शिक्षा नीति योजनाओं, प्रशासन के विविध पक्षों से जुड़े 143 अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, सम्मेलनों और बैठकों का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों के मुख्य विषय थे : स्कूलों की योजना और प्रबंधन, उच्च शिक्षा की योजना और प्रबंधन, माध्यमिक स्तर पर स्कूल प्रावधानों का आकलन, शैक्षिक वित्त की योजना और प्रबंधन, और स्कूल नेतृत्व आदि। इन कार्यक्रमों के प्रतिभागी थे जिला और राज्य स्तर के शिक्षाकर्मी, शिक्षा निदेशक और राज्य स्तर के अन्य अधिकारी, केंद्र, राज्य और जिला स्तर के शैक्षिक संस्थानों के प्रमुख, विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव और अन्य प्राधिकारी, कालेज प्राचार्य और कालेजों तथा उच्च शिक्षा के वरिष्ठ प्रशासक, विश्वविद्यालय तथा समाजविज्ञान शोध संस्थानों के नवनियुक्त प्राध्यापक आदि। ये कार्यक्रम विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित किए जाते हैं। वर्ष 2021–22 के दौरान राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम, संगोष्ठियां, सम्मेलन और बैठकें आयोजित की गईं :

शैक्षिक योजना विभाग

- हिमाचल प्रदेश में समग्र शिक्षा के तहत परिणाम आधारित जिला स्कूल शिक्षा योजना तैयार करने की पद्धति पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (अनुरोध कार्यक्रम), 22–26 नवंबर, 2021, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश।

शैक्षिक प्रशासन विभाग

- शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और अच्छे व्यवहारों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों की योजना के लिए आवेदनों का मूल्यांकन– चरण–I (आवेदनों की स्क्रीनिंग 2018–19), 18–19 अगस्त, 2021, नीपा, नई दिल्ली।
- शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और अच्छे व्यवहारों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों की योजना के लिए आवेदनों का मूल्यांकन– चरण–I (आवेदनों की स्क्रीनिंग 2019–20), 25–27 अगस्त, 2021, नीपा, नई दिल्ली।

- शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और अच्छी प्रथाओं के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार योजना के लिए आवेदकों की ऑनलाइन प्रस्तुति, आवेदनों के मूल्यांकन (समानांतर सत्र) 2018–20, 25–27 अक्टूबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली।
- शैक्षिक प्रशासन और योजना पर आरआईई, भोपाल के एम.एड और बी.एड कार्यक्रमों की इंटर्नशिप, 15–18 नवंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली।
- विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शैक्षणिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व, 19–21 जनवरी, 2022, नीपा, नई दिल्ली।
- शैक्षिक प्रशासन और पुरस्कार समारोह में नवाचार और अच्छे व्यवहार पर राष्ट्रीय सम्मेलन और पुरस्कार समारोह– चरण–II, 10 फरवरी, 2022, नीपा, नई दिल्ली

शैक्षिक नीति विभाग

- पूर्वोत्तर राज्यों में प्रारंभिक शिक्षा के प्रबंधन में संविधान की छठी अनुसूची के तहत स्थानीय प्राधिकरण और स्वायत्त जिला परिषदों के कामकाज पर अभिविन्यास कार्यशाला, 22–24 सितंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली।
- आरटीई के तहत वंचितों और कमजोरों की शिक्षा पर उन्मुखीकरण कार्यशालाः नीतिगत मुद्दे और कार्यक्रम हस्तक्षेप, 11–14 जनवरी, 2022, नीपा, नई दिल्ली।

- भारत में सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में स्वायत्तता और अकादमिक स्वतंत्रता, 21–22 मार्च, 2022, विश्वविद्यालय, केरल।

विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग

- 'कोविड– 19 महामारी के दौरान सीखने की निरंतरता' पर वेबिनार, 30 जुलाई, 2021।
- नई शिक्षा नीति– 2020 के परिप्रेक्ष्य से भारत में आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों में 'लड़कियों की शिक्षा' पर परामर्श बैठक, 22–26 नवंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली।

- शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों का विकास (15), 21 फरवरी, 2022, नीपा, नई दिल्ली।
- 'भारत में गुणवत्तायुक्त प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) का शासन और प्रबंधन' पर अभिविन्यास–सह–कार्यशाला, 2–4 मार्च, 2022, नीपा, नई दिल्ली।
- पूर्वोत्तर राज्यों में गुणवत्तायुक्त प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के प्रबंधन पर कार्यशाला, 23–24 मार्च, 2022, कोहिमा, नागालैंड

उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग

- विश्वविद्यालयों के संकायाध्यक्षों/विभागाध्यक्षों की नेतृत्व विकास कार्यशाला, 2–4 मार्च, 2022, नीपा, नई दिल्ली।

- 'कोविड के बाद की स्थिति में उच्च शिक्षा' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 10–12 मार्च, 2022, नीपा, नई दिल्ली।

शैक्षिक प्रशिक्षण एवं व्यावसयिक विकास विभाग

- शैक्षिक योजना और प्रशासन में सातवां स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीईपीए)– चरण–IV, (ऑनलाइन मोड), 26–30 अप्रैल, 2021, नीपा, नई दिल्ली।
- शैक्षिक योजना और प्रशासन में सातवां स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीईपीए) – चरण–V (ए), (ऑनलाइन मोड), 3–7 मई, 2021, नीपा, नई दिल्ली।
- शैक्षिक योजना और प्रशासन में सातवां स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीईपीए) – चरण–V (बी), (ऑनलाइन मोड) 8 मई–4 जुलाई, 2021। (तैनाती का स्थान)
- जम्मू और कश्मीर के स्कूल शिक्षकों के लिए ई–सामग्री विकास पर अभिविन्यास कार्यशाला, (ऑनलाइन मोड), 14–17 जून, 2021, नीपा, नई दिल्ली।

- शैक्षिक योजना और प्रशासन में 7वां स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीईपीए)– चरण–VI, (ऑनलाइन मोड), 5–9 जुलाई, 2021, नीपा, नई दिल्ली।
- कंबोडिया ई आईटीईसी (एक सप्ताह) (2021–22), (ऑनलाइन मोड), 26–30 जुलाई, 2021, नीपा, नई दिल्ली, शैक्षिक प्रशासकों के लिए संस्थागत योजना और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम।
- कंबोडिया ई आईटीईसी (एक सप्ताह) (2021–22), (ऑनलाइन मोड), 9–13 अगस्त, 2021, नीपा, नई दिल्ली, शैक्षिक प्रशासकों के लिए शिक्षा नीति के विकास पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम।
- शैक्षिक योजना और प्रशासन में आठवां स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीईपीए) – चरण–I, (ऑनलाइन मोड), 1–31 अगस्त, 2021। (तैनाती का स्थान)
- शैक्षिक योजना और प्रशासन में आठवां स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीईपीए) – चरण–II, (ऑनलाइन मोड), 1 सितंबर–30 नवंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली।
- शैक्षिक योजना और प्रशासन में आठवां स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीईपीए) – चरण–III, 1 दिसंबर 2021–31 मार्च, 2022, नीपा, नई दिल्ली। (तैनाती का स्थान)
- शैक्षिक संस्थानों के प्रमुखों के लिए संस्थागत योजना और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (II आईपीएमएचईआई), ई आईटीईसी (दो सप्ताह), (ऑनलाइन मोड), 6–17 दिसंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली।
- शैक्षिक संस्थानों के प्रमुखों के लिए संस्थागत योजना और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (III आईपीएमएचईआई), ई आईटीईसी (दो सप्ताह), (ऑनलाइन मोड), 2–15 मार्च, 2022, नीपा, नई दिल्ली।

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व (एन.सी.एस.एल.) केंद्र

लाइव स्ट्रीमिंगः सीआईईटी–एनसीईआरटी, नीपा, नई दिल्ली के सहयोग से।

- शिक्षा के प्रमुख उद्देश्य के रूप में आलोचनात्मक सोच का विकास करना, 7 अक्टूबर, 2021।
- उत्तर प्रदेश के प्राथमिक विद्यालय में अग्रणी समावेश, 14 अक्टूबर, 2021।
- महाराष्ट्र के माध्यमिक विद्यालय में नेतृत्व की पहल, 21 अक्टूबर, 2021।
- स्कूल सुधार के लिए अग्रणी भागीदारीः जम्मू और कश्मीर में एक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का मामला, 28 अक्टूबर, 2021।
- स्कूलों को बदलनाः एक समूह का नेतृत्व दृष्टिकोण, 11 नवंबर, 2021।

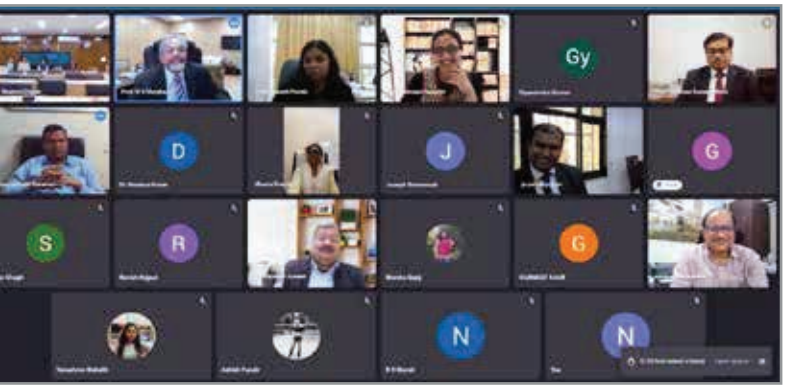

- सीखने के लिए नेतृत्वः ओडिशा में एक उच्चतर प्राथमिक विद्यालय का मामला, 18 नवंबर, 2021।
- लघु विद्यालय में शिक्षण अधिगम प्रक्रियाओं का नेतृत्वः छत्तीसगढ़, 25 नवंबर, 2021।
- मेघालय में स्कूल परिवर्तन के लिए नेतृत्व, 2 दिसंबर, 2021।
- बिहार के उत्क्रमित मध्य विद्यालय में नवाचारों का नेतृत्व, 9 दिसंबर, 2021।
- स्कूलों को बदलने के लिए नेतृत्वः असम में एक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का मामला, 16 दिसंबर, 2021।
- स्कूल परिसरों का समर्थन करने के लिए प्रणाली का पुनर्गठनः राजस्थान की परिवर्तनकारी यात्रा को साझा करना, 23 दिसंबर, 2021।
- मानसिक स्वास्थ्य साक्षरताः शुरुआत करना, 30 दिसंबर, 2021।
- स्कूल और मानसिक स्वास्थ्यः बुनियादी बातों को समझना–I, 6 जनवरी, 2022।
- स्कूल और मानसिक स्वास्थ्यः बुनियादी बातों को समझना–II, 13 जनवरी, 2022।
- सिक्किम के एक सरकारी स्कूल में नए सामान्य के बीच अग्रणी शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया, 20 जनवरी, 2022।
- छात्र अधिगम के लिए अग्रणी टीमेंः महाराष्ट्र में एक गर्ल्स हाई स्कूल, 27 जनवरी, 2022।
- स्कूल से बाहर के बच्चों को शामिल करनाः जम्मू और कश्मीर में एक सरकारी माध्यमिक विद्यालय का मामला, 3 फरवरी, 2022।
- बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता के लिए स्कूल नेतृत्व, 9 फरवरी, 2022।
- बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता के लिए स्कूल नेतृत्व (हिंदी), 10 फरवरी, 2022।
- परिवर्तनकारी नेतृत्व के माध्यम से छात्रों का सशक्तिकरणः तमिलनाडु में एक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का मामला, 10 फरवरी, 2022।
- निष्ठा के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर रूपरेखा को समेकित करनाः अब तक की यात्रा, 17 फरवरी, 2022।
- स्कूल परिवर्तन में अग्रणी सामुदायिक जुड़ावः केरल में एक सरकारी उच्चतर माध्यमिक का मामला, 24 फरवरी, 2022।
- राजस्थान के एक सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अग्रणी लिंग समावेशिता, 3 मार्च, 2022।
- त्रिपुरा में एक सरकारी हाई स्कूल में स्कूल परिवर्तन के लिए नेतृत्व, 10 मार्च, 2022।
- आंध्र प्रदेश में एक सरकारी माध्यमिक विद्यालय में सीखने के लिए नेतृत्व, 17 मार्च, 2022।
- स्कूल आधारित शिक्षक व्यावसायिक विकासः स्कूल के नेताओं की भूमिका, 24 मार्च, 2022।

- स्कूलों को बदलने का नेतृत्वः कर्नाटक में एक सरकारी हाई स्कूल का मामला, 31 मार्च, 2022।

एनसीएसएल संकाय द्वारा ऑनलाइन प्रशिक्षण/सत्र/कार्यशालाएं/बैठकें/समीक्षाएं और सलाहकारी वेबिनार

- माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्यों के लिए स्कूलों में अग्रणी शिक्षण के लिए शैक्षणिक नेतृत्व, (ऑनलाइन मोड), 1–6 जुलाई, 2021, नीपा, नई दिल्ली।
- असम के चार (बाढ़ प्रवण) क्षेत्रों में संदर्भ विशिष्ट नेतृत्व चुनौतियों पर सामग्री विकास के लिए कार्यशाला, (ऑनलाइन मोड), 23–24 जुलाई, 2021, नीपा, नई दिल्ली।
- कन्नड़ भाषा में विद्यालय नेतृत्व और प्रबंधन पर ऑनलाइन कार्यक्रम, 29 जुलाई, 2021।
- झारखंड के स्कूल प्रमुखों के नेतृत्व विकास के लिए अभिविन्यास कार्यशाला, 30 जुलाई, 2021।
- झारखंड के मॉडल माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के लिए ऑनलाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 3 अगस्त, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- स्कूल नेतृत्व विकास पर मॉड्यूल के परीक्षण पर बैठक, 11 अगस्त, 2021, नीपा, नई दिल्ली।
- स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर ऑनलाइन कार्यक्रम का अनुवाद और संपादनः (1) स्कूल प्रमुख (इंटरमीडिएट स्तर), और (2) सिस्टम स्तर के कार्यकर्ता (मूल स्तर– हिंदी), अगस्त 2021–मार्च 2022, नीपा, नई दिल्ली।
- स्कूल परिसरों के मौजूदा ढांचे पर राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला और कुछ अभ्यासों का अध्ययन जो सफल और निरंतर रहे हैं, 6–11 सितंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली।
- स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (पीजीडीएसएलएम), 8 सितंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली के लिए विशेषज्ञों और एनसीएसएल संकाय के साथ पहली कोर समिति की बैठक।
- स्कूल नेतृत्व अकादमियों के लिए मॉड्यूल विकास पर ऑनलाइन कार्यशाला (बैच I): छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु (पुदुचेरी), सिक्किम, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, जम्मू और कश्मीर, 8 अक्टूबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली।
- एसएलए नोडल व्यक्ति और लद्दाख के निदेशक के कोर सदस्यों के साथ बैठक, 21 अक्टूबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली।
- स्कूल नेतृत्व अकादमियों के लिए मॉड्यूल विकास पर ऑनलाइन कार्यशाला (बैच II): मिजोरम, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, केरल (लक्षद्वीप), गोवा, मणिपुर, 22 अक्टूबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली।
- सरकारी स्कूलों में छात्र सीखने और सीखने के परिणामों में सुधार के लिए नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यशाला, 26–29 अक्टूबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली।
- एसएलए नोडल व्यक्ति और बिहार के निदेशक के कोर सदस्यों के साथ बैठक, 26 अक्टूबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली।
- एसएलए नोडल व्यक्ति और मेघालय के निदेशक के कोर सदस्यों के साथ बैठक, 27 अक्टूबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली।
- एसएलए नोडल व्यक्ति और छत्तीसगढ़ के निदेशक के कोर सदस्यों के साथ बैठक, 28 अक्टूबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली।
- स्कूल नेतृत्व अकादमियों के लिए मॉड्यूल विकास पर ऑनलाइन कार्यशाला (बैच III): लद्दाख, बिहार, गुजरात, त्रिपुरा, उत्तराखंड, नागालैंड, मेघालय, पश्चिम बंगाल, 1 नवंबर, 2021।
- असमिया भाषा में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर ऑनलाइन कार्यक्रम का शुभारंभ, 3 नवंबर, 2021।

ऑनलाइन (राज्य द्वारा संचालित मॉड्यूल विकास कार्यशाला– 2021–22)

- उत्तर प्रदेश (कोर ग्रुप के सदस्यों के साथ मॉड्यूल लेखन कार्यशाला), 9–10 नवंबर, 2021
- लेह (एसएलए कोर ग्रुप के सदस्यों के साथ मॉड्यूल लेखन कार्यशाला), 13 नवंबर, 2021

- उत्तराखंड (एसएलए कोर ग्रुप के सदस्यों के साथ मॉड्यूल लेखन कार्यशाला), 17–19 नवंबर, 2021
- मॉड्यूल विकास कार्यशाला, राजस्थान, 25 नवंबर, 2021
- मॉड्यूल विकास कार्यशाला, जम्मू और कश्मीर, 29 नवंबर, 2021
- नोडल व्यक्ति और कोर समूह के सदस्यों के साथ मॉड्यूल लेखन कार्यशाला (III बैच): आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र, 20 जनवरी, 2022

ऑनलाइन (अन्य बैठकें/कार्यशालाएँ)

- एसएलए नोडल व्यक्ति और निदेशकों के कोर सदस्यों के साथ गूगल मीटिंग सत्र 2, हरियाणा, 12 नवंबर, 2021
- शैक्षणिक नेतृत्व के लिए बीआरसी/सीआरसी के साथ परामर्श कार्यशाला (कार्यशाला–1), 7–10 दिसंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- राष्ट्रीय अनुसंधान परियोजना पर उपकरण विकास बैठक 'भारत में उच्च शिक्षा में कॉलेज की तैयारी और छात्र सफलता', 7 दिसंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- (एसएलए कोर समूह के सदस्यों के साथ मॉड्यूल लेखन कार्यशाला), मध्य प्रदेश, बिहार और आंध्र प्रदेश, 9–10 दिसंबर, 2021 और 17 दिसंबर, 2021
- एसएलए 2021–22– (ऑनलाइन गूगल मीटिंग), मणिपुर (25 नवंबर, 2021), आंध्र प्रदेश (10 दिसंबर, 2021) और लद्दाख (13 दिसंबर, 2021) और अन्य राज्यों से समीक्षा बैठक – आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, हरियाणा, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड, महाराष्ट्र, असम, तेलंगाना, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल, लद्दाख, जम्मू और कश्मीर, अरुणाचल, (16 दिसंबर, 2021)। मध्य प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु, बिहार, सिक्किम, केरल, छत्तीसगढ़, मिजोरम, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, उत्तराखंड, गोवा, गुजरात से अगली बैठक (16, 23 और 29 दिसंबर, 2021)
- लैंगिक और नेतृत्व पर कार्यशाला, 14–17 दिसंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- शैक्षणिक नेतृत्व के लिए बीआरसी/सीआरसी के साथ परामर्शी कार्यशाला (कार्यशाला–II), 14–17 दिसंबर, 2021,नीपा, नई दिल्ली
- जम्मू और कश्मीर में क्षमता निर्माण और एसएलए कार्यशाला, 20–23 दिसंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- समानता और उत्कृष्टता के लिए नेतृत्वः एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (जनजातीय मामलों के मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित और वित्त पोषित) से स्कूल के प्रधानाचार्यों की क्षमता निर्माण, 2–12 फरवरी, 2022, नीपा, नई दिल्ली
- निष्ठा 2.0 और 3.0 के लिए शैक्षणिक सहायता, 21–24 फरवरी, 2022 एससीईआरटी, अगरतला, त्रिपुरा,
- तमिलनाडु के साथ ऑनलाइन गूगल मीट, 22 फरवरी, 2022
- स्कूलों में समानता, विविधता और समावेश के लिए नेतृत्व पर कार्यशाला (कार्यशाला–I और II)– दो कार्यशालाओं का विलय, 22–25 मार्च, 2022, नीपा, नई दिल्ली
- राष्ट्रीय सलाहकार समूह की बैठक, 2 मार्च, 2022
- स्कूल परिसरों के गठन और कार्यप्रणाली पर प्रारूप ढांचे को साझा करने के लिए राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला, 28–31 मार्च, 2022, नीपा, नई दिल्ली
- स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर ऑनलाइन कार्यक्रम (पीएसएलएम) मिजो भाषा में बुनियादी स्तर, 29 मार्च, 2022

राज्यों में स्कूल लीडरशिप अकादमिक (एसएलए) के ऑनलाइन–वेबिनार

- आंध्र प्रदेश में स्कूल नेतृत्व विकास, 7 मार्च, 2022
- आंध्र प्रदेश में स्कूली शिक्षा के व्यवसायीकरण के लिए अग्रणी, 10 मार्च, 2022
- हरियाणा में स्कूली शिक्षा के व्यवसायीकरण के लिए अग्रणी, 15 मार्च, 2022

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र

- उच्च शिक्षा की सफलता और सामाजिक गतिशीलताः विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों के लिए यूजीसी कोचिंग योजनाओं का एक अध्ययन, 16 अप्रैल, 2021, नीपा, नई दिल्ली

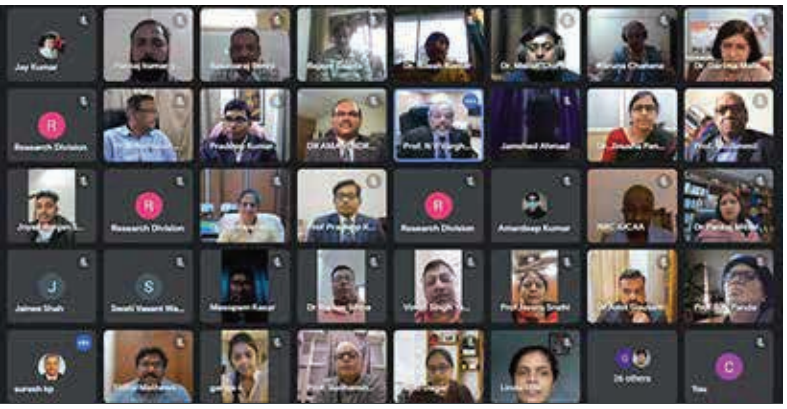

- आईएचईआर 2022: भारत में लिंग और उच्च शिक्षा पर पहली सहकर्मी समीक्षा बैठक, 6 मई, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- कॉलेज की तैयारी और छात्र सफलता पर पहली विशेषज्ञ समिति की बैठक, 27 जुलाई, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- उच्च शिक्षा में ज्ञान बहुलवाद और भाषाई और संस्कृति विविधता पर वेबिनार, 31 अगस्त, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- उच्च शिक्षा में अनुसंधान, नवाचार और रैंकिंग पर वेबिनार, 10 सितंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- आईएचईआर 2022: उच्च शिक्षा में महिलाओं पर दूसरी सहकर्मी समीक्षा बैठक, 23 सितंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- ''उच्च शिक्षा में छात्र विविधता के प्रबंधन पर मॉड्यूल'' के लेखकों के साथ विशेषज्ञ समूह की बैठक, 24 नवंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- नीपा और एआईयू द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित उच्च शिक्षा के वित्तपोषण पर वेबिनार, 30 नवंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- भारत में उच्च शिक्षा में कॉलेज की तैयारी और छात्रों की सफलता पर उपकरण विकास बैठक, 7 दिसंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- सीपीएचआरई, कार्यकारी समिति की बैठक, 2 मार्च, 2022, नीपा, नई दिल्ली
- राज्य उच्च शिक्षा परिषद की बैठक, 16–17 मार्च, 2022, नीपा, नई दिल्ली
- ''भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता: संस्थागत स्तर पर बाहरी और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन का एक अध्ययन'', 25 मार्च, 2022, नीपा, नई दिल्ली

स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक

- शाला सुधार के लिए शाला सिद्धि कार्यक्रम की व्यापकता और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने पर राष्ट्रीय सलाहकार बैठक, 16 अप्रैल, 2021, (दो कार्यक्रमों का विलय), नई दिल्ली।
- स्कूल सुधार के लिए स्कूल मूल्यांकन रिपोर्ट के विस्तार और उपयोग के लिए राज्य विशिष्ट क्षमता विकास कार्यक्रम (36 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र), 1 अप्रैल, 2021–31 मार्च, 2022 (प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के लिए 2 दिन)
- लक्षद्वीप के लिए शाला सिद्धि राज्य ऑनलाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 12 अक्टूबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- दिल्ली के लिए शाला सिद्धि राज्य ऑनलाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 27 अक्टूबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- बिहार के लिए शाला सिद्धि राज्य ऑनलाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 29 अक्टूबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- आंध्र प्रदेश के लिए शाला सिद्धि राज्य ऑनलाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 2 नवंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- पंजाब के लिए शाला सिद्धि राज्य ऑनलाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 8 नवंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- कर्नाटक के लिए शाला सिद्धि राज्य ऑनलाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 18 नवंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- असम के लिए शाला सिद्धि राज्य ऑनलाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 22 नवंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- महाराष्ट्र के लिए शाला सिद्धि राज्य ऑनलाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 23 नवंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- चंडीगढ़ के लिए शाला सिद्धि राज्य ऑनलाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 24 नवंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- सिक्किम के लिए शाला सिद्धि राज्य ऑनलाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 25 नवंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली

- मेघालय के लिए शाला सिद्धि राज्य ऑनलाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 6 दिसंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- राजस्थान के लिए शाला सिद्धि राज्य ऑनलाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 4 जनवरी, 2022, नीपा, नई दिल्ली
- मणिपुर के लिए शाला सिद्धि राज्य ऑनलाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 7 जनवरी, 2022, नीपा, नई दिल्ली
- हरियाणा के लिए शाला सिद्धि राज्य ऑनलाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 20 जनवरी, 2022, नीपा, नई दिल्ली
- गुजरात के लिए शाला सिद्धि राज्य ऑनलाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 22 फरवरी, 2022, नीपा, नई दिल्ली
- छत्तीसगढ़ के लिए शाला सिद्धि राज्य ऑनलाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 24 फरवरी, 2022, नीपा, नई दिल्ली
- शाला सिद्धि के कार्यान्वयन के लिए नवोदय विद्यालयों (एनवी) के लिए क्षेत्रीय क्षमता विकास कार्यक्रम (1 कार्यक्रम), 16 अगस्त, 2021 नीपा, नई दिल्ली
- शाला सिद्धि के कार्यान्वयन के लिए नवोदय विद्यालयों (एनवी) के लिए क्षेत्रीय क्षमता विकास कार्यक्रम (2 कार्यक्रम), 18 अगस्त, 2021 नीपा, नई दिल्ली
- शाला सिद्धि के कार्यान्वयन के लिए नवोदय विद्यालयों (एनवी) के लिए क्षेत्रीय क्षमता विकास कार्यक्रम (3 कार्यक्रम), 23 अगस्त, 2021 नीपा, नई दिल्ली
- केन्द्रीय विद्यालयों के लिए शाला सिद्धि कार्यक्रम की शुरूआत और कार्यान्वयन पर प्रशिक्षण– चंडीगढ़ क्षेत्र, 29 सितंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- केन्द्रीय विद्यालयों के लिए शाला सिद्धि कार्यक्रम की शुरूआत और कार्यान्वयन पर प्रशिक्षण – भुवनेश्वर क्षेत्र, 30 सितंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- केन्द्रीय विद्यालयों – ग्वालियर क्षेत्र के लिए शाला सिद्धि कार्यक्रम की शुरूआत और कार्यान्वयन पर प्रशिक्षण, 1 अक्टूबर, 2021 नीपा, नई दिल्ली
- केन्द्रीय विद्यालयों के लिए शाला सिद्धि कार्यक्रम की शुरुआत और कार्यान्वयन पर प्रशिक्षण – मुंबई क्षेत्र, 4 अक्टूबर, 2021 नीपा, नई दिल्ली
- केन्द्रीय विद्यालयों – मैसूर क्षेत्र के लिए शाला सिद्धि कार्यक्रम की शुरुआत और कार्यान्वयन पर प्रशिक्षण, 5 अक्टूबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- स्कूल बाहरी मूल्यांकन को सुदृढ़ करने पर पूर्वोत्तर क्षेत्रीय कार्यशाला (कार्यशालाएं–I और II, दो कार्यशालाओं का विलय), 28–29 मार्च, 2022, शिलांग, मेघालय

सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं

- ऑनलाइन पाठ्यक्रम डिजाइन, विकास और वितरित करने के लिए संकाय विकास कार्यक्रम, (ऑनलाइन मोड) 14–18 जून, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- ऑनलाइन पाठ्यक्रम डिजाइन, विकास और वितरित करने के लिए संकाय विकास कार्यक्रम, (ऑनलाइन मोड), 5–9 जुलाई, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- ऑनलाइन पाठ्यक्रम के डिजाइन, विकास और वितरण के लिए संकाय विकास कार्यक्रम, (ऑनलाइन मोड), 2–6 अगस्त, 2021,नीपा, नई दिल्ली
- उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग के सहयोग से संकाय विकास कार्यक्रम, (ऑनलाइन मोड), 13–17 सितंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी का आवेदन, (ऑनलाइन मोड), 20–24 सितंबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली
- उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग के सहयोग से संकाय विकास कार्यक्रम, (ऑनलाइन मोड), 4–8 अक्टूबर, 2021, नीपा, नई दिल्ली

वर्ष 2021–22 के दौरान, एक डिप्लोमा कार्यक्रम के अलावा, संस्थान ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 142 अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं/सेमिनार, सम्मेलन और बैठकें आदि आयोजित कीं।

कुल 98948 प्रतिभागियों में से, 98824 (तालिका 2.4) भारतीय प्रतिभागी थे और 124 (तालिका 2.3) अन्य देशों और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से थे।

संस्थान के स्थापना दिवस

नीपा हर साल 11 अगस्त को अपना स्थापना दिवस मनाता है और इस अवसर पर प्रतिष्ठित शिक्षाविदों द्वारा स्थापना दिवस व्याख्यान दिए जाते हैं। स्थापना दिवस व्याख्यानों की सूची इस प्रकार हैः–

1. ऑल्टरनेटिव पर्सपेकटिवस ऑन हायर एजुकेशन इन द कांटेक्स्ट ऑफ ग्लोबलाईजेशन द्वारा प्रभात पटनायक (2007)।
2. डिजाइनिंग आर्किटेक्चर फॉर ए लर्निंग रिवाल्यूशन बेस्ड ऑन ए लाइफ साइकिल अप्रोच द्वारा एम.एस. स्वामीनाथन (2008)
3. यूनिवर्सिटीस इन द ट्वेंटी–फर्स्ट सेंचुरी द्वारा आंद्रे बेतिल (2009)
4. एजुकेशन, औटोनॉमी एंड अकाउंटबिलिटी द्वारा मृणाल मिरी (2010)
5. ट्वेंटी इयर्स आफ्टरः द कन्ट्रीसाइड एंड टू डिकेड्स ऑफ 'रेफॉर्म्स' द्वारा पी. साईनाथ (2011)
6. चिल्ड्रनस राइट टू एजुकेशन इन एरियास ऑफ सिविल अनरेस्ट द्वारा शान्था सिन्हा (2012)
7. एजुकेशन एंड माडर्निटी इन रुरल इंडिया द्वारा कृष्णा कुमार (2013)
8. ईमैजिनिंग नॉलिजः ड्रीमींग डेमोक्रेसी द्वारा शिव विस्वनाथन (2014)
9. एजुकेशन एस एन इंस्ट्रूमेंट ऑफ सोशल ट्रांसफॉरमेशनः द रोल ऑफ मदर टंग द्वारा टी.के. ऊम्मेन (2015)
10. एम आई एन एज्यूकैटेड पर्सन? रेफलेकशनस ऑन 'बिकमिंग एंड बीइंग' द्वारा टी.एन. मदान (2016)
11. चेन्जिंग पर्सपेक्टिवसः नियो–लिबरल पॉलिसी रिफॉर्मस एंड एजुकेशन इन इंडिया द्वारा कुलदीप माथुर (2017)
12. द पुअर बी.ए. स्टूडेंटः क्राइसिस ऑफ अन्डर ग्रैजूएट एजुकेशन इन इंडिया द्वारा मनोरंजन मोहंती (2018)
13. गर्वनिंग अकेडमिकः विदइन एंड विदाउट द्वारा पंकज चंद्रा (2019)
14. एजुकेशन एंड सोशल ऑप्पोरचुनिटीः ब्रिजिंग द गैप द्वारा ए.के. शिवा कुमार (2020); (ऑनलाइन व्याख्यान)

पंद्रहवां स्थापना दिवस व्याख्यान, रिपोर्ट की समीक्षाधीन अवधि के दौरान 'लिबरल एजुकेशन–ए ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी इम्पैरटिव' विषय पर दिया गया, के. कस्तूरीरंगन द्वारा (अगस्त 2021)।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस हर साल 11 नवंबर को मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जिन्होंने 15 अगस्त, 1947 से 2 फरवरी, 1958 तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री के रूप में कार्य किया। इस शुभ अवसर पर, नीपा हर साल मौलाना अबुल कलाम आजाद स्मारक व्याख्यान की मेजबानी करके उनकी जयंती पर एक अकादमिक कार्यक्रम आयोजित करता है। इस व्याख्यान श्रृंखला में, प्रोफेसर के. एन. पणिक्कर, मुशीरुल हसन, अमिया बागची, पीटर डिसूजा, जोया हसन, कपिला वात्स्यायन, अपर्णा बसु, फुरकान कमर, फैजान मुस्तफा, नीरा चंडोक और ध्रुव रैना जैसे प्रख्यात विद्वानों ने इस श्रृंखला में व्याख्यान दिए हैं।

बारहवां मौलाना आजाद स्मृति व्याख्यान 11 नवंबर, 2021 को डॉ. अबुसालेह शरीफ, यूएस–इंडिया पॉलिसी इंस्टीट्यूट, वाशिंगटन डी.सी., यूएसए द्वारा ऑनलाइन दिया गया था। व्याख्यान का विषय 'इंटर–जनरेशनल एंड इंटर–रीजनल डिफरेन्शियल इन हायर लेवल ऑफ एजुकेशन इन इंडिया' था। व्याख्यान की अध्यक्षता जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के समाज विज्ञान संस्थान के पूर्व प्रोफेसर और डीन डॉ अमिताभ कुंडू ने की। इस कार्यक्रम में दिल्ली के अन्य संस्थानों के विद्वानों और छात्रों के अलावा नीपा के छात्रों, संकाय सदस्यों और आमंत्रित अतिथियों ने भाग लिया।

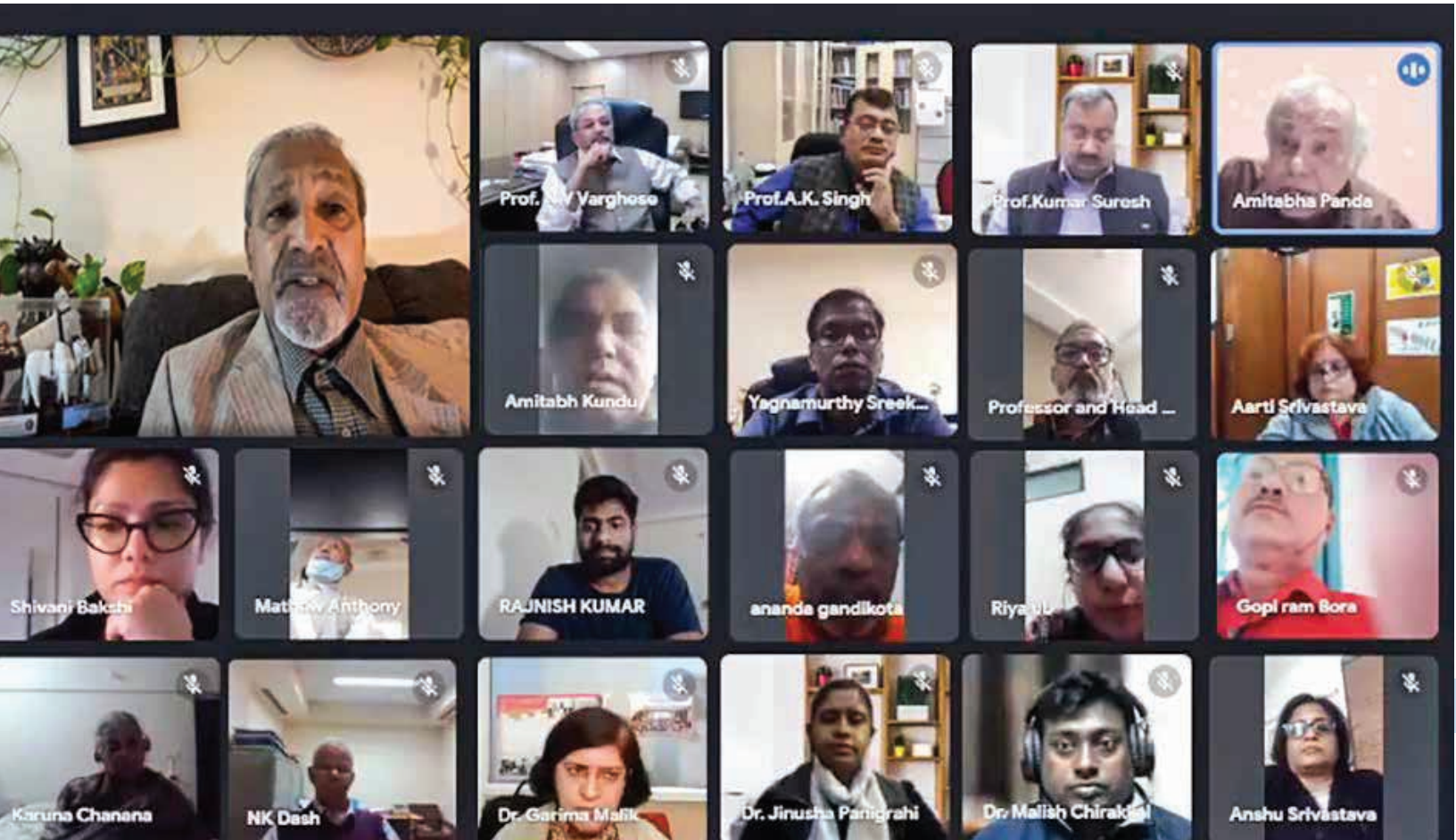

भारत
राज्यवार भागीदारी
2021-22

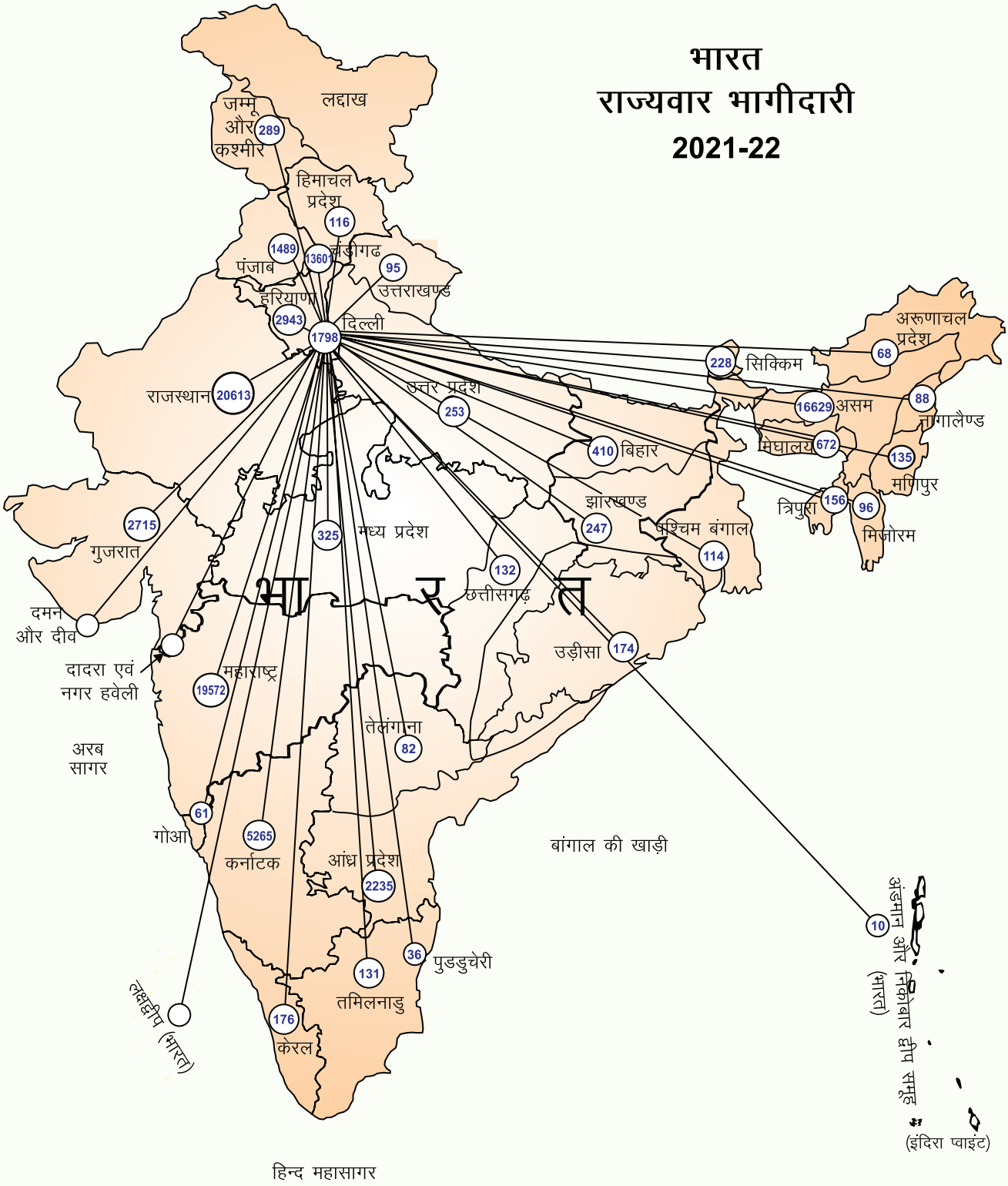

Map not to scale

3 अनुसंधान

Webinar

Research, Innovation and Ranking in Higher Education

*Friday, **10 September 2021**, 3.30 -5.00 pm IST*

Professor Furqan Qamar
Former Secretary General,
Association of Indian Universities
Professor, Management Studies,
Centre for Management Studies,
Jamia Millia Islamia

Professor Anil D. Sahasrabudhe
Chairman
All India Council for Technical Education
Government of India

Professor V. V. Krishna
FRSN
Professional Fellow, FASS, University of New South Wales, Sydney, Australia
Former Professor in Science Policy, Jawaharlal Nehru University

Chair and Moderator
Professor N. V. Varghese
Vice Chancellor
National Institute of Educational Planning and Administration

Convenor
Dr. Anupam Pachauri
Assistant Professor
Centre for Policy Research in Higher Education, NIEPA

PLEASE JOIN US ONLINE: GOOGLE MEET : https://meet.google.com/zrc-rwbq-zxu YOUTUBE : https://youtu.be/ujc06tc-liy

अनुसंधान

संस्थान, शिक्षा क्षेत्र में विकासात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति को सुनिश्चित करने हेतु साक्ष्य आधारित विकल्पों और रणनीतियों को तैयार के लिए नवीन ज्ञान जुटाने हेतु, शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रबंधन को विशेषकर ध्यान में रखते हुए, विभिन्न विषयों में पारस्परिक शोध और अध्ययनों को बढ़ावा और सहायता प्रदान करता आ रहा है। संस्थान भारत के विभिन्न राज्यों और अन्य देशों में भी गुणात्मक तथा गणनात्मक दोनों प्रकार के शोध, वर्तमान नीतियों, योजनाओं एवं कार्यक्रमों का पुनरीक्षण और मूल्यांकन की तकनीकों तथा प्रशासनिक ढ़ांचों एवं प्रविधियों में तुलनात्मक अध्ययन करता है। अध्ययनों सहित ऐसे कार्य–शोध पर जोर दिया जाता है, जो शैक्षिक नीति, योजना और प्रबंधन में सुधार के लिए मुख्य

क्षेत्रों में नवीन ज्ञान को सृजित कर सकता है।

एम.फिल. और पी–एच.डी. कार्यक्रमों के अतिरिक्त, राष्ट्रीय संस्थान के संकाय सदस्यों द्वारा किए जाने वाले शोध अध्ययनों, अन्य ऐजेंसियों द्वारा प्रायोजित शोध अन्तरर्राष्ट्रीय सहयोग प्राप्त अध्ययनों कार्यक्रम मूल्यांकन अध्ययनों और आंकड़ा प्रबंधन अध्ययनों जैसे शोध कार्यक्रम को भी सहायता प्रदान करता है। शिक्षा प्रणाली में उठने वाले संभावित प्राथमिकता के मुद्दों अथवा भारतीय शिक्षा प्रणाली वास्तव में जिन मुद्दों से जूझ रही है, उनसे संबंधित शोध अध्ययन होते हैं। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, 7 शोध अध्ययन पूर्ण किए गए, जबकि 24 अध्य्यन प्रगति पर हैं।

पूर्ण शोध अध्ययन

(31 मार्च, 2022 तक)

1. **उच्च शिक्षा की सफलता और सामाजिक गतिशीलताः विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में अ.जा./ अ.ज.जा./ अ.पि.व. और अल्पसंख्यकों के कोचिंग योजनाओं पर अध्ययन (यू.जी.सी)**

अन्वेषकः डा. सी.एम. मलिश और डा. निधि एस. सभरवाल

अध्ययन पूरा हुआ।

2. **उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्र विविधता के प्रबंधन पर माड्यूल**

अन्वेषकः डा. निधि एस. सभरवाल और डा. सी. एम. मलिश

अध्ययन पूरा हुआ।

3. **छोटे विद्यालयों के लिए नेतृत्व : महत्वपूर्ण नेतृत्व विकास और व्यवहार का अन्वेषण**

अन्वेषकः ***डा. कश्यपी अवस्थी***

अध्ययन पूरा हुआ।

4. **गैर–शैक्षणिक कार्यकलापों में अध्यापकों की अंतर्ग्रस्तता और शिक्षा पर इसका प्रभावः निर्वाचन और निर्वाचन से संबद्ध–कर्त्तव्य के निर्वहन में अध्यापकों द्वारा व्यतीत किए गए समय का अखिल भारतीय अध्ययन**

अन्वेषकः प्रो. विनिता सिरोही

अध्ययन पूरा हुआ।

5. **हरियाणा राज्य के फरीदाबाद में जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) के कार्यालय में निर्णय लेने की प्रक्रियाः एक प्रायोगिक अध्ययन**

अन्वेषकः प्रो. विनीता सिरोही

अध्ययन पूरा हुआ।

6. **प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा में शिक्षण और अधिगम में फ्रंटियर टैक्नोलॉजी के उपयोग पर स्थितिजन्य विश्लेषण**

अन्वेषकः प्रो. प्रणति पांडा और श्री ए.एन. रेड्डी

अध्ययन पूरा हुआ।

7. **शैक्षिक प्रशासन का तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण**

अन्वेषकः ***प्रो. कुमार सुरेश***

राजस्थान और दिल्ली राज्य की रिपोर्ट जमा की गई।

अनुसंधान अध्ययन (जारी)

(31 मार्च, 2022 तक)

1. शैक्षिक प्रशासन का तृतीय अखिल भारतीय सर्वेक्षण और विषयगत अध्ययन

अन्वेषकः प्रो. कुमार सुरेश

सर्वेक्षण के बारे में पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान विद्यालयी शिक्षा के प्रशासन को समाहित करने के लिए विभिन्न राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों के सहयोग से समय–समय पर शैक्षणिक प्रशासन का सर्वेक्षण करता है। शैक्षणिक प्रशासन विभाग ने राज्यों के सहयोग से शैक्षणिक प्रशासन का तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण का संचालन करने का प्रस्ताव किया। तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण आयोजित करने संबंधी प्रस्ताव को वर्ष 2012 में हुई प्रबंधन मंडल की बैठक में अनुमोदित किया गया था। सर्वेक्षण आरंभ करने के प्रारंभिक कार्य के पश्चात् सर्वेक्षण के वास्तविक कार्य का शुभारम्भ दिसम्बर, 2014 में हैदराबाद में आयोजित पहली क्षेत्रीय कार्यशाला से हुआ।

सर्वेक्षण के पहले चरण के दौरान 23 राज्यों के सर्वेक्षण की रिपोर्ट पूरी की गई। शेष छह राज्यों के नोडल अधिकारियों की कार्यशाला का आयोजन कर वर्ष 2018 मे सर्वेक्षण के द्वितीय चरण का शुभारम्भ किया गया। मेघालय, राजस्थान और त्रिपुरा ने अपने–अपने राज्यों की रिपोर्ट को अंतिम रूप दे दिया है और वर्ष 2020–21 के दौरान संबंधित राज्यों के स्कूली शिक्षा विभाग द्वारा अनुमोदित रिपोर्ट की अंतिम प्रति प्रस्तुत कर दी है। इन प्रतिवेदनों की समीक्षा की जा रही है और अन्तर्वस्तु का संपादन परियोजना निदेशक द्वारा किया जा रहा है। शीघ्र ही इन्हें तकनीकी संपादन और प्रसारण/प्रकाशन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

दिल्ली में रिपोर्ट तैयार करने के लिए सभी संबंधित दस्तावेज़ और सामग्री विभाग को उपलब्ध करायी थी। किन्तु स्वयं रिपोर्ट तैयारी करने में अपनी असमर्थता जताई। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी के आधार पर दिल्ली का प्रतिवेदन तैयार किया जा रहा है।

झारखंड के मामले में प्रारूप प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया था किन्तु अंतिम प्रतिवेदन अभी भी प्रतीक्षित है।

जम्मू और कश्मीर में सर्वेक्षण कार्य राज्य से कोई प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं होने के कारण लंबित था। प्रतिवेदन पर चर्चाकर इसे अंतिम रूप देने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) में 13–14 मई 2019 को एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई जिसके फलस्वरूप प्रक्रिया में तेजी लाए जाने का मार्ग प्रशस्त हुआ। एक नई टीम गठित की गई और जुलाई, 2019 में जम्मू और कश्मीर में प्रक्रिया को पुनः आरम्भ किया गया। राज्य द्व ारा 15–16 जुलाई 2019 को श्रीनगर में एक कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें अधिकारियों और संस्थागत प्रमुखों ने भाग लिया और प्रश्नावली और समूह चर्चाओं के माध्यम से जानकारी उपलब्ध कराई। तत्पश्चात् जम्मू और कश्मीर में सर्वेक्षण कार्य का शुभारम्भ हुआ। राज्य के अधिकारियों ने सर्वेक्षण पूरा करने में तत्परता दिखाई थी लेकिन राज्य में धारा 370 के निरस्त होने के परिण ामस्वरूप स्थिति अवरूद्ध हो गई। हालांकि नोडल अधिकारी ने सर्वेक्षण कार्य हेतु समिति के पुनर्गठन के लिए पत्राचार किया था, लेकिन मार्च 2020 में कोविड–19 महामारी के दौरान लॉकडाउन के पश्चात इस संबंध में कोई जानकारी प्राप्त नहीं हुई। एक बार पुनः जम्मू और कश्मीर राज्य से अनुनय किया जा रहा है कि वे इस कार्य को पूरा करें। अब एक पृथक संघ राज्य क्षेत्र के प्रतिवेदन के रूप में इसके फिर से आरम्भ किये जाने की संभावना है।

सूचना के बिन्दु और विचारार्थ प्रस्तुति

मेघालय और राजस्थान में सर्वेक्षण के राज्य प्रतिवेदनों का अंतिम प्रारूप पूरा हो गया है और राज्य द्वारा इसे

प्रस्तुत किया गया। त्रिपुरा राज्य का प्रारूप प्रतिवेदन पूरा किया गया और प्रस्तुत किया गया। झारखंड ने नीपा में समीक्षा बैठक में प्रारूप रिपोर्ट साझा की। दल को इसे अंतिम रूप दिए जाने संबंधी जानकारी उपलब्ध कराई गई किन्तु इसे अभी तक प्रस्तुत नहीं किया गया है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी के आधार पर दिल्ली के प्रतिवेदन का प्रारूप तैयार कर लिया गया है। विभाग से प्राप्त जानकारी के आधार पर रिपोर्ट को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है। सर्वेक्षण के परियोजना निदेशक द्वारा प्रतिवेदन को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कोई प्रत्युत्तर नहीं मिलने के कारण जम्मू और कश्मीर का सर्वेक्षण कार्य लंबित था अब एक पृथक संघ राज्य क्षेत्र के रूप में इसके पुनः आरम्भ किए जाने की संभावना है। सर्वेक्षण कार्य के समापन, प्रतिवेदनों को अंतिम रूप दिए जाने तथा प्रक्रिया के पुनः आरम्भ होने पर इनके प्रसार/प्रकाशन में अतिरिक्त आठ से नौ महीने का समय लग सकता है। इसके दिसम्बर, 2022 तक पूरा किए जाने की संभावना है।

2. शैक्षिक प्रशासन की संरचना और कार्यों का अध्ययन (शैक्षिक प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण के भाग के रूप में विषयगत अध्ययन)

अन्वेषकः प्रो. कुमार सुरेश और अन्शू श्रीवास्तव
(प्रो. विनीता सिरोही पहले टीम की सदस्य थीं लेकिन अन्य प्रमुख अध्ययन और संस्थागत गतिविधियों में व्यस्तता के कारण उन्होंने अपनी अक्षमता व्यक्त की है इसलिए एक और नया सदस्य जोड़ा गया है)

अध्ययन का उद्देश्य शैक्षिक प्रशासन की संरचना और कार्य के पहलू पर संसाधन डाटा अंतराल को पूरा करना है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शैक्षिक प्रशासन की संरचना और कार्यों पर शायद ही जानकारी उपलब्ध है। शिक्षा विभाग की वेबसाइटों में संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के शैक्षिक प्रशासन की संरचना की बुनियादी जानकारी शामिल है, लेकिन ये मुख्य रूप से सचिवालय और निदेशालय स्तरों तक सीमित हैं। अधिकांश मामलों में निदेशालय स्तर से नीचे शैक्षिक प्रशासनिक ढांचे की जानकारी बहुत कम है।

यह उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है कि जिले में और जिला स्तर के नीचे के अधिकारियों के पदनाम, स्थिति और भूमिका में काफी भिन्नताएं हैं। क्षेत्र स्तर के शैक्षिक प्रशासन की स्थिति, भूमिका और कार्यात्मक जिम्मेदारियों का शैक्षिक सेवाओं के कुशल और प्रभावी वितरण पर महत्वपूर्ण असर पड़ता है। जिले और निचले स्तर पर शैक्षिक प्रशासन नीतियों और शैक्षिक विकास के कार्यक्रमों को लागू करना जिम्मेदारियों से भरा हुआ है। इसके अलावा, हाल के वर्षों में शैक्षिक विकास के लिए नीतिगत पहल, क्षेत्र स्तर पर शैक्षिक प्रशासन की स्थिति, भूमिका और कार्यों में मानकीकरण कुछ हद तक आवश्यक है। वास्तव में, संरचनाओं और कार्यों में कोई समानता नहीं है। शैक्षिक प्रशासन से संबंधित कई समस्याएं और मुद्दे हैं। तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण शैक्षिक प्रशासन की राज्य रिपोर्टें इन्हें इंगित करती हैं। शैक्षिक प्रशासन की नई चुनौतियाँ किस हद तक प्रशासनिक संरचना नई मांगों और चुनौतियों के लिए पर्याप्त रूप से जवाबदेह है, इसके अन्वेषण की आवश्यकता है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि कई राज्यों ने विभिन्न स्तरों पर, विशेष रूप से जिला और ब्लॉक स्तरों पर अपने प्रशासनिक ढांचे में सुधार किए हैं। बिहार कई अन्य राज्यों के साथ इस संबंध में उदाहरण है। कुछ राज्यों में शुरू किए गए सुधार के उपाय दूसरों के लिए शिक्षाप्रद हो सकते हैं। कई बार प्रशासनिक संरचना में किए गए सुधार और राज्य में इसकी कार्यात्मक जिम्मेदारियां अन्य राज्यों के लिए सीखने की संभावनाओं को खोलती हैं। सार्वजनिक डोमेन में सटीक जानकारी उपलब्ध नहीं होने के कारण, पारस्परिक रूप से सीखने की संभावना नहीं है। विभिन्न स्तरों शैक्षिक प्रशासन की संरचना पर जानकारी की अनुपलब्धता के अलावा; राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में शैक्षिक प्रशासन के हर स्तर से जुड़ी कार्यात्मक जिम्मेदारी पर कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है।

इस संदर्भ में वर्तमान अध्ययन किया गया है। वर्तमान अध्ययन ने तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण में शेष अंतरालों को और साथ ही साथ सूचना की आलोचनात्मकता को भरने के लिए शैक्षिक प्रशासन के चार महत्वपूर्ण स्तरों को लिया हैः (1) संघ स्तर पर शैक्षिक प्रशासन, जिसमें नियामक और पेशेवर निकायों की भूमिका और कार्य शामिल हैं; (2) केंद्र शासित प्रदेशों में शैक्षिक प्रशासन;

(3) राज्यों में शैक्षिक प्रशासन; और (4) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में शैक्षिक प्रशासन।

31 मार्च 2022 तक प्रगति

कार्य प्रगति पर है लेकिन धीमी प्रगति कर रहा है। अध्ययन रिपोर्ट के क्षेत्र स्तर/नीपा आधारित कार्यशालाओं के आधार पर तैयार होने की उम्मीद थी, लेकिन सभी स्तरों पर शिक्षा क्षेत्र में व्यवधान के कारण अमल में नहीं आ सके। यह अब आंकड़े एकत्र करने के लिए मिश्रित माध्यम में शुरू होगा। दिसम्बर 2022 तक पूरा होने की संभावना है। इस उद्देश्य के लिए कोई स्टाफ नियुक्त नहीं किया गया है। नियुक्ति जब आवश्यक होगा तो वास्तविक आवश्यकताओं के आधार की की जाएगी।

3. शैक्षिक प्रशासन में जिला और ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों की स्थिति, भूमिका और जिम्मेदारियां (शैक्षिक प्रशासन में तृतीय अखिल भारतीय सर्वेक्षण के भाग के रूप में विषयगत अध्ययन)

अन्वेषकः प्रोफेसर कुमार सुरेश और डा. वी. सुचरिता

जिला और ब्लॉक शिक्षा अधिकारी क्षेत्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण शैक्षिक अधिकारी होते हैं। वे स्कूलों के प्रभावी कामकाज को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिला और ब्लॉक स्तर पर शैक्षिक प्रशासन उनकी निगरानी और समर्थन के मामलों में स्कूलों से निकटता से जुड़े होते है; वे स्कूलों और उच्च स्तर के शैक्षिक प्रशासन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं। स्कूल स्तर पर सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों का कार्यान्वयन इन अधिकारियों की महत्वपूर्ण कार्यात्मक जिम्मेदारियों को दर्शाता है। किस प्रकार ये अधिकारी क्षेत्र स्तर पर उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं इनकी भूमिका और जिम्मेदारियों के विस्तार के संपूर्ण पहुंच को समझना महत्वपूर्ण है। इस अध्ययन के आंकड़े प्राथमिक और माध्यमिक दोनों स्रोतों पर आधारित है। अध्ययन मुख्य रूप से शैक्षिक प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण सहित जिला शिक्षा अधिकारियों और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों के राज्य स्तरीय सम्मेलनों के साथ–साथ जिला और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों से संबंधित क्षेत्र–आधारित आंकड़ा संग्रह पर उपलब्ध डेटाबेस पर आधारित होगा। शैक्षिक प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण की राज्य रिपोर्ट में विवरणात्मक प्रारूप के अनुसार जिला और ब्लॉक स्तर के शैक्षिक प्रशासन के बारे में कुछ बुनियादी जानकारियों के अलावा, जिसमें वर्णनात्मक प्रारूप के अनुसार स्थिति, भूमिका और कार्यकारी जिम्मेदारियां शामिल हैं। हालांकि, विश्लेषणात्मक आयाम शामिल नहीं हैं। वर्णनात्मक आंकड़ों का विश्लेषण एक महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य से किया जाएगा। वर्तमान अध्ययन मुख्य रूप से क्षेत्र अध्ययन के माध्यम से एकत्र किए गए आंकड़ों और जानकारी के अलावा आंकड़ों के विश्लेषण पर आधारित होगा। विश्लेषणात्मक दृढ़ता के संदर्भ में वर्णनात्मक आंकड़ों के महत्व को जोड़ने के लिए, गुणात्मक आयामों को भारत के विभिन्न क्षेत्रों और राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले छह जिलों और छह ब्लॉकों को जोड़ा जा रहा है। उपलब्ध आंकड़ों और क्षेत्र आधारित आंकड़ों की स्थिति, जिला और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों की भूमिका, जिम्मेदारियों और चुनौतियों दोनों के विश्लेषण के आधार पर अध्ययन किया जाना है।

31 मार्च 2022 तक प्रगति

कार्य प्रगति पर है लेकिन अतिरिक्त समय लगने की संभावना है। आंकड़ों के द्वितीयक स्रोतों का संकलन किया गया है। प्राथमिक आंकड़े एकत्र किये जाने बाकी है। क्षेत्रीय स्तर पर कार्य की गतिशीलता को पकड़ने के लिए अनुसंधान उपकरणों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आंकड़ों के प्राथमिक और माध्यमिक दोनों स्रोतों को एकत्र करने और उनका मिलान करने के बाद रिपोर्ट तैयार की जाएगी। **अध्ययन के दिसंबर 2022 तक पूरा होने की उम्मीद है।**

4. भारत के शैक्षिक शासन में संघवाद और संघ–राज्य संबंध

अन्वेषकः प्रो. कुमार सुरेश

संघीय प्रणालियों में शैक्षिक प्रशासन संवैधानिक रूप से अनिवार्य न्यायिक विनिर्देश और सरकार के गठन के बाद से दो स्तरों– सरकारी और घटक इकाइयों के बीच जिम्मेदारियों को सौंपने पर आधारित है। कुछ मामलों में शिक्षा के संचालन की जिम्मेदारी विशेष रूप से घटक

इकाइयों की होती है। संघीय इकाइयों के लिए नीति और वित्तीय स्वायत्तता स्वाभाविक रूप से जिम्मेदारियों के वितरण के आधार पर होती हैं। अतः शिक्षा के शासन में संघीय सरकारों और घटक इकाइयों के बीच संबंधों की प्रकृति को निर्धारित करता है।

भारत में शैक्षिक प्रशासन की अपनी गतिशीलता संघीय विविधता के तर्क और संदर्भ में गहराई से निहित है। संघ और राज्यों के संवैधानिक रूप से परिभाषित जिम्मेदारियों और यथोचित सीमांत क्षेत्राधिकार सरकार के दो स्तरों के रूप में भारत में शिक्षा के संघीय शासन का औपचारिक मॉडल है। यह एक स्तर पर संघीय इकाइयों की स्वायत्तता के अंतर्निहित आधार पर आधारित है और दूसरे स्तर पर बड़े संघीय आदेश के साथ जैविक कड़ी है। संघीय सरकार से राज्यों के शैक्षिक प्रयासों में सक्षम भूमिका निभाने और साथ ही संघीय विविधता के साथ राष्ट्रीय (संघीय) प्राथमिकताओं को सामंजस्य बनाने में भी उम्मीद की जाती है।

भारत में शिक्षा का प्रशासन संघ और राज्यों के बीच एक साझा जिम्मेदारी है। साझा जिम्मेदारी का संदर्भ संविधान के 42वें संशोधन द्वारा प्रभावित धाराओं के तर्क का विस्तार है। शासन के इस पहलू को संघ और राज्यों के बीच कुछ हद तक सहयोग की आवश्यकता है। संघ और राज्यों के बीच सहकारी साझेदारी की भाषा अक्सर भारत में शिक्षा के संघीय शासन के मॉडल का वर्णन करने के लिए उपयोग की जाती है। सहकारिता साझेदारी (सहकारी संघवाद) का यह उपयोग प्रशासन की समन्वय संरचना के समरूप संबंधों में कितनी सक्षमता के साथ आ सका है, यह एक ऐसा प्रश्न है जिसके अन्वेषण की आवश्यकता है। निस्संदेह, संवैधानिक व्यवस्था के मूल स्कीमा ने शिक्षा के प्रशासन में राज्यों के लिए एक अपेक्षाकृत स्वायत्त डोमेन की परिकल्पना की थी। हालांकि, शिक्षा में सुधार के लिए संघीय सरकार द्वारा संवैधानिक संशोधनों, अधीनस्थ विधानों और नीतिगत पहलों के रूप में संवैधानिक विकास ने संघ–राज्य संबंधों और शासी शिक्षा में राज्यों की क्षमता को काफी हद तक प्रभावित किया है। विशेष रूप से 1980 के दशक के बाद पिछले कई दशकों के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में कई नीतिगत सुधार किए गए हैं। केंद्र सरकार की दिशानिर्देशों में कई केंद्र प्रायोजित योजनाओं और एजेंसियों के प्रसार, इस अवधि के महत्वपूर्ण घटनाक्रम हैं। ये संघीय सरकार के विस्तार की भूमिका और राज्य सरकारों की सिकुड़ती क्षमता के साधन के रूप में हैं। इसी संदर्भ में अध्ययन आयोजित किया जा रहा है।

अध्ययन प्राथमिक और माध्यमिक आंकड़ों के आधार पर डेस्क और क्षेत्र आधारित अनुसंधान दोनों का संयोजन है। इसके तीन घटक हैं। पहला, संघ–राज्य संबंधों को प्रभावित करने वाले संवैधानिक और उत्तर संवैधानिक विकास का अध्ययन है। इसका प्रमुख उद्देश्य अधिनियम, अधीनस्थ विधान एवं नीतिगत पहल और केंद्र प्रायोजित योजनाओं में सुधार करना। दूसरा, मुख्य रूप से स्कूली शिक्षा पर केंद्रित होगा और तीसरा, उच्च शिक्षा पर केंद्रित होगा। अनुभवजन्य अध्ययन के लिए कुछ राज्यों को जानकारी के रूप में लिया जाएगा। परियोजना सलाहकार समिति के विशेषज्ञों और सदस्यों के परामर्श से अध्ययन में शामिल किए जाने वाले आयामों के विवरण पर काम किया जाएगा।

31 मार्च 2022 तक प्रगति

यह अध्ययन जनवरी 2019 से शुरू हो गया है। माध्यमिक साहित्य और सामग्री एकत्र की गई है। परियोजना की प्रस्तावित अवधि जनवरी 2019 से शुरू होकर दो वर्ष की है, लेकिन, सर्वेक्षण कार्य को पूरा करने हेतु प्राथमिकता देने, राज्यों में कार्यशालाओं की श्रृंखला आयोजित करने और सर्वेक्षण दल के सदस्यों के साथ बैठकों में परियोजना अन्वेषक की व्यस्तता के अलावा कुलसचिव (प्रभारी), नीपा की अतिरिक्त जिम्मेदारी देने के कारण परियोजना में कोई विशेष प्रगति नहीं हुई है। जब तक क्र. सं. 2 और 3 सर्वेक्षण कार्य एवं अध्ययन पूर्ण नहीं हो जाता तब तक कार्य धीमी गति से चलता रहेगा। सर्वेक्षण कार्य के साथ–साथ दो अध्ययनों के दिसंबर, 2022 तक पूरा होने की संभावना है।

यह अध्ययन दिसंबर 2022 तक पूरा होने की उम्मीद है। इस बीच, परियोजना के विभिन्न चरणों में अनुसंधान के परिणामों की समीक्षा के रूप में प्रसार किया जाएगा।

इसके लिए कोई कर्मचारी नियुक्त नहीं किया गया है। कर्मचारी की नियुक्ति वास्तविक आवश्यकता के आधार पर की जाएगी।

5. भारत में तुलनात्मक शैक्षिक लाभ की स्थानिक गतिशीलता

अन्वेषकः प्रो. मोना खरे

1 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च , 2022 की अवधि के दौरान कोई विवरण नहीं दिया गया।

6. भारत में उच्चतर शिक्षा स्नातकों का रोजगार और रोजगारशीलता

अन्वेषकः प्रोफेसर मोना खरे

भारत की गणना विश्व की सबसे बड़ी शिक्षा प्रणालियों में से एक के रूप में की जाती है, शिक्षित स्नातकों की रोजगार क्षमता के अक्सर देश के समक्ष आने वाली सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बड़ी चुनौती मानी जाती है। भारत विकास की गाथा इस अर्थ में अनुपम है कि यहाँ आर्थिक विकास के व्यापक स्वीकृत मॉडल अर्थात् कृषि से उद्योग और फिर सेवा के क्षेत्र में अंतरण को चुनौती दर है। स्वतंत्रता के आरंभिक वर्षों में विनिर्माण जगत से होने वाली वृद्धि शीघ्र ही तृतीयक क्षेत्र की प्राधान्यता से प्रतिस्थापित हो गया। साथ ही, 1960 के दशक से 1980 के दशक तक की कम रोजगार वृद्धि और इस अवधि में शिक्षित बेरोजगारों की बढ़ती हुई संख्या की उदारीकरण युग अर्थात् 1990 के दशक में पुनरावृत्ति हुई। वस्तुतः 1990 के दशक में रोजगार विहीन विकास हुआ। जबकि भारतीय अर्थव्यवस्था ने औद्योगिक क्षेत्र में अग्रेसित हुआ जिसका भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 3/4 हिस्सा योगदान है। रोजगार के मामले में यह बात सही नहीं बैठती। जहाँ एक बड़ी आवादी कृषि और कृषि से सम्बद्ध कार्यकलापों में व्यस्त है। जिसमें से एक बड़ा हिस्सा जीवन निर्वाह का स्तर पारंपरिक कृषि ही है। तथापि, भावी अनुमान से पता चलता है कि रोजगार के मामले में 60 प्रतिशत नौकरियों की बढ़ोतरी सेवा क्षेत्र में होगी। स्नातकों की रोजगारपरकता की समस्या में पूर्ति और मांग दोनों पक्ष सम्मिलित हैं। इतना ही नहीं रोजगार परकता और कौशल ह्रास को भी रोजगार, बेरोजगारी और श्रम बाजार की परिस्थितियों से पूर्णतः अलग नहीं किया जा सकता है। वर्तमान अध्ययन में बाह्य और आन्तरिक कारकों के साथ–साथ मांग और पूर्ति संबंधी कारक जिनका स्नातक रोजगार परकता पर प्रभाव को संयुक्त रूप से दर्शाने का प्रयत्न किया गया है। इस अध्ययन में तीन अन्तःसंबद्ध जगत अर्थात् व्यापक, संस्थानिक और व्यक्तिगत स्तरों पर भारत में स्नातक रोजगार परकता और उच्चतर शिक्षा के विषय को समझने का प्रस्ताव है जो इस प्रकार हैंः– शिक्षित रोजगार/बेरोजगारी के रूझान के व्यापक आर्थिक आयाम; उद्योग की बढ़ती हुई माँग और विश्वविद्यालय/उच्चतर शिक्षा के आयाम; व्यष्टिक हितधारकों का उच्चतर शिक्षा में भागीदारी के बारे में बदलते हुए अवबोध और प्रत्याशा तथा रोजगार की तैयारी के सन्दर्भ में प्रावधान। इस अध्ययन का उद्देश्य शोध संबंधी निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर देना हैः (क) उच्चतर शिक्षा स्नातकों की रोजगारपरक कौशल क्या है; (ख) उनके कार्य स्थल अपेक्षाओं की तुलना में विश्वविद्यालय की शिक्षा के दौरान रोजगार की तैयारी के बारे में नए कर्मचारियों के क्या अनुभव हैं; (ग) रोजगार परकता के लिए कौशल विकसित करने के बारे में विद्यार्थियों की उच्चतर शिक्षा संस्थानों से क्या उम्मीदें हैं; (घ) उद्योग के लिए तैयार स्नातकों को तैयार करने में उच्चतर शिक्षा क्षेत्र की भूमिका में विश्वविद्यालय के शिक्षक और प्रशासकों की क्या अनुक्रिया है? (ङ) क्या स्नातक रोजगार परकता कौशल नीति समय की माँग है? प्रमुख हितधारकों के संदर्श यथा नियोक्ता और नए कर्मचारी, विद्यार्थी और शिक्षकगण का पता लगाया जाता है जो शोध संबंधी प्रश्नों के उत्तर दे सकें। यह देश में बहु–स्तरीय, बहु–राज्यीय अध्ययन है जिसमें देश के कई शहरों को शामिल किया गया है। चिन्हित छह शहरों में स्तर–I के चार शहर– मुम्बई, दिल्ली, बेंगलुरू, हैदराबाद हैं। स्तर–II के शहरों में लखनऊ प्रमुख रोजगार प्रदाता है; स्तर–III श्रेणी के शहरों में उदयपुर रोजगार उपलब्ध कराने वाले प्रथम तीन शहरों में से एक है।

इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य स्नातक रोजगार परकता को सभी हितधारकों के अवबोध का विश्लेषण करना; नियोक्ता–कर्मचारी समुदाय और शैक्षणिक समुदाय (विद्यार्थी और शिक्षकों) में स्नातमक रोजगार परकता कौशल के बारे में प्रसरण व विभिन्नता को समझना, महिला और पुरुष, सामाजिक समूहों और क्षेत्रों के बीच कौशल अंतरक विभेद की रोजगार परकता का परिमाप, भारतीय विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में विद्यमान ऑन–कैम्पस/ऑफ कैम्पस रोजगार परकता सहयोग

का अध्ययन करना और उच्चतर शिक्षा स्नातकों को लाभप्रद रोजगार प्राप्त करने में आनेवाली संस्थानिक अड़चनों को चिन्हित करना है।

विश्लेषण फ्रेमवर्क कार्यशाला 18 और 19 जनवरी, 2018 को आयोजित की गयी। 5 राज्यों (महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना की उच्चतर शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगार परकता के संबंध में सीपीआरएचई अध्ययन की समीक्षा की जा रही है। (चार की समीक्षा की गई, दो अंतिम संस्करण प्राप्त हुए हैं)। उच्चतर शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगार परकता के संबंध में सीपीआरएचई का संलिष्ट प्रतिवेदन तैयार किया जाना है (शीघ्र ही पूरी होने वाली है)।

7. भारत में उच्चतर शिक्षा की गुणवत्ताः संस्थागत स्तर पर बाह्य और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन का एक अध्ययन

अन्वेषकः डा. अनुपम पचौरी

राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC) और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन (IQAs) द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थानों की गुणवत्ता में कोई बदलाव आया या नहीं, ऐसे बहुत कम अनुभवजन्य साक्ष्य हैं। इस शोध अध्ययन का व्यापक उद्देश्य यह समझना है कि संस्थागत स्तर पर बाहरी गुणवत्ता आश्वासन (EQA) और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन (IQA) गुणवत्ता को कैसे बढ़ाये जाए; और कैसे EQA एजेंसियां उच्च शिक्षा संस्थानों और कार्यक्रमों को प्रभावित करे और कैसे संस्थागत स्तर पर IQA की संरचना और कार्य का विश्लेषण करती हैं। एनएएसी मान्यता के दूसरे या आगामी चक्र में पांच विश्वविद्यालयों और प्रत्येक चयनित विश्वविद्यालयों में से संबद्ध एक–एक मान्यता प्राप्त महाविद्यालय को कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मेघालय, राजस्थान और तेलंगाना के पांच राज्यों से चुना गया है।

प्रमुख अन्वेषक ने परियोजना की प्रगति कार्यान्वयन का बारीकी से पालन किया और राज्य टीमों को मसौदा रिपोर्ट तैयार करने में मदद की। जिसमें मात्रात्मक और गुणात्मक आंकड़ों के कोडिंग और विश्लेषण में मदद करना और राज्य रिपोर्ट का पहला मसौदा लिखना शामिल था। अध्ययन के लिए चयनित संस्थानों से पांच संस्थागत टीमों द्वारा राज्य स्तर की रिपोर्ट का पहला मसौदा तैयार किया गया। प्रत्येक टीम को प्रत्येक अध्याय के मसौदा पर विस्तृत प्रतिक्रिया लिखने की रिपोर्ट की प्रक्रिया के दौरान प्रदान किया गया था। इसके बाद रिपोर्ट के अंतिम प्रस्तुतिकरण से पहले संशोधन के लिए टीमों को भेजे गए प्रत्येक रिपोर्ट का संपादन और समीक्षा की गई। अनुसंधान पद्धति कार्यशाला सामग्री दस संस्थानों (चार राज्य विश्वविद्यालयों और इनमें से प्रत्येक के साथ संबद्ध एक महाविद्यालय और एक केंद्रीय विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध एक महाविद्यालय) को अनुसंधान परियोजना के लिए शामिल किया गया था। सामग्री में पांच संस्थागत टीमों द्वारा प्रस्तुत मसौदा रिपोर्टों पर टिप्पणियों सहित विस्तृत समीक्षा पुस्तिकाएं शामिल थीं। पुस्तिका में संबंधित टीमों के लिए शोध रिपोर्ट में सुधार करने के लिए सुझाव भी थे ताकि बाहरी गुणवत्ता आश्वासन और आंतरिक सुरक्षा आश्वासन के कारण संस्थानों में परिवर्तन को उजागर और विश्लेषण कर सकें। तृतीय अनुसंधान पद्धति कार्यशाला में टिप्पणियों के लिए मसौदा राज्य रिपोर्ट और संश्लेषण रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। प्रत्येक प्रस्तुति के उपरान्त समीक्षा और टिप्पणियों को सहकर्मी दल के प्रमुख ने अनुसंधान रिपोर्ट की समीक्षा के लिए कार्य सौंपा। इसके बाद टीम के अन्य सभी सदस्यों की टिप्पणियों का पालन किया गया। अंत में, परियोजना समन्वयक और अनुसंधान परियोजना के प्रधान अन्वेषक डा. अनुपम पचौरी द्वारा विस्तृत समीक्षा की गई। शोध पद्धति कार्यशाला में टिप्पणियों और चर्चाओं के मद्देनजर समीक्षा टिप्पणी पुस्तिका को और संशोधित करके सभी टीमों के साथ साझा किया गया ताकि दल की राज्य रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा सके। संस्थागत टीमों की प्रतिक्रियाओं को प्राप्त करने के लिए परियोजना अनुसंधान पद्धति की प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार की गई।

वर्तमान में, वेब अपलोड के लिए प्रधान अन्वेषक/ परियोजना समन्वयक द्वारा राज्य टीम की रिपोर्ट संपादित और संश्लेषण कर अंतिम रूप दिया जा रहा है। 25 मार्च, 2022 को आयोजित अनुसंधान परियोजना विशेषज्ञ समिति की अंतिम बैठक में संश्लेषण रिपोर्ट प्रस्तुत की गई जिसमें विशेषज्ञों द्वारा रिपोर्ट की अत्यधिक सराहना की गई थी, और रिपोर्ट को परिष्कृत करने

और नीति संक्षेप विकसित करने हेतु मूल्यवान सुझाव दिए गए थे। विशेषज्ञों में नॉक, कॉमनवेल्थ ऑफ ओपन लर्निंग, जेएनयू और नॉलेज कमीशन, कर्नाटक के संकाय शामिल थे। विशेषज्ञों की समीक्षा टिप्पणियों को शामिल करने के लिए रिपोर्ट को और परिष्कृत किया जा रहा है। आईक्यूए और ईक्यूए विषय पर एक शोध पत्र और नीति संक्षिप्त विकसित की जाएगी।

परियोजना प्रतिफल/परियोजना परिणामः (अ) 5 राज्यों के प्रतिवेदन, (ब) 1 संश्लेषण रिपोर्ट (स) एक शोध पत्र (द) दो नीति संक्षेप, इसके अलावा, निम्नांलिखित प्रतिफल भी प्राप्त हुए हैंः—

1. पचौरी, अनुपम (2021, आगामी), राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बाद गुणवत्ता आवश्वासन और आगामी परिवर्तनों संबंधी प्रयोगानुभविक साक्ष्य के बारे में चिंतन। मंडल ए., और दत्ता आइ. (संस्करण) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020ः परिप्रेक्ष्य का उद्भासन। शिप्रा प्रकाशनः नई दिल्ली।
2. पचौरी, अनुपम (2021), भारत में उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता संबंधी विषयः ऑनलाइन व्याख्यान, विशेष अतिथि व्याख्यान श्रृंखला 2021–22। यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एजुकेशन गुरूगोविन्द सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली, 15 नवम्बर, 2021
3. अनुपम पचौरी (2021) प्रत्याययन के फलस्वरूप उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता में सुधार लाने में कैसे सहायता मिली। एक प्रयोगानुभविक अध्ययन के निष्कर्ष। 18–19 मार्च, 2021 को राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के बारे में राष्ट्रीय परामर्शदात्री बैठक में प्रस्तुतीकरण, 19 मार्च 2021।
4. अनुपम पचौरी (2020)ः राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 में गुणवत्ता और प्रत्याययन 'उच्चतर शिक्षा में गुणवत्ता' के बारे में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ सोशल साइंसेज, मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान द्वारा 11 नवम्बर, 2020 को आयोजित वेबिनार।
5. अनुपम पचौरी (2020)ः नई शिक्षा नीति, 2020 में उच्चतर शिक्षा और गुणवत्ता अविरल भारतीय शिक्षा मंच द्वारा 11 नवम्बर, 2020 को नई दिल्ली में ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 – गुणवत्तापरक शिक्षा के आसार और चुनौतियां'' विषय पर आयोजित वेबिनार।
6. वर्गीज, एन.वी., अनुपम पचौरी (2019), उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता और उत्कृष्टता विषय पर रा.शै.यो. एवं प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार की रिपोर्ट।
7. अनुपम पचौरी (2019), 'दक्षिण एशिया में उच्चतर शिक्षा की गुणवत्ता', केन्द्रीय शिक्षा संस्थान, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली की डॉ. परिमला द्वारा 3 दिसम्बर, 2019 को आयोजित दक्षिण एशिया में उच्चतर शिक्षा के बारे में हुए अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया।
8. पचौरी अनुपम (2019), ''उच्चतर शिक्षा और गुणवत्ता की चुनौतियांः बोध, दूसरा दशकः आईडीएस और संधान द्वारा 22 जून, 2019 को बोध परिसर, कुकास, जयपुर में संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति (मसौदा 2019) के बारे में सिविल सोसायटी संगठनों की परामर्शदात्री कार्यशाला में शोध पत्र प्रस्तुत किया।
9. अनुपम पचौरी (2019), ''स्कूली शिक्षा का विनियमन और प्रत्याययन राष्ट्रीय शिक्षा आयोग और राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2019 में वित्त पोषण शिक्षा का अधिकार मंच, सामाजिक विकास परिषद द्वारा आयोजित प्रारूप राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2019 संबंधी परामर्शदात्री कार्यशाला में 21 जून, 2019 को लोधी रोड, नई दिल्ली में शोध पत्र प्रस्तुतीकरण।
10. अनुपम पचौरी (2019), 'उच्चतर शिक्षा में गणवत्ता' स्वयम प्लेटफार्म पर उच्चतर शिक्षा में अध्यापकों के ऑनलाइन कोर्स के भाग के रूप में सावित्री बाई फूले, पूणे विश्वविद्यालय के नेशनल रिसोर्स सेंटर, स्कूल ऑफ एजुकेशन में नवम्बर, 2019 में छः पार्ट में वीडियो लैक्चर रिकार्ड किया गया यह https://www.youtube.com/watch?v=vxSWq9kTdNY पर भी उपल्बध है। (अद्यतन इस पर 6 फरवरी, 2020 को किया गया)

11. एन.वी. वर्गीज, अनुपम पचौरी और एस. मंडल (संस्करण) (2018), भारत में उच्चतर शिक्षा का प्रतिवेदन, 201: भारत में उच्चतर शिक्षा में गुणवत्ता और शिक्षण अधिगम, दिल्ली: सेज प्रकाशन

12. अनुपम पचौरी (2018), भारतीय उच्चतर शिक्षा संस्थानों पर बाह्य और आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन के प्रभाव। एन.वी. वर्गीज, अनुपम पचौरी और एस. मंडल (संस्करण), भारत में उच्चतर शिक्षा के प्रतिवेदन, 2017: भारत में उच्चतर शिक्षा की गुणवत्ता और शिक्षण अधिगम, दिल्ली, सेज प्रकाशन।

13. एन.वी. वर्गीज, अनुपम पचौरी और एस. मंडल (2018), भारत में उच्च शिक्षा में शिक्षण अधिगम और गुणवत्ता: एक परिचय: वर्गीज, एन.वी., पचौरी, ए. और मंडल, एस. (सं.) इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2017: भारत में उच्च्तर शिक्षा में गुणवत्ता और शिक्षण अधिगम, दिल्ली: सेज।

14. पचौरी, अनुपम (2018)। भातर में उच्चतर शिक्षा संस्थानों पर बाह्य और आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन के प्रभाव: राष्ट्रीय अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष: 22–23 फरवरी, 2018 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च इन हायर एजुकेशन (सीपीआरएचई), राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (नीपा) और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा 'आयोजित 'उच्चतर शिक्षा में गुणवत्ता और उत्कृष्टता पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी'' में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

15. पचौरी, अनुपम (2016)। संस्थानिक संरचना और गुणवत्ता आश्वासन क्रियाविधि: शोध, स्वायत्तता और जवाबदेही के प्रभाव'। 9–10 मार्च, 2016 को स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में प्रोत्साहन, स्वायत्तता और जवाबदेही विषय के अंतर्गत ग्लोबल डवलपमेंट नेटवर्क (जीडीसी) द्वारा वित्त पोषित शोध परियोजना 'भारत और बांग्लादेश में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान (एसएसआर) के बारे में आयोजित गोलमेज बैठक में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

16. पचौरी, अनुपम (2015)। 'गुणवत्ता आश्वासन: स्वयं और समकक्षीय वर्ग के माध्यम से जवावदेही की रणनीति, 15 दिसंबर 2015 को अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलुरु: में 'शिक्षा: प्रभुत्व, मुक्ति और गरिमा विषय पर भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी के छठे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'उच्चतर शिक्षा की गुणवत्ता' विषय पर आमंत्रित पैनल में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

17. पचौरी, अनुपम (2015)। भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सीईएसआई) के छठे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में गुणवत्ता आश्वासन पर आयोजित पैनल के सदस्य।

इसके अलावा, उच्चतर शिक्षा में गुणवत्ता और उत्कृष्टता पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत शोध पत्रों पर एक वाल्यूम का संपादन किया (प्रकाशक को प्रस्तुत करने के लिए पांडुलिपि संपादित की जा रही है); दो नीति संक्षेपों की ढांचा/रूपरेखा विकसित की जा रही है।

8. भारत में माध्यमिक शिक्षा में सरकारी–निजी संगम: आकार, विद्यालय के भीतर उपलब्ध सुविधाएं और नामांकन (प्रवेश) की रूपरेखा

अन्वेषक: डा. एन.के. मोहंती

सामान्यतया शिक्षा के क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भूमिका और विशेष रूप से शिक्षा सेवा में सरकारी–निजी क्षेत्रों के संगम को देखते हुए इस अध्ययन का उद्देश्य प्रबंधन और क्षेत्र द्वारा माध्यमिक विद्यालयों के नेटवर्क की संरचना और इसके आकार का अन्वेषण करना है और इसके साथ–साथ सुविधाएं, स्टाफिंग पैटर्न और भारत के प्रमुख राज्यों में सामाजिक पृष्ठभूमि के मामले में विद्यार्थियों के प्रोफाइल और विभिन्न संबद्ध अभिलाक्षणिक विशेषताओं का अन्वेषण किया जाए। पहले चरण में इस अध्ययन में, एसईएमआईएस/यूडीआईएसई, एनएसएसओ, 8वां एआईएसईएस, योजना दस्तावेज एवं बड़े राज्यों के अन्य शासकीय अभिलेखों से संकलित द्वितीयक आंकड़े का प्रयोग किया गया। द्वितीयक आंकड़ों से विश्लेषण पर आधारित प्राथमिक निष्कर्षों से पता चलता है कि विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर सुविधाएं उपलब्ध नहीं थी जो गुणवत्तापरक शिक्षा अर्जित करने में मुख्य अवरोध

और बाधा है। अध्ययन से आगे पता चलता है कि विद्यालय के भवन, चारदिवारी; क्रीड़ास्थल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, कम्प्यूटर और अन्य संबद्ध सुविधाएं यथा विद्युत आपूर्ति की सुविधा, जनरेटर सेट, इंटरनेट और कम्प्यूटर प्रयोगशाला, सफाई सुविधाएं विशेष रूप से बालक और बालिकाओं के लिए पृथक शौचालय सुविधाएं जिसमें अध्यापिकाओं के लिए भी जन–प्रसुविधाएं शामिल हैं, साथ ही अध्यापक व अध्यापिकाओं की योग्यता और उनके प्रशिक्षण की प्रास्थिति जो शिक्षाशास्त्रीय क्षेत्र से प्रत्यक्षतः संबद्ध हैं और इसी तरह की अन्य प्रसुविधाएं अलग–अलग राज्यों में अलग–अलग हैं। इतना ही नहीं राज्यों के भीतर भी प्रबंधन के प्रारूप के अनुसार इसमें भिन्नता है। यह भी पाया गया है कि शैक्षणिक सुविधाओं की उपलब्धता तथा भारत के विभिन्न प्रदेशों और राज्यों में माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि में भी गहन संबंध है। अतः आरएमएसए/समग्र शिक्षा एवं केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रायोजित अन्य योजनाओं के कार्यान्वयन के क्रम में मूलभूत अवसंरचनात्मक सुविधाएं प्रदान करने और विद्यमान माध्यमिक विद्यालयों/खंडों में स्टाफ की उपलब्धता पर ध्यान केन्द्रित किया जाना चाहिए ताकि वे प्रतिमानों और मानकों के अनुरूप हो सकें। इस प्रयास के फलस्वरूप निश्चित तौर पर माध्यमिक शिक्षा में सुधार और सुदृढ़ीकरण के साथ–साथ भारत में माध्यमिक विद्यालय के स्तर पर विद्यार्थियों और संस्थानों के समग्र कार्य निष्पादन में सुधार होगा।

वर्तमान प्रास्थितिः अध्ययन का पहला चरण पूरा हो गया है। अध्ययन के पहले चरण की रिपोर्ट सितम्बर, 2020 में प्रस्तुत की गई थी। दूसरे चरण में, साहित्य का कार्य पूर्ण हो गया है और प्राथमिक आंकड़ों और सूचना संकलन के साधन तैयार किए जा रहे हैं। चूंकि अध्ययन का दूसरा चरण नमूना राज्यों से प्राप्त प्राथमिक आंकड़ों और सूचना पर आधारित है, कोविड–19 महामारी से उत्पन्न स्थिति के कारण इसे कार्यान्वित नहीं किया जा सका।

9. लैंगिक पर शैक्षिक एटलस : एक जिला–स्तरीय प्रस्तुति

अन्वेषक : डा. सुमन नेगी और प्रो. मोना खरे

01 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च 2022 की अवधि के दौरान कोई विवरण प्रदान नहीं किया गया।

10. ओडिशा में माध्यमिक स्तर पर अनुसूचित जाति के बच्चों की छात्रवृत्ति योजना और शैक्षिक गतिशीलता का अध्ययन

अन्वेषकः डा. एस.के. मलिक

अध्ययन के उद्देश्यः

1. माध्यमिक स्तर पर अनुसूचित जाति के बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए छात्रवृत्ति योजनाओं के कार्यान्वयन की प्रकृति और सीमा का पता लगाना;
2. स्कूल पूर्ण होने पर अनुसूचित जाति के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजना की प्रभावशीलता और शिक्षा के उच्च स्तर पर उनकी गतिशीलता की जांच करना;
3. छात्रों को उनके अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति का लाभ उठाने और उपयोग करने में आने वाली समस्याओं और बाधाओं का पता लगाना;
4. योजनाओं के कार्यान्वयन में सरकार और स्कूल प्रशासन के अधिकारियों द्वारा समस्याओं और बाधाओं का पता लगाना और
5. छात्रवृत्ति योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए उपयुक्त उपायों का पता लगाना।

अध्ययन की पद्धति

वर्तमान में उड़ीसा राज्य का अध्ययन किया जा रहा है। वहाँ तीस जिले हैं। अध्ययन के प्रयोजनार्थ, जिले का चयन साक्षरता दर के आधार पर किया जाएगा। तीस जिलों में से अध्ययन के प्रयोजनार्थ सर्वाधिक साक्षरता दर वाले अनुसूचित जाति के आबादी वाले दो जिले का चयन किया गया। (जगतसिंहपुर और खोर्दा) दो चयनित जिलों में से प्रत्येक जिले के दो प्रखण्डों का चयन माध्यमिक स्तर पर अनुसूचित जाति के अधिक प्रयास के आधार पर किया गया। प्रत्येक प्रखंड से माध्यमिक स्तर पर अनुसूचित जाति के बच्चों के सर्वाधिक नामांकन वाले 5 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों का चयन किया गया। अध्ययन के प्रत्यर्थियों में प्रधानाध्यापक, विद्यार्थी, पूर्व विद्यार्थीगण, प्रशासकगण और माता–पिता थे।

अध्ययन की वर्तमान स्थिति

1. साहित्य की समीक्षा कार्य पूर्ण हो गया है।
2. रिपोर्ट लिखने का कार्य प्रगति पर है और अंतिम रिपोर्ट जून, 2021 तक प्रस्तुत की जाएगी।

11. चयनित राज्यों में निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 के तहत निजी स्कूलों में कमजोर वर्गों और वंचित समूहों के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत सीटों के प्रावधान के कार्यान्वयन का अध्ययनः नीति और व्यवहार

अन्वेषकः प्रो. अविनाश कुमार सिंह

निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा (आरटीई) अधिनियम के कार्यान्वयन के साथ, अधिनियम की धारा 12(1)(सी) के तहत राज्यों ने कमजोर वर्गों और वंचित समूहों (ईडब्ल्यूएस) से संबंधित बच्चों के लिए निजी और गैर सहायता प्राप्त प्राथमिक स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटें निःशुल्क प्रदान करना शुरू कर दिया है। हालांकि, अधिनियम अपने कार्यान्वयन के चौथे वर्ष में है, संबंधित प्राधिकारियों के बीच बहुत स्पष्टता नहीं है कि प्रावधान से संबंधित नियमों और विनियमों को कैसे लागू किये जा रहे हैं। उदाहरण के लिए, बच्चों की पहचान और चयन के लिए पात्रता मानदंडों का पालन कैसे किया जा रहा है? निजी स्कूल विभिन्न राज्यों में संवैधानिक प्रतिबद्धताओं और प्रावधानों को पूरा करने में नियमों और विनियमों का पालन कैसे कर रहे हैं? इन अधिकारों को हासिल करने में माता–पिता और बच्चों को किन समस्याओं और बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है? आरटीई प्रावधान के कार्यान्वयन में अंतर और अंतर–राज्यीय दोनों प्रकार के बदलाव बताए गए हैं। इस संदर्भ में, देश के 5 अलग–अलग क्षेत्रों में फैले चयनित 10 राज्यों में शिक्षा के अधिकार अधिनियम –2009 के तहत वंचित बच्चों की शिक्षा की नीति और प्रथाओं की समझ विकसित करने के लिए एक खोजपूर्ण अध्ययन किया जा रहा है।

अध्ययन के मुख्य उद्देश्य हैंः क. नीति और प्रथाओं के संदर्भ में विभिन्न राज्यों में आरटीई अधिनियम के तहत आरक्षण प्रावधान के कार्यान्वयन की प्रकृति और सीमा का आकलन करना; ख. वंचित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की श्रेणियों से संबंधित बच्चों और अभिभावकों के बीच आरक्षण के प्रावधानों के बारे में जागरूकता स्तर का पता लगाना; ग. स्कूल और कक्षा में विभिन्न सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि से बच्चों के समायोजन से संबंधित मुद्दों की जांच करना; घ. विभिन्न राज्यों के स्कूलों में आरक्षण प्रावधानों के कार्यान्वयन के बारे में अभिनव अभ्यास की पहचान करना; ङ. विभिन्न हितधारकों, अभिभावकों, बच्चों, शिक्षकों और शिक्षा अधिकारियों द्वारा आरटीई प्रावधानों के कार्यान्वयन में आने वाली समस्याओं और बाधाओं की पहचान करना; तथा च. निजी स्कूलों में आरक्षण के आरटीई प्रावधान की योजना और कार्यान्वयन को प्रभावी बनाने के लिए उपयुक्त उपाय सुझाना।

वर्तमान स्थिति

उपरोक्त अनुसंधान परियोजना कार्यान्वयन के प्रारंभिक चरण में है, जिसमें विषय के अनुसंधान और विकास से संबंधित साहित्य की समीक्षा और अनुसंधान उपकरणों का विकास शामिल है। अनुसंधान कर्मचारियों की नियुक्ति और कोविड–19 स्थिति में प्रारंभिक समस्याओं/बाधाओं के कारण परियोजना में देरी हुई। हालांकि कुछ शुरुआती प्रयासों से कुछ काम पूरा हो गया है। साहित्य समीक्षा के तहत, चयनित राज्यों के प्रोफाइल और राज्यों में आरटीई मानदंडों का अनुपालन, माध्यमिक आधिकारिक आंकड़ों के आधार पर तैयार किया जा रहा है। अध्ययन के तहत निर्धारित मानदंडों पर चुने गए 10 राज्य शामिल हैंः केरल, कर्नाटक, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, झारखंड, बिहार और असम। इसके अलावा, आंकड़ा संग्रह के उपकरण के प्रारूप तैयारी के तहत हैं। निम्नलिखित उपकरणों की रूपरेखा तैयार किये हैंः–

- घरेलू सूचना अनुसूचियां
- स्कूल सूचना अनुसूची
- मुख्य अध्यापक और अन्य अध्यापकों के लिए अनुसूचियां
- वंचित समूह और कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए अनुसूची

- बच्चों के माता–पिता और अन्य सामुदायिक सदस्यों के लिए अनुसूचियां
- स्कूल संचालन समितियों के सदस्यों के लिए अनुसूची
- विभिन्न स्तरों (क्लस्टर, ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर) पर शिक्षा कर्मियों के लिए जांच सूची

प्रारंभिक कार्यों के साथ (साहित्य समीक्षा और अनुसंधान उपकरणों का विकास), प्रारंभिक क्षेत्र कार्य किया गया, व्यापक क्षेत्रकार्य किया जाना था क्योंकि कोरोना की स्थिति सामान्य होते ही उम्मीद है कि प्रोजेक्ट स्टाफ की नियुक्ति से अनुसंधान गतिविधियों को और गति मिलेगी।

12. भारत में उच्चतर शिक्षा सुधार की राजनीतिक अर्थव्यवस्थाः सुधार के सिद्धान्तों, नीतियों और संस्थानों पर तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य (1991–2012)

अन्वेषकः डा. मनीषा प्रियम

रिपोर्टः कनिष्ठ परियोजना सलाहकार की नियुक्ति के बाद, यह परियोजना औपचारिक रूप से 20 जून, 2018 को शुरू हुई। प्रस्तुत शोध में मैसूर विश्वविद्यालय और पटना विश्वविद्यालय के उच्च शिक्षा की राजनीतिक अर्थव्यवस्था का अध्ययन हेतु तुलनात्मक पद्धति का उपयोग किया गया है। मेरे (पी.आई.) द्वारा मैसूर विश्वविद्यालय और पटना विश्वविद्यालय दोनों क्षेत्रों का दौरा किया गया। संदर्भ से स्वयं को परिचित करने के लिए, व्यक्तियों की एक सूची तैयार करना, प्रमुख साक्षात्कार कार्यक्रम तैयार करना, और प्रासंगिक माध्यमिक साहित्य और नीति दस्तावेजों की एक ग्रंथ सूची तैयार करने हेतु।

कोविड–19 के कारण हुए लॉकडाउन से अनुसंधान परियोजना के लिए क्षेत्र कार्य में व्यवधान आया है।

I. प्रतिवेदन और प्रकाशनों की स्थिति

1. अभिलेखीय कार्य तथा सम्पन्न क्षेत्रीय कार्य के आधार पर मैं इसके साथ प्रारूप प्रतिवेदन प्रस्तुत कर रही हूँ।
2. प्रकाशनों की सूची इसके साथ व्याख्यायित है।

- 2022:''द मॉडर्न यूनिवर्सिटी इन अ लोकल एरीनाः द पॉलिटिक्स ऑफ एजुकेशनल रिफॉर्म्स इन प्रिंसली मैसूर,'' रॉब जैन्किस एंड लूइस टिलिन (संस्करण)। डिके एंड पॉलिटिकल रीजेनरेशन इन इंडियन पॉलिटिक्सः एसेज इन औनर ऑफ जेम्स मैनर, ओरिएण्ट ब्लैक्स्वान (पुस्तक के अध्याय के रूप में आ रहा है)
- 2022: '' बाउंडेड एस्पिरेशन्स एंड यूथ कैपेसिटीः इन्टेरोगेटिंग पब्लिक हायर एजुकेशन इन नॉर्थ इंडिया ''जर्नल ऑफ साउथ एशियन हिस्ट्री एंड कल्चर (पत्रिका के आलेख के रूप में प्रकाशनाधीन' यह टेलर एंड फ्रांसिस का विशेष जर्नल वॉल्यूम जर्नल ऑफ साउथ एशियन हिस्ट्री एंड कल्चर है।)
- 2022: 'ऐन इंस्टिट्यूशन ऑफ मॉडर्निटी एमिस्ट द रूरल फिल्ड्स ऑफ मैसूरः रिफ्लेक्शन्स ऑन द महाराजाज कॉलेज, श्रीवास्तव, आरती (संस्करण) द सेन्टेनैरियन्स, राउटलेज (पुस्तक के अध्याय के रूप में प्रकाशनाधीन)
- 2019: ''मिसिंग वुमेन लीडरशिप इन इंडियन हायर एजुकेशन, शामिका रवि (संपादित) में। डिफिकल्ट डायलौग्सः अ कम्पेडियम ऑफ कंटेम्पोरेरी एसेज ऑन जेंडर इन इक्वालिटी इन इंडिया, नई दिल्लीः ब्रूकिंग्स इंडिया, पेपर बैक 103

3. आग्रह है कि परियोजना को इस शैक्षणिक वर्ष के लिए भी बढ़ाया जाए ताकि दिसम्बर, 2022 तक फील्ड वर्क पूरी की जा सके और तत्पश्चात् अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की जा सके।

II. संपन्न क्षेत्र कार्य

मैने निम्नांकित के साथ साक्षात्कार (चर्चा) पूरी कर ली है।

अ. मैसूर विश्वविद्यालय

अ. 1. सम्पन्न साक्षात्कार

1. मैसूर विश्वविद्यालय और महाराजा कॉलेज जो विश्वविद्यालय की नींव स्थापित करने के क्रम में प्रमुख संस्थान था, के मुख्य कार्यकारियों का साक्षात्कार किया।

2. मैसूर विश्वविद्यालय और महाराजा महाविद्यालय के पुराने शिक्षकगण और एलुम्नाई।

3. मैंने मैसूर विश्वविद्यालय के शसकीय दस्तावेजों का संकलन भी किया है और साथ ही मैसूर विश्वविद्याल के इतिहास और कार्यकरण से संबंधित कुछ प्रकाशनों का भी संकलन किया है।

4. मैंने महाराजा कॉलेज– सामाजिक जाति श्रेणी में प्रवेश पाने वालों के भी आंकड़े एकत्र किए हैं। इस आंकड़ा का विश्लेषण किया जा रहा है ताकि नामांकन की प्रकृति को देखा जा सके, और इसमें कोई किसी प्रकार की विभिन्नता तो नहीं है जिससे राज्य की नीतिगत योजनाओं के माध्यम से विद्यार्थी के अधिगम में साम्यता के विषयों में सहयोग प्रदान किया जाता है।

अ. 2. इन साक्षात्कारों के फलस्वरूप मुझे उस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को एक साथ संकलित करने में सहमति मिली है जिसमें विश्वविद्यालय की स्थापना आधुनिक शिक्षा प्रदान करने के लिए मैसूर राज्य के प्रयासों के भाग के रूप में की गई थी और साथ ही, उपनिवेशवाद का प्रतिकार करने के लिए भी यह किया गया था। इससे मुझे विश्वविद्यालय की नींव पड़ने के समय पदत्र ज्ञान की प्रकृति, शिक्षक शिक्षिकों के अभिलाक्षाणिक गुण, एलुम्नाई की विविधता और कॉलेज में होने वाले कार्यकलाप को समझने में सहायता मिली है।

प्रारंभिक क्षेत्रीय कार्य के फलस्वरूप निम्नांकित सार्थक चिंतन उद्भासित हुआ।

1) मैसूर विश्वविद्यालय परंपरागत तौर पर उदारवादी कला (लिवरल आर्ट) और मानविकी का केन्द्र रहा है।

2) विश्वविद्यालय की स्थापना में मैसूर के महाराजा की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसका शुभारंभ महाराजा निःशुल्क विद्यालय के रूप में हुआ था। तत्पश्चात् यह महाराजा कॉलेज बन गया और अब यह मैसूर विश्वविद्यालय का मनसा गंगोत्री कैम्पस है।

3) दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, कन्नड़ साहित्य विभाग और प्राच्य अधिगम (संस्कृत) केंद्र के शिक्षक–शिक्षिकाओं को राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण सराहना प्राप्त हो चुकी है।

4) आज यह विश्वविद्यालय कन्नड़ माध्यम में विद्वत अधिगम का केंद्र है।

5) विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों में पद्म पुरस्कार और ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त करने वाले व्यक्ति शामिल हैं।

6) मैंने प्रो. शेख अली द्वारा लिखित और प्रसारंग यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा प्रकाशित ''हिस्ट्री ऑफ द यूनिवर्सिटी ऑफ मैसूर' और प्रोफेसर जानकी नैयर द्वारा रचित 'मैसूर मॉडर्न'' का अध्ययन किया है। इन अध्ययनों के आधार पर और एकनूर कुमार, मैसूर के ऐतिहासिक पत्रकार से सूचना प्रदत्त महत्वपूर्ण साक्षात्कार के आधार पर मैंने अभिलेखागार में रखने योग्य सामग्री की ग्रंथ सूची का संकलन किया है।

अ. 3. मैसूर और बेंगलूरू में किस प्रकार का कार्यकलाप किया जाना शेष है:–

1) मैसूर विश्वविद्यालय के नीति–निर्माता अधिशासी अधिकारियों के साथ शासन व्यवस्था और नीतिगत सुधार के विषय पर साक्षात्कार।

2) लिंग और सामाजिक जातीय विविधता के दृष्टिगत प्रवेश, अध्यापकों की नियुक्तियाँ और पदरिक्तियाँ, विश्वविद्यालय की वित्तीय व्यवस्था और मैसूर विश्वविद्यालय के संस्थानिक विविधीकरण संबंधी आंकड़ा संकलन।

3) सरकारी अभिलेखागार, बेंगलूरू से अभिलेखीय सामग्री का संकलन।

4) मैसूर/कर्नाटक सरकार, पिछड़ावर्ग आयोग के प्रतिवेदनों का अवलोकन, बेंगलूरू।

5) विद्यार्थियों के साथ सामूहिक विमर्श, छात्रावास सुविधाओं का अवलोकन।

6) विश्वविद्यालय नेतृत्व, कुलपति की भूमिका और मुख्य चुनौतियों कें बारे में महत्वपूर्ण आसूचक साक्षात्कार।

(ख) पटना विश्वविद्यालय

ख 1. संपन्न साक्षात्कार

1. पटना की तीन यात्राएं हो चुकी हैं। दिसंबर, 2019 में पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ के निर्वाचन के कारण और इससे पूर्व निर्वाचनों तथा प्रशिक्षण में अध्यापकों की अंतर्ग्रस्तता एवं निर्वाचन के कारण कैम्पस बन्द होने के परिणाम स्वरूप शिक्षक समुदाय एवं सरकारी कर्मचारियों अधिकारियों की अनुपलब्धता के कारण इस दिशा में पर्याप्त प्रगति करना दुष्कर रहा है। शहर में बाढ़ आने के कारण यहां क्षेत्रीय कार्य निष्पदित करने में और अधिक विलंब हुआ है।
2. पटना विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों–कुलपति, सम–कुलपति और पटना विश्वविद्यालय के संकाय के साथ साक्षात्कार हो चुका है।
3. पटना महाविद्यालय और पटना विश्वविद्यालय में छात्र केन्द्रित समूह चर्चाएं की गई और इसकी प्रतिलिपि (ट्रांसक्रिप्ट) रखी गई है।
4. महत्वपूर्ण सूचना प्रदात्ताओं इत्यादि के साथ आगे के साक्षात्कार के लिए साक्षात्कार की समय सूची तैयार कर ली गई है।
5. पटना विश्वविद्यालय के कुलपति कार्यालय से पटना विश्वविद्यालय की शासन व्यवस्था के बारे में पृष्ठाकार सामग्री संकालित की गई है।

ख 2. पटना में क्या किया जाना शेष है:

1. शासन व्यवस्था और नीतिगत सुधारों के संबंध में पटना विश्वविद्यालय के नीति–निर्धारक पदाधिकारियों के साथ साक्षात्कार
2. लिंग और सामाजिक जाति विविधता के आधार पर नामांकन, शिक्षकों की नियुक्तियां और पदरिक्तियां, विश्वविद्यालय की वित्त व्यवस्था और विश्वविद्यालय की संस्थानिक शासन व्यवस्था के बारे में आंकड़ा संकलन
3. सरकारी अभिलेखागार, कलकत्ता से अभिलेखागार में उपलब्ध सामग्री का संकलन।
4. विद्यार्थियों के साथ विषय केंद्रित सामूहिक विमर्श और छात्रावास सुविधाओं का अवलोकन।
5. विश्वविद्यालय नेतृत्व, कुलपति की भूमिका तथा मुख्य चुनौतियों के बारे में महत्वपूर्ण सूचनापरक साक्षात्कार।

13. भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में स्वायत्तता

अन्वेषकः डा. नीरू स्नेही

भारत में उच्चतर शिक्षा प्रणाली में सुधार लाने के लिए उच्चतर शिक्षा संस्थानों की स्वायत्तता एजेंडा का महत्वपूर्ण भाग बन गया है। स्वायत्तता देने का तात्पर्य ऐसा प्रतीत होता है जैसे कि स्वायत्तता हमारे समक्ष उत्पन्न होने वाली बहुत सी समस्याओं के लिए रामबाण हो। इस अध्ययन का उद्देश्य यह पता लगाना है कि सामान्यतया भारत के उच्चतर शिक्षा संस्थानों में और विशेष रूप से अधि–स्नातक महाविद्यालयों में किस हद तक स्वायत्तता है; अधि–स्नातक स्तर की संस्थाओं को स्वायत्तता प्रदान करने में हितधारको की क्या भूमिका है और साथ ही स्वायत्तता संबद्ध महाविद्यालयों के साथ संबद्ध महाविद्यालयों के कार्यकरण की तुलना करना भी इसका उद्देश्य है।

वर्तमान में मसौदा रिपोर्ट के संशोधन एवं अंतराल को भरने के लिए आंकड़े एकत्र करने की आवश्यकता है, जो कि कॉलेज बंद होने से संपर्क नहीं हो पाने कारण नहीं किया जा सका।

14. स्कूल शिक्षा के भू–स्थानिक सूचना प्रणाली का प्रायोगिक अध्ययन

अन्वेषकः श्री एनुगुला एन. रेड्डी

01 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2022 की अवधि के दौरान कोई विवरण प्रदान नहीं किया गया।

15. प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान करने के लिए शैक्षिक प्रशासकों के वर्तमान की तुलना में भविष्यपरक कार्यों एवं भूमिकाओं की समलोचनात्मक जाँच करने हेतु गहन अध्ययन

अन्वेषकः प्रोफेसर बी.के. पंडा और डा. मोना सेदवाल

पृष्ठभूमि और समीक्षा

सभी स्तरों पर मानव संसाधन प्रबंधन में सार्थक परिवर्तन आया है। संगठन अपने लोगों को प्रबंधन और विकास में बहुत अधिक महत्व दे रहे हैं। ऐसा भी महसूस किया गया है कि न केवल शिक्षकों को तैयार करने की आवश्यकता है परंतु निरंतर उन शैक्षणिक प्रशासकों का भी क्षमता निर्माण किए जाने की आवश्यकता है जिन पर शैक्षणिक संस्थानों के कुशल और सफल प्रबंधन का दायित्व है। देश के विभिन्न राज्यों में अनेक प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किए गए हैं। तथापि, उनमें से अधिकांश संस्थानों में या तो सेवा–पूर्व या सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण पर बल दिया जाता है। इसके अलावा, व्यावसायिक विकास के लिए कोई ऐसे विशिष्ट कार्यक्रम नहीं हैं जिसे उन शैक्षणिक प्रशासकों के लाभार्थ बनाया गया हो जो कि जिला और अनुमंडल स्तर पर कार्य कर रहे हैं या सेवारत हैं। शैक्षणिक प्रशासकों के ये संवर्ग ज्यादातर मामलों में उपेक्षित रहते हैं और उन्हें चुनौतीपूर्ण नई नीति, सरकारी कार्यक्रम और परियोजनाओं को संभालने के लिए अपने सर्वांगीण व्यावसायिक कौशल और अभिक्षमताओं के कोटि उन्नयन का अवसर नहीं प्राप्त हो पाता है। समुचित व्यावसायिक विकास कार्यक्रम उपलब्ध नहीं होने के परिणामस्वरूप शैक्षणिक प्रशासकों के व्यावसायिक विकास के लिए राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय कार्यक्रमों का कार्यान्वयन प्रभावित हुआ है।

शैक्षणिक प्रशासकों के लिए प्रशिक्षण मॉडल पर बल

देश के प्रशिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक प्रशासकों को प्रशिक्षित करने की गुंजाइश नगण्य होने की वर्तमान स्थिति को देखते हुए राज्य, जिला और प्रखंड स्तर पर कार्यरत शैक्षणिक प्रशासकों के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण फ्रेमवर्क बनाए जाने की आवश्यकता है ताकि उन्हें शिक्षा संबंधी विद्यमान नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में समय–समय पर जानकारी दी जा सके। यह फ्रेमवर्क सतत रूप से शैक्षणिक प्रशासकों की आवश्यकता को पूरा करने में समर्थ हो सकता है जिसमें संबंधित राज्यों में स्थापित मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थाओं के माध्यम से सम्यक् प्रभावी व्यावसायिक विकास कार्यक्रम चलाए जा सकते हैं। इनमें सेवा मे प्रवेश के समय और सेवावधि के मध्य में गुणवत्तापरक प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध कराने के साथ साथ इसे व्यापक बनाने के लिए कतिपय मार्गदर्शी सिद्धान्तों को अपनाया जा सकता है।

इस संदर्भ में, शैक्षणिक प्रशासकों के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण फ्रेमवर्क बनाकर शैक्षणिक प्रशासकों की क्षमता विकसित करने का प्रस्ताव है। इस फ्रेमवर्क का अभिकल्प कतिपय मुद्दों को शामिल करने के लिए तैयार किया गया है। यथाः (अ) इन शैक्षणिक प्रशासकों के लिए किस प्रकार के प्रशिक्षण संस्थान बनाए जाने की आवश्यकता है। (ख) जिन शैक्षणिक प्रशासकों के संवर्ग को प्रशिक्षित किए जाने की आवश्यकता है उनकी पहचान करना। (ग) इन शैक्षणिक प्रशासकों के मध्य किस प्रकार की व्यावसायिक क्षमता और कौशल निर्माण किए जाने की आवश्यकता है, उनका अभिनिश्चय करना। (घ) विद्यमान प्रशिक्षण संस्थाओं की राष्ट्रीय स्तर एवं राज्य स्तर तक उन्नयन करना और उनके विकास हेतु योजना निर्माण करना।

अध्ययन का उद्देश्य

- शैक्षिक प्रशासकों को प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण का भविष्य के आयामों की पहचान करना;
- शैक्षिक प्रशासकों की क्षमता के निर्माण के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करना;
- मौजूदा प्रशिक्षण सुविधाओं और ऐसे संस्थानों की क्षमताओं को समझना जो शैक्षिक प्रशासकों को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं;
- शैक्षिक और प्रशासनिक दोनों क्षेत्रों के संदर्भ में शैक्षिक प्रशासकों के व्यावसायिक विकास के लिए एक मॉडल प्रशिक्षण ढांचा विकसित करना; तथा
- एक मॉडल कार्यक्रम विकसित करना जो संसाधनों की दृष्टि से प्रशिक्षण के कार्यान्वयन में स्थायी हो और लागत प्रभावी को बनाने और ई–लर्निंग विधियों के उपयोग की पहुँच व्यवहार्य हो।

अध्ययन की पहली विषयगत रिपोर्ट 19 अक्टूबर, 2020 को कुलपति के कार्यालय और परियोजना प्रबंधन इकाई

को प्रस्तुत की गई थी। ''शैक्षिक प्रशासकों की क्षमता विकास'' पर अध्ययन का दूसरा विषय प्रगति पर है और मसौदा रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है जिसके लिए क्षेत्र स्तरीय शिक्षा अधिकारियों के साथ दो कार्यशालाएं आयोजित की गई। महामारी की समस्याओं के बावजूद अध्ययन लगातार प्रगति कर रहा है। यह ध्यान दिया जा सकता है कि अभी तक परियोजना के लिए किसी भी परियोजना सलाहकार या डीईओ की नियुक्ति नहीं की गई है।

इस अध्ययन को जारी अध्ययन के रूप में माना जा सकता है जो विभिन्न विषयगत रिपोर्टों के उत्पादन के साथ लगातार प्रगति कर रहा है।

16. राजस्थान के शैक्षिक रूप से और गैर–शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉक में सामाजिक गतिशीलता और स्कूल प्रबंधन का तुलनात्मक अध्ययन

अन्वेषकः डा. मोना सेदवाल

शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई), 2009 ने राष्ट्र भर के स्कूलों में बच्चों को लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राजस्थान में भी, आरटीई ने स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) और जमीनी स्तर पर काम कर रहे अन्य शैक्षणिक संस्थानों पर प्रमुख जिम्मेदारियों को बढ़ावा देकर इसे एक वास्तविकता बना दिया है। इसी तर्ज पर, भारत सरकार ने शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉक (ईबीबी) की पहचान की है जहाँ सभी के लिए शिक्षा को वास्तविकता बनाने के लिए ठोस प्रयास किए गए हैं।

उपर्युक्त चर्चा को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान अध्ययन में स्कूल प्रबंधन में जाति की गतिशीलता के प्रकाश में एसएमसी की संरचना के प्रभाव की जांच करने का प्रस्ताव है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 के अनुसार। राजस्थान राज्य में 17 प्रतिशत अनुसूचित जाति और 13 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति शामिल हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार, साक्षरता 53 प्रतिशत है।

अध्ययन के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैंः–

- शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉक और गैर–शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉक के गांवों में स्कूल प्रबंधन पर इसके सामाजिक संरचना, इसके संबंध और प्रभाव का आकलन करने के लिए।
- स्कूल प्रबंधन के कामकाज और स्कूल प्रबंधन के सदस्यों के रवैये और ईबीबी और गैर–ईबीबी में अनुसूचित जातियों के समुदायों से आने वाले बच्चों के प्रति मुख्याध्यापक के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।
- ईबीबी और गैर ईबीबी में बीईओ, डीईओ, डायट और एसआईईआरटी द्वारा प्रदान किए गए शैक्षिक इनपुटों की मदद से एसडीपी को विकसित करने और इसे लागू करने में स्कूल प्रबंधन की भागीदारी का अध्ययन करना।
- यह अध्ययन करने के लिए कि ईबीबी और गैर–ईबीबी में एससी जनसंख्या के लिए गाँव स्तर पर स्कूल प्रबंधन की कार्यप्रणाली कितनी समावेशी है।
- सामग्री और कार्यप्रणाली के साथ–साथ एसएमसी के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभाव का मूल्यांकन करने और ईबीबी और गैर–ईबीबी गांवों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अ.जा. सदस्यों की भागीदारी दर का आकलन करना।
- वार्षिक आईडेपा कार्यक्रम और कोविड महामारी के कारण अनुसंधान के लिए क्षेत्र का दौरा न होने से विलंबित है।
- अध्ययन की वर्तमान स्थितिः परिचय अध्याय के साथ–साथ अध्ययन के प्रारूप की रूपरेखा तैयार की गई है। शोध कार्य के लिए द्वितीयक आंकड़ों का विश्लेषण किया जा रहा है।
- वार्षिक आईडेपा प्रशिक्षण कार्यक्रम और कोविड–19 महामारी के कारण अनुसंधान के लिए क्षेत्र दौरे में असमर्थता के कारण विलंबित है। परिचय अध्याय के साथ–साथ अध्ययन के प्रारूप डिजाइन का मसौदा तैयार किया गया है। शोध कार्य के लिए द्वितीयक आंकड़ों का विश्लेषण किया जा रहा है।
- आंकड़ा संग्रहः क्षेत्र निष्पादन हेतु प्रश्नावली के रूप में अनुसंधान के लिए उपकरण विकसित किए गए

हैं। एफजीडी और व्यक्तिगत साक्षात्कारों के आधार पर विशिष्ट प्रारूप में आंकड़े एकत्र किये जाने बाकी हैं।

17. भारतीय स्नातक महाविद्यालयों में पुस्तकालय सुविधाएं और छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर इसका प्रभाव

अन्वेषकः डा. संगीता अंगोम

पुस्तकालय शिक्षकों, शोधकर्ताओं, छात्रों के साथ–साथ जनता के लिए सीखने का बहुत महत्वपूर्ण स्रोत है। विश्व के उन्नत देशों की तुलना में भारतीय महाविद्यालयों और उसके पुस्तकालयों की स्थिति दयनीय है। अधिकांश महाविद्यालयों में पुस्तकालय की उचित सुविधाएँ नहीं हैं और जहाँ भी पुस्तकालय उपलब्ध हैं, वहाँ न तो उचित रूप से अनुरक्षित हैं और न ही प्रशिक्षित जनशक्ति द्वारा प्रबंधित किया जाता है। इस समस्या के कई कारण हैं जिनमें बजट, स्थान, संसाधन, जनशक्ति, राष्ट्रीय नीतियों की कमी और मानक शामिल हैं। कॉलेज के पुस्तकालय छात्रों के समग्र विकास में उन्हें सुविज्ञ व्यक्ति में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कॉलेज पुस्तकालय उनके पढ़ने के कौशल, जानकारियां प्राप्त करना और संसाधनों के बारे में ज्ञान में सुधार में मददगार है। हालांकि, कॉलेज पुस्तकालयों की स्थितियों के बारे में बहुत कम अनुभवजन्य आंकड़े हैं। साहित्य समीक्षा से स्पष्ट होता है कि महाविद्यालयों के पुस्तकालय में अकादमिक पुस्तकालयों या इनके सुविधाओं के उपयोग पर काफी अध्ययन किए गए हैं। लेकिन अधिकांश अध्ययन एक विशेष राज्य तक ही सीमित थे और उच्च शिक्षा संस्थानों विशेषकर स्नातक महाविद्यालयों के पुस्तकालय सुविधाओं पर राष्ट्रीय स्तर पर शायद ही कोई अध्ययन किया गया हो। वर्तमान अध्ययन दो विशिष्ट उद्देश्यों के साथ प्रस्तावित हैः i) पुस्तकालय सुविधाओं से संबंधित राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के मापदंडों को ध्यान में रखते हुए भारतीय महाविद्यालयों में पुस्तकालय सुविधाओं के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करना; ii) उपयोगकर्ता (छात्र) के शैक्षणिक प्रदर्शन पर कॉलेज पुस्तकालय के प्रभाव का आकलन करना।

शोध पद्धति

इस अध्ययन के माध्यम से विश्लेषणात्मक उपागम सहित सर्वेक्षण शोध करना प्रस्तावित है। यद्यपि अध्ययन के लिए प्रतिदर्श प्रत्येक प्रतिदर्शित राज्य से 10 महाविद्यालयों के लिए तैयार करने की योजना थी तथापि वर्तमान महामारी की स्थिति के अनुसार प्रतिदर्श के आकार में थोड़ा सा परिवर्तन किया जा सकता है। सरकारी के साथ–साथ गैर–सरकारी (निजी) महाविद्यालयों का भी चयन किया जाएगा। निर्मित साधन व युक्तियां यथा प्रश्नावली और महाविद्यालयों के प्रशासकों, पुस्तकालय माध्यमों/पुस्तकालय प्रभारी, अध्यापकगण और विद्यार्थियों के साथ साक्षात्कार कार्यक्रम आयोजित कर प्राथमिक दत्र संकलित किए जाएंगे और द्वितीयक दत्र महाविद्यालयों के दस्तावेजों से एकत्र की जाएगी।

परियोजना की वर्तमान स्थिति– फरवरी माह से मार्च, 2020 के प्रारंभ के दौरान प्रयोगिक अध्ययन किया गया। पायलट अध्ययन के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के चार कॉलेजों को चुना गया। रचित संसाधन व युक्तियां (विद्यार्थीगण, अध्यापक पुस्तकालयाध्यक्ष और प्राचार्य) की प्रायोगिक अध्ययन के दौरान जांच की गई और मौलिक युक्तियों की तदनुसार समीक्षा की गई। यद्यपि प्रतिदर्श महाविद्यालयों से दत्र संकलन के प्रयोगनार्थ क्षेत्रीय सर्वेक्षण का पहला चरण मार्च माह के अंत से मई 2020 के दौरान संपन्न किया जाना निर्धारित था। किंतु महामारी का प्रकोप जारी रहने के कारण, स्थिति में सुधार होने तक स्थगित किया गया है। वर्तमान में, प्रयोगिक अध्ययन के प्रतिवेदन को अंतिम रूप दिए जाने का प्रक्रम जारी है। क्षेत्रीय अध्ययन कोविड–19 में सुधार होने तक प्रतीक्षित है और तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि महाविद्यालय पुनः पूरी तरह से नहीं खुल जाएं।

सितम्बर 2020 से परियोजना कार्य के निष्पाद न हेतु और इसमें सहयोग देने के लिए कोई स्टाफ नहीं है। महामारी की दशा में सुधार होने के पश्चात अगले ग्यारह माह के लिए कर्मचारियों को नियोजित करने की आवश्यकता है ताकि परियोजना को और विलंब किए बिना ही पूरा किया जा सके।

18. भारत में शिक्षक शिक्षा का अभिशासन, अधिनियम और गुणवत्ता आश्वासन

अन्वेषकः प्रो. प्रणति पंडा

- शिक्षक शिक्षा में अभिशासन, विनियमन और गुणवत्ता आश्वासन के क्षेत्र में उपलब्ध साहित्य, दस्तावेजों और शोध अध्ययनों की समीक्षा पूरी हो चुकी है।
- प्रश्नावली को केंद्रीय विश्वविद्यालयों, राज्य विश्वविद्यालयों और टीईआई सहित छह हजार संस्थानों को परिचालित किया गया है।
- डेटा प्राप्त करने और विश्लेषण करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।
- एनईपी 2020 की केंद्रीय सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए प्राथमिक और माध्यमिक स्रोतों के आधार पर विस्तृत मसौदा रिपोर्ट विकसित की गई है।
- शोध अध्ययन जुलाई 2022 तक पूरा कर लिया जाएगा

19. हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और मध्य प्रदेश में बालिकाओं की शिक्षा का तुलनात्मक अध्ययन

अन्वेषकः डा. मधुमिता बंद्योपाध्याय

परियोजना का परिचय

उपर्युक्त अध्ययन छह राज्यों अर्थात् हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक, मिजोरम, मध्य प्रदेश और उड़ीसा में बच्चों की स्कूल में प्रतिभागिता में सुधार लाने के संबंध में बुनियादी (प्रारंभिक) विद्यालयों में बालकों/ बालिकाओं की भागीदारी में सुधार लाने के निमित्र प्रतिभागी कार्य नामक परियोजना के हाल ही पूरा किए जाने (बंद्योपाध्याय–2019) का ही विस्तार है। इसके कुछ मुख्य निष्कर्ष के आधार पर ऐसा देखने में आया है कि गत कुछ वर्षों के कालक्रम में बालिकाओं के विद्यालयों में प्रदेश के मामले में सुधार हुआ है किंतु गृहस्थी के कार्यकलाप, जिसमें सहोदर भाई/ बहनों की देखभाल भी सम्मिलित है, इससे बालिकाओं की विद्यालयों में उपस्थिति के मार्ग में अधिक अवरोध उत्पन्न होता है इसी अध्ययन में, कुछ विद्यालयों में पाया गया कि बालिकाएं प्रारंभिक स्कूली शिक्षा प्राप्त करने के बाद बीच में ही पढ़ाई छोड़ देती हैं। यह स्थिति इस तथ्य की पुष्टि करती है कि वृहत्रर स्तर पर समाज में बालिकाओं के लिए जेन्डर– अनुकूल स्कूली शिक्षा का अभाव होने के साथ–साथ उनके प्रति भेदभाव पूर्ण रवैया भी प्रचलन में है।

इस प्रकार वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य चयनित राज्यों में अनुदैर्ध्य परक अध्ययन करना है ताकि बालिकाओं, उनके माता–पिता और समुदाय में शिक्षा के क्षेत्र और इसकी सार्थकता के संबंध में गहम और समावयवी और समग्र सूझ–बूझ उत्पन्न की जा सके। इस अध्ययन का उद्देश्य स्कूल के कर्मचारी, विद्यार्थी, माता–पिता; प्रशासक वर्ग और समुदाय के अन्य सदस्यों से चयनित प्रत्युत्तर प्राप्त करने सहित साक्षात्कार के अलावा, गृहस्थी और विद्यालय के सर्वेक्षण के माध्यम से दत्र संकलित करना है।

शोधपरक प्रश्नः

इस शोध में निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास किया जाएगाः

- भारतीय संदर्भ में बालिकाओं की शिक्षा क्यों महत्वपूर्ण है?
- भारत में और अध्ययनगत राज्यों में शिक्षा के क्षेत्र में बालिकाओं की वर्तमान प्रास्थिति (नीति और अभ्यास) क्या है?
- अध्ययनगत राज्यों में बालिकाओं की शिक्षा के बारे में शिक्षकों सहित माता–पिता/समुदाय की क्या राय है?
- बालिकाओं की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में अंतर–पीढ़ीगत परिवर्तन क्या है?
- अध्ययन के तहत राज्यों में घर और स्कूल में समान शैक्षिक अवसरों तक बालिकाओं की पहुंच को प्रभावित करने वाले क्षेत्र विशिष्ट कारक (स्कूल और परिवार से संबंधित) क्या हैं?
- क्या स्कूली शिक्षा में बालिकाओं की भागीदारी में सुधार लाने हेतु विभिन्न पहलों की शुरूआत किए जाने के फलस्वरूप स्कूली शिक्षा में लैंगिक

समानता (पुरूष स्त्री समानता) की स्थिति प्राप्त करने की दिशा में क्या प्रगति हुई है?

- शिक्षा जगत में और शिक्षा के माध्यम से लैंगिक समानता के लक्ष्य प्राप्ति की प्रक्रिया को त्वरित करने के लिए और क्या कदम उठाए जा सकते हैं?

अध्ययन के उद्देश्य

अध्ययन के निम्नलिखित उद्देश्य निर्धारित किए गए हैं:

- बालिकाओं की शिक्षा पर सरकार द्वारा की गई विभिन्न नीतिगत पहलों और हस्तक्षेपों (अभिनव और सर्वोत्तम प्रथाओं) के प्रभाव की जांच करना,
- अध्ययन के तहत क्षेत्र में बालिकाओं की शिक्षा की वर्तमान स्थिति का पता लगाना
- बालिकाओं की शिक्षा का महत्व और माता–पिता में अंतर–पीढ़ी परिवर्तन और बालिकाओं की शिक्षा के प्रति समुदाय के रवैये को समझना
- बालिकाओं के नामांकन, प्रतिधारण और अधिगम की उपलब्धि के लिए निर्धारित कारकों (सामाजिक मानदंड, स्कूल और परिवार से संबंधित कारक आदि) का अध्ययन करना
- शिक्षा के माध्यम से लड़कियों की शिक्षा और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए पहल की सिफारिश करना।

अध्ययन के क्षेत्र

अध्ययन क्षेत्रों का चयन हिमाचल प्रदेश और हरियाणा से किया गया है। हालांकि शुरुआत में मध्य प्रदेश अध्ययन का हिस्सा था, लेकिन लगातार स्कूल बंद रहने और कोविड महामारी के कारण जिला प्राधिकरण की अस्वीकृति के कारण यह राज्य अब अध्ययन का हिस्सा नहीं है।

परियोजना की वर्तमान स्थिति

शोध अध्ययन की रिपोर्ट तैयार कर ली गई है और परियोजना की अंतिम तिथि अर्थात 30 अप्रैल, 2022 के पहले कुलसचिव, नीपा को प्रस्तुत की जा रही है। परियोजना अवधि 30 जून 2022 तक बढ़ा दी गई है।

20. भारतीय उच्चतर शिक्षा में अनुदेशात्मक अभिकल्पः प्रास्थिति, समीक्षा, चुनौतियाँ और संस्तुतियाँ

अन्वेषकः प्रो. के. श्रीनिवास और डा. आर.सी. शर्मा (सह–अन्वेषक)

शिक्षण–अधिगम के क्षेत्र में बदलते हुए प्रतिमान के साथ हमने औपचारिक शिक्षा प्रणालियों और मुक्त एवं लचीली शिक्षा प्रणालियों के आधार पर अध्यापकों और अधिगमकर्ताओं की भूमिका में बदलाव देखा है। इक्कीसवीं सदी में इंटरनेट की मुख्य भूमिका होने के कारण शिक्षा प्रणाली में अधिगमकर्ता अधिगम प्रक्रिया के मूल में है। किसी भी रूप में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का किसी भी रूप में प्रयोग (सरल से सम्मिश्र) का प्रभाव शैक्षणिक परिदान के सभी तीनों प्रकार्य पर पड़ा है भले ही वह औपचारिक या अत्यधिक संरचनाबद्ध, पारंपरिक विधि, अनौपचारिक विधि या मुक्त संरचना वाली और लचीली विधि और अनौपचारिक शिक्षा जो पूर्णतः गैर–संरचनाबद्ध है, ये सभी विधियाँ इससे प्रभावित हुई हैं। प्रभावी अधिगम में संज्ञानात्मक और भावात्मक दोनों अधिगम परिणामों पर विचार किए जाने के साथ–साथ अधिगमकर्ताओं की भावनात्मक स्थितियों पर ध्यान दिया जाना चाहिए क्योंकि ये अधिगम से संलयित हैं। पाठ्यक्रम अभिकल्प संबंधी निर्णय में सहयोगात्मक और वैयक्तिक अधिगम परिवेश का निर्माण कर सामाजिक अधिगम के विभिन्न उपागम को आवश्य ही सम्मिलित किया जाना चाहिए। भारतीय उच्चतर शिक्षा प्रणाली और अनुदेशनात्मक अभिकल्प पर साहित्य की समीक्षा, सर्वेक्षण उपकरण का प्रारूप और उसकी विश्वसनीयता/वैधता, विभिन्न प्रकार के विश्वविद्यालयों से कुछ डेटा एकत्र करने के लिए ऑनलाइन सर्वेक्षण आयोजित किया गया। कोविड महामारी के कारण परियोजना कर्मचारियों की भर्ती और अन्य गतिविधियों पर कार्य नहीं किया गया। इसलिए अनुरोध पर, कुलपति ने सितंबर 2022 तक परियोजना के विस्तार को स्वीकार किया।

21. कौशल निर्माण और रोजगार क्षमताः भारत में युवा वर्ग का एक अध्ययन

अन्वेषकः प्रो. विनीता सिरोही

निर्धारित समय अनुसूची के अनुसार प्रगति पर है।

- साहित्य की समीक्षा
- साहित्य की समीक्षा पर आधारित शोध पत्र तैयार करने की प्रक्रिया जारी है।
- राज्य द्वारा संचालित संस्थानों की पहचान और उनके साथ पत्राचार।
- चार में से तीन राज्यों में राज्य अनुसंधान दल का गठन। एक राज्य से अनुक्रिया (प्रत्युत्तर) का इंतजार है।
- अनुसंधान उपकरणों की तैयारी।

22. भारत–आसियान संबंधः प्रवर्धित साझेदारी के लिए शिक्षा को बढ़ावा दिया जाना

अन्वेषकः डा. सरिंग चोनजोम भूटिया

आसियान के 10 सदस्य देशों में मैने भारत के शैक्षणिक संबंध से संबंधित व्यापक आंकड़े संकलित किये है और इसमें इंडोनेशिया, मलेशिया, मयांमार, थाइलैंड, सिंगापुर, वियतनाम और फिलिपिन्स के साथ शैक्षणिक सहयोग की प्रस्थिति का भी उल्लेख है। ब्रुनेई दारूसलाम दारा सूलभ का आंकड़ा वर्तमान में एकत्र किया जा रहा है। कंबोडिया और लाओस पीडी आर के लिए शेष दत्र एकत्र किया जाना है। मैने पूर्व में चीन, दक्षिण कोरिया और जापान का भी दत्र संकलन किया है जो आसियान के सदस्य देश न होकर पूर्वी एशियाई क्षेत्र में अवस्थित हैं। साहित्य समीक्षा का कार्य प्रगति पर है।

23. दुबई, मलेशिया, दक्षिण अफ्रीका, यूरोप और कतर में अन्तरराष्ट्रीय शाखा कैम्पस (इन्टरनेशनल ब्रांच कैम्पस) का शोध–परक अध्ययनः भारत के लिए सबक

अन्वेषकः **डा. सरिंग चोनजोम भूटिया, (अन्य लेखक डॉ. अनामिका, श्री एल्डो मैथ्यूज, डॉ. बिनय प्रसाद, श्री आलोक रंजन)**

संधार (फ्रेमवर्क) तैयार है। तीन व्यक्ति–परक अध्ययन तैयार है। दो व्यक्ति–परक अध्यन सहकर्मियों द्वारा प्रस्तुत किया जाना शेष है जिसका उल्लेख नीचे किया गया है।

- यूरोप में परा राष्ट्रीय शिक्षा के बारे में मामला–परक अध्ययन : लैंकाशायर विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय ब्रांच कैम्पस का अध्ययन (आईबीसी) श्री आलेक रंजन
- कतर में अंतरराष्ट्रीय ब्रांच कैम्पस की समालोचनात्मक समीक्षाः भारत के लिए सबक

बिना किसी कैश अध्ययन के आगे बढ़ना संभव नहीं है।

24. अफ्रीका–एशियाई देशों में बच्चों में अधिगम साम्यता पर कोविड–19 का प्रभाव

कोविड–19 शोध समूह–1 समूह के पथ प्रदर्शक प्रो. कुमार सुरेश, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान

शोध में सहयोगी भागीदार

इस परियोजना में 10 अफ्रीका–एशियाई देशों की सहयोगी शोध कार्य सम्मिलित हैः इस सामूहिक कार्य के लिए सदस्य संस्थाओं की सूची निम्नवत हैः–

1. बहिर दार यूनिवर्सिटी, इथोपिया
2. बेयरो यूनिवर्सिटी, कैनो, नाइजीरिया
3. चियांग माई यूनिवर्सिटी, थाइलैंड
4. केन्याता यूनिवर्सिटी, केन्या
5. कोबे यूनिवर्सिटी, जापान
6. जुम्बे यूनिवर्सिटी, तंजानिया
7. राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, भारत।
8. सियोल नेशनल यूनिवर्सिटी, दक्षिण कोरिया
9. यूनिवर्सिटी, ऑफ ढाका, बंगलादेश
10. यूनिवर्सिटी, सैंस मलेशिया, मलेशिया।

शोध की निर्देशात्मक रूपरेखा

शोध की पृष्ठभूमि

अफ्रीकी एशियाई विकास नेटवर्क के माध्यम से और यूनेस्को के सहयोग से शैक्षणिक विकास के शोधकर्ताओं को एक सूत्र में पिरोया जाता है। और यह हिरोशिमा यूनिवर्सिटी, जापान स्थित केंद्र के सचिवालय के माध्यम से कार्य करता है। यह नेटवर्क शिक्षा के क्षेत्र में सहयोगात्मक शोध संचालित करता है। नेटवर्क की पिछली महासभा में शिक्षा पर कोविड–19 के प्रभाव के संबंध में शोधपरक अध्ययन आरंभ करने का निर्णय लिया गया था। चार विषयगत संबंधी क्षेत्रों की पहचान की गई थी। एक कथ्य में अफ्रीकी– एशियाई देशों में बालकों की अधिगम इक्विटी पर कोविड–19 के प्रभावक को शमिल किया गया है। प्रो. कुमार सुरेश ग्रुप लीडर के रूप में इस शोध कार्य का नेतृत्व कर रहे हैं।

शोध के मुख्य भाव क बारे में

वर्ष 2020 के आरंभिक माह में कोविड– 19 का संक्रमण समस्त विश्व के अधिकांश भागों में एक विशद स्वास्थ्य संकट के रूप में उभर कर सामने आया। इसके कारण वैश्विक स्तर (डनलप एवं अन्य, 2020) पर जीवन का प्रत्येक पक्ष दुष्प्रभावित हुआ (बैटी, 2020 खान और नौशाद, 2020; पॉवर एवं अन्य, 2020) । कोविड–19 वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए किए जाने वाले उपाय के रूप में विभिन्न देशों द्वारा अध्यारोपित लॉकडाउन का बहु–आयामी प्रभाव पड़ा है और पूरे विश्व के बहुत से देशों में आर्थिक और रोजगार के परिदृश्य में बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। शिक्षा इस तरह का एक मात्र ऐसा क्षेत्र है जिस पर अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा कम बल दिया गया है और ध्यान केंद्रित किया गया है।

बहुत सी अंतर राष्ट्रीय एजेंसियां (यथा– यूनेस्को, आई आईईपी, ओईसीडी, वर्ल्ड बैंक, यूनिसेफ, औक्सफॉम इत्यादि), राष्ट्रीय सरकारें, संस्थाएं तथा राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए सर्वेक्षण एवं स्थितिपरक विश्लेषणों से शिक्षा पर इसके बहु:विधि प्रभाव का विवरण प्राप्त हुआ है।

अधिगम के अवसर और प्रतिफल

विश्व विकास प्रतिवेदन–2018 में विद्यालयों बालकों के अधिगम प्रतिफल में कमी से संबंधित गंभीर चिन्ता व्यक्त की गई है और इसमें अफ्रीकी एशियाई क्षेत्रों के बहुत से देशों के संबंध में भी चिन्ता व्यक्त की गई है। अधिगम स्तरों में विद्यमान अन्तर को रेखांकित करते हुए कोविड–19 महामारी के परिणाम स्वरूप उत्पन्न स्थिति में और उसके बाद भी वस्तु स्थिति पर प्रमुख विषय के रूप में बल दिया गया है। इसके भीतर विश्व के प्रमुख हिस्से में स्कूल के बन्द किए जाने तथा स्कूली शिक्षा में व्यवधान व अवरोध होने के परिणामस्वरूप सतत् शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। (हसन, मिर्जा एण्ड मिर्जा, 2020; कौप एवं अन्य, 2020, स्क्लीचर, 2020, स्मिथ 2021)। इससे विद्यालय का संगठन विद्यालय में उपलब्ध स्थानों में आमने–सामने की कक्षाएं विभिन्न शिफ्टों में चलाने के स्थान पर विद्यार्थियों के लिए ऑन–लाईन कक्षाएं आरम्भ करने सहित शिक्षण–अधिगम की वैकल्पिक विधि को अपनाने के लिए प्रवृत्त हुआ। ऑफ–लाइन/आमने–सामने होकर शिक्षण अधिगम प्रक्रिया से ऑन–लाइन शिक्षण में अंतरण अध्यापन की सर्वाधिक वांछनीय विधि प्रतीत होती है। यद्यपि, यूनेस्को द्वारा कराए गए हालिया अध्ययन में इन पहलुओं को कक्षा में अधिगम का ''सर्वाधिक अनुपयुक्त प्रतिस्थापन'' – विकल्प की संज्ञा दी गई है। शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को किस प्रकार और अधिक साम्यतापूर्ण, समुत्थानशील और समावेशी बनाया जाए, यह एक बड़ी चुनौती है।

ऑन–लाइन शिक्षण–अधिगम के संबंध में उपलब्ध सर्वेक्षण प्रतिवेदनों और शोधकार्य से विभिन्न देशों से बहुत से दोषपूर्ण पक्षों का निरूपण होता है। (गार्सिया और वेइस, 2020), ;स्क्लेचर, 2020, स्मिथ 2021)। इनमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण पक्ष ऑनलाइन अधिगम संसाधनों का असमान अभिगम है। डिजीटल–डिवाइड (संचार–संसाधन संपन्न और संचार–संसाधन रहित व्यक्तियों का द्विआधारी विभाजन) विश्व के अधिकांश हिस्से में साम्यतापूर्ण अधिगम के अवसर उपलब्ध कराने के मार्ग में चिन्ता का विषय होने के साथ–साथ एक बड़ी बाधा है। अधिगम के निमित्त डिजीटल उपकरणों पर निर्भरता की स्थिति में अंतरण से पूर्व डिजीटल संसाधनों की कमी

पर विचार नहीं किया जाता है। आभासी विद्यालय में विद्यार्थियों के सुचारू अधिगम को सुनिश्चित करने के लिए नीति–निर्माण और कार्यन्वयन के लिए विद्यार्थियों के मध्य डिजीटल संसाधनों की उपलब्धता के मामले में असमानता से उत्पन्न चुनौतियों पर विचार करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर, डिजीटल डिवाइड के प्रश्न से शैक्षणिक अधिगम और अवसरों में असमानता का विषय हमारे सम्मुख प्रस्तुत हुआ है। वस्तुतः कोरोना वायरस महामारी के संक्रमण और लॉकडाउन के दौरान शैक्षणिक अधिगम और अवसर में असमानताएं और विसंगतियों में और अधिक अभिवृद्धि हुई है। (जर्निविज़ एवं अन्य 2020, जुलेट; फॉजिया और केन, 2020)।

संसाधनों और सुविधाओं के असमान अभिगम, अध्यापक–अध्यापिकाओं की तैयारी, विद्यालयों और शिक्षा प्रणाली की तत्परता आभासी अधिगम की नई विधि से शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को सतत व निर्वाध रूप से जारी रखने में प्रमुख विघ्नकारी और अवरोध कारक रहा है। सुविधाओं से वंचित पृष्ठभूमि वाले बच्चों के बीच में पढ़ाई छोड़ देने और शैक्षणिक प्रक्रिया की परिधि से बाहर हो जाने की अधिक आशंका रहती है। डिजीटल संसाधनों का विभेदपूर्ण अभिगम, विद्यालयी भौतिक सहायता समान रूप से उपलब्ध नहीं होने के कारण अपेक्षित व वंचित पृष्ठभूमि के बच्चों के दुष्प्रभावित होने की प्रबल आशंका रहती है साथ ही शैक्षणिक प्रक्रम से भी उनके बाहर होने की आशंका बनी रहती है। विद्यमान स्थिति में, संधारणीय विकास लक्ष्य–4 (एसडीजी–4) जिसमें साम्यतापूर्ण अधिगम के अवसर और प्रतिफल की घोषणा की गई है, उन्हें साकार किया जाना और मूर्त रूप दिया जाना अभी दूर है। (http://feature.undp.org/covid-19-and-the-sdgs/).

यूनेस्को का शिक्षा क्षेत्रक अंक की टिप्पणी सीरीज 4.2 शीर्षक– 'कोविड–19 संकट और पाठ्यचर्या दूरस्थ अधिगम के संदर्भ में गुणवत्तापरक परिणाम बनाए रखना' में उचित योजना निर्माण तथा पाठ्यचर्या की सूझ–बूझ के साथ–साथ कोविड–19 द्वारा अधिगम के अवसर और अधिगम के प्रतिफल के लिए उत्पन्न चुनौतियों को कम करने पर बल दिया गया है। इसमें अधिगमकर्ता, शिक्षक, परिवार और शिक्षा प्रणाली पर ध्यान दिया गया है ताकि चुनौती के निवारण हेतु एक बृहद, संधारणीय और गुणवत्तापरक पाठ्यचर्या बनाई जा सके और इसके साथ–साथ दूरस्थ अधिगम विधि में अधिगम के अवसर एवं अधिगम के प्रतिफल की निरंतरता सुनिश्चित की जा सके। इस अंक का वृहद विश्लेषण किए जाने की आवश्यकता है ताकि शैक्षणिक नीति–निर्धारकों द्वारा किए गए परिवर्तनों को समझा जा सके और भौतिक उपस्थिति में अधिगम के प्रक्रम की भरपाई के लिए प्रशासनिक पहलों की बोधगम्यता विकसित की जा सके।

इसी पृष्ठभूमि के आधार पर प्रस्तावित अध्ययन का उद्देश्य साम्यतापूर्ण अधिगम के अवसर और प्रतिफल की रूपरेखा में शिक्षा की अविरल निरन्तरता सुनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ नीतिगत उपायों और प्रशासनिक पहलों की दृष्टि के माध्यम से अफ्रीकी–एशियाई देशों में कोविड–19 के अभाव का आकलन करना है। यह देखना भी समान रूप से महत्वपूर्ण है कि साम्यतापूर्ण अधिगम के अवसर और प्रतिफल के विचार को मूर्त रूप देने में ये नीतियां और उपाय कितने प्रभावी हैं।

उद्देश्य

इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य स्कूली शिक्षा में साम्यतापूर्ण अधिगम के अवसर ओर प्रतिफल पर कोविड–19 महामारी के प्रभाव का आकलन करना तथा बेहतर प्रतिफल के लिए क्षति को न्यूनतम स्तर तक लाने के मानकों का सुझाव देना है। इसका लक्ष्य यह ज्ञात करना भी है कि विद्यालयों में साम्यतापूर्ण अधिगम की स्थितियां सुनिश्चित करने के लिए कौन से नीतिगत उपाय और प्रशासनिक पहलें की जा सकती हैं जबकि महामारी के परिणामस्वरूप उत्पन्न परिस्थिति में बेहतर प्रतिफल के लिए अवसरों की कमी को न्यूनतम स्तर तक लाने का भी सुझाव दिया जाए।

पद्धति और शोध के उपागम

तकनीकी रूप से इस अध्ययन को शोध की प्रकीर्ण विधि की रूपरेखा में कार्यान्वित किए जाने का प्रस्ताव है। इसके लिए प्रस्तावित शोध उपागमों में चयनित विद्यालयों के लिए सूचना की अनुसूची का उपयोग और उसे सम्मिलित किए जाने का विचार है। चयनित हितधारकों का गहन साक्षात्कार, शिक्षक विद्यार्थियों के

साथ विषय–केन्द्रित सामूहिक विमर्श करने के लिए साक्षात्कार की अनुसूची। व्यवहार्यता, प्रबंधनीयता, समय सीमा और अध्ययन के लिए उपलब्ध संसाधनों जैसे कारकों के दृष्टिगत प्रतिदर्श के आकार के परिसीमन हेतु बहु–चरणीय प्रतिदर्श पद्धति प्रयुक्त की जाएगी। इस अध्ययन के प्रतिचयन में प्रतिदर्शित विद्यालय, प्राचार्य, शिक्षकगण, विद्यार्थी और माता–पिता शामिल होंगे।

इस अध्ययन के बाद इसके शोध–अभिकल्प के भाग के रूप में विभिन्न प्रक्रियायें होंगीं–प्रथम चरण में साम्यतापूर्ण अधिगम के अवसर और प्रतिफल सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न देशों की नीतियों और उपायों की डेस्क–समीक्षा की जाएगी। जो एसडीजी–4, इंचियन डिक्लेरेशन ऑन एजुकेशन–2030 और संधारणीय विकास लक्ष्य–4 के क्रियान्वयन के लिए कार्य की रूपरेखा के अनुरूप होगी। नीतियों की समीक्षा के क्रम में, महामारी से पूर्व अधिगम और नीति संबंधी पहल का विश्लेषण किया जाएगा। इस अध्ययन में नीतियों की गहन समीक्षा के अलावा, प्रत्योत्तर और अनुक्रिया पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। अन्य चरणों में शोध प्रक्रिया के अनुसार आंकड़ों का संकलन का चार्ट तैयार किया जाएगा और आंकड़ों का विश्लेषण किया जाएगा। इस अध्ययन का आशय अधिगम विनिर्धारण उपागमों के आधार पर विद्यार्थियों के अधिगम प्रतिफल का मापन करना नहीं है।

आंकड़ों का संकलन

आमने सामने बैठकर शिक्षण के साथ–साथ ऑनलाइन विधि से शिक्षण संबंधी दोनों विकल्पों से संबंधित आकड़ों का संकलन, संबंधित देशों के संदर्भ और वहाँ की स्थिति के अनुसार दी जाएगी। विविध डिजीटल प्लेटफार्म यथा गूगल मीट ऐप, जूम, वेबेक्स इत्यादि के प्रयोग से साक्षात्कार और केन्द्रित सामूहिक विमर्श किया जायेगा। संरचनाबद्ध प्रश्नावली के माध्यम से आंकड़ों का ऑनलाइन संकलन परिमाणात्मक आंकड़ों के लिए किया जाएगा जबकि साक्षात्कार और केन्द्रित सामूहिक विमर्श गुणात्मक आंकड़ों के लिए किया जाएगा।

अनुमानित प्रतिफल

शोध संबंधी निष्कर्ष विविध प्ररूपों में प्रसारित की जाएगी जिसमें सम्मलेन/सेमिनार में प्रस्तुति और पत्रिका में शोध पत्र के रूप में प्रकाशन सम्मिलित होगा। अध्ययन के निष्कर्ष नीति निर्माताओं/प्रशासकों के साथ भी बेहतर प्रतिफल के निमित्त सुधार/पुनः आरेखन, सह–बंधन के लिए जानकरी हेतु साझा की जा सकती है।

इस दिशा में हुई प्रगति

सितम्बर माह से इस दिशा में हुई प्रगति के संबंध में सदस्य देशों के साथ बहुत सी बैठकें आयोजित की गई और इसके फलस्वरूप, आकड़ों का संकलन, प्रतिदर्श स्तरीकरण के लिए उपकरण/उपागम को अंतिम रूप दिया गया। हमारी ओर से कुल 13 विद्यालयों से विद्यार्थी (सं. 454), शिक्षक (सं. 123) और प्राचार्य (सं. 7) से आंकड़े एकत्र किए गए हैं। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की आबादी की विविधता के कारण प्राथमिक रूप में यहाँ से आंकड़े एकत्र किए गए हैं जिससे देश का प्रतिनिधात्मक प्रतिदर्श प्राप्त करने में सहायता मिलती है, साथ ही अलग–अलग राज्यों की भाषायी, सामाजिक–आर्थिक प्रास्थिति इत्यादि संबंधी विविध समूहों की जानकारी प्राप्त होती है। चूंकि उत्तर–पूर्व भारत, संदर्भ, संसाधन–उपबंध, भौगोलिक दशा इत्यादि के संबंध में दूसरे पहलू को भी निरूपित करता है, इसलिए उत्तर–पूर्व भारत में अवस्थित राज्यों से भी आंकड़े एकत्र किए गए हैं। पूर्वोत्तर राज्यों में आंकड़ों का संकलन शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से प्राप्त किया गया है। आगे शोध, आंकड़ों का सारणीकरण और विश्लेषण की प्रक्रिया जारी है। मार्च, 2022 तक देश की रिपोर्ट पूरा होने की संभावना है। साथ ही, भारत के संकलित आंकड़ों को भी अफ्रीकी एशियाई देशों के अन्य आंकड़ों के साथ मिलाया जाएगा। सभी प्रतिभागी सदस्य देशों से आंकड़े संकलित किये जाने के पश्चात संयुक्त प्रतिवेदन तैयार किया जाएगा।

4

पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं

पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं

ज्ञान और सूचना की साझेदारी

संस्थान ने शैक्षिक नीतियों, योजना और प्रबंधन से संबंधित मौजूदा और नवीनतम ज्ञान को सुलभ बनाने के लिए श्रृंखलाबद्ध कार्य आरंभ किए हैं। संस्थान का पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र शैक्षिक नीति, योजना और प्रबंधन के क्षेत्र में ज्ञान और सूचना प्रलेखन और प्रसारण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता रहा है। पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र द्वारा वर्ष 2021–22 में की गई प्रमुख गतिविधियां निम्नलिखित हैं :

पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं

संस्थान का पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र संस्थान के संकाय और स्टाफ सदस्यों, देश–विदेश के शोधकर्ताओं, विश्वविद्यालय के एम.फिल. तथा पी.एच.डी. के विद्यार्थियों, नीपा द्वारा आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागियों और अतिथि संकाय सदस्यों तथा पाठकों की सूचना संबंधी जरुरतों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन एवं अधिगम केंद्र के रूप में कार्य करता रहा है। पुस्तकालय, संस्थान के अध्यापन, अधिगम और शोध में सहयोग के लिए आधुनिक अध्यापन–अधिगम सामग्री, कंप्यूटर तथा इलेक्ट्रानिक सुविधाएं जैसे– वाई–फाई से सुसज्जित है।

आजकल, पठन सामग्री और सूचना स्रोत प्रिंट से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में बदल रहे हैं। इसलिए, नीपा पुस्तकालय ने भी अपनी संग्रह नीति में व्यापक परिवर्तन किया है। पुस्तकालय वर्तमान में प्रिंट और ऑनलाइन दोनों स्वरूपों में अपनी 90 प्रतिशत से अधिक पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है। हालांकि, पुस्तकों को मुद्रित रूप में ही प्राथमिकता दी जाती है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान पुस्तकालय में 43 नई पुस्तकों/दस्तावेजों का संग्रह किया गया। पुस्तकालय में पुस्तकों, पत्रिकाओं और लेखों का समृद्ध संग्रह है। समीक्षाधीन वर्ष 2021–22 में पुस्तकालय ने शैक्षिक योजना, प्रशासन, प्रबंधन तथा इससे संबंधित विषयों पर राष्ट्रीय तथा अतंर्राष्ट्रीय जर्नल एवम् पत्रिकाएं मंगाईं। पुस्तकालय द्वारा खरीदे गये जर्नल डाटाबेस में ई.पी. डब्ल्यू.आर.एफ. से एक सांख्यिकी आंकड़ा आधार ''ई.पी. डब्ल्यू.आर.एफ. भारत समय श्रृंखला'' के साथ–साथ कई प्रतिष्ठित प्रकाशकों जैसे– सेज, एमराल्ड और जेस्टोर के चार आनलाईन जर्नल डाटाबेस शामिल हैं। इसके अलावा पुस्तकालय के पास सेज शिक्षा सामग्री की 523 ई–बुक का संग्रह है।

नीपा पुस्तकालय ने नई आनलाइन सूचना सेवाएँ जैसे कि– ''न्यूज फ्लैश'', 'नीपा इन द प्रेस', एस.डी.आई. (नीपा संकाय के अकादमिक कार्य का प्रसार) तथा ''न्यू अराईवल'' प्रारम्भ किया है। पुस्तकालय ने संस्थान की विभिन्न गतिविधियों तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम की ग्रन्थ सूची तैयार की है। उपयोगकर्ताओं को संदर्भ सामग्री, आलेखों, रिपोर्टों इत्यादि के लिये फोटोकॉपी सेवाएँ प्रदान की गई हैं।

नीपा पुस्तकालय में सभी गतिविधियाँ, जैसे सूची बनाना, प्राप्तियाँ, प्रसार तथा श्रेणी नियंत्रण पूर्णरूप से कम्प्यूटरीकृत है। इसके लिये लिबसिस 10 साफ्टवेयर पैकेज का नवीनतम वर्ज़न का प्रयोग किया जा रहा है। नीपा में लैन से इंटरनेट या फिर इंटरानेट के माध्यम से सीधे या यू.आर.एल. के माध्यम से नीपा की वेबसाईट पर वेब ओपेक का प्रयोग करके ओपेक का उपयोग किया जा सकता है। इसके माध्यम से नीपा पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों, जर्नलों और लेखों का डाटाबेस देख सकते हैं।

नीपा प्रलेखन केंद्र

नीपा प्रलेखन केन्द्र में शैक्षिक योजना, प्रबंधन और प्रशासन पर 20,000 से अधिक का वृहद और समृद्ध संग्रह है। इसके संग्रह में केन्द्र – राज्य सरकारों तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रकाशन जैसे राज्य तथा जिला गणना, राज्य तथा जिला गैजेटियर केन्द्र तथा राज्य विश्वविद्यालय के नियम और संविधि, जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डी. पी.ई.पी.) तथा सर्व शिक्षा अभियान, राज्यों की सांख्यिकी पुस्तकें, अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण, आर्थिक सर्वेक्षण आयोग तथा समिति की रिपोर्ट, राज्य आर्थिक सर्वेक्षण, राज्य शैक्षिक योजनाएं, राज्य मानव संसाधन विकास रिपोर्टें तथा पंचवर्षीय योजनाएं सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त संस्थान के विभिन्न प्रकाशनों जैसे अनुसंधान अध्ययन, समसामयिक आलेख श्रृंखला, संस्थान की वार्षिक रिपोर्टें (1962–2020), प्रशिक्षण कार्यक्रम रिपोर्टें, विभिन्न मंत्रालयों की वार्षिक रिपोर्टें, अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना

संस्थान (आईआईईपी), पेरिस के प्रकाशन की शामिल हैं। केन्द्र में नीपा एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रम और अन्य विश्वविद्यालय के थीसिस का एक वृहद संग्रह है तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन पर क्रमशः स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) और अन्तरराष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) पर शोध संग्रह उपलब्ध है। केन्द्र अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान, (आई.आई.ई.पी.) पेरिस के प्रकाशनों का संग्रह–केन्द्र है। इसके पास गैर–पुस्तक पाठ्य सामग्री जैसे इंडैक्सिंग डाटाबेस, भारत की जनगणना, राज्य मानव संसाधन विकास रिपोर्ट तथा शिक्षा और इससे संबंधित क्षेत्रों पर अन्य प्रकाशनों पर संग्रह है।

गतिविधियाँ एवं प्रमुख क्षेत्र

प्रलेखन केंद्र, अध्यक्ष आईसीटी के सहयोग से, मुक्त शैक्षिक संसाधनों, निःशुल्क और मुक्त संसाधन सॉफ़्टवेयर, मूडल और गूगल क्लासरूम एलएमएसएस और अकादमिक समग्रता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल सभी विषयों के संकाय के लिए संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आयोजित करता है। 2021–22 के दौरान, इसने 20–24 सितंबर 2021 तक शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर 5 दिनों की संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आयोजित की।

प्रलेखन केंद्र भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की एक पहल ''शोधशुद्धि'' कार्यक्रम के तहत औरिजिनल (पूर्व में उरकुंड) साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर पर शिक्षकों, शोधार्थियों और कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत सामग्री की समानता की जाँच करता है। ओरिजिनल पीडीएस एक वेब आधारित साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाला सॉफ्टवेयर है जिसका उपयोग विश्वविद्यालयों/संस्थानों के सभी उपयोगकर्ताओं द्वारा किया जाता है। प्रलेखन केंद्र संस्थान द्वारा प्रदान की गई थीसिस को शोधगंगा–भारतीय शोध का एक भंडार पर अपलोड करने के लिए भेजता है। प्रलेखन केन्द्र ने लिबसेस 10 सॉफ्टवेयर के प्रयोग करके अपने सभी कार्यकलापों का कंप्यूटरीकृत कर दिया है। इसके अतिरिक्त उपयोगकर्त्ता को डेस्कटॉप पर ऑनलाईन पब्लिक एक्सेस कैटालॉग (ओपेक) तथा सूचना संसाधन तथा सेवाओं की विस्तृत जानकारी के साथ इलैक्ट्रानिक डाटाबेस की पहुंच, प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त, इसके समृद्ध संग्रह, विस्तृत सरणी और विविध सेवाएं तथा सुविधाएं भारत तथा विदेशों से उपयोगकर्ताओं को इसकी सूचना संसाधन और सेवाओं का प्रयोग करने के लिये आकर्षित करती है। उपयोगकर्त्ताओं को पठन हेतु प्रलेखन केन्द्र में सुविधाजनक शान्तिपूर्ण और अनुकूल परिवेश उपलब्ध है तथा उपयोगकर्त्ताओं के लिए वातानुकूलन, पर्याप्त रोशनी और जनरेटर बैक–अप की सुविधा उपलब्ध है। प्रलेखन केन्द्र की पठन सुविधाओं का लाभ संकाय, संस्थान के अनुसंधानविद् परियोजना स्टाफ, भारत तथा विदेश के अनुसंधानविद्, प्रोजैक्ट स्टाफ, पीजीडेपा एवं आईडेपा के भागीदार तथा आगन्तुक संकाय द्वारा उठाया जाता है। डेलनेट (विकासशील पुस्तकालय नेटवर्क) के सदस्य के रूप में, केंद्र ने अंतःपुस्तकालय संसाधनों को साझा करने की गतिविधियाँ सुदृढ़ की है। प्रलेखन केन्द्र पूरे वर्ष सोमवार से शुक्रवार तक प्रातः नौ बजे से सायं 5.30 बजे तक खुला रहता है।

डिज़ीटल संसाधनों और सेवाओं तक पहुंच

इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय संकाय तथा अनुसंधानविद्ों के बीच विभिन्न प्रकार की सूचना की साझेदारी, संपर्कता, सहभाजन के लिए इंटरनेट गतिविधियों को सुदृढ़ तथा विकसित किया गया है। यह सूचना तथा ज्ञान का संग्रह, सृजन, हस्तांतरण तथा एकीकरण करता है। इसके डिज़ीटल संसाधन जैसे पुस्तकें, आलेख, अनुसंधान अध्ययन, समसामयिक आलेख श्रृंखला, प्रशिक्षण कार्यक्रम रिपोर्ट, सम्मेलन संगोष्ठी के कार्यकलाप, विख्यात शिक्षाविद् व्याख्यान श्रृंखला, दृश्य–श्रव्य व्याख्यान, समिति तथा समिति रिपोर्टें, इंटरनेट पर उपलब्ध हैं। डिजीटल अभिलेखागार शिक्षा तथा इससे संबंधित क्षेत्रों के 12,000 नीतिगत दस्तावेज़ों के डिजीटल अभिलेख उपलब्ध कराता है। यह दस्तावेज़ इंटरनेट या इंटरानेट के माध्यम से [http://www.niepa.ac.in/darch.aspx or http://14.139.60.153/]. पर देखा जा सकता है।

इसके अतिरिक्त ऑनलाइन सूचना संसाधनों और प्रलेखन सेवाओं को इंट्रानेट के माध्यम से पाठकों तक विस्तारित किया गया है ताकि नई प्राप्तियों की सूची, नए जर्नलों की सूची, पाक्षिकों के वर्तमान घटक; जे.स्टोर तथा ऑनलाईन जर्नल डाटाबेस का सम्पूर्ण टेक्स्ट एक्सेस; संदर्भ ग्रंथ सूची – मांग पर साहित्य की खोज तथा

इलैक्ट्रानिक दस्तावेज़ वितरण प्रणाली (ई.डी.डी.एस.) के लिये इंटरनेट के माध्यम से चौबीस घंटे ऑनलाईन सूचना संसाधन तथा प्रलेखन सेवाएं पाठकों को प्रदान की गई है। केंद्र द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं जैसे अनुसंधान अध्ययन, शोध प्रबंध, थीसिस, सामयिक पत्र श्रृंखला, प्रशिक्षण कार्यक्रम रिपोर्ट, पीजीडेपा और आईडेपा के शोध प्रबंध, ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) भी इंट्रानेट पर उपलब्ध हैं।

यह 300 मुद्रित जर्नलों (राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय) और ऑनलाईन डाटा बेस जैसे सेज ज्ञान, सेज शिक्षा संग्रह ऑनलाईन, एलसेवियर तथा जेस्टोर की पहुंच प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त पाठकों को भारतीय राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (81,747,050 संसाधन), मुक्त शैक्षिक संसाधन हेतु पहुंच (डीओएजे) जैसे 17,567 पूर्ण लिखित जर्नल के संदर्भ में मुक्त पहुंच जर्नल डायरेक्टरी, 130 देशों से 73,90,150 आलेख, प्रकाशकों से 51,434 अकादमिक सहकर्मी समीक्षा पुस्तकों की डायरेक्टरी, 8 अप्रैल, 2022 तक नेटवर्क डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ थीसिस एंड डिसर्टेशंस (एनडीएलटीडी), इलैक्ट्रानिक शोध और अनुसंधान हेतु 6 मिलियन से अधिक ई.टी.डी. (6,223,006 ई.टी.डी.) तथा शोधगंगा (3,51,631 थीसिस), स्वयम, एमआईटी ओपनकोर्सवेयर, आदि। इसके अलावा, अन्य राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पूर्ण–पठन डाटाबेस, इंडेक्सिंग डाटाबेस, पत्रिकाओं की वर्तमान सामग्री, समाचार पत्र और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पूर्ण–पठन रिपोर्ट उपलब्ध कराता है।

व्यक्तिगत योगदान (डॉ. डी.एस. ठाकुर का शैक्षणिक योगदान – 2021–22)

प्रकाशन

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत और प्रकाशित शोध पत्र/लेखः

जर्नल में प्रकाशित लेख

ठाकुर, डी.एस. (2021). ई–रिपॉजिटरी फैसिलिटेट लर्निंगः अ क्विक ग्लांस एट देअर पोटेंसिअल ***जेपा*** 35(2), 2021, 127–150. (आईएसएसएनः 0971–3859)

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

अंतर्राष्ट्रीय

1. 17–19 दिसंबर, 2021 के दौरान, नई दिल्ली भारतीय तुलनात्मक शिक्षा समिति (सीईएसआई) द्वारा आयोजित 11वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सीईएसआई सम्मेलन, 2021 (ऑनलाइन) ''सोशल मीडिया, एकेडमिक्स एंड लाइब्रेरियनशिपः व्हाट्सएप, अ प्लेटफार्म टू कनैक्ट द टीचिंग लर्निंग एंड रिसर्च कम्युनिटी'' 18 दिसंबर, 2021 को मैपिंग एजुकेशन इन टाइम्स ऑफ कोविड–19 पर एक आलेख प्रस्तुत किया। http://www.cesindia.net/uploads/3/0/3/2/30328461/cesi2021_conference_schedule_with_links.pdf पर उपलब्ध।

राष्ट्रीय

28 मार्च से 1 अप्रैल, 2022 के दौरान, बी.एस. अब्दुर रहमान क्रिसेंट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा वंडालूर, चेन्नई में आयोजित पर्यावरण, ऊर्जा और स्वास्थ्य पर 45वीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस (आईएसएससी) में 30 मार्च, 2022 को ''डिजिटल इंडिया प्रोग्रामः डिजिलॉकर एंड डिजिटल एम्पावरमेंट'' पर डॉ. संदीप चटर्जी और डी.एस. ठाकुर द्वारा संयुक्त रूप से लिखित पत्र प्रस्तुत किया। https://crescent.education/45issc-csd/brochure/research-and-theme-abstract-details.pdf पर उपलब्ध।

संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित

20–24 सितंबर, 2021

प्रलेखन केंद्र, अध्यक्ष आईसीटी और परियोजना प्रबंधन एकक के सहयोग से वित्तीय वर्ष 2021–22 में नीपा, नई दिल्ली में **ऑनलाइन मोड में अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों** पर 5 दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीय संस्थानों और अन्य शोध संगठनों के सभी विषयों के संकाय सदस्यों ने भाग लिया। यह एक आईसीटी आधारित कार्यक्रम था जहां मूडल (ग्नोमियो) लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम **डा. डी.एस. ठाकुर लर्निंग पोर्टल** से प्रतिभागियों द्वारा लेख, वीडियो, चर्चा मंच, कार्य योजना सहित सीखने के संसाधन एक्सेस किए गए।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान प्रशिक्षण सामग्री/पाठ्यक्रम विकसित/निष्पादित

i. श्रीनिवास, के. और ठाकुर, डी.एस. (2021), अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम की सूचना गाइड (20–24 सितंबर, 2021), नीपा, नई दिल्लीः 2021, 34 पी.

ii. 20–24 सितंबर, 2021 से अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर 5–दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार, विकसित, और संपादित किया और मूडल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम और प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान और बाद में प्रतिभागियों द्वारा उठाये गये विभिन्न प्रश्नों और मुद्दों को हल करने के लिए चर्चा मंच का इस्तेमाल किया।

iii. संकाय विकास कार्यक्रम के प्रतिभागियों के व्हाट्सएप ग्रुप (नीपा एफडीपी एआईसीटीएआरएल 2021) का गठन किया गया था और प्रतिभागियों को व्हाट्सएप ग्रुप (नीपा एफडीपी एआईसीटीएआरएल 2021), के माध्यम से दूसरे, तीसरे और चौथे सप्ताह के ऑनलाइन कार्यक्रम को डिजाइन और विकसित करने और सूचना के प्रसार के लिए 30 दिनों का तकनीकी समर्थन प्रदान किया तथा ऑनलाइन संसाधनों के लिंक डॉ. डी.एस. ठाकुर लर्निंग पोर्टल [https://dsthakur.gnomio.com] के माध्यम से प्रतिभागियों द्वारा सभी संसाधन (पूर्ण–पाठ लेख, पीपीटी, वीडियो और अन्य ओईआर) एक्सेस किए गए।

iv. श्रीनिवास, के. और ठाकुर, डी.एस. (2021), अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रमः एक रिपोर्ट (20–24 सितंबर, 2021), नीपा, नई दिल्लीः 45 पी. (अप्रकाशित)

व्याख्यान दिये

- 14–18 जून, 2021 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा आयोजित अकादमिक लेखन पर ऑनलाइन माध्यम से पांच दिवसीय कार्यशाला में 18 जून, 2021 को 'उरकुंड प्लेजिरिज्म डिटेक्शन सॉफ्टवेयर' उरकुंड का उपयोग कैसे करें' पर नीपा, नई दिल्ली में व्याख्यान दिया।
- 20–24 सितंबर, 2021 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा आयोजित अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर पांच दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में 'भारत में शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थानों के लिए आभासी शिक्षण वातावरण' और 'वीडियो सामग्री विकास' पर 20 सितंबर, 2021 को नीपा, नई दिल्ली में व्याख्यान दिया।

- 20–24 सितंबर, 2021 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा आयोजित अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर पांच दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में 'उच्च शिक्षा में मुक्त शैक्षिक संसाधन' और 'वीडियो सामग्री विकास और स्लाइडेटर (प्रजेंटेशन ट्यूब)' पर 20 सितंबर, 2021 को नीपा, नई दिल्ली में व्याख्यान दिया।

- 20–24 सितंबर, 2021 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा आयोजित अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर पांच दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में 'डिजिटल युग में अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में पुस्तकालयाध्यक्षों की भूमिका' और 'वीडियो सामग्री विकास' पर 21 सितंबर 2021 को नीपा, नई दिल्ली में व्याख्यान दिया।

- 20–24 सितंबर, 2021 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा आयोजित अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर पांच दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में 'शिक्षा और अनुसंधान में मूक स्वयम, नई पीढ़ी के शिक्षार्थियों के लिए एक अभिनव शिक्षण अधिगम उपकरण' और 'सामग्री विकास' पर 21 सितंबर, 2021 को नीपा, नई दिल्ली में एक व्याख्यान दिया।

- 20–24 सितंबर, 2021 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा आयोजित अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर पांच दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में 'ओबीएस स्टूडियोः वीडियो सामग्री विकास' पर 21 सितंबर, 2021 को नीपा, नई दिल्ली में व्याख्यान दिया।

- 20–24 सितंबर, 2021 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा आयोजित अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर पांच दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में 'सूचना साक्षरताः सतत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अनिवार्य उपकरण' और 'सामग्री विकास' पर 22 सितंबर, 2021 को नीपा, नई दिल्ली में व्याख्यान दिया।

- 20–24 सितंबर, 2021 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा आयोजित अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर पांच दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में ''स्क्रीनकास्टिफाई वीडियो कंटेंट डेवलपमेंट एंड एडिटिंग'' पर 22 सितंबर, 2021 को नीपा, नई दिल्ली में व्याख्यान दिया।

- 20–24 सितंबर, 2021 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा आयोजित अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर पांच दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में ''वीडियो सामग्री विकास और संपादन'' विषय पर 22 सितंबर, 2021 को नीपा, नई दिल्ली में व्याख्यान दिया।

- 20–24 सितंबर, 2021 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा आयोजित अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर पांच दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में 'साहित्यिक चोरीः गुणवत्तापूर्ण मूक सामग्री और उरकुंड के विकास के लिए वास्तविक अधिगम में बाधा' विषय पर 23 सितंबर, 2021 को नीपा, नई दिल्ली में व्याख्यान दिया।

समीक्षाधीन वर्ष में सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की वार्षिक रिपोर्ट की तैयारी के लिए सूचना एकत्र की।

- नीपा की गतिविधियों के बारे में सभी विभागाध्यक्षों और प्रशासन के प्रमुखों से एकत्रित जानकारी जैसे– एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रमों में नामांकन और

सम्मानित की गई एम.फिल. और पीएच.डी. डिग्री और प्रशिक्षण कार्यक्रम और सम्मेलन/सेमिनार/सहायता अनुदान पूर्ण एवं जारी अनुसंधान अध्ययन समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के लिए शिक्षा मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट के लिए तैयारी के लिए हर साल आयोजित की जाती हैं।

- 8 मार्च, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में नीपा आपदा प्रबंधन योजना तैयार करने के लिए आपदा प्रबंधन पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

अन्य अकादमिक और व्यावसायिक योगदान

विकसित इंट्रानेट

नीपा के प्रलेखन केंद्र की वेबसाइट को बनाया और विभिन्न प्रकार की सूचना संसाधनों तक पहुँच प्रदान करने और प्रसारित करने के लिए संस्थान में इंट्रानेट को अद्यतन किया। संकाय, विद्वानों, परियोजना कर्मचारियों और डिप्लोमा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागियों के लिए सेवाएं जैसे भारतीय और विदेशी पत्रिकाओं में सदस्यता, गैर–पुस्तक सामग्री मद, पत्रिकाओं की ऑनलाइन वर्तमान सामग्री, डिजिटल संसाधन, पुस्तकों और पत्रिकाओं के ऑनलाइन डेटाबेस, मुक्त शैक्षिक संसाधन, इलेक्ट्रॉनिक थीसिस और शोध प्रबंध (ईटीडी), इंडेक्सिंग डेटाबेस और बड़े पैमाने पर मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (मूक) है। इसके अलावा, प्रलेखन केंद्र द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रलेखन सेवाएं जैसे अनुसंधान अध्ययन, शोध प्रबंध, थीसिस, सामयिक पेपर श्रृंखला, प्रशिक्षण कार्यक्रम रिपोर्ट, पीजीडेपा और आईडेपा के शोध प्रबंध, ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) और अनुसंधान अध्ययन के अन्य पूर्ण पठन दस्तावेज, पेपर श्रृंखला, प्रशिक्षण कार्यक्रम रिपोर्ट और नीपा वृत्तचित्र, प्रख्यात विद्वानों के व्याख्यान श्रृंखला भी इंट्रानेट पर उपलब्ध है जो उच्च शिक्षा में ज्ञान के प्रसार को साझा करने और लाभ उठाने में मदद करती है।

आईसीटी और लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम

अधिगम प्रबंधन प्रणाली (एलएमएस)	: मूडल (मॉड्यूलर ऑब्जेक्ट–ओरिएंटेड डायनामिक लर्निंग एनवायरनमेंट) लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम
साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाला सॉफ्टवेयर (पीडीएस)	: ओरिजनल प्लेजिरिज्म डिटैक्शन सॉफ्टवेयर
वीडियो निर्माण एवं संपादन सॉफ्टवेयर	: स्क्रीनकॉस्टिफाइ, ओबीएस स्टूडिओ, शाटकट एडिटिंग, यूट्यूब प्रजेंटेशन स्क्रीन–कॉस्ट– ओ–मेटिक साफ्टवेयर इत्यादि
कम्प्यूटर प्रवीणता	: विंडोज 2000, हाइपरटैक्स्ट मेकअप लैग्वेज़ (एचटीएमएल), फ्रंटपेज 2002
काम का ज्ञान लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर/पैकेज	: लिबसिस–4, टैक्लीबप्लस, ज्ञानोदया, विद्या, सीडीएस/आईएसआईएस 3.0.

विभिन्न अकादमिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में योगदान

- नीपा की प्रशासन प्रक्रिया को मजबूत करने और नॉक मूल्यांकन को औपचारिक बनाने, साहित्यिक चोरी और दुर्व्यवहार की जांच करने के लिए आचार संहिता विकास समिति के सदस्य
- संस्थान/विश्वविद्यालय में सभी शैक्षणिक पुरस्कारों के लिए सुरक्षित इलेक्ट्रॉनिक भण्डार गृह बनाने के लिए मानव शिक्षा मंत्रालय और यूजीसी द्वारा अनिवार्य राष्ट्रीय अकादमिक भंडार (एनएडी) के कार्यान्वयन के लिए मैसर्स सीडीएसएल वेंचर्स लिमिटेड (सीवीएल) के साथ समन्वय करने के लिए अधिकृत शैक्षणिक संस्थान अधिकारी।
- शिक्षा मंत्रालय और यूजीसी द्वारा अनिवार्य राष्ट्रीय अकादमिक भंडार (एनएडी) के कार्यान्वयन के लिए एनएडी के साथ डिजीलॉकर के माध्यम से समन्वय करने के लिए अधिकृत शैक्षणिक संस्थान अधिकारी, संस्थान/विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक पुरस्कारों को एनएडी को अपलोड करना।
- शोधगंगा से संबंधित गतिविधियों के लिए संस्थान समन्वयक और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के इनफ्लिबनेट (सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क) के साथ वार्ताकार।

- संस्थान समन्वयक, ओरिजनल (पहले उरकुंड) साहित्यिक चोरी डिटेक्शन सॉफ्टवेयर पर शोधार्थियों, संकायों और कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत शोध प्रबंधों और अन्य अकादमिक और शोध प्रकाशनों की समानता की जांच करने के लिए अधिकृत।
- संस्थान समन्वयक, ओरिजनल प्लेजरिज्म डिटेक्शन सॉफ्टवेयर पर शोध प्रकाशनों की समानता की जांच और विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए गए शोधों को अपलोड हेतु शोधगंगा–भारतीय शोध कोष में भेजा।
- नीपा द्वारा प्रदान की जाने वाली एम.फिल. और पीएच.डी. डिग्री का प्रारूप तैयार करने हेतु सदस्य सचिव। कार्य को पूरा करने के लिए, विभिन्न बैठकों का आयोजन/व्यवस्थता, समितियों का गठन, 3 केंद्रीय विश्वविद्यालयों का दौरा, पेपर के चयन के लिए 2 फर्मों का दौरा किया, सुरक्षा सुविधाओं की जांच की और निविदाएँ प्राप्त किए और अंतिम कार्यवृत्त/रिपोर्ट प्रस्तुत की।
- नीपा में समर्थ ई–गोव सूट की समर्थ कार्यान्वयन समिति के सदस्य।
- नीपा में डिजिटल पहल के कार्यान्वयन के लिए नीपा डिजिटल लर्निंग मॉनिटरिंग सेल के सदस्य।
- नीपा की प्रशासनिक प्रक्रिया के सुदृढ़ीकरण और नॉक मूल्यांकन को औपचारिक रूप देने तथा कर्मचारियों के लिए आईसीटी, ई–गवर्नेंस, प्रबंधन वित्त आदि क्षेत्रों में व्यावसायिक विकास कार्यक्रम समिति के सदस्य।
- नीपा की अभिशासन प्रक्रिया को सुदृढ़ एवं एनएएसी मूल्यांकन को औपचारिक रूप देने हेतु विभिन्न गतिविधियों में ई–गवर्नेंस और आईसीटी उपयोग के लिए समिति के सदस्य।
- परियोजना वरिष्ठ सलाहकार (हिंदी), आईटी सलाहकार, ग्राफिक डिजाइनर सलाहकार, आदि पदों के लिए आवेदनों की जांच के लिए गठित समिति के सदस्य।
- परियोजना प्रबंधन इकाई में पदों जैसे डीईओ, परियोजना वरिष्ठ सलाहकार (हिंदी), परियोजना कनिष्ठ सलाहकार, ग्राफिक डिजाइनर सलाहकार, आदि विभिन्न पदों के साक्षात्कार के लिए गठित समितियों के संयोजक सदस्य।
- एमएसीपी और प्रशासन में पदोन्नति के लिए गठित समिति के सदस्य।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

1. भारतीय पुस्तकालय संघ, दिल्ली (आईएलए), (आजीवन सदस्य)
2. भारत सरकार पुस्तकाध्यक्ष संघ (जी.आई.एल.ए.), नई दिल्ली। (आजीवन सदस्य)
3. भारत तुलनात्मक शिक्षा समिति (सीईएसआई), नई दिल्ली (आजीवन सदस्य)

अन्य गतिविधियां

इसके अलावा, नीपा में प्रशासनिक अधिकारी (प्रभारी) के रूप में अतिरिक्त जिम्मेदारियों का भी निर्वहन किया जा रहा है।

नीपा के केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ)

केंद्रीय लोक शिकायत के नोडल अधिकारी

केंद्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल (सीपीपीपी)

दिनांक 10 दिसंबर, 2021 को होटल द ग्रैंड, नई दिल्ली में नीपा स्टाफ रिट्रीट 2021 का आयोजन किया

विभिन्न वार्षिक कार्यक्रमों का आयोजन

हिन्दी संसदीय राजभाषा समिति 7 मार्च, 2022 के सदर्भ में राजभाषा संबंधी कार्यों का निरीक्षण

ई–ऑफिस और समर्थ ई–गवर्नेंस सुइट की खरीद के प्रयास किए गए और समर्थ कार्यान्वयन समिति के सदस्य।

नीपा की 15 से अधिक शैक्षणिक और प्रशासनिक समितियों के सदस्य जैसे नीपा आपदा प्रबंधन योजना समिति, आवास आवंटन समिति, निवेश समिति, रैगिंग विरोधी समिति, आईक्यूएसी, भौतिक सत्यापन, आंतरिक शिकायत समिति के सदस्य और संयोजक, शिकायत निवारण समिति के सदस्य–सचिव, फिटनेस इंडिया 2021, आदि।

कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं

5

YOU ARE
UNDER CCTV
SURVEILLANCE

कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं

सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं

कंप्यूटर केंद्र संस्थान की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है। नेटवर्क संस्थान की रीढ की हड्डी है तथा इसके सक्रिय संघटकों को कंप्यूटर केंद्र द्वारा संचालित, अनुरक्षित तथा नियंत्रित किया जाता है। कंप्यूटर केंद्र एन.एम. ई.आई.सी.टी परियोजना के अंतर्गत **एन.के.एन./एम.टी.एन.एल.** द्व ारा प्रदान की गई 1 जी.बी.पी.एस ऑप्टिकल फाइबर इंटरनेट संपर्कता से सुसज्जित है। संस्थान में सतत रूप से हर समय इंटरनेट की संपर्कता 24X7X365 सुनिश्चित करने के लिए कंप्यूटर केंद्र सभी संकाय एवं स्टाफ सदस्यों, प्रशिक्षुओं, परियोजना स्टाफ, कार्यक्रम भागीदारों, अनुसंधानविदों को कंप्यूटर सुविधा तथा इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध कराता है।

नेटवर्क संसाधनों का प्रयोग करने हेतु सभी संकाय सदस्यों तथा स्टाफ सदस्यों को उच्च गति वाली इंटरनेट संपर्कता तथा वाई–फाई नेटवर्क प्वाइंट प्रदान किये गये हैं। **नीपा डोमेन** पर सभी संकाय तथा स्टाफ सदस्यों को व्यक्तिगत ई–मेल खाता की सुविधा दी गई है। सभी संकाय सदस्यों को डैस्कटाप/लैपटाप कंप्यूटर उपलब्ध कराए गए हैं तथा सभी स्टाफ सदस्यों को उनके डेस्क पर डैस्कटाप कंप्यूटर उपलब्ध कराया गया है। कंप्यूटर केंद्र की सुविधाएं बिना किसी व्यावधान के लगातार 12 घंटे उपलब्ध रहती हैं। कंप्यूटर केन्द्र पर तृतीय पक्ष कम्पनी के सहयोग से संस्थान के अपने कंप्यूटरों तथा संबंधित उपकरणों के रखरखाव की जिम्मेदारी है।

कंप्यूटर केन्द्र संस्थान की दैनिक अकादमिक तथा गैर अकादमिक गतिविधियों में सूचना प्रौद्योगिकी का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करने हेतु सुविधाएं प्रदान करता है। कंप्यूटर केंद्र विभिन्न प्रकार के नवीनतम डेस्कटॉप कंप्यूटर और लैपटॉप तथा मल्टी–फंक्शन प्रिंटरों से सुसज्जित है।

नीपा भवन से नीपा छात्रावास को **हाई स्पीड इंटरनेट कनैक्टिविटी** उपलब्ध कराई गई है। नीपा छात्रावास के सभी मंजिलों के सभी कमरों में अतिथियों के लिये प्रमाणित तथा सुरक्षित वाई–फाई संपर्कता उपलब्ध–कराई गई है।

यह केंद्र अकादमिक विभागों को प्रशिक्षण, अनुसंधान, मात्रात्मक आंकड़ा विश्लेषण और प्रणाली स्तर के प्रबंधन संबंधी मुद्दे तथा दूसरे कार्यकलापों में सहायता प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त गैर–अकादमिक एककों जैसे– पुस्तकालय, प्रशासन तथा वित्त विभागों को भी सहायता प्रदान की जाती है। संस्थान की डाटा प्रोसेसिंग तथा वर्ड प्रोसेसिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के अलावा कंप्यूटर केंद्र विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों/ कार्यक्रमों के लिए अन्य विशिष्ट कंप्यूटर आधारित सेवाएं प्रदान करता है।

लेखा अनुभाग को भी कंप्यूटर अनुप्रयोग के लिए समर्थन दिया जाता है। इसमें शामिल है, वेतन संगणना, आयकर गणना, पेंशन, भविष्य निधि गणना आदि। इसके लिए **एस.पी.एस.एस. सांख्यिकी पैकेज (एसपीएसएस)** नेटवर्क वर्जन सर्वर के साथ स्थापित किया गया है ताकि प्रयोगकर्त्ता नेटवर्क पर गणना कर सकें। कंप्यूटर केंद्र दैनिक गतिविधियों के लिये ओपन स्रोत साफ्टवेयरों को प्रोत्साहन देता है।

संस्थान की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु आधुनिक डाटा केन्द्र स्थापित किया गया है। डाटा केन्द्र उच्च गुणवत्तायुक्त डाटा सर्वर तथा वेब सर्वर से जुड़ा है जोकि चौबीसों घंटे 24X7X365 उपभोक्ताओं के लिये ऑन–लाईन उपलब्ध है। डाटा सेंटर समर्पित समानांतर यू.पी.एस. सिस्टम से समर्थ है जो सर्वर को पावर बैक–अप प्रदान करता हैं।

कम्प्यूटर केंद्र भारत सरकार के मुख्य कार्यक्रम, सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) के फ्लैगशिप कार्यक्रम के अन्तर्गत जाने–माने कार्यक्रम एकीकृत शैक्षिक जिला प्रणाली सूचना (यू–डाईस) के लिये सर्वर का रखरखाव भी करता है। इसके अलावा संगणक केंद्र का डाटा केंद्र राष्ट्रीय विद्यालय मानक एवं मूल्यांकन – शाला सिद्धि के राष्ट्रीय कार्यक्रम के वेब पोर्टल का रखरखाव भी करता है।

नीपा आंकड़ा केन्द्र नेटवर्क संरचना

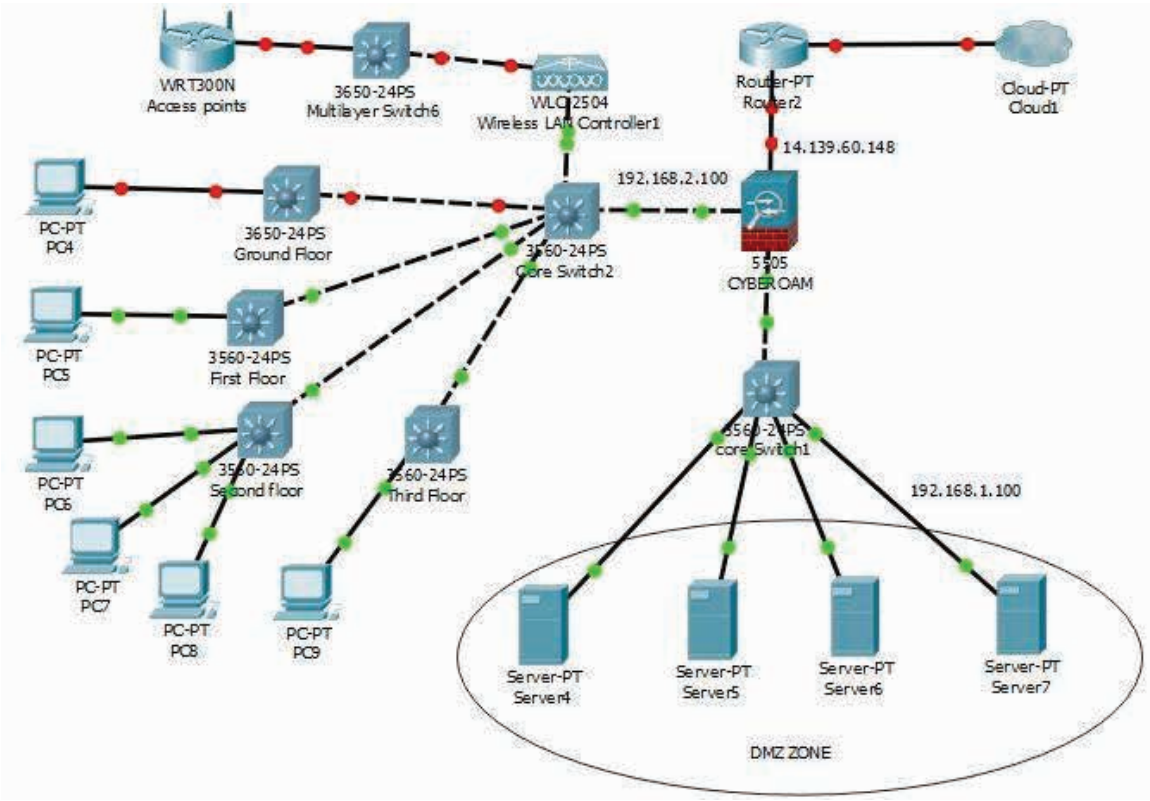

- डेटा सेंटर नेटवर्क आर्किटेक्चर में फायरवॉल, कोर स्विच वायरलेस, वाई–फाई कंट्रोलर और आईएसपी राउटर शामिल हैं।
- 8 आइबीएम सर्वर हैं जो यू–डाईस, शाला सिद्धि, ओरेकल सर्वर, एसडीएमआईएस, डेटा विजुअलाइज़ेशन, niepa.ac.in, छात्र प्रबंधन सूचना प्रणाली, स्कूल निर्देशिका प्रबंधन प्रणाली और स्कूल रिपोर्ट कार्ड जैसे कई वेब अनुप्रयोगों से जुड़े हैं
- दो डेल सर्वर हैं जो डिजिटल अभिलेखागार और डेटाबेस सर्वर से जुड़े हैं।
- एच.पी. सर्वर मूडल पोर्टल, एनसीएसएल पोर्टल, क्विक हील एंडपॉइंट सुरक्षा और प्रिंटिंग सर्वर से जुड़े हैं।
- लिबसिस के लिए आईबीएम टॉवर सर्वर (ओपेक)

आईसीटी विभाग की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां

- डाटा सेंटर और सर्वर हार्डवेयर की नियमित रूप से निगरानी की जाती थी।
- नेटवर्क और वाई–फाई से संबंधित मुद्दों को नियमित रूप से प्रबंधित किया जाता है। नेटवर्क प्रदर्शन का निरीक्षण करके संगठन के नेटवर्क प्रदर्शन को नियमित रूप से ट्यून किया गया था।
- संगठन के आंकड़ा केंद्र और नीपा छात्रावास में 24X7 नेटवर्क कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना।
- संस्थान का सोशल मीडिया प्रबंधन (ट्विटर और फेसबुक)
- यूट्यूब और फेसबुक घटनाओं का सीधा प्रसारण
- उपलब्ध नीपा डिजिटल बुनियादी ढांचे के साथ लाइव वेबिनार का आयोजन
- बैठक और वेबिनार के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का आयोजन
- साइबर खतरा अनुश्रवण तथा नीपा आंकड़ा केन्द्र और डिजिटल बुनियादी ढांचे पर हमलों की निगरानी
- ऑपरेटिंग सिस्टम लाइसेंस प्रबंधन
- ई–निविदा के लिए ई–विजार्ड की सुविधा और क्रियान्वयन
- जीईएम में तकनीकी बोली का मूल्यांकन
- संगठन की वेबसाइटों की निगरानी और बार–बार अद्यतन करना।

- एएमसी सर्वर का प्रबंधन
- नियमित रूप से पूरे सर्वर के सुरक्षा पैच अपडेट किए जाते हैं।
- नीपा डेटा सेंटर का सर्वर बैकअप नियमित अंतराल पर किया जाता है।
- ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का बैकअप नियमित रूप से किया जाता है।
- ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का निर्माण और नीपा एलएमएस में उपयोगकर्ताओं का नामांकन
- एंटी–वायरस पैच को सर्वर से क्लाइंट्स तक पहुंचाना
- ऑनलाइन यूपीएस का रखरखाव और निगरानी बार–बार की जाती है।
- संस्थान की सीसीटीवी निगरानी।
- सभी डोमेन की निगरानी
- niepa.ac.in मेल डोमेन का प्रबंधन
- ऑनलाइन भर्ती की निगरानी और प्रबंधन (स्थायी और अस्थायी)

नीपा डिजिटल भंडार

पीसी(स)			नेटवर्किंग मदें		
क्र. सं.	**विवरण (मेक/मॉडल)**	**मात्रा**	**क्र. सं.**	**वस्तु/मॉडल**	**मात्रा**
1	एचपी कोर आइ5(6200)	28	**1**	सिसको स्विच	5
2	एचपी कोर आइ7(8300)	39	**2**	सिसको एक्सेस प्वाइंट	25
3	एचपी (2280)	82	**3**	एल 2 स्विच	24
4	एचपी (7800)	4	**4**	डी लिंक राउटर	9
5	आइबीएम (थिंक सेंटर)	1	**5**	फायरवैल (पालो अल्टो)	1
6	एचपी प्रो वन 600G5	42	**6**	सीसीटीवी कैमरा (सीपी प्लस)	50
7	एचपी 400 जी4 ऑल इन वन	13	**कुल**		**114**
8	डैल ऑप्टीप्लैक्स 3050	16	**1**	एचडी डिसप्ले	5
9	एचपी 400 जी6 ऑल इन वन	15	**2**	यूपीएस	12
10	एचीप 240	1	**3**	वीडियो कॉन्फ्रेंस प्रणाली (जीएमईईटी)	3
11	टायरॉन	1			
12	एचपी 280 प्रो जी6 एमटी	30			
कुल		**272**			

प्रिन्टर

क्र. सं.	मेक/मॉडल	प्रिंटरों की मात्रा	क्र. सं.	मेक/मॉडल	प्रिंटरों की मात्रा
1	एचपी एलजे 1020 प्लस	15	11	एचपी 1022	17
2	एचपी एलजे एम226डीएन	09	12	एचपी 1160	16
3	एचपी एलजे 1536डीएन	06	13	एचपी 9040	1
4	एचपी ओजे 276डीडब्ल्यु	03	14	कैनन 4800	1
5	एचपी एलजे एम1005	03	15	कैनन एमएफपी 33सीडीडब्ल्यु	1
6	एचपी एलजे एम425डीएन	02	16	एचपी लेजरजेट प्रो एमएफपी एम226 डीडब्ल्यु	19
7	कैनन एमएफ 4450	02	17	लेक्समार्क एमबी 2236एडीडब्ल्यु	11
8	रिको एमएफ 210एसयू	02	18	एचपी लेजर जेट एम233 डीडब्ल्यु	1
9	एचपी 1010	1	19	एचपी लेजरजेट प्रो एमएफपी 329 डीडब्ल्यु	10
10	एचपी 1020	12			
कुल					132

लैपटॉप

क्र.सं.	मेक/मॉडल	प्रारूप	खरीद का वर्ष	मात्रा
1	डेल/लेटीट्यूड 3590	कोर आइ7 – 8550यू सीपीयू@1.8 गिगाहर्टज़, 8 जीबी रैम 1 टीबी एचडीडी	2018	16
2	डेल/लेटीट्यूड 3410	कोर आइ7 – 8550यू सीपीयू@1.8 गिगाहर्टज़, 8 जीबी रैम 2 टीबी एचडीडी	2020	12
3	एचपी/प्रो बुक 4440	कोर आइ5 – 8550यू सीपीयू@1.8 गिगाहर्टज़, 8 जीबी रैम 1 टीबी एचडीडी	2016	5
4	एचपी/430 जी1	कोर आइ5, 500जीबी एचडीडी/ 4 जीबी रैम/डीएस–वाई	2014	20
5	एचपी/44431	कोर आइ5, 500जीबी एचडीडी/ 4 जीबी रैम/डीएस–वाई	2013	1
6	लेनोवो/एक्स220	कोर आइ7, 500जीबी एचडीडी/ 4 जीबी रैम/डीएस–वाई	2008	3
7	एसर	कोर आइ7, 1 टीबी एचडीडी / 16 जीबी रैम	2022	10
कुल				67

सर्वर

क्र. सं.	मेक / मॉडल	प्रारूप	खरीद का वर्ष	मात्रा
1	आइबीएम / ब्लेड सर्वर	इंटेल(आर) जेऑन(आर) सीपीयू ई2665 16जीबी	2014	**8**
2	एचपी डीएल 380जी5	इंटेल(आर) जेऑन(आर) सीपीयू ई5430 32जीबी	2010	**1**
3	एचपी / 580जी5	इंटेल(आर) जेऑन(आर) सीपीयू ई5430 32जीबी	2010	**1**
4	डेल / आर710	इंटेल(आर) कोर(टीएम) आई7–8550यू सीपीयू @ 1.80 गिगाहर्टज़	2014	**1**
5	डेल / आर820	इंटेल(आर) जेऑन(आर) सीपीयू ई5–4650 वी2 @ 2.40 मेगाहर्टज़, 10 कोर(एस), 20 लॉजिकल प्रोसेसर(स)	2014	**1**
6	आइबीएम / सिस्टम एक्स 3100 एम4	इंटेल(आर) जेऑन(आर) सीपीयू ई5–2665	2010	**1**
7	आइबीएम / स्टोरेज	स्टोरेज वीआईजेड वी7000	2014	**1**
8	टायरॉन / सर्वर	इन्टेल® @ 2.30 गिगाहर्टज़ (2 प्रोसेसर)	2021	**2**
9	क्यूएसएएन / स्टोरेज	100 टीबी	2021	**1**
कुल				**17**

सॉफ्टवेयर की सूची

क्र. सं.	सॉफ्टवेयर	मात्रा
1	एन्टी–वायरस	250
2	एसपीएसएस	10
3	एनवीआईवीओ	10
4	एन्ड नोट	5
5	एमएस ऑफिस	5
6	अडॉब	1
कुल		**280**

6 प्रकाशन

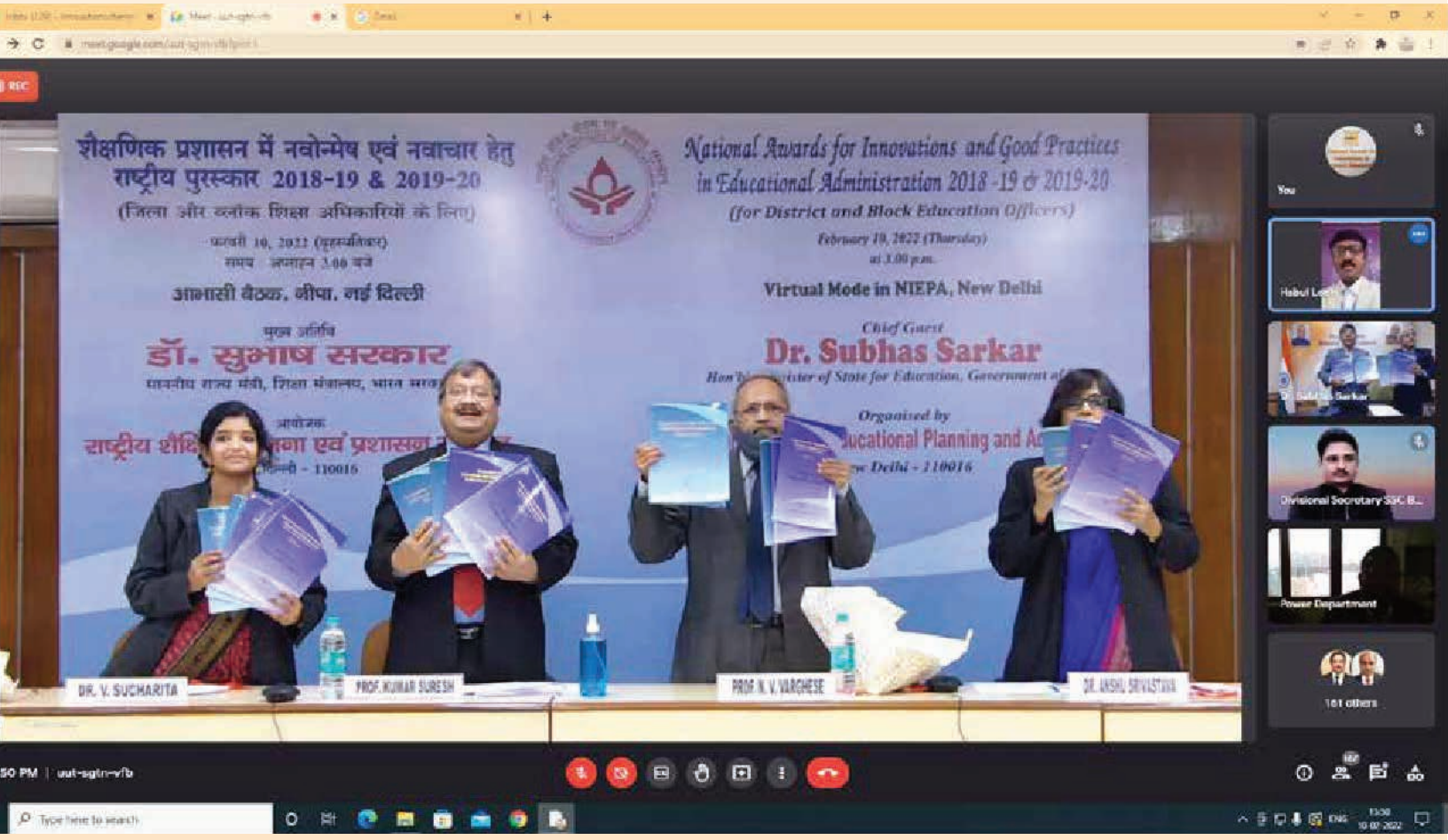

REC
शैक्षणिक प्रशासन में नवोन्मेष एवं नवाचार हेतु
राष्ट्रीय पुरस्कार 2018-19 & 2019-20
(जिला और ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के लिए)
आभासी बैठक, नीपा, नई दिल्ली
मुख्य अतिथि
डॉ. सुभाष सरकार
National Awards for Innovations and Good Practices
in Educational Administration 2018-19 & 2019-20
(for District and Block Education Officers)
at 3.00 p.m.
Virtual Mode in NIEPA, New Delhi
Chief Guest
Dr. Subhas Sarkar
Organised by
DR. V. SUCHARITA
PROF. KUMAR SURESH
PROF. N. V. VARGHESE
You
Divisional Secretary SSC B...
Power Department
161 others
Type here to search

प्रकाशन

राष्ट्रीय संस्थान का प्रकाशन एकक संस्थान द्वारा की गई शोध और विकास गतिविधियों के निष्कर्षों के प्रकाशन और प्रसारण द्वारा ज्ञान की साझेदारी संबंधी कार्यकलापों का अनुसमर्थन व्यापक स्तर के लिए करता रहा है। संस्थान के उद्देश्यों को पूरा करने के अनुक्रम में प्रकाशन एकक समसामयिक आलेख/जर्नल/पाक्षिक पत्रिकाएं, न्यूजलेटर, रिपोर्टें, पुस्तकें, एम.फिल. और पी–एच.डी. की विवरणिका और प्रशिक्षण कार्यक्रम का कैलेण्डर प्रकाशित करता है। यह विभिन्न राज्यों/संघ क्षेत्रों के शैक्षिक प्रशासन सर्वेक्षणों की रिपोर्टों की श्रृंखला भी प्रकाशित करता है। उपरोक्त प्रकाशन अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित किए जाते हैं और कुछ महत्वपूर्ण और वैधनिक प्रकाशन अंग्रेजी भाषा के अलावा, आवश्यकता के अनुसार हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में भी प्रकाशित किए जाते हैं। प्रकाशन एकक में कुशल और तकनीकी रूप से योग्य पेशेवर है और यह विश्वविद्यालय के विभिन्न डी.टी.पी. कार्यों को करने के लिए कम्प्यूटर और प्रिंटर से लैस है।

वर्ष 2021–22 के अंतर्गत नीपा द्वारा कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशन निकाले गए– *जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन* (अंग्रेजी), *परिप्रेक्ष्य* (हिंदी) जर्नल और सी.पी.आर.एच.ई. अनुसंधान आलेख, एम.फिल. तथा पी–एच.डी. कार्यक्रमों की विवरणिका तथा पाठ्यचर्या गाईड, नॉर्डिक विश्वविद्यालयों पर नॉर्डिक–भारत शिखर सम्मेलन पर रिपोर्ट और भारत की नई शिक्षा नीति 2020, आदि। संस्थान ने अनेक शोध और संगोष्ठियों/सम्मेलनों की रिपोर्टें पुस्तक और मोनोग्राफ के रूप में प्रकाशित की।

समीक्षाधीन वर्ष 2021–22 के दौरान संस्थान ने निम्नांकित प्रमुख प्रकाशन निकाले :

पत्रिकाएं

- जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, जिल्द XXXIV, अंक 4, 2020; जिल्द XXXV, अंक 1, 2021; जिल्द XXXV, अंक 2, 2021; जिल्द XXXV, अंक 3, 2021 और जिल्द XXXV, अंक 4, 2021।
- परिप्रेक्ष्य (शैक्षिक योजना और प्रशासन में सामाजिक–आर्थिक संदर्भ पर हिन्दी जर्नल) जिल्द XXV, अंक 3, 2018 और जिल्द XXVI, अंक 1 और 2, 2019

एंट्रीप न्यूज़लेटर

- एंट्रीप न्यूज़लेटर, जिल्द 26, अंक 1, जनवरी–जून 2020

सम–सामायिक आलेख

- समसामयिक आलेख सं. 55: भारत में शिक्षा पर पारिवारिक खर्च: प्रतिमान और निर्धारण, पी. गीता रानी; नीपा, नई दिल्ली, 81 पृष्ठ।
- नीपा समसामयिक आलेख सं. 56: महाराष्ट्र में उच्चतर शिक्षा नीति: शिक्षा में राजनीतिकरण विश्वविद्यालय प्राधिकरण को कमजोर कर रहा है; नीपा, नई दिल्ली, 64 पृष्ठ।

सी.पी.आर.एच.ई. शोध आलेख:

- सीपीआरएचई अनुसंधान आलेख 15 : ''भारतीय उच्चतर शिक्षा की राजनीतिक अर्थव्यवस्था दिल्ली के लिए व्यवस्थित चुनौतियों को समझना, गरिमा मलिक,

निधि एस. सभरवाल और विलियम जी. टियरनी, नई दिल्लीः नीपा, 66 पृष्ठ।

प्रकाशकों के सहयोग से सःशुल्क प्रकाशन

- इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2020ः एन.वी. वर्गीज और मोना खरे द्वारा संपादित, भारत में उच्च शिक्षा स्नातकों का रोजगार और रोजगार परकता, रूटलेज।

निःशुल्क प्रकाशन :

- क्रेडिट ट्रांसफर फ्रेमवर्क पर राष्ट्रीय समिति की रिपोर्ट
- भारत में अन्तरराष्ट्रीय शाखा परिसरों की स्थापनाः एल्थो मैथ्यूज द्वारा शीर्ष के 200 विश्वविद्यालयों में सर्वेक्षण।
- नीपा वार्षिक रिपोर्ट 2017–18 (अंग्रेजी संस्करण)
- नीपा वार्षिक रिपोर्ट 2017–18 (हिंदी संस्करण)
- नीपा परिप्रेक्ष्य योजना 2020–30
- सीपीआरएचई रिपोर्ट 2020–21
- स्कूल प्रबंधन समितियांः भारत में शिक्षा के क्षेत्र में मुक्त सरकार की ओर एक कदम, सुनीता चुग (ई–संस्करण)
- नीपा वार्षिक रिपोर्ट 2018–19 (अंग्रेजी संस्करण)
- नीपा वार्षिक रिपोर्ट 2018–19 (हिंदी संस्करण)
- 'शिक्षा और सामाजिक अवसर के अन्तर को पाटना' प्रो. ए.के. शिव कुमार द्वारा पन्द्रहवां स्थापना दिवस के अवसर पर व्याख्यान।
- 'उदार शिक्षा – 21वीं सदी की अनिवार्यता' पद्म विभूषण डा. के. कस्तूरीरंगन द्वारा चौदहवां स्थापना दिवस के अवसर पर व्याख्यान।
- भारत में शिक्षा के उच्च स्तर में अंतर–पीढ़ीगत और अंतर–क्षेत्रीय भिन्नता, अबुसालेह शरीफ़ द्वारा बारहवाँ मौलाना आज़ाद स्मारक व्याख्यान
- शेरिंग चोनजोम भूटिया और बिनय प्रसाद द्वारा नॉर्डिक विश्वविद्यालयों और भारत के एनईपी 2020 पर नॉर्डिक–इंडिया शिखर सम्मेलन की रिपोर्ट
- एम.फिल.–पी–एच.डी. कार्यक्रम पाठ्यचर्या गाइड 2021
- नीपा वार्षिक रिपोर्ट 2019–20 (अंग्रेजी संस्करण)
- नीपा वार्षिक रिपोर्ट 2019–20 (हिंदी संस्करण)
- शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और अच्छे अभ्यासों का संग्रह 2018–19 (ई–संस्करण)
- शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और अच्छे अभ्यासों का संग्रह 2019–20 (ई–संस्करण)
- पुरस्कार विजेताओं और प्रशंसा प्रमाणपत्र प्राप्तकर्ताओं की प्रोफाइल 2018–19 (ई–संस्करण)
- पुरस्कार विजेताओं और प्रशंसा प्रमाणपत्र प्राप्तकर्ताओं की प्रोफाइल 2019–20 (ई–संस्करण)
- चुनौतियों को अवसरों में बदलनाः भारतीय उच्च शिक्षा में लचीले अधिगम मार्ग (ई–संस्करण) गरिमा मलिक और नारायणन अन्नलक्ष्मी द्वारा संपादित

अन्य

इन प्रकाशनों के अलावा, नीपा ने 2021–22 के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का कैलेंडर; एम.फिल.–पीएच.डी. विवरणिका 2022–23; और एम.फिल.–पीएच.डी. कार्यक्रम सारणी 2021–22; एनसीएसएल के लिए निष्ठा 1.0, निष्ठा 2.0, निष्ठा 3.0, अंग्रेजी और हिन्दी संस्करण में पुस्तिकाएं; संघीय ज्ञापन एवं भर्ती नियम और सेवा विनियम 2020 (*ई–संस्करण*) प्रकाशन कैटलॉग; वार्षिक योजनाकार 2022; डेस्क कैलेंडर 2022; आईडेपा, पीजीडेपा और अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए घोषणाएँ (ई–संस्करण); नीपा स्थापना दिवस, राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के पोस्टर; और विभिन्न अन्य कार्यक्रमों की सामग्री, आदि प्रकाशित की।

मिमियोग्राफ प्रकाशनः इसके अलावा, नीपा ने रिपोर्ट की अवधि के दौरान संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों/सेमिनारों के अनुसंधान अध्ययन, रिपोर्ट, पठन सामग्री से संबंधित कई मिमियोग्राफ/फोटोकॉपी प्रकाशन भी निकाले।

नीपा वेबसाइट के लिए सामग्रीः प्रकाशन एकक ने अपने प्रकाशनों से संबंधित नीपा वेबसाइट को नियमित अपडेट प्रदान किया। अद्यतनों में प्रकाशन एकक द्वारा और निजी प्रकाशकों के माध्यम से प्रकाशित मूल्य और बिना मूल्य वाले प्रकाशनों की व्यापक सूची शामिल थी। जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन के वर्तमान और आगामी मुद्दों के बारे में जानकारी; नीपा के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का कैलेंडर; और एम.फिल.–पीएच.डी. कार्यक्रमों की विवरणिका। संघीय ज्ञापन एवं भर्ती नियम और सेवा विनियम; हिंदी जर्नल (त्रि–वार्षिक) परिप्रेक्ष्य का पूर्ण संस्करण; नीपा समसामयिक पत्रों का पूर्ण संस्करण; सीपीआरएचई शोध पत्रों का पूर्ण संस्करण; नीपा वार्षिक रिपोर्ट (अंग्रेजी और हिंदी संस्करण) का पूर्ण संस्करण और एनसीएसएल, शाला सिद्धि, सीपीआरएचई, और डाईस प्रकाशन आदि के वेब संस्करण।

7

नीपा में सहायता अनुदान योजना

नीपा में सहायता अनुदान योजना

कार्य योजना के विस्तार के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति और कार्यवाही योजना में उनकी पुनः व्याख्या के विभिन्न मानकों का क्रियान्वयन हेतु उद्देश्यों का वृहद प्रचार आवश्यक है तथा शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत गैर–सरकारी संगठनों तथा स्वैच्छिक एजेंसियों तथा सामाजिक संगठनों के साथ निकटतम सहयोग आवश्यक है। नीति के क्रियान्वयन में बेहतर समन्वयन हेतु, राष्ट्रीय तथा स्थानीय स्तर पर समर्थन व्यवस्था समेत अंतःशास्त्रीय उपागम आवश्यक है।

इस संदर्भ में ये आवश्यक हैं: (अ) देश में शैक्षिक नीतियों तथा कार्यक्रमों के प्रति वृहद जागरूकता पैदा करना, (ब) नीति उन्मुख अध्ययनों तथा संगोष्ठियों को आरंभ करना ताकि मध्य–पाठ्यक्रम सुधार, संशोधन तथा नीति हस्तक्षेपों के साथ समायोजन किया जा सके (स) अध्यापकों, छात्रों, युवाओं तथा महिलाओं और संचार माध्यमों को प्रायोजित संगोष्ठी के आयोजन द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करके साझा मंच प्रदान करना। (द) शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारी तथा अच्छे व्यवहार एवं सफल प्रयोग को बढ़ावा देना (य) राष्ट्रीय शिक्षा नीति तथा कार्य योजना की समीक्षा को सुविधाजनक बनाना।

उपरोक्त प्रयोजन के लिये, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने सहायता अनुदान कार्यक्रम कार्यान्वित किया है जिसके अंतर्गत योग्य संस्थानों तथा संगठनों को वित्तीय सहायता शिक्षा नीति के प्रबंधन तथा क्रियान्वयन पक्ष पर सीधे प्रभाव डालने वाली गतिविधियों के आधार पर प्रदान की जायेगी। इसके अंतर्गत सम्मेलनों का आयोजन, प्रभावी तथा मूल्यांकन अध्ययन, सर्वोत्तम विकल्पों पर परामर्शकारी अध्ययन, भारत सरकार को सलाह देने हेतु तथा व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने हेतु मॉडल, विडियो फिल्म इत्यादि का निर्माण सम्मिलित हैं।

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने इस विश्वविद्यालय के माध्यम से यह योजना संचालित की है जो सहायता अनुदान समिति के द्वारा इसे संचालित करता है। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की सहायता अनुदान योजना के तहत विभिन्न संस्थानों से प्राप्त प्रस्तावों के मूल्यांकन तथा अनुमोदन के लिए समिति का पुनर्गठन 11 मार्च, 2021 को किया गया है। 31 मार्च, 2022 के अनुसार इस समिति के निम्नांकित सदस्य हैं:

प्रोफेसर ए.के. सिंह	– अध्यक्ष
प्रोफेसर इलियास हुसैन	– सदस्य
प्रोफेसर उमा मेदुरी	– सदस्य
प्रोफेसर एन.आर. भानुमूर्ति	– सदस्य
प्रोफेसर कुमार सुरेश	– सदस्य
प्रोफेसर वीरा गुप्ता	– सदस्य
प्रोफेसर प्रमिला मेनन	– सदस्य
प्रोफेसर के. बिस्वाल	– सदस्य
डॉ. संदीप चटर्जी	– सदस्य–सचिव

01 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2022 की अवधि के दौरान आयोजित सहायता अनुदान समिति (जीआईएसी) बैठकें

संगठन का नाम	संगोष्ठी/सम्मेलन/शोध अध्ययन का शीर्षक	बैठक की तिथि	स्वीकृत राशि
अलीगढ़ इतिहास समिति, नई दिल्ली	''महिलाओं के इतिहास का पुनर्निर्माण'' पर संगोष्ठी	08.10.2021 42वां जीआईएसी	रु. 3,00,000/-
भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद, उ.प्र.	XLIIIवां भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस मुख्य विषयः ''भारत में प्रकृति–मानव–समाज का वर्तमान विज्ञान''		रु. 3,00,000/-
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली	भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सीईएसआई) 2019 का वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः ''शिक्षा में बहिष्करण, समावेश और समानता''		रु. 5,00,000/-
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली	''शिक्षक शिक्षा के बदलते परिदृश्य, 2020'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन		रु. 5,00,000/-
हिमालयन बौद्ध सांस्कृतिक संघ, दिल्ली	''आधुनिक विज्ञान के साथ संस्कृत और भोती भाषा में पारंपरिक शिक्षा'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी		रु. 2,00,000/-
भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद, उ.प्र.	XLIVवां भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस मुख्य विषयः ''नये वैश्विक प्रौद्योगिकीय समाज''		रु. 3,00,000/-
भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद, उ.प्र.	XLVवां भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस मुख्य विषयः ''पर्यावरण, ऊर्जा और स्वास्थ्य''	16.02.2022 43वां जीआईएसी	रु. 3,00,000/-
शिक्षा और आर्थिक विकास के लिए समिति (सीड), नई दिल्ली	''भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए उच्च शिक्षा का परिवर्तन'' पर आईसीएफ का 25वां वार्षिक सम्मेलन		रु.3,00,000/-
	वर्ष 2021–22 में स्वीकृत कुल राशि		**रु. 27,00,000/-**

8

प्रशासन और वित्त

प्रशासन और वित्त

प्रशासन

संस्थान के पास हाउसकीपिंग (गृह–व्यवस्था) तथा सुरक्षा सेवाओं के लिये बाह्य सेवा–स्रोतों के अतिरिक्त निम्नांकित स्वीकृत पद हैं।

प्रशासन तथा अकादमिक एंव तकनीकी समर्थन सेवाएं प्रशासन के कार्य के अनुसार स्थापित अनुभागों द्वारा नियंत्रित तथा समन्वित की जाती हैं।

संस्थान में अनुभाग कार्यकलापों के अनुसार स्वीकृत पदों के अलावा विभिन्न अकादमिक और अनुसचिवीय पदों पर 93 परियोजना कर्मचारी और अधिकारी कार्यरत हैं।

बाह्य संवर्ग पद	संख्या
कुलपति	01
कुलसचिव	01
संवर्ग पद	
संकाय (प्रोफेसर, सह–प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर)	42
अकादमिक समर्थन स्टाफ़	07
प्रशासन, वित्त, सचिवीय तथा अन्य तकनीकी स्टाफ	79
सहायक स्टाफ (एम.टी.एस.)	37
कुल	167

समीक्षाधीन वर्ष 2021–22 के दौरान, निम्नांकित सेवानिवृत्तियां की गईं।

सेवानिवृत्तियां

समूह 'ए'

क्र. सं.	नाम	पद	सेवानिवृत्ति की तिथि
1.	श्री प्रमोद रावत	उप–प्रकाशन अधिकारी	31.10.2021

समूह 'बी'

क्र. सं.	नाम	पद	सेवानिवृत्ति की तिथि
1.	श्री जय प्रकाश सिंह	अनुभाग अधिकारी	30.09.2021

निधन

क्र. सं.	नाम	पद	निधन की तिथि
1.	डॉ. नरेश कुमार	सहायक प्रोफेसर	02.05. 2021

नई नियुक्ति

समूह 'ए'

क्र. सं.	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	प्रो. प्रदीप कुमार मिश्र	प्रोफेसर	15.11.2021
2.	डा. सांत्वना जी. मिश्रा	सह–प्रोफेसर	23.11.2021
3.	डा. अन्शू श्रीवास्तव	सह–प्रोफेसर	25.11.2021
4.	डा. अमित गौतम	सह–प्रोफेसर	26.11.2021
5.	श्री निशांत सिन्हा	वित्त अधिकारी	27.12.2021
6.	श्री अमित सिंघल	उप–प्रकाशन अधिकारी	27.12.2021
7.	डा. रवि प्रकाश सिंह	हिन्दी संपादक	17.11.2021

समूह 'सी'

क्र. सं.	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ. (श्रीमती) अल्का शाह	अवर श्रेणी लिपिक	22.11.2021

वित्त तथा लेखा विभाग

नीपा में वित्त तथा लेखा सेवाएं लेखा अनुभाग द्वारा संचालित की जाती हैं जिसका अध्यक्ष वित्त अधिकारी होता है जिसके अंतर्गत अनुभाग अधिकारी, लेखाकार और कार्यालय के आठ सदस्य तथा अनुसचीवीय स्टाफ होता है। यह अनुभाग बजट की तैयारी, मासिक वेतन तथा पेंशन बिल, अन्य व्यक्तिगत प्रतिपूर्ति जैसे चिकित्सा, एल.टी.सी. बिल, अग्रिम इत्यादि, वस्तुओं की खरीद के लिये बिल भुगतान प्रक्रिया, कार्य, संविदा इत्यादि, पूर्व लेखा परीक्षा, बाह्य परीक्षा के साथ समन्वयन तथा वित्त तथा लेखा से जुड़े अन्य मसलों के लिये उत्तरदायी होता है। यह सभी वित्तीय मसलों पर समयबद्ध परामर्श देता है तथा वित्तीय भागीदारी, लेखा बयान, उपयोगिता प्रमाण–पत्र इत्यादि हेतु सभी प्रस्तावों के परीक्षण हेतु प्रभावी सहायता प्रदान करता है। वित्त अधिकारी वित्त समिति का सदस्य सचिव होता है जो विश्वविद्यालय के वित्त, निर्देशन तथा विभिन्न श्रेणियों के लिये व्यय की सीमा तय करता है। पिछले पांच वर्षों में मंत्रालय से प्राप्त अनुदान निम्नांकित है :

प्राप्त अनुदान का व्यौरा (2017–2022) (रु. लाख में)

क्र. सं.	शीर्ष	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
1.	सहायता अनुदान (योजना)	2612.95	3184.71	4559.46	3688.00	2986.58
	सहायता अनुदान (योजनेतर)					
	आंतरिक प्राप्तियां	59.32	34.69	39.15	66.76	21.78
	योग	**2672.27**	**3219.40**	**4598.61**	**3754.76**	**3008.36**
2.	व्यय (योजना)	2956.09	3491.89	4314.43	3344.06	3468.89
	व्यय (योजनेतर)					
	योग	**2956.09**	**3491.89**	**4314.43**	**3344.06**	**3468.89**
3.	आंतरिक प्राप्तियां व्यय के प्रतिशत के रूप में	2%	1%	0.91%	2%	0.63%
4.	सहायता अनुदान व्यय का प्रतिशत	100%	100%	94.63%	90.90%	116.15%

उपरोक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि वर्ष 2017–18 से 2021–22 के दौरान सहायता अनुदान में व्यापक रूप से वृद्धि हुई है और इसी अनुपात में इसका व्यय भी बढ़ा है। इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि नीपा अपनी मुख्य गतिविधियों को पर्याप्त महत्व दे रहा है।

राजभाषा कार्यान्वयन/हिंदी कक्ष

हिंदी कक्ष

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान के तहत हिंदी कक्ष का प्रमुख कार्य संस्थान के शोध जर्नल 'परिप्रेक्ष्य' के प्रकाशन, संपादन व प्रसार में सहयोग के साथ हिंदी भाषी क्षेत्रों से शैक्षिक अनुसंधान के क्षेत्र में हिंदी भाषा में शोध लेखन को बढ़ावा देना है। संस्थान की शोध पत्रिका के माध्यम से देश के अन्य हिस्सों से राष्ट्रीय फलक पर देशज मेधा को सामने लाना, जिसके तहत राष्ट्रीय स्तर पर नीपा के अकादमिक विद्वानों के सहयोग व सहभागिता के माध्यम से 'परिप्रेक्ष्य शोध संवाद एवं विमर्श श्रृंखला' आयोजन। इसके अलांवा हिंदी कक्ष संस्थान के विभिन्न विभागों से सहयोग में अकादमिक पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण सामग्रियों का हिंदी संस्करण मुहैया कराता है। हिंदी कक्ष 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' में भाषा सम्बन्धी प्रावधानों व योजनाओं को ध्यान में रखते हुए भाषा सम्बन्धी सेमिनारों व सम्मेलनों का आयोजन करता है। कक्ष के प्रमुख कार्यों में से एक संस्थान की समाचार पत्रिका (न्यूज लेटर) का प्रकाशन है।

इन अकादमिक सहयोगों के अतिरिक्त हिंदी कक्ष प्रशासनिक स्तर पर राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन व प्रयोग को बढ़ावा देने का कार्य निरन्तर कर रहा है। इस स्तर पर हिंदी कक्ष द्वारा संस्थान के प्रशासनिक प्रकाशनों जैसे वार्षिक रिपोर्ट, विवरणिका व अन्य दस्तावेजों आदि का हिंदी संस्करण मुहैया कराने के साथ संस्थान के विभिन्न अनुभाग अधिकारियों के सहयोग से हिंदी भाषा में टिप्पण व लेखन कार्यों को राजभाषा नियमावली के तहत सुनिश्चित किया जाता है। इसके साथ–साथ शिक्षा मंत्रालय व राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय के समय–समय पर प्राप्त निर्देशों का अनुपालन व कार्यान्वयन कक्ष द्वारा सुनिश्चित कराया जाता है। इस श्रृंखला में हर वर्ष हिंदी दिवस पर हिंदी पखवाड़े का आयोजन कक्ष द्वारा किया जाता है।

7 मार्च 2022 को संसदीय राजभाषा की प्रथम उपसमिति द्वारा संस्थान के राजभाषा सम्बन्धी कार्यों का मूल्यांकन किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान माननीय समिति द्वारा संस्थान के कार्यों की सराहना करते हुए हिंदी भाषा में ज्यादा से ज्यादा कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान दैनिक कार्य के अलावा नीपा के हिंदी कक्ष ने कई निम्नलिखित महत्वपूर्ण कार्य किए:

1. प्रकाशन के लिए निम्नलिखित प्रमुख मदों का हिंदी में अनुवाद एवं प्रकाशन किया गया:
   i. वार्षिक रिपोर्ट 2017–2018 का हिंदी संस्करण का प्रकाशन।
   ii. वार्षिक रिपोर्ट 2018–2019 का हिंदी संस्करण का प्रकाशन।
   iii. वार्षिक रिपोर्ट 2019–2020 का हिंदी संस्करण का अनुवाद एवं प्रकाशन।
   iv. नीपा परिप्रेक्ष्य योजना 2020–30 का हिंदी संस्करण का अनुवाद एवं प्रकाशन।
   v. नीपा एम.फिल–पीएचडी विवरणिका 2022–23 का हिंदी अनुवाद एवं प्रकाशन।
2. राजभाषा कार्यान्वयन के संबंध में चार त्रैमासिक रिपोर्ट और एक व्यापक रिपोर्ट मंत्रालय को भेजी गई।
3. हिंदी दिवस समारोहः हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में 14 सितंबर 2021 को हिंदी दिवस मनाने के लिए हिंदी पखवाड़ा (14–28 सितंबर, 2021 के दौरान) निबंध लेखन, टिप्पण एंव प्रारूपण, प्रश्न मंच और श्रुतलेख (केवल एमटीएस और ड्राइवरों के लिए) जैसी हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
4. हिंदी पखवाड़ा (14–28 सितंबर, 2021) के दौरान एक दिवसीय कार्यशाला का भी आयोजन किया गया।
5. 7 मार्च, 2022 को संसदीय राजभाषा समिति द्वारा निरीक्षण के लिए निरीक्षण प्रश्नावली तैयार की गई थी।
6. उपरोक्त कार्यों के अलावा संस्थान के हिंदी प्रकोष्ठ ने प्रशासन एवं संकाय से प्राप्त आर.टी.आई., परिपत्र, नोटिस, पत्र, प्रशिक्षण सामग्री आदि का अनुवाद भी किया।

अनुलग्नक

संकाय का अकादमिक योगदान

संकाय का अकादमिक योगदान

एन.वी. वर्गीज

कुलपति

प्रकाशन

पुस्तकें

इंडिया हायर एजूकेशन रिपोर्ट 2021: प्राइवेट हायर एजूकेशन (जिणुशा पाणिग्रही के साथ) नई दिल्ली, रूटलेज, (मुद्रण में)

इम्प्लायमेंट एंड इम्प्लायबिलिटी ऑफ हायर एजुकेशन ग्रेजुएट (मोना खरे के साथ) नई दिल्ली, रूटलेज

चेजिंग हायर एजूकेशन इन इंडिया (चट्टोपाध्याय, सौमेन, साइमन मार्गिन्शन और एन.वी. वर्गीज) लंदन, बूम्सबरी एकेडमिक 2022

आलेख और अध्याय

'इंट्रोडक्शनः चेजिंग हायर एजूकेशन इन इंडिया' (साइमन मार्गिन्शन और सौमेन चट्टोपाध्याय, के साथ) चट्टोपाध्याय, सौमेन, साइमन मार्गिन्शन और एन.वी. वर्गीश, संपा., *चेजिंग हायर एजूकेशन इन इंडिया,* लंदन, बूम्सबरी एकेडमिक 2022, पी.पी. 1–22

'डायरेक्शन ऑफ चेंज इन हायर एजुकेशन इन इंडियाः फ्रॉम मैसिफिकेशन टू यूनिवर्सलाइजेशन', में चट्टोपाध्याय, सौमेन, साइमन मार्गिन्सन और एन.वी. वर्गीज संपा., *चेजिंग हायर एजूकेशन इन इंडिया,* लंदन, बूम्सबरी एकेडमिक, 2022, पीपी. 23–46।

इक्विटी इन हायर एजूकेशन फॉर इंक्लूसिव ग्रोथः एवीडेंस फ्रॉम इंडिया (निधि एस. सभरवाल और सी.एम. मलिश के साथ) *चेंजिंग हायर एजुकेशन इन इंडिया,* में चट्टोपाध्याय, सौमेन, साइमन मार्जिन्सन और एन.वी. वर्गीज संपा., लंदन, बूम्सबरी एकेडमिक, 2022, पीपी. 67–94।

प्राइवेटाजेशन वर्सेस प्राइवेट सैक्टर इन हायर एजूकेशन इन इंडिया (निवेदिता सरकार के साथ) *चेंजिंग हायर एजुकेशन इन इंडिया* में चट्टोपाध्याय, सौमेन, साइमन मार्गिन्सन और एन.वी. वर्गीज, संपा., लंदन, बूम्सबरी एकेडमिक, 2022 पीपी. 95–120।

'हायर एजूकेशन एंड डिसएडवैंटेज्ड ग्रुप्स इन इंडिया' में हैरिसन, नील और ग्रीम एथरटन, संपा. *मार्जिनलाइज्ड कम्युनिटीज इन हायर एजूकेशनः डिसएडवेंटेज, मोबिलिटी एंड इंडीगेनिटी,* रूटलेज (टेलर और फ्रांसिस समूह), लंदन और न्यूयॉर्क, 2021, पीपी. 2016–32।

इम्प्लायमेंट एंड इम्प्लायबिलिटी ऑफ हायर एजुकेशन ग्रेजुएटः एक अवलोकन (मोना खरे के साथ) *इंडिया हायर एजूकेशन रिपोर्ट 2020: इम्प्लायमेंट एंड इम्प्लायबिलिटी ऑफ हायर एजुकेशन ग्रेजुएट्स, में* वर्गीज एन.वी. और मोना खरे (संपा.) लंदन और नई दिल्ली, रूटलेज, 2022, पीपी. 1–21.

'स्ट्रेटेजीज फार फाइनेंसिंग ऑफ हायर एजुकेशन इन इंडिया' *अर्तिका चर्चा (फिसकल पॉलिसी इंस्टीट्यूट जर्नल ऑफ इकोनोमिक्स एंड गर्वनेंस)* वॉल्यूम 6, नंबर 1, 2021 पीपी. 5–18।

एजुकेशन एंड माइग्रेशनः ए स्टडी ऑफ द इंडियन डायस्पोरा, इंटरनेशनल *जर्नल ऑफ अफ्रीकन हायर एजुकेशन,* वॉल्यूम. 8, नंबर 2, 2021, पीपी. 103–117।

बैठकों में भागीदारी

7 अप्रैल, 2021 को शिक्षा मंत्रालय के साथ एनसीएसएल और शाला सिद्धि की ऑनलाइन पीएबी बैठक।

9 अप्रैल, 2021 को नीपा में यूजीसी के प्रतिनिधियों के साथ राष्ट्रीय योग्यता ढांचे (एनएचईक्यूएफ) पर बैठक।

15 अप्रैल, 2021 को शिक्षा मंत्रालय के साथ ब्रिक्स पर बैठक।

15 अप्रैल, 2021 को फिक्की, नई दिल्ली में उच्च शिक्षा समिति की बैठक।

16 अप्रैल, 2021 को शिक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ यूनेस्को पुरस्कार (जापान) पर बैठक।

19 अप्रैल, 2021 को शिक्षा मंत्रालय के साथ ब्रिक्स पर बैठक।

27 अप्रैल, 2021 को नॉर्डिक विश्वविद्यालयों पर नॉर्डिक इंडिया समिट (वेबिनार) और एनईपी 2020 में भागीदारी।

27 अप्रैल, 2021 को अंतर्राष्ट्रीयकरण पर पैनल चर्चा बैठक सिम्बायोसिस विश्वविद्यालय।

यूनेस्को के प्रतिनिधियों के साथ शिक्षा के भविष्य पर बैठक – निकोल वेला और मनीष जोशी 3 मई, 2021, यूनेस्को।

4 मई, 2021 को अवसरों की अधिकता एनईपी 2020 पर पैनल चर्चा, एसोचौम द्वारा आयोजित वेबिनार।

7 मई, 2021 को शिक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ यूनेस्को कलिंग पुरस्कारों पर बैठक।

18 मई, 2021 को नीति आयोग द्वारा आयोजित कोविड और आर्थिक परिणामों पर थिंक टैंक चर्चा।

27 मई, 2021 को रूटलेज द्वारा प्रकाशित पुस्तक गवर्नेंस ऑफ हायर एजुकेशन इन एशिया के विमोचन के अवसर पर वेबिनार में अध्यक्ष।

2 जून, 2021 को उच्च शिक्षा पर भविष्य के परिप्रेक्ष्य, ब्रिटिश काउंसिल द्वारा आयोजित (ऑनलाइन) बैठक।

7 जून, 2021 को शिक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ यूनेस्को कलिंग पुरस्कारों पर बैठक।

14 जून, 2021 को राजेश टंडन की पुस्तक का विमोचन।

16 जून, 2021 को ब्रिटिश काउंसिल द्वारा गोइंग ग्लोबल के हिस्से के रूप में आयोजित एनईपी 2020 और अंतर्राष्ट्रीयकरण पर पैनल चर्चा।

शैक्षिक क्षेत्र में उभरते रुझान– एनईपी–आशा की एक नई किरण पर सुशांत विश्वविद्यालय द्वारा 17 जून, 2021 को आयोजित कुलपति सम्मेलन में व्याख्यान।

योग्यता की मान्यता (यूनेस्को की पासपोर्ट परियोजना) पर यूनेस्को पेरिस के प्रतिनिधियों के साथ 18 जून, 2021 को बैठक।

23 जून, 2021 को विश्व बैंक – शिक्षा मंत्रालय वेबिनार में तृतीयक शिक्षा की गुणवत्ता पर पैनल चर्चा।

28 जून, 2021 को एआईयू के साथ छात्र प्रश्नावली विकास पर चर्चा।

29 जून, 2021 को एएनआई अफ्रीका द्वारा आयोजित वेबिनार में यूनिवर्सिटी लीडरशिप और कोविड 19 पर चर्चा।

1 जुलाई, 2021 को आईआईईपी/यूनेस्को, पेरिस के साथ अधिगम के सरल मार्ग पर बैठक।

1 जुलाई, 2021 को सीबीएसई प्राचार्यों के लिए अधिगम नेतृत्व पर व्याख्यान।

1 जुलाई, 2021 को फ्लेक्सिबल पाथवे (आईआईईपी) पर बैठक।

2 जुलाई, 2021 को एमजीआइईपी–शासी बोर्ड की बैठक।

आईआईईपी/यूनेस्को, पेरिस द्वारा 8 जुलाई, 2021 को उच्च शिक्षा के लिए सरल मार्ग पर आयोजित वेबिनार के अध्यक्ष।

12 जुलाई, 2021 को शिक्षा मंत्रालय के साथ यूनेस्को पुरस्कार पर बैठक।

13 जुलाई, 2021 को अकादमिक बैंक आफ क्रेडिट पर यूजीसी की बैठक।

14 जुलाई, 2021 को नीपा में विभागाध्यक्षों और निदेशक, ब्रिटिश काउंसिल के साथ बैठक।

16 जुलाई, 2021 को यूनेस्को पुरस्कार पर शिक्षा मंत्रालय के साथ बैठक।

29 जुलाई, 2021 को प्रधानमंत्री द्वारा निष्ठा के शुभारंभ के अवसर पर भागीदारी।

29 जुलाई, 2021 को विभागाध्यक्षों और कुलाधिपति, नीपा के साथ बैठक।

30 जुलाई, 2021 को यूनेस्को पुरस्कार पर बैठक (शिक्षा मंत्रालय)।

5 अगस्त, 2021 को सीपीआर (अध्यक्ष और शोधकर्ता) द्वारा डीपीईपी योजना पर साक्षात्कार।

11 अगस्त, 2021 को कस्तूरीरंगन द्वारा आयोजित स्थापना दिवस व्याख्यान।

13 अगस्त, 2021 को यूजीसी द्वारा आयोजित अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट पर विशेषज्ञ समूह चर्चा।

16 अगस्त, 2021 को यूएनडीपी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित भारत में सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के लिए साक्ष्य–आधारित नीति अनुसंधान का लाभ उठाने पर पैनल चर्चा।

17 अगस्त, 2021 को सीमैट केरल कार्यक्रमों के उद्घाटन समारोह में माननीय मंत्री के साथ सम्मानित अतिथि।

शिक्षा के वित्त पोषण पर यूनेस्को डब्ल्यूसीएचई पेपर की समीक्षा बैठक यूनेस्को 17 अगस्त, 2021।

20 अगस्त, 2021 को वेंकटेश्वर कॉलेज, नई दिल्ली में उच्च शिक्षा विकास पर मुख्य भाषण।

23 अगस्त, 2021 को तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति पर उद्घाटन भाषण।

24 अगस्त, 2021 को केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के साथ बैठक।

24 अगस्त, 2021 को स्कूल शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित 'निपुन' पर बैठक।

24 अगस्त, 2021 को फिक्की उच्च शिक्षा समिति की बैठक।

27 अगस्त, 2021 को नीति आयोग द्वारा आयोजित तकनीकी शिक्षा पर विशेषज्ञ बैठक।

1 सितंबर, 2021 को एनसीईआरटी के स्थापना दिवस में भागीदारी।

1 सितंबर, 2021 को तृतीयक शिक्षा पर विश्व बैंक की बैठक।

2 सितंबर, 2021 को चंडीगढ़ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भविष्य शिक्षा पर व्याख्यान।

2 सितंबर, 2021 को मैरी इथियोपिया द्वारा आयोजित अफ्रीकन एचई एंड इट्स कंट्रीव्यूशन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी।

7 सितंबर, 2021 को अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका (एचईएमएएएलए) में उच्च शिक्षा पर बैठक।

10 सितंबर, 2021 को एनसीटीई की आम सभा बैठक में भागीदारी।

13 सितंबर, 2021 को एनसीईआरटी द्वारा आयोजित शिक्षा पर्व के रूप में अभिनव शिक्षाशास्त्र की अध्यक्षता।

15 सितंबर, 2021 को विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित आइएआइईपीए की स्थापना प्रक्रिया को पुनर्जीवित करने पर बैठक में भागीदारी।

15 सितंबर, 2021 को हेफाला (एचईएफएएएलए) पर बैठक में भागीदारी

16 सितंबर, 2021 को सेंट बेड्स कॉलेज, शिमला में एनईपी 2020 पर व्याख्यान।

22 सितंबर, 2021 को तृतीयक शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर विश्व बैंक की बैठक।

24 सितंबर, 2021 को ब्रिटिश काउंसिल द्वारा आयोजित उच्चतर शिक्षा और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा – चुनौतियां तथा अवसर पर व्याख्यान।

27 सितंबर, 2021 को उच्चतर शिक्षा पर एक जर्नल शुरू करने के लिए एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) द्वारा आयोजित बैठक में भागीदारी।

28 सितंबर, 2021 को फिक्की द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन पर चर्चा बैठक में भागीदारी।

28 सितंबर, 2021 को न्यूमैन कॉलेज, थोडुपुझा, केरल में एनईपी 2020 और उच्च शिक्षा पर व्याख्यान।

5 अक्टूबर, 2021 को बच्चों की स्थिति रिपोर्ट जारी करने पर यूनिसेफ की बैठक में भागीदारी।

25 अक्टूबर, 2021 को नीति आयोग चयन समिति की बैठक में भागीदारी।

27 अक्टूबर, 2021 को उच्च शिक्षा में समानता और समावेश पर के.आर. नारायणन केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित बैठक में भागीदारी।

27 अक्टूबर, 2021 को वाशिंगटन व्याख्यान।

28 अक्टूबर, 2021 को वित्तीय नीति संस्थान द्वारा कर्नाटक में सार्वजनिक वित्त और बाल बजट पर नीति अनुसंधान पर आयोजित बैठक में तकनीकी सलाहकार।

ब्रिटिश काउंसिल – 29 अक्टूबर, 2021 को अनुसंधान रिपोर्ट के विमोचन पर पैनल चर्चा।

2 नवंबर, 2021 को ब्रिटिश काउंसिल की बैठक में भागीदारी।

9 नवंबर, 2021 को शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित बैठक में भागीदारी।

सेंटर फॉर इंटरनेशनल हायर एजुकेशन (सीआईएचई), बोस्टन द्वारा 10 नवंबर, 2021 को आयोजित उच्च शिक्षा नेटवर्क पर वेबिनार में भागीदारी।

16 नवंबर, 2021 को नीति आयोग द्वारा आयोजित साथ एजूकेशन पर बैठक में भागीदारी।

18 नवंबर, 2021 को टीटीई, भोपाल के बी.एड./एम.एड. छात्रों के लिए शैक्षिक योजना प्रक्रियाओं पर व्याख्यान।

19 नवंबर, 2021 को सिम्बायोसिस विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दक्षिण–उत्तर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के नए तरीकों पर बैठक में भागीदारी।

2 दिसंबर, 2021 को सीआईएचई, बोस्टन की कार्यकारी समिति की बैठक में भागीदारी।

8 दिसंबर, 2021 को एमजीईआईपी–यूनेस्को, नई दिल्ली के शासी बोर्ड की बैठक में भागीदारी।

9 दिसंबर, 2021 को एमजीईआईपी–यूनेस्को, नई दिल्ली के शासी बोर्ड की बैठक में भागीदारी।

9 दिसंबर, 2021 को कॉन्क्लेव का शुभारंभ पर नीति आयोग की बैठक में भागीदारी।

9 दिसंबर, 2021 को शासी बोर्ड की बैठक – एमजीईआईपी, यूनेस्को।

30 दिसंबर, 2021 को सीबीएसई प्रशिक्षण सलाहकार समिति की बैठक में भागीदारी।

7 जनवरी, 2022 को नीति आयोग में चयन समिति की बैठक में भागीदारी।

11 जनवरी, 2022 को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मिंटो फ्लेक्सी के साथ बैठक।

18 जनवरी, 2022 को पीएसएससीआइवीई, भोपाल द्वारा आयोजित शिक्षा में क्षैतिज गतिशीलता को सुगम बनाना पर सत्र की अध्यक्षता।

21 जनवरी, 2022 को मेलबर्न विश्वविद्यालय के अशोक कुमार के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर बैठक में भागीदारी।

28 जनवरी, 2022 को बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एनईपी 2020 और उच्च शिक्षा पर मुख्य संभाषण।

1 फरवरी, 2022 को आंध्र प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद (एपीएससीएचई) द्वारा आयोजित शिक्षा 4.0 के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआइ) की तैयारी पर व्याख्यान।

3 फरवरी, 2022 को राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित भारत के लिए शैक्षिक अनिवार्यता पर पैनल चर्चा में भागीदारी।

10 फरवरी, 2022 को राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह की अध्यक्षता (डॉ. सुभाष सरकार, केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री, मुख्य अतिथि)।

16 फरवरी, 2022 को शिक्षा का भविष्य पर यूनेस्को की बैठक में भागीदारी।

7 मार्च, 2022 को होटल शांगरीला, नई दिल्ली में राजभाषा बैठक में भागीदारी।

9 मार्च, 2022 को यूजीसी के साथ इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस पर बैठक में भागीदारी।

10 मार्च, 2022 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में ब्रिटिश काउंसिल द्वारा आयोजित ब्रिटिश शिक्षाविदों के साथ बैठक।

11 मार्च, 2022 को निदेशक, एमजीआईईपी की भर्ती के लिए संचार के प्रारूपण पर उप–समूह के साथ बैठक में भागीदारी।

अखिल भारतीय प्रबंधन संघ, नई दिल्ली द्वारा 12 मार्च, 2022 को नई दुनिया में अनुसंधान पर मुख्य संभाषण।

12 मार्च, 2022 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली की सलाहकार समिति की बैठक में भागीदारी।

15 मार्च, 2022 को यूनिवर्सिटी क्वालिटी इंटरनेशनल बोर्ड (यूक्यूएआइबी) की बैठक में भागीदारी।

16 मार्च, 2022 को उच्च शिक्षा समिति पर फिक्की की बैठक में भागीदारी।

इग्नू द्वारा 21 मार्च, 2022 को आयोजित ओडीएल सिस्टम के लिए एनईपी 2020 का उद्घाटन में भागीदारी।

21 मार्च, 2022 को तृतीयक शिक्षा पर विश्व बैंक सलाहकार समूह की बैठक में भागीदारी।

22 मार्च, 2022 को एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित संस्थानों के प्रभावी नेतृत्व पर व्याख्यान।

26 मार्च, 2022 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में लैंगिक समानता की ओर यात्रा पर व्याख्यान।

30 मार्च, 2022 को नीति आयोग में शिक्षार्थी उपलब्धि पर मुख्य संभाषण।

30 मार्च, 2022 को ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा द्वारा आयोजित 'सिस्टमेटिकली मॉनिटरिंग स्टूडेंट एक्सपीरियंस' पर मुख्य भाषण।

30 मार्च, 2022 को ब्रिटिश उच्चायोग, नई दिल्ली में महारानी के जन्मदिन के विशेष आमंत्रित समारोह में भागीदारी।

शैक्षिक योजना विभाग

के. बिस्वाल

प्रकाशन

शोध पत्र/आलेख/टिप्पणी

''स्टेट्स पेपर ऑन इंसीडेंस एंड ट्रेंड्स आफ ड्रॉपआउट्स इन स्कूल एंड हायर एजूकेशन इन इंडिया'' यह मसौदा शोध पत्र सितंबर 2021 में माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के कार्यालय के लिए तैयार किया गया था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं संचालित/आयोजित

22–26 नवंबर, 2021 तक धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में ''हिमाचल प्रदेश में समग्र शिक्षा के तहत परिणाम–आधारित जिला स्कूल शिक्षा योजना तैयार करने की पद्ध ति'' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (डॉ एन.के. मोहंती और डॉ सुमन नेगी के साथ) आयोजित और एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/अभिविन्यास पाठ्यक्रम में भागीदारी

2021–22 में संस्थान द्वारा आयोजित वेबिनार और सेमिनार सहित विभिन्न ऑनलाइन कार्यक्रमों में भागीदारी।

नीपा के एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रमों के सहकर्मी और संकाय समीक्षा सेमिनार में भागीदारी।

10 दिसंबर, 2022 को ग्रांड होटल, वसंत कुंज, नई दिल्ली में आयोजित नीपा स्टाफ रिट्रीट में भागीदारी।

प्रशिक्षण सामग्री/पाठ्यक्रम विकसित और संचालित

एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम, 2021/22 में अनिवार्य पाठ्यक्रम संख्या सीसी–1 (शिक्षा में आर्थिक परिप्रेक्ष्य) का सहयोगी संकाय के रूप में संचालन।

एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम, 2021–22 में अनिवार्य पाठ्यक्रम संख्या सीसी–6 (शिक्षा में उन्नत योजना तकनीक) का पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में संचालन।

सितंबर 2021 में 'पीजीडेपा पाठ्यक्रम सं. 903: शैक्षिक योजना: अवधारणा, प्रकार और दृष्टिकोण' का सह–संकाय के रूप में संचालन।

जुलाई 2021 में पीजीडेपा (चरण–II) मूडल लर्निंग प्लेटफॉर्म का उपयोग 'ऑनलाइन उन्नत पाठ्यक्रम संख्या 907: शैक्षिक योजना' के पाठ्यक्रम संयोजक के रूप में आयोजन।

एम.फिल./पीएच.डी., डेपा और आईडेपा शोध प्रबंधों का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन

डॉ जवाहिरा तबस्सुम, स्कूल शिक्षा विभाग, असम सरकार, गुवाहाटी द्वारा ''असम के दरांग जिले में प्राथमिक से उच्च प्राथमिक शिक्षा में परिवर्तन: प्रवृत्तियों और रणनीतिक हस्तक्षेपों का विश्लेषण'' शीर्षक से पीजीडेपा शोध कार्य का मूल्यांकन किया।

निधि रावत द्वारा ''भारत में प्राथमिक शिक्षा में जीआईएस आधारित स्कूल मैपिंग का अध्ययन'' शीर्षक से पीएच.डी. शोध कार्य का पर्यवेक्षण (पीएच.डी. डिग्री अप्रैल 2022 में प्रदान की गई)।

दीपेंद्र कुमार पाठक द्वारा ''पश्चिम बंगाल में स्कूल आधारित प्रबंधन और सामुदायिक भागीदारी: बर्दवान और पुरुलिया जिलों में चुनिंदा माध्यमिक विद्यालयों का अध्ययन'' शीर्षक से पीएच.डी. थीसिस कार्य का पर्यवेक्षण (पीएच.डी. डिग्री अप्रैल 2022 में प्रदान की गई)।

सुहैल अहमद मीर द्वारा ''भारत में शिक्षा और श्रम बाजार के परिणामों में अवसर की असमानता का अध्ययन'' शीर्षक (अंशकालिक) पीएचडी थीसिस का पर्यवेक्षण।

आयशा मलिक द्वारा ''राजस्थान में स्कूल विलय नीति के परिणामों का एक जीआईएस आधारित विश्लेषण'' शीर्षक से पीएचडी थीसिस कार्य का पर्यवेक्षण किया।

काव्या चंद्रा द्वारा ''शिक्षा सुधार, कार्यान्वयन और एकाधिक जवाबदेही संबंध: दक्षिण दिल्ली के सरकारी स्कूलों में सुधार कार्यान्वयन का अध्ययन'' शीर्षक पीएचडी थीसिस कार्य का पर्यवेक्षण।

गौहर राशिद गनी द्वारा ''व्यावसायिक शिक्षा के लिए छात्र पसंद के निर्धारक'' शीर्षक पीएचडी थीसिस कार्य का पर्यवेक्षण किया।

करिका दास द्वारा पीएच.डी. शोध कार्य ''डिजिटल कौशल में वापसी – बैंगलोर और दिल्ली–एनसीआर, भारत में शहरी स्नातक श्रमिकों का अध्ययन'' शीर्षक का पर्यवेक्षण किया।

गोविंद कुमार साह द्वारा एम.फिल. शोध प्रबंध कार्य ''सरकारी स्कूलों में लैंगिक समानता: बिहार के सारण और मुजफ्फरपुर जिलों का तुलनात्मक अध्ययन'' शीर्षक का पर्यवेक्षण किया।

दिवाकर सोनी द्वारा एम.फिल. शोध प्रबंध कार्य ''समुदाय भागीदारी की गतिशीलता और स्कूल सुधार में इसकी भूमिका: छत्तीसगढ़ में चुनिंदा सरकारी स्कूलों का केस अध्ययन'' शीर्षक का पर्यवेक्षण किया।

शिक्षा मंत्रालय, यूजीसी, राज्य सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और राष्ट्रीय संस्थानों को प्रदान की गई महत्वपूर्ण परामर्शी और सलाहकारी सेवाएं

सदस्य, शैक्षिक सर्वेक्षण प्रभाग के विभागीय सलाहकार बोर्ड, एनसीईआरटी, नई दिल्ली।

सदस्य, पीएमडी के विभागीय सलाहकार बोर्ड, एनसीईआरटी, नई दिल्ली।

सदस्य, वार्षिक कार्यक्रम सलाहकार समिति, एससीईआरटी, दिल्ली।

सदस्य, डाइट की वार्षिक कार्यक्रम सलाहकार समिति, कड़कड़डूमा, दिल्ली।

सदस्य, समग्र शिक्षा के कार्यान्वयन की रूपरेखा को संशोधित करने के लिए उप–समिति (पहुंच, भागीदारी और सिविल कार्यों पर अध्याय), स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार।

अप्रैल 2021 में शिक्षा विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'बिहार में मदरसों के लिए किशोर शिक्षा कार्यक्रम पर यूएनएफपीए प्रायोजित परियोजना के तहत संसाधन केंद्रों की स्थापना के लिए संस्थागत योजना हेतु एक दिवसीय ऑनलाइन विशेषज्ञों की बैठक'' में विशेषज्ञ के रूप में भागीदारी।

उच्च शिक्षा के बहु–विषयक संस्थानों में शिक्षा विभाग की स्थापना के लिए दिशानिर्देश तैयार करने के लिए यूजीसी समिति के सदस्य, जनवरी 2022।

अन्य अकादमिक और व्यावसायिक योगदान

शैक्षिक आयोजना विभाग की वार्षिक कार्य योजना एवं बजट 2021–22 तैयार कर 15 फरवरी, 2022 को विभागीय सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन।

4 जनवरी, 2017 से यू–डाईस परियोजना में प्रभारी के रूप में, नीपा में यू–डाईस परियोजना का प्रबंधन किया।

सदस्य, स्थायी सलाहकार समिति, एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम, नीपा।

सदस्य, पर्यवेक्षक आवंटन समिति (सीएएस), एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम, नीपा।

सदस्य, अध्ययन बोर्ड, नीपा।

सदस्य, अकादमिक परिषद, नीपा।

सदस्य, विभागीय सलाहकार समिति, शैक्षिक वित्त विभाग, नीपा।

सदस्य, विभागीय सलाहकार समिति, शैक्षिक नीति विभाग, नीपा।

सदस्य, विभागीय सलाहकार समिति, शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास विभाग, नीपा।

सदस्य, नीपा फैलोशिप के संवितरण के लिए दिशानिर्देश विकसित करने के लिए समिति।

अध्यक्ष, नीपा अनुसंधान और नवाचार नीति पर उप–समिति।

सदस्य, नीपा पुस्तक चयन समिति।

सदस्य, नीपा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)।

अध्यक्ष, नीपा तकनीकी समिति।

सदस्य, नीपा प्रकाशनों के लिए दिशानिर्देश विकसित करने के लिए समिति।

सदस्य, नीपा एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा की रूपरेखा के लिए समिति।

एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम 2015–16 में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित करने में सहायता प्रदान की।

सदस्य, नीपा 2021–22 के एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश के लिए साक्षात्कार बोर्ड।

सदस्य, कोर ग्रुप, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2021 में नीपा के संलग्नता।

सदस्य, सीएएस के तहत प्राप्त आवेदनों पर विचार करने के हेतु नीपा आंतरिक समीक्षा समिति।

सदस्य, योजना और निगरानी समिति, नीपा।

अध्यक्ष, एनसीएसएल, नीपा में सहायक प्रोफेसर के पद के लिए आवेदनों की जांच हेतु समिति।

सांत्वना जी. मिश्रा

प्रकाशन

शोध पत्र/आलेख/टिप्पणी

प्रस्तुत शोध पत्र, शीर्षक ''भारतीय स्कूलों में शिक्षा का माध्यम – गांधीवादी दृष्टिकोण के माध्यम से दुविधा को समझना'', 28 मार्च से 1 अप्रैल, 2022 तक बीएसएआर क्रिसेंट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, वंडालूर, चेन्नई, में भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी द्वारा आयोजित (29 मार्च, 2022) को XLVवां इंडियन सोशल साइंस कांग्रेस की शिक्षा अनुसंधान समिति में प्रस्तुत किया गया।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित और संचालित

एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम, 2021/22 में अनिवार्य पाठ्यक्रम संख्या सीसी–5बी (मात्रात्मक अनुसंधान विधियाँ) का सहयोगी संकाय के रूप में संचालन।

एम.फिल./पीएच.डी., डेपा और आईडेपा शोध प्रबंधों का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन

शिक्षा मंत्रालय, यूजीसी, राज्य सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और राष्ट्रीय संस्थानों को प्रदान की गई महत्वपूर्ण परामर्शी और सलाहकारी सेवाएं

2021–22 में संस्थान द्वारा आयोजित वेबिनार और सेमिनार सहित विभिन्न ऑनलाइन कार्यक्रमों में भागीदारी।

नीपा के एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रमों के सहकर्मी और संकाय समीक्षा सेमिनार में भागीदारी।

10 दिसंबर, 2022 को ग्रांड होटल, वसंत कुंज, नई दिल्ली में आयोजित नीपा स्टाफ रिट्रीट में भागीदारी।

संसाधन व्यक्ति, शिक्षाविदों और विचारकों के विचार–दिवालियापन पर 29 मार्च, 2022 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''फ़्लिप्ड क्लासरूमः शिक्षण और अधिगम की दिशा में एक नया दृष्टिकोण'' बीपीएस इंस्टिट्यूट ऑफ टीचर ट्रेनिंग एंड रिसर्च, बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, हरियाणा ।

15 फरवरी, 2022 को कुलपति, नीपा द्वारा प्रो. अरुण सी. मेहता द्वारा लिखित पुस्तक के आभासी विमोचन में भागीदारी।

शैक्षिक प्रशासन में नवाचार और अच्छे व्यवहार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार, 10 फरवरी, 2022 के आभासी समारोह में भागीदारी।

8 मार्च, 2022 को नीपा द्वारा आयोजित आपदा प्रबंधन पर संगोष्ठी में भागीदारी।

15 मार्च, 2022 को नीपा का दौरा करने वाले भारतीय शिक्षक शिक्षा संस्थान, गांधी नगर, गुजरात के स्नातक, स्नातकोत्तर और अनुसंधान विद्वानों के साथ वार्तालाप।

15 मार्च, 2022 को आरटीएमएनयू, नागपुर द्वारा प्रियदर्शिनी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में एम.एड. शोध प्रबंध के लिए बाहरी परीक्षक नियुक्त।

13 जनवरी 2022 को गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन, आईएएसई, औरंगाबाद, महाराष्ट्र में ''डेटा विश्लेषण हेतु सांख्यिकी के अनुप्रयोग'' पर 5 दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में ''एफ–टेस्ट (वन–वे एनोवा)'' पर ऑनलाइन सत्र और ''एएनसीओवीए'' पर सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति।

अन्य अकादमिक और व्यावसायिक योगदान

सदस्य, अध्ययन बोर्ड, अंतःविषय अध्ययन संकाय, डॉ. होमी भाभा राज्य विश्वविद्यालय, मुंबई।

सदस्य, अध्ययन बोर्ड, नीपा।

सदस्य, अकादमिक परिषद, नीपा।

सदस्य, प्लेसमेंट सेल, नीपा।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी (आईएसएसए) के आजीवन सदस्य।

भारतीय अध्यापक शिक्षा संघ (आईएटीई) के आजीवन सदस्य।

अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ (एआईएईआर) के आजीवन सदस्य।

महाराष्ट्र शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन परिषद के आजीवन सदस्य

भारतीय अनुसंधान न्यास के आजीवन सदस्य।

एन. के. मोहंती

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों, वेबिनार और सम्मेलनों में भागीदारी

11 अगस्त, 2021 को ऑनलाइन नीपा स्थापना दिवस व्याख्यान में भागीदारी।

11 नवंबर, 2021 को ऑनलाइन राष्ट्रीय शिक्षा दिवस व्याख्यान में भागीदारी।

30 नवंबर, 2021 को उच्च शिक्षा के वित्तपोषण पर ऑनलाइन परामर्शदात्री बैठक–सह–राष्ट्रीय संगोष्ठी में भागीदारी।

6 दिसंबर, 2021 को स्कूल प्रबंधन समितिः भारत में शिक्षा के क्षेत्र में मुक्त सरकार की ओर एक कदम, पर ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार में भागीदारी।

10 दिसंबर, 2021 को संकाय और सहकर्मी समीक्षा में भागीदारी।

10 फरवरी, 2022 को शैक्षिक प्रशासन में नवाचार और अच्छे व्यवहार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार पर ऑनलाइन कार्यक्रम में भागीदारी।

16–17 मार्च, 2022 को राज्य उच्च शिक्षा परिषदों की ऑनलाइन परामर्शदात्री बैठक में भागीदारी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं संचालित/आयोजित

धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में 22–26 नवंबर, 2021 तक आयोजित ''हिमाचल प्रदेश में समग्र शिक्षा के तहत परिणाम आधारित जिला स्कूल शिक्षा योजना तैयार करने की पद्धति'' और प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में (प्रो. के. बिस्वाल और डॉ. सुमन नेगी के साथ) कार्य किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/अभिविन्यास पाठ्यक्रम में भागीदारी

2021–22 में संस्थान द्वारा आयोजित वेबिनार और सेमिनार सहित विभिन्न ऑनलाइन कार्यक्रमों में भागीदारी।

नीपा के एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रमों के सहकर्मी एवं संकाय समीक्षा सेमिनार में भागीदारी।

10 दिसंबर, 2022 को ग्रांड होटल, वसंत कुंज, नई दिल्ली में आयोजित नीपा स्टाफ रिट्रीट में भागीदारी।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित और संचालित

एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम, 2021–22 अनिवार्य पाठ्यक्रम सं. सीसी–6 (शैक्षिक योजना) का संचालन (प्रो. के. बिस्वाल के साथ)।

सितंबर–नवंबर 2020 के दौरान 'पीजीडेपा पाठ्यक्रम 903: शैक्षिक योजनाः अवधारणा, प्रकार और दृष्टिकोण' के पाठ्यक्रम समन्वयक।

जुलाई 2021 में मूडल लर्निंग प्लेटफॉर्म का उपयोग, ''पीजीडेपा (चरण II) ऑनलाइन उन्नत पाठ्यक्रम संख्या 907: शैक्षिक योजना'' के पाठ्यक्रम समन्वयक।

संशोधित क्षेत्र निदान पर संशोधित अनुकरण अभ्यासः पहुंच और भागीदारी के संकेतक, अगस्त 2021।

संशोधित (डॉ. सुमन नेगी के साथ) क्षेत्र निदान पर संशोधित अनुकरण अभ्यासः आंतरिक दक्षता के संकेतक, अगस्त 2021।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

शैक्षिक योजना विभाग की वार्षिक कार्य योजना एवं बजट 2022–23 तैयार कर 15 फरवरी, 2022 को विभागीय सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन।

उत्तम तालुकदार, व्याख्याता, डाइट, धुबरी, असम द्वारा ''असम के धुबरी जिले में एससी की माध्यमिक शिक्षा की मांग को प्रभावित करने वाले कारक'' शीर्षक पीजीडेपा 2021 शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन किया।

एम.फिल./पीएच.डी. प्रवेश समिति के सदस्य के रूप में, एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम 2021–23 में प्रवेश के लिए आवेदनों और अन्य संबंधित गतिविधियों को संसोधित करने में सहायता की।

एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम 2021–23 में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित करने में सहायता की।

अनुसंधान अध्ययन

''भारत में माध्यमिक शिक्षा में सार्वजनिक–निजी मिश्रणः आकार, स्कूल में सुविधाएं और प्रवेश प्रोफाइल'' पर एक शोध परियोजना शुरू की। अध्ययन का चरण I पूरा हो चुका है और रिपोर्ट 20 अगस्त, 2020 को प्रस्तुत की गई है। अध्ययन का चरण II प्राथमिक डेटा और नमूना राज्यों से एकत्र की जाने वाली जानकारी पर आधारित

है। कोविड महामारी की स्थिति के कारण, अध्ययन के लिए प्राथमिक डेटा और जानकारी एकत्र करने के लिए क्षेत्र/राज्यों का दौरा करना संभव नहीं हो पाया है।

सुमन नेगी

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संगोष्ठियों/सम्मेलनों/वेबिनारों में भागीदारी

11 अगस्त, 2021 को ऑनलाइन नीपा स्थापना दिवस व्याख्यान में भागीदारी।

11 नवंबर, 2021 को ऑनलाइन राष्ट्रीय शिक्षा दिवस व्याख्यान में भागीदारी।

10 दिसंबर, 2021 को संकाय और सहकर्मी समीक्षा में भागीदारी।

10 फरवरी, 2022 को शैक्षिक प्रशासन में नवाचार और अच्छे व्यवहार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार पर ऑनलाइन कार्यक्रम में भागीदारी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं संचालित/आयोजित

22–26 नवंबर, 2021 तक धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में आयोजित ''हिमाचल प्रदेश में समग्र शिक्षा के तहत परिणाम आधारित जिला स्कूल शिक्षा योजना तैयार करने की पद्धति'' और प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/अभिविन्यास पाठ्यक्रम में भागीदारी

यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा 16–30 सितंबर, 2021 तक आयोजित ''लैंगिक अध्ययन (अंतःविषय)'' में तीसरे दो सप्ताह के ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भागीदारी।

29–30 नवंबर, 2021 को आईएसटीएम, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''संपर्क अधिकारियों (एससी/एसटी) के लिए कार्यशाला'' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (ऑनलाइन)।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित और संचालित

पाठ्यक्रम संचालन

एम.फिल. अनिवार्य पाठ्यक्रम (सीसी6): शैक्षिक योजना

पीजीडेपा पाठ्यक्रम सं. 903: शैक्षिक योजना

पीजीडेपा उन्नत पाठ्यक्रम शैक्षिक योजना – ऑनलाइन

संशोधित (डॉ. एन.के. मोहंती के साथ) ''क्षेत्र निदान पर सतत अभ्यास: आंतरिक दक्षता के संकेतक'', अगस्त 2021।

शिक्षा मंत्रालय, यूजीसी, राज्य सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और राष्ट्रीय संस्थानों को प्रदान की गई महत्वपूर्ण परामर्शी और सलाहकारी सेवाएं

अनुसंधान सलाहकार समिति एससीईआरटी, गुरुग्राम, हरियाणा के सदस्य के रूप में, आवश्यकता पड़ने पर अनुसमर्थन हेतु बैठकों में भागीदारी।

अन्य अकादमिक और व्यावसायिक योगदान

शैक्षिक योजना विभाग की वार्षिक कार्य योजना एवं बजट 2022/23 तैयार कर 16 फरवरी, 2022 को विभागीय सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया।

रुचि पायल द्वारा पीएच.डी. शोध कार्य शीर्षक ''प्राथमिक विद्यालयों तक पहुंच में सुधार: राजस्थान में शैक्षिक सुधार कार्यक्रमों की महत्वपूर्ण समीक्षा'' का पर्यवेक्षण।

राजीव कुमार द्वारा एम.फिल. शोध प्रबंध शीर्षक ''बिहार में इंजीनियरिंग संस्थानों के भौगोलिक मानचित्रण: इसकी उपलब्धता का अध्ययन'' का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन किया।

टी. हन्ना, शिक्षा सहायक, नागालैंड द्वारा पीजीडेपा 2021 निबंध – 'गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए सरकारी स्कूलों का सुदृढ़ीकरण: नागालैंड के मॉन जिले का अध्ययन' शीर्षक का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन।

नॉक (एनएएसी) कोर टीम के सदस्य के रूप में, नॉक एसएसआर रिपोर्ट तैयार करने में योगदान तथा नॉक की विभिन्न विशेषताओं से संबंधित आंकड़े एकत्र करने और नैक वेब पेज के लिए कई दस्तावेज तैयार करने में भी जिम्मेदारी निभाई।

एम.फिल./पीएच.डी. प्रवेश समिति के सदस्य के रूप में, एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम 2021–23 में प्रवेश के लिए आवेदनों और अन्य संबंधित गतिविधियों को संसोधित करने में सहायता प्रदान की।

एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए नीपा प्रवेश और संचालन समिति के सदस्य के रूप में, नीपा प्रॉस्पेक्टस 2022–23 तैयार करने के लिए जिम्मेदार संकाय सदस्य।

जांच समिति के सदस्य के रूप में आवेदन पत्रों की प्रारंभिक जांच में योगदान दिया।

जुलाई 2021 से मई 2022 तक दो सेमेस्टर के लिए एम.फिल./पीएच.डी. पाठ्यक्रमों का कार्यक्रम तैयार किया।

एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए संचालन समिति के सदस्य के रूप में कई तरह से योगदान दिया है।

सदस्य, स्थायी क्रय समिति।

सदस्य, नीपा परीक्षा समिति।

सदस्य, नीपा प्रवेश समिति।

सदस्य, समान अवसर प्रकोष्ठ।

सदस्य, मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नॉक) कोर टीम

एससी/एसटी के लिए संपर्क अधिकारी नीपा।

सदस्य, अनुसंधान समिति, आर.ई.ए.पी सेल, एससीईआरटी, हरियाणा।

शैक्षिक प्रशासन विभाग

कुमार सुरेश

प्रकाशन

सुरेश, कुमार और सुचरिता वी. (2022) *कंपेंडियम आफ इनोवेशंस एंड गुड प्रैक्टिसेज इन एजूकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन 2018–19,* नीपा, नई दिल्ली

सुरेश, कुमार और सुचरिता वी. (2022) *कंपेंडियम आफ इनोवेशंस एंड गुड प्रैक्टिसेज इन एजूकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन 2019–20,* नीपा, नई दिल्ली

सुरेश, कुमार (2022 देर से प्रकाशन 2020) गर्वनेंस ऑफ स्कूल एजूकेशन इन इंडियाः स्ट्रक्चर, प्रोसेस एंड पॉलिसी रिफार्म्स, एंट्रीप वॉल्यूम 26, नं. 2

शीर्षक ''प्रोफाइल ऑफ अवार्डीज 2018–19'' पुस्तिका, नीपा, नई दिल्ली

शीर्षक ''प्रोफाइल ऑफ अवार्डीज 2019–20'' पुस्तिका, नीपा, नई दिल्ली

शिक्षा मंत्रालय के अनुरोध पर संस्थान के माध्यम से शिक्षा मंत्रालय को प्रदान किए गए जानकारी के आधार पर केब के सुदृढ़ीकरण हेतु राइट–अप तैयार किया।

अनुसंधान परियोजनाएं/अध्ययन

तृतीय अखिल भारतीय शैक्षिक प्रशासन सर्वेक्षण –*अन्वेषकः* प्रो. कुमार सुरेश।

शैक्षिक प्रशासन की संरचना और कार्यों का अध्ययन – शैक्षिक प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण के विषयगत अध्ययन –*अन्वेषकः* प्रो. कुमार सुरेश और डा. अंशू श्रीवास्तव।

शैक्षिक प्रशासन में जिला और ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों की स्थिति, भूमिका और जिम्मेदारियां – शैक्षिक प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण के विषयगत अध्ययन –*अन्वेषकः* प्रो. कुमार सुरेश और डा. वी सुचरिता।

भारत में शैक्षिक अभिशासन में संघवाद और संघ–राज्य संबंध – शैक्षिक प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण के विषयगत अध्ययन –*अन्वेषकः* प्रो. कुमार सुरेश।

एफ्रो–एशियाई देशों में बच्चों की अधिगम समानता पर कोविड–19 का प्रभाव (अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान) – –*अन्वेषकः* प्रो. कुमार सुरेश

शैक्षिक प्रशासन में नवाचार और अच्छे व्यवहार –*अन्वेषकः* प्रो. कुमार सुरेश और वी. सुचरिता

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

(राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय) (शीर्षक, आयोजकों, दिनांक और स्थान सहित)

वेबिनार/कार्यशालाओं में संसाधन व्यक्ति के रूप में भागीदारी

रामनारायण रुइया स्वायत्त कॉलेज और विश्वविद्यालय आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठों द्वारा 24–25 मई, 2021 को ''शिक्षा का समावेशी, अभिनव और सतत भविष्य–एनईपी 2020'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 25 मई, 2021 को मुंबई शिक्षा की स्थिरता/शिक्षा का सतत भविष्य पर एक सत्र की अध्यक्षता की ।

संसाधन व्यक्ति के रूप में, पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया। 31 मई, 2021 को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, असम विश्वविद्यालय, सिलचर द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020): उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए चुनौतियां, नॉक प्रत्यायन, एनआईआरएफ रैंकिंग और एनईपीः उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए आगे की राह, पर आयोजित कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में, आमंत्रिति व्याख्यान।

12 अगस्त, 2021 को आंध्र प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद और डॉ. बी.आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय, श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित एनईपी 2020 में इक्विटी और समावेशन पर राष्ट्रीय वेबिनार में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

14 अगस्त, 2021 को शिक्षा विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित शैक्षिक प्रबंधन और प्रशासन– उभरती प्रवृत्तियों (एनईपी 2020 संदर्भ) पर संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

नेवी चिल्ड्रन स्कूल चाणक्यपुरी, नई दिल्ली द्वारा 9 फरवरी, 2022 को आयोजित शैक्षिक योजना, शैक्षिक प्रशासन, शैक्षिक नीति, स्कूल और अनौपचारिक शिक्षा पर कार्यक्रम में शैक्षिक प्रशासन और शैक्षिक नीति, 2020 पर व्याख्यान दिया।

23 फरवरी, 2022 को भारतीय राष्ट्रीय परिसंघ और मानवविज्ञानी अकादमी (आईएनसीएए) के सहयोग से मानव विज्ञान विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एनईपी 2020 के संदर्भ में जनजातीय शिक्षा और सांस्कृतिक विविधता पर गोलमेज चर्चा में अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार और एचआरडीसी जबलपुर, मध्य प्रदेश द्वारा 1 मार्च, 2022 को आयोजित शिक्षक शिक्षाविशरद के लिए ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में बहुसांस्कृतिक शिक्षा के ढांचे में विविधता और समानता पर व्याख्यान देने के लिए संसाधन व्यक्ति।

9 मार्च, 2022 को संकाय विकास केन्द्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा में डिजिटल संसाधनों के उपयोग और विकास पर ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रमः शिक्षकों के लिए उभरती सुलभ प्रौद्योगिकी (एनईपी 2020 संदर्भ), में मुख्य अतिथि।

(13–14 मार्च, 2022) को मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान (एमएकेएआईएएस) के सहयोग से ज्योतिभारती शिक्षा और अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में राष्ट्र निर्माण, राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 और कोविड के पश्चात की स्थितिः

संभावनाएं और चुनौतियां, पर 13 मार्च, 2022 को मुख्य वक्ता।

21 मार्च, 2022 को स्ट्राइड, इग्नू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एनईपी–2020 समग्र और बहु–विषयक शिक्षा – प्रशिक्षण कार्यक्रम में अवधारणा और अभ्यासः एनईपी 2020 पर समग्र और बहु–विषयक शिक्षा– ओडीएल प्रणाली के लिए निहितार्थ, पर रिसोर्स पर्सन/वक्ता

(24–29 मार्च, 2022) को टीचिंग लर्निंग सेंटर फॉर सोशल साइंस द्वारा आयोजित, ''अनुसंधान और प्रकाशन नीतिः मुद्दे और चुनौतियां'' पर ऑनलाइन एक सप्ताह के कार्यक्रम/पाठ्यक्रम में उच्च शिक्षा में समकालीन मुद्दे, विषय पर विशेषज्ञ वक्ता, डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर–मध्य प्रदेश द्वारा 24 मार्च, 2022 को एसएस खन्ना गर्ल्स डिग्री कॉलेज प्रयागराज और महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, उत्तर प्रदेश के साथ सहयोग किया।

मा.सं.वि.के. और अन्य कार्यक्रमों में अध्यक्ष/व्याख्यान (टिप्पणी – एनईपी 2020 नीचे सूचीबद्ध सभी व्याख्यानों में मुख्य संदर्भ बिंदु रहा है):

मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 10 अगस्त–8 सितंबर, 2021 से पांचवें ऑनलाइन संकाय प्रेरण कार्यक्रम में 14 अगस्त 2021 को उच्चतर शिक्षा में अभिशासन पर व्याख्यान (एनईपी 2020 संदर्भ) दिया गया।

मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 20 अक्टूबर–18 नवंबर, 2021 से छठे ऑनलाइन संकाय प्रेरण कार्यक्रम में 23 अक्टूबर, 2021 को उच्चतर शिक्षा के अभिशासन (एनईपी 2020 संदर्भ) पर व्याख्यान दिया गया।

23 अक्टूबर–22 नवंबर, 2021 से संकाय विकास केंद्र, ईश्वर सरन पीजी कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यक्रम में 22 अक्टूबर, 2021 को भारत की परीक्षा प्रणाली (एनईपी 2020 संदर्भ) की जांच पर व्याख्यान दिया।

9 नवंबर से 8 दिसंबर 2021 तक यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संकाय प्रेरण कार्यक्रम में उच्च शिक्षा और शिक्षक की तैयारी (एनईपी 2020 संदर्भ) में उभरते रुझानों पर 10 नवंबर, 2021 को '5वें गुरु दक्ष' में व्याख्यान दिया।

16 नवंबर –20 दिसंबर 2021 से संकाय प्रेरण कार्यक्रम, यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर (डीम्ड विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित संस्थागत योजना और विकास और विश्वविद्यालय/कॉलेज संस्थागत–संरचना और कार्यों (एनईपी 2020 संदर्भ) के रूप में 16 नवंबर, 2021 को ''गुरु दक्ष'', व्याख्यान दिया।

यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित छठां संकाय प्रेरण कार्यक्रम में 30 नवंबर 2021 को उच्चतर शिक्षा के अभिशासन और संस्थागत उत्कृष्टता की अनिवार्यता (एनईपी 2020 संदर्भ) पर व्याख्यान दिया।

यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 1. ''विविधता, बहुसांस्कृतिक शिक्षा और शिक्षक शिक्षा के लिए सुधारों की अनिवार्यताः एनईपी 2020 के माध्यम से समझना" और 2. ''भारत में शैक्षिक नवउदारवादी रुझान और नीति सुधार'', 5 जनवरी, 2022 को शिक्षक शिक्षा में ऑनलाइन तृतीय दो सप्ताहिक पुनश्चर्या पाठ्यक्रमः अधिगम के परिणाम और शैक्षिक सुधार– शिक्षाशास्त्र, मूल्यांकन और गुणवत्ता आश्वासन पर दो व्याख्यान दिए।

11 जनवरी, 2022 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित शिक्षक शिक्षा में दो सप्ताह के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भारत में शिक्षा में नवउदारवादी रुझान और नीतिगत सुधार पर व्याख्यान दिया।

यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, मिजोरम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित नेतृत्व विकास कार्यक्रम में उच्चतर शिक्षा के संस्थागत अभिशासन और नेतृत्व में संसाधन व्यक्ति/अध्यक्ष।

यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित शिक्षक शिक्षा में 5वें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 2 फरवरी, 2022 को उच्चतर

शिक्षा की विविधता, समानता और बहुसांस्कृतिक प्रसंगः नीति परिप्रेक्ष्य और संस्थागत संदर्भ (एनईपी 2020) पर व्याख्यान दिया।

यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ऑनलाइन 8वें एक महीने के संकाय प्रेरण कार्यक्रम में 19 फरवरी, 2022 को उच्च शिक्षा में अभिशासन (एनईपी 2020) पर व्याख्यान दिया।

22 फरवरी–28 मार्च, 2022 तक यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर (डीम्ड विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित संकाय प्रेरण कार्यक्रम ''गुरु दक्ष'' में 24 फरवरी, 2022 को संस्थागत योजना और विकास तथा विश्वविद्यालय/महाविद्यालय एक संस्थान–संरचना और कार्यों के रूप में (एनईपी 2020) पर व्याख्यान दिया गया।

यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित दो दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय जागरूकता वेबिनार में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: परिवर्तनकारी सुधारों और समाज परिवर्तन के लिए रोडमैप, 9 मार्च, 2022 को एनईपी 2020 और उच्चतर शिक्षाः एक सिंहावलोकनः पर व्याख्यान दिया ।

यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, मिजोरम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित नेतृत्व विकास कार्यक्रम में उच्च शिक्षा के संस्थागत संदर्भ में अभिशासन और नेतृत्व पर संसाधन व्यक्ति/अध्यक्ष।

28 मार्च, 2022 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, मिजोरम विश्वविद्यालय द्वारा उच्च शिक्षा प्रशासन पर आयोजित वेबिनार में अध्यक्ष/संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और उच्च शिक्षा अभिशासन पर व्याख्यान दिया।

कार्यशाला/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

19–21 जनवरी, 2022 तक ऑनलाइन माध्यम में विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शैक्षणिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व पर कार्यशाला सह–उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया

14–18 जून, 2021 तक शोधार्थियों के लिए लेखन कौशल पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया।

15–18 नवंबर, 2021 तक रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, भोपाल के एम.एड. छात्रों के लिए ऑनलाइन इंटर्नशिप डॉ. वी. सुचरिता द्वारा आयोजित किया।

27 मई, 2021 शिक्षा के भविष्य पर यूनेस्को की रिपोर्ट पर यूनेस्को, पेरिस और उसके दिल्ली कार्यालय के परामर्श से एक वेबिनार/चर्चा बैठक का आयोजन किया

नीपा में नव–नियुक्त शिक्षकों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित किया जिसका समन्वय डॉ. वी. सुचरिता ने किया।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित और संचालित

पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर मुख्य पाठ्यक्रम सीसी–07 पाठ्यक्रम के संचालन की विस्तृत रूपरेखा तैयार की और पाठ्यक्रम दल के सदस्यों के साथ सत्र का संचालन किया।

इक्विटी और बहुसांस्कृतिक शिक्षा पर वैकल्पिक पाठ्यक्रम ओसी–07 के पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में पाठ्यक्रम के संचालन की विस्तृत रूपरेखा तैयार की और 10 सत्रों का संचालन किया

सीसी–01 के पाठ्यक्रम दल के सदस्य के रूप में शिक्षा पर राजनीतिक परिप्रेक्ष्य पर 11 सत्रों का संचालन किया

ऑनलाइन माध्यम में शैक्षिक प्रशासन पर पीजीडेपा पाठ्यक्रम का संचालन

पीजीडेपा पाठ्यक्रम में शैक्षिक प्रशासन पर उन्नत पाठ्यक्रम (एडवांस कोर्स) के समन्वयक के रूप में पाठ्यक्रम निष्पादन की विस्तृत रूपरेखा तैयार की और पाठ्यक्रम के प्रमुख भाग का संचालन किया।

नीपा में शैक्षिक प्रशासन विभाग और अन्य विभागों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण/क्षमता विकास कार्यक्रमों में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में सेवा की और कई व्याख्यान दिए।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड के सदस्य

विभिन्न पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्तः

शिक्षा में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग केंद्र, हिरोशिमा विश्वविद्यालय, जापान और एमराल्ड प्रकाशन द्वारा प्रकाशित *जर्नल ऑफ इंटरनेशनल कोऑपरेशन इन एजुकेशन* के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

जर्नल *एजुकेशन इंडियाः अ क्वार्टली रैफर्ड जर्नल ऑफ डायलॉग्स ऑन एजुकेशन* के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

जर्नल, रिसर्च एंड रिफ्लेक्शंस ऑन एजुकेशन, सेंट जेवियर कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पालमकोट्टई के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

जामिया जर्नल ऑफ एजुकेशन के संपादकीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य।

जर्नल *परिप्रेक्ष्य* (हिंदी में नीपा का जर्नल) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

नीपा की समसामयिक पेपर श्रृंखला के संपादक।

नीपा नीति संक्षेप के संपादक।

अन्य अकादमिक और व्यावसायिक योगदान

शैक्षिक प्रशासन विभाग के अध्यक्ष के रूप में विभाग की विभिन्न गतिविधियों का नेतृत्व किया जिसमें विभागीय सलाहकार समिति की बैठकों का आयोजन और विस्तृत कार्यसूची टिप्पणियां तैयार करना शामिल है।

शैक्षिक प्रशासन में नवाचार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार योजना के कार्यक्रम निदेशक के रूप में जिला एवं प्रखंड स्तर के शिक्षा अधिकारियों के लिए योजना के क्रियान्वयन से संबंधित कई दायित्वों का निर्वहन किया।

परियोजना निदेशक के रूप में शैक्षिक प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण की प्रमुख परियोजना का नेतृत्व। इसमें अकादमिक जानकारी, मार्गदर्शन और निगरानी से संबंधित कई गतिविधियां शामिल थीं

एम.फिल./पी–एच.डी. पर्यवेक्षण

डॉक्टरेट विद्वानों का पर्यवेक्षण

छह शोध विद्वान (अनुराधा बोस, मोनिका मैनी, प्रतीक्षा त्रिपाठी, निदा खान, सुमन साहा और सुरवी) का डॉक्टरेट अनुसंधान पर्यवेक्षण।

एम.फिल. शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण

वंदना सिंह द्वारा प्रस्तुत एम.फिल. शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण और सम्मानित किया।

पीजीडीईपीए का पर्यवेक्षण

पीजीडेपा (अजीत कृष्णन और तकदीर सिंह) दो उम्मीदवारों की परियोजना पर्यवेक्षण।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) के अकादमिक परिषद के सदस्य

आजीवन सदस्य, भारतीय समाजशास्त्रीय सोसायटी

आजीवन सदस्य, आईआईपीए, नई दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय समाजशास्त्रीय संघ के सदस्य

अफ्रीका एशिया अनुसंधान समूह के सदस्य

तमिलनाडु शिक्षक शिक्षा विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु के अनुसंधान मंच के सदस्य।

मामलों की जांच करने के लिए एससीईआरटी, नई दिल्ली की संचालन समिति के सदस्य।

स्कूल ऑफ एजुकेशन, एच.एस. गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर के अध्ययन बोर्ड के सदस्य (2020 – अब तक)

नीपा में समितियों की सदस्यता

योजना और निगरानी बोर्ड के सदस्य

अकादमिक परिषद और अध्ययन बोर्ड के सदस्य

अध्ययन बोर्ड के सदस्य

आईक्यूएसी के सदस्य

अनुदान सहायता समिति (जीआईएसी) के सदस्य

नॉक के एसएसआर के लिए कोर समिति के अध्यक्ष

अनुकंपा आधारों की नियुक्ति के लिए समिति के अध्यक्ष

अध्यक्ष, जांच समितियां

एम.फिल./पी–एच.डी. स्थायी सलाहकार समिति के सदस्य

पर्यवेक्षकों के आवंटन के लिए समिति के सदस्य।

एम.फिल./पी–एच.डी. कार्य के प्रगति की समीक्षा समिति के सदस्य

एम.फिल. प्रवेश साक्षात्कार समिति और संयम समिति के सदस्य

संगोष्ठी अनुदान के प्रस्ताव समीक्षा समिति के सदस्य

आंतरिक अनुसंधान समीक्षा समिति के सदस्य।

कार्यक्रमों के संचालन से संबंधित नीपा के विभागों की सलाहकार समिति और विभिन्न कार्यबलों के सदस्य।

सीएएस योजना के तहत संकाय की पदोन्नति के लिए आवेदनों की जांच समिति के सदस्य।

विनीता सिरोही

प्रकाशन

आईएचईआर रिपोर्ट 2020: इंप्लायमेंट एंड इंप्लाबिलिटी ऑफ हायर एजुकेशन ग्रेजुएट इन इंडिया में ''इन्फोर्मल मोड्स ऑफ स्किल फॉर्मेशन'' पर अध्याय, रूटलेज।

पूर्ण शोध अध्ययन

एमएचआरडी अनुसंधान अध्ययन – गैर–शिक्षण गतिविधियों में शिक्षकों की भागीदारी और शिक्षा पर इसका प्रभावः चुनाव और चुनाव संबंधी कर्तव्यों पर शिक्षकों द्वारा खर्च किए गए समय का एक अखिल भारतीय अध्ययन।

हरियाणा राज्य में फरीदाबाद जिले में डीईओ कार्यालय में निर्णय लेने की प्रक्रियाः एक पायलट अध्ययन।

जारी शोध अध्ययन

स्किल फॉर्मेशन एंड एम्प्लॉयबिलिटीः ए स्टडी ऑफ यूथ इन इंडिया।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

10 सितंबर, 2021 को ''उच्च शिक्षा में अनुसंधान, नवाचार और रैंकिंग'' पर (ऑनलाइन) वेबिनार में भागीदारी।

6 दिसंबर, 2021 को भोपाल में पीएसएससीआईवीई (एनसीईआरटी) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ) – नई शिक्षा नीति 2020 के लिए ''पूर्व–व्यावसायिक शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा'' पर आधार पत्र के विकास के लिए एनसीईआरटी द्वारा गठित कार्य समूह के सदस्य के रूप में योगदान। (ऑनलाइन)

6 दिसंबर, 2021 को आईआईईपी, पेरिस के सहयोग से नीपा द्वारा आयोजित ''स्कूल प्रबंधन समितिः भारत में शिक्षा में मुक्त सरकार की ओर कदम'' पर (ऑनलाइन) वेबिनार में भागीदारी।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संचालित

एम.फिल./पी–एच.डी. मूल पाठ्यक्रम सीसी–1 – शिक्षा का मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य का संचालन और मूल्यांकन

एम.फिल./पी–एच.डी. मूल पाठ्यक्रम सीसी–7 का संचालन और मूल्यांकन

वैकल्पिक पाठ्यक्रम ओसी 2 – शिक्षा और कौशल विकास का समन्वयन, संचालन और मूल्यांकन

आईडेपा पाठ्यक्रम – 202 का समन्वयन, संचालन और मूल्यांकन

शैक्षिक प्रबंधन पर पीजीडेपा पाठ्यक्रम – 904 का समन्वयन, संचालन और मूल्यांकन

उन्नत पाठ्यक्रम – 908 का संचालन और मूल्यांकन

एम.फिल. और पी–एच.डी. विद्वानों को अनुसंधान मार्गदर्शन

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

एससीईआरटी/डाईट के पुनर्गठन के बाद सृजित शैक्षणिक पदों के लिए भर्ती नियमों के पुनर्गठन और तैनाती पर एससीईआरटी दिल्ली को अकादमिक सहायता

अनुसंधान अध्ययन (शिक्षा मंत्रालय प्रायोजित) ''गैर–शिक्षण गतिविधियों में शिक्षकों की भागीदारी और शिक्षा पर इसका प्रभावः मतदान और इससे संबंधी कर्तव्यों पर शिक्षकों द्वारा खर्च किए गए समय का एक अखिल भारतीय अध्ययन'' – रिपोर्ट शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत।

प्रशिक्षण सलाहकार समिति की बैठक में सीबीएसई सदस्य के रूप में योगदान

जेएमआई, नई दिल्ली द्वारा आयोजित बिहार में मदरसों के प्रधानाचार्यों के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने के लिए यूएनएफपीए प्रायोजित परियोजना ''बिहार के मदरसों में किशोरावस्था शिक्षा कार्यक्रम'' के दूसरे चरण में विशेषज्ञ के रूप में योगदान दिया।

कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में दिल्ली के दो डाईट की बैठकों में भागीदारी

एससीईआरटी, केरल के शासी निकाय की बैठक में भागीदारी

सीसीएसयू, मेरठ के एम.एड. के मौखिक परीक्षा के लिए परीक्षक।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

नीपा में विभागीय और विभाग के बाहर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में व्याख्यान दिए।

जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (जेपा) में प्रकाशनार्थ प्रस्तुत शोध पत्रों की समीक्षा में संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में अकादमिक समर्थन

संचालन समिति के अध्यक्ष के रूप में एम.फिल./पी–एच.डी. कार्यक्रम की योजना, समन्वय, प्रशासन और प्रबंधन और विभिन्न गतिविधियों को पूरा किया

पी–एच.डी. थीसिस पर प्रस्तुत दिशानिर्देशों का संशोधन

एम.फिल./पी–एच.डी. कार्यक्रम 2022–2023 में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र और विवरणिका का संशोधन

नियोजित कैलेंडर और एम.फिल./पी–एच.डी. कार्यक्रम की अनुसूची संबंधी गतिविधियों में समन्वय किया

एम.फिल./पी–एच.डी. स्कॉलर्स के संकाय और सहकर्मी समीक्षा सेमिनार की अध्यक्षता

पी–एच.डी. विद्वानों के प्री–सबमिशन सेमिनार का समन्वय और अध्यक्षता

सैक बैठकों में समन्वय और भागीदारी;

सदस्य सचिव के रूप में सीएएस की बैठकों में समन्वय और भागीदारी,

अध्ययन बोर्ड, नीपा, सदस्य के रूप में, नीपा की बैठकों के लिए कार्यवृत तैयार करने में योगदान और चर्चाओं में भागीदारी।

अकादमिक परिषद, नीपा की चर्चा बैठकों में भागीदारी

अनुसंधान समीक्षा समिति की बैठकों में भागीदारी और योगदान

जेपा संपादकीय बोर्ड की बैठकों में भागीदारी

विभागीय सलाहकार समिति 2022 की बैठक में भागीदारी

अनुकंपा नियुक्ति समिति के सदस्य के रूप में, चर्चा और निर्णय लेने में भागीदारी और योगदान दिया।

एनसीएसएल में सहायक प्रोफेसरों की नियुक्ति के लिए जांच समिति के सदस्य के रूप में आवेदनों की जांच में योगदान दिया।

शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों में पुरस्कारों के लिए जांच कमेटी के अध्यक्ष के रूप में योगदान।

संयोजक के रूप में, शैक्षिक प्रशासन में नवाचार मामलों की ऑनलाइन प्रस्तुतियों का मूल्यांकन।

शैक्षिक प्रशासन में नवाचार पुरस्कार योजना की सलाहकारी विशेषज्ञ समिति में भागीदारी।

पोस्ट–डॉक्टोरल फेलोशिप के प्रस्ताव की समीक्षा के लिए पीडीएफ समिति के सदस्य के रूप में योगदान।

नॉक के कोर ग्रुप की बैठक में भागीदारी।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

शासी परिषद के सदस्य, एससीईआरटी, दिल्ली

कार्यकारी समिति के सदस्य, एससीईआरटी, दिल्ली

भर्ती नियम समिति के सदस्य, एससीईआरटी, दिल्ली

इंडियन जर्नल ऑफ वोकेशनल एजुकेशन (पीएसएससीआईवीई) की संपादकीय टीम के सदस्य।

नैदानिक मनोवैज्ञानिक संघ के आजीवन सदस्य।

भारतीय अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान संघ के आजीवन सदस्य।

सदस्य, प्रशिक्षण सलाहकार समिति, सीबीएसई।

भारत 2020: तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (TVET) शिक्षा की स्थिति रिपोर्ट के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, यूनेस्को, नई दिल्ली

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ) – एनईपी 2020 के लिए ''पूर्व–व्यावसायिक शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा'' पर आधार पत्र के विकास के लिए एनसीईआरटी द्वारा गठित एनसीएफ कार्यकारी समूह के सदस्य

सदस्य, संस्थान सलाहकार बोर्ड, पीएसएससीआईवीई (एनसीईआरटी)

सदस्य, एससीईआरटी, दिल्ली, जाँच मानदंड, प्रक्रिया/प्रगति/भर्ती की योजना विकसित करने हेतु समिति

सदस्य, कार्यक्रम सलाहकार समिति, डाइट, दिलशाद गार्डन और डाइट, दरियागंज, दिल्ली

''हैप्पीनैस पाठ्यक्रमः एक समग्र मूल्यांकन'', पर अनुसंधान प्रस्ताव की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य, एससीईआरटी, दिल्ली।

नीपा में समितियों की सदस्यता

अध्यक्ष, संचालन समिति

सदस्य, अध्ययन बोर्ड

सदस्य, अकादमिक परिषद, नीपा

सदस्य, स्थायी सलाहकार समिति

सदस्य सचिव, (एम.फिल./पी–एच.डी.) पर्यवेक्षकों के आवंटन हेतु समिति

अध्यक्ष, प्रवेश समिति

सदस्य, अनुसंधान के प्रसार के लिए अनुसंधान समीक्षा समिति

अध्यक्ष, समान अवसर प्रकोष्ठ

सदस्य, आंतरिक शिकायत समिति

सदस्य, जेपा संपादक मंडल

सदस्य, शिकायत निवारण समिति

अन्शू श्रीवास्तव

प्रकाशन

पुस्तकः श्रीवास्तव, अंशू (2022)। लिब्रेलाइज्ड इंडिया, पॉलिटिसाइज्ड मिडिल क्लास एंड सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल्स, रूटलेज।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

24 जनवरी, 2022 को टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, पटना द्वारा लिब्रेलाइज्ड इंडिया, पॉलिटिसाइज्ड मिडिल क्लास एंड सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल्स पुस्तक चर्चा के लिए आमंत्रित।

15 फरवरी, 2022 को कानून विभाग और यूजीसी–एचआरडीसी गुवाहाटी द्वारा आयोजित मानवाधिकार, सामाजिक न्याय और न्यायिक सक्रियता रूसा 2.0 पर ऑनलाइन प्रथम आईडी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में गृहकार्य के लिए मजदूरी पर वाद–विवाद पर संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में अकादमिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व पर तीन दिवसीय कार्यशाला–सह–अभिविन्यास कार्यक्रम के सह–समन्वयक (19–21 जनवरी, 2022)।

विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में अकादमिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व पर तीन दिवसीय कार्यशाला–सह–अभिविन्यास कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों के लिए संसाधन व्यक्ति (19–21 जनवरी, 2022)।

10 फरवरी, 2022 को वर्ष 2018–19 और 2020–21 के लिए नवाचार पुरस्कार समारोह की आयोजन टीम के सदस्य।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित और संचालित

अवधारणा, सिद्धांतों, रूपों और शासन की उभरती प्रवृत्तियों का निष्पादन और कक्षाएं।

अन्य शैक्षणिक/व्यावसायिक योगदान

जेईपीए के लिए कॉम्प्रिहेंडिंग इक्विटी: कांटेक्स्टच्युलाइजिंग इंडिया'ज नॉर्थ ईस्ट, पुस्तक की समीक्षा।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

भारतीय राजनीति विज्ञान संघ, इप्सा (आईपीएसए) के आजीवन सदस्य।

वी. सुचरिता

प्रकाशन

कंपेडियम ऑफ इनोवेशंस एंड बैस्ट प्रैक्टिस इन एजुकेशन एडमिनिस्ट्रेशन, 2018–19 (प्रो. कुमार सुरेश के साथ)

कंपेडियम ऑफ इनोवेशंस एंड बैस्ट प्रैक्टिस इन एजुकेशन एडमिनिस्ट्रेशन, 2019–20 (प्रो. कुमार सुरेश के साथ)

आलेख प्रस्तुत

1–2 मार्च, 2022 को सामाजिक विकास परिषद, हैदराबाद द्वारा आयोजित ''कोविड –19 महामारी के कई पहलू'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन (ऑनलाइन) में ''कोविड –19 के दौरान शिक्षा: चुनौतियां और प्रभाव'' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

आभासी, 18–20 नवंबर, 2021 तक ''मूल्य शिक्षा और भावनात्मक शिक्षा: केविड–19 महामारी के दौरान और उसके बाद समग्र पाठ्यचर्या और स्कूली शिक्षा पर व्यापक प्रभाव'' विषय पर आयोजित चतुर्थ डब्ल्यूसीसीईएस संगोष्ठी में ''महामारी के समय में शिक्षा का पुनरीक्षण – परिवर्तन की प्रतिक्रिया और इसके प्रभाव'' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।

आयोजित कार्यक्रम

15–18 नवंबर, 2021 तक आरआईई भोपाल से एम.एड. छात्रों के लिए ऑनलाइन इंटर्नशिप आयोजित की।

जिला और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों के लिए (प्रो. कुमार सुरेश के साथ) शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों की जांच और मूल्यांकन।

10 फरवरी, 2022 को ऑनलाइन माध्यम से (प्रो. कुमार सुरेश के साथ) आयोजित एनएआईईए योजना (भाग बी) के पुरस्कार समारोह में भागीदारी।

जारी अनुसंधान परियोजनाएं

शैक्षिक प्रशासन में जिला एवं ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों की स्थिति, भूमिका एवं उत्तरदायित्व (प्रो. कुमार सुरेश के साथ)।

वेबिनारों में भागीदारी

10–11 सितंबर, 2021 को ऑनलाइन माध्यम से भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सीईएसआई) द्वारा आयोजित ''भारत में स्कूल की पसंद का समाजशास्त्र'' सम्मेलन में भागीदारी।

21–23 फरवरी, 2022 तक भारतीय राष्ट्रीय परिसंघ और मानवविज्ञानी अकादमी (आईएनसीएए) के सहयोग से मानव विज्ञान विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''भारत में मानव विज्ञान और जैव–सांस्कृतिक विविधताः पूर्वव्यापी और संभावना'' विषय पर भारतीय नृविज्ञान कांग्रेस 2022 में भाग लिया। उसी कांग्रेस में 23 फरवरी, 2022 को ''एनईपी 2020 के संदर्भ में आदिवासी शिक्षा और जैव–सांस्कृतिक विविधता'' पर गोलमेज चर्चा का आयोजन किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भागीदारी

14–19 मार्च, 2022 तक मानव संसाधन विकास केंद्र, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मिश्रित शिक्षण में शिक्षकों की क्षमता निर्माण पर एक सप्ताह का ऑनलाइन अल्पकालिक कार्यक्रम पूरा किया।

28 फरवरी से 5 मार्च, 2022 तक यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित ''जेंडर सेंसिटाइजेशन'' पर यूजीसी प्रायोजित ऑनलाइन अल्पकालिक कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

एंथ्रोपोस इंडिया फाउंडेशन (एआईएफ) द्वारा 16–17 अक्टूबर, 2021 को आयोजित नृवंशविज्ञान पर (2 दिन) ऑनलाइन पाठ्यक्रम में भाग लिया।

पर्यवेक्षण और मार्गदर्शनः

पीजीडेपा रिपोर्ट के लिए निम्नलिखित दो पीजीडेपा प्रतिभागियों का पर्यवेक्षण कियाः

अश्वनी कुमार के ''स्कूल प्रमुखों के बीच नौकरी की संतुष्टि – ब्लॉक धर्मशाला में सरकारी स्कूल प्रमुखों के संकाय पर अध्ययन'' शीर्षक का पर्यवेक्षण।

तखिइली फितू के ''मेलुरी–ब्लॉक, जिला–फेक, नागालैंड में मध्याह्न भोजन योजना के कार्यान्वयन'' शीर्षक का पर्यवेक्षण।

एम.फिल. स्कॉलर पंकज सरकार के ''स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार में निरीक्षण और पर्यवेक्षण – मालदा जिले, पश्चिम बंगाल में सरकारी स्कूलों का अध्ययन'' शीर्षक से शोध प्रबंध पर पर्यवेक्षण किया।

पीएच.डी. स्कॉलर बनश्री मंडल को उनके पीएच.डी. विषय ''विकलांग बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा में निगरानी तंत्रः पश्चिम बंगाल में अध्ययन'' का पर्यवेक्षण किया।

शिक्षण

शैक्षिक प्रशासन पर पीजीडीईपीए पाठ्यक्रम 904 के शिक्षण और पाठ्यक्रम समन्वयक।

तीन एम.फिल. पाठ्यक्रमोंः शैक्षिक प्रशासन (सीसी –7), गुणात्मक अनुसंधान विधियाँ (सीसी –5) और इक्विटी और बहुसांस्कृतिक शिक्षा (ओसी –7) में शिक्षण

समिति/बोर्डों में सदस्यता

नीपा, नई दिल्ली की अकादमिक परिषद के सदस्य

नीपा, नई दिल्ली के अध्ययन बोर्ड के सदस्य

एम.फिल./पी–एच.डी. कार्यक्रम में परीक्षा समिति के सदस्य

निविदा एवं मूल्यांकन समिति के सदस्य।

शैक्षिक वित्त विभाग

मोना खरे

प्रकाशन

पुस्तकें

''इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2020: एम्प्लॉयमेंट एंड एम्प्लॉयबिलिटी ऑफ हायर एजुकेशन ग्रेजुएट्स''। वर्गीज एन.वी., के साथ सह–संपादन, रूटलेज, सितंबर 2021।

लेख/पुस्तक अध्याय

प्रशिक्षण मॉड्यूल और रिपोर्ट

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 [एनईपी 2020] – कर्नाटक राज्य में बच्चों के लिए सार्वजनिक वित्त पर क्षमता निर्माण और अनुसंधान के रूप में कर्नाटक राज्य के बाल बजट में शैक्षिक विकास के लिए वित्तीय निहितार्थ, वित्तीय नीति संस्थान, बेंगलुरु, भारत (मार्च 2021)।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 [एनईपी 2020] – कर्नाटक राज्य में बच्चों के लिए सार्वजनिक वित्त पर क्षमता निर्माण और अनुसंधान के रूप में कर्नाटक राज्य के बाल बजट में शैक्षिक विकास के लिए वित्तीय निहितार्थ पर संक्षिप्त लेख, यूनिसेफ और वित्तीय नीति संस्थान, बेंगलुरु, भारत (दिसंबर) 2021)।

भारत, भविष्य के उद्योगों के लिए मानव संसाधन विकसित करने के लिए राष्ट्रीय रणनीति पर अध्ययन, एशिया उत्पादकता संगठन, टोक्यो, जापान (जून 2021)।

शिक्षा में निवेश – कॉमन गुडः प्रोजेक्ट के तहत प्रस्तुत किए गए स्थानांतरण या बहाव प्रतिमान नवउदारवाद बनाम राजनीतिक पूंजीवाद, वैश्विक निवेश – शिक्षा नीति की पुस्तिका (यूकेः एडवर्ड एल्गर प्रकाशन) के योगदानकर्ता लेखक के रूप में उच्च शिक्षा के लिए वित्त पोषण में प्रतिमान स्थानांतरण (यूकेः प्रकाशन) हांगकांग विश्वविद्यालय और मिनेसोटा विश्वविद्यालय (मार्च 2021)

'लैंगिक मुख्यधारा के प्रयासः मुद्दे और चुनौतियां' प्रशिक्षण मॉड्यूल में ''भारत में शिक्षा क्षेत्र जेंडर बजटिंग''। एफपीआई, वित्त विभाग और डब्ल्यूसीडी, कर्नाटक सरकार, बेंगलुरु।

संपादित पुस्तकों में अध्याय

एम्प्लायमेंट एंड एम्प्लायबिलिटी ऑफ हायर एजुकेशन ग्रेजुएटः एन ओवरव्यू वर्गीज एन.वी. और मोना खरे (संपा) इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2020: एम्प्लायमेंट एंड एम्प्लायबिलिटी ऑफ हायर एजुकेशन ग्रेजुएट, रूटलेज, 2021।

स्किल मिसमैच ऑफ हायर एजुकेशन ग्रेजुएट्स इन इंडियाः फैक्ट्र्स डिटरमिनिंग एम्प्लायबिलिटी कोसैंट, वर्गीज एन.वी. और मोना खरे (संपा) इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2020: एम्प्लायमेंट एंड एम्प्लायबिलिटी ऑफ हायर एजुकेशन ग्रेजुएट, रूटलेज, 2021।

जर्नल आलेख

इंडियाज एनईपी 2020 गोल ऑफ 6% जीडीपी ऑन एजुकेशनः अल्टरनेट स्कैनरिओ फॉर पोस्ट कोविड–19 पेंडामिक, आर्थिक चर्चा – वाल्यूम 6, नं. 2, 2021, एफपीआई, राजकोषीय नीति संस्थान, बेंगलुरु, भारत।

ट्रेंड एंड स्ट्रेटेजीज टूवार्ड्स इंटरनेशनलाइजेशन ऑफ हायर एजुकेशन इन इंडिया, (2021) फाइनेंसियल इंप्लीकेशन ऑफ नेशनल एजुकेशन पॉलिसी–2020: कॉल फॉर कलैटिव रिसपोंसिबिलिटी टूवार्ड्स इंवेस्टिंग इन द 'कॉमन गुड', युनिवर्सिटी न्यूज, वॉल्यूम. 59, संख्या 15, 12–18 अप्रैल, 2021, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली।

ट्रेंड एंड स्ट्रेटेजीज टूवार्ड्स इंटरनेशनलाइजेशन ऑफ हायर एजुकेशन इन इंडिया, (2021), इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्परेटिव एजुकेशन एंड डवलपमेंट, एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड, यूके जनवरी, 2020, डीओआई 10.1108/आईजेसीईडी–10–2020–0067।

अनुसंधान अध्ययनः पूर्ण और जारी अनुसंधान परियोजना

अंतरराष्ट्रीय

भविष्य के उद्योगों के लिए मानव संसाधन विकास हेतु राष्ट्रीय रणनीति पर अध्ययन, एशिया उत्पादकता संगठन, टोक्यो, जापान, समीक्षा का दूसरा दौर, मसौदा रिपोर्ट संशोधित और अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

भारतीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों में गुणवत्ता के विश्लेषण पर चल रहे क्वालइंडिया प्रोजेक्टः आईटीआई और पॉलिटेक्निक कॉलेज (क्वालइंडिया) कोलोन विश्वविद्यालय के साथ, अर्थशास्त्र और व्यावसायिक शिक्षा के अध्यक्ष, जर्मनी संघीय शिक्षा और अनुसंधान मंत्रालय, जर्मनी।

नवउदारवाद बनाम राजनीतिक पूंजीवाद, हांगकांग विश्वविद्यालय और मिनेसोटा विश्वविद्यालय के साथ हैंडबुक ऑफ एजुकेशन पॉलिसी के योगदानकर्ता लेखक के रूप में उच्च शिक्षा के लिए वित्तीय प्रतिमान को स्थानांतरित करना, (यूकेः एडवर्ड एल्गर पब्लिशिंग) अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

ऑक्सफोर्ड रिसर्च इनसाइक्लोपीडिया ऑफ एजुकेशन के लिए ''उच्च शिक्षा में महिला भागीदारी की लैंगिक संबंधी चिंताएं'' शीर्षक से आमंत्रित लेख।

राष्ट्रीय

उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों के लिए जेंडर रिस्पॉन्सिब बजटिंग पर संयुक्त राष्ट्र महिला के सहयोग से महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम में विशेषज्ञ।

शिक्षा मंत्रालय और यूजीसी द्वारा आयोजित एनईपी 2020 कार्यान्वयन ''पहुंच, गुणवत्ता और भविष्य की तैयारी'' पर क्षेत्रीय कार्यशाला में विशेषज्ञ।

यूनिसेफ के साथ साझेदारी में ''कर्नाटक राज्य में बच्चों के लिए सार्वजनिक वित्त पर क्षमता निर्माण और अनुसंधान'' परियोजना में वरिष्ठ सलाहकार, वित्तीय नीति संस्थान, बेंगलुरु, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर रिपोर्ट एनईपी 2020, – कर्नाटक राज्य के बाल बजट में शैक्षिक विकास के लिए वित्तीय प्रभाव। पहला मसौदा फरवरी 2021 में जमा किया गया। अंतिम रिपोर्ट मई 2021 में प्रस्तुत की गई।

वर्ष 2020–21 के लिए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के आदेश पर ग्रुप ए एंड बी कैडर के अधिकारियों के लिए 'लैंगिक बजट' पर राष्ट्रीय और कर्नाटक सरकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए प्रशिक्षण सामग्री विकास। ''भारत में शिक्षा क्षेत्र लैंगिक बजट'' शीर्षक वाले अध्याय ''लैंगिक मुख्यधारा प्रयासः मुद्दे और चुनौतियां'' विषय के साथ उनके प्रकाशन के लिए लेखक का योगदान

भारत में उच्च शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगारपरकता पर अध्ययन (सीपीआरएचई, नीपा)। पांच राज्यों की रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया गया। सिंथेसिस रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

अंतरराष्ट्रीय

5–7 अप्रैल, 2021 को जियामेन विश्वविद्यालय में 'मानव जाति के लिए साझा भविष्य के साथ समुदाय विकास को बढ़ावा देने वाले विश्वविद्यालय' जियामेन विश्वविद्यालय मानविकी और सामाजिक विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय मंच, उप–मंच द्वारा आमंत्रित किया।

'उच्चतर शिक्षा में महिला नेतृत्वः वैश्विक अवसर, चुनौतियां' पर वेबिनार के लिए आमंत्रित, लंदन, 6 जुलाई, 2021

राष्ट्रीय

27 अप्रैल, 2021 को 'इंडियाज एनईपी 2020ः न्यू ट्रैजेक्टरीज फॉर इंटरनेशनलाइजेशन' पर वेबिनार के लिए आमंत्रित।

27 सितंबर, 2021 को मानव संसाधन विकास केंद्र, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान के लिए आमंत्रित।

29 सितंबर, 2021 को उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों के लिए जेंडर बजटिंग इन

हायर एजुकेशन पर संयुक्त राष्ट्र महिला के सहयोग से महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित आभासी प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए आमंत्रित।

7–8 अक्टूबर, 2021 को मणिपाल सेंटर फॉर यूरोपियन स्टडीज, द्वारा आयोजित 'भारत–यूरोपीय संघ उच्च शिक्षा बैठकः सीमा पार शिक्षा में सीमा की पुनर्कल्पना' पर वेबिनार के लिए आमंत्रित।

15 सितंबर, 2021 को कार्यालय प्राचार्य, सरोजिनी नायडू शासकीय बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शिवाजी नगर, भोपाल द्वारा एम.फिल. निबंध पर ऑनलाइन परीक्षा आयोजित करने के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में आमंत्रित।

20–25 सितंबर, 2021 तक वीएनएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट, भोपाल द्वारा 'सतत विकास के लिए विपणन प्रबंधन' पर ऑनलाइन एआईसीटीई प्रायोजित अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने हेतु वेबिनार के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित।

20 सितंबर से 3 अक्टूबर तक यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'एनईपी–2020: उच्च शिक्षा में समानता और समावेशन में सुधार के रणनीतिक तरीके' पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए 'पुनरीक्षण, पुनर्कल्पना, पुनः कौशल और कायाकल्पः वाणिज्य और प्रबंधन शिक्षण और अनुसंधान' विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

21 सितंबर–5 अक्टूबर, 2021 से यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, डॉ हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित 'भारतीय अर्थव्यवस्था में समाज कल्याण नीति की भूमिका' पर दो सप्ताह के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

7–8 अक्टूबर, 2021 को मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन द्वारा आयोजित भारत–यूरोपीय संघ उच्च शिक्षा बैठकः सीमा पार शिक्षा में सीमा की पुनर्कल्पना पर वेबिनार के लिए आमंत्रित।

12 अक्टूबर, 2021 को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मुलताई, जिला बैतूल, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और रोजगारः चुनौतियां और अवसर'' पर राष्ट्रीय वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित।

30 अक्टूबर, 2021 को भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, मध्य प्रदेश द्वारा ''गरीबी, विकास और पर्यावरण के वैश्विक मुद्दे'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित।

15–27 नवंबर, 2021 तक यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी), राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित ''शैक्षिक नीतियों और सुधारों में पुनश्चर्या पाठ्यक्रमः नए परिप्रेक्ष्य (बहुविषयक)'' पर संसाधन व्यक्ति के रूप में आभासी बैठक के लिए आमंत्रित और 23 नवंबर, 2021 को ''उच्च शिक्षा में समानता और समावेशन में सुधार के रणनीतिक तरीके'' पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

24 नवंबर, 2021 को ''लैंगिक बजट'' आईडीईपीए कोर्स नंबर 207 पर वर्चुअल सत्र के लिए आमंत्रित।

14 दिसंबर, 2021 को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ और दिल्ली राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को शामिल करते हुए जोन 3, क्षेत्र–2 (आर 2) की एक कार्यशाला ''पहुंच, गुणवत्ता और भविष्य की तैयारी'' विषय पर एनईपी 2020 कार्यान्वयन पर आभासी बैठक के लिए आमंत्रित।

27–29 दिसंबर, 2021 को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर में भारतीय आर्थिक संघ के 104वें वार्षिक सम्मेलन में मुख्य वक्ता/संसाधन व्यक्ति के रूप में आभासी बैठक के लिए आमंत्रित।

5 फरवरी, 2022 को इंपैक्ट पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित आईएमपीआरआई वैबपॉलिस टॉक – शिक्षा और केन्द्रीय बजट पर पैनल चर्चा, 2022–23, श्रृंखला के भाग के रूप में शिक्षा की स्थिति –शिक्षा संवाद पर पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित।

16 फरवरी, 2022 को सेंटर फॉर बजट एंड गवर्नेंस एकाउंटेबिलिटी (सीबीजीए), नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'भारत में स्कूली शिक्षा के सार्वजनिक वितरण में

डिजिटलीकरणः लैंगिक कारक कैसे होता है? पर गोलमेज सम्मेलन पर वेबिनार के लिए आमंत्रित।

5 अप्रैल, 2022 को स्कूल ऑफ साइंसेज, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'व्यावसायिक शिक्षा, कौशल और रोजगार' पर एक वीडियो वार्ता देने के लिए आमंत्रित।

कार्यशालाओं/सम्मेलनों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

23 मार्च, 2022 को नीपा और एआईएमए द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित उच्च शैक्षणिक संस्थानों में उद्योग–अकादमिक संबंधों के सतत विकास विषय पर गोलमेज चर्चा।

सुमित कुमार का पीएच.डी. प्री–सबमिशन सेमिनार।

संजू चौधरी की मौखिक परीक्षा – पीजीडीईपीए निबंध।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान विकसित/संचालित प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम

निम्नलिखित शिक्षण पाठ्यक्रमों में शामिलः

विकसित पृष्ठभूमि/पठन सामग्री और संचालन सत्रः

एम.फिल.–पीएच.डी. – सीसी3, अनुसंधान पद्धति (समन्वित, संचालित और मूल्यांकन)।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा): शिक्षा में वित्तीय योजना और प्रबंधन पर आईडेपा पाठ्यक्रम संख्या 207 में कक्षाओं का संचालन।

नीपा, नई दिल्ली में शैक्षिक योजना और प्रशासन में राष्ट्रीय डिप्लोमा (डेपा और पीजीडेपा) शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) में प्रशिक्षण सामग्री विकसित और संचालित सत्र।

नीपा, नई दिल्ली में प्रशिक्षण सामग्री विकसित और संचालित पाठ्यक्रम संख्या 905: 'परियोजना कार्य और लेखन' शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) और शैक्षिक योजना और प्रशासन में अन्तर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) विकसित और संचालित किया।

एम.फिल./पीएच.डी./पीजीडेपा का अनुसंधान मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण

पीएच.डी. – सुमित कुमार (रिसर्च स्कॉलर) – ज्ञान आधारित उद्योगों के स्थानिक वितरण और भारत में उच्च शिक्षा के लिए प्रवास के बीच अंतर–संबंध। (शोध प्रबंध प्रस्तुत)।

पीएच.डी. – संध्या दुबे ''उच्च शिक्षा के वित्तपोषण में पहुंच और गुणवत्ता की गतिशीलता''। विश्लेषण और रिपोर्ट लेखन प्रगति पर है।

पीएच.डी. – सोनम अरोड़ा : प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया गया और कार्य प्रगति पर है।

पीएच.डी. – पारुल शर्मा : प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया गया है और कार्य प्रगति पर है।

पीएच.डी. – राज गौरव : सारांश प्रस्तुत किया। आगे परिष्कृत किया जा रहा है।

एम.फिल. – कारिका दास : शोध प्रबंध प्रस्तुत किया।

''दक्षिण सूडान में विज्ञान विषय में माध्यमिक छात्रों के प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले स्कूली कारक। दक्षिण सूडान के ओचनलिनो विक्टर ओविनी द्वारा ''सेन्ट्रल इक्वेटोरिया स्टेट में चुनिंदा सेकेंडरी स्कूलों का अध्ययन'', आईडेपा–XXXVI के प्रतिभागी का आइडेपा शोध निबंध प्रस्तुत किया गया।

पीजीडेपा निबंधः ''सरकारी मॉडल प्राइमरी स्कूल, तपोवन ब्लॉक–नरेंद्र नगर जिला–टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड के कामकाज और प्रदर्शन का अध्ययन'' पंकज उप्रेती, उप–शिक्षा अधिकारी, पीईएस, उत्तराखंड (अंतिम रूप से प्रस्तुत, मूल्यांकन और सम्मानित)।

संजू चौधरी द्वारा पीजीडेपा निबंधः ''स्कूलों के समग्र बाल विकास के केंद्र के रूप में: कोविड 19 के दौरान चुनौतियों का जवाब – राजस्थान में चुनिंदा सरकारी स्कूलों का अध्ययन''। सारांश और अध्याय योजना तथा विकास के तहत अनुसंधान उपकरणों को अंतिम रूप दिया गया। (शोध प्रबंध प्रस्तुत और मौखिक परीक्षा आयोजित)।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

सदस्यः 15वें वित्त आयोग, अवधि यानी 2020–21 से 2024–25 तक मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के लिए निधि की आवश्यकता का अनुमान तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समिति (शिक्षा क्षेत्र)

सदस्यः शिक्षा क्षेत्र में सेवा उत्पादन के सूचकांक पर उप–समिति, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, केंद्रीय सांख्यिकी संगठन, भारत सरकार।

राष्ट्रीय विशेषज्ञ और समन्वयक (भारत): भविष्य के लिए मानव संसाधन विकास पर परियोजना। एशिया उत्पादकता संगठन, टोक्यो, जापान ''भारत में भविष्य के उद्योग के लिए मानव संसाधन विकसित करने में राष्ट्रीय रणनीति'' (अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत)।

राष्ट्रीय विशेषज्ञ और समन्वयक (भारत): चयनित एशियाई देशों में उच्च शिक्षा अंतर्राष्ट्रीयकरण पर यूनेस्को, बैंकॉक–टोक्यो विश्वविद्यालय परियोजना। ''उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण – भारत का अध्ययन। फाइनल रिपोर्ट सौंपी।

सदस्य, बाल बजट विकास के लिए तकनीकी सलाहकार समिति, वित्तीय नीति संस्थान, कर्नाटक सरकार,

कोलोन विश्वविद्यालय, जर्मनी के साथ क्वालइंडिया परियोजना में प्रोजेक्ट पार्टनर।

आमंत्रित सदस्य, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, एनएलआईयू, गुजरात, भारत।

ऑक्सफोर्ड रिव्यू आफ एजुकेशन के लिए पांडुलिपि आईडी कोर–2019–0063 की समीक्षा, जून 2019

सूक्ष्मअर्थशास्त्र में अध्ययन और पांडुलिपि की समीक्षा 'पूर्वस्कूली के दीर्घकालिक प्रभावः सूक्ष्मअर्थशास्त्र में अध्ययन के लिए एनएलएसवाई से साक्ष्य, सेज प्रकाशन।

सेज, एमराल्ड, ऑक्सफोर्ड के लिए समीक्षा कार्य।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

अध्यक्ष, नीपा निवेश समिति

सदस्य, नीपा, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित, जेपा, संपादकीय बोर्ड

सदस्य, सचिव, एम.फिल./पी–एच.डी. प्रगति समीक्षा समिति

सदस्य, पर्यवेक्षकों के आवंटन के लिए समिति (सीएएस)

सदस्य, एम.फिल./पी–एच.डी. प्रवेश समिति (साक्षात्कार बोर्ड)

सदस्य, एम.फिल./पी–एच.डी. प्रवेश परीक्षा के लिए प्रश्न निर्धारण समिति

सदस्य, विभागीय सलाहकार समिति, उच्च शिक्षा विभाग

सदस्य, विभागीय सलाहकार समिति, शैक्षिक वित्त विभाग

सदस्य, एम.फिल. पाठ्यचर्या संशोधन और पुनर्गठन समिति

सूक्ष्मअर्थशास्त्र में अध्ययन के लिए समीक्षक, सेज प्रकाशन

लाइफ साइंस ग्लोबल, कनाडा के विशेष अंक के अतिथि संपादक

प्रबंधन और अर्थशास्त्र अनुसंधान जर्नल के लिए समीक्षक

सदस्य, परियोजना प्रशासनिक सहायक पद के लिए जांच समिति, नीपा

सदस्य, अनुसंधान समीक्षा समिति, नीपा।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सदस्यः अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी), राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (नोएडा) की स्थायी उप समिति।

सदस्य, विभागीय सलाहकार बोर्ड (डीएबी) योजना और निगरानी प्रभाग, एनसीईआरटी, नई दिल्ली

यूजीसी–मुक्त शिक्षा ब्यूरो में जयपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, जयपुर के डीई कार्यक्रम के लिए एसएलएम के मूल्यांकन विशेषज्ञ सदस्य।

स्प्रिंगर्स, सिंगापुर के लिए पुस्तक प्रस्ताव के समीक्षक।

संपादकीय सलाहकार बोर्डः हिमगिरी एजुकेशन रिव्यू" आईएसएसएन 2321–6336

पी–एच.डी. मूल्यांकन हेतु विभिन्न भारतीय विश्वविद्यालयों के लिए बाहरी परीक्षक

विभिन्न विश्वविद्यालयों और अन्य सरकारी निकायों के लिए चयन समिति सदस्य।

वेटुकुरी पी.एस. राजू

प्रकाशन

शोध पत्र/आलेखः

''एजुकेशन ऑफ द मासः ए क्वेस्ट फॉर इक्विटी एंड क्वालिटी स्पीच'' मार्च 2022 में भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी, द्वारा प्रकाशित।

'स्कूल और उच्च शिक्षा में व्यावसायिकता और कौशल विकास' एनईपी–2020 कार्यान्वयन रणनीतियाँ, नीपा संकाय, 2021 के साथ संयुक्त रूप से सदस्य

एनईपी–2020 कार्यान्वयन रणनीतियों की तैयारी हेतु 'राष्ट्रीय शिक्षा प्रौद्योगिकी मंच के संचालक' सदस्य, नीपा संकाय के साथ संयुक्त रूप से नीपा 2021 द्वारा प्रकाशित।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

अंतरराष्ट्रीय

17–19 दिसंबर, 2021 से 'कंपेरेटिव एजुकेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा कोविड–19 के समय में शिक्षा का मानचित्रण' पर 11वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ऑनलाइन) में ''स्कूली शिक्षा में छात्र–आधारित वित्तीय सहायता प्रणाली'' पर लेख प्रस्तुत किया।

कंपेरेटिव एजुकेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित अनुसंधान रूचि समूह–शैक्षिक नीति, योजना और प्रबंधन के तहत सेसी (सीईएसआई) सम्मेलन में पत्र प्रस्तुति करने के लिए अध्यक्ष।

28 मार्च से 1 अप्रैल, 2022 तक बी.एस. अब्दुर रहमान क्रिसेंट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, वंदुलुर, चेन्नई, तमिलनाडु के सहयोग से 45वीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस में 'जनसाधारण की शिक्षाः समानता और गुणवत्ता के लिए एक खोज' पर अध्यक्ष का भाषण।

24–25 मार्च, 2022 तक राजकीय महिला डिग्री महाविद्यालय, बेगमपेट, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'कोविड पश्चात उच्च शिक्षा में नए आयामः वैश्विक परिप्रेक्ष्य' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'भारत में उच्च शिक्षा के अवसरों तक पहुंच के लिए छात्र–आधारित वित्त पोषण' पर पत्र प्रस्तुत।

राष्ट्रीय

एनईपी 2020 वेबिनार, व्याख्यान श्रृंखला और पैनल चर्चा में भागीदारी

नीपा परिप्रेक्ष्य योजना के लिए कार्यान्वयन रणनीति तैयार करने के लिए फैकल्टी रिट्रीट–2021 में भागीदारी।

कार्यशालाओं/सम्मेलनों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

नीपा, नई दिल्ली में ''शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा'' के लिए शैक्षिक योजना पाठ्यक्रम के समन्वयक।

23 मार्च, 2022 को नीपा और एआईएमए द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'उच्च शिक्षण संस्थानों में उद्योग–अकादमिक संबंध विकसितः संबंध की निरंतरता और विकास' विषय पर गोलमेज चर्चा (प्रो मोना खरे के साथ)।

20–24 सितंबर, 2021 तक नीपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम' के लिए संसाधन व्यक्ति।

नीपा, नई दिल्ली में शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) में 'परियोजना कार्य और लेखन' पाठ्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति।

1–3 जुलाई, 2021 तक शिक्षक शिक्षा विंग, एससीईआरटी, जम्मू और कश्मीर द्वारा आयोजित 'प्रशिक्षण आवश्यकता विश्लेषण' पर संकाय विकास कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति (तीन सत्र)।

5–9 अक्टूबर, 2021 को शिक्षक शिक्षा विंग, एससीईआरटी, जम्मू और कश्मीर द्वारा 'प्रत्यक्ष प्रशिक्षक के कौशल और प्रशिक्षण के मूल्यांकन' पर संकाय विकास कार्यक्रम पर 5

दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति (दो सत्र)।

नीपा में एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम में शिक्षण।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित और संचालित

नीपा, नई दिल्ली में शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) में पाठ्यक्रम संख्या 903: 'शैक्षिक योजना' पर प्रशिक्षण सामग्री विकसित और संचालित

नीपा, नई दिल्ली में शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) में पाठ्यक्रम संख्या 905: 'परियोजना कार्य और लेखन' पर प्रशिक्षण सामग्री विकसित और संचालित।

5–9 अक्टूबर, 2021 तक शिक्षक शिक्षा विंग, एससीईआरटी, जम्मू क्षेत्र द्वारा आयोजित 'प्रत्यक्ष प्रशिक्षक के कौशल और प्रशिक्षण के मूल्यांकन' पर संकाय विकास कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षण सामग्री विकसित की गई।

1–3 जुलाई, 2021 से शिक्षक शिक्षा विंग, एससीईआरटी, जम्मू क्षेत्र द्वारा आयोजित 'प्रशिक्षण आवश्यकता विश्लेषण' पर संकाय विकास कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षण सामग्री विकसित की गई।

सार्वजनिक निकायों को परामर्शी और अकादमिक सहायता

शिक्षक शिक्षा विंग, एससीईआरटी, जम्मू क्षेत्र।

एडसिल (इंडिया) लिमिटेड

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा की आंशिक पूर्ति के लिए नरेश कुमार जांगिड़ द्वारा 'राजस्थान के बाड़मेर जिले में कोविड–19 के दौरान ''अधिगम कार्य के लिए सोशल मीडिया इंटरफेस का मूल्यांकन अध्ययन'' (एसएमआइएलई) शीर्षक पर अनुसंधान मार्गदर्शन।

नैक दस्तावेज के लिए विभागीय रिपोर्ट तैयार करना।

एम.फिल./पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा आयोजन समिति के सदस्य।

नैक समितियों (दो समितियों) के सदस्य।

नीपा डिजिटल अधिगम निगरानी कक्ष के सदस्य।

नरेश कुमार जांगिड़, पीजीडेपा प्रतिभागी की परियोजना कार्य रिपोर्ट और मौखिक परीक्षा का मूल्यांकन।

नीपा छात्रावास के वार्डन।

वित्त अधिकारी (आई/सी), नीपा।

एम.फिल./पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा के लिए निरीक्षक।

एम.फिल./पीएच.डी. अनुप्रयोगों के लिए जांच समिति के सदस्य।

शैक्षिक प्रशासकों के लिए नवोन्मेष पुरस्कारों की जांच समिति के सदस्य।

आपदा प्रबंधन समिति के सदस्य।

नीपा की विभिन्न प्रशासनिक समितियों के सदस्य।

कनिष्ठ सलाहकारों का चयन करने के लिए चयन समिति के सदस्य।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

संयुक्त सचिव एवं आजीवन सदस्य, कम्पेरेटिव एजुकेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली।

संयोजक, शैक्षिक नीति, योजना और प्रबंधन पर अनुसंधान रुचि समूह (सीईएसआई)।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी के सदस्य।

अध्यक्ष (बाहरी), शिक्षा अनुसंधान समिति, 45वीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस, भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी।

इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशनल प्लानिंग (आईआईईपी/यूनेस्को), पेरिस, फ्रांस के पूर्व छात्र सदस्य।

शैक्षिक नीति विभाग

अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशन

2021, अविनाश कुमार सिंह 'पुस्तक समीक्षाः विजन ऑफ एजुकेशन इन इंडिया' मुचकुंद दुबे और सुष्मिता मित्रा द्वारा सामाजिक विवाद, 4(1) 145–147.

2022, अविनाश कुमार सिंह और एस.के. मलिक, 'द ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट काउंसिल्स एंड डिसेंट्रलाइज्ड एजुकेशनल गवर्नेंस इन द नॉर्थ–ईस्टः चेंज एंड कॉन्टिन्यूइटी' पनाराजू, वल्ली (संपा.)। ''प्राब्लम एंड पर्सपैक्ट्स आफ सिक्स्थ शैड्यूलः टूवार्डस ट्राइब्स ऑटोनॉमी एंड गवर्नेंस' एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता (आईएसबीएनः 978–81–953428–4–6)।

2022, अविनाश कुमार सिंह 'एनईपी–2020: विजन एंड पाथवे', योजना, प्रमुख लेख वॉल्यूम–66, नंबर 02 पीपी। 9–12।

अनुसंधान पूर्ण और जारी

पूर्ण अनुसंधान

अविनाश कुमार सिंह और नीरू स्नेही, 2022, प्रतिष्ठित संस्थानों का तीसरा पक्ष मूल्यांकन योजनाः आईआईटी खड़गपुर, फरवरी–मार्च, यूजीसी द्वारा प्रायोजित।

अविनाश कुमार सिंह और नीरू स्नेही, 2022, तिष्ठित संस्थानों का तीसरा पक्ष मूल्यांकन योजनाः ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत, फरवरी–मार्च, यूजीसी द्वारा प्रायोजित।

जारी अनुसंधान

चुनिंदा राज्यों में निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 के तहत निजी स्कूलों में कमजोर वर्ग एवं वंचित समूहों के बच्चों के लिए 25 फीसदी सीटों के प्रावधान के क्रियान्वयन का अध्ययनः नीति एवं व्यवहार'

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

(राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

16 जून, 2021 को नीपा द्वारा आयोजित 'एम.फिल. लेखन कार्यशाला में डेटा विश्लेषण और रिपोर्ट लेखन में सिद्धान्तों और तथ्यों का मिश्रण पर भाषण दिया।

9 जुलाई, 2021 को नीपा द्वारा आयोजित 'एनईपी–2020 के कार्यान्वयन की समीक्षा' पर बैठक में भागीदारी।

20 जुलाई, 2021 को जीडी गोयनका विश्वविद्यालय, गुड़गांव द्वारा आयोजित 'उच्च शिक्षा में अनुसंधान और नवाचार' पर वेबिनार में भागीदारी।

30 जुलाई, 2021 को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020' पर ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यक्रम में एक सत्र की अध्यक्षता की।

10 अगस्त, 2021 को कंबोडिया में 'शैक्षिक प्रशासकों के लिए शिक्षा नीति का विकास' पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में भागीदारी।

18 अगस्त, 2021 को नीपा, नई दिल्ली में स्कूल और अनौपचारिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 'एनईपी–2020 में स्कूली शिक्षा में समानता और समावेश' पर वेबिनार में भागीदारी।

19 अगस्त, 2021 को नीपा द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020– चुनौतियां, संभावनाएं और मार्ग' पर वेबिनार में भागीदारी।

10 सितंबर, 2021 को स्कूल की पसंद के समाजशास्त्र पर सीईएसआई के रिसर्च इंटरेस्ट ग्रुप (आरआईजी) द्वारा आयोजित 'एनईपी–2020 के तहत स्कूल की पसंद की नीति और राजनीति' पर सत्र की अध्यक्षता की।

15 सितंबर, 2021 को नीपा द्वारा आयोजित 'एनईपी–2020: कार्यान्वयन के लिए रणनीतियाँ' पर संकाय विकास कार्यक्रम में भागीदारी।

20 सितंबर, 2021 को एससीईआरटी, रांची में आयोजित जेसीईआरटी ईसी बैठक में एक विशेषज्ञ और नीपा प्रतिनिधि के रूप में भागीदारी।

6 अक्टूबर, 2021 को नीपा द्वारा आयोजित 'एनईपी–2020: कार्यान्वयन के लिए रणनीतियाँ' पर संकाय विकास कार्यक्रम में भागीदारी।

26–27 अक्टूबर, 2021 को नीपा द्वारा आयोजित 'शैक्षिक प्रशासन में राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए नवाचारों के मूल्यांकन' में विशेषज्ञ के रूप में भीदारी।

2 फरवरी, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी, जेएनयू द्वारा आयोजित 'शिक्षक शिक्षा में 5वें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम' पर वेबिनार में भाग लिया।

3 मार्च, 2022 को उच्च और व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा द्वारा आयोजित 'अनुसंधान विश्वविद्यालयों में अग्रणी भूमिका' पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय आभासी वेबिनार की अध्यक्षता की।

8 मार्च, 2021 को नीपा द्वारा आयोजित 'आपदा प्रबंधन' पर संगोष्ठी में भागीदारी।

9 मार्च, 2022 को एनईपी–2020 के लिए सार्थक के टास्क 295 के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक में भागीदारी।

23 मार्च, 2022 को नेशनल सेंटर फॉर स्कूल लीडरशिप (एनसीएसएल), नीपा द्वारा आयोजित 'इक्विटी पर केंद्रण वाले स्कूलों में विविधता और समावेशन' पर वेबिनार में भागीदारी।

कार्यशाला / सम्मेलन / प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

11–14 जनवरी, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में ''आरटीई के तहत वंचित और कमजोर वर्गों की शिक्षा: नीतिगत मुद्दे और कार्यक्रम हस्तक्षेप'' पर उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया।

22–24 सितंबर, 2021 को नीपा, नई दिल्ली में ''पूर्वोत्तर राज्यों में प्रारंभिक शिक्षा के प्रबंधन में संविधान की छठी अनुसूची के तहत स्थानीय प्राधिकरण और स्वायत्त जिला परिषदों के कामकाज'' पर ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यशाला का आयोजन किया।

2 अक्टूबर, 2021 को ''गांधीवादी शैक्षिक विचारों और प्रयोगों की प्रासंगिकता'' पर ऑनलाइन वीडियो वृत्तचित्र प्रदर्शन का आयोजन किया गया।

11 नवंबर, 2021 (राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के उपलक्ष्य में) (ऑनलाइन) डॉ अबुसलेह शरीफ द्वारा दिया गया ''भारत में शिक्षा के उच्च स्तर में पीढ़ीगत और अंतर–क्षेत्रीय अंतर'' पर 12वें मौलाना आजाद स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्रशिक्षण सामग्री विकसित / प्रस्तुत

संशोधित एम.फिल. / पीएच.डी. पाठ्यक्रम दिशानिर्देश, नीपा।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

4–6 अक्टूबर, 2021 को यूपी उच्च शिक्षा सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा आयोजित बीएड कार्यक्रमों के लिए सहायक प्रोफेसर के चयन में एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में भागीदारी।

17 जनवरी, 2022 को एनसीईआरटी, नई दिल्ली में विशेष आवश्यकता वाले समूहों के शिक्षा विभाग (डीईजीएसएन) के विभागीय सलाहकार बोर्ड की बैठक में बाहरी विशेषज्ञ के रूप में भागीदारी।

इंटर–यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर (आईयूएसी), नई दिल्ली में एनएचईक्यूएफ विकसित करने के लिए यूजीसी विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में भागीदारी।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

एम.फिल. और डिप्लोमा कार्यक्रमों में पाठ्यक्रम शिक्षण

एम.फिल. अनिवार्य पाठ्यक्रम सीसी1: 'शिक्षा पर परिप्रेक्ष्य'

वैकल्पिक पाठ्यक्रम ओसी–7: 'समानता और बहुसांस्कृतिक शिक्षा'।

अनिवार्य पाठ्यक्रम 902: भारतीय शिक्षा: एक परिप्रेक्ष्य, शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) कार्यक्रम।

पीएच.डी. स्कॉलर्स को मार्गदर्शन

लबोनी दास, पीएच.डी. स्कॉलर (अंशकालिक) को उनके अध्ययन 'सामाजिक न्याय और स्थानीय शासन में प्राथमिक शिक्षा में वंचित समूहों की भागीदारी' में मार्गदर्शन प्रदान किया (जारी)।

नीलांजना मोइत्रा, पीएच.डी. विद्वान, को उनके (जारी) अध्ययन 'झारखंड, के क्षेत्रों में 5वीं अनुसूची जनजातीय एजेंसी और उच्च शैक्षिक शासन पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

डालसी गंगमेई, पीएच.डी. विद्वान, को उनके अध्ययन 'उच्च शिक्षा में पहचान और भागीदारी: दिल्ली के चयनित शैक्षणिक संस्थानों में पूर्वोत्तर जातीय अल्पसंख्यक छात्रों का अध्ययन' (जारी) में मार्गदर्शन प्रदान किया।

पीएच.डी. विद्वान बागेश कुमार को उनके अध्ययन 'उच्च शिक्षा में पहचान प्रवचन: दलित–बहुजन छात्र संगठनों का अध्ययन'' (जारी) में मार्गदर्शन प्रदान किया।

वंदना तिवारी, पीएच.डी. स्कॉलर को उनके अध्ययन 'कक्षा, भाषा और शैक्षिक प्राप्ति: दिल्ली में चयनित निजी गैर–सहायता प्राप्त स्कूलों में आरटीई अधिनियम के तहत ईडब्ल्युएस श्रेणी के छात्रों का अध्ययन' (जारी) में मार्गदर्शन प्रदान किया।

टीना ठाकुर, पीएच.डी. स्कॉलर को उनके अध्ययन 'कुलीन शिक्षा, वर्ग विशेषाधिकार और वैश्वीकरण: भारत में अन्तर्राष्ट्रीय स्कूलों का अध्ययन (जारी) में मार्गदर्शन प्रदान किया।

जमशेद अहमद, एम.फिल. विद्वान, को उनके अध्ययन 'मदरसों में आधुनिक शिक्षा: दिल्ली में चयनित मदरसों का अध्ययन' (निबंध प्रस्तुत) में मार्गदर्शन प्रदान किया।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

अध्यक्ष, अनुदान सहायता योजना, एमएचआरडी, भारत सरकार, नई दिल्ली 2015 से 7 वर्षों से अधिक के लिए।

सदस्य, भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सीईएसआई)।

सदस्य, आदिवासी और स्वदेशी अध्ययन जर्नल (जेएआईएस) संपादकीय सलाहकार बोर्ड।

सदस्य, वैश्विक विश्वविद्यालय के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) के सुदृढ़ीकरण के लिए समिति।

सदस्य, विभागीय सलाहकार बोर्ड, विशेष आवश्यकता समूह शिक्षा विभाग (डीईजीएसएन), एनसीईआरटी, नई दिल्ली।

सदस्य, एनएचईक्यूएफ विकसित करने के लिए विशेषज्ञ समिति, यूजीसी, नई दिल्ली ।

नीपा में अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक गतिविधियाँ

अध्यक्ष, अनुसंधान और प्रकाशन समीक्षा समिति, नीपा।

परीक्षा नियंत्रक, नीपा।

अध्यक्ष, एम.फिल./पीएच.डी, के लिए पर्यवेक्षकों के आवंटन के लिए समिति, नीपा ।

संपादक, जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (जेपा)।

सदस्य, प्रबंधन बोर्ड, नीपा।

सदस्य, अध्ययन बोर्ड, नीपा।

सदस्य, अकादमिक परिषद, नीपा।

वीरा गुप्ता

प्रकाशन

सतत विकास के लिए नेतृत्व पथ परः ''मैं समावेशी कक्षा कैसे बनाऊं'' पर मॉड्यूल स्कूल प्रमुखों के लिए स्व–निर्देशात्मक मॉड्यूल का एक पैकेज, राष्ट्रीय स्कूल नेतृत्व केंद्र, नीपा।

सतत विकास के लिए नेतृत्व पथ में ''विकलांग बच्चों के लिए राष्ट्रीय स्तर की समावेशी शिक्षा नीतियां'' पर मॉड्यूलः स्कूल प्रमुखों के लिए स्व–निर्देशात्मक मॉड्यूल का एक पैकेज, राष्ट्रीय स्कूल नेतृत्व केंद्र, नीपा।

''एसएलडी और एएसडी वाले बच्चों सहित'' एनसीईआरटी के शिक्षक प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण पैकेज।

यूनेस्को, व्हिस्पर और एनसीपीईडीपी द्वारा प्रायोजित स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के रूप में विकलांग बालिकाओं और युवा महिलाओं के लिए यौवन शिक्षा पर शिक्षण अधिगम संसाधन सामग्री (मॉड्यूल) (2022) तैयार और विकसित की गई।

एनईपी 2020 कार्यान्वयन रणनीतिक योजना, नीपा

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्रकाशित शोध पत्र/आलेख

गुप्ता, वीरा ''कमेंटरी ऑन द एजुकेशनल प्लानिंगः ड्रॉपआउट सीडब्ल्यूएसएन एंड एसएलडी चिल्ड्रेन इन इंडिया'' कला सामाजिक विज्ञान जे, 12 (2021): 002., आईएसएसएनः 2151–6200।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान मंडल प्रशिक्षण केंद्र, पंचकूला द्वारा आयोजित हरियाणा के नियमित एवं विशेष शिक्षकों के लिए प्रशिक्षक, (12 सत्रों) का प्रशिक्षण कार्यक्रम

5 जून, 2021 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा एनईपी–2020 के अनुसरण में शिक्षक शिक्षा के लिए पाठ्यचर्या का पुनर्निर्माणः चिंताएं और भविष्य की संभावनाएं, स्कूल शिक्षकों की तैयारी के लिए पाठ्यक्रम, और एनईपी–2020 के डिकोडिंग विजन पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में भागीदारी

17 अगस्त –1 सितंबर, 2021 तक ईश्वर सरन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, इलाहाबाद, के संकाय विकास केन्द्र (पीएमएमएमएनएमटीटी, एमएचआरडी, और भारत सरकार की योजना के तहत) 'मानविकी सामाजिक विज्ञान में शिक्षण और अनुसंधान के बदलते रुझान और नवाचार' विषय पर पंद्रह दिवसीय ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन किया।

19 जनवरी, 2022 को दिल्ली पब्लिक स्कूल सोसाइटी के मानव संसाधन केंद्र द्वारा 'समावेशी शिक्षा' पर स्कूल के प्रधानाचार्यों के लिए आयोजित वेबिनार में वक्ता।

11–14 जनवरी, 2022 को आयोजित ''प्राथमिक स्तर पर वंचित बच्चों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की शिक्षाः नीतिगत मुद्दे और कार्यक्रम'' पर ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यशाला में आरटीई अधिनियम के 12(1) सी के कार्यान्वयन पर राज्य प्रस्तुति सत्र की अध्यक्षता

20 जनवरी, –4 फरवरी, 2022 तक संकाय विकास केन्द्र ईश्वर सरन कॉलेज द्वारा (पीएमएमएमएनएमटीटी, शिक्षा मंत्रालय और भारत सरकार की योजना के तहत) आयोजित 20 जनवरी, 2022 को 'अकादमिक लेखन, अनुसंधान पद्धति और अनुसंधान नैतिकता' शीर्षक वाले ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष और सम्मानित अतिथि) ईश्वर सरन कॉलेज।

24–25 जुलाई, 2021 को यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कर्नाटक यूनिवर्सिटी, धारवाड़, कर्नाटक, भारत द्वारा नॉर्थ–ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (एनईएचयू), शिलांग, मेघालय, भारत और स्कूल ऑफ एजुकेशन, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र, भारत के सहयोग से आयोजित ''शिक्षक शिक्षा–प्रतिमान बदलावः एनईपी 2020 में चुनौतियां और वैश्विक परिप्रेक्ष्य'' पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में मुख्य वक्ता।

विशिष्ट अधिगम की अक्षमता वाले बच्चों पर प्रशिक्षण पैकेज पर एनसीईआरटी द्वारा आयोजित पांच क्षेत्रीय कार्यशालाओं (15 सत्र) में संसाधन व्यक्ति।

14–16 मार्च, 2022 तक स्टाफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ डिस्टेंस एजुकेशन (स्ट्राइड) के कार्यक्रम में 'एनईपी 2020: समान और समावेशी शिक्षा का प्रावधान' पर अध्यक्ष ''एनईपी 2020: विकलांग और शैक्षिक अवसर वाले व्यक्ति पर एक प्रशिक्षण–सह–कार्यशाला का आयोजन किया।

2 दिसंबर, 2021 को एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय विकलांगता दिवस पर राष्ट्रीय चैनल पर अध्यक्ष।

रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान विकसित प्रशिक्षण सामग्री

सतत विकास के लिए नेतृत्व पथ पर ''मैं समावेशी कक्षा कैसे बनाऊं'' पर मॉड्यूल: स्कूल प्रमुखों के लिए स्व–निर्देशात्मक मॉड्यूल का एक पैकेज, राष्ट्रीय स्कूल नेतृत्व केंद्र, नीपा।

सतत विकास के लिए नेतृत्व पथ में ''विकलांग बच्चों के लिए राष्ट्रीय स्तर की समावेशी शिक्षा नीतियां'' पर मॉड्यूल: स्कूल प्रमुखों के लिए स्व–निर्देशात्मक मॉड्यूल का एक पैकेज, राष्ट्रीय स्कूल नेतृत्व केंद्र, नीपा।

''एसएलडी और एएसडी वाले बच्चों सहित'' एनसीईआरटी के शिक्षक प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण पैकेज।

यूनेस्को, व्हिस्पर और एनसीपीईडीपी द्वारा प्रायोजित स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के रूप में विकलांग बालिकाओं और युवा महिलाओं के लिए यौवन शिक्षा पर शिक्षण अधिगम संसाधन सामग्री (मॉड्यूल) (2022) तैयार और विकसित की गई।

व्याख्यान दिये

हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान मंडल प्रशिक्षण केंद्र, पंचकूला द्वारा आयोजित हरियाणा के नियमित एवं विशेष शिक्षकों के लिए प्रशिक्षक, (12 सत्रों) का प्रशिक्षण कार्यक्रम

विशिष्ट अधिगम की अक्षमता वाले बच्चों पर प्रशिक्षण पैकेज पर एनसीईआरटी द्वारा आयोजित पांच क्षेत्रीय कार्यशालाओं (15 सत्र) में संसाधन व्यक्ति।

अनुसंधान के लिए पर्यवेक्षक

पीएच.डी. छात्रा संगीता डे का शोध विषय 'मध्याह्न भोजन कार्यक्रम का नीतिगत विश्लेषण' का पर्यवेक्षण।

पीएच.डी. छात्र, दीपिन्दर सेखों का शोध विषय 'समग्र विकास के ढ़ांचे में विकलांग बच्चों के समावेशी शिक्षा के लिए नीतिगत दस्तावेजों का विश्लेषण'' का पर्यवेक्षण

पीएच.डी. छात्रा सुश्री निवेदिता साहनी के शोध प्रबंध "विशिष्ट अधिगम की अक्षमता (एसएलडी) के साथ और बिना विशिष्ट अधिगम की अक्षमता वाले बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रभाव का अध्ययन'' का पर्यवेक्षण।

एम.फिल. छात्रा, सुश्री प्रीति शर्मा के शोध प्रबंध विषय ''श्रवण बाधित छात्रों के लिए स्कूली शिक्षा में समावेशिता का आकलन: हरियाणा में क्षेत्रीय अध्ययन'' की आंतरिक मूल्यांकन रिपोर्ट का पर्यवेक्षण

पीएच.डी. छात्रा सुश्री प्रीति शर्मा के शोध विषय ''माध्यमिक स्तर पर हरियाणा के मुख्यधारा के स्कूलों में विकलांग बच्चों के लिए अधिकार आधारित समावेशी शिक्षा के लिए सामाजिक–आर्थिक बाधाएं: एक अनुभवजन्य अध्ययन'' का पर्यवेक्षण

एम.फिल. छात्रा सुश्री बनश्री मंडल, का शोध विषय ''निगरानी तंत्र की स्थिति विकलांग बच्चों की समावेशी शिक्षा की प्रभावशीलता में सुधार'' का पर्यवेक्षण

एम.फिल. छात्र नायब परवीन का शोध शीर्षक, ''उच्च शिक्षा संस्थानों के अंदर विकलांग छात्रों के पहुंच और अक्षमता'' का पर्यवेक्षण।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्शी और अकादमिक सहायता

जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली

डीईआई, दयालबाग, आगरा

शिक्षा मंत्रालय

एनसीईआरटी

संघ लोक सेवा आयोग

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

आरसीआई पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम विकसित किया।

नम्रता सिंह डीईआई, दयालबाग आगरा के पीएच.डी. थीसिस के बाहरी परीक्षक।

नवरचना विश्वविद्यालय के ऑनलाइन प्रकाशन, ''इंटरवॉवन'' के लिए शीर्षक ''भारत में कोरोना वायरस महामारी के कारण लॉकडाउन में निजी स्कूल के शिक्षकों के सम्मुख समस्याएं'' पांडुलिपि के समीक्षक।

6 अप्रैल, 2021 को शिक्षक प्रशिक्षण और अनौपचारिक शिक्षा विभाग (आईएएसई), शिक्षा संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली की रुचिरा गुगलानी की मौखिक परीक्षा ''दिल्ली की सड़कों पर रहने वाले बच्चों की शिक्षा पर आरटीई अधिनियम 2010 के प्रभाव का अध्ययन'' शीर्षक पर थी।

डीईआई एफओईआरएए जर्नल के लिए पांडुलिपि की समीक्षा।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

डॉ. नरेश कुमार को आवंटित कार्यालय कक्ष संख्या 213 के उद्घाटन समिति के सदस्य।

एम.फिल. 2021–22 की लिखित परीक्षा आयोजित करने वाली समिति के अध्यक्ष।

स्कूली छात्रों के लिए जांच सूची, एनसीईआरटी की परियोजना।

जामिया मिलिया इस्लामिया, केन्द्रीय अनुसंधान केन्द्र, सरोजिनी नायडू महिला अध्ययन केन्द्र में तीन साल के लिए बाहरी सदस्य।

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय द्वारा तैयार विकलांग व्यक्तियों के लिए सुलभता मानक दिशानिर्देशों का मूल्यांकन करने के लिए समिति के सदस्य।

एसएनसीडब्ल्यूएस, जेएमआई की चयन समिति के सदस्य।

स्कूल परिसरों/समूहों के माध्यम से कुशल संसाधन और प्रभावी शासन राष्ट्रीय शिक्षक संसाधन भंडार (एनटीआरआर) के नोडल अधिकारी।

डीईआई, आगरा के अनुसंधान डिग्री समिति के सदस्य।

11–20 फरवरी, 2022 यूपीएससी, गोपनीय कार्य।

मनीषा प्रियम

प्रकाशन

2022: प्रियम, एम. (संपा) रिक्लेमिंग पब्लिक युनिवर्सिटीज: कंपरेटिव रिफ्लेक्शंस फॉर रिफार्म्स, रूटलेज।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्रकाशित शोध पत्र/आलेख

2022: ''वैश्वीकरणके युग में शैक्षिक सुधार: चर्चा क्या शिक्षक विहीन रहेगी?'', हिंदी में, परिप्रेक्ष्य, वॉल्यूम 25, अंक 3, दिसंबर 2018 (जनवरी 2022 में प्रकाशित)।

2022: सम्पादकीय, हिंदी में, परिप्रेक्ष्य, वॉल्यूम 25, अंक 3, दिसंबर 2018 (जनवरी 2022 में प्रकाशित)।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

(राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

19–20 नवंबर, 2021: सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय द्वारा अकादमिक लेखन और प्रकाशन पर कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति।

26 फरवरी, 2022: अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ जियोग्राफर्स–2022 में पत्र प्रस्तुत। जिसका शीर्षक: ''सीमाएँ और संबंध: पटना विश्वविद्यालय परिसर में मुस्लिम युवाओं के विभिन्न जीवन'' पैनल अध्यक्ष प्रोफेसर क्रेग जेफरी, मेलबर्न विश्वविद्यालय।

कार्यशाला/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

21–22 मार्च, 2022 को केरल विश्वविद्यालय में आयोजित ''स्वायत्तता और अकादमिक स्वतंत्रता: वैश्विक दक्षिण से परिप्रेक्ष्य'' पर दो दिवसीय सम्मेलन।

11 अगस्त, 2021 को डॉ. के. कस्तूरीरंगन द्वारा ''उदार शिक्षा – 21वीं सदी की अनिवार्यता'' पर स्थापना दिवस व्याख्यान।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्रशिक्षण सामग्री विकसित/प्रस्तुत

मार्च 2022: सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में स्वायत्तता पर सम्मेलन के लिए अवधारणा नोट।

फरवरी 2022: बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के लिए प्रतिष्ठित संस्थानों के मूल्यांकन रिपोर्ट।

फरवरी 2022: प्रतिष्ठित संस्थानों के मूल्यांकन रिपोर्ट।

फरवरी 2022: शिव नादर विश्वविद्यालय और हैदराबाद विश्वविद्यालय के लिए प्रतिष्ठित संस्थानों के मूल्यांकन रिपोर्ट। यूजीसी के लिए नीपा की रिपोर्ट।

व्याख्यान दिये

अगस्त 2021: नई शिक्षा नीति, 2020 पर विशेष पैनल प्रस्तुति, ऑस्ट्रेलिया भारत संस्थान।

13–17 सितंबर, 2021 के दौरान आयोजित 15 सितंबर, 2021 को आईसीटी विभाग और उच्च शिक्षा विभाग के बहुविषयक शिक्षा, संकाय विकास कार्यक्रम पर व्याख्यान। कार्यक्रम का शीर्षक: ''एनईपी 2020: कार्यान्वयन के लिए रणनीतियाँ''।

12 मार्च, 2022 को कोविड के बाद की स्थिति में औपनिवेशिक दुनिया में शिक्षा पर उच्च और व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा कार्यक्रम में ''सीमाएँ और संबंध: पटना विश्वविद्यालय परिसर में युवाओं के विभिन्न जीवन'' विषय पर व्याख्यान।

अनुसंधान के लिए पर्यवेक्षक

नीपा, पीएच.डी. छात्र अरोकिया मैरी का पर्यवेक्षण

नीपा, पीएच.डी. छात्र वाजदा तबस्सुम का पर्यवेक्षण

दिल्ली विश्वविद्यालय के पीएच.डी. छात्र दीपशिखा भदौरिया का सह–पर्यवेक्षण

दिल्ली विश्वविद्यालय के पीएच.डी. छात्र दीपिका हांडा, का सह–पर्यवेक्षण

नीपा, एम.फिल. छात्र रूही मार्ने का पर्यवेक्षण।

नीपा, एमफिल छात्र त्यागराजन का पर्यवेक्षण।

नीपा, एम.फिल. छात्र अंजीता सिंह का पर्यवेक्षण।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

25 फरवरी, 2022 को अनुसंधान मूल्यांकन समिति, महिला एवं बाल विकास विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के सदस्य के रूप में अनुसंधान रिपोर्ट और इंटर्नशिप के मूल्यांकन के लिए मानदंड स्थापित करना।

27 जनवरी, 2022 को बजट गोष्ठी, वित्त विभाग, झारखंड सरकार के शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र के बजट पर चर्चा में योगदान।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

सुधीर प्रताप सिंह, प्रबंधन विकास संस्थान के पीएच.डी. शोध प्रबंध के लिए बाहरी परीक्षक।

आष्टी सलमान, सीएसएसएस, जेएनयू के पीएच.डी. शोध प्रबंध के लिए बाहरी परीक्षक।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की तीन परियोजनाओं के लिए बाहरी समीक्षक।

शीर्षक ''भारतीय उच्च शिक्षा में बेहतर महिला भागीदारी की लैंगिक चिंताएं'' आलेख का शिक्षा के ऑक्सफोर्ड ग्लोबल इनसाइक्लोपीडिया के लिए पांडुलिपि समीक्षा।

रूटलेज पुस्तक प्रस्ताव के लिए पांडुलिपि समीक्षा।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सदस्य, लैंगिक बजट पर व्यापक आधारित समिति, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार

सदस्य, राष्ट्रीय लिंग संसाधन केंद्र, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, भारत सरकार, मसूरी।

लैंगिक और सामाजिक विकास पर आमंत्रित शिक्षण संकाय, भारत तकनीकी और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, भारत सरकार, मसूरी।

सदस्य, अनुसंधान मूल्यांकन समिति, महिला एवं बाल विकास विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली

संपादक परिप्रेक्ष्य, नीपा का हिन्दी जर्नल

एस.के. मलिक

प्रकाशन

2021: 'द ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट काउंसिल्स एंड डिसेंट्रीलाइज्ड एजुकेशनल गवर्नेंस इन द नॉर्थ–ईस्ट: चेंज एंड कंटीन्यूटी' में 'प्राब्लम एंड प्रॉसपैक्ट्स ऑफ सिक्स्थ शेड्यूल: टूवड्र्स ट्राइब्स ऑटोनॉमी एंड गवर्नेंस' एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता

अनुसंधान पूर्ण और जारी

जारी अनुसंधान

ओडिशा में माध्यमिक स्तर पर अनुसूचित जाति के बच्चों की छात्रवृत्ति योजना और शैक्षिक गतिशीलता का अध्ययन

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

(राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

11 अगस्त, 2021 को 'नीपा स्थापना दिवस व्याख्यान' में (ऑनलाइन) भागीदारी।

11 नवंबर, 2021 को 'राष्ट्रीय शिक्षा दिवस व्याख्यान' में (ऑनलाइन) भागीदारी।

30 नवंबर, 2021 को 'उच्च शिक्षा के वित्तपोषण पर परामर्शी बैठक–सह–राष्ट्रीय संगोष्ठी' में (ऑनलाइन) भागीदारी।

6 दिसंबर 2021 को 'स्कूल प्रबंधन समिति: भारत में शिक्षा में मुक्त सरकार की ओर कदम' पर ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

10 दिसंबर, 2021 को संकाय और स्टाफ रिट्रीट में भागीदारी।

10 फरवरी, 2022 को 'शैक्षिक प्रशासन में नवाचार और नवोन्मेष के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार' पर ऑनलाइन कार्यक्रम में भागीदारी।

16–17 मार्च, 2022 को 'राज्य उच्च शिक्षा परिषदों पर परामर्शी बैठक' (ऑनलाइन) भागीदारी।

कार्यशाला/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

पूर्वोत्तर राज्यों में प्रारंभिक शिक्षा के प्रबंधन में संविधान की छठी अनुसूची के तहत स्थानीय प्राधिकरण और स्वायत्त जिला परिषदों के कामकाज पर ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यशाला (नीपा, नई दिल्ली: 22–24 सितंबर, 2021)।

10–14 जनवरी, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में 'आरटीई के तहत वंचित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की शिक्षा: नीतिगत मुद्दे और कार्यक्रम हस्तक्षेप' पर ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यशाला।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्रस्तुत/विकसित प्रशिक्षण सामग्री

परियोजना कार्य के लिए ग्रंथ सूची/संदर्भ कैसे तैयार करें?

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (नीपा जर्नल) को संपादकीय अनुसमर्थन

पाठ्यक्रम प्रभारी: प्रतिभागियों की संगोष्ठी

1. पीजीडेपा

2. आईडेपा

आईडेपा प्रतिभागी – 1 को मार्गदर्शन

पीजीडेपा प्रतिभागी– 1 को मार्गदर्शन

एम.फिल./पीएच.डी. वैकल्पिक पाठ्यक्रम सं. 05 (शिक्षा में सामुदायिक भागीदारी और स्थानीय प्रशासन) में अध्यापन,

प्रशिक्षण कार्यक्रम और अनुसंधान समूह के सदस्य

एम.फिल./पीएच.डी. पाठ्यक्रम के सदस्य

एम.फिल./पी–एच.डी. में दाखिला के लिए जांच समिति के सदस्य।

निविदा खोलने वाली समिति के अध्यक्ष

योगा समिति के सदस्य

शिकायत निवारण समिति के सदस्य

शैक्षिक योजना और प्रशासन संघ के सदस्य।

विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग

प्रणति पंडा

प्रकाशन

संपादक, यूनेस्को स्टेट ऑफ द एजुकेशन रिपोर्ट फॉर इंडिया (2021), 'नो टीचर नो क्लास', यूनेस्को, नई दिल्ली।

सिचुएशनल अनालिसिस ऑन द यूजेज ऑफ फ्रंटियर टेक्नोलॉजीज इन टीचिंग एंड लर्निंग इन प्राइमरी एंड सेकण्डरी एजुकेशन (2022), यूनेस्को, बैंकॉक।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

अंतरराष्ट्रीय

21 मई, 2021 को यूनेस्को, नई दिल्ली में ''यूनेस्को की 2021 की शिक्षा रिपोर्ट की स्थिति'' पर दूसरी संपादकीय बोर्ड बैठक में व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं का समन्वय और आयोजन

'एनईपी–2020 से जुड़े शाला सिद्धि कार्यक्रम के 100 प्रतिशत कवरेज की शुरुआत पर आयोजित वेबिनार' का समन्वय और आयोजन किया और 'शाला सिद्धि कार्यक्रम की प्रगति और उपलब्धि' पर एक व्याख्यान दिया, 16 अप्रैल, 2021, नीपा, नई दिल्ली।

21 फरवरी, 2022, को नीपा, नई दिल्ली में 'भारतीय शिक्षकः व्यावसायिक मानक, प्रबंधन और जवाबदेही', पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार के समन्वयक और वक्ता।

6 अगस्त, 2021, नीपा, नई दिल्ली में 'कोविड –19 महामारी और अधिगम निरंतरता के लिए राज्य प्रतिक्रियाएं' पर आयोजित वेबिनार में समन्वय, आयोजन और व्याख्यान दिया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

23–24 मार्च, 2022, प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान, कोहिमा, नागालैंड में 'प्रारंभिक बचपन शिक्षा में शिक्षक प्रबंधन के मुद्दे, पूर्वोत्तर राज्यों में गुणवत्ता प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के प्रबंधन पर कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति और व्याख्यान दिया।

2–4 मार्च, 2022 को 'भारत में प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के शासन और प्रबंधन की गुणवत्ता' पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

29 जनवरी, 2021, भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई), नई दिल्ली में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)–2020 के आलोक में स्कूली शिक्षा का पुनर्गठन' पर आयोजित वेबिनार में 'स्कूलों के मूल्यांकन और प्रत्यायन के लिए गुणवत्ता ढांचा' पर व्याख्यान दिया। .

11 मार्च, 2021 को शिक्षा में उन्नत अध्ययन संस्थान (आईएएसई), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 'शिक्षक शिक्षा में प्रमुख विषय' पर वेबिनार श्रृंखला में 'शिक्षक शिक्षा में विविधता,

असमानता और गुणवत्ता' पर व्याख्यान दिया, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

27 जुलाई, 2021 को एपीएचआरडीआई–आंध्र प्रदेश मानव संसाधन विकास संस्थान, आंध्र प्रदेश द्वारा 'ऑनलाइन शिक्षा – शिक्षण और अधिगम की नई खोज' पर वेबिनार में व्याख्यान दिया।

13 जनवरी, 2021, सीबीएसई और शिक्षा मंत्रालय (एमओई), नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'मानकों की स्थापना के लिए कार्य समूह' पर वेबिनार में व्याख्यान दिया।

20 फरवरी, 2021 को ग्रीन मेंटर्स, गुजरात द्वारा 'पाठ्यचर्या तुलना सम्मेलन 2021', पर राष्ट्रीय वेबिनार में व्याख्यान दिया।

3 फरवरी, 2021, विद्यालय शिक्षा बोर्ड परिषद (कोबसे), नई दिल्ली द्वारा 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के संदर्भ में स्कूली शिक्षा का आकलन' पर वेबिनार में व्याख्यान दिया,

12 मार्च, 2021 को राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली में 'स्कूली शिक्षा में लैंगिक समानताः चुनौतियां और अवसर' पर वेबिनार में 'लिंग परिप्रेक्ष्य से 'शिक्षकों और शिक्षण'' पर व्याख्यान दिया।

24 मार्च, 2021 को केन्द्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली में 'विद्यालय नेतृत्व पर दृष्टिकोण और व्यवहार' विषय पर वेबिनार में व्याख्यान दिया।

1 अप्रैल, 2021 को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'स्कूल शिक्षा और संबंधित सेवाओं' पर वेबिनार में व्याख्यान।

5 मई, 2021 को यूनेस्को और टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (टिस्स), मुंबई, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित वेबिनार में 'भारत में शिक्षा की स्थितिः शिक्षक, शिक्षण और शिक्षक व्यावसायिक विकास' पर व्याख्यान दिया।

29 मई, 2021 को भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित 'बोर्ड परीक्षा और उससे आगेः महामारी के समय शिक्षा की सुरक्षा' पर ओडिशा संवाद पर वेबिनार में व्याख्यान दिया।

1 जून, 2021 को सेव द चिल्ड्रेन, नई दिल्ली में अयोजित 'बच्चों को बचाओं भारत 100 दिनों की गतिविधि कार्यसूची प्रोग्रामिंग के माध्यम से हमारी शिक्षा बचाओ' पर वेबिनार में व्याख्यान दिया।

28 जून, 2021 को टीसीएस–आईओएन, ठाणे पश्चिम, मुंबई, महाराष्ट्र, द्वारा आयोजित 'के–12 में मूल्यांकन और प्रत्यायन को सरल बनाना' पर वेबिनार में व्याख्यान दिया।

28 जून, 2021 को सीबीएसई, नई दिल्ली द्वारा आयोजित वेबिनार में 'एनईपी टास्क के लिए गठित समिति की दूसरी बैठक', में व्याख्यान दिया।

23–24 मई, 2021 को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), नई दिल्ली द्वारा आयोजित तकनीकी समिति के सदस्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञ

28 जुलाई, 2021 को एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, नई दिल्ली के 'डीआरसी' के विशेषज्ञ

28 जुलाई, 2021 को व्यावसायिक अध्ययन संस्थान, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर द्वारा आयोजित 'कोविड–19 महामारी के दौरान शिक्षण–अधिगम की चुनौतियाँ और अवसर' विषय पर वेबिनार में व्याख्यान दिया।

6 अगस्त, 2021 को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), नई दिल्ली में पहुँच की उभरती प्रवृत्ति की समझ बनाना नया स्वामित्व और मानकीकरण की आवश्यकता का आकलन करना' पर आयोजित वेबिनार में व्याख्यान दिया।

29 अगस्त, 2021 यूजीसी एचआरडी सेंटर, एएमयू, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित 'शिक्षक शिक्षा में ऑनलाइन विषय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम' पर वेबिनार में संसाधन व्यक्ति और 'शिक्षक शिक्षा में नीति परिप्रेक्ष्य' पर व्याख्यान दिया

29 अगस्त, 2021 को नई दिल्ली में 'आयोजित नई दिल्ली शिक्षक शिक्षा और राष्ट्रीय विकास' पर वेबिनार में व्याख्यान दिया।

7 सितंबर, 2021 को भारतीय मानक ब्यूरो, नई दिल्ली द्वारा आयोजित वेबिनार में ''मानकीकरण के माध्यम से शिक्षा की सहायता'' पर व्याख्यान दिया।

30 सितंबर, 2021, डेपा, नीपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित वेबिनार में ''स्कूल प्रदर्शन प्रबंधन और मूल्यांकन'', पर व्याख्यान दिया।

15,30 दिसंबर, 2021, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), नई दिल्ली के स्कूल शिक्षा और संबंधित सेवा अनुभागीय समिति, एसएसडी की तीसरी बैठक में भागीदारी।

12 जनवरी, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में विद्यालय शिक्षा बोर्ड परिषद् (कोबसे) की कार्यकारी समिति की विशेष बैठक में भागीदारी।

21 जनवरी, 2022, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), नई दिल्ली के कार्य दल की पहली बैठक, में भागीदारी।

3 मार्च, 2022, नीपा, नई दिल्ली में डॉ हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र)', के सहयोग से राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद के वेबिनार में व्याख्यान दिया।

10 मार्च, 2022 को उच्च और व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा, नई दिल्ली के वेबिनार में 'उत्तर–औपनिवेशिक दुनिया में उच्च शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः कोविड पश्चात सामान्य स्थिति' पर व्याख्यान दिया।

आधिकारिक बैठकों में भागीदारी

31 अगस्त, 2021 को नीपा, नई दिल्ली की स्थायी सलाहकार समिति, की बैठक में भागीदारी।

21 अक्टूबर, 2021 को नीपा, नई दिल्ली की अकादमिक परिषद की बैठक में भागीदारी।

28 फरवरी, 2022 को नीपा, नई दिल्ली के स्कूल अनौपचारिक शिक्षा और शाला सिद्धि, डीएसी की बैठकों में भागीदारी।

2 मार्च, 2022 को नीपा, नई दिल्ली की स्कूल नेतृत्व पर डीएसी की बैठक में भागीदारी।

7 मार्च, 2022 को नीपा, नई दिल्ली के अध्ययन बोर्ड की बैठक में भागीदारी।

10 मार्च, 2022 को नीपा, नई दिल्ली के अकादमिक परिषद की बैठक में भागीदारी।

19 जनवरी, 2022 को नीपा, नई दिल्ली के पीएबी बैठक (शाला सिद्धि) में भागीदारी।

अनुसंधान अध्ययन और परियोजनाएं

'भारत में शिक्षक शिक्षा के शासन, विनिमय और गुणवत्ता आश्वासन का अध्ययन, नीपा अनुसंधान परियोजना का समन्वय और प्रबंधन।

'प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा में शिक्षण और अधिगम में सीमांत प्रौद्योगिकी के उपयोग पर स्थितिजन्य विश्लेषण' के लिए भारत में स्कूलों का अध्ययन के लिए यूनेस्को परियोजना आयोजित।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/निष्पादित

नीपा, एम.फिल. और पी–एच.डी. कार्यक्रम के लिए मूल पाठ्यक्रम (सीसी–2) 'भारत में शिक्षा' संशोधित और विकसित।

नीपा, एम.फिल. और पी–एच.डी. कार्यक्रम के लिए मूल पाठ्यक्रम (सीसी–2) 'भारत में शिक्षा' के लिए पाठ्यक्रम समन्वयक।

नीपा, गुणवत्ता में सुधार के लिए स्कूल प्रदर्शन मूल्यांकन पर प्रशिक्षण पैकेज के लिए स्कूल गुणवत्ता और सुधार पर मॉड्यूल विकसित किया, जिसमें शामिल हैः

1. स्कूल की गुणवत्ता और सुधार।
2. स्कूल प्रदर्शन प्रबंधन के लिए मानक निर्धारित करना।
3. स्कूल मूल्यांकन और निर्धारण।
4. सामरिक उपकरण और दिशानिर्देश।
5. स्कूल मूल्यांकन रिपोर्ट का उपयोग।
6. साक्ष्य आधारित स्कूल सुधार।
7. बेहतर स्कूल प्रशासन के लिए प्रणालीगत समर्थन।

'अंतर्राष्ट्रीय और तुलनात्मक शिक्षा' पर वैकल्पिक पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम समन्वयक, नीपा

पी–एच.डी./एम.फिल./पीजीडेपा/आईडेपा के शोध–विद्वानों का मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण

सुश्री ट्विंकल पांडा, पीएच.डी. स्कॉलर, के शीर्षकः ''संस्थागत प्रक्रिया और परिणाम पर माध्यमिक शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों के शासन और गुणवत्ता आश्वासन की प्रभावशीलता'' का पर्यवेक्षण।

सृष्टि भाटिया, पीएच.डी. स्कॉलर, के शीर्षकः ''जनजातियों पर सामाजिक–स्थानिक शैक्षणिक सिद्धांतों की खोजः असम की चाय जनजातियों का केस अध्ययन'' का पर्यवेक्षण

पबित्रा साहा, एम.फिल. स्कॉलर, के शीर्षकः ओडिशा के आकांक्षी जिलों में शिक्षक प्रबंधन का अध्ययन'' का पर्यवेक्षण।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), नई दिल्ली।

यूनेस्को, बैंकॉक।

दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, उत्कल विश्वविद्यालय, उस्मानिया विश्वविद्यालय, बरहामपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर विश्वविद्यालय, आदि के 8 पीएच.डी. शोध प्रबंध के लिए बाहरी मूल्यांकनकर्ता और परीक्षक।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

कार्यकारी मंडल के सदस्य, स्कूल शिक्षा बोर्ड की परिषद (कोबसे)

कार्यकारी संपादकीय बोर्ड के सदस्य, भारत में शिक्षा की स्थिति, यूनेस्को, नई दिल्ली

सदस्य, जर्नल सलाहकार बोर्ड, एनसीटीई

भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सेसी) की आजीवन सदस्य

सदस्य, एससीईआरटी कार्यक्रम सलाहकार बोर्ड, नई दिल्ली।

सदस्य, कार्यकारी बोर्ड, शिक्षक शिक्षा में सुधार, यूनिसेफ और एससीईआरटी, पुणे।

जर्नल ऑफ एजुकेशन पॉलिसी (केजेईपी) केईडीआई के अंतर्राष्ट्रीय संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

सदस्य, स्कूल प्रभावशीलता और सुधार पर अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस।

सदस्य, भारतीय शिक्षक प्रशिक्षक संघ।

संस्थापक सदस्य, शिक्षा में शोधकर्ताओं का अंतर्राष्ट्रीय मंच (आईआरओआरई)।

सदस्य, पूर्व छात्र संघ, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली।

आजीवन सदस्य, अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ।

मधुमिता बंद्योपाध्याय

प्रकाशन

पुस्तक में अध्यायः

वूमन एजुकेशन एंड डवलपमेंट इन इंडिया कॉन्टेक्स्ट (सह–लेखक), 'डायनामिक्स ऑफ वूमन एजुकेशन इन इंडिया' अजीत मंडल और नीरू स्नेही द्वारा संपादित पुस्तक में अध्याय, शिप्रा प्रकाशन, दिल्ली, 2022 (आईएसबीएनः 9789391978273)।

रूमकी बसु द्वारा संपादित पुस्तक डेमोक्रेसी एंड पब्लिक पॉलिसी इन पोस्ट–कोविड–19: वर्ल्ड चॉइस एंड आउटकम्स में पॉलिसी एंड प्रैक्टिसेज ऑफ डिसेंट्रलाइजेशन ऑफ एलिमेंट्री एजुकेशन इन इंडिया पर अध्यायः रूटलेज इंडिया, 2021, पीपी. 140–157 (आईएसबीएन 9781032073200)

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्रकाशित शोध पत्र/आलेख

भारत में शिक्षक और शिक्षक शिक्षाः मुद्दे, रुझान और चुनौतियां, राष्ट्रीय शिक्षा विज्ञान संस्थान, जून 2021 (सह–लेखक) http://ssrn.com/abstract=3881778

भारत में साक्षरता और प्रारंभिक शिक्षाः उभरते मुद्दे और नीति प्रतिमान, जेपा, नीपा, अक्टूबर 2021 (सह–लेखक)।

स्कूलों में शिक्षकों और शिक्षण का सम्पादकीय पृष्ठ, एंट्रीप न्यूज़लेटर, वॉल्यूम. 26, नंबर 1, पीपी. 6–7, जनवरी–जून 2020 (2021 में प्रकाशित)।

भारत में शिक्षक और शिक्षक शिक्षाः नीतिगत परिप्रेक्ष्य, स्कूलों में शिक्षक और शिक्षण, एंट्रीप न्यूज़लेटर, वॉल्यूम. 26, नंबर 1, पीपी. 6–7, जनवरी–जून 2020 (2021 में प्रकाशित) (सह–लेखक)।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संगोष्ठियों/सम्मेलनों में भागीदारी

22–26 नवंबर, 2021 के दौरान नीपा, नई दिल्ली में 'नई शिक्षा नीति–2020 के परिप्रेक्ष्य से भारत में आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों में बालिकाओं की शिक्षा पर कार्यशाला का आयोजन किया और एनईपी–2020 के परिप्रेक्ष्य से 'लिंग और स्कूली शिक्षा' पर एक सत्र लिया।

18 अगस्त, 2021 को आयोजित 'एनईपी–2020 में स्कूली शिक्षा में समानता और समावेश' पर वेबिनार का आयोजन किया।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्शी और शैक्षणिक सहायता

4 जून, 2021 और 9 जून, 2021 को जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली और बीबीओएसई–आईसीडीएस के लिए संयुक्त रूप से शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, ''सु–नंदिनी'' शुरू करने के लिए पाठ्यचर्या समिति द्वारा आयोजित बैठकों में भाग लिया।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

सितंबर–नवंबर 2021 के दौरान 'ग्लोबल टीचर एजुकेशन पॉलिसीज एंड प्रैक्टिस फॉर इक्विटेबल एंड क्वालिटी एजुकेशन विषय पर ब्रिटिश काउंसिल फॉर गोइंग ग्लोबल पार्टनरशिप के सहयोग अनुदान के लिए तैयार एक परियोजना प्रस्ताव के विकास में शामिल। युनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स, यूके के साथ इस सहयोगी परियोजना को लागू करने के लिए कार्य पहले ही शुरू कर दिया गया है; टिस, मुंबई; एयूडी, दिल्ली और जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, इस पाठ्यक्रम के मॉड्यूल तैयार करने और इसके कार्यान्वयन में शामिल हैं।

एंट्रीप के लिए नीपा के केंद्र बिंदु और एंट्रीप न्यूज़लेटर के संपादक।

एम.फिल. पाठ्यक्रम के लिए निम्नलिखित पाठ्यक्रमों का समन्वय, शिक्षण और मूल्यांकन

- गुणात्मक अनुसंधान पद्धति (मूल पाठ्यक्रम)
- शिक्षा में सामुदायिक भागीदारी और स्थानीय शासन (वैकल्पिक पाठ्यक्रम)
- शिक्षा, लिंग और विकास (वैकल्पिक पाठ्यक्रम)

'भारत में प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की भागीदारी में सुधार पर कार्रवाई अनुसंधान, नीपा, नई दिल्ली में शोध अध्ययन की संशोधित रिपोर्ट प्रस्तुत की।

18 अगस्त, 2021 को 'एनईपी 2020: स्कूली शिक्षा में समानता और समावेश' पर एक वेबिनार की रिपोर्ट तैयार की।

8–12 मार्च, 2021 से 'स्कूली शिक्षा में लैंगिक समानताः चुनौतियां और अवसर' पर एक ऑनलाइन कार्यशाला की रिपोर्ट तैयार की।

'नई शिक्षा नीति–2020 के परिप्रेक्ष्य से भारत के आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों में बालिकाओं की शिक्षा' पर 22–26 नवंबर, 2021 तक ऑनलाइन कार्यशाला की रिपोर्ट तैयार की।

नीपा, नई दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा, में बालिकाओं की शिक्षा का तुलनात्मक अध्ययन पर शोध परियोजना की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

अनुसंधान विद्वानों का पर्यवेक्षणः

पीएच.डी.: पांच छात्र (एक अंशकालिक)

एम.फिल.: एक छात्र

3 दिसंबर, 2021 को (बोर्ड के सदस्य के रूप में) फिनलैंड के दूतावास द्वारा टाटा स्टील फाउंडेशन और एस्पायर इंडिया के सहयोग से आयोजित ''वाइब्रेंट विलेज – एक प्रदर्शनी'' कार्यक्रम में भागीदारी।

21 अगस्त, 2021 (बोर्ड सदस्य के रूप में) एस्पायर इंडिया द्वारा आयोजित विचार मंथन सत्र में भागीदारी।

23 मार्च, 2021 को (बोर्ड के सदस्य के रूप में) एस्पायर कार्यकारी समिति की बैठक में भागीदारी ।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

आजीवन सदस्य, भारतीय तुलनात्मक शिक्षा समिति (सेसी)

दिल्ली के गैर–सरकारी संगठन, एस्पायर इंडिया की सदस्यता

भारतीय शैक्षिक अनुसंधान पत्रिका के सलाहकार बोर्ड के सदस्य, कलकत्ता विश्वविद्यालय

रस्मिता दास स्वाँइ

सेमीनार / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में भागीदारी

(राष्ट्रीय / अन्तर्राष्ट्रीय)

10 मार्च, 2021 को विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग और शाला सिद्धि, नीपा, नई दिल्ली की सलाहकार समिति में भागीदारी।

'स्कूली शिक्षा में लैंगिक समानताः चुनौतियां और अवसर' पर वेबिनार में भागीदारी और 'शिक्षकों और लैंगिक परिप्रेक्ष्य से शिक्षण',पर पत्र प्रस्तुत किया 12 मार्च, 2021, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली।

24 मार्च, 2021, केन्द्रीय विद्यालय, नई दिल्ली में 'विद्यालय नेतृत्व पर परिप्रेक्ष्य और व्यवहार पर राष्ट्रीय वेबिनार' में भागीदारी।

'एनईपी–2020 से जुड़े शाला सिद्धि कार्यक्रम के 100 प्रतिशत कवरेज की शुरुआत' पर वेबिनार का आयोजन किया और 'शाला सिद्धि कार्यक्रम की प्रगति और उपलब्धि' पर प्रस्तुत किया, 16 अप्रैल 2021, नीपा, नई दिल्ली।

6 अगस्त, 2021, नीपा, नई दिल्ली में 'कोविड–19 महामारी और अधिगम निरंतरता के लिए राज्य प्रतिक्रिया' पर वेबिनार में भागीदारी।

16, 18 और 23 अगस्त, 2021 को शाला सिद्धि कार्यक्रम (जवाहर नवोदय विद्यालय) की शुरुआत और कार्यान्वयन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली पर वेबिनार का आयोजन किया।

21 अक्टूबर, 2021 को नीपा, नई दिल्ली में नीपा अकादमिक परिषद की बैठक में भागीदारी।

पीएबी बैठक (शाला सिद्धि), 19 जनवरी, 2022, नीपा, नई दिल्ली में भागीदारी।

21 फरवरी, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में 'भारतीय शिक्षकः व्यावसायिक मानक, प्रबंधन और जवाबदेही' पर वेबिनार में भागीदारी।

28 फरवरी, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में स्कूल अनौपचारिक शिक्षा और शाला सिद्धि की डीएसी बैठक में भागीदारी।

7 मार्च, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में नीपा के अध्ययन बोर्ड की बैठक में भागीदारी।

10 मार्च, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में नीपा की अकादमिक परिषद की बैठक में भाग लिया

10 मार्च, 2022 को उच्च और व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा, नई दिल्ली द्वारा 'उत्तर–औपनिवेशिक दुनिया में उच्च शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः कोविड पश्चात की नयी स्थिति' पर वेबिनार में भागीदारी।

नीपा, नई दिल्ली में 22–26 नवंबर, 2021 के दौरान 'नई शिक्षा नीति–2020 के परिप्रेक्ष्य से भारत में आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों में बालिकाओं की शिक्षा पर कार्यशाला' में भागीदारी और एनईपी 2020 के दृष्टिकोण से 'लिंग और स्कूली शिक्षा' पर एक सत्र लिया।

18 अगस्त, 2021 को 'एनईपी–2020 में स्कूली शिक्षा में समानता और समावेश' पर वेबिनार में भागीदारी

30 दिसंबर, 2021 को शिक्षा मंत्रालय और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 द्वारा परिकल्पित उत्कृष्टता और जन–उत्साह' को प्रोत्साहित करने वाली उच्च शिक्षा की नियामक प्रणाली पर ऑनलाइन राष्ट्रीय परामर्श में भागीदारी,

कार्यशालाओं/सम्मेलनों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

ये शाला सिद्धि प्रशिक्षण कार्यक्रम के अतिरिक्त हैं।

1. 23–24 मार्च, 2022, को प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान, कोहिमा, नागालैंड में 'पूर्वोत्तर राज्यों में गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के प्रबंधन पर कार्यशाला

2. 2–4 मार्च, 2022 को 'भारत में गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के शासन और प्रबंधन पर राष्ट्रीय वेबिनार'

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संचालित

मात्रात्मक अनुसंधान पद्धति पर एम.फिल. मूल पाठ्यक्रम सं. 5 का पुनरीक्षण।

ओडिशा, पंजाब और केरल में गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बचपन शिक्षा के लिए शासन, प्रबंधन और नेतृत्व पर अनुसंधान परियोजना प्रस्ताव

पूर्वोत्तर राज्यों में गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के प्रबंधन के मानचित्रण के लिए प्रशिक्षण सामग्री का संयोजन

बचपन की देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के लिए पठन और प्रशिक्षण सामग्री एकत्रित

ईसीसीई के शासन और प्रबंधन के लिए रूपरेखा

स्कूल प्रशासन और गुणवत्ता सुधार के माड्यूल

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

शिक्षा मंत्रालय, राज्य और संघ क्षेत्रों के लिए नीति कार्यान्वयन।

यूनिसेफ

योजना अनुमोदन बोर्ड बैठकें (पीएबी)

दिल्ली विश्वविद्यालय और दिल्ली के कॉलेजों के मनोविज्ञान विभाग,

जम्मू विश्वविद्यालय, राजस्थान विश्वविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय

विभिन्न विश्वविद्यालयों का दूरस्थ शिक्षा केंद्र

प्रबंधन अध्ययनों के संकाय,

दिल्ली विश्वविद्यालय;

प्रबंधन संस्थान,

मनोवैज्ञानिक परीक्षण और मूल्यांकन सेवा केंद्र,

अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रकाशकों के मनोविज्ञान की पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा,

गैर सरकारी संगठन,

जम्मू और कश्मीर पुलिस अकादमी के विशेषज्ञ।

अन्य शैक्षणिक एवं व्यावसायिक योगदान

एम.फिल. पाठ्यक्रम में अध्यापन

शिक्षा पर परिप्रेक्ष्य (सीसी–1) मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य

अनुसंधान पद्धति–I (सीसी–3)

अनुसंधान पद्धति–II (सीसी–5) (मात्रात्मक एवं गुणात्मक)

पीजीडेपा/आईडेपा परियोजना कार्य–2 का पर्यवेक्षण

पीजीडेपा/आईडेपा पाठ्यक्रम–शैक्षिक प्रबंधन (904) में अध्यापन

डॉक्टरेट विद्वानों और एम.फिल. विद्वान का पर्यवेक्षण

हरियाणा के सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में समावेशी संस्कृति और छात्र विकास के लिए संस्थागत अभिशासन और प्रबंधन के संदर्भ में विकलांग छात्रों के अनुभवों पर अध्ययन, हरलीन कौर (2018 बैच)

कश्मीर में स्कूल प्रबंधन पर सशस्त्र संघर्ष के प्रभावः राज्य और गैर–राज्यीय कार्यकर्ताओं के दृष्टिकोण को समझना, मोहम्मद इलियास (2019)

स्कूल परिवर्तन के लिए राहः भारतीय स्कूल और उनके आख्यान, सोमनाथ रॉय, (2022)

उपलब्धि पथ के लिए प्रतिबद्धताः भारत में छात्र परिणाम के लिए स्कूल नेतृत्व को जोड़ना, सोमनाथ रॉय, एम.फिल. (2019–21)

सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन (एसएचआरएम): दिल्ली में प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) गुणवत्ता और नवोन्मेष, मानसी पांडे, (2020–22)।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों में सदस्यता

राष्ट्रीय मनोविज्ञान अकादमी, नई दिल्ली

भारतीय अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान संघ, चेन्नई

भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सेसी), नई दिल्ली

अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ (एआईएईआर), भुवनेश्वर, ओडिशा

भारतीय स्कूल मनोविज्ञान संघ

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ, कलकत्ता

भारतीय सकारात्मक मनोविज्ञान संघ, नई दिल्ली

प्राची एसोसिएशन ऑफ क्रॉस–कल्चरल साइकोलॉजी, मेरठ

राष्ट्रीय मानव संसाधन विकास नेटवर्क, हैदराबाद

इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट, नई दिल्ली

स्पोर्ट्स साइकोलॉजी एसोसिएशन ऑफ इंडिया, पटियाला

भारतीय क्रीड़ा मनोविज्ञान संघ, पटियाला

बचपन शिक्षा और विकास संघ (एईसीईडी), मुंबई

आजीवन सदस्य– एनएओपी, आईएएपी, सेसी, एआईएईआर

नीपा के विभिन्न शैक्षणिक निकायों के सदस्य के रूप में योगदान

संचालन समिति के सदस्य

छात्र परामर्श के सदस्य

एम.फिल./पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा और मूल्यांकन समिति के सदस्य

परियोजना कनिष्ठ सलाहकार अनुवीक्षण समिति

परियोजना कनिष्ठ सलाहकार के साक्षात्कार चयन समिति

अमित गौतम

प्रकाशन

पुस्तकें

''नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020: ए रिवैम्प ऑफ इंडियन एजुकेशन सिस्टम'' टॉरियन पब्लिकेशन, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित आईएसबीएन 9789391074517।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्रकाशित शोध पत्र/आलेख

टेक्नोलर्नः एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी 11(2) में ''मुक्त और दूरस्थ शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमता के अनुप्रयोग'' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित। 1–8 दिसंबर, 2021 अर्धवार्षिक ऑनलाइन जर्नल, आईएसएसएनः 2249–5223।

सर्वश्रेष्ठ अभिनव शिक्षण रणनीतियों (आईसीओएन–बीआईटीएस 2021) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में, एक शोध पत्र प्रकाशित किया जिसका शीर्षक ''भारतीय शिक्षा प्रणाली के संदर्भ में शिक्षक शिक्षा के ऑनलाइन मोड को खोलना'' है एसएसआरएन पर उपलब्ध है https://ssrn.com/abstract=4026539http://dx.doi.org/10.2139/ssrn.4026539.

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आरआईई), एनसीईआरटी, भोपाल द्वारा ''अध्यापक शिक्षा में ऑनलाईन मोड की उभरती प्रवृत्तियांः भारतीय उच्च शिक्षा व्यवस्था के संदर्भ में समीक्षा'' शीर्षक से आरआईई भोपाल जर्नल ऑफ

एजुकेशन, द्विवार्षिक पीयर रिव्यू जर्नल, वॉल्यूम–5, अंक–1, जुलाई–दिसंबर 2021 में एक शोध पत्र प्रकाशित, आईएसएसएनः 25800621, पीपी. 44–50।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

16 दिसंबर, 2021 को राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों (पैरा 5.20) और राष्ट्रीय परामर्श मिशन (पैरा 15. 11) पर ऑनलाइन खुली चर्चा में भागीदारी।

30 दिसंबर, 2021 को शिक्षा मंत्रालय और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा परिकल्पित उत्कृष्टता और सार्वजनिक–उत्साह को प्रोत्साहित करने वाली उच्च शिक्षा की नियामक प्रणाली पर ऑनलाइन राष्ट्रीय परामर्श में भागीदारी

25 जनवरी, 2022 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी द्वारा आयोजित ऑनलाइन मोड में ''ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी–05)'' के लिए संसाधन व्यक्ति

1 फरवरी, 2022 को स्नातकोत्तर शिक्षण विभाग (संकाय विकास कार्यक्रम), गोंडवाना विश्वविद्यालय, गढ़चिरौली द्वारा आयोजित ऑनलाइन पाठ्यक्रम की रूपरेखा विकसित और संचालित करने के लिए ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) के लिए संसाधन व्यक्ति

4 मार्च, 2022 को स्कूल और अनौपचारिक शिक्षा विभाग, नीपा, नई दिल्ली द्वारा ''ईसीसीई की डिजिटल पहल'' पर, आयोजित''भारत में गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के शासन और प्रबंधन पर राष्ट्रीय वेबिनार'' के लिए संसाधन व्यक्ति।

22–23 मार्च, 2022 को, एशिया राष्ट्रमंडल शैक्षिक केन्द्र (सीईएमसीए) नई दिल्ली द्वारा सतत विकास के लिए अधिगम को बढ़ावा देना, पर आयोजित ''मिश्रित शिक्षा के परिचय पर मूक'' कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति

कार्यशालाओं/सम्मेलनों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

21 फरवरी, 2022 को विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग, नीपा द्वारा आयोजित ''भारतीय शिक्षकः व्यावसायिक मानक, प्रबंधन और जवाबदेही'' पर राष्ट्रीय वेबिनार में आयोजन समिति के सदस्य।

समीक्षा अवधि के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

जर्नल ''शिक्षा शोध मंथन'' में सहकर्मी शिक्षा बोर्ड के सदस्य के रूप में नामांकित, पीयर–रिव्यूड रेफरेड जर्नल ऑफ एजुकेशन इम्पैक्ट फैक्टरः 5.396 (एसजेआईएफ)।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

24 मार्च, 2022 को शिक्षा संकाय, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एम. एड. की ऑनलाइन प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए विशेषज्ञ सदस्य।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली में राज्य पाठ्यचर्या और रूपरेखा (एससीएफ) प्रौढ़ शिक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य।

30 मार्च, 2022 को शिक्षा विभाग, संकाय शिक्षा और मनोविज्ञान संकाय, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा, वडोदरा द्वारा आयोजित ''शिक्षकों के कार्यस्थल की खुशी के पैमाने का निर्माण और मानकीकरण'' नामक शोध परियोजना के तहत ''शिक्षक कार्यस्थल खुशी पैमाने की सामग्री सत्यापन पर ऑनलाइन विशेषज्ञ वार्ता–सह–कार्यशाला'' के लिए संसाधन व्यक्ति।

नीपा के प्रख्यात निकायों की सदस्यता

एसएसआर एनएएसी, नीपा की तैयारी के लिए राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नॉक) के कोर कमेटी सदस्य के रूप में मनोनीत।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी), नीपा के सदस्य के रूप में मनोनीत।

कानूनी परामर्श/सलाहकार, नीपा पैनल के लिए पैनल सदस्य के रूप में मनोनीत।

नीपा के 60वें वार्षिक समारोह समिति के सदस्य।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

आजीवन सदस्य, अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ (एआईएईआर) भुवनेश्वर के आजीवन सदस्य।

आजीवन सदस्य, भारतीय शिक्षक प्रशिक्षक संघ (आईएटीई), पटना।

आजीवन सदस्य, अमेरिकी शैक्षिक अनुसंधान संघ (एईआरए), वाशिंगटन, डीसी।

सदस्य, भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ, कोलकाता।

आजीवन सदस्य, शिक्षा और प्रशिक्षण पर नीति अनुसंधान, समीक्षा और सलाहकारी नेटवर्क (एनओआरआरएजी) जेनेवा, स्विटजरलैंड।

आजीवन सदस्य, भारतीय तुलनात्मक शिक्षा संस्था (सीईएसआई) तुलनात्मक शिक्षा समितियों की विश्व कांग्रेस, नई दिल्ली से संबद्ध।

आजीवन सदस्य, भारतीय शिक्षक प्रशिक्षक संघ (आईएटीई), नई दिल्ली।

आजीवन सदस्य, सिस्टम सोसाइटी ऑफ इंडिया, दयालबाग चैप्टर, आगरा।

सदस्य, विकास अध्ययन संघ (डीएसए), यूके।

ए एन रेड्डी

पूर्ण शोध अध्ययन

यूनेस्को बैंकॉक परियोजना (प्रो. प्रणति पांडा के साथ) ''प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा में शिक्षण और अधिगम में सीमांत प्रौद्योगिकियों के उपयोग का स्थितिजन्य विश्लेषण'' पर केस अध्ययन पूर्ण।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भागीदारी

8–9 जून, 2020 को मानव विकास संस्थान (आईएचडी), अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) और भारतीय श्रम अर्थशास्त्र सोसायटी (आईएसएलई) द्वारा आयोजित ''भारत में श्रम और रोजगार पर कोविड–19 संकट के प्रभावः रणनीतियाँ और दृष्टिकोण'' पर एक वेब सम्मेलन में भागीदारी

27 जुलाई 2020।''महामारी और विश्व अर्थव्यवस्था की बदलती संरचनाः भारत का बड़ा अवसर और बड़ा जोखिम'', पर वेब व्याख्यान में भागीदारी

9 जून, 2020, आईएनईई द्वारा आयोजित ''त्वरित शिक्षा के लिए नवीनतम साक्ष्य'', में भागीदारी

10 जून, 2020, आईएनईई द्वारा 'वैश्विक ईआईई आंकड़ा संग्रहण के सुदृढ़ीकरण, पर आयोजित सम्मेलन में भागीदारी।

21 सितंबर, 2020, शिक्षा हेतु विश्व और वैश्विक व्यापार गठबंधन द्वारा आयोजित 'बड़े बदलाव के सुअवसरः बेहतर भविष्य की कुंजी' पर कार्यक्रम में भागीदारी

30 सितंबर, 2020 को केआईएक्स ईएपी हब द्वारा ''शिक्षा में लोगों के लिए लोगों के साथ रूपरेखाः डिजाइन थिंकिंग और मानव केंद्रित डिजाइन पद्धतियों का परिचय'', पर आयोजितवेबिनार में भाग लिया।

29 अक्टूबर, 2020 को केआईएक्स ईएपी हब द्वारा 'अधिगम सुधार के लिए आंकड़ों का उपयोग करनाः नीति और सुधार के साथ जुड़ना' पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया

24 फरवरी, 2021 को केआईएक्स ईएपी हब द्वारा आयोजित 'शिक्षक परिवर्तन के एजेंट के रूप में समर्थन, सक्षम और सशक्तिकरण', पर एक वेबिनार में भाग लिया

31 मार्च, 2021 को केआईएक्स ईएपी हब द्वारा 'स्केलिंग इम्पैक्टः स्केल पर प्रभाव प्राप्त करने का एक परिचय' पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया

21 अप्रैल, 2021 को केआईएक्स ईएपी हब द्वारा आयोजित 'कोविड–19 ने शिक्षा और अनुसंधान के लिए क्या किया है?' पर वेबिनार में भागीदारी

कार्यशालाओं का आयोजन

30 जुलाई, 2021 को 'कोविड महामारी के दौरान अधिगम निरंतरताः राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों की नीति प्रतिक्रियाओं की खोज' पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।

अन्य

4 नवंबर, 2020 को आईजीआईडीआर, मुंबई में ''जातीय रूप से खंडित समाजों में स्कूलों का स्कूल विस्तार और जाति संरचनाः भारत का अनुभवजन्य साक्ष्य' पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

स्कूल और अनौपचारिक शिक्षा विभाग और शाला सिद्धि, 10 मार्च, 2021, नीपा, नई दिल्ली की सलाहकार समिति में भागीदारी।

उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग

सुधांशु भूषण

प्रकाशन

अनुसंधान परियोजना/आलेख/अध्याय

भूषण एस. द न्यू पॉलिटिकल इकानोमी आफ द ट्वेंटी–फर्स्ट–सेंचुरी हायर एजुकेशन, द *इंडियन इकोनॉमिक जर्नल,* 2021; 69(2): 352–362। डीओआई: 10.1177/00194662211024397।

भूषण एस., मल्टीडिस्पलेनरी अप्रोच इन हायर एजुकेशनः एन एक्शन इन रिलेशन टू इंडियाज नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020, https://www.cemca.org/ckfinder/userfiles/files/EdTech-Notes-Multidisciplinary-Approach-in-Higher-Education.pdf पर उपलब्ध है।

भूषण एस. होलिस्टिक एंड मल्टीडिस्पलेनरी एजुकेशन एंड मल्टीपल एंट्री–एक्जिट, इग्नू, नई दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति और अन्य विषयों पर व्याख्यान और वेबिनार

4 मार्च, 2022 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, गौहाटी विश्वविद्यालय द्वारा ''संस्थागत पुनर्गठन, समग्र और बहुविषयक शिक्षा'' पर वेबिनार में भागीदारी।

20 जनवरी, 2022 को मानव संसाधन विकास केंद्र, मिजोरम विश्वविद्यालय द्वारा ''उच्च शिक्षा के संस्थागत शासन में स्वायत्तता और जवाबदेही'' पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया।

20 जनवरी, 2022, झारखंड सरकार के 'बजट 2022', पर चर्चा में भागीदारी।

18 जनवरी, 2022 को मानव संसाधन विकास केंद्र, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा 'सीबीसीएस के इतिहास और विकास पर आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया

18 जनवरी, 2022 को मानव संसाधन विकास केंद्र, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा 'सीबीसीएस और परिणाम आधारित शिक्षा पर आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया

4 जनवरी, 2022 को मानव संसाधन विकास और प्रौद्योगिकी, मनिपाल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भारतीय आर्थिक संघ के 103वें वार्षिक सम्मेलन' में भागीदारी।

1 जनवरी, 2022 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, गौहाटी विश्वविद्यालय, द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 संकाय विकास कार्यक्रम में व्यावसायिक शिक्षा के सदंर्भ' पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया।

29 दिसंबर, 2021 को सार्वजनिक इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कॉलेज द्वारा 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020' पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया।

6 दिसंबर, 2021 को टीएलसी, तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा एनईपी–2020 के आलोक में शैक्षणिक बदलाव पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया।

4 दिसंबर, 2021 को सिविल इंजीनियरिंग विभाग जी. एच. पटेल इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कॉलेज, आनंद, गुजरात द्वारा ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020'' पर आयोजित वेबिनार में भागीदारी।

1 दिसंबर, 2021 को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी), टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई द्वारा 'भारतीय उच्च शिक्षा में वर्तमान चुनौतियाँ और अवसर – दैनिक कक्षा के निहितार्थ' पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया।

30 नवंबर, 2021 को नीपा और भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा 'उच्च शिक्षा का वित्तपोषण' पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया।

26 नवंबर, 2021, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, गोवा केंद्र द्वारा 'एनईपी–2020: उच्च शिक्षा में संस्थागत विकास योजनाएं' पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया।

24 नवंबर 2021 को मानव संसाधन विकास केन्द्र, गोवा विश्वविद्यालय द्वारा 'एनईपी–,2020' पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया।

24 नवंबर, 2021, सीपीआरएचई, नीपा में 'उच्च शिक्षा में छात्र विविधता का प्रबंधन' पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया।

22 नवंबर, 2021 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी), राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर 'द्वारा उच्च शिक्षा के आंतरिककरण' पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया।

12 नवंबर, 2021 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा 'उच्च शिक्षा और इसके पारिस्थितिकी तंत्र' पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया।

23–24 अगस्त 2021, मानव संसाधन विकास केन्द्र, गोवा विश्वविद्यालय द्वारा 'एनईपी–2020' पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया।

10 अगस्त, 2021, टीएलसी, तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा एनईपी–2020 के प्रकाश में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया।

7 अगस्त 2021, मानव संसाधन विकास केन्द्र, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा '1. सीबीसीएस का इतिहास और विकास' 2. 'सीबीसीएस और परिणाम आधारित शिक्षा' पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया।

22 जुलाई 2021 को जी.डी. गोयनका विश्वविद्यालय, गुरुग्राम द्वारा 'उच्च शिक्षा के आंतरिककरण' पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया।

8 जुलाई, 2021 को राजकीय वी.वाई.टी. स्नातकोत्तर स्वायत्त महाविद्यालय, दुर्ग में 'उच्च शिक्षा में बहु–विषयक दृष्टिकोण' पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया। ।

29 जून 20121 को स्कॉटिश चर्च कॉलेज, कोलकाता द्वारा 'एनईपी–2020' पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया।

मूल्यांकन

भारत सरकार की आईओई योजना का मूल्यांकन।

आईसीटी विभाग, नीपा के सहयोग से उच्च और व्यावसायिक शिक्षा विभाग ने एनईपी–2020: कार्यान्वयन के लिए रणनीतियाँ पर एक सप्ताहिक संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन।

पीएच.डी. पर्यवेक्षण

पीएच.डी. में नामांकित सात छात्रों और एम.फिल. कार्यक्रम में एक छात्र का पर्यवेक्षण।

अध्यापन

एम.फिल. छात्रों को उनके पाठ्यक्रम कार्य सीसी–4 शिक्षा नीति पर अध्यापन।

सेमिनार

10–12 मार्च, 2022 से उत्तर–औपनिवेशिक दुनिया में उच्च शिक्षाः कोविड पश्चात नई सामान्य स्थिति पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी।

समितियों के सदस्य

सामाजिक विज्ञान और विकास नीति, अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

कॉलेज पोस्ट के संपादकीय बोर्ड के सदस्य

संपादक, भारतीय आर्थिक पत्रिका

अकादमिक संपादक, परिप्रेक्ष्य, नीपा की हिंदी पत्रिका

नीपा की आंतरिक समितियों के सदस्य – प्रबंधन बोर्ड, अकादमिक परिषद, अध्ययन बोर्ड, वित्त समिति, योजना और निगरानी समिति।

आरती श्रीवास्तव

प्रकाशन

श्रीवास्तव, ए., चोपड़ा, ई., भट्टाचार्जी, एस.डी. (2021, 11 सितंबर)। कोविड–19 अपेंडेड एजुकेशन, पोसिंग सैवरल चैलेंलेज, द संडे गार्जियनः इंडियन एडिशन (https://www.sundayguardianlive.com/news/covid-19-upended-education-posing-several-challenges)

श्रीवास्तव, ए., और तनेजा, ए. (2021), स्किल्स फॉर एम्प्लॉयबिलिटी एंड डेवलपमेंट साउथ एशियाः ए कम्पेरेटिव एनालिसिस इन डेवलपमेंट गवर्नेंस एंड रीजनल कोऑपरेशन इन साउथ एशिया, स्प्रिंगर।

अरोड़ा, ए., और श्रीवास्तव, ए. (2021), रिइमेजिंग इंटरनेशनलाइजेशनः पर्सपैक्टिव्स इन इंडिया इन द इंटरकनैक्टेड ग्लोबल आर्डर सीआईईएस हायर एजुकेशन एसआईजी जर्नल ऑफ कम्पेरेटिव एंड इंटरनेशनल हायर एजुकेशन।

संगोष्ठियों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में भागीदारी

8 अप्रैल, 2021 को दक्षिण एशियाई उच्च शिक्षा में आज की वास्तविकता के दौरान मिश्रित शिक्षा और कोविड पश्चात वातावरण के लिए रुझान पर संगोष्ठी में भागीदारी

जेएनयू के पूर्व छात्र संघ, नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 2021।

31 मई, 2021 को ए.एन. सिन्हा कॉलेज, पटना द्वारा आयोजित 18वें एस.एन. सिन्हा स्मृति व्याख्यानः महामारी के बाद की दुनिया में भारत की उभरती भूमिका' में भागीदारी।

लेख प्रस्तुतियाँ

6–19 अप्रैल, 2021 तक सिनेमा अध्ययन पर एआरएसडी कॉलेज के सहयोग से रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के टीएलसी द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में अध्यक्ष।

30 अप्रैल, 2021 को एनईपी–2020, पर डब्ल्यूआईसीसीआई वेबिनार के संयोजक।

24 मई, 2021 को जीन मोननेप प्रोजेक्ट, इरास्मस के सहयोग से आयोजित भारत और यूरोप में उभरते सामाजिक–सांस्कृतिक और राजनीतिक मुद्दों पर एमिटी (एसएस स्कूल) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्ष और जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण पर एक सत्र लिया।

29 मई, 2021 को साफी संस्थान, केरल में लैंगिक और उच्च शिक्षा पर मुख्य भाषण।

संस्थागत विकास योजना पर एमएएनयूयू एचआरडीसी व्याख्यान में अध्यक्ष, 5 अगस्त, 2021।

9 अगस्त, 2021 आईक्यूएसी, दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा आयोजित नई शिक्षा नीति और उच्च शिक्षा पर व्याख्यान

11 अगस्त, 2021 को जामिया द्वारा उच्च शिक्षाः चुनौतिया और मुद्दे पर व्याख्यान।

उच्चतर शिक्षा में एनईपी और कार्यान्वयन, पर व्याख्यान बिलासपुर केंद्रीय विश्वविद्यालय, 16 अगस्त, 2021।

नेतृत्व और आईडीपी पर गोवा मानव संसाधन विकास केन्द्र में व्याख्यान, 24 अगस्त, 2021।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर डीडी यूआरडीयू रिकॉर्डिंग, 26 अगस्त, 2021।

मानव संसाधन विकास केन्द्र, रानी दुर्गावती, जबलपुर में उच्चतर शिक्षाः चुनौतियां और संभावनाएं पर व्याख्यान, 28 अगस्त, 2021।

मानव संसाधन विकास केन्द्र, रानी दुर्गावती, जबलपुर में उच्चतर शिक्षा के वित्त पोषण पर व्याख्यान, 1 सितंबर, 2021।

1 सितंबर, 2021 को फिर से एनईपी पर भगत फूल सिंह, सोनीपत में व्याख्यान।

13–14 सितंबर, 2021 को (उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग और आईसीटी विभाग) नीपा के सहयोग, एनईपी–2020 पर एफडीपी व्याख्यान।

13वींः नेतृत्व

14वींः आईडीपी

4–5 अक्टूबर, 2021 को (उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग और आईसीटी विभाग) नीपा के सहयोग, एनईपी–2020 पर एफडीपी व्याख्यान

चौथाः नेतृत्व;

5वांः आईडीपी

18 अक्टूबर, 2021 को एनईपी पर आईआईएम अमृतसर में व्याख्यान।

21 अक्टूबर, 2021 को नेतृत्व और आईडीपी पर आईआईएम अमृतसर में व्याख्यान,

अपमृत्यु निवारण सहाय (एएनआईएस), सूरत (एनजीओ) कार्यक्रम के मुख्य वक्ता – 11–12 अक्टूबर, 2021 को चार व्याख्यान दिए।

23 अक्टूबर, 2021 को मानव संसाधन विकास केन्द्र, एमएएनयूयू में नेतृत्व और आईडीपी, उच्चतर शिक्षा के मुद्दे और चुनौतियां पर दो सत्रों के लिए अध्यक्ष

15 नवंबर, 2021 को जयपुर एचआरडीसी में 'उच्च शिक्षा में सुधारः एनईपी 2020' पर अध्यक्ष।

16 नवंबर, 2021 को उच्च शिक्षा में नेतृत्व, पर गोवा एचआरडीसी में अध्यक्ष (दो सत्र)।

23 नवंबर, 2021 को उच्च शिक्षा में नेतृत्व और आईडीपी पर एचआरडीसी व्याख्यान, मौलाना आजाद उर्दू विश्वविद्यालय में (दो सत्र)।

सत्यम कॉलेज, नोएडा में 11 दिसंबर, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्ष।

लुधियाना विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ, 22 दिसंबर, 2021।

4 जनवरी, 2022 को उच्च शिक्षा में नेतृत्व पर एचआरडीसी गुवाहाटी में अध्यक्ष (दो सत्र)।

आमंत्रित सदस्य, अध्ययन बोर्ड, दयालबाग शैक्षिक संस्थान, आगरा।

उच्च शिक्षा में नेतृत्व पर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर में व्याख्यान, 2 फरवरी 2022।

उच्च शिक्षा में नेतृत्व और आईडीपी पर एचआरडीसी, गोवा में व्याख्यान (दो सत्र), 4 फरवरी, 2022।

यूजीसी के श्रेष्ठतम अध्ययन संस्थान के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय (14–15 फरवरी, 2022) और आईआईएससी (17–18 फरवरी, 2022) के लिए विजिटिंग टीम के सदस्य।

सदस्य, अकादमिक लेखा परीक्षा, श्यामलाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय।

चयन समिति सदस्य, पूर्णिया विश्वविद्यालय, 4–19 फरवरी, 2022।

8 मार्च, 2022 को गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, में महिला दिवस मुख्य भाषण।

विभागीय कार्यक्रम आयोजित

10 दिसंबर, 2021 को नीपा में स्टाफ रिट्रीट, का आयोजन।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संचालन

एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम का संचालन

अनिवार्य पाठ्यक्रम (सीसी–2): भारत में शिक्षा

वैकल्पिक पाठ्यक्रम (ओसी–1): उच्च शिक्षाः मुद्दे और परिप्रेक्ष्य।

वैकल्पिक पाठ्यक्रम–12: वैश्वीकरण और शिक्षा

वैकल्पिक पाठ्यक्रम–1: शिक्षा का अर्थशास्त्र।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केंद्र, नीपा के समन्वयक

एम.फिल./पी–एच.डी. प्रवेश परीक्षा समिति (नीपा)

एम.फिल./पी–एच.डी. परीक्षा (नीपा) के लिए मूल्यांकन समिति

राष्ट्रीय प्रत्यायन और मूल्यांकन समिति की नीपा कोर कमेटी के सदस्य

कुलपति बैठक समन्वयक

लीप समन्वयक

सामाजिक चिंतन पुस्तक के समीक्षा संपादक

तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम में लैंगिक मुद्दे; वीवी गिरी राष्ट्रीय श्रम संस्थान के संपादकीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य

25 अगस्त, 2018 से जेआरएनआर विद्यापीठ, उदयपुर में अतिथि प्रोफेसर

नेहु कोर्ट सदस्य

केन्द्रीय विद्यालय संगठन सलाहकार परिषद सदस्य, जून 2019

21 जून, 2019 से नीपा पर कम्यूनिकेशन एंड आउटरीच के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय प्रभावी प्रचार दल के अध्यक्ष

14 जुलाई, 2019 को एनसीटीई अतिथि दल के सदस्य के रूप में नियुक्ति

स्ट्राइड के लिए समीक्षक

स्पार्क के लिए समीक्षक।

नीपा पूर्व छात्र समिति के संयोजक

मोनिका बिष्ट की पी–एच.डी. शोध के समीक्षक

एनसीईआरटी के अंतर्राष्ट्रीय संबंध प्रभाग के सलाहकार बोर्ड के सदस्य, 6 जनवरी, 2021 से 2023 तक तीन साल की अवधि के लिए सदस्य

19 जनवरी, 2021 से शिक्षा विभाग, एमिटी यूनिवर्सिटी, लखनऊ के सह–मार्गदर्शक

29 जनवरी, 2021 से एनईपी–2020 के कार्यान्वयन हेतु एएमयू की सलाहकार समिति सदस्य

22 जनवरी, 2021 से नीपा में राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क समिति के सचिवालय सदस्य

एआरयू परियोजना, कोविद –19 के दौरान शिक्षा और प्रौद्योगिकी तक लैंगिक पहुंच, अनुदान अभिकरण–एंग्लिया रस्टिन यूनिवर्सिटी, यूके कैम्ब्रिज।

6 अप्रैल, 2022 को आंतरिक एनसीएफ बैठक

उपप्रकाशन अधिकारी, नीपा के लिए जांच समिति के सदस्य (20 अक्टूबर, 2021 को बैठक)।

नवोन्मेष के लिए नवाचार पुरस्कार में मूल्यांकनकर्ता, नीपा, 25 अक्टूबर, 2021।

नीपा अध्ययन बोर्ड की बैठक के सदस्य।

पूर्णिया विश्वविद्यालय की चयन समिति के सदस्य, 22 मई, 2021।

लैंगिक पर शैक्षणिक सलाहकार बोर्ड की बैठक के सदस्य, एमिटी नोएडा, 2 जुलाई, 2021।

एनआईओएस लेखा परीक्षा प्रकाशन समिति के सदस्य, 3 अगस्त, 2021।

12 अक्टूबर, 2021 से सत्यम कॉलेज ऑफ एजुकेशन की स्थानीय सलाहकार समिति के सदस्य।

डॉ. सुनील कुमार कुमेती, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा ''रायपुर नगर निगम द्वारा परिवार को मूलभूत सेवओं के उत्थान का अर्थिक अध्ययन'' पर प्रस्तुत अंतिम रिपोर्ट के मूल्यांकर्ता विशेषज्ञ।

बीओएस, गुजरात विश्वविद्यालय के सदस्य।

नेहू कोर्ट सदस्य

17 जनवरी, 2021 को दयालबाग अध्ययन बोर्ड की बैठक के सदस्य

सामाजिक विज्ञान और शिक्षा में अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के एआईई कैंडौर के संपादकीय बोर्ड सदस्य

शैक्षिक खोजः शिक्षा और अनुप्रयुक्त विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य

दिल्ली विश्वविद्यालय के शोध के मूल्यांकनकर्ता (14 अगस्त, 2021 को मौखिक)।

केरल शोध प्रबंध के मूल्यांकनकर्ता।

डॉ अनीता कुरुप, एनआईएएस, बैंगलोर के लिए निर्देशी।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

निम्नलिखित निकायों के आजीवन सदस्य

प्रौढ़ शिक्षा संगठन, आईटीओ, नई दिल्ली (1999)

भारतीय ज्ञानपीठ परिवार, नई दिल्ली (1999)

भारतीय आर्थिक संघ (2004)

इंडियन सोसाइटी ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स (1998)

नेशनल बुक ट्रस्ट (1998)

यूपी भारत स्काउट एंड गाइड्स (2003)

थियोसोफिकल सोसायटी, वाराणसी (2004)

सीईएसआई, नई दिल्ली (2010)

अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ (2009)

भारतीय शिक्षक शिक्षा संघ (2015)

भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी (2016)

भारत–अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, अल्पकालिक सदस्यता, मार्च, 2021 से आगे

आईएनटीएसीएच के आजीवन सदस्य (एल/20558)।

ग्लोबल टॉक एजुकेशन फाउंडेशन के आजीवन सदस्य (सीईडी–ग्लोबल) (1920–278/जीटीई–एलटीएम/2020, मई 2031 तक वैध)।

अन्य सूचना

पी–एच.डी. पर्यवेक्षण

अ. अपराजित गन्तायत

ब. अर्चना कुमारी

स. बबीता बलोदी

पीजीडेपा पर्यवेक्षण

अ. एक

नीरू स्नेही

प्रकाशन

पुस्तकें

डायनामिक ऑफ वूमन एजुकेशन इन इंडिया, प्रो. नीरू स्नेही और डा. अजीत मंडल, (संपा.) 2020. शिप्रा पब्लिकेशन, दिल्ली, 2021

शोध पत्र/आलेख/टिप्पणी

भारत में महिला शिक्षा की गतिशीलता, अजीत मंडल और नीरू स्नेही, (संपा.) 2021 में 'विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान में महिलाए' पर अध्याय, शिप्रा प्रकाशन, नई दिल्ली।

मैनेजिंग सेमेस्टर सिस्टमः च्वाइस–बेस्ड क्रेडिट्स एंड स्टूडेंट असेसमेंट, जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, वॉल्यूम XXXV, नंबर 4, अक्टूबर 2021, पीपी. 311–344।

अनुसंधान रिपोर्ट

ससेक्स विश्वविद्यालय और भारतीय भागीदारों के साथ ब्रिटिश काउंसिल अंतरराष्ट्रीय सहयोगी परियोजना पर कार्यः 'वैश्विक शिक्षक शिक्षा नीतियां और समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अभ्यास' पर एक मॉड्यूल विकसित किया।

एमएचआरडी द्वारा 'उत्कृष्ट संस्थानों का मूल्यांकन योजना' में टीम सदस्य के रूप में आईआईटी खड़गपुर और ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी का दौरा किया और ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा पर एक रिपोर्ट तैयार की।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भागीदारी

प्रस्तुति/व्याख्यान–वेबिनार

मानव संसाधन विकास केन्द्र, गोवा विश्वविद्यालय द्वारा 110वीं से 113वीं एफपीआई (ऑनलाइन मोड) में आयोजित संकाय विकास प्रेरण कार्यक्रम में में वक्ता तथा उच्च शिक्षा में संस्थागत स्वायत्तता और अभिशासन; उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण और एनईपी–2020 पर (8 सत्र)।

10 अप्रैल, 2021 को स्कूल शिक्षा विभाग, जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 पर आयोजित वेबिनार में अध्यक्ष ।

17 सितंबर, 2021 को राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महिला अधिकारिता प्रकोष्ठ और प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में 'व्यक्तिगत क्षमता निर्माण' विषय पर व्याख्यान दिया।

13 सितंबर, 2021 को उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग आईसीटी विभाग, नीपा के सहयोग से आयोजित एनईपी–2020 पर संकाय विकास कार्यक्रम में उच्च शिक्षा में संस्थागत स्वायत्तता और शासन; उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण और एनईपी–2020 पर दो सत्रों में अध्यक्ष।

उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग आईसीटी विभाग, के सहयोग नीपा में आयोजित एनईपी–2020 पर संकाय विकास कार्यक्रम में उच्च शिक्षा में संस्थागत स्वायत्तता और शासन; उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण और एनईपी–2020 पर दो सत्रों में अध्यक्ष।

22–26 नवंबर, 2021 को नई शिक्षा नीति–2020, के परिप्रेक्ष्य से भारत में आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों में बालिकाओं की शिक्षा पर कार्यशाला में 24 नवंबर, 2021 को एक सत्र की अध्यक्षता की।

2–4 मार्च, 2022, उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा में संकायों के डीन और विश्वविद्यालयों के विभागाध्यक्षों के लिए नेतृत्व विकास पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय आभासी कार्यशाला में नेतृत्व शैलियों पर वीडियो प्रस्तुति और इसकी परिचर्चा पर सत्र की शुरुआत की।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं/सेमिनारों में भागीदारी

29 मार्च, 2022 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, गोवा विश्वविद्यालय, द्वारा ''मूक विकास और संचालन'' पर वेबिनार में भागीदारी।

भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ताः संस्थागत स्तर पर बाहरी और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन का अध्ययन, पर विशेषज्ञ समूह की बैठक में भागीदारी 25 मार्च, 2022।

23 मार्च, 2022 को 'विकासशील और सतत उद्योग – उच्च शैक्षिक संस्थानों में अकादमिक अनुबंधन विषय पर केंद्रित गोलमेज परिचर्चा में भागीदारी।

16–17 मार्च, 2022 को सीपीआरएचई, नीपा द्वारा आयोजित राज्य उच्च शिक्षा परिषदों, की परामर्शदात्री बैठक में भाग लिया।

10–12 मार्च, 2022 को उच्च और व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा, नई दिल्ली द्वाराउत्तर–औपनिवेशिक दुनिया में उच्च शिक्षा कोविड के बाद नई सामान्य स्थिति पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

8 मार्च, 2022 को आपदा प्रबंधन पर आपदा प्रबंधन समिति, नीपा द्वारा आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया।

5 मार्च, 2022 को डॉ भूषण पटवर्धन (पूर्व वीसी, यूजीसी), द्वारा 'अकादमिक सत्यनिष्ठा और अनुसंधान नैतिकता' पर एक इंटरैक्टिव चर्चा के लिए भाग लिया।

2–4 मार्च, 2022 को उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा में संकायों के डीन और विश्वविद्यालयों के विभागाध्यक्षों के लिए नेतृत्व विकास पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय आभासी कार्यशाला में भाग लिया, ।

21 फरवरी, 2022 को स्कूल और अनौपचारिक शिक्षा विभाग, नीपा द्वारा आयोजित ''भारतीय शिक्षकः व्यावसायिक मानक, प्रबंधन और जवाबदेही'' पर राष्ट्रीय वेबिनार में भागीदारी।

16 फरवरी, 2022 को उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा की विभागीय सलाहकार समिति में भाग लिया।

15 फरवरी, 2022 को कुलपति, नीपा द्वारा प्रो. अरुण सी. मेहता द्वारा लिखित पुस्तक के आभासी विमोचन में भागीदारी।

10 फरवरी, 2022 को शैक्षिक प्रशासन में नवाचार और नवोन्मेष के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार, के आभासी समारोह में भाग लिया।

19–21 जनवरी, 2022 को ऑनलाइन मोड में ''विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शैक्षणिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व'' पर तीन दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

10 दिसंबर, 2021 को नीपा स्टाफ रिट्रीट में भागीदारी और विचार मंथन सत्र की रिपोर्ट तैयार की।

30 नवंबर – 1 दिसंबर, 2021, को नीपा के पीएच.डी. स्कॉलर्स 2021 की सहकर्मी एवं संकाय समीक्षा संगोष्ठी में भागीदारी।

30 नवंबर, 2021 को सीपीआएचई, नीपा द्वारा ''उच्च शिक्षा का वित्तपोषण'', पर आयोजित वेबिनार में भागीदारी।

29 नवंबर, 2021 को नीपा में ''उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर अंतर–सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य'' पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया।

24 नवंबर, 2021 को सीपीआरएचई, नीपा में ''उच्च शिक्षा में छात्र विविधता'' पर विशेषज्ञ समूह की बैठक में भाग लिया।

22–26 नवंबर, 2021 को स्कूल और अनौपचारिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित ''नई शिक्षा नीति–2020 के परिप्रेक्ष्य से भारत में आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों में बालिकाओं की शिक्षा'' पर पांच दिवसीय आभासी कार्यशाला में भाग लिया।

11 नवंबर, 2021 को ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा द्वारा आयोजित ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय विश्वविद्यालयों का भविष्य'' पर एक वेबिनार में भाग लिया।

11 नवंबर, 2021 को नीपा में 12वें मौलाना आजाद स्मृति व्याख्यान, में भागीदारी।

5–16 सितंबर, 2021 को एम.फिल., के सहकर्मी एवं संकाय समीक्षा संगोष्ठी में भागीदारी।

10 सितंबर, 2021 को सीपीआरएचई, नीपा में 'उच्च शिक्षा में अनुसंधान, नवाचार और रैंकिंग' पर आयोजित वेबिनार में भागीदारी।

उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा द्वारा ''महामारी के बाद की दुनिया में उच्च शिक्षाः एक नए सामान्य अनुसंधान', पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के कार्य बल में भागीदारी।

18 अगस्त, 2021 को 'स्कूल शिक्षा 2020 में समानता और समावेशन', विषय पर वेबिनार में भाग लिया।

11 अगस्त, 2021 को नीपा में पद्म विभूषण प्रोफेसर के. कस्तूरीरंगन, द्वारा दिए गए नीपा 15वें स्थापना दिवस व्याख्यान में भाग लिया।

27 जुलाई, 2021 को सीपीआरएचई, नीपी द्वारा आयोजित ''भारत में उच्च शिक्षा में कॉलेज तैयारी और छात्र सफलता' पर शोध अध्ययन प्रस्ताव पर विशेषज्ञ समिति की बैठक में भाग लिया।

21–23 जुलाई, 2021 को उच्च शिक्षा अनुसंधान एवं क्षमता निर्माण अन्तर्राष्ट्रीय संस्थान (आईआईईएचडी) ओपी जिंदल वैश्विक विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'भविष्य के विश्वविद्यालयः संस्थागत लचीलापन, सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक प्रभाव का निर्माण' पर तीन दिवसीय आभासी वैश्विक विश्वविद्यालय शिखर सम्मेलन में भागीदारी

सीपीआरएचई, नीपा द्वारा 'उच्च शिक्षा में महिलाएं', पर आईएचईआर 2022 की पहली सहकर्मी समीक्षा बैठक में भागीदारी।

27 अप्रैल 2021 को 'नॉर्डिक विश्वविद्यालय और भारत के एनईपी–2020: अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए नए प्रक्षेप पथ' पर वेबिनार में भाग लिया,,

इनके अलावा, नीपा द्वारा संकाय और अनुसंधानल स्कॉलर्स के लिए आयोजित अन्य सेमिनारों/बैठकों में भाग लिया।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

अनु सागर गुप्ता, कर्टिन विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया द्वारा डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की डिग्री के लिए प्रस्तुत शोध प्रबंध की जांच/मूल्यांकन किया।

समकालीन शिक्षा संवाद के लिए पांडुलिपि सीईडी–2019–0218.आरवी1 की समीक्षा की, सेज प्रकाशन

15 मार्च, 2022 को नीपा का दौरा करने वाले भारतीय शिक्षक शिक्षा संस्थान, गांधी नगर, गुजरात के स्नातक, स्नातकोत्तर और अनुसंधान विद्वानों के साथ वार्तालाप।

10 मार्च, 2022 को अकादमिक परिषद की बैठक में भाग लिया।

2 नवंबर, 2021 को नीपा के अध्ययन बोर्ड की बैठक में भाग लिया।

नीपा स्टाफ रिट्रीट में भागीदारी और विचार–मंथन सत्र की रिपोर्ट तैयार की।

विभागीय सलाहकार समिति की बैठक का कार्यवृत्त तैयार किया।

पर्यवेक्षण और मूल्यांकन

सृष्टि भाटिया द्वारा 'एक्सप्लोरिंग द कंटूर ऑफ एकेडमिक फ्रीडम इन इंडियन यूनिवर्सिटीजः ए स्टडी ऑफ डॉक्टरल रिसर्च इन सोशल साइंसेज डिपार्टमेंट' शीर्षक से एम.फिल. शोध प्रबंध कार्य का मूल्यांकन किया।

प्रतिमा सिंह द्वारा 'आरटीई कार्यान्वयन स्थिति – एक दशक बाद आरटीई 2009' नामक पीजीडेपा निबंध का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन किया।

योगेश आर सोनवणे द्वारा 'महाराष्ट्र (भारत) और ढाका (बांग्लादेश) क्षेत्र के शिक्षकों के बीच 7 सतत विकास लक्ष्यों की जागरूकता पर दूरसंचार परियोजना की प्रभावशीलता का अध्ययन' शीर्षक से पीजीडेपा शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन किया।

ऐश्वर्या शर्मा द्वारा 'कोविड –19 महामारी के दौरान निजी ट्यूटोरियल केंद्रों के कामकाजः चुनौतियां और संभावनाएं' शीर्षक से एम.फिल. शोध प्रबंध कार्य का पर्यवेक्षण किया।

हर्षिता शर्मा द्वारा 'द फ्रैंचाइज़िंग ऑफ़ प्राइवेट ट्यूटरिंग इन इंडिया' नामक पीएच.डी. कार्य का पर्यवेक्षण किया।

मोहम्मद रौफ भट द्वारा 'जम्मू–कश्मीर में स्कूली शिक्षा के विकास में निजी स्कूलों की भूमिका को समझनाः जिला कुलगाम का अध्ययन' शीर्षक से पीएच.डी. शोध कार्य का पर्यवेक्षण किया।

अनुष्का द्वारा 'ए स्टडी ऑफ अफगान रिफ्यूजीज एनरोलेड इन हायर एजुकेशन एंड देयर स्टेटलेसनेस' शीर्षक से पीएच.डी. शोध कार्य का पर्यवेक्षण किया।

पाठ्यक्रम समन्वय

सितंबर 2021 में संयोजक के रूप में, पीजीडेपा पाठ्यक्रम 902: भारतीय शिक्षा–एक परिप्रेक्ष्य, का संचालन।

अध्यापन

एम.फिल.

वैकल्पिक पाठ्यक्रम (ओसी1): उच्च शिक्षाः मुद्दे और परिप्रेक्ष्य, का संचालन

पीजीडेपा

- पाठ्यक्रम 902: भारतीय शिक्षा–एक परिप्रेक्ष्य का संचालन
- पीजीडेपा में पाठ्यक्रम 905: अनुसंधान के तरीके और सांख्यिकी का संचालन

अन्य गतिविधियां

कनिष्ठ परियोजना सलाहकार (अकादमिक और प्रशासनिक दोनों), के पद के लिए आवेदनों की जांच हेतु नीपा जांच कमेटी के सदस्य।

वित्त अधिकारी के पद के लिए जांच कमेटी के सदस्य।

स्थायी खरीद समिति के सदस्य (2.5 लाख रुपये से कम)।

एम.फिल.–पीएच.डी. प्रवेश– जांच समिति की बैठक 10 जून, 2021 को (ऑफलाइन)

एम.फिल./पीएच.डी. में प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा के आयोजन के दौरान 'निरीक्षण/पर्यवेक्षण समिति' के सदस्य, जून 2020–21, नीपा।

एम.फिल./पीएच.डी. में प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा के आयोजन के दौरान मूल्यांकन समिति के सदस्य, जून 2020–21, नीपा।

2 नवंबर, 2021 को नीपा के अध्ययन बोर्ड की बैठक में भाग लिया।

नीपा की अकादमिक परिषद की बैठक में भाग लिया।

नवाचारों और नवोन्मेष के मामलों के मूल्यांकन के लिए समिति के सदस्य।

सदस्यता

आजीवन सदस्य, तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी ऑफ इंडिया (सीईएसआई)।

आजीवन सदस्य, भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी।

संगीता अंगोम

प्रकाशन

शोध पत्र/पत्रिका में प्रकाशित लेख (सहकर्मी समीक्षा)/सम्मेलन कार्यवाही

इजराइल में हलाह जर्नल ऑफ टीचिंग, लर्निंग एंड क्वालिटी इन हायर एजुकेशन में भारतीय शिक्षा पर कोविड–19 का प्रभाव, रणनीतियाँ और आगे की राह, नवंबर 2021, अंक 2, पीपी. 263–284.

भारतीय उच्च शिक्षा पर कोविड–19 महामारी के प्रभाव और चुनौतियाँः विश्वविद्यालय और कॉलेज संकाय के परिप्रेक्ष्य (विस्तारित सार) भारत की तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी के सार की पुस्तक, 11वाँ वार्षिक सम्मेलन (ऑनलाइन), 17–19 दिसंबर, 2021।

संगोष्ठियों और सम्मेलनों में प्रस्तुत आलेख

17–19 दिसंबर, 2021 (ऑनलाइन) सीईएसआई के 11वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान ''भारतीय उच्च शिक्षा पर कोविड–19 महामारी के प्रभाव और चुनौतियांः विश्वविद्यालय और कॉलेज संकाय के दृष्टिकोण'' पर पत्र प्रस्तुत।

26 नवंबर, 2021 को कोलंबो विश्वविद्यालय, श्रीलंका के शिक्षा संकाय द्वारा ''निजी विश्वविद्यालय स्वायत्तता और शिक्षक की अकादमिक स्वतंत्रता'' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान संगोष्ठी (ऑनलाइन) में लेख प्रस्तुत।

25–26 मार्च, 2022 को महिला कॉलेज, शिलांग, द्वारा (ऑनलाइन) आयोजित ''उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और प्रासंगिकता'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान ''भारत में निजी उच्च शिक्षा का विकासः चिंताएं और संभावनाएं'' पर प्रस्तुति।

संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों और बैठकों में भागीदारी

23 मार्च, 2022 को जूम प्लेटफॉर्म के माध्यम से शैक्षिक वित्त विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (नीपा), और अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) द्वारा ऑनलाइन आयोजित 'विकासशील और सतत उद्योग – उच्च शैक्षिक संस्थानों में अकादमिक श्रृखंला'' विषय पर केंद्रित गोलमेज चर्चा में भाग लिया।

21–22 मार्च, 2022 को संगणकीय जीव विज्ञान और जैव सूचना विज्ञान विभाग, केरल विश्वविद्यालय में ''सार्वजनिक विश्वविद्यालय में स्वायत्तता और अकादमिक स्वतंत्रताः वैश्विक दक्षिण से परिप्रेक्ष्य'', पर दो दिवसीय आभासी विचार–विमर्श में भाग लिया।

16–17 मार्च, 2022 को सीपीएचआरई, नीपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'राज्य उच्च शिक्षा परिषदों पर परामर्शदात्री आभासी बैठक' में भाग लिया।

10–12 मार्च, 2022 को उच्च और व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा द्वारा आयोजित ''औपनिवेशिक दुनिया में उच्च शिक्षाः कोविड पश्चात सामान्य नयी स्थिति, पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

8 मार्च, 2022 को नीपा, द्वारा आयोजित आपदा प्रबंधन पर संवाद में भाग लिया।

10 फरवरी, 2022 को शैक्षिक प्रशासन विभाग, नीपा, नई दिल्ली द्वारा आभासी मोड में आयोजित शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और नवोन्मेषों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह।

21 जनवरी, 2022 को एआईएमए के 11वें एमएसएमई सम्मेलन में भाग लिया।

18 दिसंबर, 2021 को कोविड–19 के समय में शिक्षा का मानचित्रण पर हमारे अंतर्राष्ट्रीय सीईएसआई सम्मेलन के दूसरे दिन बोस्टन कॉलेज के शोध प्रोफेसर और विशिष्ट फेलो, प्रोफेसर फिलिप अल्टबैक द्वारा प्रतिष्ठित व्याख्यान 'उपनिवेशवाद और उच्च शिक्षा में नव–उपनिवेशवादः विश्लेषण दृष्टिकोण पर विचार में भाग लिया,

10 दिसंबर, 2021 को होटल द ग्रैंड, नई दिल्ली में नीपा द्वारा आयोजित नीपा रिट्रीट 2021 में भाग लिया, ताकि आने वाले वर्षों के लिए मार्ग तैयार किया जा सके और ''शिक्षण और प्रशिक्षण'' विषय पर समूह कार्य भी शामिल हो।

29 नवंबर 2021 को नीपा में, 'उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर क्रॉस–कल्चरल परिप्रेक्ष्य' पर वेबिनार में भागीदारी।

30 नवंबर, 2021 को सीपीआरएचई, नीपा और एआईयू द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'उच्च शिक्षा का वित्तपोषण' पर वेबिनार में भाग लिया।

11 नवंबर, 2021 को 12वें मौलाना आज़ाद स्मृति व्याख्यान (ऑनलाइन), में भागीदारी।

10 सितंबर, 2021 को सीपीआरएचई, नीपा द्वारा आयोजित 'उच्च शिक्षा में अनुसंधान, नवाचार और रैंकिंग' पर वेबिनार में भाग लिया।

7–8 अक्टूबर, 2021 को एमएएचई, सेंटर फॉर एजुकेशन रिसर्च (ऑनलाइन) द्वारा आयोजित 'उच्च शिक्षा पर भारत–यूरोपीय संघ की बैठक' में भाग लिया।

31 अगस्त, 2021 को सीपीआरएचई, नीपा द्वारा आयोजित 'ज्ञान बहुलवाद और भाषाई तथा सांस्कृतिक विविधता', पर वेबिनार में भाग लिया।

आईसीटी विभाग, नीपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)–2020 के एक वर्ष पूरा होने पर 'शिक्षा में प्रौद्योगिकी का उपयोगः चुनौतियां और संभावनाएं' पर वेबिनार में भाग लिया।

18 अगस्त, 2021 को नीपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'एनईपी–2020 पर स्कूली शिक्षा में समानता और समावेश', पर वेबिनार में भाग लिया।

11 अगस्त, 2021 को नीपा में (ऑनलाइन) पर 15वें स्थापना दिवस व्याख्यान पद्म विभूषण प्रोफेसर के. कस्तूरीरंगन द्वारा दिए गए 'उदार शिक्षाः 21वीं सदी की अनिवार्यता' पर भाषण में भाग लिया।

27 जुलाई, 2021 को 'भारत में उच्च शिक्षा में महाविद्यालयों की तैयारी और छात्र सफलता' पर सीपीएचआरई–नीपा परियोजना के लिए अनुसंधान विशेषज्ञ समिति की (ऑनलाइन) बैठक में भाग लिया।

27 अप्रैल 2021 को यूआईसी, नीपा द्वारा आयोजित 'नॉर्डिक विश्वविद्यालयों और भारत के एनईपी–2020: अंतर्राष्ट्रीयकरण के नए प्रक्षेप पथ' पर वेबिनार में भाग लिया।

17 नवंबर, 2021 को (ऑनलाइन) शिक्षा में मुक्त सरकार पर आईआईईपी–यूनेस्को नीति मंच, में भाग लिया।

8 जुलाई, 2021 (ऑनलाइन) में उच्च शिक्षा में लचीले अधिगम राह पर आईआईईपी–यूनेस्को अंतर्राष्ट्रीय नीति मंच में भाग लिया।

19–21 जनवरी, 2022 को (ऑनलाइन) 'विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में अकादमिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व' कार्यशाला के दौरान 21 जनवरी, 2022 को 'शैक्षिक प्रशासन में महिला नेतृत्व' पर वेबिनार–सह–पैनल चर्चा में भाग लिया,

17 मार्च, 2022 नीपा द्वारा आयोजित, प्रो. एस.के. थोराट, द्वारा ''उच्च शिक्षा के लिए असमान पहुंच का क्या कारण है? नई शिक्षा नीति, 2020 के संदर्भ में नीतियों पर चर्चा'' में आमने–सामने व्याख्यान में भाग लिया।

30 जुलाई, 2021 को (ऑनलाइन) राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 (एनईपी–2020) पर प्रो. के. रामचंद्रन द्वारा दिए गए व्याख्यान में भाग लिया।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

2–4 मार्च, 2022, नीपा में (ऑनलाइन) 'संकाय के संकायाध्यक्षों और विश्वविद्यालयों के विभागाध्यक्षों के लिए नेतृत्व विकास कार्यशाला' का आयोजन किया।

10–12 मार्च, 2022 के दौरान उच्च और व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा द्वारा आयोजित 'उत्तर–औपनिवेशिक दुनिया में उच्च शिक्षाः कोविड पश्चात नई सामान्य स्थिति, पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन में सहयोग प्रदान किया।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/निष्पादित

2–4 मार्च, 2022 को नीपा द्वारा 'विश्वविद्यालयों के संकायाध्यक्षों और विभागाध्यक्षों के लिए नेतृत्व विकास कार्यशाला' के लिए सामग्री विकसित।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और सहायता

13–22 अप्रैल, 2021 को (शिक्षा मंत्रालय के अनुरोध पर) नीपा द्वारा पूर्वोत्तर राज्यों के लिए आयोजित कार्यशाला/परामर्शी बैठक/प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर दस्तावेज तैयार किया, जनवरी 2022 में शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किया।

9 अगस्त, 2021 को (लोकसभा) के लिए अतारांकित प्रश्न संख्या 3274 के तैयार उत्तर, 5 अगस्त, 2021 को शिक्षा मंत्रालय के लिए नीपा को प्रस्तुत किया।

23 मार्च, 2022 को राज्य सभा तारांकित वर्ग संख्या 220 के तैयार उत्तर 22 मार्च, 2022 को शिक्षा मंत्रालय के लिए नीपा को प्रस्तुत किया।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

अनुसंधान अध्ययन (जारी और पूर्ण)

'यूजीसी द्वारा वित्त पोषित संस्थानों के तृतीय पक्ष मूल्यांकन योजना', नीपा परियोजना के लिए, सर्वेक्षण टीम के सदस्य के रूप में फरवरी 2022 के दौरान टीम के सदस्यों के साथ आईआईटी दिल्ली का दौरा किया। फरवरी 2022 में रिपोर्ट तैयार की और प्रधान अन्वेषक को प्रस्तुत की। ।

शोध अध्ययन शीर्षक, 'भारतीय स्नातक महाविद्यालयों में पुस्तकालय सुविधाएं और छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर उनका प्रभाव' जारी है।

पी–एच.डी. और एम.फिल. छात्रों का पर्यवेक्षण

पी–एच.डी. विद्वान सुश्री फातिमा ज़राह के पीएच.डी. शोध कार्य शीर्षक ''लद्दाख में उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी और महिला सशक्तिकरण की संभावनाऐं'' का पर्यवेक्षण किया।

पीएचडी विद्वान की देखरेख, गद्दाम मिहिर की शोध प्रबंध शीर्षक, 'भारतीय विश्वविद्यालयों में दर्शनशास्त्र पाठ्यक्रम में संविधान का ऐतिहासिक–सांस्कृतिक विश्लेषणः तेलंगाना के राज्य विश्वविद्यालयों का अध्ययन'।

सुजीत कुमार लुहा के एम.फिल. शोध प्रबंध शीर्षक ''बारगढ़ जिले के विशेष संदर्भ में ओडिशा में स्कूल शिक्षा प्रणाली में भेदभावपूर्ण व्यवहार'' का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन किया, (एमफिल बैच 2020–22, शोध प्रबंध प्रस्तुत)।

अनुराधा शाह के एम.फिल. शोध प्रबंध शीर्षक 'निजी उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारीः उत्तर प्रदेश का अध्ययन' का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन किया, (एमफिल बैच 2020–22, शोध प्रबंध प्रस्तुत)।

नीपा प्रशिक्षुओं का पर्यवेक्षण

रुकसाना सैकिया (पीजीडेपा प्रशिक्षु 2021–22) के शोध प्रबंध शीर्षक 'असम के माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच जनसंख्या विस्फोट समस्या के प्रति जागरूकता विकसित करने पर जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रमों की प्रभावशीलता', का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन किया, (2022)।

लेफ्टिनेंट प्रियंका ढुल (पीजीडेपा प्रशिक्षु 2021–22) के शोध प्रबंध शीर्षक ''भारतीय नौसेना में सम्मिलित होने के लिए वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के स्कूली छात्रों के प्रेरक स्तर का अध्ययन'', का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन किया, (2022)।

पाठ्यक्रम समन्वयक

आईडेपा पाठ्यक्रम 201–विषयगत संगोष्ठी

पीजीडेपा पाठ्यक्रम 905–अनुसंधान पद्धति, परियोजना कार्य और लेखन

पाठ्यक्रमों का संचालन

एम.फिल. पाठ्यक्रम ओसी–9, लैंगिक, शिक्षा और विकास

पीजीडेपा कार्यक्रम

पीजीडेपा पाठ्यक्रम 906: प्रतिभागियों की संगोष्ठी

पीजीडेपा पाठ्यक्रम 905 अनुसंधान पद्धति परियोजना कार्य और लेखन

पीजीडेपा पाठ्यक्रम 902 भारतीय शिक्षाः एक परिप्रेक्ष्य

परीक्षा समिति की गतिविधियों में शामिल

एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रमों की प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर की अंतिम अवधि की परीक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम प्रभारी से ग्रेड का संग्रह।

प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर की अंतिम अवधि की परीक्षाओं की तैयारी और छात्र प्रकोष्ठ को प्रस्तुत करना।

फाइनल एम.फिल. 2019–21 के परिणाम तैयार करना और छात्र प्रकोष्ठ को जमा करना।

एम.फिल. बैच 2019–21 की मौखिक परीक्षा।

पीएच.डी. की मौखिक परीक्षा।

प्रशिक्षण में भागीदारी

29–30 नवंबर, 2021 को आईएसटीएम, भारत सरकार द्वारा ऑनलाइन माध्यम से आयोजित 'अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के संपर्क अधिकारियों पर प्रशिक्षण–कार्यशाला' में भागीदारी।

नीपा कार्यक्रम में पाठ्यक्रमों का निष्पादन तथा व्याख्यानों के संचालन में शामिल

13–17 सितंबर, 2021 तक आईसीटी और उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा द्वारा 'राष्ट्रीय शैक्षिक नीति–2020 पर संकाय विकास कार्यक्रमः कार्यान्वयन के लिए रणनीतियां' पर आयोजित 'उच्च शिक्षा में निजीकरणः वर्तमान चुनौतियां' और 'संस्थागत स्तर पर आईडीपी का कार्यान्वयन' में दो सत्र लिये।

4–8 अक्टूबर, 2021 तक आईसीटी और उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा द्वारा 'राष्ट्रीय शैक्षिक नीति–2020 पर संकाय विकास कार्यक्रमः कार्यान्वयन के लिए रणनीतियां' पर आयोजित 'उच्च शिक्षा में निजीकरणः वर्तमान चुनौतियां' और 'संस्थागत स्तर पर आईडीपी का कार्यान्वयन' में दो सत्र लिये।

22–26 नवंबर, 2021, स्कूल और अनौपचारिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित नई शिक्षा नीति–2020 के दृष्टिकोण से भारत में आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों में 'बालिकाओं' की शिक्षा पर पांच दिवसीय आभासी कार्यशाला के दौरान 24 नवंबर, 2021 को एक सत्र की अध्यक्षता।

अन्य विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रमों के संचालन में सहयोग

26 अप्रैल–5 मई, 2021 तक दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो वर्षीय बीएड कार्यक्रम के लिए मॉड्यूल 'भारत में शिक्षा प्रणाली का विकास, पर दस कक्षाएं (ऑनलाइन) की गईं।

17–26 जून, 2021 तक दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''दो वर्षीय बी.एड. कार्यक्रम के लिए मॉड्यूल 'शैक्षिक मापन और मूल्यांकन' पर दस कक्षाएं (ऑनलाइन) की गईं।

21 सितंबर–28 अक्टूबर, 2021 तक मानव संसाधन विकास केन्द्र, गोवा विश्वविद्यालय द्वारा 111वें संकाय प्रेरण कार्यक्रम के दौरान 'एनईपी–2020 के संदर्भ में उच्च शिक्षा में निजीकरण और आईडीपी' पर दो सत्र आयोजित किए।

16 नवंबर–21 दिसंबर, 2021 तक मानव संसाधन विकास केन्द्र, गोवा विश्वविद्यालय में 112वें संकाय प्रेरण कार्यक्रम के दौरान 'एनईपी–2020 के संदर्भ में उच्च शिक्षा में निजीकरण' विषय पर दो सत्र आयोजित किए।

1 फरवरी से 8 मार्च, 2022 तक मानव संसाधन विकास केन्द्र, गोवा विश्वविद्यालय में 113वें संकाय प्रेरण कार्यक्रम के दौरान 'एनईपी–2020 के संदर्भ में उच्च शिक्षा में निजीकरण और आईडीपी' पर दो सत्र आयोजित किए।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान नीपा की अन्य गतिविधियों में योगदान

नीपा वार्षिक रिपोर्ट 2021 की तैयारी के लिए प्रभारी संकाय।

शैक्षिक प्रशासन (एनएआईईए) में नवाचारों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों हेतु अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड और त्रिपुरा राज्यों के नवाचार मामलों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन करने के लिए मूल्यांकन समिति के सदस्य।

नीपा समितियों के सदस्य

परियोजना सलाहकार एवं कनिष्ठ परियोजना सलाहकार के पदों के लिए आवेदन पत्रों की जांच हेतु गठित समिति के सदस्य।

अनुकंपा नियुक्ति के लिए गठित समिति के सदस्य।

एनईआर अनुदान के तहत उत्तर पूर्व क्षेत्र से संबंधित शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, परियोजनाओं आदि के संचालन हेतु संकाय समन्वयक के रूप में मनोनीत।

प्रशासनिक सहायक पद के लिए चयन समिति के सदस्य।

ओबीसी और पीडब्ल्यूडी के लिए संपर्क अधिकारी के रूप में मनोनीत।

28 अक्टूबर, 2021 को उप प्रकाशन अधिकारी (डीपीओ) प्रभारी, नीपा के रूप में मनोनीत।

स्वर्गीय डॉ. नरेश कुमार को आवंटित कार्यालय कक्ष को खोलने के लिए पुनर्गठित समिति के अध्यक्ष।

नीपा, संचालन समिति के सदस्य।

एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम के आवेदनों की जांच के लिए समिति के सदस्य – 2011–22।

एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम की लिखित परीक्षा लिपियों की मूल्यांकन समिति के सदस्य – 2021–22।

निवेश समिति, नीपा के सदस्य।

परीक्षा समिति, नीपा के सदस्य।

अध्ययन बोर्ड के सदस्य।

अकादमिक परिषद के सदस्य

प्रबंधन बोर्ड के सदस्य।

नीपा के बाहर प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

नॉर्थ ईस्ट इंडिया एजुकेशन सोसाइटी, शिलांग (एनईआईईएस) के आजीवन सदस्य

भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सीईएसआई) के आजीवन सदस्य

शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास विभाग

बी.के. पंडा

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/वेबिनार/गोलमेज सम्मेलनों में भागीदारी

27 अप्रैल, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय सहयोग इकाई (यूआईसी), नीपा और भारतीय नॉर्डिक केन्द्र (एनसीआई) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "भारत के एनईपी–2020 पर दूसरे नॉर्डिक–भारत शिखर सम्मेलनः अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए नए प्रक्षेप पथ", में भागीदारी।

27 मई, 2021 को आयोजित 'शैक्षिक योजना और प्रबंधन में 'साक्ष्य' का उपयोग', पर केआईएक्स–ईएपी वेबिनार में भागीदारी (आईआईईपी–यूनेस्को),।

17–19 मई, 2021, तक बर्लिन से आभासी ''सतत विकास पर यूनेस्को विश्व सम्मेलन'', में 'आईसीटी, आजीवन शिक्षा और महिलाओं के लिए समृद्धि' विषय पर में भाग लिया।

16 जून, 2021 को उप्साला विश्वविद्यालय और तकनीकी विश्वविद्यालय, डेनमार्क द्वारा 'अपने संस्थानों के सहयोग का आकलन' विषय पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया।

15 जून, 2021 को आईआईईपीए–यूनेस्को, पेरिस के ''ई–सामग्री विकास'', पर वेबिनार में भाग लिया।

1 जून, 2021 को ''कोविड–19 के दौरान बालिकाओं की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करनाः एक परिहारकारी प्राथमिकता?'' पर आईआईईपी की रणनीतिक बहस में भाग लिया, आईआईईपी, पेरिस।

21 जून, 2021 को ''अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस'', पर नीपा संगोष्ठी में भाग लिया।

8 जुलाई, 2021 को अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति शिक्षा विभाग (बीबीएसआर), द्वारा आयोजित ''राज्यों और चयनित देशों द्वारा कोविड महामारी के दौरान वैकल्पिक शिक्षण नवाचार – नवोन्मेष और सबक'' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

6–8 जुलाई, 2021 को ''उच्च शिक्षा में लचीले अधिगम के राह'' पर आईआईईपी–यूनेस्को अंतर्राष्ट्रीय नीति मंच में भाग लिया।

16–18 जुलाई, 2021 तक व्यावसायिक अध्ययन विभाग, ग्वालियर एमपी और आईएईआर, द्वारा आयोजित ''कोविड–19 महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षण अधिगम की चुनौतियां और अवसर'' पर वेबिनार में भाग लिया।

29 जुलाई, 2021 को ''एनईपी–20 के तहत परिवर्तनकारी सुधारों का एक वर्ष'' पर राष्ट्र के नाम प्रधानमंत्री के संबोधन में भाग लिया।

31 अगस्त, 2021, सीपीआरएचई, नीपा द्वारा ''ज्ञान बहुलवाद और भाषाई और सांस्कृतिक विविधता'', पर वेबिनार में भाग लिया।

24 अगस्त, 2021 को ''शिक्षा में प्रौद्योगिकी का उपयोगः चुनौतियां और संभावनाएं'' पर वेबिनार में भागीदारी, जिसमें प्रोफेसर संदीप संचिति, कुलपति (अध्यक्ष) मारवाड़ी विश्वविद्यालय, राजकोट, गुजरात वेबिनार के प्रमुख वक्ता थे।

18 अगस्त, 2021, नीपा द्वारा 'स्कूल शिक्षा में समानता और समावेशन–2020'' पर वेबिनार में भाग लिया।

11 अगस्त, 2021 को आयोजित आभासी राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के लिए मसौदा समिति के अध्यक्ष पद्म विभूषण प्रोफेसर के. कस्तूरीरंगन द्वारा ''उदार शिक्षाः 21वीं सदी की अनिवार्यता'' पर नीपा के पंद्रहवें स्थापना दिवस व्याख्यान में भागीदारी।

24 सितंबर, 2021, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा रायपुर में जनगणना संचालन के निदेशक डॉ दिगविजय गिरी द्वारा ''अनुसंधान के लिए जनगणना आंकड़ों के उपयोग की संभावनाएं'' पर वेबिनार में भागीदारी।

22–23 सितंबर, 2021 को पीएचडी विद्वानों के लिए वार्षिक–सह–अर्ध–वार्षिक समीक्षा संगोष्ठी में भाग लिया।

15–16 सितंबर, 2021 को 2020 बैच के एम.फिल. स्कॉलर्स, के लिए सहकर्मी और संकाय समीक्षा सेमिनार में भागीदारी।

10 सितंबर, 2021 को ''उच्च शिक्षा में अनुसंधान, नवाचार और रैंकिंग'', पर वेबिनार में भागीदारी।

10–11 सितंबर, 2021 को सीईएसआई, नई दिल्ली द्वारा ''भारत में स्कूल की पसंद का समाजशास्त्र'', पर संगोष्ठी में भाग लिया।

21 सितंबर, 2021, को ''दक्षिण एवं दक्षिणपूर्व एशिया नवाचार मंच–2021'', आईआईईपी–यूनेस्को, पेरिस में भागीदारी।

25–27 अक्टूबर, 2021 को शैक्षिक प्रशासकों द्वारा अनुसरण की जाने वाली अभिनव प्रथाओं की मूल्यांकन बैठकों में भागीदारी।

30 नवंबर और 1 दिसंबर, 2021 को नीपा के अनुसंधान विद्वानों के लिए दो दिवसीय सहकर्मी समीक्षा बैठक में भागीदारी।

30 नवंबर, 2021 को भारतीय विश्वविद्यालय संघ और सीपीआरईई/नीपा द्वारा संयुक्त रूप से ''उच्च शिक्षा के वित्तपोषण'' पर आयोजित संगोष्ठी में प्रमुख वक्ताओं प्रो. पंकज मित्तल, प्रो. एन.वी. वर्गीज, प्रो. सुधांशु भूषण, के साथ भागीदारी।

29 नवंबर, 2021, को भारतीय विश्वविद्यालय संघ और नीपा द्वारा ''उच्च शिक्षा में क्रॉस–कल्चरल परिप्रेक्ष्य'' पर प्रख्यात विद्वानों के पैनल प्रो. रत्ना घोष, प्रो. रिचर्ड विलियम एलन, प्रो. सुषमा यादव, और प्रो. एन.वी. वर्गीस, के साथ संगोष्ठी में भाग लिया।

11 नवंबर, 2021, को नीपा में डॉ. अबुसालेह शरीफ और प्रोफेसर, अमिताभ कुंडू, द्वारा ''भारत में शिक्षा के उच्च स्तर में अंतः–पीढ़ीगत और अंतः–क्षेत्रीय अंतर'' पर वेबिनार में भागीदारी।

11 नवंबर, 2021 को नीपा में पूर्व अध्यक्ष, प्रो. वेद प्रकाश, यूजीसी, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली द्वारा ''मौलाना आज़ाद के योगदान'' पर वेबिनार में भाग लिया।

10 फरवरी 2022 को नीपा में ''शैक्षिक प्रशासन में नवाचार और नवोन्मेष के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार, पर संगोष्ठी में भागीदारी।

21 फरवरी, 2022 को नीपा में ''भारतीय शिक्षकः व्यावसायिक मानक, प्रबंधन और जवाबदेही'', पर राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

17 मार्च, 2022 को नीपा में ''उच्च शिक्षा में असमान पहुंच का क्या कारण है? नई शिक्षा नीति, 2020 के दृष्टिकोण से नीतियों पर चर्चा'', पर व्याख्यान में भाग लिया।

10 मार्च, 2022 को उच्च और व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा, नई दिल्ली द्वारा ''औपनिवेशिक दुनिया में उच्च शिक्षाः कोविड पश्चात नई सामान्य परिस्थिति, पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

वैज्ञानिक सूचना संस्थान से राहेल मैंगन, पैट्रिक देवोस और रियान फ्राई द्वारा ''सतत विकास लक्ष्यों के लिए विश्वविद्यालयों के योगदान को अधिकतम करना'' पर वेबिनार में भाग लिया, 29 मार्च, 2022, क्लेरिवेट।

23 मार्च, 2022 को नीपा द्वारा आयोजित ''विकासशील और सतत उद्योग – उच्च शिक्षण संस्थानों में अकादमिक कड़ी'' पर जूम प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन वेबिनार में भागीदारी।

21–22 मार्च, 2022 को केरल विश्वविद्यालय और नीपा द्वारा ''सार्वजनिक विश्वविद्यालय में स्वायत्तता और अकादमिक स्वतंत्रताः वैश्विक दक्षिण से परिप्रेक्ष्य'', पर वेबिनार में भाग लिया।

16–17 मार्च, 2022 को सीपीआरएचई, नीपा द्वारा आयोजित ''राज्य उच्च शिक्षा परिषदों पर परामर्शदात्री बैठक'' में भाग लिया।

8 मार्च, 2022 को नीपा में ''आपदा प्रबंधन'', पर एक संगोष्ठी में भागीदारी।

कार्यक्रम की रूपरेखा और मॉड्यूल विकसित

वर्ष 2021 के लिए शैक्षिक योजना और प्रशासन (पीजीडेपा) में दीर्घकालिक पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम के निदेशक और संस्थागत योजना और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षुओं के लिए (ऑनलाइन) पांच अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम, पर विभागीय सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया।

सदस्य के रूप में सभी अकादमिक परिषद, अध्ययन बोर्ड और नीपा की अन्य बैठकों में भागीदारी।

30 मार्च–12 अप्रैल, 2021 को नीपा, नई दिल्ली में ऑनलाइन माध्यम से ''शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुखों के लिए संस्थागत योजना और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम'', शीर्षक से ऑनलाइन कार्यक्रम को डिजाइन और विकसित किया।

संस्थागत योजना पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षुओं के लिए हस्तपुस्तिका का डिजाइन किया, जिसका उपयोग शैक्षिक संस्थानों के प्रमुखों के प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षण सामग्री के रूप में किया गया।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तरों पर शैक्षिक संस्थानों के प्रमुखों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए कार्यपुस्तिका विकसित की।

छात्रों को मार्गदर्शन

सत्य गरदा के पीएच.डी. शोध कार्य ''ओडिशा के कोरापुट जिले के स्कूलों में आदिवासी बच्चों की समस्या'' विषय का पर्यवेक्षण।

पूनम चौधरी के पीएच.डी. शोध कार्य ''बदलते नीति संदर्भ में शिक्षकों की व्यावसायिक पहचान का समाजशास्त्रीय विश्लेषण'' विषय का पर्यवेक्षण।

प्रशिक्षुओं का मार्गदर्शन

अरुण जाधव, पीजीडेपा प्रशिक्षु 2021–22 को ''महाराष्ट्र में स्कूली शिक्षा के विकास में एमएससीईआरटी की भूमिका और कार्यों का अध्ययन'' विषय पर मार्गदर्शन

स्क्वाडन लीडर साजिथ केटी, पीजीडेपा प्रशिक्षु 2021–22 को ''अंडमान और निकोबार प्रशासन द्वारा आदिवासी समूहों की शिक्षा और कल्याण में सुधार के लिए उठाए गए कदम'' विषय पर मार्गदर्शन

व्यावसायिक निकायों में सदस्यता

(आईआईईपी–यूनेस्को), पेरिस, फ्रांस में 9 महीने की वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागी के रूप में अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना संस्थान के पूर्व छात्र।

इंडो–फ्रेंच टेक्निकल एसोसिएशन (आईएफटीए), दिल्ली के आजीवन सदस्य।

इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसाइटी (आईएसएस), नई दिल्ली के आजीवन सदस्य।

ऑल इंडिया एसोसिएशन फॉर एजुकेशनल रिसर्च (आईएईआर), भुवनेश्वर के आजीवन सदस्य।

भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सीईएसआई), नई दिल्ली के आजीवन सदस्य।

एंथ्रोपोलॉजिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया, (एएआई), नई दिल्ली के आजीवन सदस्य।

भारतीय सामाजिक विज्ञान संघ (आईएसएसए), आगरा के आजीवन सदस्य।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ टीचर एजुकेटर्स (आईएटीई), इलाहाबाद में आजीवन सदस्य।

इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन), नई दिल्ली के आजीवन सदस्य।

मोना सेदवाल

प्रकाशन

नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020: चेजिंग रोडमैप फॉर स्कूल टीचर्स इन एशियन नेटवर्क ऑफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूशंस इन एजुकेशन प्लानिंग (एंट्रीप) न्यूज लेटर वॉल्यूम. 26, नं. 1, जनवरी–जून 2020, नीपा, नई दिल्ली, सितम्बर 2021 में मुद्रित

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

प्रस्तुतकर्ता के रूप में

11 अगस्त, 2021 को राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र (एनसीएसएल), नीपा द्वारा प्रशासकों, अभिभावकों, समुदाय, निजी क्षेत्र और गैर सरकारी संगठनों पर ध्यान केन्द्रण, हितधारकों साथ स्कूल सुधार के लिए साझेदारी' शीर्षक से मॉड्यूल प्रस्तुत किया, विशेषज्ञों द्व ारा एनसीएसएल के मॉड्यूल की जांच और प्रस्तुति में भागीदारी

25–26 दिसंबर, 2021 को जूम वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से आयोजित 'गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के मुद्दों और चिंताओं' पर एआईएईआर सम्मेलन में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)–2020 के दृष्टिकोण में शिक्षकों की बदलती भूमिका' शीर्षक से एक लेख प्रस्तुत किया। सम्मेलन का आयोजन अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ द्वारा शिक्षा विभाग, बीजेबी (स्वायत्त) कॉलेज, भुवनेश्वर के सहयोग से किया गया।

गूगल मीट के माध्यम से 18–19 फरवरी, 2022 को आयोजित पुनः–अभियांत्रिकी शिक्षा के दायरे में जिम्मेदार नवाचार पर आभासी अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में उच्च शिक्षा में 'मिश्रित अधिगम' राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के साथ वर्तमान रुझान और भविष्य की संभावनाएं, शीर्षक पर लेख प्रस्तुत किया। सम्मेलन का आयोजन यूनिवर्सल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस द्वारा वैश्विक शैक्षिक अनुसंधान संघ (जीईआरए) और किंग मोंगकुट यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी थॉनबुरी (केएमयूटीटी), बैंकॉक के सहयोग से किया गया था।

24–25 मार्च, 2022 ऑनलाइन/मिश्रित माध्यम में कोविड–19 पश्चात उच्च शिक्षा में नए आयामः वैश्विक परिप्रेक्ष्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शिक्षक शिक्षा में उच्च शिक्षा की भूमिकाः राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के दृष्टिकोण से सेवा–पूर्व शिक्षक शिक्षा की समीक्षा शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया। सम्मेलन का आयोजन उस्मानिया विश्वविद्यालय से संबद्ध राजकीय महिला स्नातक महाविद्यालय, बेगमपेट (स्वायत्त), हैदराबाद द्वारा किया गया।

28 मार्च–1 अप्रैल 2022 तक बी.एस. अब्दुर रहमान क्रिसेंट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, वंडालूर, चेन्नई द्वारा आयोजित सम्मेलन में पर्यावरण, ऊर्जा और स्वास्थ्य पर विषय केंद्रित XLVवीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस में मुस्लिम अल्पसंख्यक बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा तक पहुंचः भारत में नीतियों और कार्यक्रमों का अवलोकन' शीर्षक से पत्र प्रस्तुत किया।

प्रतिभागी के रूप में

5 अप्रैल, 2021 को प्रो. हेडन बेलेनोइट द्वारा आयोजित 'गलियारों और कक्षा में स्वतंत्रता आंदोलनः मिशनरी और भारत की धार्मिक टेपेस्ट्री 1870–1930' पर आभासी वार्ता। यह वार्ता तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सीईएसआई), भारत के तहत रिसर्च इंटरेस्ट ग्रुप (आरआईजी) हिस्ट्री ऑफ एजुकेशन द्वारा आयोजित की गई।

6–9 अप्रैल, 2021 तक भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के सहयोग से एसआईयू–एआईयू के आईएचई सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड यूनिवर्सिटी) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीयकरण की पुर्नकल्पना–एक उत्प्रेरक के रूप में मिश्रित शिक्षा पर आभासी सम्मेलन।

14 अप्रैल, 2021 को इंडिया लीडर्स फॉर सोशल सेक्टर (आईएलएसएस) द्वारा आयोजित नगमा मुल्ला (सीओओ, एडेलगिव फाउंडेशन) द्वारा भुगतान–क्या–यह लेता हैः एक मजबूत सामाजिक क्षेत्र के लिए परोपकार' पर वार्ता।

16 अप्रैल, 2021 को ऑनलाइन मोड पर एलएन वेंकटरामन, नीति अध्ययन विभाग, टेरी स्कूल ऑफ एडवांस स्टडीज (टीईआरआई एसएएस) द्वारा संकरी गली बनी मुख्य सड़कः अनुकूली प्राथमिकताएं और एक तमिल गांव में क्षमताओं का सामाजिक निर्माण पर संगोष्ठी श्रृंखला में प्रतिभागी। संगोष्ठी का आयोजन सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था।

19–24 अप्रैल, 2021 तक नवोदय विद्यालय समिति और एनसीएसएल, नीपा के सहयोग से आयोजित शैक्षणिक नेतृत्व पर ऑनलाइन क्षमता विकास कार्यशाला में प्रतिभागी।

19 अप्रैल, 2021 को उच्च शिक्षा परिवर्तन पर वेधशाला, हायर स्कूल ऑफ इकोनोमिक यूनिवर्सिटी, रूस द्वारा महामारी के दौरान छात्र अनुभव शीर्षक, पर उच्च शिक्षा परिवर्तन पर वेधशाला का तीसरा विशेषज्ञ आयोजित किया।

23 अप्रैल, 2021 को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से सामाजिक विज्ञान क्षेत्रीय विकास स्कूल अध्ययन केंद्र–III, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं पर महामारी का प्रभावः शहरी और ग्रामीण स्कूलों के लिए चुनौतियां और लचीलापन पर वेबिनार में भागीदारी।

24 अप्रैल, 2021 को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा यूनिसेफ के सहयोग से कोविड–19 का पुनरुत्थान बच्चों की सुरक्षा की चिंता पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

22 अप्रैल, 2021 को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से सामाजिक विज्ञान क्षेत्रीय विकास स्कूल अध्ययन केंद्र–III, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अनुसंधान विद्वान समुदाय में महामारी लचीलापन और चुनौतियां पर वेबिनार।

27 अप्रैल, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय सहयोग इकाई (यूआईसी), नीपा और भारत में नॉर्डिक केंद्र (एनसीआई) द्वारा संयुक्त रूप से 'भारत के एनईपी–2020ः अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए नए प्रक्षेप पथ, पर दूसरा नॉर्डिक–भारत शिखर सम्मेलन' आयोजित किया।

29 अप्रैल, 2021 को प्रोफेसर लिज़ जैक्सन, अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा विभाग, हांगकांग के शिक्षा विश्वविद्यालय द्वारा ''सदाचार से परेः कृतज्ञता और विनम्रता को शिक्षित करने की राजनीति' थिंकिंग थर्सडे अनुसंधान संगोष्ठी। इसका आयोजन तुलनात्मक और वैश्विक शिक्षा केन्द्र द्वारा उच्च शिक्षा अनुसंधान और क्षमता निर्माण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान (आईआईएचईडी), ओ पी जिन्दल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा के तत्वाधान में किया गया।

4 मई, 2021 को एसोचौम राष्ट्रीय शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित एनईपी–2020 – अवसरों की अधिकता पर वेबिनार।

5 मई, 2021 को ब्रिटिश अकादमी अनुसंधान परियोजना यूसएल में कल्याण की मिश्रित अर्थव्यवस्था का संग्रह द्वारा भारत का धर्मार्थ इतिहासः अभिलेखीय चुनौतियां और अवसर पर वेबिनार। इस संगोष्ठी ने भारत के दान, मानवीय और परोपकारी इतिहास को संग्रहित करने में चुनौतियों और अवसरों का पता लगाया।

10 मई, 2021 को आयोजित शिक्षा पर पीढ़ियों के बीच बातचीत (टीएजीई) के समापन के लिए शिक्षा की पुनर्कल्पना पर यूनेस्को एमजीआईईपी टैग लाइव कार्यक्रम।

13 मई, 2021 को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सेव द हिल्स, भारत ग्रामीण आजीविका फाउंडेशन और उद्योगिनी के सहयोग से आयोजित डीआरआर के माध्यम से ग्रामीण भारत में सामुदायिक क्षमता निर्माण पर वेबिनार। .

15 मई, 2021 को डॉ. एल.एन. वेंकटरमण, नीति अध्ययन विभाग, टेरी एसएएस द्वारा महामारी शिक्षाशास्त्र और सार्वजनिक नीति – #4 कोविड–19 महामारी और शिक्षा पर इसके प्रभाव पी आयोजित ऊर्जा और संसाधन संस्थान (टीईआरआई) द्वारा एमए (सार्वजनिक नीति और सतत विकास) वेबिनार श्रृंखला।

17–19 मई, 2021 तक भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सीईएसआई) द्वारा अनुसंधान रुचि समूह (आरआईजी) शिक्षा का समाजशास्त्र के तहत आयोजित स्कूल की पसंद का समाजशास्त्र शीर्षक पर आभासी सम्मेलन।

एसोचैम राष्ट्रीय शिक्षा परिषद और श्रीश्री विश्वविद्यालय द्वारा 19 मई, 2021 को आयोजित एनईपी–2020 दिशानिर्देशों के अनुसार उभरती प्रौद्योगिकियों के महत्व पर वेबिनार।

इंडियन लीडर्स फॉर सोशल सेक्टर (आईएलएसएस) द्वारा 21 मई, 2021 को आयोजित कोविड संकट के समय में बाल अधिकार, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर ऑनलाइन पैनल चर्चा।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 26 मई, 2021 को आयोजित शिक्षा की निरंतरता – द्वितीय सर्ज में एक बड़ी चुनौती पर कार्यशाला।

इम्पैक्ट एंड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईएमपीआरआई) के सहयोग से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 27 मई, 2021 को आयोजित लैंगिक समानता, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास लक्ष्यों पर ऑनलाइन प्रशिक्षण।

1 जून, 2021 को बालिकाओं की शिक्षा और कोविड 19 पर आईआईईपी रणनीतिक बहस का आयोजन।

2 जून, 2021 को एसोचैम राष्ट्रीय शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा में अनुसंधान और नवाचार और नवोन्मेष पर वेबिनार।

3 जून, 2021 को द इंटरनेशनल सेंटर गोवा (आईसीजी) द्वारा आयोजित इन्डियाज हायर एजुकेशन इन द टाइम्स ऑफ द ग्रेट पैनडेमिक एंड बियॉन्ड पर आईसीजी चर्चा मंच।

शिक्षा प्रौद्योगिकी और प्रबंधन अकादमी (आईटीएमए) द्वारा आयोजित 5 जून, 2021 को आयोजित निजी शिक्षण की शिक्षाशास्त्र पर ऑनलाइन शैक्षणिक सम्मेलन।

डॉ. सुजाता पटेल, विशिष्ट प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय और केर्स्टिन हेसलग्रेन अतिथि प्रोफेसर, उमिया विश्वविद्यालय द्वारा 5 जून को नागरिक फोरम इंडिया (सीएफआई) द्वारा आयोजित रिस्क ट्रस्ट एंड द पेंडेमिक पर परस्पर संवादात्मक चर्चा।

5 जून, 2021 को एसोचैम राष्ट्रीय शिक्षा परिषद द्वारा उच्च शिक्षा संस्थान अपने पाठ्यक्रम को एनईपी–2020 से कैसे जोड़ सकते हैं विषय पर वेबिनार का आयोजन।

9 जून, 2021 को एसोचैम इंडिया द्वारा आयोजित संपूर्ण सरकार पर आभासी एसोचैम गोलमेज चर्चा।

9 जून, 2021 को पर कोई विकलांग बालिका पीछे नहीं छूटेः शिक्षा के लिए अंतर्विभागीय दृष्टिकोण पर आयोजित वैश्विक वेबिनार, जिसका आयोजन ग्लोबल पार्टनरशिप फॉर एजुकेशन, यूएन गर्ल्स एजुकेशन इनिशिएटिव (यूएनजीईआई), यूनिसेफ, यूनेस्को इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशनल प्लानिंग (आईआईईपी–यूनेस्को), साइटसेवर्स एंड ह्यूमैनिटी एंड इंक्लूजन द्वारा जी 7 और वैश्विक शिक्षा शिखर सम्मेलन के नेतृत्व के रूप में किया गया।

15 जून, 2021 को प्रौद्योगिकी–सक्षम समावेशी शिक्षाः विकलांग शिक्षार्थियों के लिए कोविड–19 से उभरते आचरण पर आईआईईपी–यूनेस्को कार्यक्रम का आयोजन किया।

17 जून, 2021 को प्रोफेसर आर.सी. गौड़, आईजीएनसीए, नई दिल्ली और पूर्व लाइब्रेरियन, जेएनयू द्वारा अकादमिक अनुसंधान और प्रकाशन में अकादमिक सत्यनिष्ठा और कॉपीराइट मुद्दों पर सत्र का आयोजन, जो नीपा में एम.फिल. अनुसंधान विद्वानों के लिए आयोजित लेखन कौशल पर एक सप्ताह की कार्यशाला के तहत आयोजित किया गया।

19 जून, 2021 को शिक्षा प्रौद्योगिकी और प्रबंधन अकादमी (ईटीएमए) द्वारा स्कूल की प्रभावशीलताः हमारे स्कूल कितने प्रभावी हैं? पर ऑनलाइन अकादमिक सम्मेलन आयोजित किया।

25 जून, 2021 को शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा में विकेंद्रीकृत शासन – विभिन्न प्रणालियाँ परिवर्तन का सामना कैसे करती हैं? उच्च शिक्षा परिवर्तन पर वेधशाला का विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया।

1–6 जुलाई, 2021 को एनसीएसएल, नीपा और सीबीएसई के बीच सहयोगात्मक कार्यक्रम के रूप में शैक्षणिक नेतृत्व पर क्षमता विकास कार्यशाला आयोजन किया।

16–18 जुलाई, 2021 से व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर, मध्य प्रदेश द्वारा कोविड–19 महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षण–अधिगम की चुनौतियां और अवसर पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी।

11 अगस्त, 2021 को आभासी माध्यम से उदार शिक्षाः 21वीं सदी की अनिवार्यता पर पद्म विभूषण प्रोफेसर के. कस्तूरीरंगन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के लिए मसौदा समिति के अध्यक्ष, द्वारा नीपा का पंद्रहवां स्थापना दिवस व्याख्यान। प्रोफेसर डी.पी. सिंह, अध्यक्ष, यूजीसी, सत्र की अध्यक्षता कर रहे थे।

13 अगस्त, 2021 को वाईडब्ल्यूसीए, दिल्ली के सहयोग से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित कोविड–19 के दौरान बचपन में स्कूल बंद होने का मनोवैज्ञानिक प्रभाव पर वेबिनार आयोजित किया।

13 अगस्त, 2021 को दौलत राम कॉलेज, दिल्ली के सहयोग से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित शैक्षिक संस्थानों को पुनः खोलना तथा छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करना पर वेबिनार का आयोजन।

13 अगस्त 2021 को अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) द्वारा आयोजित महिला नेतृत्व का भविष्य – चुनौतियां और मार्गदर्शन पर सत्र।

26 नवंबर, 2021 को अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) द्वारा आयोजित उच्च प्रभाव बनाने में सदस्यता की भूमिका विषय पर सत्र।

10–12 दिसंबर, 2021 को आभासी द सोसाइटी ऑफ ट्रांसनेशनल एकेडमिक रिसर्चर्स (स्टार) 2021 वैश्विक सम्मेलन में बेहतरी के लिए उच्च शिक्षाः संस्थागत लचीलापन और नेतृत्व पर आयोजित किया गया, जिसकी मेजबानी ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने की।

अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) द्वारा 23 मार्च, 2022 को आयोजित परामर्श की अनिवार्यता पर एआईएमए–वाईएलसी सत्र।

कार्यशालाएं / सम्मेलन / प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली में अगस्त–जुलाई, 2021–22 से सातवें शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) के लिए कार्यक्रम समन्वयक। कार्यक्रम में नौ राज्यों, भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना के तैंतीस प्रतिभागियों ने ऑनलाइन मोड में भाग लिया।

30 मार्च–12 अप्रैल, 2021 तक नीपा, नई दिल्ली से कोविड महामारी के कारण गूगल मीट पर ऑनलाइन माध्यम से शैक्षिक संस्थानों के प्रमुखों के लिए संस्थागत योजना और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम समन्वयक। यह पहला ई–आईटीईसी कार्यक्रम विकसित किया गया था जिसमें पंद्रह देशों के चालीस प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम को विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया गया था।

26 मई, 2021 को वीबेक्स के माध्यम से पुडुचेरी के जिला स्तरीय शैक्षिक प्रशासकों तथा अधिकारियों के क्षमता

विकास के लिए क्षेत्रों की पहचान पर एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बारह शैक्षिक प्रशासकों ने प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान करने के क्रम में शैक्षिक प्रशासकों की भविष्यवादी भूमिका और कार्यों की आलोचनात्मक जांच के लिए एक गहन अध्ययन पर परियोजना के एक भाग के रूप में भाग लिया (प्रो. बी.के. पांडा (प्रधान अन्वेषक), राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित। (लिंक: https://sspdy.webex.com/sspdy/j.php?MTID=macf8cad3657d3e0ad3dabd2d66c35422)

कोविड महामारी के कारण गूगल मीट पर ऑनलाइन माध्यम से 14–17 जून, 2021, नीपा, नई दिल्ली से जम्मू और कश्मीर के स्कूली शिक्षकों के लिए ई–सामग्री विकास पर उन्मुखीकरण कार्यशाला के लिए कार्यक्रम निदेशक। कार्यक्रम की रूपरेखा स्वयं बनाई इसमें जम्मू और कश्मीर के पैंतीस डाइट फैकल्टी और स्कूल शिक्षकों ने भाग लिया।

26–30 जुलाई, 2021 नीपा, नई दिल्ली में कोविड महामारी के कारण गूगल मीट पर ऑनलाइन माध्यम से आयोजित कंबोडिया के शैक्षिक प्रशासकों के लिए संस्थागत योजना और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम समन्वयक। यह कंबोडिया के अनुरोध पर विकसित कार्यक्रम में उनतीस शिक्षा प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम को विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया गया था।

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली में अगस्त–जुलाई, 2021–22 से आठवें शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) के लिए कार्यक्रम समन्वयक। नई दिल्ली में डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए नौ राज्यों और भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना के तीस प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। तीन और पीजीडेपा एडवांस्ड कोर्स में शामिल हुए।

9–13 अगस्त, 2021 को नीपा, नई दिल्ली में कोविड महामारी के कारण गूगल मीट पर ऑनलाइन माध्यम से आयोजित कंबोडिया के शैक्षिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक नीति के विकास पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए समन्वयक। कंबोडिया के अनुरोध पर विकसित इस कार्यक्रम में अट्ठाईस शिक्षा प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया गया।

15 नवंबर, 2021 को जूम के माध्यम से महाराष्ट्र के जिला स्तरीय शैक्षिक प्रशासकों, शिक्षा अधिकारियों के क्षमता विकास के लिए क्षेत्रों की पहचान पर एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें अठारह शैक्षिक प्रशासकों ने प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान करने में शैक्षिक प्रशासकों की भविष्यवादी भूमिका और कार्यों की आलोचनात्मक जांच के लिए गहन अध्ययन पर परियोजना में भाग लिया (प्रो. बी.के. पांडा (प्रधान अन्वेषक) राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित। (लिंक: https://unicef.zoom.us/j/96168199825)।

18 नवंबर, 2021 को गूगल मीट के माध्यम से असम के जिला स्तरीय शैक्षिक प्रशासकों, शिक्षा अधिकारियों के क्षमता विकास के लिए क्षेत्रों की पहचान पर एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान करने, शैक्षिक प्रशासकों की भविष्यवादी भूमिका और कार्यों की समीक्षा के लिए गहन अध्ययन पर परियोजना के एक भाग के रूप में पंद्रह शैक्षिक प्रशासकों ने भाग लिया (प्रो. बी. के. पांडा (प्रधान अन्वेषक) राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित। (लिंक: meet.google.com/qey-uyvr-vje)।

6–17 दिसंबर, 2021 तक आयोजित शैक्षिक संस्थानों के प्रमुखों के लिए संस्थागत योजना और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में समन्वयक। नीपा, नई दिल्ली में कोविड महामारी के कारण गूगल मीट पर ऑनलाइन माध्यम से दस देशों के बत्तीस प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम को विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया गया।(II IPIPMHEI)

2–15 मार्च, 2022, नीपा, नई दिल्ली में कोविड महामारी के कारण गूगल मीट पर ऑनलाइन माध्यम से शैक्षिक संस्थानों के प्रमुखों के लिए संस्थागत योजना और प्रबंधन पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम

समन्वयक। विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित इस कार्यक्रम में तेरह देशों के उनतीस प्रतिभागियों ने भाग लिया। (IPMHEI)

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित

30 मार्च–12 अप्रैल, 2021, नीपा, नई दिल्ली से कोविड महामारी के कारण गूगल मीट पर ऑनलाइन माध्यम से शैक्षिक संस्थानों के प्रमुखों के लिए संस्थागत योजना और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन कार्यक्रम की रूपरेखा और विकसित किया। विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित यह पहला ई–आईटीईसी कार्यक्रम था।

मार्च 2021 में बी.के. पांडा, प्रोफेसर, नीपा, के साथ संयुक्त रूप से संस्थागत योजनाः हस्तपुस्तिका विकसित की। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शैक्षिक संस्थानों के प्रमुखों के प्रशिक्षण के लिए इस प्रशिक्षण मॉड्यूल का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

मार्च 2021 में बी.के. पांडा, प्रोफेसर, नीपा, के साथ संयुक्त रूप से संस्थागत योजनाः कार्यपुस्तिका विकसित की। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शैक्षिक संस्थानों के प्रमुखों के प्रशिक्षण के लिए इस प्रशिक्षण मॉड्यूल का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

9–11 फरवरी, 2022 तक कार्यकारी निदेशकों (प्रबंधकों) और नौसेना बाल विद्यालयों (एनसीएस) की प्रबंध समिति के उपाध्यक्षों के लिए संकाय विकास कार्यक्रम में 10 फरवरी, 2022 को संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित। कार्यक्रम का आयोजन नेवी एजुकेशन सोसाइटी (एनईएस) द्वारा सेंटर फॉर फैकल्टी डेवलपमेंट (सीएफडी), कोच्चि के माध्यम से नेवी चिल्ड्रन स्कूल, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा के माध्यम से किया गया।

16–18 फरवरी, 2022 तक आयोजित शैक्षिक परियोजना योजना पर डाईट संकाय के लिए विकसित प्रशिक्षण पैकेज को अद्यतन करने के लिए समीक्षा। मॉड्यूल योजना और निगरानी प्रभाग (पीएमडी), राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), नई दिल्ली के मार्गदर्शन में तैयार किए गए।

21–25 फरवरी, 2022 तक आयोजित परियोजना योजना, कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन में डाईट संकाय के प्रशिक्षण पर एक कार्यक्रम में 24 फरवरी, 2022 को संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित। कार्यक्रम का आयोजन योजना और निगरानी प्रभाग (पीएमडी), राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), नई दिल्ली द्वारा किया गया।

7–12 मार्च, 2022 तक शैक्षणिक नेतृत्व विषय के तहत आयोजित स्कूल प्रधानाचार्यों के लिए शैक्षणिक नेतृत्व पर छह दिवसीय कार्यक्रम में 16 मार्च, 2022 को संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित। कार्यक्रम का आयोजन एससीईआरटी, हरियाणा द्वारा किया गया और इसमें राज्य के चालीस स्कूल प्रधानाचार्यों ने भाग लिया।

अन्य शैक्षणिक/व्यावसायिक योगदान

अप्रैल 2021 में नीपा द्वारा प्रकाशित हिंदी जर्नल, परिप्रेक्ष्य के लिए दो लेखों और एक पुस्तक समीक्षा की समीक्षा की।

अप्रैल 2021 में अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ (एआईएईआर) के जर्नल प्रकाशन, के लिए प्रकाशन गुणवत्ता संकेतक (ड्राफ्ट) की समीक्षा की।

यूरोपियन एसोसिएशन फॉर प्रैक्टिशनर रिसर्च इम्प्रूविंग लर्निंग (ईएआरएलआई) सम्मेलन, मई 2021 के लिए तीन सार की समीक्षा की।

रूटलेज के लिए शिक्षा पर पुस्तक प्रस्ताव की समीक्षा, टेलर एंड फ्रांसिस बुक्स, जनवरी 2022।

सार्थक दस्तावेज के अनुसार समयबद्ध संरचनात्मक कार्य योजना के साथ एनईपी–2020 के कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) 50 घंटे सतत व्यावसायिक विकास के लिए मसौदा दिशानिर्देश पर सुझाव प्रदान किए।।

प्रख्यात निकायों की सदस्यता

आजीवन सदस्य, भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सेसी)।

आजीवन सदस्य, अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ (एआईएईआर)।

आजीवन सदस्य, इंडियन सोशिलॉजिकल सोसायटी (आईएसएस)।

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र

रश्मि दीवान

पीएबी बैठक में अनुमोदित एनसीएसएल के कई कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर सभी एनसीएसएल गतिविधियों का समग्र मार्गदर्शन, निर्देशन, समन्वय और प्रबंधन, भागीदारी, विभिन्न प्रस्तावों अनुरोधों और सहयोग आदि के लिए एनवीएस, सीबीएसई, केवीएस और अन्य संगठनों के साथ बैठकों का समन्वय।

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में संकल्पित और विकसित ऑनलाइन स्नातकोत्तर डिप्लोमा (डॉ सुमिता मेनन के साथ संयुक्त रूप से)

इस अभ्यास के हिस्से के रूप में, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (मुक्त और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम और ऑनलाइन कार्यक्रम विनियम, 2020) पर आधारित कार्यक्रम की अवधि, संरचना रूपरेखा, पात्रता, संचालन, सभी पाठ्यक्रमों के विवरण, पाठ्यक्रम–वार क्रेडिट, घंटे, वेटेज, आदि, डिप्लोमा का पुरस्कार, पाठ्यक्रम के वितरण के मानदंड, मूल्यांकन और प्रमाणन, लघु मॉड्यूलर पाठ्यक्रम, प्रवेश प्रक्रिया, आदि।

पहली कोर–समिति बैठक, अकादमिक परिषद, अध्ययन बोर्ड सहित विभिन्न मंचों में पाठ्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और बैठकों तथा आंतरिक चर्चाओं का आयोजन किया।

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर ऑनलाइन बुनियादी कार्यक्रम

कन्नड़ में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर ऑनलाइन बुनियादी कार्यक्रम का शुभारंभ 29 जुलाई, 2021।

असमिया में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर ऑनलाइन बुनियादी कार्यक्रम का शुभारंभ – 3 नवंबर, 2021।

मिज़ो में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर ऑनलाइन बुनियादी कार्यक्रम का शुभारंभ – 29 मार्च, 2022।

सामग्री विकास

मॉड्यूल 1: स्कूल आधारित परिवर्तन के लिए नेतृत्व उत्तराधिकार।

मॉड्यूल 2: स्कूल सुधार के लिए नेतृत्व बदलाव: भारत में स्कूल प्रधानाचार्यों की भूमिका को फिर से परिभाषित करना।

एनसीएसएल में आयोजित कार्यक्रमों के विषय पर भागीदारी और प्रस्तुतियां

26–29 अक्टूबर, 2021 तक सरकारी स्कूलों में छात्र अधिगम और सीखने के परिणामों में सुधार के लिए नेतृत्व विकास पर क्षमता निर्माण कार्यशाला–छात्र अधिगम में सुधार के लिए नेतृत्व में अंतर्दृष्टि पर सत्र।

असम के चार (बाढ़ प्रभावित) क्षेत्रों में संदर्भ–विशिष्ट नेतृत्व चुनौतियों स्कूलों में प्रासंगिक नेतृत्व मॉडल का परिचय पर सामग्री विकास के लिए कार्यशाला।

14–17 दिसंबर, 2021 तक लैंगिक और नेतृत्व पर कार्यशाला में ''लैंगिक और स्कूल नेतृत्व'' विषय पर एक सिंहावलोकन प्रस्तुत किया।

सीआईईटी स्टूडियो में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन कार्यक्रम की घोषणा आदि पर कुल चार वीडियो (अंग्रेजी और हिंदी में दो प्रत्येक) के निर्माण के लिए सीआईईटी–एनसीईआरटी में ऑनलाइन मध्यवर्ती कार्यक्रम पर वीडियो का निर्माण।

22–25 मार्च, 2022 को स्कूलों में समानता, विविधता और समावेश के लिए नेतृत्व पर कार्यशाला में ''भारतीय स्कूलों में समानता, विविधता और समावेश का अवलोकन और ऐतिहासिक विकास'' पर प्रस्तुति।

2 मार्च, 2022 को (डॉ. सुभिथा और डॉ. शादमा के साथ संयुक्त रूप से) में मील के पत्थर और भविष्य के दृष्टिकोण की प्रस्तुति पर एनसीएसएल की राष्ट्रीय सलाहकार समूह की बैठक।

5 अगस्त, 2021 को स्कूलों और नेतृत्व की पुनर्कल्पनाः एनईपी–2020 के संदर्भ में कोविड–19 महामारी और अवसरों के बीच चुनौतियां'' का सीधा प्रसारण https://www.youtube.com/watch?v=TxDTcZ3reHM

ऑनलाइन वेबिनार

29 अक्टूबर, 2021 को भविष्य के स्कूल प्रमुख द्वारा परिवर्तन के लिए नेतृत्वः शिक्षण और अधिगम की राह पर अशिक्षाः अधिगम अनुभव का पुर्ननिर्माण स्कूल प्रमुखों के लिए आयोजित सम्मेलन में मुख्य वक्ता।

''स्कूल प्रमुखों के सतत व्यावसायिक विकास के लिए नेतृत्व मार्गः स्व–निर्देशात्मक मॉड्यूल का पैकेज शीर्षक, संपादकः डॉ चारु स्मिता मलिक (स्कूल प्रमुखों के लिए 16 स्व–निर्देशात्मक मॉड्यूल का पैकेज) के साथ संयुक्त रूप से इस संसाधन पुस्तक को अंतिम रूप दिया।

एम.फिल. में अध्यापन

प्रो. कुमार सुरेश, प्रो. विनीता सिरोही और डॉ. सुचरिता के साथ शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर अनिवार्य पाठ्यक्रम (सीसी–7) में अध्यापन।

एम.फिल.–पीएच.डी. विद्वानों को मार्गदर्शन

शिवानी बख्शी के शोध प्रबंध 'स्कूल सुधार के लिए नेतृत्व मार्गः केरल के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों पर अध्ययन' शीर्षक पर मार्गदर्शन।

परविंदर कौर के शोध प्रबंध 'एकीकृत शिक्षक शिक्षाः आरआईई में माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की व्यावसायिक तैयारी' शीर्षक पर अध्ययन'।

रश्मि मिश्रा के शोध प्रबंध 'प्राथमिक विद्यालयों के कामकाज में सामुदायिक नेतृत्व की भूमिकाः हरियाणा में सोनीपत जिले के राय ब्लॉक में खोजपूर्ण अध्ययन' शीर्षक पर मार्गदर्शन।

कुमारी पल्लवी के शोध प्रबंध 'स्कूली शिक्षा और कोविड–19 महामारीः राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में नए सामान्य के साथ आगे बढ़ना' शीर्षक पर मार्गदर्शन।

गीता बहल के शोध प्रबंध 'नेतृत्व विकास और स्कूल सुधारः राजस्थान के सरकारी और निजी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों का तुलनात्मक अध्ययन (अंशकालिक) शीर्षक पर मार्गदर्शन।

पीजीडेपा प्रतिभागी को मार्गदर्शन

स्क्वाड्रन लीडर राजीव टी के पीजीडेपा शोध प्रबंध 'अकादमिक प्रमुख के रूप में प्रधानाचार्य के नेतृत्व गुणः केंद्रीय विद्यालय नंबर 1, एएफएस, तांबरम, चेन्नई का अध्ययन शीर्षक पर मार्गदर्शन।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

15 नवंबर, 2021 को नीपा, पेरिस यूनेस्को द्वारा आयोजित 'स्कूल प्रबंधन समितिः भारत में शिक्षा के क्षेत्र में मुक्त सरकार की ओर कदम।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

'भारत में स्कूल परिसरः राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के दृष्टिकोण में मौजूदा अभ्यास और भविष्य की संभावनाएं पर आगामी समसामयिक पेपर के लिए लेखकों में से एक लेखक के रूप में योगदान दिया।

2018–19 और 2019–20 के लिए शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और नवोन्मेष के लिए पुरस्कार में भागीदारी।

एम.फिल.–पीएच.डी. छात्र–संबंधित गतिविधियों में सभी प्रस्तुतीकरण, सहकर्मी समीक्षा संगोष्ठी, आदि में विशेषज्ञ अध्यक्ष के रूप में शामिल। एम.फिल.–पीएच.डी. बैच 2021–22 के लिए ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा का पर्यवेक्षण भी योगदान।

नीपा के अन्य विभागों की बैठकों और विभिन्न गतिविधियों में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया, जिसमें स्कूल और अनौपचारिक शिक्षा विभाग, स्कूल मानक और मूल्यांकन एकक, विभाग की सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में आमंत्रित शामिल हैं।

स्कूल नेतृत्व, स्कूल परिसरों, संस्थागत योजना और स्कूल नेतृत्व की भूमिका आदि पर व्याख्यान देने के लिए नीपा में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

समितियों के सदस्य

6 फरवरी, 2022 को प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण विभाग, नीपा की विभागीय सलाहकार समिति बैठक में आमंत्रित।

28 फरवरी, 2022 को स्कूल और अनौपचारिक शिक्षा विभाग, नीपा और शाला सिद्धि की विभागीय सलाहकार समिति की बैठक में आमंत्रित।

एम.फिल.–पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षाओं का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन।

पुस्तकालय पत्रिका चयन समिति के सदस्य।

पुस्तकालय पुस्तक चयन समिति के सदस्य।

सहायक प्रोफेसर, प्रशासनिक सहायक के साक्षात्कार के लिए चयन समिति के सदस्य।

शिक्षा मंत्रालय की स्टार्स परियोजना की निविदा मूल्यांकन समिति के सदस्य।

योजना और निगरानी समिति के सदस्य।

व्यावसायिक निकायों की सदस्यता

ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ एजुकेशनल रिसर्च (एआईएईआर) के आजीवन सदस्य।

कम्पेरेटिव एजुकेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया के आजीवन सदस्य।

सुनीता चुग

प्रकाशन

ई–बुक ऑन स्कूल मेंनेजमेंट कमिटीः अ मूव टूवार्ड्स ओपन गवर्नमेंट इन एजुकेशन इन इंडिया, नीपा और आईआईईपी, पेरिस यूनेस्को द्वारा प्रकाशित, 2021, आईएसबीएन 978–81–953899–4–0

स्कूल मेंनेजमेंट कमिटीः एन इंस्ट्रूमेंट फॉर इफैक्टिव स्कूल गवर्नेंस, एंट्रीप

स्टेट्स ऑफ सेकेण्डरी एजुकेशन इन इंडियाः अ रिव्यू ऑफ स्टेट्स, चैलेंजज एंड पॉलिसी इश्यू'' (सह–लेखक) यूनिर्वसल सेकेण्डरी एजुकेशन इन इंडियाः इश्यूज, चैलेंजेज एंड पर्सपैक्ट्स जांध्याला बीजी तिलक द्वारा संपादित पुस्तक में अध्याय। स्प्रिंगर, नई दिल्ली, अगस्त 2020, पीपीः 17–50, आईएसबीएनः 978–981–15–5365–3।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

(राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

13–15 नवंबर, 2021 तक आईआईईपी, पेरिस यूनेस्को द्वारा आयोजित 'शिक्षा में मुक्त सरकार पर नीति मंच, में 15 नवंबर, 2021 को 'स्कूल प्रबंधन समितिः भारत में शिक्षा में मुक्त सरकार की ओर कदम' पर अध्ययन के निष्कर्ष प्रस्तुत किए।

23 जुलाई, 2021 को 'भारत में शिक्षा के क्षेत्र में हाशिए पर पड़े बच्चों की भागीदारी में समानता अंतराल को पाटनाः संकट में शिक्षा पर ऑक्सफोर्ड सम्मेलन में महामारी के बाद का परिदृश्यः दक्षिण एशिया में महामारी के बाद की शिक्षा पर पुनर्विचार' पर प्रस्तुति।

5 मई, 2020 को आरटीई मंच द्वारा आयोजित 'चुनौतीपूर्ण समय में शिक्षा के अधिकार की पुष्टि'।

14 मई, 2021 को आरटीई मंच द्वारा आयोजित 'कोविड–19 एवं बालिका शिक्षा'।

21 मई, 2021 को आरटीई फोरम द्वारा 'कोविड–19 संकट से शिक्षा और उभरती चुनौतियों का सार्वभौमिकरण'।

कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम/सम्मेलन आयोजित

6 दिसंबर, 2021 को नीपा–यूनेस्को के सहयोग से 'स्कूल प्रबंधन समितिः भारत में शिक्षा में मुक्त सरकार की ओर एक कदम' पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन। जिसमें लगभग 800 शिक्षाविद और विद्वान शामिल हुए।

22–25 मार्च, 2022 तक स्कूलों में समानता, विविधता और समावेश के लिए नेतृत्व' पर कार्यशाला में 9 राज्यों के सैंतीस प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रक्षिक्षण सामग्री

स्कूल नेतृत्व पर पाठ्यक्रमः माध्यमिक स्तर के लिए अवधारणाएं और अनुप्रयोग के (सह–लेखक)। अंग्रेजी और हिंदी भाषा में। मॉड्यूल में परस्पर संवादात्मक गतिविधियां और 5 वीडियो अंग्रेजी में विकसित थे। 2021 में सीधा प्रसारण के साथ शुभारंभ किया गया।

बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता के लिए स्कूल नेतृत्व पर मॉड्यूल – अंग्रेजी और हिंदी भाषा में (सह–लेखक)।

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर ऑनलाइन मध्यस्थ स्तर के कार्यक्रम के लिए 3 इकाइयों (सभी 4 चतुर्थांश) वाली अग्रणी भागीदारी पर ऑनलाइन मॉड्यूल।

शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए व्यावसायिक शिक्षण समुदायों की स्थापना और उन्हें बनाए रखने में स्कूल प्रमुखों और प्रणाली स्तर के कार्यकर्ताओं की भूमिका पर मॉड्यूल।

सहानुभूति पर मॉड्यूलः स्कूल प्रमुखों के व्यावसायिक विकास के लिए महत्वपूर्ण कौशल।

शिक्षा के व्यवसायीकरण पर मॉड्यूलः रोजगार के लिए अधिगम (सह–लेखक)।

स्कूल और उच्च शिक्षा में समानता, विविधता और समावेश एनईपी–2020 के कार्यान्वयन रणनीतियाँ की तैयारी में सदस्य के रूप में योगदान

समीक्षाधीन अवधि के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

सामग्री, और मॉड्यूल के विकास में एनसीआरटी, केवीएस, एनवीएस, सीमैट केरल के सहयोग से निष्ठा, सीएएलईएम की सामग्री और मॉड्यूल विकास के लिए शिक्षा मंत्रालय को शैक्षणिक सहायता।

''शिक्षा में मुक्त सरकारः अनुभव से सीखना'' पर आईआईईपी–यूनेस्को द्वारा प्रायोजित परियोजना आईआईईपी के साथ सहयोग।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

केवीएस के अकादमिक निरीक्षण संबंधी समिति के सदस्य।

निष्ठा के राष्ट्रीय संसाधन समूह संयोजक।

भारत की तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी के आजीवन सदस्य।

एनईपी–2020 के कार्यान्वयन पर केवीएस समिति के सदस्य

कश्यपी अवस्थी

प्रकाशन

पुस्तकें/अनुसंधान आलेख/रिपोर्ट/दिशानिर्देश

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा तैयार की गई कार्य समिति के सदस्य के रूप में विद्यालयों को सुरक्षित और भय मुक्त बनानाः कार्यान्वयन के लिए दिशानिर्देश पर विकसित ई–कॉपी एनसीईआरटी प्लेटफॉर्म पर निम्नलिखित https://ncert.nic.in/pdf/notice/GuidelinesSchool%20SafetySecurity.pdf लिंक पर उपलब्ध है।

फरवरी 2022 में आरबीएसए पब्लिशर्स, जयपुर द्वारा प्रकाशित, शिक्षा में सामुदायिक भागीदारी, पुस्तक शीर्षक में प्रो. आर सी पटेल के साथ सह–लेखक।

मार्च 2021 में शिप्रा पब्लिशिंग हाउस द्वारा प्रकाशित प्रो. आर सी पटेल के साथ सह–लेखक ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: रचनात्मक सुधारों की ओर'' पर संपादित पुस्तक में ''समतामूलक समावेशन और शिक्षा'' पर अध्याय प्रकाशित, आईएसबीएन 978–93–91978–09–9।

एक्सप्लोरिंग लीडरशिप इन द फ्रेम ऑफ प्रिस्क्रिप्शन एंड सिस्टमिक एक्सपेक्टेशंसः ए केस ऑफ गवर्नमेंट बॉयज सेकेंडरी स्कूल इन दिल्ली, विषय पर ज्योति अरोड़ा के साथ सह–लेखक, इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, सेज जर्नल्स, वॉल्यूमः 67, अंकः 1, पृष्ठः 96–116, ऑनलाइन प्रकाशित जून 2021, मुद्रित संस्करण मार्च 2021,

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

न्यूरो–भाषाई प्रोग्रामिंग (एनएलपी) में प्रमाणित व्यवसायी; 6 फरवरी, 2022 को डॉ डेविड जॉन लिंकन, एनएलएफ के अंतर्राष्ट्रीय मास्टर ट्रेनर, एएनएलपी (भारत) के अध्यक्ष और एएनएलपी के सत्यापित प्रशिक्षक डॉ. अनल मेहता से प्राप्त किया।

24–26 मार्च, 2022 को एनईपी, 2020: शिक्षक शिक्षा को बदलने की दिशा पर जूम प्लेटफॉर्म, आरआईई, भुवनेश्वर, द्वारा एनसीईआरटी के माध्यम से ऑनलाइन संगोष्ठी में ''क्लस्टर स्तर पर अग्रणी व्यावसायिक शिक्षण समुदाय: शिक्षकों और स्कूलों को उनके अधिगम की जिम्मेदारी लेना'' शीर्षक से लेख प्रस्तुत किया।

14–15 मार्च, 2022 को शिक्षा विभाग, एम.एस. बड़ौदा विश्वविद्यालय, द्वारा गूगल प्लेटफॉर्म के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020: कार्यान्वयन के लिए रणनीतियाँ पर आयोजित ऑनलाइन संगोष्ठी, में ''प्रभावी शासन और कुशल संसाधन: संभावनाएं, चुनौतियां और कार्रवाई के लिए कदम'' शीर्षक से पत्र प्रस्तुत किया।

निम्नलिखित वेबिनार के लिए प्रस्तुतकर्ता और संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित:

7 अप्रैल 2021, मनोदर्पण पहल, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'स्कूल मेंटल हेल्थ एंड वेल बीइंग: इमर्जिंग नीड्स, सॉल्यूशंस एंड गुड प्रैक्टिसेज'' पर नेशनल वेबिनार में भागीदारी।

4 जून 2021, को आरआईई, भुवनेश्वर द्वारा शिक्षक शिक्षा पर नई शिक्षा नीति, 2020 पर राष्ट्रीय वेबिनार में ''शिक्षक शिक्षा में सलाह की शक्ति और वादा'' पर प्रस्तुति।

22 जुलाई 2021, मनोदर्पण पहल,शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नए युग के पालन–पोषण की खोज: बचपन की मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के नए मोर्चे पर आयोजित वेबिनार में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

10 अक्टूबर 2021 को मनोदर्पण पहल, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के 'समृद्ध सीमाओं, बाधाओं पर काबू पाने, स्कूलों को सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य की ओर सशक्त बनान'' पर संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

23 अक्टूबर, 2021 को राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडी) द्वारा स्कूल समुदाय: स्कूल नेतृत्व की भूमिका और शिक्षा का संचार', पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

22–26 नवंबर, 2021 को स्कूल और अनौपचारिक शिक्षा विभाग द्वारा नई शिक्षा नीति, 2020, के दृष्टिकोण से भारत में आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों में बालिकाओं की शिक्षा पर राष्ट्रीय वेबिनार में 'स्कूली शिक्षा में लैंगिक अंतराल के निर्माण में स्कूल समूह की भूमिका' पर लेख प्रस्तुत किया।

22–24 सितंबर 2021 तक शैक्षिक नीति विभाग द्वारा 'एनईपी, 2020 के आलोक में स्कूल परिसर' पर पूर्वोत्तर राज्यों में प्रारंभिक शिक्षा के प्रबंधन में संविधान की छठी अनुसूची के तहत स्थानीय प्राधिकरण और स्वायत्त जिला परिषदों के कामकाज पर ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यशाला में में भागीदारी।

16 फरवरी 2022 को मनोसामाजिक समर्थन और भलाई के लिए मनोदर्पण पहल, भारत सरकार द्वारा ''किशोरावस्था के दौरान लचीलता और जोखिम लेना: व्यसनी व्यवहार में उभरते रुझान'' पर आयोजित वेबिनाम में मादक द्रव्यों के सेवन और संबद्ध चुनौतियों पर सूर्खियां: स्कूलों में रोकथाम और हस्तक्षेप के लिए दृष्टिकोण' पर पत्र प्रस्तुत किया, ।

'स्कूल–आधारित शिक्षक व्यावसायिक विकास: स्कूल प्रमुखों की भूमिका' पर 24 मार्च, 2022 को पीएमईविद्या डीटीएच–टीवी चैनल 6, 9 और 12 पर स्कूल नेतृत्व विकास पर सीधा प्रसारण के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

'स्कूल और मानसिक स्वास्थ्य: संभावनाओं की खोज' पर 12– 13 जनवरी, 2022 को पीएमईविद्या डीटीएच–टीवी चैनल 6, 9 और 12 पर स्कूल नेतृत्व विकास पर सीधा प्रसारण के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

स्कूल और मानसिक स्वास्थ्य: बुनियादी बातों को समझना पर 6 जनवरी, 2022 को पीएमईविद्या डीटीएच–टीवी

चैनलों 6, 9 और 12 पर स्कूल नेतृत्व विकास पर सीधा प्रसारण।

'मानसिक स्वास्थ्य साक्षरताः शुरुआत करना' पर 30 दिसंबर 2021, को पीएमईविद्या डीटीएच–टीवी चैनल 6, 9 और 12 पर स्कूल नेतृत्व विकास पर सीधा प्रसारण के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

स्कूल परिसरों का समर्थन करने के लिए प्रणाली का पुनर्गठनः राजस्थान की परिवर्तनकारी यात्रा साझा करना पर '23 दिसंबर, 2021, को पीएमईविद्या डीटीएच–टीवी चैनल 6, 9 और 12 पर स्कूल नेतृत्व विकास पर सीधा प्रसारण के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

'स्कूल बदलावः स्कूलों के विकास के लिए समूह आधारित दृष्टिकोण' पर 11 नवंबर, 2021, को पीएमईविद्या डीटीएच–टीवी चैनल 6, 9 और 12 पर स्कूल नेतृत्व विकास पर सीधा प्रसारण के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

16 मार्च, 2022 को आईएएसई, त्रिपुरा द्वारा एनईपी–2020 के दृष्टिकोण में शिक्षाशास्त्र में सुधार और शिक्षक शिक्षा पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सत्र के लिए अध्यक्ष।

वर्ष के दौरान कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

6–11 सितंबर, 2021 से 'स्कूल परिसरों' पर दस राज्यों के कुल 57 प्रतिभागियों के साथ राष्ट्रीय ऑनलाइन परामर्शी कार्यशाला का आयोजन किया।

7–10 दिसंबर, 2021 तक 'प्रणाली स्तर के अधिकारियों के लिए अकादमिक नेतृत्व' पर जिला, ब्लॉक और समूह स्तरों के 62 प्रणालीगत अधिकारियों की भागीदारी के साथ से राष्ट्रीय ऑनलाइन परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया।

14–17 दिसंबर, 2021 से 'प्रणाली स्तर के अधिकारियों के लिए अकादमिक नेतृत्व' पर जिला, ब्लॉक और क्लस्टर स्तरों के 50 प्रणालीगत अधिकारियों की कुल भागीदारी के साथ राष्ट्रीय ऑनलाइन परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया।

27–29 मार्च, 2022 तक स्कूल परिसरों के निर्माण के लिए दिशा–निर्देशों के पुनरीक्षण पर क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ तीन दिवसीय आमने–सामने परामर्श बैठक का आयोजन किया।

सार्वजनिक निकायों को परामर्शी और शैक्षणिक सहायता

मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों और छात्रों की चिंताओं की निगरानी और कोविड पश्चात मानसिक स्वास्थ्य और विकास के मनोसामाजिक पहलुओं का समर्थन, मनोदर्पण (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की एक पहल) कार्य समूह के सदस्य

केन्द्रीय विद्यालयों में प्रणाली स्तर के अधिकारियों, स्कूल प्राचार्यों, उप–प्राचार्यों और शिक्षकों के चयनित पाठ्यक्रम और दिशा–निर्देशों में संशोधन के लिए समिति के सदस्य

नीपा और एससीईआरटी, सिक्किम द्वारा संयुक्त रूप से सिक्किम राज्य में नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन और विशेषकर विद्यालय परिसरों के विकास के लिए कार्य समूह के सदस्य के रूप में मनोनीत

दीक्षा (डिजिटल ज्ञान की उन्नति साझा करने के लिए पहल) और विद्यालय नेतृत्व के लिए वर्गीकरण के विकास पर कार्य हेतु संचालन समिति के सदस्य

दीक्षा के लिए 'ई–सामग्री विकास हेतु दिशानिर्देशों' के विकास के लिए संचालन समिति के सदस्य और एनसीईआरटी पोर्टल पर प्रकाशित दिशानिर्देशों के विकास के लिए सीआईईटी, एनसीईआरटी के सहयोग से कार्य किया।

आईयूसीटीई के सलाहकार समूह के सदस्य, शिक्षा विभाग, एम.एस. यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, गुजरात।

शिक्षक शिक्षा निदेशालय, एससीईआरटी, ओडिशा द्वारा गठित शिक्षक शिक्षा पर विशेषज्ञ दल के सदस्य।

30 मार्च, 2022 को नीति आयोग के सहयोग से भारती फाउंडेशन द्वारा आयोजित कॉनवोक 2021–22 में शोध पत्रों के मूल्यांकन के लिए जूरी सदस्य।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित

मनोदर्पण (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की एक पहल) के कार्यकारी समूह के सदस्य के रूप में कोविड पश्चात मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों और चिंताओं की निगरानी और बढ़ावा देने पर छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और स्कूलों के लिए सलाहकारी दिशा–निर्देश विकसित किए

भारत सरकार की मनोदर्पण पहल के माध्यम से शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए ''मानसिक स्वास्थ्य और कल्याणः संपूर्ण स्कूल दृष्टिकोण'' पर विकसित मॉड्यूल।

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए 'समानता और उत्कृष्टता हेतु नेतृत्व' पर मसौदा प्रशिक्षण सामग्री विकसित की।

केंद्रीय विद्यालयों में प्रणाली स्तर के अधिकारियों, स्कूल के प्राचार्यों, उप–प्राचार्यों और शिक्षकों के चयन के लिए चयन परीक्षा के पाठ्यक्रम और दिशा–निर्देशों को संशोधित किया।

स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन मध्यवर्ती कार्यक्रम के लिए स्कूल नेतृत्व पर पाठ्यक्रम हेतु दो मॉड्यूल विकसित किएः

अधिगम और विकास के लिए एक मैदान के रूप में स्कूल।

सकारात्मक स्कूल संस्कृति का विकास करना।

नवोदय विद्यालय संगठन के सहयोग से विद्यार्थियों और अधिगम हेतु अनुकूल वातावरण बनाने पर सात मॉड्यूल का एक संग्रह विकसित कियाः

विद्यार्थियों और अधिगम में सहायता के लिए स्कूल पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम बनाना।

विद्यालय को एक शिक्षण संगठन के रूप में विकसित करना।

कार्य लोकाचार बदलनाः स्कूल को प्रेरक कार्यस्थल के रूप में विकसित करना।

पुनर्विन्यास समीक्षा और प्रतिक्रिया पद्धतियांः शिक्षण–अधिगम को अग्रभूमि बनाना।

शिक्षक सहयोग गढ़नाः स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षण समुदायों का विकास करना।

अपनेपन का पोषणः सामाजिक–भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत बनाना।

संपूर्ण स्कूल दृष्टिकोण से मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

5–6 अप्रैल, 2021 को एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए ऑनलाइन समीक्षा एवं प्रतिपुष्टि कार्यशाला का आयोजन किया।

जनजातीय मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से भारत के दस विभिन्न राज्यों के 60 प्रतिभागियों के समूह के लिए 2–12 फरवरी, 2022 तक एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के स्कूल प्रधानाचार्यों के लिए दस दिवसीय ऑनलाइन क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया।

अनुसंधान मार्गदर्शन

पीएच.डी. पाठ्यक्रम

दीपक कर्माकर को उनके शोध विषय ''स्कूलों को शिक्षण संगठन में बदलनाः स्कूल नेतृत्व की भूमिका'' पर मार्गदर्शन।

एम.फिल. कार्यक्रम

दीपानिता मुखर्जी को उनके शोध विषय ''संकट में सक्षम बनाने के लिए लचीला स्कूल प्रबंधन और परिवर्तनः नेतृत्व चुनौतियों, चिंताओं और क्षमताओं का अध्ययन'' पर मार्गदर्शन।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में डिप्लोमा (पीजीडेपा)

राजेंद्र शर्मा को उनके शोध विषय ''स्कूल अधिगम के माहौल पर निर्देशात्मक नेतृत्व का प्रभाव'' पर मार्गदर्शन।

आईडेपा प्रतिभागी श्री मुटिंटा चोंय्या को को उनके शोध ''जाम्बिया के काबवे जिले के स्कूलों में महिला प्रधान शिक्षकों की चुनौतियों का आकलन'' अध्ययन पर मार्गदर्शन।

सुभीथा जी.वी.

प्रकाशन

शोध लेखः सुभिथा जी.वी. (2021), 'लीडरशिप फॉर लर्निंग इन डवलपमेंट कट्रीजः एन अनालिसिस' ऑफ द कांटेंक्स्ट करैक्ट्रिस्टिक्स एंड स्कूल कंडीशन द इंफ्लूऐंस लीडरशिप प्रैक्टिस ऑफ स्कूल प्रिंसिपल्स इन इंडिया, जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, 35(2), 151–169।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

8–12 नवंबर, 2021 को स्कूल नेतृत्व अकादमी–एससीईआरटी, तेलंगाना ने स्कूल नेतृत्व पर 5 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में ''शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में सुधार के लिए नेतृत्व'' पर एक सत्र आयोजित किया।

22–26 नवंबर, 2021 तक नई शिक्षा नीति–2020 के दृष्टिकोण से भारत में आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों में 'बालिकाओं की शिक्षा' पर नीपा द्वारा आयोजित कार्यशाला में भागीदारी।

कार्यशालाओं/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

23–24 जुलाई 2021 को असम के चार (बाढ़ प्रभावित) क्षेत्रों में संदर्भ–विशिष्ट नेतृत्व चुनौतियों पर सामग्री विकास के लिए ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया।

26–29 अक्टूबर, 2021 तक सरकारी स्कूलों में छात्र अधिगम और परिणामों में सुधार के लिए नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

8 सितंबर, 2021 को स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में ऑनलाइन स्नातकोत्तर डिप्लोमा के लिए पहली कोर–समिति की बैठक का आयोजन किया।

2 मार्च, 2022 को एनसीएसएल की राष्ट्रीय सलाहकार समूह की बैठक का आयोजन किया।

29 जुलाई, 2021 को सिसलेप और स्कूल नेतृत्व अकादमी, धारवाड़, कर्नाटक के सहयोग से स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन (मूल स्तर) (कन्नड़ संस्करण) पर ऑनलाइन कार्यक्रम के शुभारंभ का समन्वय किया।

3 नवंबर, 2021 को एससीईआरटी और स्कूल नेतृत्व अकादमी, असम के सहयोग से स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन (मूल स्तर) (असमिया संस्करण) पर ऑनलाइन कार्यक्रम के शुभारंभ का समन्वय किया।

7 अप्रैल, 2022 को एससीईआरटी और स्कूल नेतृत्व अकादमी, तेलंगाना के सहयोग से स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन (बुनियादी स्तर) (तेलुगु संस्करण) पर ऑनलाइन कार्यक्रम के शुभारंभ का समन्वय किया।

प्रशिक्षण सामग्री और विकसित पाठ्यक्रम

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन (मध्यवर्ती स्तर) पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम 'शिक्षा के उद्देश्य के रूप में महत्वपूर्ण सोच' शीर्षक वाला मॉड्यूल विकसित और समन्वय किया।

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन (मध्यवर्ती स्तर) पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम के विकास और डिजाइन की दिशा में कुल चार वीडियो (दो अंग्रेजी और हिंदी में) निर्माण के लिए सीआईईटी–एनसीईआरटी के साथ समन्वयित। निर्मित वीडियो स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन (इंटरमीडिएट स्तर) पर कार्यक्रम घोषणा' और 'कार्यक्रम अवलोकन' से संबंधित ऑनलाइन पाठ्यक्रम के थे।

'निरंतर व्यावसायिक विकास के लिए नेतृत्व पथः स्कूल प्रमुखों के लिए स्व–निर्देशात्मक मॉड्यूल' पैकेज के लिए 'महत्वपूर्ण सोच के लिए शिक्षा' शीर्षक वाले मॉड्यूल को विकसित और डिजाइन किया।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

'भारत में स्कूल परिसर' राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के दृष्टिकोण में मौजूदा अभ्यास और भविष्य की संभावनाएं' पर आगामी समसामयिक पत्र के लिए लेखकों में योगदान।

प्रो. रश्मि दीवान, प्रमुख, एनसीएसएल और एनसीएसएल संकाय सदस्यों के योगदान और उचित मार्गदर्शन से स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में प्रस्तावित ऑनलाइन स्नातकोत्तर डिप्लोमा पर हस्तपुस्तिका के विकास और

डिजाइनिंग का समन्वय किया। हस्तपुस्तिका में प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम डिजाइन, संरचना और श्रेय का विवरण शामिल हैं।

16 सितंबर, 2021 को स्कूल नेतृत्व के क्षेत्र में सीआईईटी–एनसीईआरटी के सहयोग से स्कूल परिवर्तन के लिए अग्रणी व्यक्तिगत और स्व–व्यावसायिक विषय पर एनसीएसएल द्वारा आयोजित सीधे प्रसारण सत्रों में भाग लिया।

7 अक्टूबर, 2021 को स्कूल नेतृत्व के क्षेत्र में सीआईईटी–एनसीईआरटी के सहयोग से शिक्षा के प्रमुख उद्देश्य के रूप में आलोचनात्मक सोच को विकसित करना, विषय पर एनसीएसएल द्वारा आयोजित सीधे प्रसारण सत्रों में भागीदारी।

18 नवंबर, 2021 को स्कूल नेतृत्व के क्षेत्र में सीआईईटी–एनसीईआरटी के सहयोग से अधिगम के लिए नेतृत्वः ओडिशा में उच्च प्राथमिक विद्यालय का अध्ययन विषय पर एनसीएसएल द्वारा आयोजित सीधे प्रसारण सत्रों में भागीदारी।

16 दिसंबर, 2021 को स्कूल नेतृत्व के क्षेत्र में सीआईईटी–एनसीईआरटी के सहयोग से स्कूल बदलाव के लिए नेतृत्वः असम के उच्च माध्यमिक विद्यालय का अध्ययन विषय पर एनसीएसएल द्वारा आयोजित सीधे प्रसारण सत्रों में भागीदारी

10 फरवरी, 2022 को स्कूल नेतृत्व के क्षेत्र में सीआईईटी–एनसीईआरटी के सहयोग से परिवर्तनकारी नेतृत्व के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनानाः तमिलनाडु के उच्च माध्यमिक विद्यालय का अध्ययन विषय पर एनसीएसएल द्वारा आयोजित सीधे प्रसारण सत्रों में भागीदारी।

31 मार्च, 2022 को स्कूल नेतृत्व के क्षेत्र में सीआईईटी–एनसीईआरटी के सहयोग से स्कूल बदलाव के लिए नेतृत्वः कर्नाटक के एक सरकारी हाई स्कूल का अध्ययन विषय पर एनसीएसएल द्वारा आयोजित सीधे प्रसारण सत्रों में भागीदारी।

चारु स्मिता मलिक

शोध पत्र/आलेख प्रकाशित

मलिक, चारु स्मिता 2021, माध्यमिक विद्यालयों में स्कूल के अधिकारी समानता को कैसे देखते हैं? स्व–निर्मित पेशे स्केल के माध्यम से मापन, जर्नल ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी, वॉल्यूम 47, नंबर 2, 133–146।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

(राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

13–15 नवंबर, 2021 से इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग (आईआईईपी), पेरिस यूनेस्को द्वारा आयोजित ''स्कूल प्रबंधन समितिः भारत में शिक्षा के क्षेत्र में मुक्त सरकार की ओर कदम'' पर वेबिनार में 15 नवंबर, 2021 को शिक्षा में मुक्त सरकार नीति मंच में भाग लिया।

23–24 जुलाई, 2021 को ऑक्सफोर्ड स्कूल ऑफ ग्लोबल एंड एरिया स्टडीज (ओएसजीए), ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संकट में शिक्षा ''भारत में शिक्षा के क्षेत्र में हाशिए पर पड़े बच्चों की भागीदारी में समानता के अंतराल को भरनाः महामारी के पश्चात दक्षिण एशिया में शिक्षा पर पुर्नविचार, पर सह–प्रस्तुति।

21–24 फरवरी, 2022 तक अगरतला, त्रिपुरा में निष्ठा 2.0 और निष्ठा 3.0 आमने–सामने क्षमता निर्माण कार्यक्रम में राष्ट्रीय संसाधन समूह के सदस्य के रूप में शैक्षणिक सहायता।

कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम/सम्मेलन आयोजित

3 अगस्त, 2021 को जेसीईआरटी, रांची, झारखंड के सहयोग से झारखंड के मॉडल सेकेंडरी और सीनियर सेकेंडरी स्कूलों का उन्मुखीकरण और क्षमता निर्माण (ऑनलाइन) कार्यक्रम।

11 अगस्त, 2021 को एनसीएसएल द्वारा तैयार स्कूल नेतृत्व विकास पर मॉड्यूल के सत्यापन पर विशेषज्ञों के साथ कार्यशाला–सह–बैठक।

20–23 दिसंबर, 2021 तक श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर में स्कूल लीडरशिप अकादमी, जम्मू और कश्मीर का अभिविन्यास और क्षमता निर्माण।

11 राज्यों के लिए 8 अक्टूबर, 2021 को कोर ग्रुप के सदस्यों और नामांकित एसआरजी (ऑनलाइन) के लिए स्कूल नेतृत्व अकादमियों (बैच 1) के लिए मॉड्यूल विकास पर कार्यशाला।

9 राज्यों के लिए 22 अक्टूबर, 2021 को कोर ग्रुप सदस्यों और नामांकित एसआरजी (ऑनलाइन) के लिए स्कूल नेतृत्व अकादमियों (बैच 2) के लिए मॉड्यूल विकास पर कार्यशाला।

8 राज्यों के लिए 1 नवंबर, 2021 को कोर ग्रुप सदस्यों और नामांकित एसआरजी (ऑनलाइन) के लिए स्कूल नेतृत्व अकादमियों (बैच 3) के लिए मॉड्यूल विकास पर कार्यशाला।

अकादमिक वर्ष में स्कूल नेतृत्व विकास पर पीएमईविद्या चैनल पर 8 सीधे प्रसारण सत्रों का नेतृत्व किया

प्रशिक्षण सामग्री/पाठ्यक्रम विकसित और संचालित

स्कूल नेतृत्व पर पाठ्यक्रम सं. 8: निष्ठा 2.0 के लिए अवधारणाएं और अनुप्रयोग, माध्यमिक स्तर अंग्रेजी में सह–विकसित।

स्कूल नेतृत्व पर पाठ्यक्रम सं. 8: निष्ठा 2.0 के लिए अवधारणाएं और अनुप्रयोग, माध्यमिक स्तर हिन्दी में संपादन और अनुवाद दल का नेतृत्व किया।

स्कूल नेतृत्व पर पाठ्यक्रम सं. 10: मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता के लिए निष्ठा 3.0 अंग्रेजी में सह–विकसित।

स्कूल नेतृत्व पर पाठ्यक्रम सं. 10: मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता के लिए निष्ठा 3.0 हिन्दी के लिए संपादन और अनुवाद दल का नेतृत्व किया।

निष्ठा 2.0 और निष्ठा 3.0 के लिए 14 वीडियो सामग्री अंग्रेजी और हिंदी दोनों में विकसित की गई है, जो संबंधित पाठ्यक्रमों में अंतर्निहित हैं, दीक्षा प्लेटफॉर्म पर अपलोड की गई है।

निष्ठा 2.0 पाठ्यक्रम संख्या 11 के लिए दीक्षा प्लेटफॉर्म पर एनसीईआरटी के लिए स्कूली शिक्षा में पहल पर अपलोड हेतु 1 वीडियो–पैनल चर्चा विकसित की।

2 जून, 2021 को जनजातीय मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से ईएमआरएस स्कूलों के लिए राष्ट्रीय संसाधन समूह के रूप में निष्ठा 1.0 के पाठ्यक्रम का संचालन के लिए सत्र।

स्कूल नेतृत्व – अवधारणाएं और अनुप्रयोग पर निष्ठा 2.0 पाठ्यक्रम संख्या 8 के पाठ्यक्रम सामग्री का पीएमईविद्या चैनल पर (अंग्रेज़ी) में सीधा प्रसारण। https://www.youtube.com/watch/v=BOxFvaqQq8k&t=1875s

स्कूल नेतृत्व – अवधारणाएं और अनुप्रयोग पर निष्ठा 2.0 पाठ्यक्रम संख्या 8 के पाठ्यक्रम सामग्री का पीएमईविद्या चैनल पर (हिन्दी) में सीधा प्रसारण। https://www.youtube.com/watch?v=Ildn3b6rDPo

स्कूली शिक्षा में पहल पर निष्ठा 2.0 पाठ्यक्रम संख्या 11 के पाठ्यक्रम सामग्री का पीएमईविद्या चैनल पर (अंग्रेजी) में सीधा प्रसारण। https://www.youtube.com/watch?v=ok2hUrPoNmU&t=1938s

स्कूल नेतृत्व के लिए आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता, निष्ठा 3.0 पाठ्यक्रम संख्या 10 के पाठ्यक्रम सामग्री का पीएमईविद्या चैनल पर (अंग्रेजी) में सीधा प्रसारण। https://www.youtube.com/watch?v=Rdg_Q0L_Cwc&t=495s

स्कूल नेतृत्व के लिए आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता, निष्ठा 3.0 पाठ्यक्रम संख्या 10 के पाठ्यक्रम सामग्री का पीएमईविद्या चैनल पर (हिन्दी) में सीधा प्रसारण। https://www.youtube.com/watch?v=H5Z9eiOkv-k&t=4103s

समीक्षाधीन अवधि के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

प्रो. सुनीता चुग, नीपा द्वारा लिखित ''स्कूल प्रबंधन समितिः भारत में शिक्षा में मुक्त सरकार की ओर एक कदम'' पर भारत–रिपोर्ट की आलोचनात्मक टिप्पणियां और संपादन प्रदान किया। यह रिपोर्ट आईआईईपी, यूनेस्को के नेतृत्व में शिक्षा में मुक्त सरकार पर अनुसंधान परियोजना का हिस्सा थी।

निष्ठा 1.0, निष्ठा 2.0 और निष्ठा 3.0 के लिए शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार को अकादमिक सहायता।

पूरे अकादमिक वर्ष के दौरान 25 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में 28 स्कूल नेतृत्व अकादमियों को गूगल मीट के माध्यम से अकादमिक सहायता।

पूजा सिंघल

कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम/सम्मेलन आयोजित

14–17 दिसंबर, 2021 को 'लैंगिक और नेतृत्व' पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया।

22–25 मार्च, 2022 को ''स्कूलों में समान्ता, विविधता और समावेश'' पर ऑनलाइन कार्यशाला, (सह–समन्वित)।

पाठ्यक्रम विकसित

हिंदी और अंग्रेजी में निष्ठा 3.0 (पाठ्यक्रम संख्या 10) बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता के लिए स्कूल नेतृत्व (सह–विकसित)।

निष्ठा 3.0 पाठ्यक्रम संख्या 10 के पाठ्यक्रम सामग्री 'बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता के लिए स्कूल नेतृत्व' का पीएमईविद्या चैनल पर (अंग्रेजी) में सीधा प्रसारण।

https://www.youtube.com/watch?v=Rdg_Q0L_Cwc&t=495s

निष्ठा 3.0 पाठ्यक्रम संख्या 10 के पाठ्यक्रम सामग्री 'बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता के लिए स्कूल नेतृत्व' का पीएमईविद्या चैनल पर (हिन्दी) में सीधा प्रसारण।

https://www.youtube.com/watch?v=H5Z9eiOkv-k&t=4103s

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

(राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

15 मार्च, 2022 को (हरियाणा) के ''स्कूल प्राचार्यों के लिए ''अकादमिक नेतृत्व'' पर आयोजित व्यावसायिक शिक्षा के लिए छह दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम में अग्रणी सत्र।

10 मार्च, 2022 को स्कूल नेतृत्व अकादमी, आन्ध्र प्रेदश द्वारा स्कूल नेतृत्व विकास पर आयोजित ऑनलाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम में व्यावसायिक शिक्षा पर सत्र।

ऑनलाइन कार्यक्रम का शुभारंभ

स्कूल नेतृत्व अकादमी, मिजोरम (एससीईआरटी) के साथ स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन (पीएसएलएम) पर ऑनलाइन कार्यक्रम का समन्वित शुभारंभ, मिजो भाषा में अनुवादित।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

स्कूल नेतृत्व के क्षेत्र में सीआईईटी–एनसीईआरटी के सहयोग से एनसीएसएल द्वारा आयोजित विभिन्न राज्यों के स्कूल प्रमुखों के साथ सीधा प्रसारण सत्र।

2 सितंबर, 2021 को स्कूल पाठ्यचर्या में व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण परः नेतृत्व दृष्टिकोण, सत्र का सीध प्रसारण

शादमा अबसार

प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया

25 अप्रैल–24 जून, 2021 तक आयोजित ''मेरे अंर्तमन मनोवैज्ञानिक सेवाओं से मानस–मिति उपकरणों का निर्माण'' पर दो महीने की ऑनलाइन इंटर्नशिप।

20–24 सितंबर, 2021 तक सीआईईटी–एनसीईआरटी द्व ारा आयोजित ''शिक्षा के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता'' पर पांच दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण में भागीदारी।

27–31 दिसंबर, 2021 के दौरान सीडीएसी, मुंबई के सहयोग से सीआईईटी–एनसीईआरटी द्वारा आयोजित

''शिक्षण और अधिगम के लिए आभासी प्रयोगशाला पर पांच दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण में भागीदारी।

2 मार्च, 2022 को डॉ. सुभिथा जी.वी. के साथ एनसीएसएल की समन्वित राष्ट्रीय सलाहकार समूह (एनएजी) की बैठक में भागीदारी।

सीधे प्रसारित सत्र

20 जनवरी, 2022 को ''सिक्किम के सरकारी स्कूल में नए सामान्य जनजीवन के बीच शिक्षण अधिगम की प्रक्रियाओं का नेतृत्व करना'' विषय पर सूरज कुमार शर्मा, प्रधानाध्यापक माध्यमिक विद्यालय, सिक्किम के साथ लाइव स्ट्रीमिंग सत्र का आयोजन किया।

3 फरवरी, 2022 को ''स्कूल से बाहर के बच्चों का समावेशः जम्मू कश्मीर के सरकारी मिडिलस्कूल का अध्ययन'' विषय पर रेहाना कुसर, तकनीकी प्रमुख और एसआरपी, स्कूल नेतृत्व अकादमी, एससीईआरटी, जम्मू और कश्मीर के साथ लाइव स्ट्रीमिंग सत्र का आयोजन किया।

24 फरवरी, 2022 को ''स्कूल परिवर्तन के लिए सामुदायिक जुड़ावः केरल के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का अध्ययन'' विषय पर "कृष्णालीला वी.के., प्राचार्य, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कोट्टायी, पलक्कड़, केरल, के साथ लाइव स्ट्रीमिंग सत्र आयोजित किया।

10 मार्च, 2022 को ''राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में स्कूल परिवर्तन के लिए नेतृत्व'' विषय पर रामकृष्ण भट्टाचार्य, प्रधानाध्यापक, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, त्रिपुरा के साथ लाइव स्ट्रीमिंग सत्र आयोजित किया।

व्यावसायिक निकायों की सदस्यता

ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ एजुकेशनल रिसर्च (एआईएईआर) के आजीवन सदस्य।

इंडियन स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन (इनएसपीए) के आजीवन सदस्य।

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र

प्रदीप कुमार मिश्र

प्रकाशन

पुस्तक

मिश्रा, पी.के. (2021) लर्निंग एंड टीचिंग फॉर टीचर, सिंगापुरः स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग.

शोध पत्र, आलेख, पुस्तकों में अध्याय

बी.एच. खान, एस. अफौनेह, एस.एच. साल्हा और जेड एन. खलीफ (संपा), ई–अधिगम ढांचा के वैश्विक कार्यान्वयन के लिए चुनौतियां और अवसर में मिश्रा, पी.के., और मिश्रा, एस. (2021) राष्ट्रमंडल देशों में ई–अधिगम का विकास। (पीपी. 72–96)। हर्षे, पीएः आईजीआई ग्लोबल।

मिश्रा, पी.के. (2021), व्यावसायिक शिक्षा पर एनईपी–2020 की सिफारिशेंः एक महत्वपूर्ण विश्लेषण, और आगे की राह, पी. अरोड़ा और एच. गांधी (संपा.) में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020ः परिवर्तनकारी सुधारों के लिए मार्ग प्रशस्त करना (पीपी.132–143)। नई दिल्ली, भारत, शिप्रा पब्लिशर्स।

बंसल, सी., और मिश्रा, पी.के. (2021), माध्यमिक स्तर पर छात्रों की डिजिटल साक्षरता कौशल का आकलन, जर्नल ऑफ़ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च (जेईटीआईआर), 8 (6), सी430–436।

मिश्रा, पी.के. (2021), 'द इंडियन एक्सप्रेस' इन्वेस्टिगेशन ऑफ इंडियाज टॉपर्सः सेवन 'टेकअवेज' फॉर बेटरमेंट ऑफ एजुकेशन सिस्टम, शैनलैक्स इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन, 9(3), 268–272।

मिश्रा, पी.के. (2021), भारत में कोविड–19 महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षक व्यावसायिक विकास गतिविधियाँः नीति निर्माताओं के लिए उदाहरण, वैश्विक और स्थानीय दूरस्थ शिक्षा– ग्लोकलडे, 7(1)।

त्यागी, सी., और मिश्रा, पी.के. (2021), शिक्षक प्रशिक्षकों का सतत व्यावसायिक विकासः चुनौतियाँ और पहल, शैनलैक्स इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन, 9 (2), 117–126।

मित्तल, आर., और मिश्रा, पी.के. (2021), भारत में वरिष्ठ नागरिकों के लिए आजीवन अधिगम की नीतियां और प्रावधान का सिंहावलोकन, एशियन जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड सोशल स्टडीज, 14(2), 1–9।

मिश्रा, पी.के. (2021), स्कूल संस्कृति छात्रों को सतत विकास लक्ष्य के साथ जोड़ने का साधन पर शैक्षणिक संवाद, 2(36), 68–77.

मिश्रा, पी.के. (2021), शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकः पुनरावलोकन और राह। विश्वविद्यालय समाचार, 59 (26), 03–09।

मिश्रा, पी.के., और त्यागी, सी. (2021), राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में शिक्षकों के सतत व्यावसायिक विकास की परिकल्पना कैसे की गई है? विश्वविद्यालय समाचार, 59 (4), 14–16.

मिश्रा, पी.के. (2021), भारत के ग्रामीण स्कूलों में शिक्षाः कठिनाइयाँ और समाधान पर शैक्षणिक संवाद, 4(34), 85–96।

अनुसंधान परियोजना

संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम के तहत परियोजना 'सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम शीर्षक ''उच्च शिक्षा में समानता, पहुंच और गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकीः दक्षिण अफ्रीका और भारत से नीतियां और अभ्यास'', आईसीएसएसआर (भारत)–एनआईएचएसएस (दक्षिण अफ्रीका) के परियोजना प्रमुख

संगोष्ठियों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में भागीदारी

मिश्रा, पी.के. (2021), एनईपी 2020 और शिक्षक शिक्षा में बी.एड. 2–वर्षीय पाठ्यक्रमः आपके मूल्यवान सुझावों की आवश्यकता पर राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, 26–27 अगस्त, 2021।

मिश्रा, पी.के. (2021), डिजिटल तानाशाही और शिक्षण समुदाय के उभरते खतरे, सिस्टमिक्स, साइबरनेटिक्स और सूचना विज्ञान पर 25वां विश्व बहु–सम्मेलन, 18–21 जुलाई, 2021 (आभासी, 21.7.21)।

मिश्रा, पी.के. (2021), भारत में वयस्कों का आजीवन गणित अधिगमः वादे और रणनीतियाँ के लिए मूक, गणितीय शिक्षा पर 14वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस, शंघाई, चीन, 11–18 जुलाई, 2021 (आभासी, 17.7.21)।

नीपा के प्रख्यात निकायों की सदस्यता

प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास विभाग, नीपा की विभागीय सलाहकार समिति के सदस्य।

आईसीटी विभाग, नीपा की विभागीय सलाहकार समिति के सदस्य।

राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद् एसएसआर तैयारी समिति, की नीपा आन्तरक समिति के सदस्य।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

शिक्षक शिक्षा पर राष्ट्रीय केन्द्र समूह के सदस्य।

सदस्य 2 वर्षीय बी.एड. कार्यक्रम एनसीटीई के एनईपी 2020 के अनुरूप है।

स्कूल बोर्ड ऑफ सोशल साइंसेज, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद के सदस्य।

शिक्षा विभाग, सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर की अकादमिक लेखा परीक्षा समिति के सदस्य।

वैकल्पिक शिक्षा अध्ययन बोर्ड के सदस्य, सांची बौद्ध–भारतीय अध्ययन विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश।

शैक्षिक अध्ययन बोर्ड के सदस्य, सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर।

शैक्षिक अनुसंधान डिग्री समिति के सदस्य, शोभित विश्वविद्यालय, मेरठ।

मोना खरे

प्रकाशन

प्रकाशित पुस्तक और रिपोर्ट

भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2020: उच्च शिक्षा स्नातकों का रोजगार और रोजगारशीलता, वर्गीज एन.वी. के साथ सह–संपादन, रूटलेज (सितंबर 2021)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020), – कर्नाटक राज्य में बच्चों के लिए सार्वजनिक वित्त पर क्षमता निर्माण और अनुसंधान के हिस्से के रूप में कर्नाटक राज्य के बाल बजट में शैक्षिक विकास के लिए वित्तीय निहितार्थ, वित्तीय नीति संस्थान, बेंगलुरु, भारत (मार्च 2021)।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) – कर्नाटक राज्य के बच्चों के लिए सार्वजनिक वित्त पर क्षमता निर्माण और अनुसंधान के हिस्से के रूप में कर्नाटक राज्य के बाल बजट में शैक्षिक विकास के लिए वित्तीय प्रभाव पर संक्षिप्त लेख, यूनिसेफ और वित्तीय नीति संस्थान, बेंगलुरु, भारत (दिसंबर) 2021)।

एशिया उत्पादकता संगठन, टोक्यो, जापान द्वारा भारत में भविष्य के उद्योगों के लिए मानव संसाधन विकसित करने के लिए राष्ट्रीय रणनीति पर अध्ययन, (जून 2021)।

शिक्षा में निवेशः स्थानांतरण या बहाव प्रतिमान नवउदारवाद बनाम राजनीतिक पूंजीवाद, ग्लोबल कॉमन गुड्स में निवेश उच्च शिक्षा के लिए वित्त पोषण में प्रतिमान बदलना पर परियोजना के तहत (यूकेः एडवर्ड एल्गर पब्लिशिंग) हांगकांग विश्वविद्यालय और मिनेसोटा विश्वविद्यालय (मार्च 2021) के साथ शैक्षिक नीति की हस्तपुस्तिका के लेखक के रूप योगदान दिया।

एफपीआई, वित्त विभाग और डब्ल्यूसीडी, कर्नाटक सरकार, बेंगलुरू द्वारा 'लैंगिक मुख्यधारा के प्रयासः मुद्दे और चुनौतियां पर प्रशिक्षण मॉड्यूल में 'भारत में शिक्षा क्षेत्र में लैंगिक बजट' पर रिपोर्ट।

पुस्तक में अध्याय, शोध पत्र और लेख

'भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2020: उच्च शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगारशीलता में वर्गीज एन.वी. और मोना खरे (संपा.) उच्च शिक्षा स्नातकों का रोजगार और रोजगारशीलता का अवलोकन, रूटलेज, 2021।

भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2020: उच्च शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगारशीलता में भारत में उच्च शिक्षा स्नातकों का बेमेल कौशलः रोजगार योग्यता का निर्धारण करने वाले कारक वर्गीज एन.वी. और मोना खरे (संपा.) रूटलेज, 2021।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के वित्तीय निहितार्थः 'कॉमन गुड' में निवेश के लिए सामूहिक जिम्मेदारी का आह्वान, विश्वविद्यालय समाचार, वॉल्यूम। 59, संख्या 15, 12–18 अप्रैल, 2021, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली।

भारत में उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण की दिशा में रुझान और रणनीतियाँ (2021), इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंपरेटिव एजुकेशन एंड डवलपमेंट, एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड, यूके जनवरी, 2020, डीओआई 10.1108/आईजेसीईडी–10–2020–0067।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

27–29 दिसंबर, 2021 तक मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर में (आभासी) भारतीय आर्थिक संघ के 104वें वार्षिक सम्मेलन में मुख्य वक्ता/संसाधन व्यक्ति।

29 सितंबर 2021 को संयुक्त राष्ट्र महिला आयोग के सहयोग से लैंगिक बजट डिवीजन, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय के सरकारी अधिकारियों के लिए 'उच्च शिक्षा में लैंगिक बजट पर आभासी प्रशिक्षण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति। ''उच्च शिक्षा में अलग–अलग लैंगिक आंकड़े और लिंग संकेतक'' पर सत्र लिया।

15 सितम्बर, 2021 को कार्यालय प्राचार्य, सरोजिनी नायडू राजकीय बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शिवाजी नगर, भोपाल द्वारा एम.फिल. (अर्थशास्त्र) की ऑनलाइन परीक्षा हेतु विशेषज्ञ एवं बाह्य परीक्षक।

20–25 सितंबर, 2021 तक वीएनएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट, भोपाल द्वारा आयोजित ''सतत विकास के लिए विपणन प्रबंधन'' पर ऑनलाइन एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि।

20 सितंबर – 3 अक्टूबर, 2021 को 'एनईपी–2020–उच्च शिक्षा में समानता और समावेशन में सुधार के रणनीतिक तरीके' पर यूजीसी – मानव संसाधन विकास केंद्र, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'पुनरीक्षण, पुर्नकल्पना, रीस्किलिंग और कायाकल्पः वाणिज्य और प्रबंधन शिक्षण एवं अनुसंधान' पर पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए रिसोर्स पर्सन।

21 सितंबर–5 अक्टूबर, 2021 तक यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित 'भारतीय अर्थव्यवस्था में समाज कल्याण नीति की भूमिका' पर दो सप्ताह के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए रिसोर्स पर्सन।

15–27 फरवरी, 2021 तक ''औद्योगीकरण, निगमित क्षेत्र और विकास' पर आईसीएसएसआर प्रायोजित आईएसआईडी क्षमता निर्माण कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन और 22 फरवरी, 2021 को ''अकादमिक उद्योग अंतराफलकः रोजगार और बेमेल कौशल'' पर सत्र लिया।

शिक्षा मंत्रालय और यूजीसी द्वारा आयोजित एनईपी 2020 के कार्यान्वयन ''पहुंच, गुणवत्ता और भविष्य की तैयारी'' पर क्षेत्रीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति, और 'पहुँच और भविष्य की तैयारी' पर सत्र लिया।

12 अक्टूबर, 2021 को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मुलताई, जिला बैतूल, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और रोजगारः चुनौतियां और अवसर'' पर राष्ट्रीय वेबिनार में मुख्य वक्ता।

30 अक्टूबर, 2021 को भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित ''गरीबी, विकास और पर्यावरण के वैश्विक मुद्दे'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर मुख्य वक्ता।

15–27 नवंबर, 2021 तक यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी), राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित ''शैक्षिक नीतियां और सुधारः नए परिप्रेक्ष्य (बहुविषयक)'' पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में संसाधन व्यक्ति और 23 नवंबर, 2021 को एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

14 दिसंबर, 2021 को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित जोन 3, रीजन–2 (आर 2) की एक कार्यशाला एनईपी 2020 कार्यान्वयन पहुँच, गुणवत्ता, और भविष्य की तैयारी विषय पर आभासी बैठक के लिए संसाधन व्यक्ति। जिसमें हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ और दिल्ली के राज्य/केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं।

मंगलवार, 30 नवंबर, 2021 को हाल के परियोजना के विकास और आगे की कार्रवाई पर चर्चा हेतु होटल ले मेरिडियन, नई दिल्ली में क्वालइंडिया प्रोजेक्ट पार्टनर्स बैठक के लिए भागीदार सदस्य।

7–8 अक्टूबर, 2021 को मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन द्वारा आयोजित ''भारत–यूरोपीय संघ उच्च शिक्षा बैठकः सीमा पार शिक्षा की पुर्नकल्पना पर वेबिनार।

3 फरवरी, 2021 को ''भारत के सार्वजनिक क्षेत्र का निजीकरण – प्रभाव और आशय' पर वेबिनार।

5–7 अप्रैल, 2021 को ज़ियामेन विश्वविद्यालय में ''मानव जाति के लिए एक साझा भविष्य के साथ सामुदायिक विकास को बढ़ावा देने वाले विश्वविद्यालय'' पर ज़ियामेन विश्वविद्यालय मानविकी और सामाजिक विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय मंच उप–मंच द्वारा आमंत्रित किया गया।

27 अप्रैल, 2021 को सीईटी में ''भारत की नई शिक्षा नीति 2020ः अन्तर्राष्ट्रीयकरण के लिए नई प्रक्षेप पथ पर वेबिनार के लिए आमंत्रित।

6 जुलाई, 2021 को लंदन में ''उच्च शिक्षा में महिला नेतृत्वः वैश्विक अवसर और चुनौती'' विषय पर वेबिनार के लिए आमंत्रित।

7–8 अक्टूबर, 2021 को मणिपाल सेंटर फॉर यूरोपियन स्टडीज द्वारा ''भारत–यूरोपीय संघ उच्च शिक्षा बैठक: सीमा पार शिक्षा की पुर्नकल्पना पर वेबिनार के लिए आमंत्रित।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/निष्पादित

निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के अध्यापन में सहयोग:

विकसित पृष्ठभूमि/पठन सामग्री और सत्र का संचालन

एम.फिल. पीएच.डी.–सी.सी.–3, अनुसंधान पद्धति (समन्वित, संचालित और मूल्यांकन)।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा): शिक्षा में वित्तीय योजना और प्रबंधन पर आईडेपा पाठ्यक्रम संख्या 207 में कक्षाओं का संचालन।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में राष्ट्रीय डिप्लोमा (डेपा और पीजीडेपा)।

एम.फिल./पीएच.डी./पीजीडेपा का अनुसंधान मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण

सुमित कुमार, पीएच.डी. रिसर्च स्कॉलर के शीर्षक 'ज्ञान आधारित उद्योगों के स्थानिक वितरण और भारत में उच्च शिक्षा प्रवास के बीच अंतर–संबंध' (2021 में सम्मानित)।

संध्या दुबे, पीएच.डी. के अनुसंधान विषय ''उच्च शिक्षा के वित्तपोषण में पहुंच और गुणवत्ता की गतिशीलता'' का विश्लेषण और रिपोर्ट लेखन प्रगति पर है।

सोनम अरोड़ा, पीएच.डी. छात्र के प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया और कार्य प्रगति पर है।

पारुल शर्मा, पीएच.डी. छात्र के प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया और कार्य प्रगति पर है।

राज गौरव, पीएच.डी. छात्र के सारांश को प्रस्तुत किया और आगे परिष्कृत किया जा रहा है।

करिका दास, एम.फिल. छात्र के शोध प्रबंध को 2021 में सम्मानित किया।

संदीप कुमार का एम.फिल. शोध जारी है।

सृष्टि चमोला, का पीएच.डी. शोध अध्ययन जारी है.

दक्षिण सूडान के श्री ओचनलिनो विक्टर ओविनी, आईडेपा–XXXVI के प्रतिभागी का आईडेपा शोध प्रबंध ''दक्षिण सूडान में विज्ञान विषय के माध्यमिक छात्रों के प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले स्कूल कारक, सेंट्रल इक्वेटोरियल राज्य में चयनित माध्यमिक विद्यालयों का केस अध्ययन (प्रस्तुत)।

अशोक जंगीर के पीजीडेपा निबंध: ''राजस्थान में स्कूली शिक्षा में सामुदायिक भागीदारी अभ्यास'' (अध्ययन जारी है)।

संजू चौधरी द्वारा पीजीडेपा निबंध: ''विद्यालय समग्र बाल विकास केंद्र के रूप में: कोविड 19 के दौरान चुनौतियों का जवाब – राजस्थान में चुनिंदा सरकारी स्कूलों का केस अध्ययन। सारांश और अध्याय योजना को अंतिम रूप दिया गया। विकास के तहत अनुसंधान उपकरण (प्रस्तुत और मौखिक रूप से आयोजित)।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

सदस्य: मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार 2018 के लिए निधि की आवश्यकता का अनुमान तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समिति (शिक्षा क्षेत्र) 15वें वित्त आयोग की अवधि यानी 2020–21 से 2024–25 तक।

सदस्य: शिक्षा क्षेत्र में सेवा उत्पादन के सूचकांक पर उप–समिति, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, केंद्रीय सांख्यिकी संगठन, भारत सरकार।

राष्ट्रीय विशेषज्ञ और समन्वयक (भारत): भविष्य के लिए मानव संसाधन विकास पर परियोजना। एशिया उत्पादकता संगठन, टोक्यो, जापान ''भारत में भविष्य के उद्योग के लिए मानव संसाधन विकसित करने में राष्ट्रीय रणनीति'' (अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत)।

राष्ट्रीय विशेषज्ञ और समन्वयक (भारत): चयनित एशियाई देशों में उच्च शिक्षा अंतर्राष्ट्रीयकरण पर यूनेस्को, बैंकॉक – टोक्यो विश्वविद्यालय परियोजना। ''उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण – भारत का देशीय मामला'' (अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत)।

सदस्य, बाल बजट विकास के लिए तकनीकी सलाहकार समिति, वित्तीय नीति संस्थान, कर्नाटक सरकार।

कोलोन विश्वविद्यालय, जर्मनी के साथ क्वालइंडिया प्रोजेक्ट में प्रोजेक्ट पार्टनर।

आमंत्रित सदस्य, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, एनएलआईयू, गुजरात, भारत।

ऑक्सफोर्ड रिव्यू ऑफ एजुकेशन, जून 2019 के लिए पांडुलिपि आईडी कोर–2019–0063 की समीक्षा।

'प्री–स्कूल के दीर्घकालिक प्रभावः सूक्ष्मअर्थशास्त्र में अध्ययन के लिए एनएलएसवाई से साक्ष्य।'' सूक्ष्मअर्थशास्त्र में अध्ययन, सेज प्रकाशन, पांडुलिपि की समीक्षा

सेज, एमराल्ड, ऑक्सफोर्ड के लिए समीक्षा कार्य।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

सदस्य, संपादकीय बोर्ड, जेपा, नीपा, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।

सदस्य–सचिव, एम.फिल./पीएच.डी. प्रगति समीक्षा समिति।

सदस्य, एम.फिल. और पीएच.डी. प्रवेश समिति (साक्षात्कार बोर्ड)।

सदस्य, एम.फिल./पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा के लिए प्रश्नावली निर्धारण समिति।

सदस्य, विभागीय सलाह समिति, उच्च शिक्षा विभाग।

सदस्य, विभागीय सलाह समिति, शैक्षिक वित्त विभाग।

सदस्य, एम.फिल. पाठ्यचर्या संशोधन और पुनर्गठन समिति।

सदस्य, सूक्ष्मअर्थशास्त्र में अध्ययन के लिए समीक्षक, सेज प्रकाशन।

लाइफ साइंस ग्लोबल, कनाडा के विशेष अंक के अतिथि संपादक।

प्रबंधन और अर्थशास्त्र अनुसंधान जर्नल के लिए समीक्षक।

नीपा परियोजना प्रशासनिक सहायक, पद के लिए जांच समिति के सदस्य।

सदस्य, अनुसंधान समीक्षा समिति।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सदस्य, अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी), राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (नोएडा) की स्थायी उप–समिति।

सदस्य, विभागीय सलाहकार बोर्ड (डीएबी), योजना और निगरानी प्रभाग, एनसीईआरटी, नई दिल्ली।

यूजीसी – दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो, जयपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, जयपुर के डीई कार्यक्रम के लिए एसएलएम के मूल्यांकन के विशेषज्ञ।

पुस्तक प्रस्ताव के समीक्षकः स्प्रिंगर्स, सिंगापुर।

संपादकीय सलाहकार बोर्डः ''हिमगिरी शिक्षा समीक्षा'' आईएसएसएन 2321–6336

विभिन्न भारतीय विश्वविद्यालयों के लिए बाहरी परीक्षक (पीएच.डी. मूल्यांकन)।

विभिन्न विश्वविद्यालयों और अन्य सरकारी निकायों के लिए चयन समिति सदस्य

निधि एस. सभरवाल

प्रकाशन

प्रकाशित पुस्तक

एन.वी. वर्गीज और निधि एस. सभरवाल (आगामी)। इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2022ः वूमन इन हायर एजुकेशन, रूटलेज द्वारा प्रकाशन हेतु (पांडुलिपि को अंतिम रूप दिया जा रहा है)।

पुस्तक में अध्याय, शोध पत्र और आलेख

ज़ोमेंग काओ और एमिली एफ. हेंडरसन (संपा.) 'उच्च शिक्षा अनुसंधान में डायरी के तरीकों की खोजः अवसर, विकल्प और चुनौतियाँ' में सभरवाल, एन.एस, जोसेफ आर.एस, बांकर ए, और तलमाले, ए. (2021)। खामोश

आवाज़ों तक पहुँचना? सामाजिक रूप से बहिष्कृत समूहों के छात्रों के उच्च शिक्षा के अनुभवों को समझने के लिए आंकड़ों के स्रोत के रूप में डायरी विधि। रूटलेज, लंदन, पीपी 131–144।

सभरवाल, एन.एस. (2021), भारत में उच्च शिक्षा तक पहुंच की प्रकृतिः शैक्षिक अवसरों में सामाजिक और स्थानिक असमानताओं के उभरते पैटर्न, महाबीर एस जगलान और राजेश्वरी (संपा) में भारत में 21वीं सदी के मानव आवास पर विचार, स्प्रिंगर नेचर। सिंगापुर। पीपी. 345–370।

सभरवाल, निधि एस. (2021), भारत में महाविद्यालयों में विस्तारित शिक्षाः सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समूहों के छात्रों के लिए सार्वजनिक शैक्षणिक सहायता कार्यक्रमों के विस्तार माध्यम से समानता को आगे बढ़ाना, आईजेआरईई – इंटरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च ऑन एक्सटेंडेड एजुकेशन, वॉल्यूम. 8, अंक 2–2020, पीपी. 156–172।

बोरूआ वी.के. और सभरवाल एन.एस. (2021), भारतीय शिक्षा में अनुदेशन के माध्यम के रूप में अंग्रेजीः शैक्षिक अवसरों तक पहुंच की असमानता, आर्सेल एम., दासगुप्ता, ए., और स्टॉर्म, एस. (संपा.) (2021) में, विकास अध्ययन को पुनः प्राप्त करनाः अश्विनी सेठ के लिए निबंध, एन्थम प्रेस. पीपी 197–226।

वर्गीज, एन.वी., सभरवाल, एन.एस., और मलिश, सी.एम. (2022), समावेशी विकास के लिए उच्च शिक्षा में समानताः भारत से साक्ष्य, सौमेन चट्टोपाध्याय, मार्जिनसन, साइमन, वर्गीज, एन.वी. (संपा.) में चेंजिंग हायर एजुकेशन इन इंडिया (पीपी. 67–93)। नई दिल्लीः ब्लूम्सबरी पब्लिशिंग.

सभरवाल, एन.एस. और मलिश, सी.एम. (आगामी)। उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान के लिए मिश्रित पद्धति दृष्टिकोण और गुणात्मक पद्धति, जॉर्ज डब्ल्यू. नोब्लिट (संपा.), शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान विधियों का ऑक्सफोर्ड रिसर्च इनसाइक्लोपीडिया। ऑक्सफोर्ड यूनिवरसिटि प्रेस।

सीपीआरएचई शोध पत्र श्रृंखला

शोध पत्र 15: गरिमा मलिक, निधि एस. सभरवाल और विलियम जी. टियरनी (2021), भारतीय उच्च शिक्षा की राजनीतिक अर्थव्यवस्थाः दिल्ली के लिए प्रणालीगत चुनौतियों को समझना, सीपीआरएचई शोध पत्र 15. सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली।

सीपीआरएचई अनुसंधान अध्ययन रिपोर्ट

उच्च शिक्षा सफलता और सामाजिक गतिशीलताः यूजीसी कोचिंग योजनाओं का अध्ययन, डॉ. सी.एम. मलिश और डॉ निधि एस सभरवाल, सीपीएचआरई अनुसंधान रिपोर्ट, नई दिल्लीः सीपीआरएचई/नीपा, 2021।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

26 जनवरी, 2022 को यूरोपीय विकास अध्ययन संस्थान (आईईईडी), पेरिस, फ्रांस और यूरोपीय आयोग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सार्वजनिक नीतियों के अन्वेषकों द्वारा वेबिनार श्रृंखला के लिए उच्च शिक्षा में पहुंच, पसंद और छात्र सफलता' नीति चुनौतियां और प्रतिक्रिया' शीर्षक वाले वेबिनार में 'भारत में उच्च शिक्षा के माध्यम से पहुंच और सफलताः चुनौतियां और प्रतिक्रिया' पर प्रस्तुति।

24 नवंबर, 2021 को सीपीआरएचई/नीपा द्वारा आयोजित भारत में उच्च शिक्षा में छात्र विविधता पर प्रारूप मॉड्यूल पर प्रस्तुति।

14 जनवरी और 31 जनवरी, 2022 को नीपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रत्यायन एवं मूल्याकन परिषद् और आईक्यूएसी आवश्यकताओं के साथ संरेखित नीपा संकाय के व्यावसायिक विकास के लिए व्यावहारिक कार्यशाला।

17 नवंबर, 2021 को स्कूल ऑफ लॉ, क्वीन्स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट द्वारा ऑनलाइन मेजबानी भारत में शैक्षिक सफलता के मार्ग, सभी के लिए कानूनः यूके और आयरलैंड में कानूनी शिक्षा तक पहुंच का विस्तार पर पत्र प्रस्तुति।

10 नवंबर, 2021 को शिक्षा मंत्रालय–यूजीसी–एआईयू–ब्रिटिश काउंसिल–विश्व बैंक द्वारा आयोजित भारतीय उच्च शिक्षा में समानताः राष्ट्रीय और वैश्विक रुझानों पर ज्ञान साझा करना, सीपीआरएचई अनुसंधान से अंतर्दृष्टि।

11 अक्टूबर 2021 को मुक्त राज्य विश्वविद्यालय, दक्षिण अफ्रीका द्वारा उच्च शिक्षा और मानव विकास संगोष्ठी श्रृंखला में भारत में सामाजिक रूप से बहिष्कृत समूहों के छात्रों का उच्च शिक्षा के अनुभवों को समझने के लिए आंकड़ों के स्रोत के रूप में मिश्रित–तरीके और डायरी पर प्रस्तुति।

4–8 अक्टूबर, 2021 के दौरान आईसीटी और परियोजना प्रबंधन इकाई और उच्च और व्यावसायिक शिक्षा विभाग द्वारा उच्च शिक्षा में समानता और समावेश, एनईपी 2020 पर एफडीपी: कार्यान्वयन के लिए रणनीतियाँ पर प्रस्तुति।

13 अक्टूबर, 2021 को एएचआरसी जीसीआरएफ माइनॉरिटीज ऑन इंडियन कैंपस रिसर्च नेटवर्क इवेंट द्वारा भारत में उच्च शिक्षा में छात्र विविधता पर शोध पद्धति संबंधी विचारों पर प्रस्तुति, भारत और उसके बाहर, अल्पसंख्यकों पर शोध करने के तरीकों की गोलमेज चर्चा,कोवेंट्री विश्वविद्यालय।

28 सितंबर, 2021 को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय और वारविक विश्वविद्यालय, यूके द्वारा आयोजित हरियाणा में लैंगिक–संवेदनशील उच्च शिक्षा पहुंच और विकल्प का समर्थन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में नीति संक्षिप्त विवरण – उच्च शिक्षा तक पहुंच का उचित अवसर और पहुंच से बाहर गतिविधि में संसाधन विकसित करने के लिए सहयोगात्मक कार्यशाला पर प्रस्तुति।

25–26 सितंबर, 2021 काठमांडू, नेपाल में तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी ऑफ एशिया (सीईएसए) के 12वें द्विवार्षिक सम्मेलन में भारत में उच्च शिक्षा में वंचित समूहों का अध्ययन: अधिगम के परिणामों में छात्र विविधता और असमानता पर पत्र प्रस्तुत।

13–17 सितंबर, 2021 से आईसीटी और परियोजना प्रबंधन इकाई और उच्च और व्यावसायिक शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय शैक्षिक नीति 2020: कार्यान्वयन और रणनीतियाँ पर संकाय विकास कार्यक्रम में उच्च शिक्षा में समानता और समावेश पर प्रस्तुति

11 जून, 2021 को एसआरएचई (सोसाइटी फॉर रिसर्च इन हायर एजुकेशन) द्वारा आयोजित भारत में सामाजिक रूप से बहिष्कृत समूहों के छात्रों के उच्च शिक्षा के अनुभवों को समझने के लिए खामोश आवाजों तक पहुंच पर पुस्तक विमोचन संगोष्ठी में उच्च शिक्षा शिक्षा अनुसंधान में डायरी विधियों की खोज पर प्रस्तुति

24 जून, 2021 को शिक्षा विभाग, ब्रुनेल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'एजुकेशन, द ग्लोबल साउथ एंड बियान्ड' में हरियाणा, भारत में उच्च शिक्षा विकल्प के लिए जेंडर कैचमेंट क्षेत्र पर संगोष्ठी।

9 जून, 2021 को एनडीआईसी–एनसीएईआर द्वारा ब्राउन बैग संगोष्ठी में कमजोर छात्रों के शैक्षिक अनुभव पर आयोजित भारत में सामाजिक रूप से बहिष्कृत समूहों के छात्रों के उच्च शिक्षा के अनुभवों को समझने पर मिश्रित–विधि अध्ययन में डेटा स्रोतों के रूप में डायरी विधि पर कार्यशाला में भागीदारी

कार्यशालाओं / सम्मेलनों / प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

7 दिसंबर, 2021 को भारत में उच्च शिक्षा में कॉलेज की तैयारी और छात्र सफलता पर संसाधन विकास बैठक आयोजित की गई।

24 नवंबर, 2021 को उच्च शिक्षा में छात्र विविधता के प्रबंधन पर मॉड्यूल पर विशेषज्ञ समूह की बैठक आयोजित की गई।

27 जुलाई, 2021 को भारत में उच्च शिक्षा में कॉलेज की तैयारी और छात्र सफलता पर पहली शोध विशेषज्ञ समिति की बैठक का आयोजन।

6 मई, 2021 को उच्च शिक्षा में महिलाओं पर भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2022 पर चर्चा करने के लिए पहली सहकर्मी समीक्षा बैठक का आयोजन।

उच्च शिक्षा की सफलता और सामाजिक गतिशीलता पर विशेषज्ञ समूह की बैठक: विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों के लिए कोचिंग योजनाओं पर अध्ययन हेतु 16 अप्रैल, 2021 को आयोजित की गई।

23 सितंबर, 2021 को उच्च शिक्षा में महिलाओं पर भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2022 के मसौदा अध्यायों पर चर्चा के लिए दूसरी सहकर्मी समीक्षा बैठक का आयोजन।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संचालन

निधि एस. सभरवाल और मलिश सी.एम.: उच्च शिक्षा में छात्र विविधता पर 7 मॉड्यूल विकसित और संपादित। मॉड्यूल के विषय निम्नलिखित हैं:

मॉड्यूल 1: उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और सामाजिक समावेशन: अवधारणाएं और दृष्टिकोण।

मॉड्यूल 2: उच्च शिक्षा में छात्र विविधता का वर्गीकरण।

मॉड्यूल 3: परिसरों में शैक्षणिक एकीकरण प्राप्त करने के लिए दृष्टिकोण।

मॉड्यूल 4: उच्च शिक्षा में भेदभाव के रूप।

मॉड्यूल 5: उच्च शिक्षा परिसर में सामाजिक समावेश।

मॉड्यूल 6: छात्र विविधता के प्रबंधन के लिए संस्थागत तंत्र।

मॉड्यूल 7: उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और नागरिक शिक्षा।

अध्यापन/निरीक्षण/मूल्यांकन

1 मार्च, 2021, समाजशास्त्र विभाग, वारविक विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मॉड्यूल सत्र में नई शिक्षा नीति 2020 के दृष्टिकोण से भारत में लैंगिक और उच्च शिक्षा पर एक मॉड्यूल में सह–शिक्षण।

14–19 जून, 2021 तक नीपा द्वारा आयोजित 16 जून, 2021 को एम.फिल. छात्रों के लिए लेखन कौशल कार्यशाला में शोध पत्र लेखन पर व्याख्यान।

10 अप्रैल, 2021 और 23 अप्रैल, 2021 को छात्र विविधता और सामाजिक समावेशन पर; नीपा के एम.फिल. छात्रों को वैकल्पिक पाठ्यक्रम–07 (समानता और बहुसांस्कृतिक शिक्षा) के लिए उच्च शिक्षा और विकास में लैंगिक समानता पर सत्र में अध्यापन।

19 जून, 2021 को नीपा–एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा में निरीक्षण।

21 जून, 2021 को आयोजित ऑनलाइन एम.फिल./पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा के लिए मूल्यांकन दस्तावेज।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

आंतरिक अनुसंधान समीक्षा समिति, नीपा के सदस्य के रूप में कार्य करते हुए और समिति को प्रस्तुत की गई कई शोध रिपोर्टों पर सहकर्मी प्रतिक्रिया प्रदान की है।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों के डॉक्टरेट कार्य का पर्यवेक्षण और संपादकीय सदस्यता

उच्च शिक्षा के लिए जेंडर पाथवे, वारविक विश्वविद्यालय के डॉक्टरेट कार्य पर मुख्य समूह के सदस्य

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र, जेएनयू में प्रस्तुत पीएच.डी. शोध प्रबंध के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में आमंत्रित।

भारतीय अर्थशास्त्र पुर्नविचार नेटवर्क (आरईआईएन) के परामर्शदाता के रूप में कार्य।

रूटलेज द्वारा प्रकाशित जर्नल, लिंग और शिक्षा के संपादकीय बोर्ड में सदस्य के रूप में कार्य।

'भारत में उच्च शिक्षा में लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने के लिए अध्ययन' पर अनुसंधान सलाहकार समूह के सदस्य के रूप में कार्य। अनुसंधान परियोजना ब्रुनेल विश्वविद्यालय, लंदन और सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे द्वारा की जाती है, और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा समर्थित है।

गरिमा मलिक

प्रकाशन

प्रकाशित पुस्तक

मलिक, गरिमा और नारायणन अन्नलक्ष्मी (2022), ''ट्यूनिंग चैलेंजेज इनटू ऑपरच्युनिटीज: फ्लैक्सिवल लर्निंग पाथवेज इन इंडियन हायर एजुकेशन'' नीपा, नई दिल्ली।

पुस्तक में शोध पत्र, आलेख और अध्याय

मलिक, गरिमा, निधि एस. सभरवाल और विलियम टियरनी (2021), ''भारतीय उच्च शिक्षा की राजनीतिक अर्थव्यवस्थाः दिल्ली के लिए प्रणालीगत चुनौतियों को समझना', सीपीआरएचई शोध पत्र 15, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

एन.वी. वर्गीज और गरिमा मलिक (2021), ''इंस्टीट्यूशनल ऑटोनॉमी एंड गवर्नेंस ऑफ हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस इन इंडिया'', वान चांग दां, मौली, एन.एन. और लोके, हो येओंग ''एशिया में विश्वविद्यालयों का शासन और प्रबंधनः वैश्विक प्रभाव और स्थानीय प्रतिक्रियाएं, पुस्तक में अध्याय न्यूयॉर्क, रूटलेज, 27 मई, 2021 को ऑनलाइन उच्च शिक्षा अनुसंधान संघ सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

मलिक, गरिमा (2021), 7 जुलाई, 2021 को यूनेस्को–आईआईईपी के अंतर्राष्ट्रीय नीति मंच में ''भारत में ऑनलाइन दूरस्थ अधिगम'' पर प्रस्तुति।

मलिक, गरिमा (2021), 28 जुलाई, 2021 को ''भारतीय उच्च शिक्षा में ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा का अभिशासन'', यूनिवर्सिटी सेन्स मलेशिया द्वारा आयोजित ''विघटनकारी युगः चौराहे पर उच्च शिक्षा'' पर 7वां वैश्विक उच्च शिक्षा मंच 7.0 अकादमिक सम्मेलन में भागीदारी

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

राष्ट्रीय ऋण अन्तरण ढांचा पर उच्च स्तरीय राष्ट्रीय समिति के लिए नीपा सचिवालय के संयोजक, मई 2021 में मा.सं.वि. मंत्रालय को अंतिम रिपोर्ट सौंपी गई, यूजीसी से सकारात्मक टिप्पणियों के साथ रिपोर्ट प्राप्त हुई।

विजन 2047 के लिए उच्च शिक्षा पर नीपा दस्तावेज़ में योगदान दिया।

5 अगस्त, 2 सितंबर, 18 नवंबर, 2021 को सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र संकाय प्रेरण कार्यक्रम में ''भारत में उच्च शिक्षा का पारिस्थितिकी तंत्र'' पर प्रस्तुति।

22 नवंबर, 2021 को सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय द्वारा उच्च शिक्षा में उन्नत शैक्षणिक विधियों पर यूजीसी–एचआरडीसी कार्यशाला में ''भारतीय उच्च शिक्षा में ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा'' और ''उच्च शिक्षा में अनुसंधान विधियों का शिक्षण'' पर प्रस्तुति।

अध्यापन कार्य/निरीक्षण/मूल्यांकन

3, 7, 10 और 14 जनवरी, 2021 को सीसी 5बी मात्रात्मक अनुसंधान पद्धति (जनवरी 2022 में अध्यापन के लिए निर्धारित) तथा 1 और 4 अप्रैल, 2022 (केंद्रीय सीमा प्रमेय और संभाव्यता वितरण के प्रकार) और (बहुभिन्नरूपी विश्लेषण) पर एम.फिल. कक्षाओं में अध्यापन।

19 जून, 2021 को एम.फिल./पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा।

जून 2021 में एम.फिल./पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा का मूल्यांकन।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

''उच्च शिक्षा का अभिशासन और स्वायत्तता'' पर संगोष्ठी खंड तैयार करना और सभी पेपर संपादित किए।

जून 2022 में ''उच्च शिक्षा में स्वायत्तता और जवाबदेही'' पर नीतिगत संक्षिप्त विवरण पर बैठक।

''उच्च शिक्षा संस्थानों के शासन और प्रबंधन'' पर शोध संश्लेषण पत्र तैयार करना।

अक्टूबर और दिसंबर 2021 में नीपा जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (जेपा) के लिए समीक्षित लेख।

10 दिसंबर, 2021 को स्टाफ रिट्रीट में अनुसंधान पर समूह कार्य के सदस्य,

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सदस्य, भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र।

सदस्य, इंडिया हैबिटेट सेंटर।

सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय केंद्र – गोवा।

अनुपम पचौरी

प्रकाशन

शोध पत्र, आलेख और पुस्तक में अध्याय

पचौरी, अनुपम (2021), एनईपी 2020 के पश्चात गुणवत्ता आश्वासन और आगामी परिवर्तनों पर अनुभवजन्य साक्ष्य, मंडल ए, और दत्ता, आई (संपा.) में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020: दृष्टिकोण की व्याख्या करना, शिप्रा प्रकाशन, नई दिल्ली, (मुद्रण में)।

पचौरी, अनुपम और चौहान, वी.एस. (2021), प्रेरित, ऊर्जावान और सक्षम संकाय: एनईपी – 2020, आर, शर्मा और एच. वाधेल (संपा.) में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020: पथ और गंतव्य, पीपी. 147–154. अहमदाबाद, विस्टा पब्लिशर्स. आईएसबीएन 978–81–944415–3–3।

पचौरी, ए. (2021), कक्षा 9वीं की विज्ञान विषय की पाठ्यपुस्तक में 'जीवन की मौलिक इकाई', राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), नई दिल्ली, पीपी. 57–67, आईएसबीएन 81–7450–492–3, ई–बुक।

संगोष्ठियों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में भागीदारी

31 जनवरी, 2022 को अधिगम प्रबंधन प्रणाली का परिचय पर प्रो. श्रीनिवास, द्वारा आयोजित नीपा संकाय का व्यावसायिक विकास पर वेबीनार में भागीदारी।

10 दिसंबर, 2021 को द ग्रैंड होटल, नई दिल्ली में नीपा स्टाफ रिट्रीट कार्यशाला–2021 में 'नीति समर्थन और कार्यान्वयन' पर आयोजित कार्य समूह, की बैठक में भागीदारी ।

6 दिसंबर, 2021 को आईआईईपी, पेरिस, यूनेस्को द्वारा ''स्कूल प्रबंधन समिति: भारत में शिक्षा में मुक्त सरकार की ओर एक कदम'', पर कार्यशाला में भागीदारी

7 दिसंबर, 2021 को भारतीय उच्च शिक्षा में महाविद्यालयों की तैयारी और छात्र सफलता पर उपकरण विकास कार्यशाला का आयोजन, नीपा।

30 नवंबर, 2021 को सीपीआरईई–नीपा द्वारा 'वित्तीय उच्च शिक्षा' पर वेबिनार में भागीदारी

11 नवंबर, 2021 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर नीपा–12वां मौलाना आजाद स्मृति व्याख्यान।

कोविड के पश्चात दुनिया में शिक्षण और अधिगम के अंतराल को संबोधित करना' विषय पर वेबिनार, 27 अक्टूबर, 2021।

'उच्च शिक्षा में लचीले अधिगम मॉडल प्रदान करना' विषय पर वेबिनार, 9 सितंबर, 2021।

'उच्च शिक्षा में अनुसंधान, नवाचार और श्रेणीयन' पर वेबिनार, 10 सितंबर, 2021, सीपीआरएचई, नीपा।

'ज्ञान बहुलवाद और उच्च शिक्षा में भाषाई और सांस्कृतिक विविधता' पर वेबिनार, 31 अगस्त, 2021, सीपीआरएचई, नीपा।

11 अगस्त, 2021 को पद्म विभूषण डॉ. के. कस्तूरीरंगन द्वारा 'उदार शिक्षा: 21वीं सदी की अनिवार्यता, पर 15वां स्थापना दिवस व्याख्यान, नीपा।

स्व–अध्ययन रिपोर्ट विकसित करने के लिए कार्यशाला, नीपा, 2021.

संयोजक

पचौरी, अनुपम (2021), संयोजक, 'उच्च शिक्षा में अनुसंधान, नवाचार और रैंकिंग' पर वेबिनार, 10 सितंबर, 2021, सीपीआरएचई / नीपा, यूआरएल: https://youtu.be/KPcSa2bkwGw अंतिम बार 18 जनवरी, 2022 को एक्सेस किया गया।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

शिक्षण

पचौरी, अनुपम (2021), एम.फिल. / पीएच.डी. स्कॉलर्स के लिए अकादमिक अनुसंधान में साहित्य समीक्षा पर सत्र, 15 जून, 2021।

पचौरी, अनुपम (2021), एम.फिल. / पीएच.डी. स्कॉलर्स के लिए अकादमिक लेखन में साहित्य समीक्षा पर सत्र, 17 जून, 2021।

विशेष व्याख्यान

पचौरी, अनुपम (2021), भारतीय उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संबंधी चिंताएं, ऑनलाइन व्याख्यान, विशेष अतिथि व्याख्यान श्रृंखला 2021–22। यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एजुकेशन, गुरू गोविंद सिंह आईपी यूनिवर्सिटी, दिल्ली। 15 नवंबर, 2021।

अन्वीक्षण

19 जून, 2021 को एम.फिल.–पीएच.डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा में निरीक्षण।

15 जून, 2021 को एम.फिल.–पीएच.डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा के लिए मॉक टेस्ट आयोजित किया।

नीपा के प्रख्यात निकायों की सदस्यता

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, नीपा

नैक एसएसआर, कोर ग्रुप, नीपा

समीक्षक

जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (जेपा), नीपा के दो लेखों की समीक्षा, अगस्त 2021।

मानव मूल्यों के जर्नल, सेज प्रकाशन के लिए एक लेख की समीक्षा, मई 2021।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

अध्यक्ष, सीआईई, शिक्षा विभाग पूर्व छात्र संघ, दिल्ली विश्वविद्यालय।

आजीवन सदस्य, भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सीईएसआई), भारत।

सदस्य, ब्रिटिश एसोसिएशन फॉर इंटरनेशनल एंड कम्पेरेटिव एजुकेशन (बीएआईसीई), यूके।

सदस्य, राष्ट्रमंडल विद्वान और अध्येता पूर्व छात्र संघ।

जिणुशा पाणिग्रही

प्रकाशन

प्रकाशित पुस्तक

इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2021: प्राइवेट हायर एजुकेशन, एन.वी. वर्गीज (संपा.) के साथ रूटलेज प्रकाशन यूके, टेलर और फ्रांसिस समूह (पांडुलिपि मुद्रण में)।

पुस्तक में शोध पत्र, लेख और अध्याय

''भारतीय उच्च शिक्षा में बदलाव' संपादक चट्टोपाध्याय, एस., मार्जिनसन, एस. और वर्गीज, एन.वी. द्वारा संपादित वाल्यूम में भारत में उच्च शिक्षा का वित्तपोषण: मुद्दे और चुनौतियां'' पर अध्याय चट्टोपाध्याय, एस., के साथ, ब्लूम्सबरी प्रकाशन।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

25 अप्रैल–2 मई, 2021 तक तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सोसायटी, यूएसए और पिट्सबर्ग, यूनिवर्सिटी, यूएसए, के सहयोग से आयोजित शिक्षा क्षेत्र में बाजार संचालित विस्तार: बढ़ती शुल्क संरचना के प्रभाव शीर्षक से 65वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''बदलते संदर्भों में सामाजिक उत्तरदायित्व'' पर ऑनलाइन (वीसीआईईएस) में पत्र प्रस्तुत किया।

कार्यशालाओं/सम्मेलनों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

मई 2022 में बार्सिलोना, स्पेन में आयोजित 'सतत भविष्य के लिए उच्च शिक्षा की भूमिका और स्थान का पुन: आविष्कार'' पर यूनेस्को विश्व उच्च शिक्षा सम्मेलन के संदर्भ में एआईयू के सहयोग से 30 नवंबर 2021 को नीपा के लिए ''उच्च शिक्षा का वित्तपोषण'' पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

अध्यापन कार्य/निरीक्षण/मूल्यांकन

नीपा एम.फिल./पीएच.डी. पाठ्यक्रम, 2021–22 के मात्रात्मक अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम (सीसी–3) के अध्यापन दल के सदस्य।

गूगल मीट के माध्यम से वर्ष 2021–22 के लिए नीपा डायरेक्ट पीएच.डी., अंशकालिक पीएच.डी. और एम.फिल. पाठ्यक्रम के लिए ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा ।

एम.फिल. के प्रथम सेमेस्टर की सत्रांत परीक्षा दिसंबर 2021 में गूगल मीट के माध्यम से ऑनलाइन कराई।

दिसंबर 2021–22 में नीपा डायरेक्ट पीएच.डी., अंशकालिक पीएच.डी. और एम.फिल. पाठ्यक्रम के सत्रांत परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

25 नवंबर, 2021 को शैक्षिक वित्त विभाग, नीपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) में 'पब्लिक स्कूल शिक्षा के वित्तपोषण' पर गूगल मीट में एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

(2018–21 और 2021–24) अर्थशास्त्र और शैक्षिक वित्त विशेष रुचि समूह (ईएफई–एसआईजी), तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सोसायटी (सीआईईएस), यूएसए के सह–अध्यक्ष।

दुनिया की सबसे बड़ी तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सोसायटी (सीआईईएस), यूएसए के विशिष्ट सदस्य।

मलिश सी.एम.

प्रकाशन

शोध पत्र, आलेख और पुस्तक में अध्याय

मलिश, सी.एम. (2021), 'मेजरिंग हायर एजुकेशन एक्सैसः परपज एंड कॉन्टैक्स्ट, इंटरनेशनल हायर एजुकेशन, नंबर–106, स्प्रिंग इशू, पीपी. 9–10 https://doi.org/10.36197/IHE.2021.106.04 ISSN:1084-0613।

मलिश, सी.एम. (2022), भारत में व्यापक उच्च शिक्षा में बहिष्करण की साइट के रूप में कक्षा, केडिलेज़ो किखी और डी. आर. गौतम (संपा.) में समेकन साझेदारीः पूर्वोत्तर भारत का प्रसंग, नई दिल्लीः रूटलेज https://www.taylorfrancis.com/chapters/edit/10.4324/9781003182726-19/classroom-site-exclusion-massified-higher-education-india-malish

वर्गीज, एन.वी., सभरवाल, एन.एस., और मलिश, सी. एम. (2022), समावेशी विकास के लिए उच्च शिक्षा में समानताः भारत से साक्ष्य, सौमेन चट्टोपाध्याय, मार्जिन्सन, साइमन, वर्गीज, एन.वी. (संपा) में भारतीय उच्च शिक्षा बदलाव (पीपी. 67–93), नई दिल्ली, ब्लूम्सबरी प्रकाशन https://www.bloomsbury.com/in/ changing-higher-education-in-india-9781350192386/

मलिश, सी.एम. (2021), कोविड–पीढ़ी के स्नातकों के लिए कॉलेजों को तैयार करना। यूनिवर्सिटीवर्ल्ड न्यूज। 15 अगस्त, 2021, https://www.universityworldnews.com/post.php?story=20210810135811354

मलिश, सी.एम. (2021)। ''ज्ञान बहुलवाद और उच्च शिक्षा में भाषाई और सांस्कृतिक विविधता'' (यह प्रो. अविनाश कुमार सिंह द्वारा संपादित एनईपी–2020 पर एक नीपा वॉल्यूम में दिखाई देगा)।

मलिश, सी.एम. और सभरवाल, एन.एस. (2021), उच्च शिक्षा सफलता और सामाजिक गतिशीलताः यूजीसी कोचिंग योजनाओं का अध्ययन, सीपीआरएचई अनुसंधान रिपोर्ट, नई दिल्ली, सीपीआरएचई–नीपा. (यूजीसी, नई दिल्ली को प्रस्तुत)।

सभरवाल, निधि एस. और मलिश, सी.एम. (2022)। मॉड्यूल 1: उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और सामाजिक समावेशनः अवधारणाएं और दृष्टिकोण, नई दिल्ली, नीपा

मलिश, सी.एम. (2022)। मॉड्यूल 4: उच्च शिक्षा में भेदभाव के रूप, नई दिल्ली, नीपा।

मलिश, सी.एम. (2022)। मॉड्यूल 5: उच्च शिक्षा परिसरों में सामाजिक समावेशन, नई दिल्ली, नीपा।

मलिश, सी.एम. (2022)। मॉड्यूल 6: उच्च शिक्षा में छात्र विविधता के प्रबंधन के लिए संस्थागत तंत्र, नई दिल्ली, नीपा।

संगोष्ठियों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में भागीदारी

मलिश, सी.एम. (2021), 19–20 मार्च, 2021 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जम्मू द्वारा व्यावसायिक और तकनीकी उच्च शिक्षा में मानविकी और सामाजिक विज्ञान का सह–स्थलीकरण: एक सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, ''एसटीईएम उच्च शिक्षा में मानविकी और सामाजिक विज्ञान के लिए आगे की राह'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ऑनलाइन)।

मलिश, सी.एम. (2021), 18 जून, 2021 को ''उद्धरण / संदर्भ और एंडनोट्स के लिए सॉफ्टवेयर का उपयोग'' – नीपा प्रायोजित एम.फिल.–पीएच.डी. छात्रों के लिए नीपा लेखन कार्यशाला में एक सत्र का योगदान।

कार्यशालाओं / सम्मेलनों / प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

''ज्ञान बहुलवाद और उच्च शिक्षा में भाषाई तथा सांस्कृतिक विविधता'' पर राष्ट्रीय वेबिनार। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020, 31 अगस्त, 2021, सीपीआरएचई–नीपा के एक वर्ष पूर्ण होने के संबंध में शिक्षा मंत्रालय के अनुरोध पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

16 अप्रैल, 2021 को सीपीएचआरई–नीपा द्वारा ''उच्च शिक्षा सफलता और सामाजिक गतिशीलता: कोचिंग योजनाओं का अध्ययन'', पर यूजीसी प्रायोजित अध्ययन की मसौदा रिपोर्ट पर चर्चा करने के लिए ऑनलाइन चर्चा बैठक का (निधि एस सभरवाल के साथ संयुक्त रूप से) आयोजन।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

''उच्च शिक्षा सफलता और सामाजिक गतिशीलता: यूजीसी कोचिंग योजनाओं का अध्ययन'' शीर्षक से अध्ययन पूरा किया, जिसमें उच्च शिक्षा में वंचित सामाजिक और आर्थिक समूहों की समानता को संस्थागत बनाने और अधिगम और आजीविका की गतिशीलता को बढ़ावा देने के लिए यूजीसी कोचिंग योजनाओं में सुधार हेतु यूजीसी को प्रमुख सिफारिशें कीं। .

''एनईपी–2020: कार्यान्वयन रणनीतियाँ'' में ''स्कूल और उच्च शिक्षा में समानता, विविधता और समावेश'' शीर्षक वाले नीपा दस्तावेज़ में नीपा कार्य समूह के सदस्य के रूप में योगदान।

''एनईपी–2020: कार्यान्वयन रणनीतियाँ'' में ''बहुविषयक विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों के समूहों का संचालन'' शीर्षक वाले नीपा दस्तावेज़ में नीपा कार्य समूह के सदस्य के रूप में योगदान।

अध्यापन कार्य / निरीक्षण / मूल्यांकन

एम.फिल.–पीएच.डी. मूल पाठ्यक्रम सीसी–5 गुणात्मक अनुसंधान पद्धति (प्रो. मधुमिता बंधोपाध्याय के साथ संयुक्त रूप से) अध्यापन।

4 मई, 2021 को प्रो. कुमार सुरेश द्वारा समन्वित, वैकल्पिक पाठ्यक्रम ओसी–7 समानता और बहुसांस्कृतिक शिक्षा के रूप में ''भारतीय उच्च शिक्षा में भाषाई विविधता और समावेशी कक्षाएं'' शीर्षक से एक सत्र का अध्यापन।

6 मई, 2021 को प्रो. कुमार सुरेश द्वारा समन्वित, वैकल्पिक पाठ्यक्रम ओसी–7 समानता और बहुसांस्कृतिक शिक्षा के रूप में ''उच्च शिक्षा में भाषाई और असमानता'' शीर्षक से एक सत्र का अध्यापन।

गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर सीसी –5 के लिए एम.फिल. परीक्षा का निरीक्षण।

19 जून, 2021 को आयोजित एम.फिल.–पी.एचडी. प्रवेश परीक्षा का निरीक्षण।

मूल्यांकन

19 जून, 2021 को आयोजित एम.फिल.–पीएच.डी. पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन।

सीसी–5 गुणात्मक अनुसंधान पद्धति की उत्तर लिपियों का मूल्यांकन।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

व्यापक रूप से शैक्षणिक और नीतिगत पहलुओं पर प्रसारित सीपीआरएचई शोध पत्र श्रृंखला के संस्थापक सह–संपादक के रूप में कार्य। गरिमा मलिक, निधि एस. सभरवाल और विलियम जी. टियरनी द्वारा ''भारतीय उच्च शिक्षा की राजनीतिक अर्थव्यवस्था: दिल्ली के लिए प्रणालीगत चुनौतियों को समझना'' शीर्षक से श्रृंखला में 15वां पेपर पुनर्प्रसंस्करण के प्रक्रिया में है।

नीपा द्वारा प्रकाशित जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (जेपा) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में योगदान और प्रोफेसर एनवी वर्गीज और प्रो अविनाश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में संपादकीय प्रसंस्करण का समन्वय।

मैकगिल विश्वविद्यालय कनाडा (शिक्षा में एकीकृत अध्ययन विभाग) में डॉक्टरेट उम्मीदवार शिखा दिवाकर की डॉक्टरेट शोध विषय ''भारतीय उच्च शिक्षा में दलित प्रथम पीढ़ी की महिला छात्रों के अनुभव को समझना'' पर डॉक्टरेट समिति के सदस्य के रूप में कार्यरत।

18 अक्टूबर, 2021 को आयोजित उम्मीदवारी पत्र रक्षा में दो उम्मीदवारी पत्रों की समीक्षा और शोध कार्य में प्रगति की निगरानी की।

स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक

प्रणति पंडा (विभागाध्यक्ष)

रस्मिता दास स्वाँई

ए.एन. रेड्डी

एकक का संक्षिप्त परिचय

शाला सिद्धिः गुणवत्ता सुधार के लिए स्कूल मूल्यांकन प्रत्यायन की दिशा में अभिनव पहल

स्कूल मानकों और मूल्यांकन पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (शाला सिद्धि) भारत में गुणवत्तापूर्ण आश्वासन की प्रणाली विकसित करने हेतु व्यापक स्कूल प्रदर्शन मूल्यांकन और मान्यताओं को संस्थागत बनाने के लिए एक अभिनव पहल है। जिसका मुख्य उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए सुधारात्मक मानकों और प्रक्रियाओं के एक सहमत सेट को स्थापित करना और संदर्भित करना है जिसे सभी स्कूलों को एक स्थायी तरीके से प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। यह '***विद्यालय प्रदर्शन मूल्यांकन***' को साधन और '***विद्यालय सुधार***' को लक्ष्य के रूप में देखना और जवाबदेही के साथ स्कूल सुधार की दिशा में स्व और बाहरी मूल्यांकन के लिए प्रत्येक स्कूल को स्पष्ट मार्ग प्रदान करता है। इसलिए विद्यालय मूल्यांकन का तात्पर्य किसी एक विद्यालय के समग्र रूप से उसके प्रदर्शन के मूल्यांकन से है। यह स्कूलों को उनके अधिकार, सुधार के अवसरों, कार्यों को प्राथमिकता देने, निर्णय लेने, जिम्मेदारी सौंपने, समय सीमा निर्धारित करने और उनके सुधार के लिए साक्ष्य–आधारित समर्थन बनाने की सुविधा प्रदान करता है।

शाला सिद्धि कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्य हैं:

स्कूल मूल्यांकन और गुणवत्तापूर्ण आश्वासन प्रणाली की सुदृढ़ एवं विकसित करना;

स्कूल प्रदर्शन मूल्यांकन और गुणवत्तापूर्ण आश्वासन के लिए मानक और कार्यप्रणाली निर्धारित करना;

साक्ष्य–आधारित स्कूल सुधार के लिए सहयोगी स्कूल मूल्यांकन प्रक्रियाओं को संस्थागत बनाना;

प्रत्येक स्कूल को सतत स्कूल सुधार के लिए सशक्त बनाना जिससे जवाबदेही के साथ अधिगम के बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकें।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की बढ़ती भागीदारी के साथ–साथ शाला सिद्धि कार्यक्रम के तहत स्कूलों का दायरा बढ़ा है। वर्ष 2016–18 को स्कूल स्व–मूल्यांकन की तैयारी के लिए अधिगम का वर्ष माना गया तथा वर्ष 2018–19 के बाद स्कूलों की बढ़ती भागीदारी को समर्थन किया। महामारी के बावजूद भी स्कूलों का कवरेज वर्ष 2019–20 और 2020–21 में लगातार उच्च बना रहा।

क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की प्रगति

शाला सिद्धि कार्यक्रमों को सही मायने में कार्यान्वयन के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाती है। जिसमें लगभग 50 लाख शिक्षक–प्रशिक्षकों, शिक्षा अधिकारियों, प्राचार्यों और शिक्षकों को शाला सिद्धि कार्यक्रम की तैयारी, रणनीतिक योजना और कार्यान्वयन के लिए पिछले 4 वर्षों में प्रशिक्षित किया है। वर्ष 2021–22 में स्कूल मूल्यांकन के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए लगभग 28 ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किए गए:

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं/सम्मेलन आयोजित

16 अप्रैल, 2021 को एनईपी–2020 से संबंधित शाला सिद्धि कार्यक्रम के 100 प्रतिशत कवरेज की शुरुआत'' पर राष्ट्रीय परामर्शदात्री बैठकें: 'वेबिनार, जिसमें राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के शाला सिद्धि नोडल अधिकारी और विभिन्न स्तरों पर शैक्षिक प्रशासक शामिल हैं (जिला, ब्लॉक, क्लस्टर स्तर) के 112 प्रतिभागियों ने भाग लिया

28–29 मार्च, 2022, मेघालय, शिलांग में ''भारत के उत्तर–पूर्वी राज्यों'' पर क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन।

स्कूल स्व–मूल्यांकन पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम (शाला सिद्धि)

शाला सिद्धि के कार्यान्वयन के लिए नवोदय विद्यालयों (एनवीएस) के लिए क्षेत्रीय क्षमता विकास कार्यक्रम।

16 अगस्त 2021 को 208 प्रतिभागियों में एनवीएस के प्राचार्य और उप–प्राचार्य शामिल थे।

18 अगस्त, 2021 को 216 प्रतिभागियों में एनवीएस के प्राचार्य और उप–प्राचार्य शामिल थे।

23 अगस्त, 2021 को 162 प्रतिभागियों में एनवीएस के प्राचार्य और उप–प्राचार्यों शामिल थे।

केन्द्रीय विद्यालयों (केवीएस) के लिए शाला सिद्धि की शुरूआत और कार्यान्वयन पर क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।

चंडीगढ़ क्षेत्र के लिए 29 सितंबर, 2021 को 190 प्रतिभागियों में केवीएस के प्राचार्य और उप–प्राचार्य शामिल थे।

भुवनेश्वर क्षेत्र के लिए 30 सितंबर, 2021 को 212 प्रतिभागियों में केवीएस के प्राचार्य और उप–प्राचार्य शामिल थे।

ग्वालियर क्षेत्र के लिए 1 अक्टूबर, 2021 को 191 प्रतिभागियों में केवीएस के प्राचार्य और उप–प्राचार्य शामिल थे।

मुंबई क्षेत्र के लिए 4 अक्टूबर, 2021 को 243 प्रतिभागियों में केवीएस के प्राचार्य और उप–प्राचार्य शामिल थे।

मैसूर क्षेत्र के लिए 5 अक्टूबर, 2021 को 107 प्रतिभागियों में केवीएस के प्रधानाचार्य और उप–प्राचार्य शामिल थे।

राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के सहयोग से नीपा द्वारा आयोजित क्षमता विकास कार्यक्रम

स्कूल बाह्य–मूल्यांकन और साक्ष्य–आधारित स्कूल सुधार पर ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यक्रमः

12 अक्टूबर, 2021 को समग्र शिक्षा लक्षद्वीप के 46 प्रतिभागियों में राज्य में शाला सिद्धि के लिए कार्यरत शैक्षिक प्रशासक सम्मिलित थे।

27 अक्टूबर, 2021 को समग्र शिक्षा दिल्ली में यूट्यूब, फेसबुक प्रसारण के माध्यम से 1430 प्रतिभागी शामिल हुए।

29 अक्टूबर, 2021 को समग्र शिक्षा बिहार राज्य में शाला सिद्धि में कार्यरत स्कूल प्रमुखों, शैक्षिक प्रशासकों में 241 प्रतिभागी सम्मिलित थे।

2 नवंबर, 2021 को समग्र शिक्षा आंध्र प्रदेश में यूट्यूब, फेसबुक प्रसारण के माध्यम से 700 प्रतिभागी शामिल हुए।

8 नवंबर, 2021 को समग्र शिक्षा पंजाब में यूट्यूब, फेसबुक पर प्रसारण के माध्यम से 5050 प्रतिभागी शामिल हुए।

18 नवंबर, 2021 को समग्र शिक्षा कर्नाटक में यूट्यूब, फेसबुक पर प्रसारण के माध्यम से 8000 प्रतिभागी शामिल हुए।

22 नवंबर, 2021 को समग्र शिक्षा असम में यूट्यूब, फेसबुक पर प्रसारण के माध्यम से 12000 प्रतिभागी शामिल हुए।

23 नवंबर, 2021 को समग्र शिक्षा महाराष्ट्र में यूट्यूब लाइव, फेसबुक पर प्रसारण के माध्यम से 15891 प्रतिभागी शामिल हुए।

24 नवंबर, 2021 को समग्र शिक्षा चंडीगढ़ में यूट्यूब, फेसबुक पर प्रसारण के माध्यम से 314 प्रतिभागी शामिल हुए।

25 नवंबर, 2021 को समग्र शिक्षा सिक्किम में 245 प्रतिभागियों में राज्य में शाला सिद्धि के लिए कार्यरत स्कूल प्रमुख, शैक्षिक प्रशासक शामिल थे।

6 दिसंबर, 2021 को समग्र शिक्षा मेघालय में यूट्यूब, फेसबुक प्रसारण के माध्यम से 8500 प्रतिभागी शामिल हुए।

4 जनवरी 2022 को समग्र शिक्षा राजस्थान में यूट्यूब फेसबुक प्रसारण के माध्यम से 20,253 प्रतिभागी शामिल हुए।

7 जनवरी, 2022 को समग्र शिक्षा मणिपुर में यूट्यूब, फेसबुक प्रसारण के माध्यम से 700 प्रतिभागी शामिल हुए।

20 जनवरी 2022 को समग्र शिक्षा हरियाणा में यूट्यूब, फेसबुक प्रसारण के माध्यम से 2794 प्रतिभागी शामिल हुए।

22 फरवरी, 2022, को समग्र शिक्षा गुजरात में यूट्यूब, फेसबुक प्रसारण के माध्यम से 2527 को प्रतिभागी शामिल हुए।

अनुसंधान और नवाचार

अनुसंधान और नवाचार के सभी चरणों – वैचारिक विकास; उपकरण और कार्यप्रणाली; स्व और बाह्य–मूल्यांकन प्रक्रियाएं; कार्यान्वयन, आदि को शाला सिद्धि कार्यक्रम का अभिन्न अंग माना जाता है

स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी स्कूल स्व–मूल्यांकन डैशबोर्ड के आधार पर स्व–प्रकटीकरण रिपोर्ट के रूप में तैयार की जाती है।

राष्ट्रीय स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20

स्कूल मानकों और मूल्यांकन पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (शाला सिद्धि) भारत में गुणवत्तापूर्ण आश्वासन की प्रणाली विकसित करने हेतु व्यापक स्कूल प्रदर्शन मूल्यांकन और मान्यताओं को संस्थागत बनाने के लिए एक अभिनव

पहल है। जिसका मुख्य उद्देश्य मानकों और प्रक्रियाओं के एक सहमत सेट को स्थापित और संदर्भित करना है जिसे सभी स्कूलों को एक स्थायी तरीके से प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। अकादमिक वर्ष 2019–20 में लगभग 4,26,932 स्कूलों ने अपनी स्व–मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी कर ली है। इस प्रक्रिया में, सभी श्रेणियों के स्कूलों में – प्राथमिक, उच्चतर प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक, लगभग 40–50 प्रतिशत स्कूल सक्षम (सर्वाग्रा) और सुधार की आवश्यकता (सक्षम) स्तर पर प्रदर्शन कर रहे हैं। समग्र स्कोर के अनुसार, कुल स्कोर के आधार पर स्कूल के प्रदर्शन के स्तर का वर्गीकरण इंगित करता है कि – लगभग 47 प्रतिशत स्कूलों को अपने प्रदर्शन में सुधार के लिए पर्याप्त समर्थन की आवश्यकता है। लगभग 9.44 प्रतिशत विद्यालय सक्षम (सर्वाग्रा) स्तर पर हैं। इसके अलावा, लगभग 90 प्रतिशत स्कूलों को विभिन्न डिग्रियों में सुधार के लिए समर्थन की आवश्यकता होती है। नेशनल स्कूल परफॉर्मेंस एनालिटिक्स स्कूल के महत्वपूर्ण प्रदर्शन स्तरों और क्षेत्रों को उजागर करता है। 46 मुख्य मानकों पर स्कूलों के प्रदर्शन के अनुसार 50 प्रतिशत से अधिक स्कूल या तो स्तर–1 या स्तर–2 पर प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे पता चलता है कि उच्चतम स्तर स्तर–3 तक पहुंचने के लिए सभी मुख्य मानकों में सुधार की आवश्यकता है। मुख्य डोमेन–II विशेष रूप से ''विद्यार्थियों और विषय के बारे में शिक्षकों समझ'' और ''शिक्षकों के अकादमिक ज्ञान'' और प्रमुख डोमेन–IV में ''शिक्षक प्रदर्शन का प्रबंधन और शिक्षक'' विशेष रूप से ''शिक्षक उपस्थिति'' जैसे मूल मानकों पर जैसे मुख्य मानकों पर ''शिक्षण अधिगम और मूल्यांकन'' में स्कूल अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, दूसरी ओर, ''विद्यार्थियों की प्रगति, उपलब्धि और विकास'' पर डोमेन–III में 70 प्रतिशत से अधिक स्कूलों का प्रदर्शन उच्चतम स्तर– स्तर–3 से नीचे है।

प्रमुख डोमेन–V ''स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन''; डोमेन–VI ''समावेश, स्वास्थ्य और सुरक्षा'' और डोमेन–VII ''उत्पादक सामुदायिक भागीदारी'' के चौदह मुख्य मानकों में से छह मुख्य मानकों में, 70 से 80 प्रतिशत स्कूल लेवल–1 और –2 पर प्रदर्शन कर रहे हैं। जिसका तात्पर्य इन प्रमुख डोमेन में महत्वपूर्ण सुधार की आवश्यकता है। सभी मुख्य मानकों में राज्य स्तर के विश्लेषण में भिन्नताएं मौजूद हैं। साथ ही, स्कूल के समग्र प्रदर्शन की व्यवस्थित और सुदृढ़ निगरानी आवश्यक है। राज्य स्तर पर, प्रमुख क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भिन्नताएं मौजूद हैं जो स्कूली शिक्षा के महत्वपूर्ण प्रदर्शन क्षेत्रों पर कमियों को उजागर करती हैं और उनके सुधार से अधिगम के बेहतर परिणामों की ओर अग्रसर होती हैं। 2019–20 की विश्लेषणात्मक रिपोर्ट के निष्कर्ष यह भी इंगित करते हैं कि विद्यार्थियों की प्रगति का समर्थन और उनके प्रदर्शन में सुधार के लिए लक्ष्य का निर्धारण और रणनीति विकास के साथ–साथ मानकों और गुणवत्ता की निगरानी के लिए शासन मॉडल को मजबूत करने की आवश्यकता है।

राज्य–वार स्कूल प्रदर्शन विश्लेषण 2019–20 (36 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश)

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20

आंध्र प्रदेश स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

अरुणाचल प्रदेश स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

असम स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

बिहार स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

चंडीगढ़ स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

छत्तीसगढ़ स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

दादरा और नगर हवेली स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

दमन और दीव स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

दिल्ली स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

गोवा स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

गुजरात स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

हरियाणा स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

हिमाचल प्रदेश स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

जम्मू और कश्मीर स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

झारखंड स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

कर्नाटक स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

केरल स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20

लक्षद्वीप स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

मध्य प्रदेश स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

महाराष्ट्र स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

मणिपुर स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

मेघालय स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

मिजोरम स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

नागालैंड स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

ओडिशा स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

पुडुचेरी स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

पंजाब स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

राजस्थान स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

सिक्किम स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

तमिलनाडु स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

तेलंगाना स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

त्रिपुरा स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

उत्तर प्रदेश स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

उत्तराखंड स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

पश्चिम बंगाल स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी 2019–20।

स्व–मूल्यांकन डैशबोर्ड 2018–19 के आधार पर स्कूल प्रदर्शन का डेटा विश्लेषण

स्व–मूल्यांकन डैशबोर्ड 2016–18 के आधार पर स्कूल प्रदर्शन का डेटा विश्लेषण

शाला सिद्धि स्कूल प्रदर्शन मूल्यांकन पर बड़े पैमाने पर डेटा–बेस तैयार करती है जिसका विश्लेषण निम्न चार स्तरों पर किया जाता है:

विद्यार्थियों और शिक्षकों के बारे में बुनियादी जानकारी।

मानक–वार आन्तरक

क्षेत्र–वार प्रमुख प्रदर्शन।

स्कूल प्रदर्शन स्तर (समग्र अंक–वार)।

प्रदर्शन ग्रेडिंग सूचकांक (पीजीआई 2019–20) और एसडीजी4 भारत के साथ शाला सिद्धि के प्रदर्शन का तुलनात्मक विश्लेषण।

वेब पोर्टल प्रबंधन

शाला सिद्धि परस्पर संवादात्मक वेब पोर्टल (www.shaalasiddhi.niepa.ac.in) द्वारा समर्थित है। वेब पोर्टल में कार्यक्रम संबंधी सभी दस्तावेजों को उपयोगकर्ता डाउनलोड कर सकते हैं। वेब पोर्टल में एक संवादात्मक प्लेटफॉर्म है जिसमें प्रत्येक स्कूल अपनी स्व–मूल्यांकन रिपोर्ट और बाह्य मूल्यांकनकर्ता अपनी मूल्यांकन रिपोर्ट ऑनलाइन अपलोड कर सकता है। समेकित स्कूल मूल्यांकन रिपोर्ट (स्व और बाह्य दोनों) ऑनलाइन तैयार की जाती है जिससे व्यवसायी, नीति निर्माता, अन्य सभी हितधारक जानकारी तक पहुँच सकते हैं, इस प्रकार गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा की पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं। महामारी के कारण चुनौतियों का सामना करने के बावजूद सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश स्व–मूल्यांकन और बाह्य–मूल्यांकन डैशबोर्ड अपलोड कर रहे हैं। एकक ने स्व और बाह्य मूल्यांकन डैशबोर्ड को सही और वैध तरीके से प्रभावी ढंग से अपलोड करने के लिए निम्नलिखित दस्तावेज भी विकसित किए हैं:

स्व–मूल्यांकन के लिए उपयोगकर्ता पुस्तिका।

बाह्य मूल्यांकन के लिए उपयोगकर्ता पुस्तिका।

संशोधित स्व–मूल्यांकन डैशबोर्ड।

प्रशासकों के लिए उपयोगकर्ता पुस्तिका।

'विद्यालय मूल्यांकन और प्रमाणन' पर स्व–शिक्षण मॉड्यूल का विकास

व्यवस्थित संचालन प्रक्रिया में राज्य के अधिकारियों की तैयारी और प्रभावी कार्यान्वयन के लिए क्षमता विकास शामिल है। नीपा, शाला सिद्धि इस प्रयास के तहत, मानक निर्धारण, स्कूल मूल्यांकन और मान्यता पर प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित कर रहा है। इस प्रशिक्षण पैकेज का उपयोग उन महत्वपूर्ण मानव संसाधनों को प्रशिक्षित करने के लिए किया जाएगा जो गुणवत्ता सुधार और स्कूल मूल्यांकन के लिए समर्थन देने हेतु जवाबदेह और जिम्मेदार हैं।

प्रशिक्षण पैकेज में निम्नलिखित मॉड्यूल शामिल हैं जो प्रक्रियाधीन हैं:

स्कूल गुणवत्ता और सुधार।

स्कूल प्रदर्शन प्रबंधन के लिए मानक निर्धारित करना।

स्कूल मूल्यांकन प्रदर्शन प्रबंधन।

सामरिक उपकरण और दिशानिर्देशः उपकरण और कार्यप्रणाली।

स्कूल के प्रदर्शन/प्रमाणन/मूल्यांकन रिपोर्ट का उपयोग।

सुधार के लिए मूल्यांकनः साक्ष्य आधारित स्कूल गुणवत्ता सुधार।

बेहतर स्कूल प्रशासन के लिए प्रणालीगत समर्थन।

मॉड्यूल की प्रासंगिकता, अनुवाद और विकास

शाला सिद्धि सामग्री (स्कूल मानक एवं मूल्यांकन ढांचा, स्कूल मूल्यांकन डैश बोर्ड, स्व–मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश, मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश और साक्ष्य–आधारित स्कूल सुधार) का 20 राज्य विशिष्ट क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद किया गया है।

स्कूल गुणवत्ता आश्वासन और प्रमाणन पर सात मॉड्यूल विकसित किए हैं। जो संपादन की अंतिम प्रक्रिया में है। इन मॉड्यूलों का उपयोग स्कूल मूल्यांकनकर्ताओं/परामर्शदाताओं/प्रत्यायकर्ताओं के प्रशिक्षण एवं ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के लिए किया जाएगा।

शाला सिद्धि कार्यक्रम किस प्रकार से परिवर्तन ला रहा है? स्कूलों से स्वर

स्कूल विभिन्न मंचों, कार्यक्रमों, ई–मेल आदि से शाला सिद्धि कार्यक्रम के अपने अनुभवों को निरंतर साझा कर रहे हैं। उनके भावनाएं बहुत उत्साहजनक हैं और स्कूल सुधार के लिए कार्रवाई के साथ बुनिदयादी मानकों के प्रदर्शन के स्तर को जोड़कर स्वयं को सशक्त बना रहे हैं। कुछ स्कूलों ने साझा किया कि ''शाला सिद्धि हमारे लिए एक दर्पण है जो स्कूली शैक्षिक प्रक्रियाओं के नए तरीकों को सामने लाने, सुलझाने और अपनाने में सहायता कर रही है''। कई स्कूलों ने कार्यक्रम के भीतर निहित स्कूल और सशक्तिकरण प्रक्रिया के समग्र दृष्टिकोण की सराहना की। कई राष्ट्रीय और राज्य के समाचार पत्रों ने बार–बार शाला सिद्धि की सफल कहानियों को कवर किया।

अर्न्तराष्ट्रीय सहयोग एकक

सरिंग चोनजोम भूटिया

प्रकाशन

पुस्तकें

सरिंग चोनज़ोम भूटिया और बिनय प्रसाद, ''नॉर्डिक–इंडिया समिटः नॉर्डिक यूनिवर्सिटीज़ एंड इंडियाज़ एनईपी 2020'', नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, नई दिल्ली, दिसंबर 2021 (रिपोर्ट)।

कार्यशालाओं / सम्मेलनों / प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

27 अप्रैल 2021 को संयुक्त रूप से यूआईसी, नीपा द्वारा नॉर्डिक सेंटर इन इंडिया (एनसीआई) के सहयोग से आयोजित दूसरे नॉर्डिक इंडिया शिखर सम्मेलन वेबिनार ''नॉर्डिक विश्वविद्यालय और भारत के एनईपी 2020: अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए नए प्रक्षेप पथ' का समन्वय किया।

समीक्षा अवधि के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

2021–22 की अवधि के दौरान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लगभग 37 विषयों पर शिक्षा मंत्रालय (एमओई) को विस्तारित समर्थन।

1. 17 जुलाई, 2021 को आईसीसी को ''नेगारा ब्रुनेई दारुस्सलेम के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने पर भारत के लिए संभावित परिणाम / लाभ'' और ''ब्रुनेई में शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र पर पृष्ठभूमि नोट'' पर जानकारी प्रस्तुत किये।
2. 18 मार्च, 2021 को वर्चुअल मोड में ब्रिक्स नेटवर्क यूनिवर्सिटी (एनयू) राष्ट्रीय समन्वय समिति (एनसीसी) की बैठक में भागीदारी। 22 मार्च, 2021 को आईसीसी को प्रस्तुत बैठक के कार्यवृत्त, संस्थानों के प्रमुखों सहित उपस्थित लोगों की सूची संकलन और साथ ही एसपीओसी और उनके विवरण आईसीसी द्वारा अग्रेषित कई ईमेल के आधार पर एक फाइल में बैठक से पहले आईसीसी को सौंपे गए।
3. ब्रिक्स एनयू एनसीसी की अद्यतन संपर्क शीट तैयार की और 10 मार्च, 2021 को आईसीसी को प्रस्तुत की।
4. ब्रिक्स घोषणा और अवधारणा नोट पर चर्चा के लिए 15 अप्रैल, 2021 को संयुक्त सचिव (आईसीसी) की अध्यक्षता में ऑनलाइन माध्यम से बैठक में भागीदारी।
5. 19 अप्रैल, 2021 को ब्रिक्स 2021 शिखर सम्मेलन के लिए मसौदा अवधारणा नोट और ईएमएम घोषणा पर चर्चा के लिए आभासी मोड में संयुक्त सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में भागीदारी।
6. अप्रैल 2021 में ब्रिक्स अंतर्राष्ट्रीय शासी मंडल (आईजीबी), वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक (एसओएम) और शिक्षा मंत्री की बैठक (ईएमएम) के लिए आमंत्रण पत्र तैयार किये।
7. 29 जून, 2021 को आईजीबी बैठक से पहले की अवधि में ब्रिक्स अंतर्राष्ट्रीय शासी बोर्ड की बैठक से संबंधित सभी मामलों में आईसीसी को सहयोग।
8. 2021 में आयोजित सभी ब्रिक्स शिक्षा संबंधी बैठकों की तैयारी और प्रगति पर चर्चा करने लिए 4 जून, 2021 को आभासी माध्यम में संयुक्त सचिव (आईसीसी) की अध्यक्षता में आंतरिक निर्दिष्टकालिक बैठक में भागीदारी।
9. आईजीबी घोषणा का मसौदा तैयार किया और टिप्पणियों के लिए 7 जून, 2021 को यूजीसी और आईआईटीबी के साथ साझा किया और ब्रिक्स सदस्य देशों के बीच संचलन के लिए 8 जून, 2021 को अंतिम रूप दिया।
10. 2021 में आयोजित ब्रिक्स शिक्षा संबंधी सभी बैठकों के तार्किक पहलुओं के संबंध में 7 जून, 2021 को आभासी माध्यम में संयुक्त सचिव (आईसीसी) की अध्यक्षता में आंतरिक निर्दिष्टकालिक बैठक में भागीदारी।

11. आईसीसी के अनुरोध के पर 29 जून, 2021 को आईजीबी बैठक के समग्र समन्वय में सक्रिय नेतृत्व किया और जून 2021 के मध्य में आयोजित ब्रिक्स एनयू विश्व सम्मेलन में आईआईटीबी का समर्थन किया। एनसीसी सदस्यों से रिपोर्ट का सारांश भी तैयार किया और आईसीसी को प्रस्तुत किया।

12. 2021 में आयोजित होने वाली सभी ब्रिक्स शिक्षा संबंधी बैठकों की तैयारी और प्रगति पर चर्चा करने के लिए 8 जून, 2021 को आभासी माध्यम में संयुक्त सचिव (आईसीसी) की अध्यक्षता में आंतरिक स्टॉकटेकिंग बैठक में भाग लिया।

13. 16–18 जून, 2021 को ''इलेक्ट्रिक मोबिलिटी'' विषय पर ब्रिक्स एनयू विश्व सम्मेलन में भागीदारी।

14. आईजीबी मीटिंग के लिए तैयार चर्चा बिन्दु, एसओएम और ईएमएमः माननीय मंत्री के लिए वार्ता बिन्दु (स्वागत, समापन टिप्पणी और प्रत्येक देश में शैक्षिक प्राथमिकताओं और नीति अद्यतन पर जानकारी) 23 जून, 2021 को आईसीसी को प्रस्तुत किए गए। आईजीबी ने 26 जून, 2021 को आईसीसी को उद्घाटन और समापन टिप्पणियों के लिए वार्ता। 28 जून, 2021 को एसओएम के उद्घाटन और समापन टिप्पणियों के लिए वार्ता बिंदु प्रस्तुत किये।

15. ब्रिक्स नेटवर्क विश्वविद्यालय के तहत भारत और ब्रिक्स शिक्षा सहयोग, 2015–21: एक सिंहावलोकन शीर्षक वाला विस्तृत दस्तावेज, तैयार किया गया और 28 जून, 2021 को आईसीसी को प्रस्तुत किया गया।

16. 29 जून को आईजीबी, 2 जुलाई को एसओएम और 6 जुलाई, 2021 को ईएमएम आभासी माध्यम में 3 ब्रिक्स बैठकों में भागीदारी।

17. 29 जून, 2021 को आयोजित ब्रिक्स नेटवर्क विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय शासी मंडल (आईजीबी) की बैठक की शब्दशः रिपोर्ट 11 जुलाई, 2021 को आईसीसी को सौंपी।

18. 2 जुलाई, 2021 को आयोजित ब्रिक्स वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक (एसओएम) में 1 जुलाई, 2021 को आईजीबी बैठक की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की।

19. 3 जुलाई, 2021 को ब्रिक्स वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक (एसओएम) की संक्षिप्त रिपोर्ट (6 जुलाई, 2021 को शिक्षा मंत्रियों की बैठक में प्रस्तुत)।

20. अर्थशास्त्र में ब्रिक्स भागीदार संस्थानों की जानकारी–संक्षिप्त विवरण 29 जुलाई, 2021 को आईसीसी में प्रस्तुत किया गया।

21. 10 अगस्त 2021 को (समन्वयक – दिल्ली विश्वविद्यालय) अर्थशास्त्र पर ब्रिक्स नेटवर्क यूनिवर्सिटी इंटरनेशनल थीमैटिक ग्रुप (आईटीजी) द्वारा आयोजित ''कोविड –19 महामारी और वैश्विक तथा ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं की पुनरुद्धार रणनीति'' शीर्षक वाले ब्रिक्स वेबिनार में सचिव की भागीदारी के लिए जानकारी तैयार कर 9 अगस्त, 2021 को आईसीसी को सौंपे गए।

22. ''आसियान शिक्षा क्षेत्र के मंत्रियों, प्रमुखों और केंद्र बिन्दुओं'' पर कार्यभार से संबंधित जानकारियां 2 अगस्त, 2021 को आईसीसी को प्रस्तुत किए।

23. पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) शिक्षा पर वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक (एसओएम–ईडी) और ईएएस शिक्षा मंत्रियों की बैठक (ईएमएम) के लिए पूर्वी एशिया पर पृष्ठभूमि नोट 17 अगस्त, 2021 को आईसीसी को प्रस्तुत किया गया।

24. 1 अक्टूबर, 2021 को 5वीं पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन शिक्षा मंत्रियों की बैठक आयोजित की गई। माननीय मंत्री के लिए एक मसौदा विवरण तैयार किया जिसे 6 सितंबर, 2021 को आईसीसी को प्रस्तुत किया गया और 11 सितंबर, 2021 को अतिरिक्त जानकारी भी जमा किए।

25. छठा पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) एसओएम–ईडी बैठक 30 सितंबर, 2021 को आयोजित की गई। व्यापक टिप्पणी आईसीसी द्वारा साझा किए गए टेम्पलेट के आधार पर तैयार किये और 15 सितंबर, 2021 को आईसीसी को प्रस्तुत किये गये।

26. आसियान सचिवालय से प्राप्त पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) शिक्षा मंत्रियों की बैठक (ईएमएम) के प्रारूप संयुक्त वक्तव्य की समीक्षा की और तदनुसार इसे संशोधित कर 13 सितंबर, 2021 को आईसीसी को प्रस्तुत किया।

27. 18 मार्च, 2021 को भारत–जापान उच्च स्तरीय वार्ता के लिए विस्तृत जानकारी आईसीसी को सौंपी गई।
28. 28 जुलाई, 2021 को भारत–कोरिया संयुक्त कार्य समूह की बैठक के लिए एजेंडा अंक आईसीसी को सौंपे गए।
29. 10 अगस्त, 2021 को शास्त्री भवन, नई दिल्ली में ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग और संयुक्त सचिव, आईसीसी के अधिकारियों के बीच बैठक में भाग लिया – 11 अगस्त, 2021 को आईसीसी को चर्चा का रिकॉर्ड प्रस्तुत किया।
30. भारत और ब्रुनेई के बीच मसौदा समझौता ज्ञापन पर जानकारी 22 मार्च, 2021 को आईसीसी को प्रस्तुत किया गया।
31. शिक्षा के क्षेत्र में फिजी के साथ ईईपी/एमओयू का मसौदा तैयार किया और 9 अप्रैल, 2021 को आईसीसी को प्रस्तुत किया।
32. 12 नवंबर, 2021 को आयोजित शिक्षा मंत्रालय और एमईए के सहयोग से चंडीगढ़ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित डिप्लोमैटिक कॉन्क्लेव में भागीदारी।
33. जी20 इंडियाज प्रेसीडेंसी और ट्रोइका सदस्यता से संबंधित एवं 2018 इतालवी प्रेसीडेंसी से अब तक के सभी जी20 संबंधित दस्तावेजों को एक फोल्डर में संकलित किया और 17 जनवरी, 2022 को आंतरिक समीक्षा के लिए प्रस्तुत किया।
34. जी20 इंडियाज प्रेसीडेंसी और ट्रोइका सदस्यता – जी20 कार्य प्रवाह आदि पर एक विस्तृत पृष्ठभूमि नोट तैयार किया और 2 फरवरी, 2022 को आंतरिक समीक्षा के लिए प्रस्तुत किया।
35. 1 मार्च, 2022 को इंडोनेशिया प्रेसीडेंसी और भारत प्रेसीडेंसी के तहत, पिछली प्रेसीडेंसी के अधीन प्रस्तावित विषयों जी20 एजुकेशन ट्रैक (विषय/प्राथमिकता वाले क्षेत्र) पर पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन तैयार किया और कार्रवाई रिपोर्ट सहित आईसीसी को प्रस्तुत की गई।
36. 16–17 मार्च, 2022 को शास्त्री भवन, नई दिल्ली में ऑनलाइन मोड के माध्यम से इंडोनेशिया द्वारा आयोजित पहली जी20 शिक्षा कार्य समूह की बैठक में भागीदारी।
37. डॉ बिनय और डॉ आलोक के सहयोग से भारतीय पक्ष के सभी हितधारकों द्वारा साझा किए गए 10 भरे हुए जी20 प्रश्नावली की पुनः जांच किया और सभी फाइलों को प्रारूपित और सुव्यवस्थित/तर्कसंगत बनाकर एक फाइल में संकलित किया और 24 मार्च, 2022 को शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किया।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

भारत की उच्च शिक्षा साझेदारी को बढ़ाने के लिए 'संभावित प्राथमिकता वाले देशों' पर यूआईसी परियोजना में समन्वय और योगदान दिया। पूर्वी एशिया, दक्षिण पूर्व एशिया और प्रशांत के पांच संभावित प्राथमिकता वाले देशों – ऑस्ट्रेलिया, जापान, कोरिया गणराज्य, इंडोनेशिया और म्यांमार पर एक विस्तृत नोट तैयार कर 30 नवंबर, 2021 को आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी), शिक्षा मंत्रालय को अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की।

206 देशों और क्षेत्रों की विस्तृत प्रोफाइल तैयार करने पर यूआईसी परियोजना में योगदानकर्ता। एशिया प्रशांत क्षेत्र (इंडोनेशिया, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड) के 35 देशों/क्षेत्रों में से 12 के प्रोफाइल को पूरा किया और दिसंबर 2021 में गूगल ड्राइव पर प्रस्तुत किया।

(जारी) अनुसंधान परियोजनाः भारत–आसियान संबंधः बढ़ती भागीदारी के लिए शिक्षा का लाभ उठाना।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

इंडिया क्वार्टरली जर्नल

एल्डो मैथ्यूज

प्रकाशन

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्रकाशित शोध पत्र/आलेख

एल्डो मैथ्यूज ''भारत में अंतर्राष्ट्रीय शाखा परिसरों की स्थापनाः शीर्ष के 200 विश्वविद्यालयों के बीच सर्वेक्षण''; नीपा द्वारा प्रकाशित, जुलाई 2021।

एन.वी. वर्गीज और एल्डो मैथ्यूज। ''अंतर्राष्ट्रीयकरण और भारत की नई शिक्षा नीति, अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा'', नंबर 106, स्प्रिंग 2021। पीपीः 19–20।

एल्डो मैथ्यूज, ''विनिमय प्रणाली'' टाइम्स हायर एजुकेशन (लंदन)। मई 2021।

बहुत सारे आईआईटी, अवास्तविक उम्मीदें, एल्डो मैथ्यूज (फिलिप जी. अल्टबॉक के साथ सह–लेखक), अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा, समर 2021।

एल्डो मैथ्यूज, अकादमिक योग्यताओं की पारस्परिक मान्यताः नीतिगत क्रियान्वयन, समझौताकारी समन्वय और आगे की राह, तुलनात्मक और वैश्विक शिक्षा आधार पत्र श्रृंखला, ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, वॉल्यूम 3, अंक 1, पीपी, 15–19।

एल्डो मैथ्यूज (2022), गैर–एंग्लोफोन देशों में अंतर्राष्ट्रीय छात्र भर्ती और गतिशीलताः सिद्धांत, विषय–वस्तु और स्वरूप, हंस डी. विट, एकातेरिना मिनेवा और लिझोउ वांग (संपा.) में पुस्तक में अध्याय बदलते संदर्भ, बदलती रणनीतियाँः भारत में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को आकर्षित करने के अवसर और चुनौतियाँ, लंदनः रूटलेज।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

1. शिक्षा मंत्रालय को योगदान

पूर्ण प्रश्नावली से प्राप्त जानकारी के आधार पर ''समावेशी और समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल और तकनीकी समाधानः ब्रिक्स देशों की आशाजनक पहलों का संग्रह'' रिपोर्ट लिखी।

''मॉरीशस और भारत के बीच शिक्षा के क्षेत्र में सामान्य सहयोग समझौते के मसौदे'' की समीक्षा की और अतिरिक्त जानकारी एकत्रित करी।

2. अंतर्राष्ट्रीय परामर्श

विश्व बैंक द्वारा समर्थित दो अंतर्राष्ट्रीय परामर्शदात्री योगदान

तृतीयक शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण की वर्तमान स्थिति, और भारत में अंतर्राष्ट्रीयकरण को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय रणनीतियाँ और पहल – 52,000 (बावन हजार रुपये नीपा को उपरिव्यय के रूप में)।

उच्च शिक्षा और अनुसंधान के माध्यम से भारत और अफ्रीकी देशों के बीच सहयोग के लिए संभावित क्षेत्र – 13,000 (तेरह हजार रुपये नीपा को उपरिव्यय के रूप में)।

कुल 65,000 (2021–22 की अवधि के दौरान पैंसठ हजार रुपये)।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

''उच्च शिक्षा पर कोविड–19 का प्रभाव'' पर एक नीति पत्र तैयार करने के लिए यूनेस्को आईईएकएएलसी के विशेषज्ञ पैनल में सेवा की; जिसका 2022 में बार्सिलोना में होने वाले उच्च शिक्षा पर विश्व सम्मेलन में शुभारम्भ किया जाएगा।

अनामिका

समीक्षाधीन अवधि के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

28 अप्रैल, 2021 को डिजिटलाइजेशन पर विशेषज्ञ समूह की बैठक में भागीदारी।

एएसईएम शिक्षा 2030: शिक्षा मंत्रालय के लिए रणनीति पत्र पर टिप्पणियाँ तैयार की (ड्राफ्ट 5)।

एएसईएम शिक्षा 2030: शिक्षा मंत्रालय के लिए कार्य योजना पर टिप्पणियाँ तैयार की।

डिजिटलीकरण पर एएसईएम वर्किंग पेपर पर शिक्षा मंत्रालय के लिए टिप्पणियाँ तैयार की (ड्राफ्ट 3)।

शिक्षा मंत्रालय ने 31 अगस्त, 2021 को एएसईएम डिजिटलाइजेशन वर्किंग पेपर की बैठक में भागीदारी के लिए नामांकित किया।

एएसईएम की ड्राफ्ट स्टॉकटेकिंग रिपोर्ट पर जानकारी (13 दिसंबर, 2021)।

आलोक रंजन

समीक्षाधीन अवधि के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

बहरीन में भारत के राजदूत के साथ संयुक्त सचिव (आईसीसी) की बैठक के लिए बहरीन के साथ शैक्षिक सहयोग के संभावित क्षेत्रों पर जानकारी तैयार किया और 7 अप्रैल, 2021 को प्रस्तुत किया।

7 अप्रैल, 2021 को बहरीन की शिक्षा प्रणाली की संरचना का अध्ययन तैयार किया और प्रस्तुत किया।

बहरीन के साथ शिक्षा के क्षेत्र में एक विशिष्ट/व्यापक मसौदा समझौता ज्ञापन तैयार किया और 7 अप्रैल, 2021 को प्रस्तुत किया।

ओमान के साथ शैक्षिक संबंधों पर समझौता ज्ञापन का मसौदा तैयार किया और 10 जून, 2021 को प्रस्तुत किया।

तुर्की के साथ व्यापारिक सेवाओं में सहयोग के क्षेत्रों पर जानकारी/टिप्पणियां/सुझाव तैयार किए और 24 जून, 2021 को प्रस्तुत किए।

कोलंबिया के साथ शैक्षिक संबंधों पर समझौता ज्ञापन का मसौदा तैयार किया और 28 जुलाई, 2021 को प्रस्तुत किया।

बहरीन की शिक्षा प्रणाली का ढांचा तैयार कर 9 नवंबर, 2021 को प्रस्तुत किया।

भारत और बहरीन के शैक्षिक संबंधों की वर्तमान स्थिति पर जानकारी प्रदान की और 9 नवंबर, 2021 को प्रस्तुत करी।

भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली की सामान्य स्थितिः एससीओ सदस्य राज्यों के साथ सहयोग के प्राथमिकता वाले क्षेत्र, समस्याएं और आशाजनक क्षेत्रों पर स्थिति रिपोर्ट तैयार की और 2 मार्च, 2022 को वरिष्ठ सलाहकार को प्रस्तुत किया।

जी20 शिक्षा कार्य समूह (जी20एडब्ल्युजी) के लिए जी20 प्रश्नावली में योगदान दिया और 24 मार्च, 2022 को आईसीसी, शिक्षा मंत्रालय को जानकारियां सौंपी।

अन्य अकादमिक और व्यावसायिक योगदान

10 अगस्त, 2021 को दक्षिण एशिया, पश्चिम एशिया और मध्य एशियाई देशों के लिए चुनिंदा सामाजिक/शिक्षा संकेतकों और भारत के साथ सहयोग के संबंध में वर्तमान स्थिति का संकेत देने वाले देश जो एसआईआई, ग्यान और स्पार्क योजनाओं का हिस्सा हैं और भारत के साथ उनका समझौता ज्ञापन/ईईपी है ऐसे 23 देशों का देश–विशिष्ट संक्षिप्त विवरण तैयार कर प्रस्तुत किया।

7 सितंबर, 2021 को दक्षिण एशिया, पश्चिम एशिया और मध्य एशियाई देशों के लिए चुनिंदा सामाजिक/शिक्षा संकेतकों और भारत के साथ सहयोग के संबंध में वर्तमान स्थिति का संकेत देने वाले देश जो न तो एसआईआई, ग्यान और स्पार्क योजनाओं का हिस्सा हैं और न ही भारत के साथ उनका समझौता ज्ञापन/ईईपी है ऐसे 7 देशों का देश–विशिष्ट संक्षिप्त विवरण तैयार कर प्रस्तुत किया।

अनुसंधान साझेदारी और आंतरिक छात्र गतिशीलता बढ़ाने के लिए दक्षिण, मध्य और पश्चिम एशिया में सहयोग के लिए प्राथमिकता वाले देशों पर जानकारी तैयार की और 17 नवंबर, 2021 को प्रस्तुत किया।

'बहुपक्षीय संगठनों में विश्वविद्यालय तंत्र को कैसे आगे बढ़ाया जाए' पर एक अवधारणा नोट तैयार करने के लिए एससीओ विश्वविद्यालय तंत्र पर एक टिप्पणी तैयार कर 27 दिसंबर, 2021 को प्रस्तुत किया।

अनुसंधान परियोजना का विवरणः सॉफ्ट पावर के एक उपकरण के रूप में शिक्षाः दक्षिण एशियाई क्षेत्र के साथ भारत की संलग्नता पर चल रही अनुसंधान परियोजना (2021–2022) का अध्ययन।

बिनय प्रसाद

प्रकाशन

पुस्तकें

बिनय प्रसाद और सरिंग चोनजोम भूटिया, *नॉर्डिक विश्वविद्यालयों पर नॉर्डिक–भारत शिखर सम्मेलन और भारत का एनईपी 2020ः अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए नए प्रक्षेपपथ,* दिसंबर 2021।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्रकाशित शोध पत्र/आलेख

प्रसाद, बिनय (2021), ''वैश्विक से स्थानीय तकः 2011–2015 के दौरान लैटिन अमेरिका में लोकप्रिय विरोध प्रदर्शन, *जर्नल ऑफ पॉलिटिक्स,* वॉल्यूम 21 (दिसंबर 2021) पीपी. 28–44, डिब्रुगढ़ यूनिवर्सिटी, डिब्रुगढ़, असम, आईएसएसएन–2277–5617

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

6–9 अप्रैल, 2021 को अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संघ (आईएसए) के वार्षिक सम्मेलन में पैनल चर्चाकर्ता की भूमिका निभाई।

कार्यशालाओं / सम्मेलनों / प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

27 अप्रैल, 2021, नीपा, नई दिल्ली में ''नॉर्डिक विश्वविद्यालयों और भारत के एनईपी 2020: अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए प्रक्षेपपथ, पर दूसरे नॉर्डिक–भारत शिखर सम्मेलन के संगठन का समन्वय।

प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

शिक्षा मंत्रालय को सहयोग

26 अप्रैल, 2021 को यूकेआईईआरआई अंतिम अवधि का मूल्यांकन के तीसरे चरण (2016–21) पर आईसीसी को जानकारी प्रस्तुत किए।

1 जून, 2021 को लातविया की उच्च शिक्षा प्रणाली पर टिप्पणी तैयार कर उसे आईसीसी को प्रस्तुत किया।

हंगरी की उच्च शिक्षा प्रणाली पर टिप्पणी तैयार किया और 8 जून, 2021 को आईसीसी को प्रस्तुत किया।

डोमिनिकन गणराज्य की उच्च शिक्षा प्रणाली पर टिप्पणी तैयार किया और 20 मार्च, 2022 को आईसीसी को प्रस्तुत किया।

20 नवंबर, 2021 को तीसरे भारत–फ्रांस ज्ञान शिखर सम्मेलन 2021 पर शिक्षा मंत्री के लिए जानकारी तैयार कर उसे आईसीसी को प्रस्तुत किया।

जी20 शैक्षिक कार्य समूह (जी20ईडीडब्ल्युजी) द्वारा रखे गए जी20 प्रश्नावली अनुरोध में योगदान दिया और 24 मार्च, 2022 को आईसीसी, शिक्षा मंत्रालय को जानकारियां सौंपी।

भारत और हंगरी के बीच हस्ताक्षर के लिए समझौता ज्ञापन / ईईपी का मसौदा तैयार किया और 8 जून, 2021 को आईसीसी को प्रस्तुत किया।

भारत और डोमिनिकन गणराज्य के बीच हस्ताक्षर के लिए समझौता ज्ञापन / ईईपी का मसौदा तैयार किया और 30 मार्च, 2022 को आईसीसी को प्रस्तुत किया।

29 जून, 2021 को सुषमा स्वराज भवन, नई दिल्ली में ब्रिक्स विश्वविद्यालय तंत्र – अंतर्राष्ट्रीय शासी मंडल (आईजीबी) की बैठक में भागीदारी।

2 जुलाई, 2021 को सुषमा स्वराज भवन, नई दिल्ली में ब्रिक्स विश्वविद्यालय तंत्र – वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक (एसओएम) में भागीदारी।

6 जुलाई, 2021 को सुषमा स्वराज भवन, नई दिल्ली में ब्रिक्स विश्वविद्यालय तंत्र–शिक्षा मंत्रियों की बैठक में भागीदारी।

अन्य अकादमिक और व्यावसायिक योगदान

भारत की उच्च शिक्षा साझेदारी को बढ़ाने के लिए 'संभावित प्राथमिकता वाले देशों' पर यूआईसी परियोजना में योगदान दिया। 30 नवंबर, 2021 को यूरोप पर आईसीसी, शिक्षा मंत्रालय को अंतिम मसौदा प्रस्तुत किया।

दिसंबर 2021 से मार्च 2022 में यूरोप के चार देशों – यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी और रूस की प्रोफाइल प्रस्तुत किए।

अनुसंधान परियोजना (2021–22) – उच्च शिक्षा और अनुसंधान में भारत–यूके सहयोग की रूपरेखा: पारस्परिक रूप से लाभकारी भागीदारी का अध्ययन।

अनुसंधान परियोजना (2022–23) – नॉर्डिक–भारत सहयोग की संभावनाएं: संरचना की विषमता और रुचियों की पूरकता का अध्ययन।

विभाग की गतिविधियों से संबंधित अन्य जानकारी

शिक्षा मंत्रालय को जानकारी

यूआईसी ने 2021 में भारत की अध्यक्षता में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के तत्वावधान में आयोजित शिक्षा से संबंधित बैठकों के लिए जानकारी और सामग्री तैयार करने में सक्रिय भूमिका निभाई। अप्रैल 2021 से मार्च 2022 तक की अवधि के दौरान यूआईसी ने ब्रिक्स शिक्षा संबंधी गतिविधियों के संबंध में 25 से अधिक वस्तुओं पर जानकारी प्रदान की।

यूआईसी ने 2021 में इटालियन प्रेसीडेंसी के तहत जी20 शिक्षा संबंधी सहयोग में भागीदारी और 2022 में इंडोनेशियाई प्रेसीडेंसी के तहत बैठकों में भाग लेने की दिशा में आईसीसी, एमओई को सहयोग की लगभग 15 विषयों पर समर्पित जानकारियां और समर्थन प्रदान किया।

यूआईसी ने यूनेस्को की शिक्षा संबंधी गतिविधियों में सहयोग और भागीदारी के लिए आईसीसी और शिक्षा मंत्रालय के यूनेस्को एकक को सहयोग और लगभग 6 विषयों पर नियमित जानकारी और समर्थन प्रदान किया।

यूआईसी ने एएसईएम की शिक्षा संबंधी गतिविधियों में सहयोग और भागीदारी के लिए आईसीसी, शिक्षा मंत्रालय को सहयोग की लगभग 10 विषयों पर जानकारी और समर्थन प्रदान किया।

यूआईसी ने नेगारा ब्रुनेई दारुस्सलाम की अध्यक्षता में 16वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन की शिक्षा संबंधी गतिविधियों में सहयोग और भागीदारी के लिए आईसीसी, शिक्षा मंत्रालय को लगभग 5 विषयों पर जानकारी और समर्थन प्रदान किया।

बहुपक्षीय स्तर पर समर्थन के अलावा, यूआईसी ने शिक्षा के क्षेत्र में भारत के द्विपक्षीय जुड़ाव को बढ़ाने के लिए आईसीसी, शिक्षा मंत्रालय को सहयोग की लगभग 14 विषयों पर जानकारी और समर्थन प्रदान किया।

शिक्षा के क्षेत्र में भारत और अन्य देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय सहयोग में रुझानों और स्वरूपों का विश्लेषण और दस्तावेजीकरण की लगभग 8 विषयों पर समर्थन/जानकारी प्रदान करना शामिल है।

भारत और विदेशों में आयोजित द्विपक्षीय बैठकों के दौरान या वर्चुअल मोड के माध्यम से आईसीसी, शिक्षा मंत्रालय को लगभग 6 विषयों पर सहायता प्रदान की और बैठकों के लिए पृष्ठभूमि सामग्री तैयार किये और बैठकों के परिणामों का सारांश या बैठकों के कार्यवृत्त और समापन बैठकों के चर्चा रिकॉर्ड शामिल हैं।

यूआईसी ने 7 नए देशों (ब्रुनेई, मोरक्को, फिजी, बहरीन, हंगरी, ओमान और कोलंबिया) के साथ समझौता ज्ञापनों के मसौदे की समीक्षा और तैयारी में आईसीसी, शिक्षा मंत्रालय का समर्थन किया। जो शिक्षा के क्षेत्र में भारत के द्विपक्षीय जुड़ाव को बढ़ाएगा।

समितियों की सदस्यता

2021 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की भारत की अध्यक्षता के अवसर पर, प्रो. एन.वी. वर्गीज, कुलपति नीपा और प्रमुख, यूआईसी, को ब्रिक्स से संबंधित समिति का नेतृत्व करने के लिए नामित किया गया, जिसका उद्देश्य 2021 में ब्रिक्स शिक्षा बैठकों और ब्रिक्स शिक्षा मंत्रियों द्वारा अपनाई जाने वाली घोषणा के लिए दो विषयों पर अवधारणा टिप्पणी तैयार करना था। प्रो. के. रामचंद्रन, वरिष्ठ सलाहकार, यूआईसी/नीपा को शिक्षा मंत्रालय, यूजीसी और विदेश मंत्रालय के 4 अन्य सदस्यों के साथ सदस्य के रूप में नामित किया गया।

शिक्षा मंत्रालय ने अपने पत्र दिनांक 17 जनवरी में जी20 इंडोनेशियाई प्रेसीडेंसी, 2022 और जी20 ट्रोइका के लिए जी20 शिक्षा कार्य समूह के प्रमुख और प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों की सूची तैयार की है और प्रोफेसर के. रामचंद्रन, वरिष्ठ सलाहकार, यूआईसी/नीपा को सदस्य प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया।

दस्तावेज़ीकरण और अनुसंधान

शिक्षा मंत्रालय को नियमित जानकारी और सहायता प्रदान करने के अलावा, यूआईसी मुख्य रूप से आईसीसी, शिक्षा मंत्रालय के अनुरोध पर शिक्षा मंत्रालय को साक्ष्य–आधारित जानकारियां प्रदान करने के लिए कई साक्ष्य–आधारित अनुसंधान और प्रलेखन परियोजनाओं को पूरा करने में लगा हुआ है। इस संदर्भ में, 2021 से 2022 की अवधि के दौरान, यूआईसी ने निम्नलिखित चार प्रलेखन और विश्लेषण संबंधी परियोजनाओं को पूरा किया है:

संभावित प्राथमिकता वाले देशः ''अकादमिक भागीदारी और आंतरिक छात्र गतिशीलता के लिए प्राथमिकता वाले देश'' शीर्षक से अंतिम स्वरूपित दस्तावेज़ 30 नवंबर, 2021 को आईसीसी, शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किया।

शामिल संकायः डॉ सरिंग चोनजोम भूटिया, सलाहकार, यूआईसी; डॉ बिनय प्रसाद, उप–सलाहकार, यूआईसी; एल्डो मैथ्यूज, उप–सलाहकार, यूआईसी; और आलोक रंजन, उप–सलाहकार, यूआईसी।

देश प्रोफाइलः 47 देशों के देश प्रोफाइल के लिए गूगल ड्राइव लिंक 21 दिसंबर, 2021 को आईसीसी को प्रस्तुत किया गया। इथोपिया पर एक अतिरिक्त प्रोफ़ाइल फरवरी 2022 में प्रस्तुत की गई थी।

शामिल संकायः डॉ सरिंग चोनजोम भूटिया, सलाहकार, यूआईसी; डॉ बिनय प्रसाद, उप–सलाहकार, यूआईसी; एल्डो मैथ्यूज, उप–सलाहकार, यूआईसी; और आलोक रंजन, उप–सलाहकार, यूआईसी।

समावेशी और समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल और तकनीकी समाधानों का लाभ उठाना पर ब्रिक्स देशों की आशाजनक पहलों का संग्रह

यूआईसी द्वारा शिक्षा मंत्रालय के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रकोष्ठ (आईसीसी) द्वारा साझा किए गए सर्वेक्षण प्रतिक्रियाओं के आधार पर तैयार किया गया था। इसे 29 सितंबर, 2021 को आईसीसी को प्रस्तुत किया गया।

संकाय शामिलः एल्डो मैथ्यूज, उप–सलाहकार, यूआईसी

भारत और नेटवर्क विश्वविद्यालय अवधारणाः ''नेटवर्क विश्वविद्यालय पर एक अवधारणा नोट'' शीर्षक वाले सभी नेटवर्क विश्वविद्यालयों के टिप्पणियों पर आधारित पहली समेकित मसौदा रिपोर्ट 18 जनवरी, 2022 को आंतरिक समीक्षा के लिए प्रस्तुत की गई थी।

शामिल संकायः डॉ सरिंग चोनजोम भूटिया, सलाहकार, यूआईसी; डॉ बिनय प्रसाद, उप–सलाहकार, यूआईसी और आलोक रंजन, उप–सलाहकार, यूआईसी।

समसामयिक नीतिगत मुद्दों में संलग्नता, 2021–22

यूआईसी नीति और निर्णय लेने के लिए प्रासंगिकता के साथ उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण के क्षेत्र में समकालीन शिक्षा संबंधी मुद्दों पर अनुसंधान भी कर रहा है।

2021–22 की अवधि में यूआईसी ने जुलाई 2021 में अंतर्राष्ट्रीय शाखा परिसरों पर सर्वेक्षण की रिपोर्ट प्रकाशित की और व्यक्तिगत अनुसंधान परियोजनाओं को जारी रखा जो विकास के विभिन्न चरणों में हैं। परियोजना के शीर्षक निम्नलिखित हैं:

भारत–आसियान संबंधः बढ़ी हुई भागीदारी के लिए शिक्षा का लाभ उठाना (डॉ सरिंग सी भूटिया)।

उच्च शिक्षा में भारत–अफ्रीका भागीदारीः उदाहरण और आगे की राह (एल्डो मैथ्यूज)।

उच्च शिक्षा और अनुसंधान में भारत–यूके सहयोग की रूपरेखाः पारस्परिक रूप से लाभकारी भागीदारी का अध्ययन (डॉ बिनय प्रसाद)।

सॉफ्ट पावर साधन के रूप में शिक्षाः दक्षिण एशियाई क्षेत्र में भारत की संलग्नता का अध्ययन (आलोक रंजन)।

मलेशिया और दक्षिण अफ्रीका में अंतर्राष्ट्रीय शाखा परिसरों (आईबीसी) का अध्ययन भारत के लिए उदाहरण (डॉ सरिंग सी. भूटिया और एल्डो मैथ्यूज)।

सम्मेलन/व्याख्यान

27 अप्रैल, 2021 को यूआईसी, नीपा द्वारा भारत में नॉर्डिक केंद्र के सहयोग से ''नॉर्डिक विश्वविद्यालयों और भारत के एनईपी 2020: अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए नए प्रक्षेप पथ'' पर वेबिनार का आयोजन किया। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग इकाई द्वारा 29 नवंबर, 2021 को ''उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर क्रॉस–सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य'' पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

आईसीटी अनुप्रयोग

आईसीटी अनुप्रयोग

के. श्रीनिवास

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/वेबिनारों/ बैठकों में भागीदारी

12 जून, 2021 को कस्तूरबा गांधी महिला स्नातक और स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मररेडपल्ली, सिकंदराबाद द्वारा ''मिश्रित शिक्षण वातावरण के लिए शिक्षकों की दक्षताओं का निर्माणः चरण–दर–चरण दृष्टिकोण' पर राष्ट्रीय वेबिनार में आमंत्रित अतिथि अध्यक्ष।

20 जून, 2021 को श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, हरियाणा द्वारा "मिश्रित शिक्षा; चरण–दर–चरण पहुँच" पर आयोजित वेबिनार में मूक पर व्याख्यान श्रृंखला के लिए आमंत्रित अध्यक्ष।

1 जुलाई, 2021 को गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय, संबलपुर, उड़ीसा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में विशिष्ट वक्ता के रूप में आमंत्रित।

2 जुलाई, 2021 को कोविड–19 का मुकाबला के लिए दून यूनिवर्सिटी एकेडमिक फोरम में एक विशेष व्याख्यान के लिए अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित।

7 अगस्त, 2021 को राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश द्वारा आयोजित ''एनईपी 2020: शिक्षक

शिक्षा का नया स्वरूप'' पर राष्ट्रीय वेबिनार में आमंत्रित अध्यक्ष।

10 अगस्त, 2021 को भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरनूल, आंध्र प्रदेश द्वारा एनईपी–2020 पर विषय–आधारित वेबिनार की श्रृंखला में व्याख्यान के लिए आमंत्रित अध्यक्ष।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी द्वारा 10 अगस्त, 2021 को आयोजित एनईपी 2020 के तहत परिवर्तनकारी सुधारों पर विशेष व्याख्यान के लिए आमंत्रित अध्यक्ष।

20 अगस्त, 2021 को यूपी इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में आमंत्रित अध्यक्ष।

23 अगस्त 2021 को राजीव गांधी नॉलेज टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय, (एनयूजेडवीआईडी), आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में आमंत्रित अध्यक्ष।

4 सितंबर, 2021 को शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के सहयोग से शिक्षण अधिगम केन्द्र, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः भारत में उच्च शिक्षा की पुर्नकल्पना'' के लिए आमंत्रित अध्यक्ष।

7–9 सितंबर, 2021 को हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ''उभरती प्रौद्योगिकी और सूचना की बदलती गतिशीलता (ईटीसीडीआई), के लिए आमंत्रित अध्यक्ष और लेख प्रस्तुत किया।

11 नवंबर, 2021 को सेंट एन्स इंस्टीट्यूशनल इनोवेशन काउंसिल (एसएआईआईसी) और आईक्यूएसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा दिवस में आमंत्रित अध्यक्ष।

26 नवंबर, 2021 को तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय द्व ारा आयोजित ''शिक्षण अधिगम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता'' पर अटल एफडीपी के लिए आमंत्रित अध्यक्ष।

केसीसी इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल एंड हायर एजुकेशन, ग्रेटर नोएडा, यूपी द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय वेबिनार के लिए आमंत्रित अध्यक्ष।

8 दिसंबर, 2021 को एससीईआरटी, दिल्ली द्वारा आयोजित ''एनईपी 2020 – स्कूल शिक्षा गतिविधियाँ'' वेबिनार में आमंत्रित अध्यक्ष।

महत्वपूर्ण परामर्शी और सलाहकारी सेवाएं

राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा समिति के सदस्य।

अनुसंधान नवाचार और गुणवत्ता सुधार परियोजना के सदस्य ''वैश्विक ज्ञान पूल के उचित उपयोग और अपनाने के लिए अनुकूलन योग्य एलएमएसः ई–अधिगम के आकस्मिक सिद्धांत का अनुकूलन'' रूसा 2.0 के तहत शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान को सम्मानित किया गया।

शिक्षण के मिश्रित तरीके पर अवधारणा नोट तैयार करने के लिए यूजीसी विशेषज्ञ समिति के सदस्य।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, सोनीपत, हरियाणा के सीनेट सदस्य।

सार्वजनिक निकायों को अकादमिक सहायता

20 मई, 2021 को एसआरएम विश्वविद्यालय, सोनीपत के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस), की बैठक में भाग लिया।

राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की ऑनलाइन एवं दूरस्थ शिक्षा समिति की बैठक में भाग लिया।

नीपा के बाहर दिये व्याख्यान

5–10 अप्रैल, 2021 के दौरान एनआईटी, सिलचर, असम द्वारा एनआईटी, वारंगल, तेलंगाना के सहयोग से आयोजित ''मूडल एलएमएस पर प्रभावी ऑनलाइन शिक्षण और परीक्षा आयोजित करना'' पर ऑनलाइन कार्यशाला में आमंत्रित संसाधन व्यक्ति।

19–25 मई, 2021 तक सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, संजीवनी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, कोपरगांव, महाराष्ट्र द्वारा ''शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में आईसीटी की भूमिका'' पर एआईसीटीई–आईएसटीई प्रायोजित एक सप्ताह के प्रेरण/पुनश्चर्या कार्यक्रम में आमंत्रित संसाधन व्यक्ति।

17–22 मई, 2021 तक ''यूजीसी–एचआरडीसी यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद द्वारा मिश्रित शिक्षण और अधिगम में शिक्षकों की क्षमताओं का निर्माण'' पर अल्पकालिक कार्यक्रम के लिए आमंत्रित संसाधन व्यक्ति।

7–13 जून, 2021 तक जीजीडीएसडी कॉलेज, खेरी गुरना, पंजाब के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन एकक

द्वारा ''शिक्षण और अनुसंधान कौशल में सुधार'' शीर्षक पर सात दिवसीय राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम में आमंत्रित विशेषज्ञ पैनलिस्ट।

अमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल एंड एलाइड साइंस द्वारा 21 जून, 2021 को 21वीं सदी में डिजिटल अधिगमः शिक्षण–अधिगम में एक अभिनव अभ्यास'' पर एक सप्ताह तक चलने वाली ऑनलाइन कार्यशाला के लिए आमंत्रित विशिष्ट वक्ता।

28 जून से 2 जुलाई, 2021 तक ''मिश्रित शिक्षण और अधिगम के तरीके'' पर आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी), आरबीवीआरआर महिला कॉलेज, हैदराबाद द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

अमिटी पर्यावरण विज्ञान संस्थान और अमिटी सामाजिक विज्ञान संस्थान, अमिटी विश्वविद्यालय कोलकाता द्वारा 28 जून–2 जुलाई, 2021 से आयोजित ''शिक्षण और अनुसंधान में नया विकास और शिक्षाशास्त्र'' पर आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम के लिए आमंत्रित संसाधन व्यक्ति।

राजीव गांधी राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब द्वारा 12–18 जुलाई, 2021 तक आयोजित दो दिवसीय व्यावहारिक संकाय विकास कार्यक्रम के लिए आमंत्रित संसाधन व्यक्ति।

3 अगस्त–2 सितंबर, 2021 के दौरान टीएलसी, तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर, असम द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम के लिए आमंत्रित संसाधन व्यक्ति।

9 सितंबर, 2021 को राजकीय होलकर साइंस कॉलेज, इंदौर द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम के लिए आमंत्रित संसाधन व्यक्ति।

24–30 सितंबर, 2021 तक राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम के लिए आमंत्रित संसाधन व्यक्ति।

पद्मावती महिला विश्वविद्यालय, तिरुपति, आंध्र प्रदेश द्वारा 1–5 अक्टूबर, 2021 तक आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम के लिए आमंत्रित संसाधन व्यक्ति।

1 दिसंबर, 2021 को जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम के लिए आमंत्रित संसाधन व्यक्ति।

13 दिसंबर, 2021 को फकीर मोहन विश्वविद्यालय, बालासोर, ओडिशा द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम के लिए आमंत्रित संसाधन व्यक्ति।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं/संचालित/आयोजित

14–18 जून, 2021 तक नीपा, नई दिल्ली में (ऑनलाइन माध्यम) से ऑनलाइन पाठ्यक्रम की रूपरेखा, विकास और संचालन पर संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित की।

5–8 जुलाई, 2021 तक नीपा, नई दिल्ली में (ऑनलाइन माध्यम) से ऑनलाइन पाठ्यक्रम की रूपरेखा, विकास और संचालन पर संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन।

2–6 अगस्त, 2021 तक नीपा, नई दिल्ली में (ऑनलाइन माध्यम) से ऑनलाइन पाठ्यक्रम की रूपरेखा, विकास और संचालन पर संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन।

13–17 सितंबर, 2021 तक (ऑनलाइन माध्यम) से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: कार्यान्वयन के लिए रणनीतियाँ,पर संकाय विकास कार्यक्रम।

20–24 सितंबर, 2021 तक नीपा, नई दिल्ली में (ऑनलाइन माध्यम) से अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर संकाय विकास कार्यक्रम।

4–8 अक्टूबर, 2021 तक (ऑनलाइन माध्यम) से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: कार्यान्वयन के लिए रणनीतियाँ, पर संकाय विकास कार्यक्रम।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित और संचालित

चार चतुर्थांश दृष्टिकोण में प्रशिक्षण सामग्री तैयार की और प्रो. के. श्रीनिवास लर्निंग पोर्टल [http://profksrinivas.in, में अपलोड की गई।

मिश्रित/व्यवस्थित वातावरण में सभी कार्यशालाओं का आयोजन किया।

मूडल अधिगम प्रबंधन प्रणाली के लिए विकसित स्क्रीन रिकॉर्डिंग सामग्री।

पीएच.डी. मौखिक परीक्षा के परीक्षक

जामिया पीएच.डी. मौखिक परीक्षा के परीक्षक (28 जून 2021)।

परिशिष्ट

परिशिष्ट-I

प्रबंधन बोर्ड के सदस्य

(31 मार्च, 2022 के अनुसार)

अध्यक्ष

1. प्रो. एन.वी. वर्गीज — अध्यक्ष
   कुलपति, नीपा

डीन (अकादमिक और अनुसंधान)

2. प्रो. सुधांशु भूषण — सदस्य
   विभागाध्यक्ष
   उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

3–5. कुलपति, द्वारा मनोनीत तीन प्रख्यात शिक्षाविद्

3. प्रो. कपिल कपूर — सदस्य
   पूर्व सम– कुलपति, जेएनयू
   बी–2/332 एकता गार्डन,
   9–आई.पी. एक्सटेंसन, मदर डेयरी मार्ग,
   दिल्ली–110092

4. प्रो. डी.एस. चौहान — सदस्य
   कुलपति
   जीएलए यूनिवर्सिटी, 17 केएम स्टोन,
   एन एच–2, मथुरा–दिल्ली रोड,
   पो.औ. चौमुहन, मथुरा–281406
   उत्तर प्रदेश

5. प्रो. पी. दुराइसामी — सदस्य
   पूर्व कुलपति, मद्रास विश्वविद्यालय
   नया नं. 3, पुराना नं. 2/1, थर्ड स्ट्रीट
   नेहरू नगर, अडयार
   चेन्नई– 600020

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार का एक नामिती

6. सुश्री नीता प्रसाद — सदस्य
   संयुक्त सचिव (आईसीसी/पी)
   उच्चतर शिक्षा विभाग,
   शिक्षा मंत्रालय
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली

7–8 संस्थान के दो संकाय सदस्यः एक प्रोफेसर और एक सह–प्रोफेसर

7. प्रो. ए.के. सिंह — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष,
   शैक्षिक नीति विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

8. डा. संगीता अंगोम — सदस्य
   सह–प्रोफेसर
   उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग,
   नीपा, नई दिल्ली

9–11 शिक्षा मंत्रालय द्वारा मनोनीत तीन प्रख्यात शिक्षाविद

9. प्रो. बद्रीनारायण तिवारी — सदस्य
   अध्यक्ष एवं निदेशक
   जी.बी. पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान
   झूसी, प्रयागराज–211019
   उत्तर प्रदेश

10. प्रो. पी.एस राणा — सदस्य
    प्रोफेसर (अध्यक्ष) अर्थशास्त्र
    हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय
    गढ़वाल, श्रीनगर–246147
    उत्तराखंड

11. प्रो. शैलेन्द्र कुमार पोखरियाल — सदस्य
    सलाहकार
    ग्लोबल यूनिवर्सिटी सिस्टम इंडिया प्रा.लि.
    गुरुग्राम (हरियाणा)
    पूर्व प्रोफेसर,
    पेट्रोलियम और ऊर्जा अध्ययन विश्वविद्यालय
    देहरादून, उत्तराखंड

कुलसचिव, नीपा

12. डा. संदीप चटर्जी — पदेन सचिव
    कुलसचिव
    नीपा, नई दिल्ली

परिशिष्ट-II

वित्त समिति के सदस्य

(31 मार्च, 2022 के अनुसार)

अध्यक्ष

1. प्रो. एन.वी. वर्गीज — अध्यक्ष
   कुलपति,
   नीपा, नई दिल्ली

डीन (अकादमिक और अनुसंधान)

2. प्रो. सुधांशु भूषण — सदस्य
   विभागाध्यक्ष
   उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

शिक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधि

3. सुश्री दर्शन मोमाया डबराल — सदस्य
   जेएस और एफए
   उच्चतर शिक्षा विभाग,
   शिक्षा मंत्रालय
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली

4–5 प्रबंधन बोर्ड के नामित दो सदस्य

4. प्रो. बद्रीनारायण तिवारी — सदस्य
   अध्यक्ष एवं निदेशक
   जी.बी. पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान,
   झूसी, प्रयागराज–211019
   (उत्तर प्रदेश)

5. प्रो. पी.एस राणा — सदस्य
   प्रोफेसर (अध्यक्ष) अर्थशास्त्र
   हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय
   गढ़वाल, श्रीनगर–246147
   उत्तराखंड

6. श्री निशांत सिन्हा — पदेन सचिव
   वित्त अधिकारी
   नीपा, नई दिल्ली

परिशिष्ट-III

अकादमिक परिषद के सदस्य

(31 मार्च, 2022 के अनुसार)

अध्यक्ष

1. प्रो. एन.वी. वर्गीज — अध्यक्ष
   कुलपति,
   नीपा, नई दिल्ली

डीन (अकादमिक और अनुसंधान)

2. प्रो. सुधांशु भूषण — सदस्य
   विभागाध्यक्ष
   उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

3 से 11 सभी विभागों के विभागाध्यक्ष

3. प्रो. सुधांशु भूषण — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

4. प्रो. ए.के. सिंह — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक नीति विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

5. प्रो. प्रणति पंडा — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग,
   स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक
   नीपा, नई दिल्ली

6. प्रो. मोना खरे — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक वित्त विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

7. प्रो. कुमार सुरेश — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक प्रशासन विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

8. प्रो. बी.के. पंडा — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

9. प्रो. के. बिस्वाल — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक योजना विभाग,
   नीपा, नई दिल्ली

10. प्रो. रश्मि दिवान — सदस्य
    प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
    राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र
    नीपा, नई दिल्ली

11. प्रो. के. श्रीनिवास — सदस्य
    प्रोफेसर, आईसीटी एवं अध्यक्ष, पीएमयू
    नीपा, नई दिल्ली

12 से 20 सभी प्रोफेसर

12. प्रो. वीरा गुप्ता — सदस्य
प्रोफेसर
शैक्षिक नीति विभाग
नीपा, नई दिल्ली

13. प्रो. पी. गीता रानी — सदस्य
प्रोफेसर (21.01.2021 से
प्रतिनियुक्ति पर)
शैक्षिक योजना विभाग
नीपा, नई दिल्ली

14. प्रो. विनीता सिरोही — सदस्य
प्रोफेसर
शैक्षिक प्रशासन विभाग
नीपा, नई दिल्ली

15. प्रो. मधुमिता बंद्योपाध्याय — सदस्य
प्रोफेसर
विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली

16. प्रो. आरती श्रीवास्तव — सदस्य
प्रोफेसर
उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली

17. प्रो. रस्मिता दास स्वाँई — सदस्य
प्रोफेसर
स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक
नीपा, नई दिल्ली

18. प्रो. मनीषा प्रियम — सदस्य
प्रोफेसर,
शैक्षिक नीति विभाग
नीपा, नई दिल्ली

19. प्रो. नीरू स्नेही — सदस्य
प्रोफेसर
उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली

20. प्रो. सुनीता चुग — सदस्य
प्रोफेसर
राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र
नीपा, नई दिल्ली

21 से 23 संस्थान से बाहर के तीन प्रख्यात विशेषज्ञ

21. प्रो. एच. रामचंद्रन — सदस्य
राष्ट्रीय अध्येता, आईसीएसएसआर
नई दिल्ली

22. प्रो. पूनम बत्रा — सदस्य
केंद्रीय शिक्षा संस्थान,
दिल्ली विश्वविद्यालय,
दिल्ली

23. प्रो. एस. मधेश्वरन — सदस्य
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष,
आर्थिक अध्ययन और नीति केंद्र,
सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान,
बंगलुरू

कुलपति द्वारा मनोनीत दो सह–प्रोफेसर

24. डॉ. संगीता अंगोम — सदस्य
सह–प्रोफेसर
उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली

25. डॉ. सांत्वना जी मिश्रा — सदस्य
सह–प्रोफेसर
शैक्षिक योजना विभाग,
नीपा, नई दिल्ली

26 से 27 कुलपति द्वारा मनोनीत दो सहायक प्रोफेसर

26. डॉ. कश्यपी अवस्थी — सदस्य
सहायक प्रोफेसर
विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली

27. डॉ. वी. सुचरिता — सदस्य
सहायक प्रोफेसर
शैक्षिक प्रशासन विभाग
नीपा, नई दिल्ली

28 से 30 तीन व्यक्तियों को उनके विशिष्ट ज्ञान के लिए चयनित

28. प्रो. सुदर्शन अयंगर — सदस्य
प्लॉट नंबर 3, ए.आर.सी.एच कैंपस
नगरिया, ओजरपाड़ा रोड
धरमपुर – 396050
जिला वलसाड, गुजरात

29. प्रो. अतुल शर्मा — सदस्य
अध्यक्ष, ओकेडीआईसीडी, गुवाहाटी
264, रामा अपार्टमेंट, सेक्टर–11,
पॉकेट 2 द्वारका,
नई दिल्ली–110075

30. प्रो. गीता बी. नंबिसन — सदस्य
जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र
सामाजिक विज्ञान विभाग
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
नई दिल्ली

परीक्षा नियंत्रक

31. प्रो. ए.के. सिंह — स्थायी आमंत्रिति
प्रोफेसर और अध्यक्ष,
शैक्षिक नीति विभाग
नीपा, नई दिल्ली

32. डॉ. संदीप चटर्जी — पदेन सचिव
कुलसचिव
नीपा, नई दिल्ली

परिशिष्ट-IV

अध्ययन बोर्ड के सदस्य

(31 मार्च, 2022 के अनुसार)

अध्यक्ष

1. प्रो. एन.वी. वर्गीज — अध्यक्ष
   कुलपति,
   नीपा, नई दिल्ली

डीन (अकादमिक और अनुसंधान)

2. प्रो. सुधांशु भूषण — सदस्य
   विभागाध्यक्ष
   उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

3 से 20 विभागाध्यक्ष और संकाय/विभाग के सभी प्रोफेसर

3. प्रो. सुधांशु भूषण — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

4. प्रो. ए.के. सिंह — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक नीति विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

5. प्रो. प्रणति पंडा — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग,
   स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक
   नीपा, नई दिल्ली

6. प्रो. मोना खरे — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक वित्त विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

7. प्रो. कुमार सुरेश — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक प्रशासन विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

8. प्रो. बी.के. पंडा — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

9. प्रो. के. बिस्वाल — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक योजना विभाग,
   नीपा, नई दिल्ली

10. प्रो. रश्मि दिवान — सदस्य
    प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
    राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र
    नीपा, नई दिल्ली

11. प्रो. के. श्रीनिवास — सदस्य
    प्रोफेसर, आईसीटी एवं अध्यक्ष, पीएमयू
    नीपा, नई दिल्ली

12. प्रो. वीरा गुप्ता — सदस्य
प्रोफेसर
शैक्षिक नीति विभाग
नीपा, नई दिल्ली

13. प्रो. पी. गीता रानी (प्रतिनियुक्ति पर) — सदस्य
प्रोफेसर
शैक्षिक योजना विभाग
नीपा, नई दिल्ली

14. प्रो. विनीता सिरोही — सदस्य
प्रोफेसर
शैक्षिक प्रशासन विभाग
नीपा, नई दिल्ली

15. प्रो. मधुमिता बंद्योपाध्याय — सदस्य
प्रोफेसर
विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली

16. प्रो. आरती श्रीवास्तव — सदस्य
प्रोफेसर
उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली

17. प्रो. रस्मिता दास स्वाँई — सदस्य
प्रोफेसर
स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक
नीपा, नई दिल्ली

18. प्रो. मनीषा प्रियम — सदस्य
प्रोफेसर,
शैक्षिक नीति विभाग
नीपा, नई दिल्ली

19. प्रो. नीरू स्नेही — सदस्य
प्रोफेसर
उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली

20. प्रो. सुनीता चुग — सदस्य
प्रोफेसर
राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र
नीपा, नई दिल्ली

कुलपति द्वारा मनोनीत दो सह–प्रोफेसर

21. डॉ. संगीता अंगोम — सदस्य
सह–प्रोफेसर
उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली।

22. डॉ. सांत्वना जी मिश्रा — सदस्य
सह–प्रोफेसर
शैक्षिक योजना विभाग
नीपा, नई दिल्ली

कुलपति द्वारा मनोनीत दो सहायक प्रोफेसर

23. डॉ. कश्यपी अवस्थी — सदस्य
सहायक प्रोफेसर
विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली

24. डॉ. वी. सुचरिता — सदस्य
सहायक प्रोफेसर
शैक्षिक प्रशासन विभाग
नीपा, नई दिल्ली

25 से 26 दो सदस्यों को उनके विशिष्ट ज्ञान के लिए चयनित

25. प्रो. संतोष पांडा — सदस्य
कर्मचारी प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)
नई दिल्ली–110068
ईमेलः spanda.ignou@gmail.com

26. प्रो. जानकी राजन — सदस्य
सेवानिवृत्त प्रोफेसर
जामिया मिलिया इस्लामिया, जामिया नगर
नई दिल्ली–110025

परीक्षा नियंत्रक

27. प्रो. ए.के. सिंह — स्थायी आमंत्रिति
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष,
शैक्षिक नीति विभाग
नीपा, नई दिल्ली

परिशिष्ट-V

योजना और निरीक्षण बोर्ड के सदस्य

(31 मार्च, 2022 के अनुसार)

अध्यक्ष

1. प्रो. एन.वी. वर्गीज — अध्यक्ष
   कुलपति,
   नीपा, नई दिल्ली

2 से 8 सभी विभागों के विभागाध्यक्ष

2. प्रो. सुधांशु भूषण — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

3. प्रो. ए.के. सिंह — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक नीति विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

4. प्रो. प्रणति पंडा — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग,
   स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक
   नीपा, नई दिल्ली

5. प्रो. मोना खरे — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक वित्त विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

6. प्रो. कुमार सुरेश — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक प्रशासन विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

7. प्रो. बी.के. पंडा — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास
   नीपा, नई दिल्ली

8. प्रो. के. बिस्वाल — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक योजना विभाग,
   नीपा, नई दिल्ली

9 से 11 संस्थान के बाहर के तीन प्रख्यात विशेषज्ञ

9. प्रो. जी.डी. शर्मा — सदस्य
   अध्यक्ष
   शिक्षा और आर्थिक विकास समिति
   नई दिल्ली
   ईमेल: ganeshdatts@gmail.com

10. प्रो. मोहम्मद अख्तर सिद्दीकी — सदस्य
प्रोफ़ेसर
उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान,
शिक्षा विभाग
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
ईमेल: mohdakhtar.siddiqui@gmail.com

11. प्रो. नमिता रंगनाथन — सदस्य
प्रोफ़ेसर
शिक्षा विभाग, सीआईई
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
ईमेल: namita.ranganathan@gmail.com

12. डॉ. संदीप चटर्जी — सचिव
कुलसचिव
नीपा, नई दिल्ली

परिशिष्ट-VI

संकाय और प्रशासनिक स्टाफ

(31 मार्च, 2022 के अनुसार)

कुलपति
प्रो. एन.वी. वर्गीज

शैक्षिक योजना विभाग

के. बिस्वाल, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
पी. गीता रानी, प्रोफेसर (प्रति नियुक्ति पर)
सांत्वना जी. मिश्रा, सह–प्रोफेसर
एन.के. मोहंती, सहायक प्रोफेसर
सुमन नेगी, सहायक प्रोफेसर

शैक्षिक प्रशासन विभाग

कुमार सुरेश, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
विनीता सिरोही, प्रोफेसर
अन्शू श्रीवास्तव, सह–प्रोफेसर
वी. सुचरिता, सहायक प्रोफेसर

शैक्षिक वित्त विभाग

मोना खरे, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
वेटुकुरी पी.एस. राजू, सहायक प्रोफेसर

शैक्षिक नीति विभाग

अविनाश के. सिंह, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
वीरा गुप्ता, प्रोफेसर
मनीषा प्रियम, प्रोफेसर
एस.के. मलिक, सहायक प्रोफेसर
नरेश कुमार, सहायक प्रोफेसर (02.05.2021 को निधन)

विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग

प्रणति पंडा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
रश्मि दिवान, प्रोफेसर
मधुमिता बंद्योपाध्याय, प्रोफेसर
सुनीता चुग, प्रोफेसर
अमित गौतम, सह–प्रोफेसर
ए.एन. रेड्डी, सहायक प्रोफेसर
कश्यपी अवस्थी, सहायक प्रोफेसर

उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग

सुधांशु भूषण, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
आरती श्रीवास्तव, प्रोफेसर
नीरू स्नेही, प्रोफेसर
संगीता अंगोम, सह–प्रोफेसर

शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग

शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास विभाग

बी.के. पंडा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
मोना सेदवाल, सहायक प्रोफेसर

कंप्यूटर केंद्र

के. श्रीनिवास, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र

रश्मि दीवान, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
सुनीता चुग, प्रोफेसर
एन. मैथिली, सहायक प्रोफेसर (13.09.2021 को त्यागपत्र एवं कार्यभार से मुक्ति)
सुभिथा जी.वी., सहायक प्रोफेसर
चारू स्मिता मलिक, सहायक प्रोफेसर
शादमा अबसार, सहायक प्रोफेसर
पूजा सिंघल, सहायक प्रोफेसर

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र

प्रदीप कुमार मिश्र, अध्यक्ष एवं निदेशक
मोना खरे, प्रोफेसर
निधि सदाना सभरवाल, सह–प्रोफेसर
अनुपम पचौरी, सहायक प्रोफेसर
गरिमा मलिक, सहायक प्रोफेसर
जिणुशा पाणिग्रही, सहायक प्रोफेसर
मलिश सी.एम., सहायक प्रोफेसर (31.03.2022 को त्यागपत्र एवं कार्यभार से मुक्ति)

स्कूल मानक एवं मूल्याकन एकक

प्रणति पंडा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
रस्मिता दास स्वाँई, प्रोफेसर
ए.एन. रेड्डी, सहायक प्रोफेसर

परियोजना प्रबंधन एकक

के. श्रीनिवास, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

प्रशासनिक और अकादमिक सहयोग

कुलसचिव
डॉ. संदीप चटर्जी

सामान्य और कार्मिक प्रशासन

डी.एस. ठाकुर, प्रशासनिक अधिकारी (प्रभारी)
चन्द्र प्रकाश, अनुभाग अधिकारी (सा.प्र.)
सोनम आनन्द सागर, अनुभाग अधिकारी (का.) (तदर्थ)

अकादमिक प्रशासन

पी.पी. सक्सेना, अनुभाग अधिकारी

वित्त और लेखा

निशांत सिन्हा, वित्त अधिकारी

प्रशिक्षण कक्ष

चंद्र प्रकाश, अनुभाग अधिकारी

प्रकाशन एकक

अमित सिंघल, उप प्रकाशन अधिकारी

हिंदी कक्ष

रवि प्रकाश सिंह, हिन्दी संपादक
मनोज गौड़, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी

पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र

पूजा सिंह, पुस्तकालयाध्यक्षा
डी.एस. ठाकुर, प्रलेखन अधिकारी

कंप्यूटर केंद्र

के. श्रीनिवास, अध्यक्ष,
चन्द्र कुमार एम.जे., सिस्टम एनालिस्ट

छात्रावास

वी.पी.एस. राजू, हॉस्टल वार्डन
कश्यपी अवस्थी, सहायक हॉस्टल वार्डन,

VII

वार्षिक लेखा
2021-22

तुलन पत्र

31 मार्च 2022 तक

(राशि ₹ में)

निधि के स्रोत / देयताएं	अनुसूची	चालू वर्ष	विगत वर्ष
पूंजीकृत निधि	1	(1,04,10,83,635)	(15,90,92,631)
मौजूदा देनदारियां एवं प्रावधान	2	1,47,90,57,852	65,66,37,962
योग		**43,79,74,218**	**49,75,45,331**
स्थायी परिसंपत्तियां	3	19,94,44,130	20,07,83,918
अचल संपत्तियां – योजनेतर		-	-
अचल संपत्तियां – गैर योजनेतर		-	-
अचल संपत्तियां – अमूर्त आस्तियाँ		-	-
अचल संपत्तियां – पेटेंट और कॉपीराइट्स		-	-
अचल संपत्तियां – अन्य (प्रायोजित परियोजनाएं)		-	-
चालू परिसंपत्तियां	4	15,17,69,072	22,12,39,072
ऋण, अग्रिम एवं जमा राशियां	5	8,67,61,016	7,55,22,341
योग		**43,79,74,218**	**49,75,45,331**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	15		
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणियां	16		

ह./–
(निशांत सिन्हा)
वित्त अधिकारी

ह./–
(संदीप चटर्जी)
कुलसचिव

ह./–
(एन.वी. वर्गीज)
कुलपति

आय और व्यय लेखा

31 मार्च 2022 तक

(राशि ₹ में)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	विगत वर्ष
अ. आय			
शैक्षणिक प्राप्तियां	6	6,16,981	3,78,150
अनुदान/सब्सिडी	7	33,33,96,918	31,31,72,934
अर्जित ब्याज	8	1,51,775	13,46,370
अन्य आय	9	18,53,139	61,22,783
योग (अ)		33,60,18,814	32,10,20,237
ब. व्यय			
कर्मचारियों को भुगतान और लाभ (स्थापना व्यय)	10	1,09,00,96,560	23,05,38,555
अकादमिक व्यय	11	7,33,24,145	6,25,21,636
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	12	2,88,73,482	3,21,59,894
परिवहन व्यय	13	8,95,789	4,90,326
मरम्मत एवं रखरखाव	14	2,35,12,756	99,37,048
मूल्यह्रास	3	1,55,12,123	1,53,17,372
योग (ब)		**1,23,22,14,855**	**35,09,64,830**
पूंजी निधि में हो रहे अधिशेष/(घाटा)		**(89,61,96,042)**	**(2,99,44,593)**

ह./–	ह./–	ह./–
(निशांत सिन्हा)	**(संदीप चटर्जी)**	**(एन.वी. वर्गीज)**
वित्त अधिकारी	कुलसचिव	कुलपति

अनुसूची 1 से 5
तुलन पत्र के भाग के रूप में

31 मार्च 2022 तक

अनुसूची 1
कोष/पूंजी निधि

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2021–22)	विगत वर्ष (2020–21)
वर्ष के प्रारंभ में शेष	(15,90,92,631)	(15,37,32,539)
जोड़कर: काय/पूंजीगत निधि में योगदान	1,34,91,820	2,12,32,693
जोड़कर: उपहार/दान में प्राप्त आस्तियां	32,703	7,128
जोड़कर: असमायोजित शेष आगे बढ़ाया गया	-	29,48,773
जोड़कर: प्रयोजित परियोजना निधि से खरीदी गई आस्तियां	5,91,000	3,95,907
जोड़कर: मूल्यह्रास दर में त्रुटि के लिए विगत वर्ष का सम. ायोजन	89,516	
जोड़कर: आय और व्यय खाते से स्थानांतरित व्यय से अधि ाक आय	-	-
योग	**(14,48,87,593)**	**(12,91,48,039)**
घटाकर: आय और व्यय खाते से अंतरित घाटा	89,61,96,042	2,99,44,593
वर्ष के अंत में शेष	**(1,04,10,83,635)**	**(15,90,92,631)**

अनुसूची 2

वर्तमान देनदारियां और प्रावधान

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2021–22)	विगत वर्ष (2020–21)
अ. वर्तमान देनदारियां		
प्रतिभूति सुरक्षा राशि	9,35,973	10,78,873
पत्रिकाओं की सदस्यता शुल्क (अग्रिम)	57,870	1,06,740
बकाया देयता	-10,662	24,392
वेतन देय	-	1,35,66,263
मा.सं.वि.मं. को देय ब्याज	-	-
प्रायोजित परियोजना की प्राप्तियां (कुल व्यय)	9,86,25,835	11,99,28,311
अग्रिम में प्राप्त आय (वर्ष 2021–22 की अप्रयुक्त अनुदान)	17,37,637	4,99,68,375
योग (अ)	**10,13,46,653**	**18,46,72,954**
ब. प्रावधान		
पेंशन	1,19,63,06,197	40,76,61,203
उपदान	7,43,37,675	4,16,22,749
अवकाश नकदीकरण	8,46,26,950	2,26,81,056
व्यय के लिए प्रावधान	2,24,40,377	-
योग (ब)	**1,37,77,11,199**	**47,19,65,008**
योग (अ+ब)	**1,47,90,57,852**	**65,66,37,962**

अनुसूची 2(अ)

प्रायोजित परियोजना

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	परियोजना का नाम	प्रारंभिक जमा		वर्ष के दौरान अनुदान प्राप्ति	वर्ष के दौरान प्राप्तियां / वसूली	कुल	जमा शेष		
		निकासी	जमा				वर्ष के दौरान व्यय	निकासी	जमा
1	2	3	4	5		6	7	8	9
1	शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा)	-	91,54,966		3,90,938	95,45,904	3,12,989	-	92,32,915
2	डाईस की स्थापना और संचालन (यूनीसेफ़) डा. के. बिस्वाल	-	6,98,946			6,98,946		-	6,98,946
3	14 राज्यों में सर्व शिक्षा अभियान के संदर्भ में स्कूल प्रबंधन तथा पर्यवेक्षण में ग्रा.शि.स. / डी.टी.ए. / एस. एम.डी.सी. / नगरीय निकायों की भूमिका का अध्ययन, एडसिल (प्रो. ए.के. सिंह)	-	5,63,371			5,63,371		-	5,63,371
4	बुरूण्डी, (दक्षिण अफ्रीका) में भारत अफ्रीका शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान	-	-		328199.00	3,28,199	3,28,199	-	-
5	सर्व शिक्षा अभियान पर परियोजना (मा.सं.वि. मंत्रालय)	-	1,07,294			1,07,294		-	1,07,294
6	माध्यमिक सूचना प्रबंधन सूचना प्रणाली (सेमिस) मा. सं.वि.मं. (प्रो. ए.सी. मेहता)	-	5,03,573			5,03,573		-	5,03,573
7	प्रशासनिक उपरिव्यय प्रभार / बचत खाता पर ब्याज	-	3,27,43,673	-	1,08,771	3,28,52,444	3,29,601	-	3,25,22,843
8	समग्र शिक्षा	-	98,25,089	1,72,56,450	47,00,000	3,17,81,539	2,07,95,025	-	1,09,86,514
9	नीति अनुसंधान केन्द्र (यूजीसी) (प्रो. एन.वी वर्गीज)	-	-0			-0.19		-	(0.19)
10	विविधता, भेदभाव और असमानता से निपटना (डॉ. निधि सदाना – सीपीआरएचई) केंद्रीय योजना कार्यक्रम	-	20,05,865			20,05,865		-	20,05,865
11	श्रीलंका कार्यक्रम (एसएमआईए जेदी)	-	7,79,234			7,79,234		-	7,79,234
12	आरएमएसए के अन्तर्गत विद्यालय मानक	-	4,46,564			4,46,564		-	4,46,564
13	वरिष्ठ अध्येता – डॉ. ए. मैथ्यू (आईसीएसएसआर)	-	47,333			47,333		-	47,333

14	राज्य का राजनीतिक अध्ययन – डॉ. ए. मैथ्यू (आईसीएसएसआर)	4,18,746		4,56,246		37,500		-	37,500
15	पंडित मदन मोहन मालवीय	-	2,35,94,755			2,35,94,755		-	2,35,94,755
16	आईईपीए (विदेश मंत्रालय)	-	7,22,274		81,632	8,03,906		-	8,03,906
17	आईआईईपी – यूनेस्को (डॉ. सुजाता)	-	41,54,053			41,54,053		-	41,54,053
18	राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केन्द्र (पीएमएमएमटी)	-	2,28,70,982			2,28,70,982	2,43,29,089	14,58,107	-
19	आईपीईए – म्यांमार	-	9,46,276		84,065	10,30,341		-	10,30,341
20	लीप प्रोग्राम	-	9,13,687			9,13,687		-	9,13,687
21	नीति और व्यवहार – गुजरात और राजस्थान	-	1,83,182			1,83,182	1,83,182	-	-
22	योजना और लचीली अधिगम – गरिमा मलिक	-	3,98,313			3,98,313	3,98,313	-	0
23	शिक्षा प्रशिक्षण में मुक्त सरकार – सुनीता चुघ	-	3,66,644			3,66,644	3,66,644	-	0
24	उच्च शिक्षा में ईएसपीआई असमानता – जिणुशा पाणिग्रही	-	1,62,932			1,62,932	1,62,931	-	1
25	स्कूल मानक शिक्षा ईएफसी (प्रो. प्रणति पांडा)	-	86,63,305			86,63,305		-	86,63,305
26	शिक्षाशास्त्रीय नेतृत्व (एन. मैथिली)	-	76,000	23,192		99,192	86,943	-	12,249
27	संस्थागत योजना और प्रबंधन पर (विदेश मंत्रालय)			5,04,000		5,04,000		-	5,04,000
28	शैक्षिक नीति के विकास पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (कंबोडिया)			2,52,000		2,52,000			2,52,000
29	स्थितिजन्य विश्लेषण प्राप्तियां			2,65,577		2,65,577			2,65,577
30	स्थितिजन्य विश्लेषण– व्यय			24,659		24,659	80,707	56,048	-
31	प्रतिष्ठिति संस्थान					-	10,000	10,000	
32	समानता को बढ़ावा देने हेतु प्रौद्योगिकी– आईसीएसएसआर			5,00,000		5,00,000			5,00,000
	योग	**4,18,749**	**11,99,28,315**	**1,92,82,129**	**56,93,605**	**14,44,85,300**	**4,73,83,630**	**15,24,163**	**9,86,25,835**

अनुसूची 2 (ब)

शिक्षा मंत्रालय से प्राप्त अनुप्रयुक्त अनुदान

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2021–22)	विगत वर्ष (2020–21)
अ. योजना अनुदान मानव संसाधन विकास मंत्रालय		
शेष राशि अग्रानीत	4,99,68,375	1,55,74,002
जमा: वर्ष के दौरान प्राप्तियां (अनुदान)	29,86,58,000	36,88,00,000
योग (अ)	**34,86,26,375**	**38,43,74,002**
घटाकर: राजस्व व्यय के लिए उपयोग	33,33,96,918	31,31,72,934
घटाकर: पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग	1,34,91,820	2,12,32,693
योग (ब)	**34,68,88,738**	**33,44,05,627**
अनुप्रयुक्त अग्रानीत (अ–ब)	**17,37,637**	**4,99,68,375**
ब. अनुदान योजनेतर मानव संसाधन विकास मंत्रालय		
शेष राशि अग्रेनीत	-	-
वर्ष के दौरान प्राप्तियां (अनुदान)	-	-
योग (स)	-	-
घटाकर: राजस्व व्यय के लिए उपयोग	-	-
घटाकर: पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग	-	-
योग (द)	-	-
अनप्रयुक्त अग्रानीत (स–द)	-	-
महायोग (अ+ब)	**17,37,637**	**4,99,68,375**

अनुसूची 3

अचल संपत्तियां

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	आस्तियां शीर्ष	सकल ब्लॉक						वर्ष के लिए मूल्यह्रास	वर्ष 2021–22 के लिए मूल्यह्रास			निवल ब्लॉक
		मूल्यह्रास की दर	अथ शेष	परिवर्धन (180 दिनों से अधिक)	परिवर्धन (180 दिनों से कम)	कटौती	जमा शेष	मूल्यह्रास अथ शेष	परिवर्धन पर वर्ष के दौ. रान मूल्यह्रास	कटौती/ समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.22
1	2	3	4	5	8	9	10	11	12	13	14	15
1	भूमि	0%	23,07,892			-	23,07,892	-	-	-	-	23,07,892
2	भवन	2%	11,44,60,465			-	11,44,60,465	22,89,209	-	-	22,89,209	11,21,71,256
3	कार्यालय उपकरण	7.50%	1,07,57,730	-	8,63,473	58,466	1,16,79,669	8,06,830	32,380	4,385	8,43,595	1,08,36,074
4	कम्प्यूटर और उपकरण	20%	1,49,88,738	2,700	55,81,157	-	2,05,72,595	29,97,748	5,58,656	-	35,56,403	1,70,16,191
5	फर्नीचर और फिक्चर	7.50%	54,60,884			29,545	54,90,429	4,09,566	-	2,216	4,11,782	50,78,647
6	वाहन	10%	12,57,637		9,17,659	-	21,75,296	1,25,764	45,883	-	1,71,647	20,03,649
7	पुस्तकालय पुस्तकें	10%	72,13,676		1,74,147	-	73,87,823	7,21,368	8,707	-	7,30,075	66,57,748
8	पत्रिकायें	10%	3,76,85,832		50,430	-	3,77,36,262	37,68,583	2,522	-	37,71,105	3,39,65,157
	योग (क)		**19,41,32,854**	**2,700**	**75,86,866**	**88,011**	**20,18,10,431**	**1,11,19,067**	**6,48,148**	**6,601**	**1,17,73,816**	**19,00,36,615**
9	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	18,49,673	1,31,197	35,23,835	-	55,04,705	7,39,869	7,57,246	-	14,97,115	40,07,590
10	ई–जर्नल	40%	40,34,356	-	22,47,222	-	62,81,578	16,13,742	4,49,444	-	20,63,187	42,18,391
	योग (ख)		**58,84,029**	**1,31,197**	**57,71,057**	**-**	**1,17,86,283**	**23,53,612**	**12,06,690**	**-**	**35,60,302**	**82,25,981**
11	कंप्यूटर तथा उपकरण	20%	4,90,121	0	5,91,000	-	10,81,121	98,024	59,100	-	1,57,124	9,23,997
12	फर्नीचर और फिक्चर	7.5%	2,76,914	0	-	1,505	2,78,419	20,769	-	113	20,881	2,57,537
	योग (ग)		**7,67,035**	**-**	**5,91,000**	**1,505**	**13,59,540**	**1,18,793**	**59,100**	**113**	**1,78,006**	**11,81,534**
	महायोग (क+ख+ग)											

अनुसूची 4

वर्तमान परिसंपत्तियां

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2021–22)	विगत वर्ष (2020–21)
	1. स्टॉक		
1.	हस्तगत प्रकाशन	6,09,154	6,12,082
2.	वस्तुसूची	9,94,711	8,65,438
	2. नकदी एवं बैंक बचत		
1.	भारतीय स्टेट बैंक (34778757702) (चालू खाता)	31,261	31,910
2.	बैंक बचत (बचत खाता)	15,00,87,347	21,96,69,230
3.	हस्तगत डाक टिकट	46,599	60,412
	योग	**15,17,69,072**	**22,12,39,072**

अनुसूची 5

ऋण, अग्रिम और जमा

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2021–22)	विगत वर्ष (2020–21)
	1. कर्मचारियों को अग्रिम (गैर–ब्याज)		
1.	त्यौहार अग्रिम	-	-
	2. कर्मचारियों को दीर्घावधि के लिए अग्रिम (ब्याज)		
1	मोटर कार	-	-
2	कम्प्यूटर अग्रिम	-	-
3	स्कूटर अग्रिम	-	-
	3. अग्रिम और नकद मूल्य या वस्तु के रूप में वसूली योग्य अन्य राशियां		
1	पूंजीगत खाता पर	7,43,71,491	7,43,71,491
2	संकाय/स्टाफ के लिए विविध अग्रिम	20,000	5,000
3	चिकित्सा अग्रिम	3,87,000	5,74,500
4	एलटीसी अग्रिम	2,45,499	-
5	संकाय को यात्रा भत्ता अग्रिम	90,000	-
	4. पूर्व भुगतान व्यय		
1.	बीमा	24,564.0	54,306
2.	अन्य व्यय	-	-
	5. जमा		
1.	एल.पी. गैस	77,349	77,348
2.	जल मीटर	1,650	1,650
3.	विद्युत	17,500	17,500
4.	अन्य	1,800	1,800
5.	पेंशनभोगियों के लिए एसबीआइ	1,00,00,000	-
	6. प्रोद्भूत आय		
1.	ऋण एवं अग्रिम	-	-
	7. अन्य – यूजीसी/प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्य वर्तमान परिसंपत्तियां		
1.	प्रायोजित परियोजनाएं में शेष ऋण	15,24,163	4,18,746
	योग	**8,67,61,016**	**7,55,22,341**

अनुसूची 6

शैक्षणिक प्राप्तियां

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2021–22)	विगत वर्ष (2020–21)
	छात्रों से शुल्क		
	शैक्षणिक		
1.	छात्र शुल्क	3,39,745	2,88,510
	योग (अ)	3,39,745	2,88,510
	बिक्री		
1.	प्रकाशन बिक्री	1,23,820	53,040
2.	प्रास्पैक्टस की बिक्री	1,53,416	36,600
	योग (ब)	**2,77,236**	**89,640**
	महायोग (अ+ब)	**6,16,981**	**3,78,150**

अनुसूची 7

अनुदान/सब्सिडी (प्राप्त अशोध्य अनुदान)

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2021–22)	विगत वर्ष (2020–21)
शेष अग्रानीत	4,99,68,375	1,55,74,002
जोड़करः वर्ष के दौरान प्राप्तियां	29,86,58,000	36,88,00,000
जोड़करः वर्ष के दौरान अन्य प्राप्तियां	-	-
योग	**34,86,26,375**	**38,43,74,002**
घटाकरः परिसंपत्तियों के प्रयोग पर व्यय (अ)	1,34,91,820	2,12,32,693
शेष	**33,51,34,555**	**36,31,41,309**
घटाकरः परिसंपत्तियों के प्रयोग पर मुद्रा व्यय (ब)	33,33,96,918	31,31,72,934
शेष स/फ (स)	**17,37,637**	**4,99,68,375**

अनुसूची 8

अर्जित ब्याज

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2021–22)	विगत वर्ष (2020–21)
1.	**अनूसूचित बैंकों के साथ बचत खातों पर**		
	अ) योजनेतर	1,156	161
	ब) अतिरिक्त प्रशासनिक निधि खाता	1,26,751	13,21,155
	स) छात्रावास खाता	11,908	9,887
	द) केनरा बैंक	3,255	3,279
	य) एनआर खाता	8,705	14,888
2.	**ऋणों पर**		
	अ. कर्मचारी / स्टाफ (अग्रिमों पर ब्याज)	-	(3,000)
	योग	**1,51,775**	**13,46,370**

अनुसूची 9

अन्य आय

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2021–22)	विगत वर्ष (2020–21)
	अ. भूमि एवं भवनों से आय		
1.	छात्रावास किराया	1,36,350	22,95,250
2.	लाईसेंस शुल्क	3,74,632	5,10,796
3.	जल प्रभार की वसूली	37,392	34,343
	योग (अ)	**5,48,374**	**28,40,389**
	ब. अन्य		
1	रॉयल्टी से आय	1,51,676	58,272
2	विविध प्राप्तियां	5,85,524	1,00,216
3	स्टाफ कार प्रयोग	-	-
4	विभिन्न परियोजनाओं से प्राप्त संस्थागत प्रभार	1,79,878	22,32,317
5	बेकार पड़ी वस्तुओं की बिक्री	69,262	-
6	निविदा फार्म की बिक्री	2,000	-
7	पेंशनरों के लिये चिकित्सा प्रतिपूर्ति प्रवेश शुल्क	38,700	4,06,100
8	किराया दरें और कर	-	-
9	चिकित्सा योजना के लिए योगदान	2,77,725	2,99,563
10	अवकाश वेतन पेंशन अंशदान	-	1,85,926
	योग (ब)	**13,04,765**	**32,82,394**
	महायोग (अ+ब)	**18,53,139**	**61,22,783**

अनुसूची 10

कर्मचारियों को भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2021-22)		विगत वर्ष (2020-21)	
		आवर्ती	राशि	आवर्ती	राशि
1	वेतन और मजदूरी	8,74,10,582	8,74,10,582	9,17,03,960	9,17,03,960
2	बोनस और भत्ते तथा समयोपरि भत्ता	4,23,49,329	4,23,49,329	2,96,72,225	2,96,72,225
3	नई पेंशन योजना में योगदान	45,09,498	45,09,498	37,83,822	37,83,822
4	कर्मचारी कल्याण व्यय (वर्दी)	1,15,000	1,15,000	1,21,656	1,21,656
5	अवकाश यात्रा रियायत (एलटीसी)	6,38,895	6,38,895	8,51,223	8,51,223
6	चिकित्सा भत्ता प्रतिपूर्ति	1,16,54,994	1,16,54,994	86,21,922	86,21,922
7	बाल शिक्षा भत्ता	17,41,750	17,41,750	10,60,500	10,60,500
8	यात्रा भत्ता	-	-	-	-
9	अन्य (सरकारी अंशदान–सीपीएफ + भुगतान किया गया ब्याज)	-	-	2,11,320	2,11,320
10	सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ				
a)	पेंशन	83,93,26,051	83,93,26,051	7,88,64,631	7,88,64,631
b)	ग्रेज्युटी	3,64,80,558	3,64,80,558	1,00,35,602	1,00,35,602
c)	अवकाश नकदीकरण	6,58,69,903	6,58,69,903	56,11,694	56,11,694
	योग	**1,09,00,96,560**	**1,09,00,96,560**	**23,05,38,555**	**23,05,38,555**

अनुसूची 10 अ

कर्मचारी सेवानिवृत्ति एवं सेवांत लाभ

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	पेंशन	ग्रेच्युटी	अवकाश नकदीकरण	योग
1	01–04–2021 को अथ शेष राशि (अ)	40,76,61,203.00	4,16,22,749.00	2,26,81,056.00	47,19,65,008.00
2	**घटाकर:** वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (ब)	5,06,81,057.00	37,65,632.00	39,24,009.00	5,83,70,698.00
3	31–03–2022 को उपलब्ध बचत राशि स (अ–ब)	35,69,80,146.00	3,78,57,117.00	1,87,57,047.00	41,35,94,310.00
4	वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार 31–03–2022 को आवश्यक प्रावधान (द)	1,19,63,06,197.00	7,43,37,675.00	8,46,26,950.00	1,35,52,70,822.00
अ.	**चालू वर्ष में किये जाने वाले प्रावधान (द–स)**	**83,93,26,051.00**	**3,64,80,558.00**	**6,58,69,903.00**	**94,16,76,512.00**

अनुसूची 11

शैक्षणिक व्यय (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति)

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2021-22)		विगत वर्ष (2020-21)	
		आवर्ती	राशि	आवर्ती	राशि
1	क्षेत्र कार्य/सम्मेलन में भागीदारी (संकाय के लिए यात्रा भत्ता)	1,85,483	1,85,483	4,61,916	4,61,916
2	क्षेत्र कार्य/सम्मेलन में भागीदारी (प्रतिभागी का यात्रा भत्ता)	3,940	3,940	4,01,632	4,01,632
3	संगोष्ठी/कार्यशालाओं पर व्यय (शैक्षणिक कार्यक्रमों में व्यय)	15,38,680	15,38,680	8,17,333	8,17,333
4	अतिथि संकाय को भुगतान (संसाधन/व्यक्ति को मानदेय)	11,24,830	11,24,830	5,84,356	5,84,356
5	संस्थान के अनुसंधान अध्ययन	3,60,09,159	3,60,09,159	3,30,44,849	3,30,44,849
6	छात्रों को अध्येतावृत्ति (एम.फिल. और पी–एच.डी.)	2,98,93,562	2,98,93,562	2,30,31,935	2,30,31,935
7	छात्रवृत्ति/पुस्तकें व परियोजना अनुदान	1,500	1,500	-	-
8	प्रकाशन व्यय (मुद्रण से प्राप्त)	25,90,784	25,90,784	16,65,535	16,65,535
a)	(1) जोड़करः पिछले वर्ष का स्टॉक	6,12,082	6,12,082	4,36,633	4,36,633
b)	(2) घटाकरः हस्तगत पुस्तकों का भण्डार	-6,09,154	-6,09,154	-6,12,082	-6,12,082
9	सदस्यता के लिए अंशदान	67,732	67,732	2,53,234	2,53,234
10	अन्य (फोटोकॉपी प्रभार)	2,84,899	2,84,899	3,27,135	3,27,135
11	गैर–सरकारी संगठनों को अनुदान	7,50,000	7,50,000	7,45,600	7,45,600
12	एनईआर (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति सहित)	8,70,000	8,70,000	-	-
13	ऊपरी प्रशासन कोष 1008	648	648	13,63,560	13,63,560
	योग	**7,33,24,145**	**7,33,24,145**	**6,25,21,636**	**6,25,21,636**

अनुसूची 12

प्रशासनिक और सामान्य व्यय

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2021-22)		विगत वर्ष (2020-21)	
		आवर्ती	राशि	आवर्ती	राशि
अ.	**आधार संरचना**				
1	विद्युत प्रभार	64,21,730	64,21,730	60,70,855	60,70,855
2	जल प्रभार	73,50,925	73,50,925	1,00,45,279	1,00,45,279
3	किराया, दरें और कर (संपत्ति कर सहित)	3,32,851	3,32,851	2,41,851	2,41,851
4	सुरक्षा प्रभार	56,01,240	56,01,240	78,51,329	78,51,329
ब.	**संचार**		-		-
1	डाक तथा तार	2,42,535	2,42,535	1,87,040	1,87,040
2	टेलीफोन, फैक्स एवं इंटरनेट प्रभार	7,77,322	7,77,322	6,22,227	6,22,227
स.	**अन्य**		-		-
1	स्टेशनरी	22,17,349	22,17,349	13,32,380	13,32,380
2	पोषाहार व्यय	5,59,316	5,59,316	5,90,964	5,90,964
3	लेखा परीक्षा शुल्क	1,80,540	1,80,540	1,32,444	1,32,444
4	मजदूरी प्रभार	10,674	10,674	3,19,437	3,19,437
5	सहालकारी शुल्क	15,64,333	15,64,333	21,09,000	21,09,000
6	कानूनी प्रभार	61,800	61,800	1,47,440	1,47,440
7	विज्ञापन प्रभार	24,42,593	24,42,593	10,82,857	10,82,857
8	अखबार प्रभार	2,30,410	2,30,410	3,22,485	3,22,485
9	अन्य (पाठ्यक्रम शुल्क / प्रशिक्षण)	21,700	21,700	10,445	10,445
10	विविध व्यय	8,57,515	8,57,515	10,93,861	10,93,861
12	प्रभार (अन्य खाते)	649	649		-
	योग	**2,88,73,482**	**2,88,73,482**	**3,21,59,894**	**3,21,59,894**

अनुसूची 13

परिवहन व्यय

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2021-22)		विगत वर्ष (2020-21)	
		आवर्ती	राशि	आवर्ती	राशि
1	**स्टाफ कार**	-	-	-	-
	क) स्टाफ कार का रखरखाव	1,53,576	1,53,576	1,16,886	1,16,886
	ख) बीमा	54,794	54,794	27,698	27,698
	ग) पेट्रोल तेल एवं स्नेहक	5,46,424	5,46,424	3,17,069	3,17,069
2	वाहन टैक्सी के किराए का खर्च	1,40,995	1,40,995	28,673	28,673
	योग	**8,95,789**	**8,95,789**	**4,90,326**	**4,90,326**

अनुसूची 14

मरम्मत एवं रखरखाव

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2021-22)		विगत वर्ष (2020-21)	
		आवर्ती	राशि	आवर्ती	राशि
1	भवन का रख–रखाव	27,96,197	27,96,197	3,55,663	3,55,663
2	संपदा रखरखाव इलेक्ट्रिकल (एआरएमओ)	78,52,040	78,52,040	-	-
3	फर्नीचर तथा फिक्सर का रख–रखाव	-	-	7,965	7,965
4	कार्यालय उपकरणों का रखरखाव	31,24,697	31,24,697	14,57,350	14,57,350
5	गृह व्यवस्था सेवाएं	97,39,822	97,39,822	81,16,070	81,16,070
	योग	**2,35,12,756**	**2,35,12,756**	**99,37,048**	**99,37,048**

अनुसूची 15

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. लेखा निर्माण के आधार

1.1 जब तक कि विधि का उल्लेख न किया जाए और सामान्यतया आमतौर पर कहा गया है कि लेखे ऐतिहासिक लागत परिपाटी के अंतर्गत लेखांकन के प्रोदभूत विधि पर तैयार किए जाते हैं।

2. राजस्व मान्यता

2.1 विद्यार्थियों से शुल्क, निविदा प्रपत्रों की बिक्री, प्रवेश फार्म की बिक्री, बचत बैंक खाते पर रॉयल्टी और ब्याज नकद आधार पर लेखांकन किए जाते हैं।

2.2 छात्रावास किराया से प्राप्त आय को नकद आधार पर लेखांकित किया जाता है।

2.3 हालांकि ब्याज की वास्तविक वसूली मूलधन की पूरी अदायगी के बाद शुरू होता है, गृह निर्माण पेशगी, वाहन और कंप्यूटर की खरीद के लिए कर्मचारियों को ब्याज सहित अग्रिम की वसूली प्रोद्भूत आधार पर की जाती है।

3. अचल परिसंपत्तियां और मूल्यह्रास

3.1 अचल संपत्ति भाड़ा, शुल्कों और करों और अधिग्रहण, स्थापना और परिचालन से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष खर्च आवक सहित अधिग्रहण की लागत से निर्धारित किया जाता है।

3.2 उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकों पर मुद्रित बिक्री मूल्य को माना जाता है। उपहार में प्राप्त जिन पुस्तकों मे मूल्य पुस्तक में मुद्रित नहीं होते, उनका मूल्यांकन के आधार पर मूल्य निर्धारित किया जाता है। उन्हें पूंजी कोष में जमा करके संस्था की अचल संपत्ति के साथ विलय कर लिया जाता है। मूल्यह्रास संबंधित परिसंपत्तियों की लागू दरों पर निर्धारित किया जाता है।

3.3 अचल परिसंपत्ति का मूल्यांकन मूल्यह्रास में घटाकर निकाला जाता है। अचल परिसंपत्तियों का अवमूल्यन निम्नलिखित दरों के अनुसार सीधे तौर पर किया जाता है।

1	भवन	2%
2	कार्यालय उपकरण	7.5%
3	कंप्यूटर और अन्य सहायक सामग्री	20%
4	फर्नीचर फिक्चर और फिटिंग्स	7.5%
5	वाहन	10%
6	पुस्तकालय में पुस्तकें	10%
7	जर्नल्स	10%
8	ई–जर्नल	40%
9	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%

3.4 वर्ष के दौरान वृद्धि पर पूरे वर्ष के लिए मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है। वृद्धि पर मूल्यह्रास स्वायत संगठनों के लिये पसंदीदा विद्धि है। इसके अतिरिक्त संपत्तियों का संग्रह पूरे वर्ष के लिए रहता है, तद्नुसार मूल्यह्रास बराबर रखा जाता है।

3.5 जहां एक परिसंपत्ति जिसका पूर्णतः मूल्यह्रास हो चुका हो, इसे तुलन पत्र में रु. 1 की अवशिष्ट मूल्य पर अंकन किया जाएगा और आगे उसका पुनः मूल्यह्रास नहीं किया जाएगा। इसके बाद, मूल्यह्रास प्रत्येक वर्ष की वृद्धि के लिए इस परिसंपति शीर्ष हेतु पृथक रूप से उस पर लागू दर के अनुसार की जाएगी।

3.6 **इलेक्ट्रानिक पत्रिकाओं** (ई–जर्नल्स) पर व्यय की अधिकता को देखते हुए लाइब्रेरी में इसे पुस्तकों से अलग किया गया है। पुस्तकालय की पुस्तकों के संबंध में उपलब्ध कराए गए 10 प्रतिशत के अवमूल्यन के सापेक्ष 40 प्रतिशत की एक उच्च दर पर ई–जर्नल्स के संबंध में मूल्यह्रास प्रदान किया गया।

3.7 कंप्यूटर और सहायक सामग्री को अर्जित सॉफ्टवेयर के व्यय से अलग किया गया है क्योंकि यह कोई ठोस वस्तु नहीं होती और इसकी लुप्तशीलता की

दर अपेक्षाकृत उच्च होती है। साफ्टवेयर का अवमूल्यन दर उच्चस्तर पर 40 प्रतिशत किया जाता है जबकि कंप्यूटर और सहायक सामग्री का अवमूल्यन दर 20 प्रतिशत है।

4. स्टॉक

4.1 31 मार्च को समाप्त वित्तीय वर्ष के आधार पर स्टॉक की मूल्य सूची के अनुसार स्टेशनरी, प्रकाशन और अन्य स्टॉक की खरीद को राजस्व व्यय के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। जबकि सामान्य प्रशासन अनुभाग से प्राप्त जानकारी से वस्तु सूची के अनुसार राजस्व व्यय को कम करके शेष स्टॉक का मूल्य अंकन किया जाता है।

5. सेवानिवृत्ति लाभ

5.1 सेवानिवृत्ति लाभ यानी, पेंशन, ग्रेच्युटी लाभ और अवकाश नकदीकरण बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया गया है।

5.2 संस्थान के जो कर्मचारी अन्य नियोक्ता संस्थानों से आये हैं और जिन्हें संस्थान में समाहित कर लिया गया है, उनके नियोक्ता संस्थानों से प्राप्त पेंशन और ग्रेच्यूटी लाभ, पूंजीकृत मूल्य के रूप में सबंधित पेंशन खाते में डेबिट कर दिया जाता है। पेंशन, ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण का वास्तविक भुगतान संबंधित प्रावधानों के खातों में डेबिट कर दिया जाता हैं। अन्य सेवानिवृत्ति लाभ अर्थात् नई पेंशन योजना, सेवानिवृत्ति पर गृह नगर के लिए यात्रा बिल, सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए चिकित्सा प्रतिपूर्ति, (वर्ष के अंत में वास्तविक भुगतान सह बकाया बिल) प्रोद्भूत रूप में लेखांकित किया गया है।

6. सरकारी और यू.जी.सी. अनुदान

6.1 सरकारी अनुदान और यू.जी.सी. अनुदान, प्राप्ति के आधार पर लेखांकित किया गया है।

6.2 पूंजीगत व्यय की दिशा में प्रयुक्त करने हेतु, सरकारी अनुदान, पूंजीगत निधि में स्थानांतरित किया जाता है।

6.3 राजस्व व्यय (वास्तविक आधार पर) को पूरा करने के लिए प्राप्त सरकारी अनुदान को प्रयुक्त मानकर उसे उस वर्ष की आय के रूप में लिया गया है जिसमें वह प्राप्त हुआ है।

6.4 अनुप्रयुक्त अनुदान (इस तरह के अनुदान का भुगतान अग्रिमों सहित) को आगामी वर्ष में लिया गया है और उसे तुलनपत्र में देयताएं के रूप में प्रस्तुत किया गया।

7. पी–एच.डी. और एम.फिल. के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति

7.1 पी–एच.डी. और एम.फिल. के छात्रों को छात्रवृत्ति शिक्षा मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग) द्वारा प्रदान किए गए योजना अनुदान से भुगतान की जा रही हैं और इसे विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खर्च के रूप में लेखांकित किया जाता है।

8. चिकित्सा अंशदान

8.1 चिकित्सा अंशदान नीपा की चिकित्सा योजना के अनुसार योजनेतर खाते में जमा किया जाता है। चिकित्सा प्रतिपूर्ति का गैर–योजना खाते से भुगतान किया जाता है।

9. गैर सरकारी संगठनों को अनुदान

9.1 समान उद्देश्य वाले गैर–सरकारी संगठनों को वित्तीय सहायता/अनुदान योजना, खाते के अंतर्गत व्यय के रूप में लेखांकित की जा रही है।

10. अनुपयोगी वस्तुओं की बिक्री

10.1 सेवा में प्रयुक्त न होने वाली और पुरानी वस्तुओं की बिक्री से प्राप्त आय को ''अन्य आय'' में दर्शाया जाता है, क्योंकि बेकार वस्तुओं का मूल्य का पहले ही पूर्ण अवमूल्यन हो जाता है।

11. प्रायोजित परियोजनाएं

11.1 चल रही प्रायोजित परियोजनाओं के संबंध में, प्रायोजकों से प्राप्त राशि को ''वर्तमान देयताएं और प्रावधन–वर्तमान देयताएं–अन्य देयताएं–चालू प्रायोजित परियोजनाओं के लिए प्राप्तियां'' शीर्ष में जमा किया जाता है। जब कभी व्यय किया जाता है/ऐसी परियोजनओं के लिए अग्रिम भुगतान किया जाता है, या संबंधित परियोजना खाते को आवंटित ओवरहेड शुल्क के साथ डेबिट किया जाता है, तो देयता खाते को डेबिट कर दिया जाता है।

12. लेखापरीक्षा टिप्पणियों के अनुसार, अनुसूची 3(स) और अनुसूची 3(ड) को वार्षिक खातों में जोड़ा गया है और अचल संपत्तियों में परिवर्तन अनुसूची 4 को अचल संपत्तियों के उप–विभाजन हेतु अमूर्त संपत्ति, पेटेन्ट्स और कॉपीराइट, अन्य (प्रायोजित परियोजनाएं) में वर्गीकृत करने के लिए किया गया है।

अनुसूची 16

आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणियाँ

1. अचल संपत्तियां

1.1 योजना अनुदान से सृजित अचल संपत्ति, अनुसूची 3 में अचल संपतियों के लिए वर्ष में परिवर्धन के साथ संस्थान के फंड से खरीदी गई संपत्ति (₹ 1,34,91,820), और पुस्तकालय की किताबें और (₹ 32,703), के मूल्य की अन्य सपत्तियाँ शामिल हैं। जिन्हें विश्वविद्यालय को उपहार में दिया जाता हैं। परिसंपतियों को पूंजी कोष में जमा करके स्थापित किया गया है।

1.2 परियोजना अनुदान से सृजित अचल संपत्ति, अनुसूची 3 (ई) में वर्ष में अचल संपत्तियों में वृद्धि के साथ परियोजना निधि से खरीदी गई संपत्ति (₹ 5,91,000) शामिल हैं।

1.3 दिनांक 31.03.2022 के बैलेंस शीट और पिछले वर्षों की बैलेंस शीट में, संस्थान के फंड से बनाई गई अचल संपतियां। दिनांक 01.04.2021 से 31.03.2022 तक के वर्षों के दौरान संस्थनों और अन्य निधियों से वृद्धि, और उन अतिरिक्त पर मूल्यह्रास को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया गया है (अनुसूची–3)।

2. मौजूदा देनदारियां और प्रावधान

2.1 व्यय जो 31 मार्च, 2022 को देय थे जिनका भुगतान नहीं किया गया उनको देयताएं और वेतन देय के रूप में प्रदान किया गया है।

2.2 आयकर अधिनियम 1961 के तहत कोई कर योग्य आय न होने की स्थिति में, आयकर के लिए कोई प्रावधान आवश्यक नहीं माना गया है।

2.3 कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभों के लिए देय देयता का प्रावधान और क्रेडिट पर संचित अवकाश के नकदीकरण के बदले एकमुश्त भुगतान के लिए दायित्व के प्रावधान पिछले वर्ष तक की धारणा के आधार पर किए गए थे। इस वर्ष, दिनांक 31.03.2022 को बीमांकिक मूल्यांकन किया गया था और पूर्व में किए गए प्रावधनों को पिछले सभी वर्षों को कवर करने के लिए पूर्व अवधि के खर्चों को डेबिट करके सेट किया गया था। दिनांक 31.03. 2022 को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर और 2021–22 में किए गए भुगतानों और मौजूदा शुद्ध प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए 2021–22 के लिए आय और व्यय खाते में नामे करके 2021–22 के लिए खातों में और प्रावधान किए गए थे।

3. मौजूदा परिसंपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम और जमा

3.1 संस्थान की राय में मौजूदा परिसंपत्तियों, ऋण, अग्रिम और जमाओं पर आमतौर पर कम से कम तुलन–पत्र में दिखायी गयी कुल राशि के बराबर मूल्य है।

4. भविष्य निधि खाता

4.1 सरकार से संबंधित निर्देश के अनुसार भविष्य निधि खाते के रूप में संस्थान द्वारा उन निधियों को सदस्यों के स्वामित्व में प्रस्तुत किया गया हैं, संस्थान के खाते से भविष्य निधि खाते को अलग किया जाता है। हालांकि प्राप्ति और भुगतान खाता (उपचय के आधार पर) आय और व्यय खाता और भविष्य निधि खाते का तुलन–पत्र संस्थान के वार्षिक लेखा में संलग्न है।

5. नई पेंशन योजना खाता

5.1 नई पेंशन योजना के तहत सभी कर्मचारियों को पीआरए संख्या प्राप्त है। नियोक्ता और कर्मचारी का अंशदान सेंट्रल रिकॉर्डकीपिंग एजेंसी (सीआरए)

में नियमित रूप से स्थानान्तरण किया जा रहा है। हस्तांतरित करने के लिए कोई बकाया राशि नहीं है।

6. सेवानिवृत्ति लाभ

6.1 सेवानिवृत्ति लाभ यानी पेंशन, ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर प्रदान किया जाता है। संस्थान कर्मचारियों की पिछले नियोक्ता से प्राप्त पेंशन और उपदान का जो विश्वविद्यालयों में समाहित हो गए है, पूंजीगत मूल्य, संबंधित प्रावधान खातों में जमा करता है।

7. अनुदान

7.1 पिछले वर्षों में योजना अनुदान को आय के रूप में लिया गया, केवल वे पूंजीगत व्यय के लिये उपयोग किये जाते थे, योजना अनुदान खाते और अग्रिम के बैंक शेष द्वारा जिनका अनुदान कोष और बकाया समायोजन द्वारा भुगतान किया गया। इन्हें वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख को तुलन पत्र की परिसंपत्तियों में दर्शाया गया। 31 मार्च 2022 को अनुप्रयुक्त अनुदान को आगे बढ़ाया गया और तुलन पत्र मे देयताओं के रूप में दर्शाया गया।

8. बचत बैंक खातों में शेष के विवरण चालू परिसंपत्तियों की अनुसूची 'अ' में संलग्न हैं।

9. पिछले वर्ष के आंकड़े आवश्यकतानुसार फिर से वर्गीकृत किये गए हैं।

10. अंतिम खातों में आंकड़े निकटतम रुपए में अंकित किए गए हैं।

11. अनुसूची 1 से 13 को संलग्न किया गया है और यह 31 मार्च 2022 के तुलन–पत्र और इस तिथि को समाप्त वित्तीय वर्ष के आय और व्यय लेखा का एक अभिन्न भाग होता है।

प्राप्तियां और भुगतान लेखा

31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

(राशि ₹ में)

प्राप्तियां	चालू वर्ष (2021-22)	विगत वर्ष (2020-21)	भुगतान	चालू वर्ष (2021-22)	विगत वर्ष (2020-21)
प्रारंभिक जमा			**व्यय**		
1 **बचत बैंक खाता**	21,97,01,140	18,74,01,802			
2 **हस्तगत डाक**	60,412	21,836	अ) स्थापना व्यय	20,01,02,395	21,43,51,639
शिक्षा मंत्रालय से प्राप्त अनुदान			ब) शैक्षणिक व्यय	3,53,38,744	3,39,77,048
भारत सरकार (शिक्षा मंत्रालय) से			स) प्रशासनिक व्यय	2,87,63,989	3,59,44,206
(अ) योजना	29,86,58,000	36,88,00,000	द) मरम्मत और रख–रखाव	1,31,51,388	21,86,248
			य) यात्रा व्यय	8,15,429	3,45,742
अकादमिक प्राप्तियां	19,49,783	41,21,266	**अध्येयतावृत्ति से संबंद्ध भुगतान**	3,42,15,804	2,35,26,435
प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं के संबद्ध में प्राप्तियां	2,43,88,889	3,27,39,979	**प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं से संबंद्ध भुगतान**	4,67,96,783	4,35,19,327
6. प्राप्त ब्याज			**सीपीडब्ल्यूडी को अचल संपत्ति और अग्रिम पर व्यय**		
(क) बैंक वचत खाता	1,156	161	1 अचल संपत्तियां	1,34,59,117	2,11,93,566
(ख) एनआर खाता	3,00,294	14,888	2 सीपीडब्ल्यूडी को अग्रिम	1,03,46,500	14,28,561
(ग) केनरा बैंक	3,255	3,279	**वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान**		
(घ) अतिरिक्त प्रशासनिक निधि	1,79,878	13,21,155	प्रभार (अन्य खाते)	1,25,053	-
(ङ) छात्रावास खाता	11,908	9,887	**जमा और अग्रिम**		
(च) अवकास वेतन पेंशन अंशदान		1,85,926	पूर्वदात व्यय	-	54,306
(छ) ब्याज अग्रिमों पर ब्याज		(3,000)	अन्य व्यय	42,60,123	7,59,327
अन्य आय		-	1,01,98,000		
जमा और अग्रिम	22,67,066	1,94,460	**प्रेषण**	5,05,34,065	9,17,12,030
प्रेषण	5,06,24,065	9,17,16,030	**शेष समापन**		
वैधानिक प्राप्तियों सहित विविध प्राप्तियां			बैंक बैंलेस	15,01,18,608	21,97,01,140
1 अतिरिक्त प्रशासनिक निधि खाता 1108	1,26,751	22,32,317	हस्तगत डाक	46,599	60,412
योग	**59,82,72,597**	**68,87,59,987**	**योग**	**59,82,72,597**	**68,87,59,987**

ह./–
(निशांत सिन्हा)
वित्त अधिकारी

ह./–
(संदीप चटर्जी)
कुलसचिव

ह./–
(एन.वी. वर्गीज)
कुलपति

जीपीएफ तुलन पत्र

31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

(राशि ₹ में)

देयताएं	चालू वर्ष (2021–22)	विगत वर्ष (2020-21)	परिसंपत्तियां	चालू वर्ष (2021–22)	विगत वर्ष (2020-21)
जीपीएफ खाता			**निवेश**		15,51,05,136.00
अथशेष	14,31,65,961.17	13,00,29,187.17	**अथशेष**	15,51,05,136.00	
वर्ष में दौरान अंशदान	2,32,58,400.00	2,35,63,900.00	जमा: निवेश	9,57,77,163.49	
जमा: अर्जित ब्याज	95,15,395.00	94,23,166.00	घटाया: नकदीकरण	-8,75,14,903.00	
घटाया: अग्रिम/आहरण	-2,28,08,296.00	-1,98,50,292.00	**जमा शेष**	16,33,67,396.49	
जमा शेष	**15,31,31,460.17**	**14,31,65,961.17**			
			उपार्जित ब्याज		
सीपीएफ खाता			**अथशेष**	-	
अथशेष	34,80,462.00	31,42,976.00	घटाया: समायोजन	49,37,436.78	
घटाया: समायोजना	-11,98,494.00		जमा: वित्त वर्ष 2022 के दौरान अर्जित ब्याज	60,61,372.11	
जमा: वर्ष के दौरान अंशदान	4,57,120.00	2,40,000.00	घटाया: वित्त वर्ष 2021 के दौरान अर्जित ब्याज	-49,37,437.00	
जमा: ब्याज जमा	1,21,448.00	97,486.00	**जमा शेष**	**60,61,371.89**	
घटाया: अग्रिम/आहरण	-	-			
जमा शेष	28,60,536.00	34,80,462.00	बैंक में नकदी	1,20,68,832.91	1,07,36,203.17
विश्वविद्यालय योगदान			टीडीएस प्राप्य	1,13,124.30	
प्रारंभिक जमा	2,96,413.00	-			
जमा: समायोजन	11,98,494.00	-			
जमा: वर्ष के दौरान अंशदान	-	211320			
जोड़ें: ब्याज क्रेडिट	1,14,438.00	85,093.00			
घटाया: अग्रिम/आहरण	-				
जमा शेष	**16,09,345.00**	**2,96,413.00**			
ब्याज रिजर्व		1,88,98,503.00			
प्रारंभिक जमा	1,88,98,503.00				
घटाया: समायोजन	-1,03,396.22				
जमा: व्यय से अधिक आय	52,14,277.64				
जमा शेष	**2,40,09,384.42**				
	18,16,10,725.59	**16,58,41,339.17**		**18,16,10,725.59**	**16,58,41,339.17**

ह./–
(निशांत सिन्हा)
वित्त अधिकारी

ह./–
(संदीप चटर्जी)
कुलसचिव

ह./–
(एन.वी. वर्गीज)
कुलपति

प्राप्ति और भुगतान लेखा

जीपीएफ/सीपीएफ 31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

(राशि ₹ में)

प्राप्तियां	राशि	भुगतान	राशि
प्रारंभिक जमा	1,07,36,203.17	जीपीएफ आहरण	2,28,08,296.00
जीपीएफ अंशदान	2,37,15,520.00	निवेश	9,57,77,163.49
निवेश नकदीकरण	8,75,14,903.00	बैंक प्रभार	-
बचत पर ब्यात	3,24,283.00	टैक्स वसूली योग्य	1,13,124.30
निवेश पर ब्याज	84,76,507.53	समापन शेष	1,20,68,832.91
	13,07,67,416.70		**13,07,67,416.70**

ह./–
(निशांत सिन्हा)
वित्त अधिकारी

ह./–
(संदीप चटर्जी)
कुलसचिव

ह./–
(एन.वी. वर्गीज)
कुलपति

आय और व्यय लेखा

जीपीएफ/सीपीएफ 31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

(राशि ₹ में)

व्यय	चालू वर्ष (2021-22)	विगत वर्ष (2020-21)	आय	चालू वर्ष (2021-22)	विगत वर्ष (2020-21)
जमा ब्याज			निवेश पर अर्जित ब्याज	88,00,791	81,81,812
जीपीएफ खाता	95,15,395	94,23,166	जमा: मार्च 2022 को अर्जित ब्याज	60,61,372	49,37,437
सीपीएफ खाता			घटाया: मार्च 2021 के दौरान अर्जित ब्याज	-49,37,437	-30,42,833
कर्मचारी अंशदान	1,21,448	97,486	जमा: समायोजन	50,40,833	
विश्वविद्यालय अंशदान	1,14,438	85,093			
संस्थान अंशदान (सीपीएफ)	2,17,120	2,11,320	प्राप्त संस्थान अंशदान	2,17,120	2,11,320
व्यय से अधिक आय	52,14,278	4,70,671			
	1,51,82,679	**1,02,87,736**		**1,51,82,679**	**1,02,87,736**

ह./–
(निशांत सिन्हा)
वित्त अधिकारी

ह./–
(संदीप चटर्जी)
कुलसचिव

ह./–
(एन.वी. वर्गीज)
कुलपति

बैंक खातों में शेष राशि

31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

(राशि ₹ में)

क्र.सं.	बैंक खाते	चालू वर्ष 2021-22	विगत वर्ष (2020-21)
1	भारतीय स्टेट बैंक (10137881320) योजनेतर	2,62,64,051	2,54,250
2	केनरा बैंक (913920210001112) योजना	606	7,11,12,078
3	केनरा बैंक (91392010001092) परियोजना	5,00,000	11,93,37,176
4	केनरा बैंक (91392010001108) अतिरिक्त प्रशासनिक निधि	14,203	2,84,48,392
5	केनरा बैंक (91392015365) छात्रावास	4,18,111	4,06,203
6	केनरा बैंक खाता 25536	1,13,656	1,11,133
7	भारतीय स्टेट बैंक (34778757702) चालू खाता	31,261	31,910
	योग	**2,73,41,888**	**21,97,01,140**

गैर–सरकारी संगठनों को अनुदान की सूची

वर्ष 2021–22 के लिए

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	एनजीओ के नाम	जारी राशि
1	भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी	3,00,000
2	मॉलिक्यूलर वेलफेयर सोसाइटी, ग्वालियर	1,50,000
3	अलीगढ़ इतिहासकार समाज	1,50,000
4	आई.आई.एम, तमिलनाडु	1,50,000
	योग	**7,50,000**

अनुसूची–ग

निवेश का विस्तार

01.04.2021 से 31.03.2022 तक की अवधि के लिए

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	बैंक का नाम	एफडी सं.	जारी करने की तिथि	परिपक्वता तिथि	कुल राशि
1	पंजाब नेशनल बैंक	84175	12.10.2021	12.10.2022	1,14,85,146.00
2	केनरा बैंक	316100	29.06.2021	29.06.2022	73,83,877.00
3	सिंडिकेट बैंक	197821	31.03.2021	31.03.2024	55,16,367.37
4	सिंडिकेट बैंक	197811	31.03.2021	31.03.2024	44,17,300.69
5	सिंडिकेट बैंक	197828	31.03.2021	31.03.2024	77,17,024.72
6	सिंडिकेट बैंक	969781	31.03.2021	31.03.2024	38,54,486.47
7	पंजाब नेशनल बैंक	4151	25.02.2021	25.02.2022	1,13,24,921.00
8	सिंडिकेट बैंक	197860	31.03.2021	31.03.2024	98,86,929.89
9	सिंडिकेट बैंक	197861	31.03.2021	31.03.2024	98,86,929.89
10	सिंडिकेट बैंक	197862	31.03.2021	31.03.2024	98,86,929.89
11	केनरा बैंक	316099	23.06.2020	23.06.2021	73,83,877.00
12	सिंडिकेट बैंक	197895	20.05.2020	20.05.2021	68,81,886.00
13	केनरा बैंक	316101	29.06.2020	29.06.2021	73,83,877.00
14	सिंडिकेट बैंक	197964	14.08.2021	14.02.2024	23,81,510.00
15	सिंडिकेट बैंक	970252	09.09.2021	09.03.2024	89,26,371.00
16	एसबीआई विशेष जमा	812	27.06.1981	-	14,24,264.00
17	सिंडिकेट बैंक	868981	08.11.2021	08.11.2023	51,17,765.00
18	सिंडिकेट बैंक	868982	08.11.2021	08.11.2023	51,17,765.00
19	सिंडिकेट बैंक	869041	25.02.2022	25.02.2023	55,97,542.00
20	सिंडिकेट बैंक	869042	25.02.2022	25.02.2023	55,97,542.00
21	सिंडिकेट बैंक	869043	25.02.2022	25.02.2023	55,97,542.00
22	सिंडिकेट बैंक	869044	25.02.2022	25.02.2023	55,97,542.00
23	सिंडिकेट बैंक	869138	07.12.2020	07.12.2023	50,00,000.00
24	सिंडिकेट बैंक	869139	07.12.2020	07.12.2023	50,00,000.00
25	सिंडिकेट बैंक	869140	07.12.2020	07.12.2023	50,00,000.00
					16,33,67,396.00

वर्ष 01.04.2021 से 31.03.2022 के दौरान सावधि जमा नकदीकरण

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	बैंक का नाम	एफडी सं.	जारी करने की तिथि	परिपक्वता तिथि	कुल राशि
1	पंजाब नेशनल बैंक	84175	12.07.2020	12.10.2021	1,07,60,225.00
2	केनरा बैंक	316100	29.06.2020	29.06.2021	70,00,000.00
3	पंजाब नेशनल बैंक	4151	25.02.2021	25.02.2022	1,07,54,678.00
4	केनरा बैंक	316099	23.06.2020	23.06.2021	70,00,000.00
5	केनरा बैंक	197895	20.05.2020	20.05.2021	65,00,000.00
6	केनरा बैंक	316101	29.06.2020	29.06.2021	70,00,000.00
7	सिंडिकेट बैंक	197964	14.02.2019	14.08.2021	20,00,000.00
8	सिंडिकेट बैंक	970252	09.03.2019	09.09.2021	75,00,000.00
9	सिंडिकेट बैंक	868981	08.11.2019	08.11.2021	45,00,000.00
10	सिंडिकेट बैंक	868982	08.11.2019	08.11.2021	45,00,000.00
11	सिंडिकेट बैंक	869041	25.02.2021	25.02.2022	50,00,000.00
12	सिंडिकेट बैंक	869042	25.02.2021	25.02.2022	50,00,000.00
13	सिंडिकेट बैंक	869043	25.02.2021	25.02.2022	50,00,000.00
14	सिंडिकेट बैंक	869044	25.02.2021	25.02.2022	50,00,000.00
				कुल	**8,75,14,903.00**

वर्ष 2021–22 के दौरान किये गये निवेश

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	बैंक का नाम	एफडी सं.	जारी करने की तिथि	परिपक्वता तिथि	कुल राशि
1	पंजाब नेशनल बैंक	84175	12.10.2021	12.01.2023	1,14,85,146.00
2	केनरा बैंक	316100	23.06.2021	23.06.2022	73,83,877.00
3	पंजाब नेशनल बैंक	4151	25.02.2021	25.02.2022	1,13,24,921.00
4	केनरा बैंक	316099	23.06.2021	23.06.2022	73,83,877.00
5	केनरा बैंक	197895	20.05.2021	20.05.2022	68,81,886.00
6	केनरा बैंक	316101	23.06.2021	23.06.2022	73,83,877.00
7	सिंडिकेट बैंक	197964	14.08.2021	14.02.2022	23,81,510.00
8	सिंडिकेट बैंक	970252	09.09.2021	09.03.2024	89,26,371.00
9	सिंडिकेट बैंक	868981	08.11.2021	08.11.2023	51,17,765.00
10	सिंडिकेट बैंक	868982	08.11.2021	08.11.2023	51,17,765.00
11	सिंडिकेट बैंक	869041	25.02.2022	25.02.2023	55,97,542.00
12	सिंडिकेट बैंक	869042	25.02.2022	25.02.2023	55,97,542.00
13	सिंडिकेट बैंक	869043	25.02.2022	25.02.2023	55,97,542.00
14	सिंडिकेट बैंक	869044	25.02.2022	25.02.2023	55,97,542.00
				कुल	**9,57,77,163.00**

वर्ष 2021–22 के निवेश विवरण

(राशि ₹ में)

अथ शेष	15,51,05,136.00
वर्ष के दौरान किये गये निवेश	**9,57,77,163.00**
कुल निवेश	25,08,82,299.00
वर्श के दौरान किये गये नकदीकरण	**8,75,14,903.00**
शुद्ध निवेश (अंत शेष)	**16,33,67,396.00**

पूर्व–लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र 2021-22

HRD AND COMPANY
CHARTERED ACCOUNTANTS

प्रति,
वित अधिकारी
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा)
17-बी, शहीद जीत सिंह मार्ग, एनसीईआरटी परिसर, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110067

27 जुलाई 2022

विषय: वितीय वर्ष 2021-22 के लिए वित पर पूर्व-लेखापरीक्षा टिप्पणियां

प्रिय
महोदय/महोदया

हमने अपनी वृतिक क्षमताओं के भीतर राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) के वित का पूर्व-लेखापरीक्षा किया है और लेखापरीक्षा के दौरान, हमने कुछ विसंगतियां देखीं।

इस तरह की विसंगतियों पर रिपोर्ट आपके उचित विचार और कार्रवाई के लिए इस पत्र के भाग के रूप में संलग्न है।

आपसे अनुरोध है कि इस मामले पर ध्यान दें और रिपोर्ट का संज्ञान लें।

धन्यवाद!

एच.आर.डी एण्ड कंपनी के
लिए सनदी लेखाकार

Divya Chugh
Partner

H.R.D AND COMPANY * CHARTERED ACCOUNTANTS * NOIDA

सहभागी
M No. 544602
FRN:031193N

दिल्ली (कॉर्पोरेट कार्यालय) ए 2, गुरुनानकपुरा, स्ट्रीट नंबर 3, लक्ष्मी नगर, दिल्ली 1 1 0 092
नोएडा (द्वितीय कार्यालय) 323, टॉवर सी, नोएडा वन, सेक्टर 62, नोएडा, उत्तर प्रदेश 201 309
ई-मेल info@hrdco.in वेबसाईट www.hrdco.in

अनुलग्नक

1. जीएसटी व्यवस्था में, जिन व्यवसायों का कारोबार 40 लाख रुपये से अधिक है। (पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों के लिए 10 लाख रुपये) सामान्य कर योग्य व्यक्ति के रूप में पंजीकरण करने के लिए उन्हें आवश्यकता होती है।

   नीपा विभिन्न सेवाएं प्रदान कर रहा है जो जीएसटी के पूर्वावलोकन के अंतर्गत आती हैं। इसलिए, नीपा जीएसटी पंजीकरण प्राप्त करने और संबंधित अनुपालनों का पालन करने के लिए उत्तरदायी है।

   जीएसटी सीमा के लिए मानी जाने वाली कुछ आय:
   - छात्रावास का कमरा किराया
   - रॉयल्टी से आय
   - अनुपयोगी वस्तुओं की बिक्री
   - निविदा प्रपत्रों की बिक्री
   - प्रकाशनों की बिक्री
   - विवरणिका की बिक्री
   - बैंक खातों से ब्याज
   - विभिन्न परियोजनाओं से प्राप्त संस्थागत प्रभार।

2. संगठन लेखांकन नीतियों के एक भी सेट का पालन नहीं कर रहा है। यह देखा गया कि संगठन दोनों के मिश्रण का उपयोग कर रहा है, अर्थात, प्रोद्भवन आधार और लेखांकन के नकद आधार।

3. नमूना जांच के दौरान, वित्त पोषित परियोजनाओं में कई संख्याओ में डेबिट शेष देखा गया था जिसे बाद में वित्तीय रिपोर्टिंग के उद्देश्य से अन्य परियोजना के साथ विलय कर दिया गया था।

4. सीपीडब्ल्यूडी को दिया गया अग्रिम सीपीडब्ल्यूडी की शेष राशि से मेल नहीं खाता।

5. ट्रेसेस (Traces) पर, पिछले कुछ वर्षों के लिए टी.डी.एस. चूक के संबंध में मांग इस प्रकार है। यह अच्छे अनुपालन इतिहास का संकेतक नहीं है और भविष्य में इसके प्रतिकूल परिणाम हो सकते हैं। अत: इन चूकों को अच्छा बनाने के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए।

6. लेखापरीक्षा के दौरान हमने पहचाना है कि निम्नलिखित शेष राशि का समाधान नहीं किया गया है, और समाधान अभी भी लंबित है:

बकाया देयताएं	राशि
ठेकेदार-परियोजना से आयकर	26975
ठेकेदार से आय कर- आवर्ती	-138501
जीएसटी पर टीडीएस	20382
जीपीएफ सदस्यता (प्रतिनियुक्ति)	20000
जीपीएफ सदस्यता और वसूली	-217120
सामूहिक बीमा योजना	34360
एलआईसी	-5674
नई पेंशन योजना की वसूली	154917
निधियों के बीच स्थानांतरण- गैर-आवर्ती	4000
निधियों के बीच स्थानांतरण- परियोजना खाता	90000
	-10661

लेखा परीक्षा रिपोर्ट

लेखापरीक्षा रिपोर्ट

31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली के लेखे पर नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट

1. हमने राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), के 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखाओं, प्राप्ति और भुगतान लेखाओं की नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, अधिकार और सेवा शर्तों) के अधिनियम 1971 की धारा 20(1) के अधीन संलग्न तुलन–पत्र की लेखापरीक्षा कर ली है। हमें वर्ष 2025–26 की अवधि तक की लेखा परीक्षा का कार्य सौंपा गया है। इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने की जिम्मेदारी नीपा के प्रबंधन की है। हमारी जिम्मेदारी इन वित्तीय विवरणों पर लेखापरीक्षा के आधार पर अपने विचार व्यक्त करने की है।

2. इस पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट में वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखाकरण के व्यवहार्य से एकरूपता, लेखाकरण के मानदंडों और पारदर्शिता के मानकों इत्यादि के संबंध में लेखाकरण व्यवहार पर नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां शामिल हैं। पृथक निरीक्षण रिपोर्टों/नि.म.ले. की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के द्वारा आवश्यकतानुसार विधि, नियमों और विनियमों (स्वामित्व और नियामक) के अनुपालन और वित्तीय संचालन और कार्य निष्पादन सहित कार्यदक्षता संबंधी पक्षों इत्यादि पर लेखा परीक्षा की टिप्पणियां प्रस्तुत की जाती है।

3. हमने आमतौर पर भारत में स्वीकृत लेखापरीक्षा के मानदंडों के अनुसार अपनी लेखा परीक्षा की है। इन मानकों में अपेक्षित है कि वित्तीय विवरणों के अधिक यथार्थ विवरणों से युक्त होने के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए हम योजना तथा लेखा परीक्षा का निष्पादन करें। लेखा परीक्षा में, परीक्षण के आधार पर वित्तीय विवरणों की राशि तथा प्रकटीकरण के साक्ष्यों का लेखा परीक्षण होता है। लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखाकरण के सिद्धांतों, महत्वपूर्ण आकलनों की समीक्षा के साथ–साथ प्रस्तुत किए गए संपूर्ण वित्तीय विवरणों का मूल्यांकन शामिल है। हमें विश्वास है कि लेखापरीक्षा हमारे विचारों को उचित आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर प्रतिवेदन करते हैं कि–

   (i) हमने लेखापरीक्षा उद्देश्य के लिए हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार समस्त सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं।

   (ii) तुलन–पत्र और आय एवं व्यय लेखे/प्राप्तियां एवं भुगतान लेखे शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रपत्र में सही प्रकार से तैयार किए गए हैं, जो कि रिपोर्ट में अवलोकन के अधीन है।

   (iii) हमारी राय के अनुसार राष्ट्रीय शैक्षिक

योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) द्वारा समुचित रूप से लेखा पुस्तिकाओं और संबंधित दस्तावेजों का रखरखाव किया है जो कि ऐसी पुस्तिकाओं की जांच से पता चलता है।

अ. तुलन पत्र

अ.1 देयताएं

अ.1.1 वर्तमान देयताएं और प्रावधान (अनुसूची–2) रु. 147.91 करोड़

उपरोक्त में रु. 0.17 करोड़ का अप्रयुक्त सहायता अनुदान शामिल है। जबकि 31 मार्च 2022 तक अप्रयुक्त अनुदान सहायता 5.03 करोड़ रू. है।

यह विसंगति वर्ष 2016–17, 2017–18 एवं 2018–19 के वार्षिक लेखों में राजस्व व्यय हेतु प्रयुक्त अनुदान के गलत लेखांकन के कारण है, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:–

राशि (करोड़ में)

वित्तीय वर्ष	लेखाओं के अनुसार राजस्व व्यय के लिए उपयोग किया गया अनुदान	लेखापरीक्षा के अनुसार राजस्व व्यय के लिए उपयोग किया गया अनुदान	अंतर
2016–17	18.16	17.21	0.95
2017–18	29.21	27.33	1.88
2018–19	36.45	34.41	2.04
कुल अंतर			**4.86**

यह संबंधित वर्ष के लेखा प्रतिवेदन और बाद के प्रतिवेदनों में भी इंगित किया गया था। हालाँकि, 2016–17, 2017–18 और 2018–19 के खातों में पाई गई विसंगति का सुधार बाद के वर्षों (अर्थात 2019–20, 2020–21 और 2021–22) में नहीं किया गया है, सहायता अनुदान की प्रारंभिक शेष राशि के साथ–साथ वर्ष 2021–22 के सहायता अनुदान के खातों में अंतिम शेष को 4.86 करोड़ रुपये से कम करके दिखाया गया है। परिणामस्वरूप चालू देयताओं और प्रावधान को कम करके और पूंजीगत निधि को 4.86 करोड़ रुपये से अधिक दिखाया गया है।

अ.2 संपत्ति

अ.2.1 ऋण, अग्रिम और जमा (अनुसूची 5)–रू. 8.68 करोड़

(i) उपरोक्त में रु. 7.44 करोड़ के पूंजी खाते पर अग्रिम शामिल है। जबकि नीपा द्वारा सीपीडब्ल्यूडी को दिए गए अग्रिम विवरण के अनुसार यह राशि रु. 8.47 करोड़ है। 2019–20 के बाद से दो सेटों के आंकड़ों के बीच इस अंतर का समाधान नहीं किया गया।

(ii) उपरोक्त में आयकर विभाग से वसूली योग्य 162.11 लाख रुपये का टीडीएस शामिल नहीं है, जिसके परिणाम स्वरूप ऋण अग्रिम जमा और पूंजी कोष की जमाराशियां रु. 162.11 लाख नहीं दिखाया है। इसे वर्ष 2015–16 से संज्ञान में लाया गया परन्तु कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई।

ब. सामान्य

ब.1. महत्वपूर्ण लेखांकन नीति 3.3 के अनुसार अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास उसमें निर्दिष्ट दरों पर सीधी रेखा पद्धति पर प्रदान किया जाना चाहिए, लेकिन मूल्यह्रास को पिछले वर्ष की अंतिम तिथि को अचल संपत्तियों के सकल मूल्य के बजाय शुद्ध मूल्य पर प्रभारित किया गया है।

इसके अलावा, लेखा नीति संख्या 3.5 के अनुसार, वर्ष के दौरान पूरे वर्ष के लिए मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है, लेकिन आयकर अधिनियम 1961 (180 दिन से अधिक/180 दिनों से कम) के अनुसार मूल्यह्रास को जोड़ा गया है।

लेखाओं को तैयार करने में प्रकट लेखा नीति को नहीं अपनाया गया है। वर्ष 2020–21 की रिपोर्ट में भी इसका उल्लेख भी गया था लेकिन कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

ब.2. खातों की अनुसूची 7 और अनुसूची 2(ब) में सहायता अनुदान की प्रारंभिक शेष राशि और समापन शेष को क्रमशः रु. 5.00 करोड़ और रु. 0.17 करोड़ के रूप में दिखाया गया है, जबकि प्रारंभिक शेष और समापन शेष के सही आंकड़े क्रमशः रु. 9.85 करोड़ और रु. 5.03 करोड़ है।

अतः खातों की अनुसूची 7 और अनुसूची 2(ब) में सुधार की आवश्यकता है।

द. सहायता अनुदान

नीपा को 2021–22 के दौरान 29.87 करोड़ रुपये का सहायता अनुदान प्राप्त हुआ, जिसमें से 2.65 करोड़ रुपये मार्च 2022 में प्राप्त हुए। 1 अप्रैल 2021 को (पिछले वर्ष के लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार) इसमें 9.85 करोड़ रुपये का प्रारंभिक शेष था। 39.72 करोड़ रुपये के कुल कोष में से, इसने 31 मार्च 2022 तक 34.69 करोड़ रुपये (1.35 करोड़ रुपये की पूंजी और 33.34 करोड़ रुपये का राजस्व) का उपयोग किया, जिसमें 5.03 करोड़ रुपये शेष थे।

नीपा ने वर्ष के दौरान शिक्षा मंत्रालय से विशिष्ट परियोजनाओं के लिए रुपये 2.19 करोड़ का अनुदान भी प्राप्त किया और इन परियोजनाओं में 6.69 करोड़ रुपये की प्रारंभिक शेष राशि थी। कुल रुपये 8.88 करोड़ में से वर्ष के दौरान रुपये 4.51 करोड़ का व्यय नीपा द्वारा किया गया था और 31 मार्च 2022 तक रु. 4.37 करोड़ शेष थे।

य. प्रबंधन पत्र

लेखा से संबंधित जो कमियां लेखा परीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं की गई हैं, उनमें सुधारात्मक कार्रवाई हेतु पृथक रूप से प्रबंधन पत्र के माध्यम से कुलपति, नीपा के संज्ञान में लाया गया है।

(v) पिछले अनुच्छेदों में टिप्पणी के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि इस लेखा रिपोर्ट में तुलन–पत्र तथा आय एवं व्यय/प्राप्तियां तथा भुगतान लेखा के विवरण लेखा पुस्तिका के अनुरूप है।

(vi) हमारे विचार से और हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार कथित वित्तीय विवरण जो लेखाकरण की महत्वपूर्ण नीतियां और लेखों पर टिप्पणियां के अधीन माने गये हैं, उपर्युक्त महत्वपूर्ण विवरणों तथा इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट में अनुलग्नक भाग–I में प्रस्तुत अन्य दूसरी सामग्री के संदर्भ में आमतौर पर भारत में स्वीकृत लेखाकरण के सिद्धांतों के अनुसार सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं:

(अ) जहाँ तक यह 31 मार्च 2022 को राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान के तुलन पत्र की स्थिति से संबंधित हैं : तथा

(ब) जहाँ तक यह इसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए घाटे के आय तथा व्यय लेखे से संबंधित हैं।

भारत के नियंत्रक तथा महानिदेशक, लेखापरीक्षा की ओर से और कृते

ह./–
महानिदेशक, लेखापरीक्षा
(गृह, शिक्षा एवं कौशल विकास)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांकः 07.10.2022

नोट : "प्रस्तुत प्रतिवेदन मूलरूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।"

1. आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

नीपा की आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली पर्याप्त नहीं है क्योंकि:

- नीपा में अलग से कोई आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग नहीं है। न ही आंतरिक लेखा परीक्षण मंत्रालय द्वारा किया जाता है।
- नीपा में कोई आंतरिक लेखा परीक्षा नियमावली नहीं है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

नीपा की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली को निम्नांकित क्षेत्रों में सुदृढ़ करने की आवश्यकता है:

- 31 मार्च 2022 तक 2000–01 से 2011–12 की अवधि के दौरान 33 बाह्य लेखा परीक्षा पैरा के उत्तर प्राप्त नहीं हुए।
- वर्ष 2020–21 और 2021–22 के लिए सीपीडब्ल्यूडी द्वारा किए गए व्यय का विवरण नीपा के पास उपलब्ध न होना।

3. अचल संपत्तियों का भौतिक निरीक्षण

- फर्नीचर और फिक्सचर को छोड़कर अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन अगस्त 2021 तक किया जा चुका है।
- फर्नीचर और फिक्स्चर का भौतिक सत्यापन केवल 31.03.2013 तक किया गया था।
- पुस्तकों और प्रकाशनों का भौतिक सत्यापन 2021–22 तक पूरा कर लिया गया है।

4. वस्तुसूची का भौतिक सत्यापन

स्टेशनरी, तथा उपभोग वस्तुओं का भौतिक सत्यापन 2020–21 तक कर लिया गया है।

5. सांविधिक भुगतान में नियमितता

लेखा के अनुसार, दिनांक 31 मार्च 2022 तक पिछले छः महीने से कोई भी सांविधिक देयता का भुगतान बाकी नहीं था।

प्रबंधन पत्र के सन्दर्भ में अनुलग्नक

भाग–अ (लगातार अनियमितता)

1. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान (अनुसूची–2) रुपये 147.91 करोड़

उपरोक्त में 0.17 करोड़ रूपये का अप्रयुक्त सहायता अनुदान राशि शामिल है, जबकि 31 मार्च 2022 के दौरान अप्रयुक्त सहायता अनुदान 5.03 करोड़ रूपये था।

यह विसंगति वर्ष 2016–17, 2017–18 एवं 2018–19 के वार्षिक लेखों में राजस्व व्यय हेतु प्रयुक्त अनुदान के गलत लेखांकन के कारण है, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:–

राशि (करोड़ में)

वित्तीय वर्ष	लेखाओं के अनुसार राजस्व व्यय के लिए उपयोग किया गया अनुदान	लेखापरीक्षा के अनुसार राजस्व व्यय के लिए उपयोग किया गया अनुदान	अंतर
2016–17	18.16	17.21	0.95
2017–18	29.21	27.33	1.88
2018–19	36.45	34.41	2.04
कुल अंतर			**4.86**

यह संबंधित वर्ष के लेखा प्रतिवेदन और बाद के प्रतिवेदनों में भी इंगित किया गया था। हालाँकि, 2016–17, 2017–18 और 2018–19 के खातों में पाई गई विसंगति का सुधार बाद के वर्षों (अर्थात 2019–20, 2020–21 और 2021–22) में नहीं किया गया है, सहायता अनुदान की प्रारंभिक शेष राशि के साथ–साथ वर्ष 2021–22 के सहायता अनुदान के खातों में अंतिम शेष को 4.86 करोड़ रुपये से कम करके दिखाया गया है। परिणामस्वरूप चालू देयताओं और प्रावधान को कम करके और पूंजीगत निधि को 4.86 करोड़ रुपये से अधिक दिखाया गया है। (पृथक लेखापरीक्षा की टिप्पणी संख्या अ.1.1)

2. ऋण, अग्रिम और जमा (अनुसूची 5)–रू. 8.68 करोड़

(i) उपरोक्त में रु. 7.44 करोड़ के पूंजी खाते पर अग्रिम शामिल है। जबकि नीपा द्वारा सीपीडब्ल्यूडी को दिए गए अग्रिम विवरण के अनुसार यह राशि रु. 8.47 करोड़ है। 2019–20 के बाद आंकड़ों के बीच इस अंतर का समाधान नहीं किया गया। (पृथक लेखापरीक्षा की टिप्पणी संख्या अ.2.2(i))

(ii) उपरोक्त में आयकर विभाग से वसूली योग्य 162.11 लाख रुपये का टीडीएस शामिल नहीं है, जिसके परिणाम स्वरूप ऋण, अग्रिम और पूंजी कोष की जमाराशियां रु. 162.11 लाख नहीं दिखाया है। इसे वर्ष 2015–16 से संज्ञान में लाया गया परन्तु नीपा द्वारा कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई। (पृथक लेखापरीक्षा की टिप्पणी संख्या अ.2.2(ii))

3. महत्वपूर्ण लेखांकन नीति 3.3 के अनुसार अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास उसमें निर्दिष्ट दरों पर सीधी रेखा पद्धति पर प्रदान किया जाना चाहिए, लेकिन मूल्यह्रास को पिछले वर्ष की अंतिम तिथि को अचल संपत्तियों के सकल मूल्य के बजाय शुद्ध मूल्य पर प्रभारित किया गया है।

इसके अलावा, लेखा नीति संख्या 3.5 के अनुसार, वर्ष के दौरान पूरे वर्ष के लिए मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है, लेकिन आयकर अधिनियम 1961 (180 दिन से अधिक/180 दिनों से कम) के अनुसार मूल्यह्रास को जोड़ा गया है।

लेखाओं को तैयार करने में प्रकट लेखा नीति को नहीं अपनाया गया है। वर्ष 2021–22 की रिपोर्ट में भी इसका उल्लेख भी गया था लेकिन कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है। (पृथक लेखापरीक्षा की टिप्पणी संख्या ब.1)

4 खातों की अनुसूची 7 और अनुसूची 2(ब) में सहायता अनुदान की प्रारंभिक शेष राशि और समापन शेष को क्रमशः रु. 5.00 करोड़ और रु. 0.17 करोड़ के रूप में दिखाया गया है, जबकि प्रारंभिक शेष और समापन शेष के सही आंकड़े क्रमशः रु. 9.85 करोड़ और रु. 5.03 करोड़ है। अतः खातों की अनुसूची 7 और अनुसूची 2(ब) में सुधार की आवश्यकता है। इसे वर्ष 2019–20 से इंगित किया जा रहा है परन्तु कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है। (पृथक लेखापरीक्षा की टिप्पणी संख्या ब.2)

भाग–ब (अन्य अनियमितता)

1. सामान्य वित्तीय नियम 2017 के उपनियम 230(8) के प्रावधानों के अनुसार, किसी भी अनुदान प्राप्तकर्ता संस्थानों को जारी सहायता अनुदान के ब्याज या अन्य आय को खातों में अंतिम रूप देने के तुरंत बाद भारत की संचित निधि में अनिवार्य रूप से जमा किया जाना चाहिए। तथापि, सहायता अनुदान पर रु. 3.01 लाख की ब्याज आय न तो मंत्रालय को वापस की गई और न ही इसके लिए दायित्व सृजित किया गया। इसके परिणामस्वरूप वर्तमान देनदारियों और प्रावधानों को कम करके और पूंजीगत निधि को 3.01 लाख रुपये से अधिक बताया गया है।

2. वर्ष 2021–22 के दौरान एंबेसडर कार सं. डीएल–3सीएजे–9571 का निपटान किया गया है लेकिन उसके बुक वैल्यू को उपरोक्त अनुसूची से हटाया नहीं गया है। इसके परिणामस्वरूप अचल संपत्तियों का और पूंजीगत निधि का अधिक विवरण हुआ। 31.03.2022 को कार की बुक वैल्यू नहीं दी गई थी।

3. **अर्जित ब्याज (अनुसूची 8)–रु. 1.52 लाख**

उपरोक्त में गैर–आवर्ती खाते पर अर्जित ब्याज रु. 0.08 लाख शामिल है जबकि खाता बही के अनुसार यह राशि रु. 3.00 लाख है। उसके परिणामस्वरूप ब्याज से आय और चालू परिसंपत्तियों को रु. 2.92 लाख कम करके दिखाया गया है।

4. **सामान्य भविष्य निधि/अंशदायी भविष्य निधि खातों की तुलन–पत्र उपार्जित ब्याज – रु. 60.62 लाख**

उपर्युक्त में सा.भ.नि. के निवेश पर रु. 59.30 लाख की राशि का उपार्जित ब्याज शामिल है जबकि (अनुलग्नक X) अर्जित ब्याज रु. 60.74 लाख है। इसके परिणामस्वरूप आरक्षित उपार्जित ब्याज में रु. 1.44 लाख कम बताए गए हैं।

इसमें एसबीआई विशेष जमा पर अर्जित ब्याज 1.32 लाख रुपये शामिल है जबकि बैंक ब्याज प्रमाण पत्र के अनुसार ब्याज 0.25 लाख रुपये आता है। परिणामस्वरूप ब्याज आरक्षित और उपार्जित ब्याज को रु.1.07 लाख से अधिक बताया गया।

5. नीपा ने बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार अपने कर्मचारियों (एनपीएस ग्राहकों सहित) की ग्रेच्युटी के लिए 7.43 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। शिक्षा मंत्रालय के निर्देश दिनांक 27 जनवरी 2022 के अनुसार, सीसीएस (पेंशन) नियम 1972 के तहत स्वायत्त निकायों के कर्मचारियों को ग्रेच्युटी का भुगतान स्वीकार्य नहीं है। हालांकि, ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम 1972 को स्वायत्त निकायों पर लागू किया जा सकता है। इसके अलावा शिक्षा मंत्रालय द्वारा सूचना के अनुसार ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम 1972 के तहत स्वायत्त निकायों को अधिसूचित करने की प्रक्रिया चल रही है। इस तथ्य को लेखा टिप्पणी में प्रकट करने की आवश्यकता है।

6. वर्तमान देयताएं और प्रावधान (अनुसूची 2) – रु.147.91 करोड़

उपरोक्त में प्रायोजित परियोजनाओं की शेष राशि पर अर्जित ब्याज के कारण रू. 325.23 लाख की देयता शामिल है, जिसे न तो प्रायोजक प्राधिकारी को वापस किया गया है और न ही इसे समाप्त करने के लिए कोई कार्रवाई की गई है। प्रायोजक प्राधिकारी को ब्याज राशि वापस करके देयता को समाप्त करने के लिए कार्रवाई की जानी चाहिए, जैसा भी मामला हो।

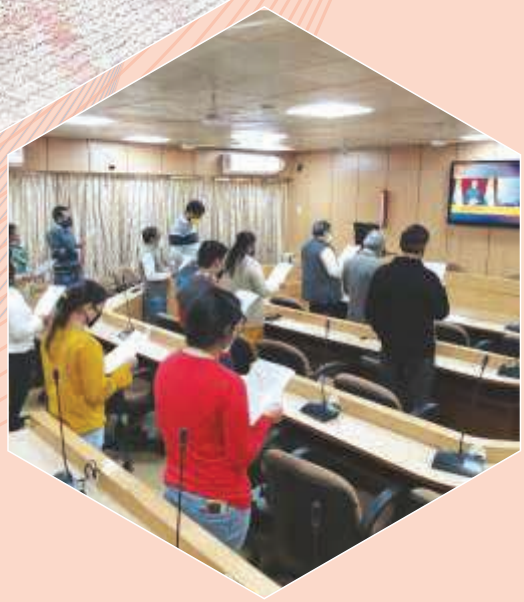

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

17–बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली–110 016 (भारत)

दूरभाष : 91-011-26544800, 26565600

ई-मेल : niepa@niepa.ac.in

वेबसाइट : www.niepa.ac.in